ACCREDITED WITH GRADE A++ NAAC

Category-I University

2022-2023

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

14वां वार्षिक प्रतिवेदन

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

14 वाँ वार्षिक प्रतिवेदन

2022-23

कुलाध्यक्ष

भारत के राष्ट्रपति

महामहिम श्रीमती द्रोपदी मुर्मु

कुलाधिपति

डॉ. के. कस्तूरीरंगन

कुलपति

प्रो. आनंद भालेराव

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

वार्षिक प्रतिवेदन 2022-23

Category 1 University

विषय-सूची

क्रम सं.	नाम	पृष्ठ सं.
1.	कुलपति की कलम से	1–2
2.	दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य	3–4
3.	विश्वविद्यालय : एक नज़र में	5–18
4.	अकादमिक सूचना	19–36
5.	मूलभूत सुविधाएं	37–44
6.	विद्यार्थी सहायता प्रणाली	45–49
7.	कार्यक्रम	50–64
8.	विस्तार गतिविधियाँ	65–79
9.	स्कूल एवं विभाग	80–174
10.	संकाय : अकादमिक प्रयास	175–239
11.	संकाय सदस्यों के प्रकाशन	240–298
12.	बाह्य निधि परियोजनाएँ	299–302
13.	शोध-प्रबंध एवं शोध-निबंध	303–321
14.	विद्यार्थियों के नियोजन एवं उपलब्धियों	322–325
15.	लैंगिक लेखा परीक्षा	326–339
16.	विश्वविद्यालय के प्राधिकारी	340–346
17.	संकाय सदस्यों/अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची	347–361

कुलपति की कलम से

सत्र 2022-23 के दौरान राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का नेतृत्व करना मेरे लिए वास्तव में गर्व और संतुष्टि की बात है। चूंकि यह लेखा-जोखा हमारे सामूहिक प्रयासों का प्रत्यक्ष प्रतिबिंब है, इसलिए मुझे 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है।

अपनी स्थापना के बाद से, विश्वविद्यालय ने लगातार राजस्थान के हृदय क्षेत्र में शिक्षा और अनुसंधान का प्रकाश फैलाया है। बेशक, शिक्षण संस्थानों और केंद्रों के बीच इसकी अग्रिम पंक्ति की स्थिति इसका जीवंत प्रमाण है। समीक्षाधीन वर्ष में सभी क्षेत्रों - शैक्षणिक से लेकर ज्ञान-मीमांसा तक, और विश्वविद्यालय में विकसित हुए संपूर्ण शिक्षण-अध्ययन पारिस्थितिकी तंत्र तक में परिवर्तन देखा गया है।

विश्वविद्यालय में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों का विविधीकरण व्यापक रहा है, जिसमें होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी के साथ-साथ चिकित्सा विज्ञान जैसे नए शुरू किए गए कार्यक्रम भी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, शैक्षणिक गतिविधियों की श्रृंखला को और समृद्ध करने के लिए साइबर सुरक्षा कानून, योग और चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी जैसे कई नए प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।

प्रत्येक छात्र को राष्ट्र की धरोहर के रूप में परिवर्तित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने सभी कार्यक्रमों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के साथ जोड़ दिया है और उन्हें तदनुसार पूरी तरह से चालू कर दिया है। इस पहल के हिस्से के रूप में, एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट के साथ सीखने का अनुभव अब निर्बाध और परेशानी मुक्त है, पारंपरिक शिक्षण अनुभव को स्वयम और कौरसेरा, ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ओडीएल) जैसे प्लेटफार्मों के ऑनलाइन मॉड्यूल के साथ जोड़ा गया है, जो शैक्षणिक विभाजन को पाटने की राह पर हैं।

जबकि कोविड के बाद के युग में अक्सर यह कहा जाता है कि संस्थान अब भौतिक संरचनाओं तक ही सीमित नहीं हैं, बुनियादी ढांचे के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता है। इस संबंध में, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि विश्वविद्यालय को अपनी नवनिर्मित सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा, कर्मचारी आवास और योग एवं खेल विज्ञान स्कूल के लिए नया शैक्षणिक भवन प्राप्त हुआ है, जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा किया गया।

इसके अतिरिक्त, भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने (वस्तुतः) तीन और भवनों की आधारशिला रखी है: केंद्रीय पुस्तकालय, छात्रों के लिए भोजन सुविधा और एक छात्रावास भवन, जो शीघ्र ही विश्वविद्यालय के परिदृश्य में आएगा।

अनुसंधान में विश्वविद्यालय का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है, जैसा कि इस तथ्य से पता चलता है कि विश्वविद्यालय के पांच प्रोफेसरों को एक बार फिर दुनिया भर के शीर्ष **2%** वैज्ञानिकों में मान्यता मिली है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान, लगभग 6.5 करोड़ रुपये की कुल 24 अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी दी गई और 35.75 करोड़ रुपये की कुल 74 परियोजनाएं चल रही थीं, जिनमें यूजीसी, सीएसआईआर, आईसीएमआर, डीएसटी, एफआईएसटी जैसी अन्य कई प्रमुख फंडिंग एजेंसियों से अनुदान शामिल था।

एक और उल्लेखनीय तथ्य यह है कि विश्वविद्यालय के संकाय ने इस वर्ष के दौरान लगभग 380 शोध पत्र प्रकाशित करके ज्ञान-निर्माण में योगदान देना जारी रखा है, जिसमें रिपोर्टिंग अवधि के दौरान दो पेटेंट दिए गए हैं।

सफलता और उपलब्धि की यह श्रृंखला हमारे विद्यार्थियों तक भी विस्तृत हुई है। हमारे अनेक विद्यार्थियों ने पश्चिमी क्षेत्र सहित विभिन्न स्तरों पर खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अपने 5000 से

अधिक पूर्व छात्रों के साथ सफलतापूर्वक जुड़ा है और एलुमनी मीट 2022 में उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले पूर्व छात्रों की मेजबानी की और उन्हें सम्मानित किया।

उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय ने नवंबर 2022 में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की प्रेरक उपस्थिति में अपना छठा दीक्षांत समारोह आयोजित किया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण था, जिसकी विशेषता भव्यता और सुंदरता थी।

इसके अलावा, विश्वविद्यालय को केंद्रीय संस्कृतिक मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी की मेजबानी करने का सम्मान प्राप्त हुआ, जिन्होंने अपने सामुदायिक जुड़ाव और स्थानीय समुदाय के प्रति प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में विश्वविद्यालय की सहकार पहल का उद्घाटन किया।

मई 2023 में, विश्वविद्यालय ने NAAC मूल्यांकन के दूसरे चक्र को सफलतापूर्वक पूरा किया, और मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि विश्वविद्यालय को 3.54 CGPA के साथ A++ ग्रेड प्राप्त हुआ। लगभग इसी के अनुरूप, विश्वविद्यालय को श्रेणी I विश्वविद्यालय के रूप में भी मान्यता दी गई है। इसलिए, यह हम सभी के लिए प्रेरणादायक वर्ष रहा है।

हालाँकि, यह वह सब नहीं है जिसकी हमने कल्पना की है। अभी और भी ऊंचाइयों को छूना बाकी हैं, और अभी और भी विचारों को साकार किया जाना बाकी है। गर्व के साथ (लेकिन आत्मसंतुष्टि नहीं), मैं सभी शिक्षकों, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों और छात्रों से आग्रह करता हूँ कि वे हमारे राष्ट्र को मजबूत, बेहतर-सुसज्जित, अधिक ज्ञान-समृद्ध और तकनीकी रूप से उन्नत बनाने के लिए ईमानदारी से योगदान दें।

अंत में, मैं शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी को उनके बहुमूल्य समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूँ। मैं कुलाधिपति डॉ. के. कस्तूरीरंगन के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन के लिए उनका बहुत आभारी हूँ। मैं विश्वविद्यालय के प्रशासन और शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन में बहुमूल्य समर्थन के लिए कार्यकारी परिषद, अकादमिक परिषद और अन्य समितियों के सदस्यों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त करता हूँ।

मैं संपादकीय टीम द्वारा किए गए काम की सराहना भी करता हूँ। उनका त्रुटिहीन कार्य प्रतिवेदन के अंतिम रूप में प्रदर्शित होता है।

जय हिंद**!!**

प्रो. आनंद भालेराव
कुलपित
राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

दृष्टिकोण, मिशन, लक्ष्य, उद्देश्य एवं गुणवत्ता वक्तव्य

दृष्टिकोण

शिक्षा, नवाचार और प्रदर्शनकारी सामाजिक परिवर्तन में उत्कृष्टता के माध्यम से सतत विकास।

मिशन

- एक समावेशी वातावरण तैयार करना और उसे बनाए रखना, जो विद्यार्थियों को बौद्धिक रूप से चुनौतीपूर्ण, सामाजिक रूप से आकर्षक और परिवर्तनकारी अध्ययन का अनुभव प्राप्त करने हेतु प्रेरित करता हो।
- अनुसंधान और नवाचार के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना जिसमें वैश्विक चिंताओं के लिए स्थायी समाधान प्रदान करने हेतु व्यक्तिगत क्षमता का उपयोग किया जा सके।
- मूल्य-आधारित समग्र शिक्षा प्रदान करना और लचीला तथा कुशल मानव संसाधन विकसित करना जो राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सके।

लक्ष्य

- सुगम तथा वहनीय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना ताकि छात्रों में व्यावसायिक कौशलों, नैतिक सिद्धांतों तथा वैश्विक दृष्टिकोणों का विकास हो सके।
- मूलभूत तथा क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान कर संकायो तथा छात्रों को शोध की सुविधा प्रदान करना।
- शिक्षण, अनुसंधान, विस्तार तथा परामर्श के हमारे चार मूलभूत मिशनों के लिए राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण को अपनाना।
- प्रमुख अनुसंधान विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने के लिए संधारणीय विकास हेतु अनिवार्य अंतर्विषयक शैक्षणिक संसाधनो के निर्माण हेतु ज्ञान तथा विवेक का अन्वेषण करना तथा सामुदायिक क्षमता को सशक्त एवं उन्नत करने के लिए समाज को ज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के हस्तान्तरण में सम्मिलित करना और वैश्विक स्तर पर भारत की प्रतिस्पर्धा में वृद्धि करना।
- विश्वविद्यालय प्रशासन के सक्रिय प्रबंधन की रणनीति तैयार करना तथा निपुणता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही पर आधारित उच्च गुणवत्तायुक्त शासन के संवेदनशील संरचना हेतु प्रणाली का प्रवर्तन करना।
- मूल्य-केन्द्रित शिक्षा के माध्यम से वैश्विक समुदाय के एक जवाबदेह नागरिक के रूप में कार्य करते हुये एक उन्नत अंतरराष्ट्रीय तथा प्रतिस्पर्धात्मक नियोजन बाजार का विकास करने तथा बौद्धिक कौशल एवं सकारात्मक मानसिकता प्राप्त करने हेतु विश्वविद्यालय को विश्व के सर्वोत्कृष्ट स्थानो में से एक बनाना।

उद्देश्य

- चरित्र मूल्यों का निर्माण और साथ ही विश्लेषणात्मक सोच, व्यक्तिगत पहल और दायित्व विकास के द्वारा छात्रों के कैरियर निर्माण का प्रयास।
- क्षेत्रीय जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी लचीली, नवीन, शैक्षणिक और अनुसन्धान कार्यक्रमों और संरचनाओं को समर्थन प्रदान करना।
- स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रमों में संलग्न शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला की सुविधा प्रदान करना।

- स्थानीय, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर विचारशील और जवाबदेह संकायों और छात्रों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करना।
- एक विशेष दायित्व को स्वीकार करते हुए अल्पसंख्यकों और समाज के निचले सामाजिक – आर्थिक तबके से आने वाले छात्रों को शिक्षित करना।
- अपनी विशेषज्ञता से अनुसंधान एवं परामर्श द्वारा क्षेत्र की चुनौतियों एवं समस्याओं का समाधान कर समाज को लाभ पहुंचाना।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों, परिसर की गतिविधियों के माध्यम से नेतृत्व और सेवा के लिए क्षमता निर्माण हेतु साधन उपलब्ध कराना और सामुदायिक भागीदारी के लिए अवसर उपलब्ध करना।

गुणवत्ता वक्तव्य

ज्ञान के युग की चुनौतियों को पूरा करने तथा उच्च शिक्षा के क्षेत्र में ज्ञान की गति को बनाए रखने के लिए राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के सभी आयामोंक तथा क्षेत्रीय को वैश्विर एवं शासन की गुणवत्ताविस्ता ,अनुसंधान ,जैसे शिक्षण , कताओं की पूर्ति के अनुसार बनाये रखने हेतु प्रतिबद्ध हैआवश्य।

विश्वविद्यालय एक नजर में

राजस्थान का केंद्रीय विश्वविद्यालय नैक (NAAC) मूल्यांकन के अपने दूसरे चक्र में A++ से मान्यता प्राप्त होने की अपनी नई उपलब्धि के साथ फल-फूल रहा है। प्रगति के पथ पर अपनी लंबी यात्रा के माध्यम से, विश्वविद्यालय ने सतत विकास के अपने मानकों और आदर्श वाक्य को रचनात्मक रूप से बनाए रखा है । राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में संसद के एक अधिनियम (2009 का अधिनियम संख्या 25) द्वारा राजस्थान में एक नए केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। इस विश्वविद्यालय की स्थापना सभी शिक्षार्थी समुदायों को अत्याधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए भारत के सबसे गतिशील और जीवंत विश्वविद्यालयों में से एक बनने की आकांक्षा के साथ की गई थी। विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा पूरी तरह से वित्त पोषित विश्वविद्यालय है जो सभी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है, विशेष रूप से उन लोगों को जो समाज की विनम्र सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा चाहते हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को 2023 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा श्रेणी एक विश्वविद्यालय के रूप में भी सूचीबद्ध किया गया है।

जनवरी 2022 से कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव के गतिशील नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने बहुआयामी तरीके से महत्वपूर्ण प्रगति की है। विभिन्न रैंकिंग ढांचों के साथ-साथ छात्रों और कर्मचारियों के लिए नए बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में लगातार प्रगति हो रही है। अब तक, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2009 में अपनी स्थापना के बाद से 14 वर्षों की यात्रा सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। इस कम समय में, विश्वविद्यालय शिक्षा प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक को अपनाकर वैश्विक आउटरीच के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों में से एक बनकर उभरा है यह विश्वविद्यालय राजस्थान में उच्च शिक्षा के सबसे तेजी से बढ़ते और समृद्ध संस्थानों में से एक है।

अपनी यात्रा के पिछले 14 वर्षों में विश्वविद्यालय एक व्यापक खुले, हरे और प्रदूषण मुक्त परिसर के रूप में उभरा है जो शैक्षणिक, शोध और समग्र विकास को पोषित और अनुकूलित करने हेतु विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों, जो स्वास्थ्य एवं क्षमता वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं, में विद्यार्थियों और कर्मचारियों को शामिल करके सुंदर और स्वस्थ वातावरण प्रदान करने की प्रतिबद्धता के साथ विश्वविद्यालय का विकास हो रहा है । ऐसा वातावरण प्रदान करने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है जो पूरे भारत और अन्य देशों से आने वाले छात्रों के बीच सबसे उत्साहजनक, प्रेरक और सद्भाव को बढ़ावा देने वाला हो।

शैक्षणिक विकास की रूपरेखा:

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय जिसकी शुरुआत दो स्नातकोतर कार्यक्रमों से हुई थी, अब विभिन्न 12 स्कूलों के 32 शैक्षणिक विभागों में संचालित स्नातकोत्तर, इंटीग्रेटड स्नातकोत्तर और पी.एचडी. कार्यक्रमों की विस्तृत श्रृंखला के साथ एक पूर्ण विश्वविद्यालय है :

क्र. सं	स्कूल का नाम	विभाग
1.	वास्तुकला स्कूल	• वास्तुकला विभाग • डीडीयू कौशल केंद्र
2.	रासायनिक विज्ञान और और फार्मेसी स्कूल	• रसायन विज्ञान विभाग • फार्मेसी विभाग
3.	वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग	• वाणिज्य विभाग • प्रबंधन विभाग
4.	अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल	• कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग • इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग (ece) • जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग
5.	पृथ्वी विज्ञान स्कूल	• वायुमंडलीय विज्ञान विभाग • पर्यावरण विज्ञान विभाग
6.	जीवन विज्ञान स्कूल	• जैव रसायन विभाग • जैव प्रौद्योगिकी विभाग • सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग
7.	मानविकी और भाषा स्कूल	• अंग्रेजी विभाग • हिंदी विभाग • भाषाविज्ञान विभाग
8.	गणित सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल	• कंप्यूटर विज्ञान विभाग • आंकड़ा विज्ञान और विश्लेषिकी विभाग • गणित विभाग • सांख्यिकी विभाग
9.	सामाजिक विज्ञान स्कूल	• अर्थशास्त्र विभाग • संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग • लोक नीति, कानून और शासन विभाग • सामाजिक कार्य विभाग • समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग
10.	खेल विज्ञान स्कूल एमएवाईएस के तहत	• खेल जीवविज्ञान विभाग • खेल जैव यांत्रिकी • खेल मनोविज्ञान विभाग
11.	भौतिकीय विज्ञान स्कूल	• भौतिकी विभाग
12	शिक्षा स्कूल	• शिक्षा विभाग • योग विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक कार्यक्रम विचारशील, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिकों को सामने लाने के विश्वविद्यालय के दृष्टिकोण के अनुरूप डिजाइन किए गए हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रम उच्च मानकीकृत कार्यक्रम हैं, जो सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाले ज्ञान और कौशल के उपयुक्त मिश्रण के साथ उच्च रोजगार उत्पन्न करने की दृष्टि से डिजाइन किए गए हैं। कुछ कार्यक्रम जिनका विशेष उल्लेख आवश्यक है वे हैं योग विज्ञान, खेल विज्ञान, डिजिटल सोसायटी, बिग डेटा एनालिटिक्स, सांस्कृतिक सूचना विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान, जिन्हें शिक्षा जगत में उभरते वैश्विक रुझानों के अनुरूप प्रस्तुत किया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचालित सभी पाठ्यक्रमों को अकादमिक विचार-विमर्श की कठोर प्रक्रिया के माध्यम से संबंधित अनुशासन में वैश्विक आवश्यकता को पूरा करने के लिए समय-समय पर संशोधित और अद्यतन किया जाता है। इसमें हमेशा प्रख्यात शिक्षाविदों, उद्योग विशेषज्ञों, पूर्व छात्रों, विद्यार्थियों और अन्य लोगों को शामिल करना सुनिश्चित किया जाता है। सैद्धांतिक अभ्यास के प्रभावी संयोजन, रोजगारपरक बाजार की मांगों को एकीकृत करने और उस समय के सबसे प्रासंगिक ज्ञान को अद्यतन करने के लिए विभागीय अध्ययन बोर्ड, स्कूल बोर्ड और अकादमिक परिषद के माध्यम से पाठ्यक्रम के अनुमोदन की प्रक्रिया का हमेशा पालन किया जाता है। ऐसी शैक्षणिक उत्कृष्टता हमेशा संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान, हस्तक्षेप परियोजनाओं और परामर्श कार्यों पर पर्याप्त ध्यान देने से प्रेरित होती है।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक विस्तार और विकास के अनुरूप तीन नए शैक्षणिक विभाग शुरू करने की योजना बनाई है। ये वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल के तहत होटल और पर्यटन प्रबंधन विभाग, प्रदर्शन कला स्कूल के तहत थिएटर और प्रदर्शन कला विभाग और अंतर्विषयक स्वाथ्य विज्ञान स्कूल के तहत स्वास्थ्य विज्ञान विभाग हैं। तीन वरिष्ठ प्रोफेसरों को स्कूलों को शुरू करने और उसके कामकाज को सुविधाजनक बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का प्रभार दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अनुकूलन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) एनईपी 2020 के कार्यान्वयन में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विश्वविद्यालय में विभिन्न शैक्षिक स्तरों पर नीति के तेजी से कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना तैयार करने के लिए एक एनईपी 2020 प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। विश्वविद्यालय ने एनईपी के विभिन्न घटकों से संबंधित विस्तृत नियम/दिशानिर्देश तैयार किए हैं जैसे अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप, ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा, उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण इत्यादि। विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 के अनुसार पाठ्यक्रम के पुनर्गठन, प्रमाणपत्र/डिप्लोमा पाठ्यक्रम और मुक्त दूरस्थ शिक्षा केंद्र के शुभारंभ के साथ ही सभी विषयों और विभिन्न स्तरों पर एनईपी 2020 का कार्यान्वयन शुरू कर दिया है।

- **अकादमिक क्रेडिट बैंक :** विश्वविद्यालय ने अकादमिक क्रेडिट बैंक प्लेटफॉर्म पर एक खाता खोला है। स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को अकादमिक क्रेडिट बैंक प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत किया गया है और खाते खोले गए हैं। शैक्षणिक वर्ष 2020-21 और 2021-22 के परिणाम अकादमिक क्रेडिट बैंक पोर्टल पर अपलोड कर दिए गए हैं और विश्वविद्यालय ट्रांसिक्रप्ट जारी करने और छात्रों के बारे में विस्तृत जानकारी बनाए रखने के लिए इसका उपयोग कर रहा है। कुल 824 अकादमिक क्रेडिट बैंक आईडी बनाई गई हैं (बैच 2021 से 637 और बैच 2022 से 187) और अन्य नामांकन प्रक्रिया में हैं।
- **एकाधिक प्रवेश और निकास :** निम्नलिखित घटकों के साथ छात्र-केंद्रित समग्र शिक्षा की सुविधा के लिए एनईपी 2020 के अनुरूप शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में 32 स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के पाठ्यक्रम को पुनर्गठित और कार्यान्वित किया गया है:
  - मूल पाठ्यक्रम
  - वैकल्पिक पाठ्यक्रम

- एनपीटीईएल और एमओओसी
- ट्यूटोरियल
- अनुसंधान
- प्रशिक्षण
- उद्यमिता पर पाठ्यक्रम
- योग्यता और कौशल पाठ्यक्रम
- उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी
- व्यावसायिक पाठ्यक्रम

व्यावसायिक शिक्षा : योग विभाग से व्यावसायिक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम यानि योग शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (YTTC) लेवल - 1 पूरा हो चुका है। 16 दिसंबर 2022 - 15 जनवरी 2023 के दौरान 21 छात्रों को पाठ्यक्रम के लिए नामांकित किया गया है।

उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण: अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश से संबंधित सभी मामलों की देखभाल के लिए विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय मामलों का कार्यालय स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश को आसान बनाने के लिए प्रवेश दिशानिर्देश, शुल्क संरचना, आवेदन पत्र आदि विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराए गए हैं।

पूर्व छात्रों से संपर्क : पूर्व छात्रों को जोड़ने, पारस्परिक संवाद और पंजीकृत करने के लिए अल्मा शाइन्स https://www.almashines.com/curaj का उपयोग किया गया है। 4968 पूर्व छात्र पहले ही अल्माशाइन्स के माध्यम से जुड़ चुके हैं। विश्वविद्यालय नियमित रूप से पूर्व छात्रों की बैठकें भी आयोजित कर रहा है।

शैक्षणिक सत्र 2022-23 से स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में अप्रेंटिसशिप/इंटर्नशिप एंबेडेड योजना लागू की गई है। इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के लिए प्रस्तावित न्यूनतम अवधि 8 सप्ताह होनी चाहिए। हालाँकि, विभाग कार्यक्रम की आवश्यकताओं के आधार पर इंटर्नशिप/अप्रेंटिसशिप के लिए अधिक अवधि तय कर सकता है। इंटर्नशिप शैक्षणिक सत्र की ग्रीष्मकालीन अवधि के दौरान होनी चाहिए। छात्रों को अर्जित क्रेडिट के अनुरूप ग्रेड दिए जाएंगे।

बुनियादी ढांचे की स्थिति

विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे में समृद्ध रूप से सुसज्जित व्याख्यान/सेमिनार/सम्मेलन हॉल, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, शिक्षण और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए कार्यालय स्थान, शिक्षण और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों दोनों के लिए आवासीय फ्लैट और क्वार्टर, सभी विद्यार्थियों, पीएचडी शोधार्थी और अन्य शोधार्थियों के लिए आवासीय छात्रावास शामिल हैं। विश्वविद्यालय परिसर में बैंक, स्वास्थ्य केंद्र, सभागार और विभिन्न प्रकार के इनडोर और आउटडोर खेलों और पाठ्येत्तर गतिविधियों के लिए कई अन्य बुनियादी ढांचे भी शामिल हैं। इसमें दो आउटडोर स्टेडियम हैं, एक क्रिकेट के लिए और दूसरा फुटबॉल के लिए, जिसमें 400 मीटर रनिंग ट्रैक की सुविधा है। इनके अलावा, बास्केटबॉल, हैंडबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो- में छात्रों के लिए बैडमिंटन कोर्टखो और क्रिकेट के लिए समर्पित कोर्ट हैं। इनडोर खेल क्षेत्र, टेनिस कोर्ट और जिम की सुविधाएं शामिल हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय परिसर में लॉन्ड्री, डाक घर, इनक्यूबेशन सेंटर आदि जैसी कई अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

व्याख्यान/संगोष्ठी/सम्मेलन कक्ष/केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन प्रयोगशाला

शिक्षण के लिए समर्पित सभी कक्षाएँ विस्तृत और रोशनी वाली हैं। वर्ष 2022 में कुल तेरह स्मार्ट क्लासरूम जोड़े गए। इसलिए, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अधिक संख्या में सुसज्जित स्मार्ट क्लासरूम हैं। कक्षाओं के अलावा, विभिन्न स्कूलों के साथ-साथ प्रशासनिक भवन में अच्छी तरह से सुसज्जित मल्टीमीडिया सुविधाओं के साथ सेमिनार/सम्मेलन हॉल भी हैं। वर्ष

2021-22 में इस सूची में दो और स्मार्ट सम्मेलन कक्ष जोड़े गए हैं। केंद्रीय उपकरण सुविधा की स्थापना सहयोगात्मक और बहु-विषयक अनुसंधान के लिए की गई है और उसके लिये 42 करोड़ के अत्यधिक परिष्कृत उपकरणों को खरीदा जा रहा है। केंद्रीय उपकरण प्रयोगशाला भवन 12 जनवरी 2023 को पूरी हो गई। HEFA ऋण के तहत उपकरण की खरीद प्रक्रियाधीन है।

।

पुस्तकालय

वर्तमान में, केंद्रीय पुस्तकालय एक अर्ध-स्थायी भवन में चल रहा है और इसका सतहीय क्षेत्र लगभग 1326 वर्ग फुट है। यह विश्वविद्यालय के शैक्षणिक और आवासीय भवनों के बीच में स्थित है और सभी शैक्षणिक गतिविधियों का केंद्र है। पूरा पुस्तकालय LAN और WI-FI के माध्यम से जुड़ा हुआ है। विश्वविद्यालय के सभी विभाग, कार्यालय एवं छात्रावास इंटरनेट के माध्यम से पुस्तकालय से जुड़े हुए हैं। पंद्रह कंप्यूटरों वाला साइबर पुस्तकालय विशेष रूप से छात्रों के लिए ओपेक् और ऑनलाइन संसाधनों तक पहुंच के लिए स्थापित किया गया

है। पुस्तकालय विभिन्न अनुभागों जैसे पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर प्रसंस्करण अनुभाग, आवधिक अनुभाग, और पुस्तकों के लेन देन और बकाया के लिए परिसंचरण में हाउसकीपिंग नौकरियों के लिए कोहा (ओपन सोर्स) का उपयोग कर रह है । संपूर्ण पुस्तकालय वातानुकूलित है। केंद्रीय पुस्तकालय में लगभग 250 छात्रों के बैठने की क्षमता वाला एक वाचनालय है।. केंद्रीय पुस्तकालय चोरी का पता लगाने, किताबों की सेल्फ-चेक-आउट और चेक-इन और पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं के लिए बुक ड्रॉप सुविधा के लिए आरएफआईडी तकनीक सक्षम सेवाओं का उपयोग करती है। केंद्रीय पुस्तकालय में लगभग 42,700 किताबें और 22 से अधिक ऑनलाइन डेटाबेस तक पहुंच (15 प्लेटफॉर्म पर 12963 ई-जर्नल्स तक पहुंच है और 07 प्लेटफॉर्म पर इंडेक्स, उद्धरण और कंपनी डेटाबेस तक पहुंच) के विविध संग्रह है। इसके अलावा, इसमें विभिन्न विषयों पर आधारित 4412 ई-पुस्तकों का एक समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में DELNET, INFLIBNET, नेशनल डिजिटल पुस्तकालय (NDL) और करंट साइंस एसोसिएशन की सदस्यता भी है। पूरे वर्ष, केंद्रीय पुस्तकालय के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पुस्तक प्रदर्शनियों, सीएमआईई डेटाबेस का प्रदर्शन, पुस्तकालय जागरूकता और दौरे आदि जैसे कई कार्यक्रमों का आयोजन किया।

छात्रों के लिए छात्रावास की सुविधा

उच्च शिक्षा में सीखने का उचित माहौल बनाने के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित छात्रावास महत्वपूर्ण है जहां विद्यार्थी न केवल पढ़कर बल्कि साथियों के साथ जुड़कर, समूह में पढ़ना, बहस में शामिल होकर, चर्चा आदि करके स्वयं का अन्वेषण करना सीखते हैं। विश्वविद्यालय पुरुष और महिला विद्यार्थियों के लिए छात्रावास प्रदान करता है जो उनके आरामदायक जीवन और अध्ययन की सुविधा में सहायक हैं। एक समय में लगभग 500 लोगों के भोजन करने की क्षमता वाले मेगा-मेस के साथ-साथ पुरुष विद्यार्थियों के लिए चार सुसज्जित पुरुष छात्रावास हैं। इसी प्रकार छात्राओं के लिए चार महिला छात्रावास हैं। ये सभी छात्रावास स्वास्थ्यप्रद वातावरण और वेंडिंग मशीन, वाचनालय और सामान्य लाउंज जैसी सुविधाएं प्रदान करते हैं। खुली चर्चा, रचनात्मक सोच और सहकर्मी के साथ सीखने को प्रोत्साहित करने के लिए, छात्रावास के सामने खुला प्लाजा भी उपलब्ध है। प्रतिवेदित वर्ष में, लगभग 2750 विद्यार्थी छात्रावास में रहते थे। उनकी इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएं छात्रावास जीवन का हिस्सा हैं।

शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधाएं

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों दोनों के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए आवासीय फ्लैट/क्वार्टर हैं। वर्तमान में, परिसर के अंदर शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के लिए कुल 56 फ्लैट हैं। इसके अलावा, कर्मचारियों और संकाय सदस्यों के लिए आवासीय सुविधाओं का विस्तार करने के लिए 2019 में चार आवासीय ब्लॉकों का निर्माण शुरू किया गया था, और अब ये निवास के लिए तैयार हैं। इसके अलावा, विश्वविद्यालय अपने शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को विश्वविद्यालय की अतिथि गृह में अस्थायी आवास भी प्रदान करता है जो हमारे बुनियादी ढांचे का गौरव है। परिसर के भीतर अधिक से अधिक कर्मचारियों के आवास को समायोजित करने के लिए वर्ष 2019 में नए क्वार्टरों की 52 इकाइयों का निर्माण

शुरू किया गया था। ये सभी स्थायी और अस्थायी आवासीय स्थान इंटरनेट सुविधाओं से सुसज्जित हैं। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और निकटवर्ती समुदायों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए परिसर के अंदर केन्द्रीय विद्यालय भी उपलब्ध है।

स्वास्थ्य केंद्र

विश्वविद्यालय के परिसर में विद्यार्थियों, शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों को प्राथमिक चिकित्सा और बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र है। महामारी के दौरान, विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र में दो COVID-19 आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए थे। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र में छात्रों और कर्मचारियों के लिए पूरी तरह कार्यात्मक डेंटल सेटअप, फिजियोथेरेपी यूनिट आदि है। केंद्र में गंभीर मामलों को नजदीकी उच्च चिकित्सा केंद्रों (वाईएन अस्पताल किशनगढ़ और मार्बल सिटी अस्पताल किशनगढ़) में रेफर करने के लिए एम्बुलेंस सेवा है। यह ओ.पी.डी. सेवाएँ सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 से 7 बजे प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त 24 घंटे इनडोर रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन आपूर्ति, नेबुलाइजेशन आदि देने के लिए आपातकालीन सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए केंद्र में ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सीमीटर, पुनर्जीवन किट (एंबु बैग आदि), स्फिग्मोमैनोमीटर, व्हीलचेयर, स्ट्रेचर और ऑटोक्लेव आदि उपकरण है। प्रतिवेदित वर्ष 2022-23 में, स्वास्थ्य केंद्र ने 13562 मामलों में ओपीडी परामर्श (विद्यार्थियों और कर्मचारियों सहित), रोगी सेवा, आपातकालीन और रेफरल सेवाएं प्रदान की हैं।

खेल और अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए बुनियादी ढाँचा

विश्वविद्यालय इनडोर और आउटडोर दोनों खेलों का समर्थन करता है, इसलिए फुटबॉल (फुटबॉल मैदान), क्रिकेट (क्रिकेट मैदान), वॉलीबॉल (वॉलीबॉल मैदान) और टेनिस (टेनिस कोर्ट) के लिए बाहरी स्थान हैं, जबकि बैडमिंटन, टेबल-टेनिस आदि खेलों के लिए इनडोर स्थान हैं। योग की सुविधाएं भी छात्रों और कर्मचारियों के नियमित अभ्यास के लिए प्रदान की गई हैं। इनडोर और आउटडोर खेल परिसरों के अलावा, विद्यर्थियों के लिए व्यायामशाला की सुविधा भी लड़के और लड़कियों के लिए प्रदान की गई है। लड़कों, लड़कियों और कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षक के साथ इनडोर और आउटडोर जिम हैं। विश्वविद्यालय सभागार जो कि छात्रावास भवनों के करीब है वहाँ विभिन्न सांध्यकालीन कार्यक्रमों और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन होता है। खेल की इन सभी सुविधाओं को उन्नत सुविधाओं के साथ पुनर्निर्मित और नया रूप दिया गया है। स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स साइंसेज ने छात्रों के लिए विशेष बॉक्सिंग रिंग सुविधाएं बनाई हैं। विभिन्न खेल गतिविधियों में रुचि रखने वाले सभी छात्रों को आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण और बुनियादी उपकरण प्रदान किए जाते हैं। विश्वविद्यालय सभागार के अलावा, विभिन्न स्कूल भवनों में स्थित तीन अन्य सभागार शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए हैं।

इंटरनेट सुविधा

वर्तमान समय में, इंटरनेट शिक्षणअधिगम गतिविधियों का एक अनिवार्य घटक बन गया है। इसलिए-, विश्वविद्यालय के पास एक समर्पित आईसीटी प्रकोष्ठ है जो विश्वविद्यालय परिसर के भीतर सुचारू और प्रवाह रहित इंटरनेट सुविधाओं की उपलब्धता के लिए उत्तरदायी है। विश्वविद्यालय ने रेलटेल के माध्यम से OPEX का उपयोग करके NMEICT, ऑप्टिकल फाइबर कनेक्टिविटी और वाईफाई के तहत इंटरनेट सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके अलावा, LAN इंटरनेट प्रदान करने के लिए लगभग 1200 LAN पॉइंट मौजूद हैं।

ओपन जिम

वर्तमान परिदृश्य में जिम की सुविधा सभी के लिए सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताओं में से एक है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2022 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में फुटबॉल मैदान के ठीक पास में एक ओपन जिम बनाया गया और 2023 में छात्रावास के पास स्थानांतरित कर दिया गया। इस सुविधा का उपयोग विश्वविद्यालय के सभी युवा और वृद्ध सदस्यों

द्वारा किया जाता है। यह एक ऐसा स्थान है जिसका उपयोग युवा एथलीट अपने कौशल को बढ़ाने और अपने संबंधित खेलों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए कर सकते हैं। इस स्थान का उपयोग कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों द्वारा भी किया जा रहा है।

सतत पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धताएँ :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भी अपने बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सतत पर्यावरण का समर्थन करने के लिए विभिन्न प्रणालियों को अपनाया है। उदाहरण के लिए, सौर पैनलों की स्थापना, परिसर में वर्षा जल भंडारण और संचयन प्रणालियों की उपलब्धता। हरित कवरेज को बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है, और एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपशिष्ट निपटान प्रणाली को अच्छी तरह से स्थापित किया जाता है। परिसर का हरित दायरा काफी बढ़ गया है। सामाजिक कार्य विभाग और विश्वविद्यालय की एनएसएस इकाई, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने समुदाय-विश्वविद्यालय प्रतिबद्धताओं की निरंतर प्रतिबद्धताओं के हिस्से के रूप में आस-पास के समुदायों और स्कूलों में कई वृक्षारोपण अभियान आयोजित किए हैं। विश्वविद्यालय ने स्थानीय महिला किसानों को समर्थन देने के लिए एक अनूठी पहल, "सृजन सहकार" (महिला कृषि खेती परियोजना) शुरू की है। आठ महिलाओं को जैविक खेती तकनीक का उपयोग करके सब्जियां उगाने के लिए जमीन और सुविधाएं दी गई हैं। उत्पाद, परिसर के निवासियों को बेचे जाते हैं और एक प्रभावी व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। माननीय केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जी और सांसद भागीरथ चौधरी जी ने 10 मार्च 2023 को महिला कृषि खेती परियोजना का दौरा किया और महिलाओं के विकास और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के गरीब कल्याण के सिद्धांत से प्रभावित हुए।

पाठ्येतर गतिविधियां

हम सभी जानते हैं कि पाठ्येतर गतिविधियाँ छात्रों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह छात्रों की आंतरिक क्षमता का पोषण करता है और शारीरिक और मानसिक संतुलन के साथ उनके समग्र विकास को सुविधाजनक बनाता है और अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाली को बनाए रखता है। इसलिए, पाठ्येतर गतिविधियों के संदर्भ में छात्रों को सुविधा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर विभिन्न क्लबों और समितियों द्वारा कई पाठ्येतर गतिविधियाँ आयोजित की । 14 से 29 सितंबर, 2022 तक हिंदी पखवाड़ा (हिंदी पखवाड़ा) का आयोजन किया गया। इस अवसर पर हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी टंकण प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि विभिन्न प्रतियोगिताएं विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए आयोजित की गईं 29 सितंबर 2022 को आयोजित हिंदी पखवाड़ा के समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। इस समारोह में प्रोफेसर नंद किशोर पांडे, प्रोफेसर, राजस्थान विश्वविद्यालय और पूर्व निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा द्वारा "राजभाषा हिंदी की प्रगति" विषय पर एक हिंदी व्याख्यान दिया गया। इस अवसर पर हिन्दी ई-पत्रिका "नव दृष्टि" का प्रकाशन एवं विमोचन भी किया गया। इस प्रकार, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए कई प्रयास कर रहा है और आधिकारिक कार्यों में हिंदी का उपयोग धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है।

सांस्कृतिक क्षेत्र में छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा को बढ़ावा देने और प्रदर्शित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने सांस्कृतिक समिति नामक एक समिति का गठन किया है। इस समिति के अंतर्गत कुल पाँच क्लब बनाए गये हैं, जो हैं - साहित्यिक क्लब (अभिव्यक्ति), नाटक क्लब (अभिनय), नृत्य क्लब (नृत्यदा), संगीत क्लब (सरगम), और कला क्लब (कला-कृति)। इनमें से प्रत्येक क्लब ने पूरे वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा में रंग भरे । छात्रों ने पश्चिम-क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं के विभिन्न आयोजनों में भाग लिया है। छात्रों में खेल भावना को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार की शुरुआत की गई है, अब खेल पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। छात्रों में खेल मूल्यों और भावना को विकसित करने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में हर साल राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रख्यात खेल हस्तियों के साथ एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र और रस्साकशी जैसी अन्य खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। फिट इंडिया मूवमेंट अभियान

को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय फिटनेस को छात्रों के साथ-साथ कर्मचारियों के दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और उसी के लिए परिसर में साइक्लोथॉन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय ने सृजन 2022, तीन दिवसीय खेल और सांस्कृतिक बैठक (16 से 18 नवंबर 2022) का आयोजन किया, जो सुबह से देर शाम तक विभिन्न गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी के साथ एक बहुत ही सफल आयोजन था। यह कार्यक्रम न केवल योजनाबद्ध और सुव्यवस्थित था, बल्कि छात्रों और आयोजक टीम के जुनून और उत्साह को भी प्रदर्शित करता था। ऊर्जा का स्तर और प्रदर्शित की गई रचनात्मकता और प्रतिभा अनुकरणीय थी।

संकाय प्रोफ़ाइल (संकाय की गतिशीलता)

किसी भी शिक्षा प्रणाली के लिए संकाय रीढ़ की हड्डी होते हैं, हम ऐसी शिक्षा प्रणाली के बारे में नहीं सोच सकते जिसमें शिक्षकों की कोई भूमिका न हो। शिक्षकों की भूमिका उसी समय प्रारम्भ हो जाती है जब छात्र किसी शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश करते हैं। उच्च शिक्षा के सभी केंद्र अपने शिक्षकों की गुणवत्ता के लिए जाने जाते हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अनेक युवा और ऊर्जावान संकाय सदस्यों पर गर्व है जिनके पास विश्व के सर्वोच्च प्रतिष्ठित और उच्च संस्थानो से शिक्षा और अनुसंधान का अनुभव प्राप्त है। अनेक संकाय सदस्यो ने अपनी शिक्षा और अनुसंधान भारत के उच्च संस्थानो से प्राप्त की है जिनमें IITs, IIMs, NIMHANS और केंद्रीय विश्वविद्यालय और कई संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष विदेशी संस्थान (वाशिंगटन विश्वविद्यालय, शिकागो विश्वविद्यालय, ओहियो स्टेट यूनिवर्सिटी, द रॉकफेलर यूनिवर्सिटी, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, रटगर्स यूनिवर्सिटी, साउथ अलबामा यूनिवर्सिटी, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, रोचेस्टर यूनिवर्सिटी, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, इंडियाना यूनिवर्सिटी, केंटकी यूनिवर्सिटी), कनाडा (अल्बर्टा यूनिवर्सिटी, पर्यावरण स्वास्थ्य विज्ञान और अनुसंधान ब्यूरो), जर्मनी (मयुंस्टर विश्वविद्यालय, मुनिच विश्वविद्यालय, मैक्स-प्लैंक रिसर्च यूनिट), ऑस्ट्रेलिया (क्वींसलैंड विश्वविद्यालय), जापान (ओकायामा विश्वविद्यालय, क्योटो विश्वविद्यालय, टोक्यो विश्वविद्यालय), इटली (बोलोग्ना विश्वविद्यालय) , इज़राइल (तेल अवीव विश्वविद्यालय), सिंगापुर (सिंगापुर का राष्ट्रीय विश्वविद्यालय) और ऐसे ही अन्य। विश्वविद्यालय ने विभिन्न शैक्षणिक विभागों में संकायों की नियुक्ति के लिए एक बड़ा अभियान चलाया है और वर्ष 2022-23 में, बयालीस (42) संकाय विश्वविद्यालय में शामिल हुए। इसके अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान अन्य 192 नियमित संकाय इस विश्वविद्यालय में थे। प्रतिवेदित वर्ष में विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों को कुल 6.5 रुपये का अनुदान 24 अनुसंधान परियोजनाओं के लिये अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा प्राप्त हुआ है। कुछ राष्ट्रीय एजेंसियों के नाम सीएसआईआर, डीबीटी, आईसीसीएसआर, एसएसी, एसईआरबी, एनसीडब्ल्यू, एनएचआरसी और यूजीसी हैं। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त अकादमिक पत्रिकाओं में 380 शोध लेखों का लेखन और सह-लेखन किया है। विश्वविद्यालय के युवा संकाय सदस्यों के योगदान में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने सर्वश्रेष्ठ शिक्षक और सर्वश्रेष्ठ शोधकर्ता के चयन की प्रक्रिया को संस्थागत बनाया।

विद्यार्थी प्रोफ़ाइल और उपलब्धियाँ (छात्रों की गतिशीलता)

विद्यार्थी विश्वविद्यालय प्रणाली के मूल में हैं, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को पूरे देश से यहाँ पर शिक्षा प्राप्त करने हेतु आये छात्रों पर गर्व है और उनकी उपलब्धियों ने विश्वविद्यालय को हमेशा गौरवान्वित किया है। विश्वविद्यालय को पूर्व छात्रों द्वारा बड़ी संख्या में प्राप्त उपलब्धियों पर गर्व हैं और उतनी ही बड़ी संख्या उन लोगों की भी है जो अभी भी विश्वविद्यालय में अपना पाठ्यक्रम कर रहे हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि विभिन्न विषयों के छात्रों ने यूजीसी, आईसीएसएसआर और सीएसआईआर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं को उत्तीर्ण किया है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर कई खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा दिखाई है। पीएचडी विद्वानों ने विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में कई प्रस्तुतियाँ दी हैं। कुछ पीएचडी विद्वान विदेश में छात्रवृत्ति और पोस्ट-डॉक्टरल प्राप्त करने में सफल होते हैं। इसी तरह, विभिन्न विभागों के कई छात्रों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी जगह बनाई है।

विश्वविद्यालय वैश्विक पहुंच

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय भारत सरकार द्वारा विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं जैसे भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), विदेश मंत्रालय (एमईए) नई दिल्ली के माध्यम से नामांकित विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए स्व-वित्त योजना के माध्यम से सीधे प्रवेश भी प्रदान करता है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है; यद्यपि, उन्हें किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय/संस्थान से समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण की हुई होनी चाहिए। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के प्रवेश से संबंधित सभी मामलों के समन्वय और प्रवेश के लिए नियामक/वैधानिक निकायों के साथ संपर्क करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों का एक कार्यालय (OIA) स्थापित किया है। OIA विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोगात्मक व्यवस्था के तहत पंजीकृत सभी छात्रों के लिए एक समन्वय एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। ओआईए विदेशों में प्रचार गतिविधियों और ब्रांड निर्माण अभियानों में भी लगा हुआ है, यह रिकॉर्ड बनाए रखता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित जानकारी का प्रसार करता है और छात्रों की शिकायतों का समाधान करता है। रिपोर्टिंग वर्ष 2022-23 में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अफगानिस्तान, फिजी, इंडोनेशिया, मलावी, नाइजीरिया और फिलिस्तीन से छात्र आए हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के बारह छात्रों/शोधार्थियों ने विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत डॉक्टरेट, पोस्ट-डॉक्टरल अनुसंधान के लिए विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों का दौरा किया है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय विदेशों में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। विश्वविद्यालय के संकायों को विभिन्न सरकारी एजेंसियों के माध्यम से कई द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजना अनुदान प्राप्त हैं, जैसे, एचएचयू प्रकोष्ठ डोर्फ, जर्मनी के साथ डीएसटी-डीएएडी इंडो जर्मन परियोजना; डीएसटी- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, भारत सरकार (भारत-ईयू द्विपक्षीय सहयोग, होराइजन 2020) आदि। इसी तरह, संकायों ने विभिन्न योजनाओं और संकाय विनिमय कार्यक्रमों के तहत विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों का दौरा किया है। स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जयकांत यादव को इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा सिंगापुर में खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की 21वीं विश्व कांग्रेस में "खाद्य स्थिरता विचार/संकल्पना विकास प्रतियोगिता चैंपियन" में प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुआ।

छात्रों की उपलब्धियाँ

किसी भी शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा संस्थान की सबसे बड़ी विशेषता उनके छात्रों की उपलब्धि है। उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। 2022-23 में, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को अपने पूर्व छात्रों और अभी भी विश्वविद्यालय में अपने पाठ्यक्रम कर रहे लोगों के बीच कई उपलब्धियाँ हासिल करने का गौरव प्राप्त हुआ है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र विश्व प्रसिद्ध छात्रों में शिक्षा, सहकारी समितियाँ और उच्च शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। छात्रों की उपलब्धियों में नेट, गेट और इसी तरह की कई अन्य प्रतिष्ठित फेलोशिप परीक्षाओं को शामिल करना शामिल है।

प्रो-लर्नर दृष्टिकोण

संस्थानों को उनके छात्रों द्वारा सबसे अच्छी तरह से जाना जाता है इसलिए संस्थान का कार्य शिक्षार्थी-केंद्रित ज्ञान-क्षेत्र विकसित करना है राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय भी इसके लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में छात्रों को हमेशा अपनी क्षमताओं का पता लगाने और एक सफल पेशेवर बनने के लिए पर्याप्त मौके और अवसर दिए जाते हैं। यही कारण है कि विश्वविद्यालय ने एनईपी 2020 को अपनाया है जो छात्रों को उनके उत्साह और पसंद के अनुसार पाठ्यक्रम चयन की सुविधा देता है। प्रवेश, परीक्षा, ग्रेडिंग और अन्य शैक्षणिक गतिविधियों की प्रणाली अत्यधिक पारदर्शी है। पूरे भारत और यहां तक कि विदेशों से भी छात्र अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए इसमें शामिल होते हैं जो वास्तव में विविधता में एकता और

राष्ट्रीय एकता की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) के माध्यम से छात्र का प्रवेश पूरी तरह से 'सामाजिक समावेशन' के विचार के अनुरूप है। SWAYAM और NPTEL के माध्यम से चयन-आधारित क्रेडिट सिस्टम, ऑडिट पाठ्यक्रम, ओपन ऐच्छिक और MOOC पाठ्यक्रमों की सुविधा के साथ, शैक्षणिक संरचना दृढ़ता से शिक्षार्थी-केंद्रित है।

रोजगार की पहल

अच्छे स्थान पर कार्यरत पूर्व छात्र संस्थान के लिए एक संपत्ति हैं। विद्यार्थियों का उचित नियोजन संस्थान को गर्व और खुशी महसूस कराता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय ने न केवल छात्रों को शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया है, बल्कि छात्रों की रोजगार क्षमता सुनिश्चित करने के लिए भी समय-समय पर पहल की है। ऐसा करने के लिए पाठ्यक्रम को डिजाइन करते समय नौकरी क्षेत्र की जरूरतों और उचित मानव संसाधनों की औद्योगिक मांगों को हमेशा सबसे आगे रखा जाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय के पास एक समर्पित नियोजन प्रकोष्ठ है जो नियोजन से संबंधित सभी गतिविधियों की देखभाल करता है। विश्वविद्यालय का नियोजन प्रकोष्ठ न केवल छात्रों को नियोजन में सहायता प्रदान करता है बल्कि विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके कैरियर योजना, चयन परीक्षणों की तैयारी, ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट, इंटर्नशिप और अंतिम प्लेसमेंट में भी मदद करता है। रोजगार मेला 23 से 24 फरवरी 2023 तक आयोजित किया गया था। छात्रों को सर्वोत्तम नौकरी का चयन करने के लिए संचार, समस्या-समाधान, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता, समय प्रबंधन और कंप्यूटर साक्षरता जैसे कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण मिला। इस रोजगार मेला में छात्रों को कई प्लेसमेंट और इंटर्नशिप ऑफर भी मिले।

समझौता ज्ञापन और साझेदारी

साझेदारी समय की मांग है। साझेदारी के बिना जीवन के किसी भी पहलू में कोई अपने विकास के बारे में सोच भी नहीं सकता। इस भावना को बनाए रखने के लिए, विश्वविद्यालय ने शैक्षिक और व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुछ नामों का उल्लेख करने के लिए विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं: अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर (20.03.2017 से 19.03.2022); भारतीय शिल्प एवं डिजाइन संस्थान (आईआईसीडी), जयपुर (16.03.2017 से 15.03.2022); इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली (10.04.2021 से 09.11.2024); युवा मामले और खेल मंत्रालय (MYAS), भारत सरकार, नई दिल्ली (19.03.2018 से 18.03.2023); नामीबिया विश्वविद्यालय (यूएनएएम) (06.10.2017 से 05.10.2022); नोवोसिबिर्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी (10.01.2017 से 09.01.2022); बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो (यूएसए) (12.04.2017 से 11.04.2022); ढाका विश्वविद्यालय (बांग्लादेश) (15.07.2018 से 14.07.2023; सन्नियो विश्वविद्यालय (इटली) रॉसी (08.03.2022 से 07.03.2023)।

विश्वविद्यालय-सामुदायिक जुड़ाव

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास कक्ष (CDC) की स्थापना 4 फरवरी, 2015 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित तीसरे कुलपति सम्मेलन की प्रतिक्रिया के रूप में और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के बाद वर्ष 2015 में की गई थी। इसने अगस्त, 2015 में अपनी कार्यक्षमता शुरू की। सीडीसी का मूल लक्ष्य विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य "सतत विकास के लिए शिक्षा" को बढ़ावा देना और गांवों में सकारात्मक वातावरण बनाना है। विश्वविद्यालय ने छह गांवों को गोद लिया है, जिनकी पहचान विशेष रूप से बांदरसिंदरी, खेड़ा करम सुतन, नोहरिया, मुंडोती, सिरोही और पेडीभाटा के रूप में की गई है।

मूल्यांकन अवधि के दौरान सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के परामर्श से कई गतिविधियाँ की हैं।

- चंदेरी गांव में आईसीडीएस केंद्र का सौंदर्यीकरण: सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने सामाजिक कार्य विभाग के छात्रों की मदद से वर्ष ***2023*** में चंदेरी गांव में आईसीडीएस केंद्र के सौंदर्यीकरण की पहल की।
- मुंडोती में पोषण जागरूकता अभियान: 27 अप्रैल, 2023 को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुंडोती गांव में "मुंडोती में पोषण जागरूकता अभियान" पर एक दिवसीय वार्ता और प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा 7 से 9वीं कक्षा के छात्रों ने भाग लिया। इसी तरह का कार्यक्रम 28 अप्रैल, 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बांदरसिंदरी में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में कक्षा 8वीं से 10वीं तक के चालीस विद्यार्थियों (लड़के और लड़कियों) ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। एक अन्य कार्यक्रम 27 अप्रैल 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खेड़ा गांव में आयोजित किया गया।
- विश्वविद्यालय में "योग और जीवन कौशल" पर प्रदर्शन सत्र: 1 अप्रैल 2023 को, सीडीसी ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग और सामाजिक कार्य विभाग में "योग और जीवन कौशल" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में "गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, मुंडोती" के 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्रों ने भाग लिया।
- छात्राओं के साथ विश्वविद्यालय के संकायों के साथ बातचीत: विश्वविद्यालय के संकायों और छात्राओं और स्कूल के शिक्षकों के साथ एक दिवसीय बातचीत का आयोजन किया गया। "गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल, मुंडोती की उन्नीस छात्राओं और दो स्कूल शिक्षकों ने सामाजिक कार्य विभाग और फार्मेसी विभाग के संकायों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की।
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रयोगशाला यात्रा के माध्यम से छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करना: सीडीसी ने छात्रों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान विषयों में उनकी रुचि विकसित करने के लिए आसपास के गांवों के लिए विश्वविद्यालय प्रयोगशाला में एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया।

उज्जवल भविष्य के लिए जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न करना

आधुनिक ज्ञान प्रणाली के प्रति दुनिया के दृष्टिकोण या दूसरों के दृष्टिकोण को जानना किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान के लिए हमेशा अच्छा होता है। यह संस्थान की पहले से मौजूद ज्ञान प्रणाली को सोचने और आगे बढ़ने के लिए एक नया आयाम या परिप्रेक्ष्य देकर प्रबुद्ध करता है। इस प्रकार, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय हर साल कई 'प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला' की मेजबानी करता है जिसमें उच्च क्षमता के विभिन्न विद्वान मानव विशेषज्ञता के विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों और संकाय सदस्यों को प्रबुद्ध करने के लिए व्याख्यान देते हैं। विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला के विषयों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार, नवीकरणीय संसाधन, स्वास्थ्य और कल्याण, शास्त्रीय भारतीय नृत्य, आध्यात्मिक कल्याण आदि जैसे व्यापक विषय शामिल हैं। विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला का उद्देश्य सामान्य रुचि के विषयों और विषयों की एक श्रृंखला जो वर्तमान समय के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक हैं, पर विद्यार्थियों को प्रेरित करना, चर्चा करना और वाद विवाद करना है । शैक्षणिक वर्ष-2022-23 के दौरान, विश्वविद्यालय ने तीन प्रतिष्ठित वक्ताओं की मेजबानी की।

- 2 सितंबर, 2022 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर अनिल भारद्वाज द्वारा 'भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम'।
- प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार द्वारा 28 नवंबर, 2022 को 'प्राचीन भारत के शाही लोकतंत्र: संस्कृत भाषा में लोकतांत्रिक रुझानों की जांच' विषय पर कार्यक्रम।
- 12 जनवरी, 2023 को प्रो. पेट्रा बाउर, इंस्टीट्यूट फॉर बोटनिक, हेनरिक हेन यूनिवर्सिटैट सेल डॉर्फ, जर्मनी द्वारा 'पौधों में लौह होमियोस्टैसिस के नियंत्रण के लिए कई नियामक स्तर' पर कार्यक्रम ।

29.12.2022 को विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के निदेशक (पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका) श्री अमराराम गुजर द्वारा "भारतीय कूटनीति का परिचय और इसकी भूमिका" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। गांव के एक लड़के के आईएफएस तक के सफर से छात्र मंत्रमुग्ध हो गए।

उच्च शैक्षणिक बढ़त हासिल करने के लिए विभिन्न आयोजन

उच्च शैक्षणिक उपलब्धि की खोज में और प्रभावी सामाजिक जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने छात्रों, कर्मचारियों और आसपास के गांवों के समुदाय के लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए। उच्च शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने की यात्रा में मूल्य संवर्धन की एक झलक के रूप में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी निम्नलिखित हैं:

उच्च शैक्षणिक बढ़त हासिल करने के लिए विभिन्न आयोजन

उच्च शैक्षणिक उपलब्धि की खोज में और प्रभावी सामाजिक जुड़ाव सुनिश्चित करने के लिए, विश्वविद्यालय ने छात्रों, कर्मचारियों और आसपास के गांवों के समुदाय के लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किए। उच्च शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने की यात्रा में मूल्य संवर्धन की एक झलक के रूप में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी निम्नलिखित हैं:

मुंडोती गांव में साइकिल वितरण: विश्वविद्यालय ने सरकारी स्कूल की 12 लड़कियों को सशक्त बनाया। SEVA इंडिया के साथ क्रियान्वित एक पहल के रूप में मुंडोती स्कूल द्वारा 12 जुलाई 2022 को उन्हें साइकिलें उपहार में देकर उन्हें शिक्षा के लिए प्रेरित किया गया। हमारा मानना है कि विश्वविद्यालय आसपास के समुदाय के साथ विकसित होता है।

हर घर तिरंगा अभियान: संपूर्ण राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार ने #हर घर तिरंगा अभियान में भाग लिया और स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में #आज़ादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रव्यापी #हर घर तिरंगा अभियान को चिह्नित करने के लिए छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने तिरंगा रैली में भाग लिया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रशासनिक ब्लॉक भी तिरंगे के रंग में जगमगा उठा।

7वां दीक्षांत समारोह: 1283 स्नातकों, 116 पीएचडी अभ्यर्थी और 82 स्वर्ण पदक विजेता छात्रों को डिग्री प्रदान करने के लिए 16 अगस्त 2022 को 7वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि माननीय ओम बिड़ला जी का भाषण अद्भुत था और इसने कार्यक्रम में ऊर्जा भर दी।

अभियंता दिवस का आयोजन : विश्वविद्यालय ने 15 सितंबर 2022 को अभियंता दिवस पर सर एम विश्वेश्वरैया की 160वीं जन्मदिवस गर्व और सम्मान के साथ मनाया। एमएनआईटी जयपुर के निदेशक प्रोफेसर एन पी पाढ़ी इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

महिलाओं के खिलाफ भेदभाव पर पखवाड़ा: इस कार्यक्रम में 25 नवंबर 2022 को स्पर्श प्रकोष्ठ द्वारा "महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस" और "महिलाओं के साथ भेदभाव विरोधी पखवाड़ा का उद्घाटन" राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता, विश्व चैंपियन, अंतर्राष्ट्रीय आत्मरक्षा और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक ऋचा गौर ने अपने विचार साझा किए और के अवसर पर लाइव डेमो दिया।।

युवा संगम का उत्सव: 26 फरवरी 2023 को युवा संगम का आयोजन किया गया। #EBSB युवा संगम के तहत राजस्थान की यात्रा कर रहे अरुणाचल प्रदेश के युवाओं ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। उन्होंने योग और ध्यान के सत्र का आनंद लिया और फिर सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इसी प्रकार, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंशिक एक्सपोजर विजिट के रूप में अरुणाचल प्रदेश का दौरा किया।

स्थापना दिवस समारोह: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का 15वां स्थापना दिवस 3 मार्च 2023 को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 15वें स्थापना दिवस पर अपने अल्मा मेटर का दौरा करने वाले पूर्व छात्रों के लिए उदासीन क्षण थे । इस अवसर पर, उत्सव की शुरुआत वृक्षारोपण अभियान से हुई और पूर्व छात्रों की बैठक के साथ इसका समापन हुआ। विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने विश्वविद्यालय के विकास के लिए पर्याप्त धनराशि दान की।

साइकिल दिवस का अवलोकन: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार ने साइकिल चलाने की ख़ुशी को प्रदर्शित किया और 3 जून 2023 को विश्व साइकिल दिवस मनाया! यह पैडलिंग करने और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने का एक शानदार दिन था।

विश्व पर्यावरण दिवस: विश्व पर्यावरण दिवस एक स्थायी भविष्य सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता का विषय है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने वाली गतिविधियों से गुलजार था। हर कोई वृक्षारोपण अभियान में भाग लेकर पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने के लिए एक साथ आया और हर दिन हमारे पर्यावरण को संजोने और उसकी रक्षा करने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस राष्ट्रीय गौरव का विषय है। योग समग्र कल्याण प्राप्त करने का अधिकार देता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने परिवर्तनकारी अभ्यास को अपनाया और 21 जून 2023 को योग की शक्ति की खोज करते हुए सभी के कल्याण का प्रयास किया । राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक भव्य उत्सव मनाया। 22 से 23 जून 2023 तक दो दिवसीय सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने उत्साहवर्धक सत्र दिए।

स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का आयोजन : विश्वविद्यालय ने पूरे सम्मान और उत्साह के साथ ध्वजारोहण करके 76वां स्वतंत्रता दिवस और 72वां गणतंत्र दिवस मनाया। माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। माननीय कुलपति महोदय ने अपने संबोधन में कहा- “आइए स्वतंत्रता के इतिहास, संविधान की विविधता, पूर्वजों के बलिदान के बारे में जानें क्योंकि इससे हमें उस स्वतंत्रता और लोकतंत्र की सराहना करने में मदद मिलेगी, जिसका हम सभी आज आनंद ले रहे हैं साथ ही कहा कि आइए भारतीय नागरिक होने पर गर्व करें, ”

इसके अलावा, महात्मा गांधी जयंती और सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती भी क्रमशः 2 अक्टूबर और 31 अक्टूबर को पूरे सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गईं 26 दिसंबर 2022 को महान स्वतंत्रता सेनानी को सम्मान देने के लिए शहीद उधम सिंह जयंती का आयोजन किया गया। 23 दिसंबर 2023 को चौधरी चरण सिंह जयंती मनाने के लिए किसान सम्मेलन नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गुरु गोबिंद सिंह जयंती 29 दिसंबर 2023 को मनाई गई थी।

परिदृश्य और संभावनाएँ

पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अपने आकार, मानक में वृद्धि की है और शैक्षणिक जगत और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोगों, अकादमिक प्रकाशनों और उच्च-स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना के साथ अनुसंधान और नवाचार एक नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

के पूर्व छात्र विविध व्यावसायिक क्षेत्रों में सफल होकर न केवल देश के विभिन्न कोनों में बल्कि विदेशी भूमि पर भी पहुंचे हैं। अपनी सभी प्रतिबद्धताओं और ताकत के साथ, विश्वविद्यालय पूरी तरह से शिक्षा के एक केंद्र के रूप में विकसित होने के दृष्टिकोण के लिए समर्पित है जहां एक बेहतर, न्यायसंगत और दूरदर्शी राष्ट्र के लिए विचारशील, रचनात्मक, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिकों का विकास किया जाता है। भविष्य का प्रत्येक प्रयास इस दिशा में एक कदम होगा। इसका उद्देश्य राष्ट्र को विरासत-समृद्ध (प्राकृतिक और सांस्कृतिक) बने रहने में मदद करना और समाज को सद्गुण-मजबूत और ज्ञान-पोषक बनने में मदद करना है। इन प्रयासों के साथ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा का एक ऐसा स्थान बनने का प्रयास कर रहा है, जिसमें स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं के अनुसार टिकाऊ प्रणालियों को पूरा करने के लिए शिक्षण, सीखने, अनुसंधान और विस्तार के उत्कृष्ट अवसर के साथ मानव क्षमता को अपने बाहरी स्वरूप में आना चाहिए।

अकादमिक सूचना

इस अध्याय में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की अकादमिक स्थिति के संख्यात्मक विवरण का प्रतिबिंब है। सारणी तथा चित्र अकादमिक वर्ष 2022-23 की संपूर्ण स्थिति को दर्शाती है। पहली सारणी (सारणी संख्या -1) आरक्षित और अनारक्षित श्रेणी में 53 इंटीग्रेटेड तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश का विवरण दर्शाती है। दूसरी सारणी (सारणी संख्या -2) में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 25 पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश को दर्शाया गया है। तीसरी सारणी (सारणी संख्या -3) में विभिन्न कार्यक्रमों मे 31 राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों तथा विदेशी विद्यार्थियों के लिंगानुपात को दर्शाया गया है। अगली सारणी (सारणी संख्या-4) में संबधित कार्यक्रमों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को दर्शाया गया है। सारणी संख्या 5 – 7वे दीक्षांत समारोहों में उपाधि प्राप्तकर्ताओं का विवरण दिया गया है।

सारणी क्रमांक :1शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में प्रवेश संबंधी सूचना

प्रवेश 2022-23																				
क्र सं.	कार्यक्रम का नाम	श्रेणीवार सीट मैट्रिक्स						श्रेणीवार छात्रों ने प्रवेश लिया								अनाक्षित वर्ग में प्रवेश				
		सीट	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	विदेशी	जे एंड के	कुल	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू. एस.	कुल
1	बी.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	8	13	3	2	3	0	0	0	29	5	0	0	0
2	बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	4	13	3	2	1	0	0	0	23	6	0	0	0
3	बी.टेक. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	2	3	2	1	3	0	0	0	11	3	0	0	2
4	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव रसायन	33	14	9	5	2	3	9	12	1	0	1	0	0	0	23	4	0	0	1
5	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	33	14	9	5	2	3	8	15	5	0	2	0	0	0	30	6	0	0	0
6	इंटीग्रेटेड एम.एससी. रसायन विज्ञान	30	13	8	4	2	3	8	11	4	2	4	0	0	0	29	3	1	0	1
7	इंटीग्रेटेड एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	33	14	9	5	2	3	3	13	4	0	5	0	2	0	27	5	1	0	2
8	इंटीग्रेटेड एम.एससी. अर्थशास्त्र	35	15	9	5	3	3	7	16	5	3	4	0	0	0	35	7	0	0	2
9	इंटीग्रेटेड एम.एससी.	30	13	8	4	2	3	8	14	1	2	0	0	0	1	26	6	0	2	0

	पर्यावरण विज्ञान																			
10	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भाषा विज्ञान	30	13	8	4	2	3	1	5	0	0	1	0	0	0	7	5	0	0	1
11	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	30	13	8	4	2	3	2	18	5	2	2	0	0	0	29	10	1	0	0
12	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	33	14	9	5	2	3	8	13	4	0	3	0	2	0	30	5	0	0	0
13	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	1	16	7	2	4	0	0	0	30	7	3	0	1
14	इंटीग्रेटेड एम.एससी. सांख्यिकी	35	15	9	5	3	3	6	17	2	0	4	0	0	0	29	8	0	0	1
15	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. रसायन विज्ञान	30	13	8	4	2	3	7	14	4	2	3	0	1	0	31	4	0	0	0
16	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	30	13	8	4	2	3	6	13	2	1	3	0	0	0	25	7	0	0	2
17	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. गणित	30	13	8	4	2	3	1	15	5	2	6	0	0	0	29	7	1	0	4
18	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. भौतिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	1	15	4	2	8	0	1	0	31	7	0	0	5
19	एम कॉम.	30	13	8	4	2	3	8	13	4	0	3	0	0	0	28	5	0	0	0
20	एम.ए. संस्कृति और मीडिया अध्ययन	33	14	9	5	2	3	4	11	2	0	1	0	0	0	18	9	1	0	0
21	एम.ए .अर्थशास्त्र	30	13	8	4	2	3	4	8	3	2	2	0	0	0	19	5	2	1	1
22	एम.ए. अंग्रेजी	35	15	9	5	3	3	8	13	2	3	2	0	1	0	29	8	0	0	0
23	एम.ए. शिक्षा	35	15	9	5	3	3	0	2	0	1	0	0	0	0	3	2	0	1	0
24	एम.ए. हिन्दी	50	21	13	7	4	5	2	15	7	2	4	0	0	0	30	10	1	0	2
25	सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए.	23	10	6	3	2	2	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
26	एम.ए. लोक नीति, विधि एवं शासन	25	10	7	4	2	2	5	12	4	1	1	0	0	0	23	5	0	0	0
27	एम.ए. / एम.एससी. खेल मनोविज्ञान	30	13	8	4	2	3	5	11	0	0	0	0	0	0	16	6	0	0	0
28	एम. आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)	23	10	6	3	2	2	2	1	0	2	0	0	0	0	5	0	0	0	0
29	एम.फार्मा. (फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान)	10	5	2	1	1	1	4	3	1	1	1	0	0	0	10	1	0	0	0
30	एम.फार्मा. (फार्मास्यूटिक्स)	10	5	2	1	1	1	2	4	1	1	2	0	0	1	11	2	0	0	1
31	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	30	13	8	4	2	3	8	12	0	0	3	0	0	0	23	4	0	0	1
32	एम.एससी. जीव रसायन	25	10	7	4	2	2	6	9	3	1	2	0	0	0	21	4	0	0	1

33	एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी	25	10	7	4	2	2	7	10	3	1	1	0	1	0	23	3	0	0	0
34	एम.एससी. रसायन विज्ञान	25	10	7	4	2	2	5	10	3	2	4	0	1	1	26	3	0	0	2
35	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	25	10	7	4	2	2	4	10	1	0	4	0	0	0	19	4	0	0	2
36	एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (बिग डाटा एनालिटिक्स)	80	32	22	12	6	8	16	23	2	0	7	0	0	0	48	12	0	0	1
37	एम.एससी. डिजिटल सोसायटी	30	13	8	4	2	3	4	6	0	0	3	0	0	0	13	4	0	0	1
38	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	25	10	7	4	2	2	4	11	4	0	0	0	1	0	20	7	0	0	0
39	एम.एससी. गणित	30	13	8	4	2	3	4	15	3	2	2	0	0	0	26	3	0	0	0
40	एम.एससी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	25	10	7	4	2	2	9	6	4	2	3	0	1	0	25	0	0	0	1
41	एम.एससी. भौतिक विज्ञान	23	10	6	3	2	2	6	8	3	2	3	0	0	0	22	3	0	0	1
42	एम.एससी. खेल जैव रसायन	30	13	8	4	2	3	1	1	0	0	1	0	0	0	3	1	0	0	1
43	एम.एससी. खेल जैव यांत्रिकी	30	13	8	4	2	3	1	2	0	0	0	0	0	0	3	2	0	0	0
44	एम.एससी. खेल पोषण	30	13	8	4	2	3	5	8	1	1	0	0	0	0	15	7	0	1	0
45	एम.एससी. खेल शारीरिक विज्ञान	30	13	8	4	2	3	1	0	0	0	1	0	0	0	2	0	0	0	1
46	एम.एससी. सांख्यिकी	25	10	7	4	2	2	3	11	1	1	3	0	0	0	19	6	0	0	1
47	एम.एससी. योग चिकित्सा	40	16	11	6	3	4	5	12	4		5	0	0	0	26	9	1	0	1
48	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान (साइबर फिजिकल सिस्टम)	15	7	4	2	1	1	3	0	1	0	0	0	0	0	4	0	1	0	0
49	एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	23	10	6	3	2	2	3	4	2	0	2	0	0	0	11	2	2	0	2
50	सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर	35	15	9	5	3	3	6	17	2	2	3	0	0	0	30	8	1	0	0
51	एमबीए	35	15	9	5	3	3	7	16	5	3	4	4	0	0	39	7	0	0	1
52	मीडिया राइटिंग और डिजिटल कम्युनिकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	N/A						6	17	0	2	1	0	0	0	26	0	0	0	0
		1552	**661**	**414**	**219**	**113**	**145**	**248**	**537**	**127**	**55**	**125**	**4**	**11**	**3**	**1110**	**247**	**16**	**5**	**43**

उपर्युक्त सारणी क्रमांक 1 में दर्शाया गया है कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 में कुल 1110 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया। इनमें से 248 छात्र (22.34%) अनारक्षित, 537 छात्र (48.37%) ओबीसी वर्ग, 127 छात्र (11.44%) एससी वर्ग, 55 छात्र (4.95%) एसटी वर्ग, 125 छात्र (11.26%) शामिल हैं। ईडब्ल्यूएस श्रेणी से और बाकी 18 छात्र (1.64%) रक्षा श्रेणी, जम्मू और कश्मीर राज्य और विदेशी देशों से हैं। सारणी से यह भी पता चलता है कि आरक्षित श्रेणी से संबंधित 311 छात्रों ने विभिन्न कार्यक्रमों में मेधा सूची के अनुसार अनारक्षित सीटों पर अपना प्रवेश प्राप्त किया। तत्पश्चात, चित्र-1 में राजस्थान

केन्द्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2022-23 में विभिन्न श्रेणियों में प्रवेशित छात्रों के वितरण को दर्शाया गया है। चित्र-2 अनारक्षित सीटों पर अपना प्रवेश सुरक्षित करने वाले विभिन्न श्रेणी के छात्रों की संख्या को दर्शाता है।

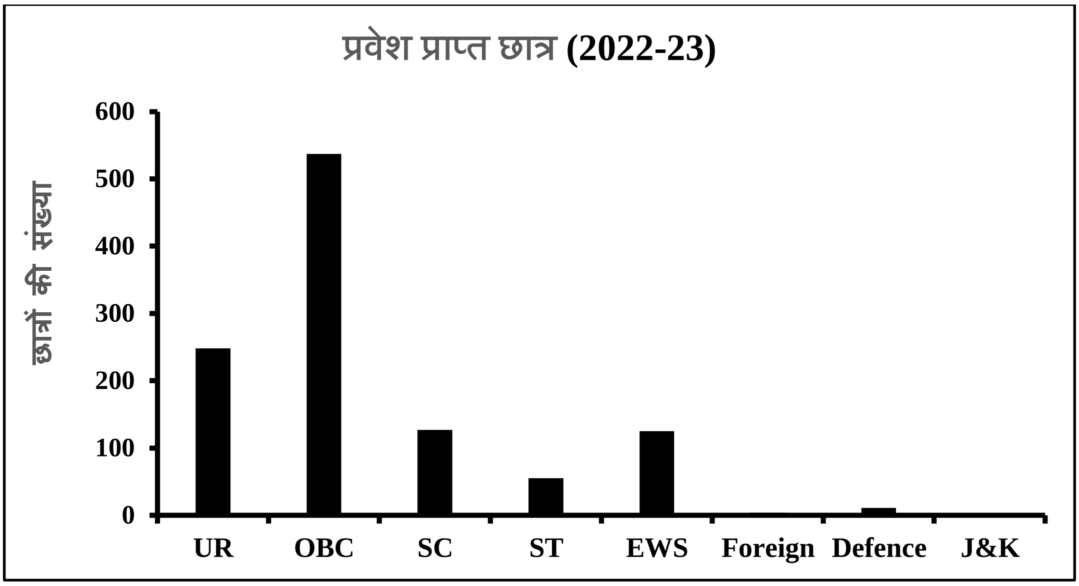

चित्र :1शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या

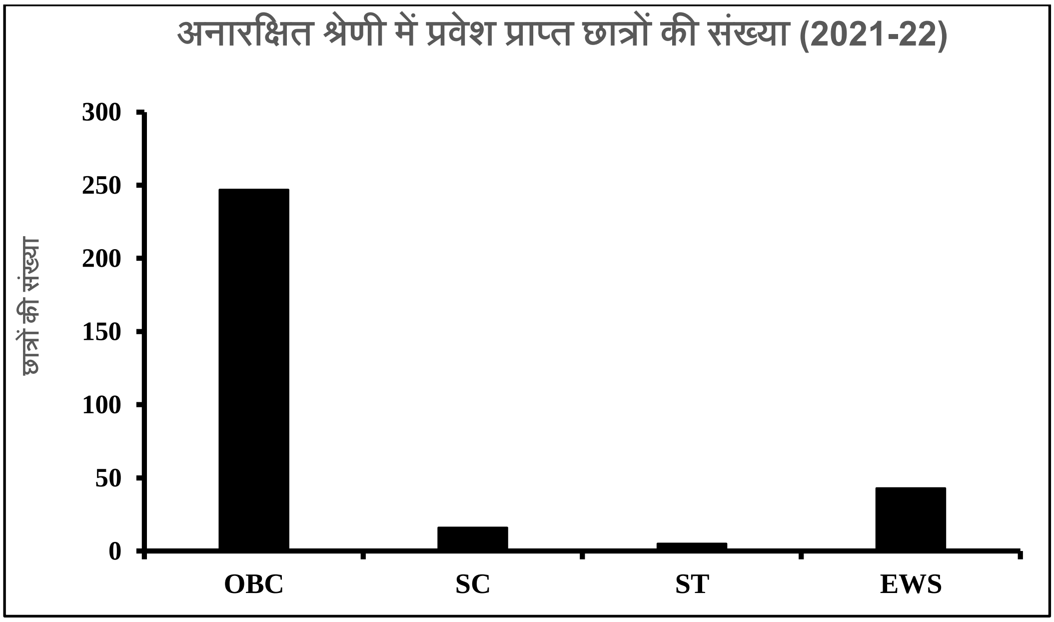

चित्र :2शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में अनारक्षित श्रेणी के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों की संख्या।

सारणी क्रमांक 2: शैक्षणिक सत्र 2022-23 में पी.एचडी. कार्यक्रम में प्रवेश के संबंध में सूचना

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कुल सीट	श्रेणीवार प्रवेश					
			अना.	अपिव	अजा	अजजा	ई. डब्ल्यू.एस.	कुल प्रवेश
1.	पी.एचडी. वास्तुकला	2	1	0	0	0	0	1

2.	पी.एचडी. वायुमंडलीय विज्ञान	9	2	0	0	0	0	2
3.	पी.एचडी. जीव रसायन	12	5	3	1	0	1	10
4.	पी.एचडी. जैव प्रौद्योगिकी	16	1	8	1	1	1	12
5.	पी.एचडी. रसायन विज्ञान	17	2	6	2	0	4	14
6.	पी.एचडी. वाणिज्य	3	0	1	0	0	0	1
7.	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान	4	1	0	0	0	0	1
8.	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी	8	0	2	0	0	1	3
9.	पी.एचडी. संस्कृति मीडिया और अध्ययन	6	2	2	1	0	1	6
10.	पी.एचडी. अंग्रेज़ी	4	2	1	1	0	0	4
11.	पी.एचडी. इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग	5	0	0	0	0	0	0
12.	पी.एचडी. अर्थशास्त्र	2	0	1	1	0	0	2
13.	पी.एचडी. शिक्षा	17	2	2	2	0	2	8
14.	पी.एचडी. पर्यावरण विज्ञान	10	3	3	0	1	2	9
15.	पी.एचडी. हिन्दी	9	0	4	2	1	2	9
16.	पी.एचडी. भाषा विज्ञान	7	2	1	1	0		4
17.	पी.एचडी. प्रबंधन	4	1	1	0	0	1	3
18.	पी.एचडी. गणित	11	1	6	1	0	1	9
19.	पी.एचडी. सूक्ष्म जीव विज्ञान	8	2	2	0	0	1	5
20.	पी.एचडी. फार्मेसी	9	1	1	1	0	1	4
21.	पी.एचडी. भौतिक विज्ञान	6	0	1	0	0	0	1
22.	पी.एचडी. लोक, नीति, विधि एवं शासन	7	1	3	1	0		5
23.	पी.एचडी. सामाजिक कार्य	8	2	0	2	0	1	5
24.	पी.एचडी. खेल जीव विज्ञान	12	3	4	0	0	1	8
25.	पी.एचडी. खेल मनोविज्ञान	4	1	2	0	0	1	4
26.	पी.एचडी. सांख्यिकी	12	2	4	0	0		6
27.	पी.एचडी. योग	3	1	1	0	0	1	3
	कुल	**215**	**38**	**59**	**17**	**3**	**22**	**139**

सारणी संख्या 2 के अनुसार, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा के माध्यम से वर्ष 2022-23 में 27 विभागों में कुल 139 छात्रों को पी.एचडी. में प्रवेश दिया गया। विश्वविद्यालय के 27 विभागों में कुल 215 सीटों के लिए विज्ञापन जारी किया गया। वर्ष 2019-20 में ईडब्लूएस श्रेणी में पीएचडी में प्रवेश प्रारंभ किया गया था, जो निरंतर जारी है। चित्र-3 की आकृति में विभिन्न कोटि में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है। चित्र-4 में विभिन्न विभागों में पीएच.डी. में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों के विभाजन को दर्शाया गया है।

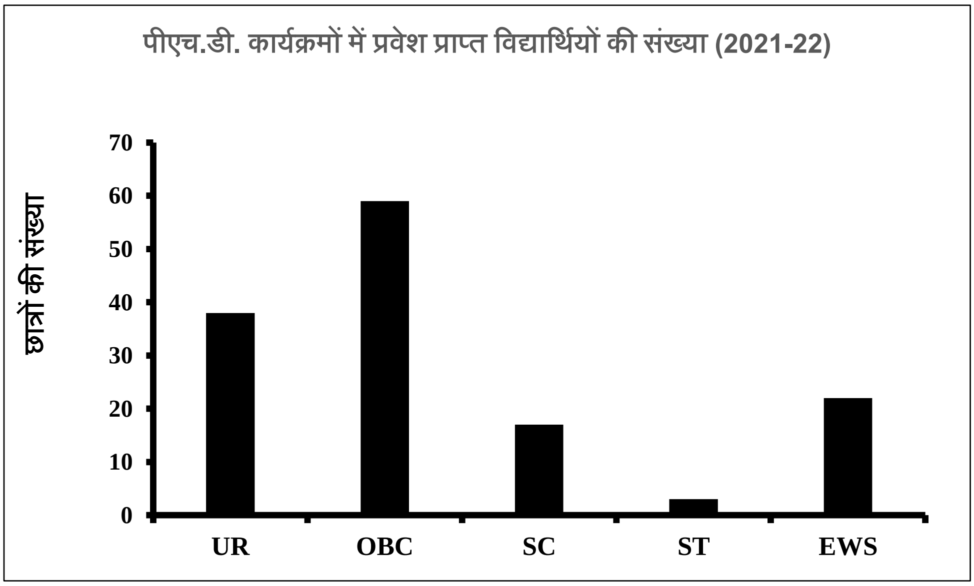

चित्र :3शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में पी.एचडी. कार्यक्रम में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या।

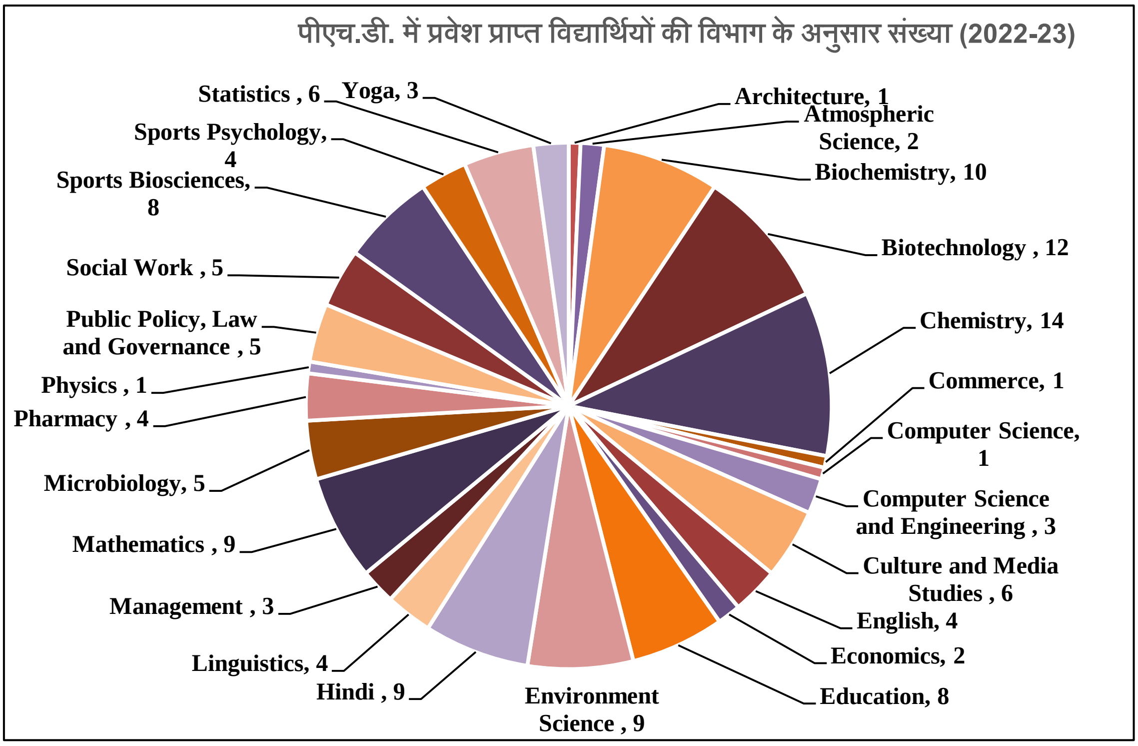

चित्र :4 शैक्षणिक वर्ष 2022-23 में पी.एचडी. में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विभागवार विवरण।

वर्ष 2022-23 तक प्रवेशित सभी कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के लिंग के अनुसार राज्यवार विवरण

(31.03.2022) 23-2022तक विद्यार्थी																				
राज्य	बीटेक		इंटीग्रेटेड एम.एससी. 5 साल		इंटीग्रेटेड एम.एससी बी.एड. 3 वर्ष		एम.टेक/ एम.आर्क		एमबीए		एम.एससी.		नया		जारी		कुल		कुल	%
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.		
अरुणाचल प्रदेश	0	3	2	16	0	2	0	1	0	0	1	7	6	9	3	29	9	38	47	1.72
आंध्र प्रदेश	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	2	0	1	0	3	0	4	0	4	0.15
असम	0	1	5	2	0	1	0	0	0	0	3	4	4	7	8	8	12	15	27	0.99
बिहार	2	7	36	82	8	27	0	5	2	9	22	24	22	63	70	154	92	217	309	11.33
छत्तीसगढ़	0	1	1	2	0	0	0	0	0	0	1	2	4	0	2	5	6	5	11	0.40
दिल्ली	0	3	5	11	2	0	2	0	0	2	8	4	15	8	17	20	32	28	60	2.20
विदेशी छात्र (अफ़ग़ानिस्तान)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	4	0	2	0	6	6	0.22
विदेशी छात्र (फिजी)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	0	1	0.04
विदेशी छात्र (इंडोनेशिया)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0.04
विदेशी छात्र (नाइजिरिया)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0.04
हिमाचल प्रदेश	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2	0	0	2	2	4	0.15
गोवा	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	0	1	0.04
गुजरात	0	2	1	1	1	0	1	0	0	0	1	2	0	1	4	5	4	6	10	0.37
हरियाणा	2	4	6	17	4	3	0	1	0	6	4	8	23	13	16	39	39	52	91	3.34
जम्मू एंड कश्मीर	0	0	4	4	0	2	0	0	0	0	3	2	3	7	7	8	10	15	25	0.92
झारखण्ड	0	1	11	20	2	3	0	1	1	2	2	4	8	9	16	31	24	40	64	2.35
कर्नाटक	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	2	3	1	1	3	4	7	0.26
केरला	1	0	14	31	3	4	0	0	0	0	27	35	46	52	45	70	91	122	213	7.81
लदाख	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	1	1	0.04
मध्य प्रदेश	1	1	2	1	2	2	0	0	0	0	4	4	17	15	9	8	26	23	49	1.80
महाराष्ट्र	3	4	1	6	2	0	2	0	0	1	5	10	3	14	13	21	16	35	51	1.87
मणिपुर	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	1	1	1	2	1	2	2	4	6	0.22
मेघालय	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	2	0.07
मिजोरम	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	2	0	0	1	2	3	0.11
ओडिशा	0	0	5	9	9	24	0	0	0	0	9	11	7	20	23	44	30	64	94	3.45
पंजाब	0	0	0	2	0	1	0	0	0	0	0	1	2	3	0	4	2	7	9	0.33
राजस्थान	10	71	150	243	38	61	0	1	4	1	48	72	209	326	250	449	459	775	1234	45.23
तमिल नाडू	1	0	3	3	0	0	1	0	0	0	0	0	1	3	5	3	6	6	12	0.44
तेलंगाना	0	5	8	12	0	0	0	1	0	0	4	10	8	8	12	28	20	36	56	2.05

त्रिपुरा	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	1	1	0	2	1	3	0.11
उत्तर प्रदेश	2	10	16	46	6	7	2	2	0	2	15	25	52	57	41	92	93	149	242	8.87
उत्तराखंड	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	2	0	4	1	3	2	7	3	10	0.37
पश्चिम बंगाल	2	2	3	13	2	3	1	0	0	0	12	11	15	10	20	29	35	39	74	2.71
कुल	**24**	**116**	**276**	**523**	**80**	**142**	**9**	**12**	**7**	**24**	**176**	**241**	**458**	**640**	**572**	**1058**	**1030**	**1698**	**2728**	**100.00**

सारणी संख्या 3 और चित्र 5 में लैंगिक विवरण दर्शाता है कि शैक्षणिक सत्र 2022-23 में 37.8% विद्यार्थी महिला हैं, जबकि 62.2% विद्यार्थी पुरुष हैं। चित्र-6 दर्शाता है कि 54.8% छात्र राजस्थान से हैं, जबकि 45.2% छात्र अन्य राज्यों से हैं। सारणी-3 में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि भारत के 28 विभिन्न राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों और अन्य देशों से भी छात्र राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं, जो उपयुक्त रूप से विश्वविद्यालय की अखिल भारतीय विशेषता और महानगरीय संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है।

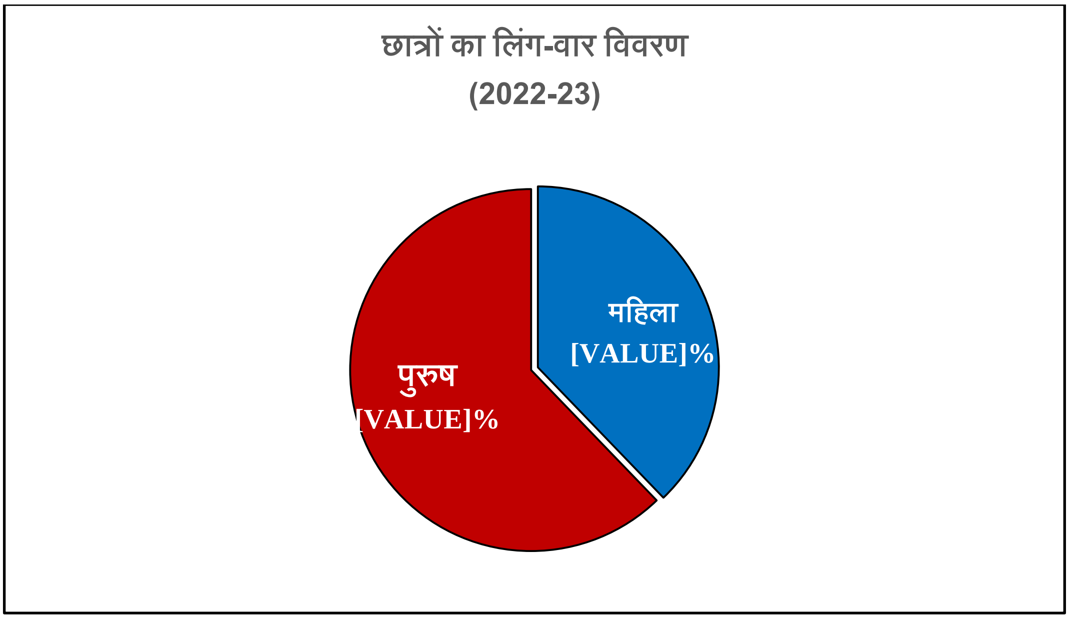

चित्र :5 शैक्षणिक वर्ष 2022-23 तक प्रवेशित छात्रों का लिंगवार वि-वरण।

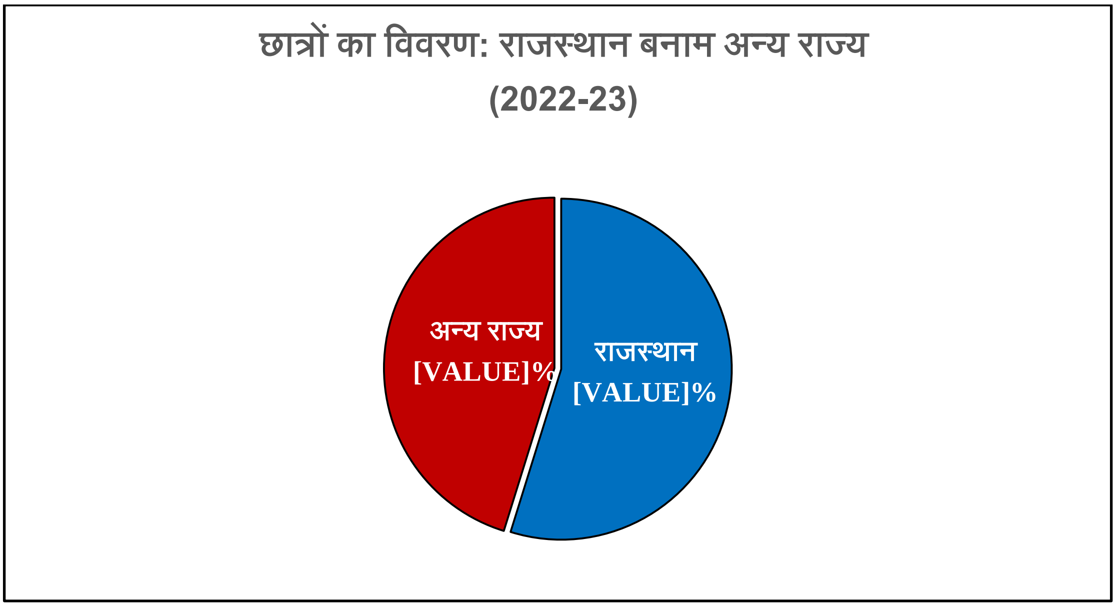

चित्र :6शैक्षणिक वर्ष 2022-23 तक राजस्थान बनाम अन्य राज्यों के छात्रों का प्रतिशत।

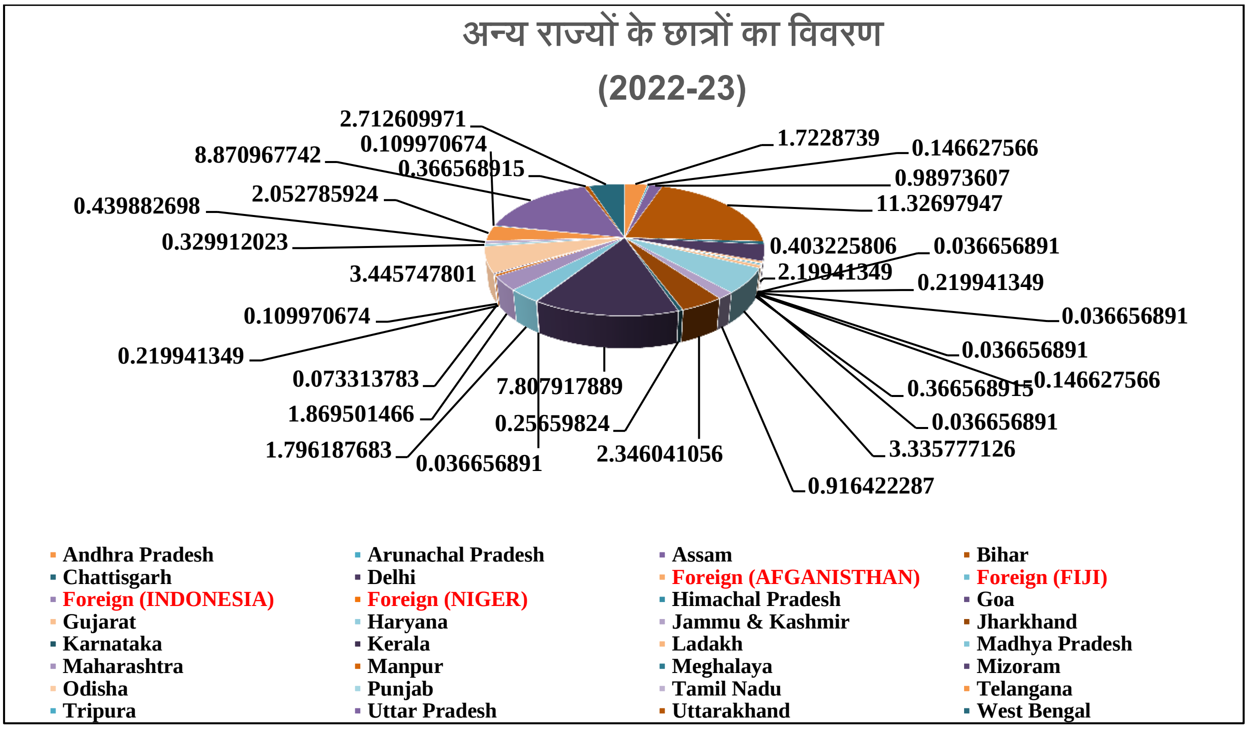

चित्र :7शैक्षणिक वर्ष 2022-23 तक अन्य राज्यों के छात्रों का प्रतिशत।

निम्न सारणी (संख्या-4) में वर्ष 2022 की अंतिम परीक्षा में विभिन्न कार्यक्रम में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों के नाम दर्शाए गए हैं। बाद का पाई-चार्ट (चित्र-8) विभिन्न विभागों के टॉपर्स के वितरण को दर्शाता है। यह विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों की संख्या पर आधारित है।

सारणी संख्या 4: वर्ष 2022 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले पात्र छात्रों की सूची

(8 वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक की संभावित सूची)

क्र	नामाकन संख्या	नाम	कार्यक्रम	विभाग
1	2020MARCH009	हेमंग दवे	एम .आर्क	वास्तुकला
2	2018BDES003	सार्वानी सूर्यवंशी	बीक्रा) डेस.फ्ट डिजाइन(	बी. डेस (क्राफ्ट डिज़ाइन)
3	2020MSATS001	अल्बिन साबू	एम.एससी. वायुमंडलीय विज्ञान	वायुमंडलीय विज्ञान
4	2020MSBC005	आशाबरी पांडा	एम जीव रसायन .एससी.	जीव रसायन
5	2017IMSBC009	सायानी सरकार	इंटीग्रेटेड एम.एससी. जीव रसायन	जीव रसायन
6	2020MSBT019	सलोनी शर्मा	एमजैव प्रौद्योगिकी .एससी.	जैव प्रौद्योगिकी
7	2017IMSBT006	फेबा मरियम जोसे	इंटीग्रेटेड एमजैव प्रौद्योगिकी .एससी.	जैव प्रौद्योगिकी
8	2020MSCH002	अद्वितीय सिंह	एम .एससी.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
9	2017IMSCH008	प्रस्तुति अग्रवाल	इंटीग्रेटेड एम .एससी.रसायन विज्ञान	रसायन विज्ञान
10	2019IMSBCH004	डिंपल खत्री	इंटीग्रेटेड एमयन रसा .एड.बी .एससी. विज्ञान	रसायन विज्ञान
11	2020MCOM018	शुभ्रा केडिया	एम. कॉम.	वाणिज्य
12	2020MSCS001	अभिषेक सील	एम.एससी. कंप्यूटर विज्ञान	कंप्यूटर विज्ञान
13	2020MTCPS001	गिरिराज वैष्णव	एम. टेक. (साइबर भौतिक प्रणाली(	कंप्यूटर विज्ञान
14	2020MTCSE013	सुधा	एम. टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
15	2020MACMS002	अनुपमा पविथ्रण	एमए सीएमएस	संस्कृति और मीडिया अध्ययन
16	2020MSBDA011	जूही प्रिया	एम.एससी. सीएस (बिग आंकड़ा एनालिटिक्स)	आंकड़ा साइंस और एनालिटिक्स
17	2020MAE004	कुमार शैशव	एम.एससी. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
18	2017IMSEC006	गोपिका मेनोन एम	इंटीग्रेटेड एम.एससी. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
19	2019IMSBEC001	अन्वेक्ष बोथरा	इंटीग्रेटेड एम .एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	अर्थशास्त्र
20	2020MAEN015	हरिता हरीन्द्रनाथ	एम.ए. अंग्रेजी	अंग्रेज़ी
21	2020MAED004	सुभम कुमार साहू	एम.ए .एजुकेशन	**शिक्षा**
22	2020MSES020	विनीषा गर्ग	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
23	2017IMSES002	श्रुती जैन	इंटीग्रेटेड एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	पर्यावरण विज्ञान
24	2020MAH001	अमित राजावत	एम.ए .हिन्दी	हिंदी

25	2020MBA016	हीना मुलानी	एमबीए	गणित
26	2020MSM010	काजोल पञ्च	एम.एससी. गणित	गणित
27	2017IMSMT007	प्रियंका चौधरी	इंटीग्रेटेड एम.एससी. गणित	गणित
28	2019IMSBMT022	शैलेन्द्र सिंह रावत	इंटीग्रेटेड एम .एससी. बी.एड. गणित	गणित
29	2020MSMB016	पूर्णिमा कुमारी	एम .एससी.सूक्ष्म जीवविज्ञान	जैव प्रौद्योगिकी
30	2017IMSMB002	आनंद कुमार झा	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिक विज्ञान	जैव प्रौद्योगिकी
31	2020MPPC006	निकिता कुमारी	एम फार्मास्युटिकल) .फार्मा.रसायन विज्ञान(	फार्मेसी
32	2020MPP006	गणेश.एम . फूलमोगरे	एम(फार्मास्यूटिक्स) .फार्मा.	फार्मेसी
33	2020MSPH008	जाग्रति चौधरी	एम.एससी. भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान
34	2017IMSPH002	अंकित कुमार	इंटीग्रेटेड एम.एससी. भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान
35	2019IMSBPH011	चारू शर्मा	इंटीग्रेटेड एम .एससी.बी.एड. भौतिक विज्ञान	भौतिक विज्ञान
36	2020MPPLG009	रिनता जॉन	पीपीएलजी	सार्वजनिक नीतिकानून और शासन ,
37	2020MSW019	श्रद्धा श्री बाजपाई	सामाजिक कार्य में स्नातकोत्तर	सामाजिक कार्य
38	2020MSDS007	निखिल राज	एम .एससी.डिजिटल सोसाइटी	समाज प्रौद्योगिकी-इंटरफ़ेस
39	2020MSSB004	हिमानी अरोरा	एमव.एससी. खेल जैव रसायन	खेल जैव विज्ञान
40	2020MSSN006	सुभजीत चटर्जी	एम खेल पोषण .एससी.	खेल जैव विज्ञान
41	2020MSSP001	अमषा गोदारा	एम. एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	खेल जैव विज्ञान
42	2020MSSPSY003	व्शाक्ष के	एम. एससी. मनोविज्ञान	खेल मनोविज्ञान
43	2020MSTA002	अदिति शर्मा	एम .एससी. सांख्यिकी	सांख्यिकी
44	2020MSYT010	शंकर लाल सैनी	एम.एससी. योग चिकित्सा	योग

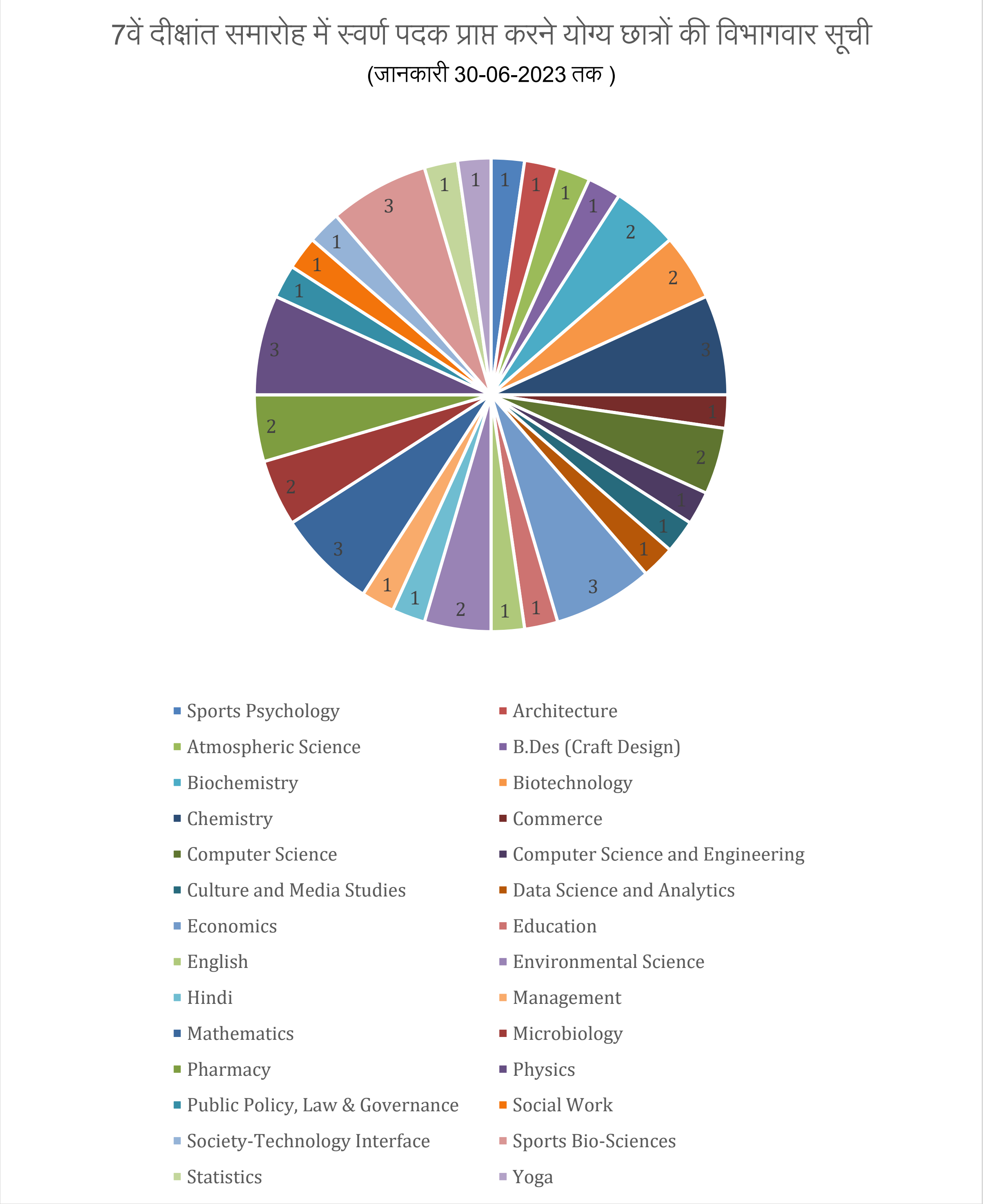

चित्र :88वें दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने योग्य छात्रों की विभागवार सूची

सारणी सं. 5 : दीक्षांत समारोहों के अनुसार उपाधि प्राप्तकर्ता

दीक्षांत समारोह	पी.एचडी.	एमटेक.	एम.एससी.	एमए	एमबीए	एम कॉम	एम.आर्क.	बी.डेस /एम.डेस	एमफार्मा.	इंटीग्रेटेड एम.एससी. (5 वर्ष)	इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.	बी. एससी	बी वोक	कुल
प्रथम (01-09-2012)	शून्य	22	74	32	30	-	-	-	-	-	-	-	-	158

द्वितीय (09-07-2013)	शून्य	21	123	65	26	-	09	-	-	-	-	-	-	244
तृतीय (01-10-2016)	शून्य	50	529	296	103	56	22	-	46	-	-	23	-	1125
चतुर्थ (13-11-2017)	13	18	158	103	34	16	10	-	17	-	-	85	32	486
पंचम (02-11-2018)	12	08	86	67	29	18	17	-	05	94	62	89	27	514
षष्ठ (03-12-2019)	44	10	92	71	23	07	08	-	08	134	69	66	51	583
सप्तम (16-08-2022)	116	18	346	138	50	27	28	84	39	206	75	106	50	1283
VIII (30-06-2023 तक का संभावित आंकड़ा)	15	16	245	107	31	22	17	08	16	54	104	104	1	740
कुल														**5133**

सारणी में दिए गए विवरण 7वें दीक्षांत समारोह तक का आंकड़ा और आगामी आयोजित होने वाले (8वें) दीक्षांत समारोह के आंकड़ा को दर्शाते हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान उपलब्ध जानकारी के अनुसार 8वें दीक्षांत समारोह में अस्थायी रूप से 15 पीएच.डी. शोधार्थी और 740 स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यार्थी अपनी डिग्री प्राप्त करेंगे।

सारणी सं. 6 : 2022 में 30-06-2023 तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्तीर्ण होकर उपाधि प्राप्त करने योग्य छात्रों की सूची

एमए		एम.एससी.		एम.टेक/स्पोर्ट		इंटीग्रेटेड एम.एससी.		इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड.		बीएससी	बी वोक.	पी.एचडी.	कुल
सीएमएस	15	वायुमंडलीय विज्ञान	11	कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	12	लागू नहीं		लागू नहीं		104	1		
अर्थशास्त्र	15	जैव रसायन	14	खेल पोषण	04	जैव रसायन	06						
अंग्रेज़ी	29	जैव प्रौद्योगिकी	22	खेल जैव यांत्रिकी	12	जैव प्रौद्योगिकी	07						
हिन्दी	15	रसायन विज्ञान	21			रसायन विज्ञान	05	रसायन विज्ञान	32				
पीपीएलजी	11	कंप्यूटर विज्ञान	15			कंप्यूटर विज्ञान	00	लागू नहीं					
एमएसडब्ल्यू	19	कंप्यूटर विज्ञान बिग)आंकड़ा एनालिटिक्स(	28	खेल शरीर क्रिया विज्ञान	03	अर्थशास्त्र	06	अर्थशास्त्र	18				
बी डैस	08	पर्यावरण विज्ञान	16	खेल मनोविज्ञान	04	पर्यावरण विज्ञान	05	लागू नहीं		लागू नहीं	लागू नहीं	15	
एम आर्क	17	डिजिटल सोसायटी	10			लागू नहीं							
एमबीए	31	गणित	18	एमटीसीपीएस	04	गणित	09	गणित	28				
वाणिज्य	22	सूक्ष्म जीवविज्ञान	23			सूक्ष्म जीवविज्ञान	07	लागू नहीं					
एजुकेशन	3	फार्मेसी	16			लागू नहीं							
		भौतिक विज्ञान	20			भौतिक विज्ञान	04	भौतिक विज्ञान	26				
		सांख्यिकी	14			सांख्यिकी	05	लागू नहीं					
		योग	10			लागू नहीं							
कुल													**740**

सारणी-6 विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि एमए, एम.एससी, एमटेक, इंटीग्रेटेड एम.एससी, इंटीग्रेटेड एम.एससी, बी.एड., बी.एससी, बी. वोक., और पी.एचडी.107 की उपाधि प्राप्त करने के पात्र छात्रों की संख्या को दर्शाता है। विभिन्न 17 एमए कार्यक्रमों कुल 245 विद्यार्थी डिग्री के लिए पात्र होंगे। और विभिन्न 16 एम.एससी. कार्यक्रमों में 232 विद्यार्थी उपाधि के पात्र हैं। इसी तरह, 16 विभिन्न योजनाओं के तहत एम.टेक. की उपाधि हेतु 23 विद्यार्थी और 10 विभिन्न इंटीग्रेटेड एम.एससी. कार्यक्रमों में उपाधि के लिए 54 विद्यार्थी पात्र हैं। कुल 104 विद्यार्थी इंटीग्रेटेड एम.एससी. बी.एड. की उपाधि के पात्र हैं। संचयी रूप से, यह अध्याय विद्यार्थियों, उनके प्रवेश और उपाधि की प्राप्ति से संबंधित विश्वविद्यालय के अकादमिक प्रोफाइल का एक व्यापक चित्र प्रस्तुत करता है।

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) प्रकोष्ठ:

प्रत्यायन, रैंकिंग, सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण प्रकोष्ठ की स्थापना एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग योजनाओं, आईओई, नैक, आईक्यूएसी, अंतरराष्ट्रीय छात्रों के नामांकन और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / एजेंसियों के साथ सहयोग इत्यादि की आंतरिक आवश्यकताओं के लिए की गई है।

रैंकिंग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारत की विभिन्न रैंकिंग में भाग लिया।

1. राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचा (एनआईआरएफ)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वर्ष 2023 में विश्वविद्यालय का एनआईआरएफ रैंकिंग 150-200 (रैंक बैंड) है और फार्मेसी विभाग को 27वां रैंक है। राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) को अनुमोदन प्रदान किया गया तथा 05 जून 2022 को माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान जी द्वारा इसका प्रारंभ किया गया।

2. इंडिया टुडे (मार्केटिंग एंड डेवलपमेंट रिसर्च एसोसिएट्स)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने इंडिया टुडे सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय रैंकिंग सर्वे 2021 में केंद्रीय विश्वविद्यालय रैंकिंग श्रेणी में19 वाँ रैंक प्राप्त किया। समाज कार्य विभाग, विशेष रूप से वर्ष 2000 के बाद स्थापित संस्थानों में एक उभरते हुए कॉलेज/विभाग के रूप में वर्ष 2022 की रैंकिंग में भारत में तीसरे स्थान पर है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय मे सामाजिक कार्य विभाग की स्थापना 2012 हुई थी। सर्वश्रेष्ठ 56 सामाजिक कार्य विभागों/महाविद्यालयों की इंडिया टूडे की समग्र रैंकिंग) एमडीआरए – मार्केटिंग एंड डेवलपमेंड रिचर्स एसोसिएट्स द्वारा (2003में सर्वश्रेष्ठ 55 सामाजिक कार्य विभाग/कॉलेज है।

3. नैक (NAAC) मान्यता का दूसरा चक्र :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने नैक (NAAC) मान्यता प्रक्रिया का दूसरा चक्र बहुत सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। सभी स्व-अध्ययन रिपोर्ट अपलोड की गईं और सहकर्मी टीम का दौरा 22 से 24 मई, 2023 के बीच आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय ने मूल्यांकन के सभी सात डोमेन, अर्थात् पाठ्यचर्या पहलू, शिक्षण-शिक्षण मूल्यांकन, अनुसंधान-नवाचार विस्तार, बुनियादी ढांचे तथा अध्ययन के संसाधन, छात्र समर्थन और प्रगति, शासन नेतृत्व और प्रबंधन, संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाओं में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को 3.54 सीजीपीए के साथ "ए++" ग्रेड की मान्यता प्राप्त हुई। इसके बाद, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय को यूजीसी द्वारा श्रेणी-1 विश्वविद्यालय के रूप में मान्यता दी गई है।

सहयोग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विभिन्न प्रतिष्ठित भारतीय संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग स्थापित किया है।

सारणी संख्या 7: भारतीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची

वर्ष	भारतीय संस्थान / विश्वविद्यालय	हस्ताक्षर / प्रभावी	वैधता
2017	अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, बैंगलोर	20.03.2017	19.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए वैध)
2017	भारतीय शिल्प और डिजाइन संस्थान (आईआईसीडी), जयपुर	16.03.2017	15.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए वैध)
2017	एमओयू (त्रिपक्षीय): एमएचआरडी+यूजीसी +रा.के.वि.वि.	--	--
2018	इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली	10.04.2021	19.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच साल के लिए वैध)
2018	युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस), भारत सरकार, नई दिल्ली	19.03.2018	15.03.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए वैध)
2018	हाइर मी, बंगलुरु (कर्नाटक)	25.09.2018	24.09.2020 (25.09.2018 से दो वर्ष की प्रभावी अवधि की समाप्ति तक)
2018	भारतीय दिल्ली संस्थान, नई दिल्ली (आईआईटीडी)	हाइर मी, बंगलुरु (कर्नाटक) भारतीय दिल्ली संस्थान, नई दिल्ली (आईआईटीडी)	----

सारणी संख्या 8: अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों की सूची

साल	अंतरराष्ट्रीय	हस्ताक्षर प्रभावी /	वैधता
2016	नामीबिया विश्वविद्यालय (यूएनएएम)	06.10.2017	05.10.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से वर्ष के लिए वैध)
2016	नामीबिया इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट ,(एनआईपीएएम) नामीबिया	05.02.2016	पांच वर्ष के लिए वैध
2017	नोवोसिबिर्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी	10.01.2017	09.01.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से वर्ष के लिए वैध)
2017	बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी(यूएसए) ओहियो ,	12.04.2017	11.04.2022 (हस्ताक्षर करने की तिथि से पांच वर्ष के लिए वैध)
2018	ढाका विश्वविद्यालय (बांग्लादेश)	15.07.2018	14.07.2023 (पांच साल के लिए वैध)
2022	सनियो विश्वविद्यालय रॉसी (इटली)	08.03.2022	हस्ताक्षर किए जाने की तिथि से 1 वर्ष के लिए वैध

अंतर्राष्ट्रीयकरण

भारत सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण एक अभिन्न अंग है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (CURAJ) ने विदेशी छात्रों के प्रवेश से संबंधित सभी मामलों के समन्वय और प्रवेश के लिए नियामक/वैधानिक निकायों के साथ संपर्क करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मामलों का एक कार्यालय (OIA) स्थापित किया है। OIA विदेशी उच्च शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोगात्मक व्यवस्था के तहत पंजीकृत सभी छात्रों के लिए एक समन्वय एजेंसी के रूप में काम कर रहा है। OIA विदेशों में प्रचार गतिविधियों और ब्रांड निर्माण अभियान में भी लगा हुआ है, रिकॉर्ड बनाए रखता है और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित जानकारी का प्रसार करता है और छात्रों की शिकायतों का समाधान करता है।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय सरकार द्वारा नामांकित विदेशी छात्रों को प्रवेश प्रदान करता है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (ICCR), विदेश मंत्रालय (MEA) नई दिल्ली के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

विश्वविद्यालय विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए स्व-वित्त योजना के माध्यम से सीधे प्रवेश पर भी विचार करता है। विदेशी नागरिकों को प्रवेश के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालयों के सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीयूसीईटी) में उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं है; हालाँकि, उन्हें किसी भी भारतीय या विदेशी विश्वविद्यालय / संस्थान से समकक्ष योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होनी चाहिए।

प्रत्येक वर्ष विदेशी नागरिकों को निम्नलिखित श्रेणियों के तहत अध्ययन के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है:

(1) **भारत सरकार का सांस्कृतिक आदान-प्रदान फैलोशिप कार्यक्रम:-** इस फेलोशिप कार्यक्रम के तहत प्रवेश के लिए इच्छुक उम्मीदवारों को भारतीय उच्चायोग / दूतावास / भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के माध्यम से आवेदन करने की आवश्यकता होती है जिस पर विचार किया जा सके। यदि आवेदक उपयुक्त पाया जाता है, तो उनके प्रवेश की पुष्टि सीधे उनके प्रवेश को प्रायोजित करने वाली संबंधित एजेंसी को भेजी जाती है।

(2) **स्व-वित्त छात्रों के लिए सीधे प्रवेश:-** विदेशी छात्र, जो स्व-वित्त श्रेणी के तहत सम्मिलित होना चाहते हैं, उन्हें अपना आवेदन बायोडाटा और शैक्षणिक योग्यता के साथ निर्धारित प्रारूप पर प्रत्यायन रैंकिंग सहयोग और अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीयकरण (एआरसीआई) कार्यालय में जमा करना होगा।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय पी.एचडी. शोधर्थियों का विवरण।

पी.एचडी. छात्र				
क्र.सं.	**शोधार्थी का नाम**	**देश**	**विभाग**	**प्रवेश का माध्यम**
1	श्री मोहम्मद अब्देल रहमान जदल्लाह अबुलेब्दा	फिलिस्तीन	पी.एचडी. सांख्यिकी	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2018-19)
2	श्रीमती मासूमा खावरी	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी. सूक्ष्म जीवविज्ञान	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2019-20)
3	श्री शाह वाली शाहीन	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2022-23)
4	श्री फाजिलहक अखोण्ड	अफ़ग़ानिस्तान	पी.एचडी. कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग	आईसीसीआर, सामान्य छात्रवृत्ति योजना (2022-23)
शैक्षणिक वर्ष 2020-21				
1	श्री मोहम्मद अलीम	अफ़ग़ानिस्तान	एमबीए	आईसीसीआर, अफगान छात्रवृत्ति योजना
2	श्री इमैनुएल चिसांबा	मलावी	एमबीए	आईसीसीआर, अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना

शैक्षणिक वर्ष 2021-22				
1	श्री कुरनियावान सिटोरस वाह्युदी	इंडोनेशिया	एमए पीपीएलजी	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आई.सी.सी.आर
2	श्री साहिरौ तफ़रकी महामने मंसूर	नाइजर	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	अफ्रीका छात्रवृत्ति योजना - विदेश मंत्रालय
3	सुश्री शर्तिका शिवांजलि प्रसाद	फ़िजी	एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान	सामान्य छात्रवृत्ति योजना - आई.सी.सी.आर

छात्रों का दौरा

छात्र	देश/संस्थान	उद्देश्य
डॉ. विजय कुमार डॉ. विभा कौशिक (पर्यवेक्षक : डॉ जयकान्त यादव)	तेल अवीव विश्वविद्यालय, इज़राइल	पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान
डॉ राजन पांडे (पर्यवेक्षक : डॉ. विजय प्रजापति)	करोलिंस्का संस्थान स्वीडन	पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान
डॉ. अभिलाषा श्रीवास्तव	विस्कॉन्सिन मेडिकल कॉलेज, यूएसए	पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान
डॉ मंतू कुमार	क्राको, पोलैंड	वैज्ञानिक II
मिस चारु मिस्र (पर्यवेक्षक : डॉ. केसर रजा)	राष्ट्रमंडल स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति (30 लाख)	ब्रिटेन के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय में भारत-ब्रिटिश सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजनाएँ
श्री सत्येंद्र सिंह श्री केतन कुमार श्री अभिषेक राव	साओ पाउलो स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइन्स ऑन पथोगेनीक ट्रयपनोसोमातीड्स: फ्रोम बेसिक बयोलॉजी टू पथोगेनेसिस एंड न्यू थेरपीएस (एसपीएसएएस) एट फैकुलडेड डे मेडिसीना डे रिबेराओ प्रेटो, यूनिवर्सिडेड डे साओ पाउलो, रिबेराओ प्रेटो शहर, ब्राज़ील	ट्रिप्स स्कूल में भाग लेने के लिए
विनीता शर्मा विकास चौधरी राज नंदनी	जस्टस लिबिग यूनिवर्सिटी गिसेन, जर्मनी एलयूएमसी, नीदरलैंड औषधि विज्ञान विभाग, साउथ डकोटा स्टेट यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका	पी.एचडी.

अनुसंधान साझेदारी/सहयोग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय विदेशों में प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के साथ साझेदारी खोलने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है। ऐसी साझेदारियाँ सहयोगात्मक अनुसंधान, औद्योगिक परामर्श, संयुक्त डिग्री कार्यक्रमों और छात्रों/संकाय/कर्मचारियों के आदान-प्रदान के माध्यम से साकार की जाएंगी। अनुसंधान हितों के आधार पर संकाय द्वारा शुरू की गई साझेदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।

सरकारी एजेंसियों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजनाएँ

प्रमुख अन्वेषक	निधीयन एजेंसी	परियोजना का शीर्षक	कुल परिव्यय
प्रो. संजीब पांडा	डीएसटी-डीएएडी इंडो जर्मन प्रोजेक्ट विथ एचएचयू डसेलडोर्फ, जर्मनी	डीएसटी- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, भारत सरकार (भारत-ईयू द्विपक्षीय सहयोग, क्षितिज 2020)	
डॉ. निधि पारीक	डीएसटी- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, भारत सरकार (भारत-ईयू द्विपक्षीय सहयोग, होरीज़ोन 2020)	सरस्वती 2.0: विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार और संसाधन के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध प्रौद्योगिकियों की पहचान करना भारत के लिए पुनर्प्राप्ति	9.3 करोड़
डॉ. निधि पारीक	डीएसटी- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, भारत सरकार (भारत-रूस)	सौर ऊर्जा का उपयोग करके जैविक कचरे के अवायवीय जैव रूपांतरण को तेज करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दक्षता बढ़ाना	75 लाख

डॉ. उमेश गुप्ता	डीएसटी- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, भारत सरकार (भारत-बेलारूस)	कैंसर रोधी दवा टेमोज़ोलोमाइड की मस्तिष्क आपूर्ति के लिए एप्टामर गिंट4टी आधारित डेंड्रिमेरिक कैरियर की खोज	8.1 लाख

संकाय आदान-प्रदान/यात्रा

संकाय	जाने का उद्देश्य	देश/संस्थान
प्रो. प्रदीप वर्मा	जेएसपीएस ब्रिज फ़ेलोशिप	जापान, क्योटो विश्वविद्यालय
प्रो. संजीब पांडा	रॉयल सोसाइटी इंटरनेशनल विजिटिंग साइंटिस्ट सीईपीएलएएस विजिटिंग गेस्ट प्रोफेसर जेएसपीएस- आमंत्रण फेलो प्रोफेसर, लैब सेल टेक्नोलॉजी	यूनाइटेड किंगडम; एक्सेटर विश्वविद्यालय जर्मनी; हेनरिक हेन विश्वविद्यालय डसेलडोर्फ जापान; गिफू विश्वविद्यालय
डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुभव	यूनाइटेड किंगडम; तंत्रिका विज्ञान विभाग फिजियोलॉजी और फार्माकोल, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन
डॉ. निधि पारीक	अनुसंधान सहयोग	स्वीडन; स्वीडिश कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, लुंड

पुरस्कार

संकाय	पुरस्कार
डॉ. जयकान्त यादव	इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी द्वारा खाद्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी की 21वीं विश्व कांग्रेस, सिंगापुर में खाद्य स्थिरता विचार/संकल्पना विकास प्रतियोगिता चैंपियन

आयोजित कार्यक्रम

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और मालवीय नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जयपुर द्वारा संयुक्त रूप से चल रहे इंडो-ईयू प्रोजेक्ट सरवती 2.0 पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। दोनों साझेदार संस्थानों के शोधकर्ताओं के व्याख्यान के साथ-साथ स्थायी जल प्रबंधन के लिए छात्र विचार पिचिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई जिसका लिंक (https://www.youtube.com/watch?v=Val14cSuKck) है।

मूलभूत सुविधाएं

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय 2009 के दौरान स्थापित विश्वविद्यालयों में से एक है। लगभग तेरह वर्षों की इस यात्रा के दौरान, विश्वविद्यालय ने पर्याप्त बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है और यह अभी भी विकसित हो रहा है।

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक परिवेश अनेक व्याख्यान कक्ष, प्रयोगशाला, अध्ययन कक्ष, छात्रावास और पुस्तकालय से सुसज्जित है। सहायक बुनियादी अवसंरचना में खेल के मैदान, व्यायामशाला, सभागार, बैंक, एटीएम, डाकघर, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स आदि सम्मिलित हैं। स्वास्थ्य लाभ हेतु टहलने और तनाव मुक्ति के लिए चौड़ी सड़क के किनारे हरियाली युक्त फुटपाथ बनाये गये हैं तथा स्ट्रीट लाइट लगाये गये हैं।

संपूर्ण अवसंरचना सतत विकास के मूलमंत्र को ध्यान में रखकर किया गया है। विश्वविद्यालय के छात्रों और निवासियों के सुविधायुक्त जीवन को सुनिश्चित करने के लिए इस दिशा में अनेक प्रयास किए जाते हैं। परिसर के भीतर और किशनगढ़ शहर से परिसर तक छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु परिवहन की सुविधा उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की बस नियमित रूप से किशनगढ़ से विश्वविद्यालय सुबह और शाम दो बार आती-जाती है। बस सुबह, शाम, और दोपहर की भोजनावधि में छात्रावास से छात्रों को उनके शैक्षणिक भवन तक पहुँचाती है। परिसर के भीतर यातायात हेतु अन्य ई-रिक्शा हैं। छात्रों और कर्मचारियों के आवागमन हेतु सुबह से लेकर देर शाम तक, बांदरसिंदरी राजमार्ग बस-स्टॉप से विश्वविद्यालय परिसर के बीच एक ऑटो-रिक्शा की सुविधा भी उपलब्ध हैं।

बैंकिंग सुविधा

विश्वविद्यालय ने बैंक ऑफ इंडिया के साथ मिलकर सहयोग किया है, जो भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के तहत राष्ट्रीयकृत बैंक है। परिसर में एटीएम मशीन के साथ एक पूर्णतः कार्यात्मक बैंक है। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का वेतन इस बैंक के माध्यम से वितरित किया जाता है और शाखा कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को ऋण सुविधाएं प्रदान करने में सहायक होता है।

डाक घर

कर्मचारियों, छात्रों और आसपास के गांवों की सेवा के लिए एक पूरी तरह कार्यात्मक डाकघर सुविधा उपलब्ध है।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स

एक सुविधाजनक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बैंक और डाकघर के पास स्थित है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स कर्मचारियों और छात्रों की बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करता है, जैसे लांड्री (कपड़े धुलवाने), डेयरी की दुकान, बेकरी, स्टेशनरी और फोटोकॉपी की दुकान और एक सहकारी स्टोर सम्मिलित हैं।

कैंटीन

कर्मचारियों और छात्रों के जलपान के लिए कई कैंटीन उपलब्ध हैं। छात्रों और कर्मचारियों की सुविधा के लिए कैंटीन शैक्षणिक भवनों के पास सुविधाजनक रूप से स्थित हैं। कैंटीन मे सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक चाय, कॉफी, सैंडविच, पराठे, इडली, जूस, दूध और अन्य जलपान सुविधा प्रदान की जाती है। इसके अलावा, मेगा मेस के पास एक कैंटीन भी स्थित है जो छात्रों के लिए 24X7 जलपान सुविधा प्रदान करती है।

प्रशासनिक तथा अकादमिक भवन

विश्वविद्यालय अकादमिक विभागों और प्रशासनिक कार्यों हेतु अनेक भवनों से समृद्ध है। 2017 सितंबर तक, सभी शैक्षणिक विभाग अस्थायी भवनों या ट्रांजिट भवनों में स्थित थे और बाद में, अधिकांश विभाग नव निर्मित चार अकादमिक भवनों में स्थानांतरित हुए।
इसके अलावा, दो और भवनों का निर्माण किया गया है और कुछ और भवन निर्माणाधीन हैं। प्रशासनिक कार्यालय को नए प्रशासनिक भवन में स्थानांतरित किया गया है जिसमें सभी प्रमुख प्रशासनिक कार्यालय, जैसे कि कुलपति सचिवालय, कुलसचिव, अधिष्ठाता (अनुसंधान), अधिष्ठाता (एआरसीई), वित्त एवं लेखा अनुभाग और अन्य प्रशासनिक अनुभाग हैं।

अकादमिक भवनों में अधिष्ठाताओं, विभागाध्यक्षों और आचार्यों के लिए अलग कक्ष हैं। भवनों में शिक्षण और पारस्परिक अंत:क्रिया के लिए सही वातावरण प्रदान करने हेतु विशाल कक्षाएं, सेमिनार हॉल, प्रयोगशाला तथा पर्याप्त खुली जगह है। ये पांच भवन एक समूह में स्थित हैं और अन्य चार अकादमिक भवनों और केंद्रीय पुस्तकालय हेतु भवन का निर्माण उसी डिजाइन में किये जाने की योजना है। वर्तमान में कुछ विभाग और केंद्रीय पुस्तकालय अर्ध-स्थायी भवनों में कार्यशील हैं। विश्वविद्यालय परिसर के भीतर एक सभागार है जिससे विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह, विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों, सम्मेलनों के आयोजन की सुविधाएँ प्राप्त होती हैं। विश्वविद्यालय परिसर में उपकरण (इंस्ट्रूमेंटेशन) प्रयोगशाला और स्कूल ऑफ एजुकेशन, जिसमें शिक्षा विभाग और योग विभाग दोनों होंगे, निर्माणाधीन है। शैक्षणिक वर्ष 2022 में, केंद्रीय पुस्तकालय के लिए एक अतिरिक्त वाचनालय का निर्माण किया गया, जिसमें एक समय में 50 से अधिक छात्रों के बैठने की क्षमता है।

केंद्रीय पुस्तकालय

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय ज्ञान की खाई को पाटता है जो उच्च शिक्षा के किसी भी संस्थान की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। ई-संसाधनों, पुस्तकों और पत्रिकाओं की उपलब्धता के माध्यम से पुस्तकालय विश्वविद्यालय के सभी उपयोगकर्ताओं के लिए वैश्विक ज्ञान के आदान हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में साधन-संपन्न और सुसज्जित पुस्तकालय है।यह छात्रों, शोधार्थियों, शिक्षकों, प्रशासनिक कर्मचारियों, विशेषज्ञों और आगंतुकों सहित समस्त समुदाय को विभिन्न प्रकार की शैक्षणिक सामग्री के लिए प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक दोनों तरह की सामग्री की व्यवस्था प्रदान करता है।

पुस्तकालय में लगभग 36410 मुद्रित पुस्तकें तथा 3293 ऑनलाइन पुस्तकों का संस्करण, 10,000+ ई-पत्रिकाएँ हैं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशकों के 78 प्रिंट जर्नल और प्रिंट जर्नल के 593 बाउंड वॉल्यूम हैं। इसके अतिरिक्त पुस्तकालय में 04 ऑनलाइन डाटाबेस और 770 सीडी रोम का संग्रह है। विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों और छात्रों की शोध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पुस्तकालय ने साइंस एंड स्कोपस (सार और उद्धरण डेटाबेस) की वेब, टर्निटिन - साहित्यक चोरी ज्ञात करने का एक अग्रणी उपकरण तथा ग्रामरली - छात्रों के शोध प्रकाशन की गुणवत्ता में सुधार हेतु एक स्वचालित व्याकरण शिक्षक और पुनरीक्षण उपकरण का क्रय किया है। पुस्तकालय द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं और सेवाएं हैं : ग्रंथात्मक सेवा, साहित्य खोज सेवा, पुस्तक प्राप्ति, संदर्भ, दस्तावेज़ वितरण, वेब ओपेक, फोटोकॉपी, डेलनेट और इनफ्लिबनेट के माध्यम से सामग्री का अंतर-पुस्तकालय आदान-प्रदान इत्यादि। इस प्रकार पुस्तकालय अपनी 150 सदस्यों के बैठने की क्षमता के साथ ज्ञान के भंडार के रूप में विश्वविद्यालय समुदाय को इंट्रा-नेट और इंटरनेट सेवा के माध्यम से महत्वपूर्ण सेवा प्रदान कर रहा है। अपने उपयोगकर्ताओं की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए यह इन्फ़्लिबिनेट, डेलनेट, करेंट साइंस एसोसिएशन, इंस्टीट्यूट ऑफ साइनटोमैटिक्स तथा अन्य संस्थाओं से संबद्ध है।

आई.सी.टी. सेवाएँ : राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय का पुस्तकालय अब नियमित और विशिष्ट कार्यों को करने के लिए वाणिज्यिक सॉफ्टवेयर LibSys7 से ओपन-सोर्स सॉफ्टवेयर KOHA लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर में स्थानांतरित हो गया है।

OPAC इंट्रानेट (सीयूराज कैंपस नेटवर्क) के माध्यम से उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया गया है और इंटरनेट उपयोगकर्ता हमारी लाइब्रेरी वेब ओपेक को http://10.0.0.16 पर एक्सेस कर सकते है | पुस्तकालय पूरी तरह वाई-फाई सेवा से युक्त है तथा लैन से जुड़े 15 कंप्यूटरों के साथ एक सुव्यवस्थित साइबर पुस्तकालय है जो उपभोक्ताओं को हज़ारों इलेक्ट्रॉनिक साधनों से जोड़ते है। पुस्तकालय द्वारा डिजिटल पुस्तकालय हेतु ओपेन सोर्स सॉफ्टवेयर अपनाने की योजना बनाई जा रही है। समय-समय पर लाइब्रेरी वेबपेज अपडेट किया जाता है जो नियमों / विनियमों, समाचार / घटनाओं के साथ ही प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के नए आगमन के बारे में जानकारी प्रदान करता है। अब, पुस्तकालय नियमित गतिविधियों के लिए आर.एफ.आई.डी एप्लिकेशन का उपयोग कर रहा है, जो पुस्तकालय के उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय टीम के हस्तक्षेप के बिना पुस्तकों को जारी करने या वापस करने में मदद करेगा।

छात्रावास सुविधाएं :

उच्च शिक्षा के दौरान छात्रावास विद्यार्थियों के लिए दूसरा घर बन जाता है। छात्रावास जीवन साथियों से सीखने, अध्ययन करने, मौज-मस्ती करने और उज्ज्वल भविष्य के सपने देखने का होता है। इस प्रकार, आवासीय छात्रों के लिए अनुकूल, रचनात्मक शिक्षा का माहौल, खेलने की पर्याप्त सुविधाएं, अवकाश गतिविधियों तथा स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। कुछ अच्छा करने के लिए पर्याप्त अनुशासन और सुविधाओं के सही संतुलन की आवश्यकता होती है। छात्रावास-जीवन शैक्षणिक विकास और उपलब्धि की यात्रा का एक हिस्सा है। विश्वविद्यालय में बालकों और बालिकाओं के छात्रावासों के लिए विशेष रूप से अलग-अलग भवन हैं, और बालकों के लिए तीन और बालिकाओं के लिए तीन भवन हैं। शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के दौरान विद्यार्थियों ने एकीकृत, यूजी, पीजी और पीएचडी के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया किन्तु कोविड प्रतिबंधों के कारण नियमित ऑफ़लाइन कक्षाएं शुरू नहीं हो सकीं और नए छात्रों को छात्रावास आवंटित नहीं किया जा सका था। परंतु, ऑफ़लाइन कक्षाएं शुरू होने तथा छात्रों के आगमन के पश्चात आवश्यक शुल्क के भुगतान पर उन्हें छात्रावास प्रदान किये गये।

वर्तमान में 04 बालिका छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 300 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1500 छात्राएं और 4 बालक छात्रावास (प्रत्येक छात्रावास में 450 विद्यार्थियों की क्षमता) में 1350 छात्र रह सकते हैं। पुरुष पीएचडी छात्रों के लिए एक अलग बालक छात्रावास है। छात्रावास के कमरे चारपाई, गद्दे, मेज, कुर्सी, आलमारी और अन्य बिजली के सामानों जैसे रोशनी, पंखे इत्यादि से सुसज्जित हैं। जब विद्यार्थियों के माता-पिता अपने पुत्र या पुत्री से मिलने आते हैं, तो उनके अनुरोध पर एक या दो दिन के लिए उन्हें रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

भोजनालय : सुविधा (मेस)

लगभग एक हजार बालक छात्रों के खानपान के लिए मेगा मेस की सुविधा उपलब्ध है। मेगा मेस के भोजन कक्ष में एक साथ 500 छात्रों के भोजन की सुविधा है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक बालिका छात्रावास में मेस छात्राओं के खानपान के लिए सक्रिय हैं। भोजनालय चूल्हा, रसोई घर तथा खाना पकाने के उपकरणों से युक्त है तथा रसोई घर के साथ सफाई का स्थान भी है। भोजन तैयार करने तथा उसके भंडारण के समय गुणवत्ता, मानक तथा स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाती है। सभी भोजन कक्षों में विद्यार्थियों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

वाशिंग मशीन की व्यवस्था :

बालक छात्रावास बी-5 भवन में छह वाशिंग मशीनें और ड्रायर लगाए गए हैं। इसी तरह अन्य छः वाशिंग मशीनें और ड्रायर बी-4 बालिका छात्रावास में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग विद्यार्थियों द्वारा किया जाता है।

कर्मचारियों के बच्चों के लिए डे केयर सेंटर :

डे केयर सेंटर सुविधा की वर्ष 2022 मे स्थापित की गयी। डे केयर सेंटर कर्मचारियों के बच्चों के लिए एक मूल्यवर्धन है। जो बच्चे किसी स्कूल में दाखिला नहीं ले सकते और उन्हें अपने माता-पिता की निरंतर निगरानी की आवश्यकता होती है, वे इस सुविधा के लिए दिन भर रुकते हैं। कर्मचारी अपने बच्चों को पर्यवेक्षित कर्मचारियों की देखभाल में छोड़ देते हैं। वर्तमान में, यह सुविधा एक साधारण शुरुआत है जहां एक समय में लगभग 30 बच्चों को रखा जा सकता है।

सामान्य लाँज तथा अध्ययन कक्ष की सुविधाएँ :

प्रत्येक छात्रावास के लाउंज क्षेत्र में बैठने की सुविधा के साथ ही एलसीडी टेलीविजन की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। इसमें मनोरंजन, सूचनापरक और समाचार चैनल की सुविधा है। इसके अतिरिक्त छात्रावास के सभी कमरों में इंटरनेट हेतु लैन कनेक्शन उपलब्ध है जो अध्ययन के लिए अनिवार्य है। इसके आलावा, कक्ष के बाहर वाईफाई की सुविधा उपलब्ध है क्योंकि पूरे रा.के.वि.वि. परिसर को इंटरनेट के उपयोग के लिए वाई-फाई से जोड़ा गया है तथा छात्र-छात्राओं को इंटरनेट के उपयोग हेतु पासवर्ड दिए गए हैं। छात्रावास में छात्र-छात्राओं के लिए द इकोनॉमिक टाइम्स, द टाइम्स ऑफ इंडिया, दैनिक भास्कर, राजस्थान पत्रिका जैसे समाचार पत्र भी उपलब्ध कराये जाते हैं। छात्रों के लिए प्रत्येक छात्रावास में अध्ययन कक्ष की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय अतिथि गृह

विश्वविद्यालय का अतिथि गृह, प्रशासनिक परिसर के बाईं ओर व कुलपति बंगले के निकट स्थित है। अतिथि गृह मुख्य रूप से विश्वविद्यालय के आधिकारिक अतिथियों/ विश्वविद्यालय विभागों द्वारा आयोजित सेमिनारों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों/सम्मेलनों/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने वालों के लिए है। विश्वविद्यालय के अतिथिगृह में विशेषज्ञों, परीक्षकों, आगंतुकों और छात्रों के माता-पिता को भी, पहले से सूचित किये जाने पर ठहराया जाता है। विश्वविद्यालय का अतिथिगृह एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किया गया विशाल 3 मंजिला शानदार संरचना है जिसमें 60 एक कमरे के सुइट, 10 दो कमरे के सुइट और 2 तीन कमरे के वीवीआईपी सुइट की क्षमता है। अधिकांश कक्ष वातानुकूलन, टेलीविजन सेट, रेफ्रिजरेटर, गीजर और अन्य बुनियादी सुविधाओं से युक्त हैं। कमरों में डेंटल किट, कंघी, साबुन, मॉइस्चराइज़र, शैम्पू, हेयर ऑइल, टॉयलेट रोल और बाथरूम चप्पल जैसी अतिथि सुविधाएँ उपलब्ध हैं। अतिथि गृह में 70 लोगों के बैठने की क्षमता वाला एक वातानुकूलित सेमिनार हॉल है। इस हॉल में विभिन्न आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उसी के समीप, 40 लागों के बैठने की क्षमता वाले वातानुकूलित डाइनिंग हॉल का उपयोग विभिन्न उच्च-स्तरीय आधिकारिक भोज लिए किया जाता है। भूतल में 60 लागों के बैठने की क्षमता वाला गैर वातानुकुलित डाइनिंग हॉल अतिथि गृह के निवासियों के लिए नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। अन्य दो गैर वातानुकुलित बहुउद्देशीय हॉल भी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग अक्सर सामुदायिक भोजन और अन्य इनडोर कार्यक्रमों की मेजबानी के लिए किया जाता है। अतिथि गृह में 100% पावर बैकअप की सुविधा उपलब्ध है। नए कार्यग्रहण करने वाले संकाय और कर्मचारियों के आवास के तनाव को कम करने के लिए, अतिथि गृह का एक हिस्सा सीमित समय के लिए शिक्षण संकाय और अधिकारियों को अधिग्रहण दर पर समायोजत करता है। विश्वविद्यालय के पास विशेषज्ञों, परीक्षकों, आगंतुकों और अभिभावकों के ठहरने लिए एक अच्छी पॉलिसी है, जिन्हें विभिन्न स्तर की प्राथमिकताओं के साथ अतिथि गृह में ठहराया जाता है। विभिन्न राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यह अतिथि गृह गणमान्य व्यक्तियों की मेजबानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस प्रकार, विश्वविद्यालय का अतिथि गृह विश्वविद्यालय जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा बन गया है।

जिम और खेल सुविधाएं

वर्ष 2022 के दौरान खेल और जिम की सुविधाओं में सुधार किया गया। क्रिकेट और फुटबॉल स्टेडियम में जबरदस्त सुधार किया गया है। इसके अलावा, ओपन जिम सुविधाओं के साथ-साथ एक हॉकी मैदान का निर्माण भी शुरू किया गया। बालक

एवं बालिका दोनों छात्रावासों में पृथक-पृथक आधुनिक उपकरणों से युक्त जिम की सुविधा उपलब्ध है। इनडोर खेलों के भाग के रूप में, छात्रावासों में निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान की जाती हैं:

1. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में टेबल टेनिस की सुविधा।
2. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में शतरंज की सुविधा।
3. सभी छात्रावासों (बालिका और बालक) में कैरम की सुविधा।

इनके अलावा, छात्रों को फुटबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, क्रिकेट और कई अन्य बाहरी खेलों के लिए पूरी तरह से प्रोत्साहित किया जाता है। हॉस्टल के पास फुटबॉल ग्राउंड, क्रिकेट ग्राउंड, बास्केटबॉल कोर्ट और वॉलीबॉल कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय की खेल समिति विद्यार्थियों के लिए वर्ष भर विभिन्न इनडोर और आउटडोर टूर्नामेंट आयोजित करती है। विश्वविद्यालय की सभी गतिविधियों में छात्राओं की सुरक्षा को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। महिला छात्रावास में लिंग विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार सेनेटरी नैपकिन वेंडिंग मशीन और इंसीनरेटर की सुविधा भी उपलब्ध है।

खेल सुविधाएं

शिक्षण तथा छात्रों के अध्ययन संबंधी प्रदर्शन के मूल्यांकन के अतिरिक्त, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय खेल के लिए भी सुविधाएं प्रदान करता है क्योंकि विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास में विश्वास करता है। छात्र-छात्राओं को कक्षा के बाद खेल सुविधाओं के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया जाता है। यहां फुटबॉल और क्रिकेट के हरी घास के मैदान और वॉलीबॉल के मैदान हैं जबकि बैडमिंटन और टेबल टेनिस के इनडोर कोर्ट हैं। विश्वविद्यालय प्रत्येक वर्ष अनेक खेल कार्यक्रमों जैसे - कैरम, शतरंज, वॉली बॉल, कबड्डी, क्रिकेट, बैडमिंटन, लंबी कूद, शॉट पुट, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस इत्यादि का आयोजन करता है। ऐसी स्पर्धाएं छात्र-छात्राओं के समुदाय को एक साथ लाने में मदद करती हैं और उन्हें कठिन परिश्रम के महत्व को दर्शाते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु ध्यान केंद्रित करती हैं। विश्वविद्यालय का खेल परिषद और खेल विज्ञान स्कूल छात्रों में खेल भावना को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से संलग्न हैं।

शॉपिंग कॉम्पलेक्स और कैंटीन

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का मानना है कि अच्छा परिसर जीवन छात्रों को उनके आवरण से बाहर आने में मदद करता है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय में एक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स है जो छात्रों को अनेक सुविधाएं प्रदान करने के अलावा अनेक सांस्कृतिक तथा जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों का एक महत्वपूर्ण स्थान भी है। विश्वविद्यालय शॉपिंग कॉम्पलेक्स में रेस्तरां, चाय की दुकान, फोटोकॉपी की दुकान, डेयरी की दुकान, लांड्री (कपड़े धुलवाने) की सुविधा और एक सहकारी स्टोर सम्मिलित हैं। वार्षिक निविदा के माध्यम से दुकानों को संबंधित विक्रेताओं को किराए पर दिया जाता है। गुणवत्ता नियंत्रण सुनिश्चित करने के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बेचे जाने वाले सभी उत्पादों की नियमित निगरानी की जाती है। दुकानें मानक अभ्यास के रूप में दर सूची प्रदर्शित करती हैं। स्थानों की सफाई एवं स्वच्छता को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। महामारी की अवधि के दौरान इनमें से अधिकतर सुविधाएं बंद कर दी गई थीं, लेकिन सीमित घंटो के लिए निवासियों को सेवाएं प्रदान की जाती थी।

बैंक, एटीएम तथा डाकघर

परिसर में, एटीएम सुविधा के साथ बैंक ऑफ इंडिया की एक शाखा है। बैंक आसपास के गांवों के ग्रामीणों सहित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय समुदाय को सभी नियमित बैंकिंग सेवाएँ और सुविधाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयोजनों के लिए आईसीआईसीआई बैंक और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की सेवा का भी उपयोग करता है। विभिन्न डाक

आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए परिसर में एक डाकघर भी है। ये सेवाएं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर जीवन के महत्वपूर्ण घटक हैं।

कर्मचारी आवास :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह यथासंभव लोगों की गतिशीलता को बनाये रखने का प्रयास कर रहा है। इस संबंध में, विश्वविद्यालय शैक्षणिक और अशैक्षणिक सदस्यों के लिए कर्मचारी आवास की सुविधा प्रदान कर रहा है। कर्मचारी आवास अकादमिक ब्लॉक के निकट ही स्थित है जो विश्वविद्यालय के सदस्यों के आवागमन को सुगम बनाता है। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में बी, सी, और डी प्रकार के कर्मचारी आवास हैं। कुल 68 आवासीय फ्लैट उपलब्ध हैं। वर्ष 2022 में टाइप-III के 36 आवासीय फ्लैट एवं टाइप-II के 16 आवासीय फ्लैट का निर्माण का काम पूरा हो गया और आवंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई। पात्रता मानदंड के अनुसार आवासों के आवंटन के लिए समिति है।

आवासीय भवनों में चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध रहती है। विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति निवास भी है। आवासीय भवनों में विस्तृत खुली जगह है जहां संकाय सदस्यों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। ऐसे कार्यक्रमों के अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल, रात्रि-भोज और अन्य मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। आवासीय भवनों में बच्चों के लिए एक सुंदर पार्क है जो परिसर में बच्चों के सामाजिक और मनोवैज्ञानिक सुविधा के लिए एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके अलावा, बच्चों के लिए एक और पार्क बी-प्रकार के आवासीय फ्लैट के पास बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, बी-प्रकार के आवासीय ब्लॉक के निकट फिटनेस पार्क (ओपन जिम) का उद्घाटन 9 सितंबर 2020 को किया गया, जिसमें स्वस्थता गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए विभिन्न सुविधाएं हैं। यह सुविधा विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध है।

केन्द्रीय विद्यालय :

केन्द्रीय विद्यालय संगठन एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान है जो स्कूली शिक्षा में अपने योगदान के लिए जाना जाता है। केन्द्रीय विद्यालय, बांदरसिंदरी राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में स्थित है। विद्यालय 31 मई, 2017 को शुरू हुआ और जुलाई 2017 में इसका उद्घाटन हुआ। यह विद्यालय समाज के विभिन्न वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, विद्यालय में 16 शिक्षक और 1 अशैक्षणिक कर्मचारी हैं। वर्तमान में विद्यालय में 422 विद्यार्थी हैं। प्रधानाचार्य कार्यालय, कर्मचारी-कक्ष, पुस्तकालय, खेल कक्ष, गतिविधि कक्ष, सीएमपी कक्ष, संगीत कक्ष, कंप्यूटर लैब, समग्र विज्ञान लैब, परीक्षा कक्ष, और बैडमिंटन कोर्ट के अलावा 10 सुसज्जित कमरे हैं। छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों जैसे सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान प्रदर्शनी, खेल कार्यक्रम आदि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। विद्यालय में विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ जैसे एकल और समूह गीत, नृत्य, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन सीसीए के कैलेंडर के अनुसार किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया। केन्द्रीय विद्यालय संख्या 2 अजमेर में केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा आयोजित "एक भारत श्रेष्ठ भारत" के तहत वाद-विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने भाग लिया और क्लस्टर स्तर में स्थान प्राप्त किया। टॉय मेकिंग प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने क्लस्टर और क्षेत्रीय स्तर पर भाग लिया और स्थान हासिल किया। ग्रीन ओलंपियाड प्रतियोगिता में तीन विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट ऑफ मेरिट मिला है। एनसीईआरटी, सीएसआईआर-सीरी और विज्ञान भारती के सहयोग से विज्ञान प्रसार (विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार) द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय विद्यार्थी विज्ञान मंथन विज्ञान प्रतिभा खोज प्रतियोगिता में आठवीं कक्षा के एक छात्र ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अंग्रेजी-हिंदी भाषण, और ग्रीन ओलंपियाड जैसे विभिन्न आयोजनों में स्थान हासिल किया। स्कूल ने पूरे वर्ष वर्चुअल माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है और इनमें से कई कार्यक्रमों को YouTube लिंक में अपडेट भी

किया। विशेष रूप से, स्कूल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए दादा-दादी दिवस, शिक्षक दिवस, योग दिवस, फिट-इंडिया आंदोलन, हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमो और अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया।

स्वास्थ्य केंद्र :

विश्वविद्यालय परिसर में एक सुसज्जित स्वास्थ्य केंद्र हैं। हाल ही में, दो कोविड-19 आइसोलेशन वार्ड स्थापित किए गए हैं जो ऑक्सीजन, सक्शन मशीन, व्हील चेयर व स्ट्रेचर से लैस हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने हाल ही में अत्यधिक उन्नत डेंटल चेयर, डेंटल एक्स रे मशीन, दंत चिकित्सा उपकरणों आदि के साथ एक पूरी तरह से सुसज्जित दंत चिकित्सा क्लिनिक की स्थापना की है। स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के फिजियोथेरेपी के लिए आवश्यक सभी उपकरणों के साथ एक उन्नत फिजियोथेरेपी यूनिट की भी स्थापना की गई है। इसके अलावा, नियमित हेमेटोलॉजिकल और जैव रासायनिक परीक्षणों के लिए उपकरणों का क्रय किया गया। यह स्वास्थ्य केंद्र आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए ऑक्सीजनेटर, नेबुलाइज़र, ईसीजी, पल्स ऑक्सी मीटर, रिससिटेशन किट (एंबुबैग आदि), स्फिग्मोमैनोमीटर, व्हील चेयर, स्ट्रेचर और आटोक्लेव आदि से सुसज्जित है। साथ ही, स्वास्थ्य केंद्र में 4 ऑक्सीजन सिलेंडर और 2 ऑक्सीजनेटर हैं। स्वास्थ्य केंद्र को पूरी तरह कार्यात्मक दंत चिकित्सा सेवा बुनियादी ढांचा भी मिला है और डॉ. आशीष शर्मा छात्रों और कर्मचारियों और उनके परिवार को मुफ्त में परामर्श प्रदान करते हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य केंद्र में फिजियोथेरेपी सेवाएं भी हैं।

स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा अधिकारी तथा आगंतुक विशेषज्ञों के लिए परामर्श कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, औषधि भंडार से युक्त है जिसमें आंतरिक रोगियों के लिए 06 बिस्तर वाले दो वार्ड हैं। स्वास्थ्य केंद्र में उच्च चिकित्सा में गंभीर मामलों को रेफर करने के लिए एक एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध है। यह स्वास्थ्य केंद्र सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम को 4 बजे से 7 बजे तक ओ.पी.डी. सेंवाएं और 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के साथ-साथ इनडोर रोगियों को इंजेक्शन, ड्रिप, ऑक्सीजन, नेबुलाइजेशन आदि सेवाएं प्रदान करता है। स्वास्थ्य केंद्र द्वारा केंद्रीय विद्यालय के छात्रों के लिए प्रत्येक 6 महीने में चिकित्सा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाता है तथा उनके संपूर्ण स्वास्थ्य की जांच की जाती है।

चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिल वर्तमान सीजीएचएस दर सूची व अध्यादेश एवं भारत सरकार के दिशा-निर्देशानुसार स्वास्थ्य केंद्र के कर्मचारियों द्वारा सत्यापित किए जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र में नियमित कर्मचारियों और छात्रों के लिए ऑनलाइन समर्थ पोर्टल भी है जिसमें विभिन्न प्रकार के आंकड़े, जैसे रोगी का स्वास्थ्य इतिहास, दवा, प्राप्त सुविधाएं और रेफरल विवरण आदि दर्ज किये जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्र ने टीकाकरण के लिए स्वास्थ्य शिविर भी लगाया। इसके अलावा, चिकित्सा अधिकारी नियमित रूप से समय-समय पर टीकाकरण अभियान, रक्तदान शिविर और आवश्यक स्वास्थ्य सलाह के बारे में अपडेट भेजते हैं।

राजभाषा प्रकोष्ठ :

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी को प्रोत्साहित करने हेतु राजभाषा प्रकोष्ठ बनाया गया है। राजभाषा नियमों के कार्यान्वयन हेतु सतत प्रयास किये जा रहे हैं। कार्यालय के कार्य में हिंदी के प्रयोग के मूल्यांकन हेतु कुलपति महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है। राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी कार्यशाला के माध्यम से विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी में कार्यों के निष्पादन हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित कार्यशालाओं में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को भी नामित किया जाता है। सभी प्रशासनिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कंप्यूटर में हिंदी टंकण सॉफ्टवेयर अपलोड किया गया है। प्रतिवेदित वर्ष में कार्यालय के अनेक दस्तावेजों यथा कार्यालय आदेशों, परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों, विभिन्न पदों के लिए विज्ञापनों इत्यादि का हिंदी अनुवाद किया गया तथा इन्हें द्विभाषी रूप में जारी किया गया।

विश्वविद्यालय में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों के लिए हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता, टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद प्रतियोगिता, हिंदी पोस्टर प्रतियोगिता इत्यादि का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को नकद पुरस्कार के साथ ही प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में राजभाषा हिंदी के प्रोत्साहन हेतु अनेक कदम उठाये जा रहे हैं तथा हिंदी के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

अन्य सहायक सुविधाएँ:

विश्वविद्यालय विद्यार्थियों और कर्मचारियों को अकादमिक गतिविधियों में संलग्न करने के लिए एक सुरक्षित और जीवंत वातावरण प्रदान करने हेतु निरंतर प्रयास कर रहा है। विश्वविद्यालय द्वारा अद्वितीय तंत्र से असंरचनात्मक आवश्यकताओं में सुधार किया गया है। अतिरिक्त विशेषताएं हैं (1) विश्वविद्यालय निर्माण समिति (2) आईसीटी प्रकोष्ठ समिति (3) कुलानुशासक की अध्यक्षता में परिसर निगरानी अवसंरचना (4) परिसर सुविधाएं और सुविधा प्रबंधन समिति काम कर रही है और (5) प्रो. राजेश कुमार की अध्यक्षता में परिसर में वृक्षारोपण एवं परिदृश्य प्रबंधन समिति, (6) विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट डिजिटल अध्ययन प्रौद्योगिकी केंद्र (7) खेल समिति तथा स्वास्थ्य एवं फिटनेस समिति है।

राजस्थान सौर ऊर्जा से समृद्ध है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में सौर पैनल को स्थापित करके सौर ऊर्जा का उपयोग करने के प्रयास किए गये। बिजली की खपत को कम करने और सौर-ऊर्जा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए ये पैनल विश्वविद्यालय के छात्रावासों की छतों पर तथा अकादमिक भवनों पर लगाये गये हैं और अन्य भवनों भी इसे लगाये जाने की योजना बनाई गई है। ग्रिड से जुड़ा रूफ टॉप सौर संयंत्र लगाये गये हैं और वर्तमान में इस सौर संयंत्र के माध्यम से 780 किलोवाट बिजली उत्पन्न होती है। यह बिजली पावर ग्रिड के साथ जुड़ा हुआ है, अत: बिजली के बिल को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, संधारणीय अवसंरचना को विकसित करने के लिए जल-संचयन प्रणाली की रूप-रेखा बनाई गई। जागरूकता पैदा करने और विश्वविद्यालय के सभी निवासियों की सुविधा हेतु पर्यावरण को हरा-भरा रखने के लिए नियमित रूप से वृक्षारोपण अभियान और स्वच्छता अभियान चलाया गया। विशेष स्थानों पर डस्टबिन रखे जाते हैं और उसकी नियमित सफाई की जाती है। लगातार वृक्षारोपण के माध्यम से हरित क्षेत्र का विस्तार हो रहा है।

विद्यार्थी सहायता प्रणाली

विश्वविद्यालय का एक प्रमुख पहलू छात्रों के लिए उपलब्ध कल्याण और सहायता प्रणाली है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों की सहायता के लिए एक सराहनीय तंत्र विकसित किया है जिससे छात्रों का कल्याण सुनिश्चित हो सके। विद्यार्थी सहायता अनेक तरीकों से प्रदान की जाती है। सबसे पहले, प्रत्येक कार्यक्रम में प्रत्येक छात्र के लिए एक सलाहकार आवंटित किया जाता है। इसके अलावा, इस उद्देश्य के लिए कई अलग अलग समितियां और-प्रकोष्ठ शुरू किए गए हैं और ये प्रकोष्ठ विभिन्न गैरसरकारी और सरकारी - रूप से कार्य करते हैंनिकायों के साथ समन्वय में स्वतंत्र।

विद्यार्थियों को परामर्श

प्रत्येक विभाग में विभागाध्यक्ष एक छात्र सलाहकार नियुक्त करते हैं। छात्र सलाहकार एक संकाय होता है जिसके साथ छात्र अपनी शैक्षणिक आवश्यकताओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर सलाह लेते हैं। सलाहकार छात्रों को सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करते हैं ताकि वे यह तय कर सकें कि वे एक सेमेस्टर में एक कार्यक्रम के लिए कौन से पाठ्यक्रम और कितने क्रेडिट के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। छात्र सलाहकार छात्र की प्रगति, उपस्थिति आदि को ध्यान में रखते हुए परामर्श के माध्यम से व्यक्तिगत छात्रों की देखभाल करता है।

विद्यार्थियों का मार्गदर्शन

सभी विभागों में, प्रत्येक छात्र को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं और कैरियर निर्णयों के संबंध में परामर्श प्रदान किया जाता है, जिसके लिए क्षेत्र में विशेषज्ञ दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। कुछ विभागों ने प्रत्येक छात्र को एक संकाय सलाहकार नियुक्त किया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने एक मेंटरशिप दृष्टिकोण अपनाया है, जिसमें सभी शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि छात्र शिक्षा के साथ साथ अपने संबंधित-कैरियर में भी उच्च मानक हासिल करें।

विद्यार्थी परिषद्

विश्वविद्यालय में एक छात्र परिषद का गठन किया जाता है और विभिन्न विभागों के छात्रों द्वारा छात्र प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाता है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद छात्रों को शैक्षणिक, खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में योग्यता के आधार पर छात्र परिषद के सदस्यों के रूप में भी नामांकित करती है। प्रत्येक वर्ष, विभिन्न विभागों से कुल 19 छात्र प्रतिनिधि चुने जाते हैं और 20 छात्र अकादमिक परिषद द्वारा नामांकित होते हैं। यह परिषद छात्रों की शैक्षणिक और कल्याण गतिविधियों से संबंधित मामलों पर निर्णय लेती है और उनका समाधान करती है।

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (डीएसडब्ल्यू) कक्षा के बाहर छात्रों के सामान्य कल्याण की देखभाल करते हैं तथा उनके व्यक्तित्व की वृद्धि और विकास में योगदान देते हैं। डीएसडब्ल्यू का कार्य विश्वविद्यालय में उपयोगी बौद्धिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और कॉर्पोरेट जीवन के माध्यम से अपने उद्देश्यों की पूर्ण प्राप्ति के लिए छात्रों के बीच समझ को बढ़ावा देना है।

छात्र शिकायत निवारण तंत्र

विश्वविद्यालय ने एक छात्र शिकायत निवारण तंत्र का गठन किया है। प्रत्येक शैक्षणिक स्कूल स्तर पर, एक शिकायत निवारण समिति का गठन किया जाता है, जिसमें शिक्षा से संबंधित छात्रों की शिकायतों का खुले और लोकतांत्रिक वातावरण में समाधान किया जाता है। प्रोफेसर एस.एन. अम्बेडकर संपूर्ण छात्र शिकायत निवारण तंत्र की निगरानी करते हैं।

भेदभाव विरोधी समिति

विश्वविद्यालय ने एक भेदभाव विरोधी समिति का गठन किया है। प्रोफेसर प्रवीण साहू समिति के अध्यक्ष हैं। विश्वविद्यालय के अन्य छात्रों या कर्मचारियों से नस्ल, जाति, धर्म पर भेदभाव का सामना करने वाला कोई भी छात्र इस समिति से संपर्क कर सकता है और समर्थन और मार्गदर्शन मांग सकता है।

विकलांग विद्यार्थियों के लिए सहायता

विश्वविद्यालय ने दिव्यांग व्यक्तियों की रोजमर्रा की जरूरतों का ख्याल रखने और सरकार की मौजूदा योजनाओं या किसी अन्य कल्याणकारी गतिविधि को लागू करने के लिए एक समिति का गठन किया है। यह समिति प्रोफेसर यू.एस.मिश्रा की अध्यक्षता में कार्य कर रही है।

समान अवसर प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय ने एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) अल्पसंख्यकों से संबंधित छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार करने के लिए उपचारात्मक पाठ्यक्रमों सहित उपयुक्त कार्यक्रम/योजनाएं तैयार करने की दृष्टि से एक समान अवसर प्रकोष्ठ की स्थापना की है। इस प्रकोष्ठ की गतिविधियाँ विश्वविद्यालय में लक्षित छात्रों के लाभ के लिए वित्तीय और अन्य शैक्षणिक संसाधन जुटाने के लिए सरकार और अन्य फंडिंग एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित करना है। यह प्रकोष्ठ प्रोफेसर जे.के. प्रजापत, गणित विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के नेतृत्व में कार्य कर रहा है।

नियोजन और कैरियर परामर्श

विश्वविद्यालय ने एक नियोजन और कैरियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ का गठन किया है। प्रकोष्ठ ने कई उद्योगों के साथ गठजोड़ किया है और हर साल, प्रकोष्ठ कैंपस नियोजन आयोजित करने के लिए उद्योग विशेषज्ञों को आमंत्रित करता है। प्रकोष्ठ छात्रों के लाभ के लिए लघु सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

एंटी रैगिंग प्रकोष्ठ

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय परिसर में रैगिंग से निपटने के लिए एक एंटी-रैगिंग प्रकोष्ठ कार्यरत है। इस प्रकोष्ठ के तहत, विश्वविद्यालय ने एक एंटी-रैगिंग स्क्वाड का गठन किया है, जो छात्रों को रैगिंग मुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए निगरानी के साथ-साथ जागरूक भी करता है। वर्ष 2021-22 के लिए एंटी-रैगिंग कमेटी में निम्नलिखित सदस्य थे।

अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय द्वारा अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस विशेष प्रकोष्ठ द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों का समाधान किया जाता है। यह प्रकोष्ठ प्रोफेसर एस.एन. अम्बेडकर की अध्यक्षता और मार्गदर्शन में कार्य कर रहा है।

अन्य पिछड़ा वर्ग छात्र प्रकोष्ठ

अन्य पिछड़े वर्गों के छात्रों के लिए आवश्यक सहायता को ओबीसी छात्र प्रकोष्ठ द्वारा संबोधित किया जाता है। सभी प्रकार की विविधता को बनाए रखते हुए, यह अल्पसंख्यकों सहित सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करने और ऐसे मामलों में भारत के संविधान के प्रावधानों के अनुसार कार्य करने के लिए भी प्रतिबद्ध है, ताकि कार्य ऐसा माहौल बनाया जा सके जहां सभी कर्मचारी और छात्र सुरक्षित और सम्मानित महसूस करें। यह प्रकोष्ठ ओबीसी के पक्ष में समय-समय पर जारी आरक्षण संबंधीआदेशों का उचित अनुपालन सुनिश्चित करता है और छात्रों की शिकायतों का त्वरित निपटान भी सुनिश्चित करता है । वर्तमान में प्रकोष्ठ का नेतृत्व डॉ. अजीत कुमार पात्रा कर रहे हैं।

यौन उत्पीड़न (स्पर्श) की संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण और विश्वविद्यालय शिकायत समिति और स्पर्श प्रकोष्ठ

यौन उत्पीड़न की संवेदनशीलता, रोकथाम और निवारण (स्पर्श) प्रकोष्ठ, यौन उत्पीड़न से संबंधित मुद्दों के बारे में जागरूकता प्रदान करने और विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को संवेदनशील बनाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एक शीर्ष निकाय है। प्रत्येक वर्ष, स्पर्श प्रकोष्ठ लिंग संवेदीकरण और जागरूकता पर छात्रों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है। इस कार्यक्रम में, छात्रों के नए बैच को आमंत्रित किया जाता है और उन्हें यौन उत्पीड़न से संबंधित विषयों के बारे में जागरूक किया जाता है और विश्वविद्यालय में संचालित स्पर्श प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली के बारे में बताया जाता है।

स्पर्श के निकाय :

स्पर्श समिति में स्पर्श की शीर्ष संस्था (एबीएस) और विश्वविद्यालय शिकायत समिति (यूसीसी) शामिल हैं। एबीएस का उद्देश्य विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न को रोकने के लिए संवेदनशील बनाना और काम करना है। यूसीसी यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों पर विचार करता है, और उचित कार्रवाई का सुझाव देते हुए जांच करता है।

एबीएस के कार्य, शक्तियां और कर्तव्य:

क. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों से मुक्त परिसर का वातावरण प्रदान करने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को बनाए रखना।

ख. एक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक वातावरण को बढ़ावा देना जो लिंग-आधारित भेदभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाएगा और यौन उत्पीड़न और लिंग-आधारित हिंसा के अन्य कार्यों को रोकेगा।

ग. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों के बारे में जागरूकता पैदा करना।

विश्वविद्यालय शिकायत समिति के कार्य (यूसीसी), शक्तियां और कर्तव्य:

क. सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों को पूरा करने के लिए जो सभी कर्मचारियों को कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के खिलाफ एक नीति विकसित करने और लागू करने का निर्देश देता है।

ख. लिंग आधारित भेदभाव, यौन उत्पीड़न और लिंग आधारित हिंसा के अन्य कृत्यों की रोकथाम और निवारण के लिए एक स्थायी तंत्र विकसित करना।
ग. यह सुनिश्चित करना कि शिकायतों की उचित रिपोर्टिंग और निवारण के माध्यम से अध्यादेश के प्रावधानों को अक्षरशः लागू किया जाए।

मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण समिति

अपनी स्थापना के बाद से, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को छात्रों की शैक्षणिक उन्नति और विकास का एक महत्वपूर्ण घटक माना है। विश्वविद्यालय ने अपने छात्र केंद्रित दृष्टिकोण में समग्र विकास, कल्याण और व्यापक शिक्षा की परिकल्पना की है। एक मनोवैज्ञानिक परामर्श इकाई 2013 से कार्यरत है,और यह COVID-19 महामारी के उद्भव के दौरान और भी अधिक सक्रिय हो गई। समिति ने विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों का स्वास्थ्य सुनिश्चित किया है। समिति ने ऑनलाइन परामर्श सुविधाएं प्रारंभ की हैं और मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण से संबंधित पहलुओं पर जानकारी साझा करने की सुविधा प्रदान की है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय ने महामारी की स्थिति का सर्वोत्तम संभव प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अधिकारियों द्वारा साझा किए गए विभिन्न निर्देशों और प्रोटोकॉल को अपनाया है। विश्वविद्यालय बंद होने की पूरी अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक तनाव को कम करने और छात्रों के साथ शैक्षिक-शिक्षण संचार स्थापित करने के उद्देश्य से सभी छात्रों को शैक्षणिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल करने के लिए उनके साथ ऑनलाइन संचार स्थापित कियाा। जब भी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेने के संबंध में किसी समस्या का सामना करना पड़ा, तो परामर्शदाताओं द्वारा उनसे संपर्क किया गया और उनकी समस्याओं का व्यक्तिगत रूप से समाधान किया गया। जब छात्रों ने कनेक्टिविटी या पर्याप्त सुविधाएं न होने की समस्या बताई, तो उनके शिक्षकों ने टेलीफोन पर उनका समर्थन किया और उनके लिए साथियों का समर्थन भी शुरू किया गया। मानसिक स्वास्थ्य टीम ईमेल के माध्यम से छात्रों के साथ नियमित संचार में थी और विभिन्न सामग्रियां प्रदान करती थी जो उन्हें प्रतिबद्ध और केंद्रित होने में मदद करती थीं और ऑनलाइन शिक्षा से संबंधित किसी भी मुद्दे से निपटने के लिए सकारात्मक रणनीति विकसित करने में मदद करती थीं।

मानसिक स्वास्थ्य और संदर्भों के बारे में बुनियादी जानकारी वाला एक वेबलिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जोड़ा गया है। यही जानकारी विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर की गई है। मानसिक स्वास्थ्य टीम ने स्थिति को सामान्य करने के लिए उल्लेखनीय प्रयास किए और छात्रों को अपने शैक्षणिक हित को प्राथमिकता देने और अपने व्यक्तिगत जीवन और पारिवारिक व्यस्तताओं में आशावादी और सक्रिय रहने के लिए प्रेरित करने पर ध्यान केंद्रित किया। परामर्शदाताओं ने अक्सर छात्रों को मौजूदा स्थिति की समझ विकसित करने और आत्मप्रतिबद्धता के रूप में सक्रिय-, फिट और स्वस्थ रहने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को पढ़ाई, असाइनमेंट और ऑनलाइन पाठ्यक्रम सामग्री के अध्ययन के साथसाथ - सकारात्मक जीवन शैली की आदतें विकसित करने की सलाह दी गई। उन्हें ध्यान, योग, विश्राम अभ्यास, मनोरंजन और शौक के अभ्यास के लिए नियमित रूप से कुछ समय निकालने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

प्रत्येक संचार में, घर पर रहने और स्वस्थ रहने के लिए हर संभव प्रयास करने के महत्व पर इस संदेश के साथ जोर दिया गया कि मौजूदा संदर्भ हमें चिंता करने की नहीं बल्कि जिम्मेदार बनने की ओर जाना चाहिए।

उपर्युक्त छात्र सहायता प्रणाली के अलावा, विश्वविद्यालय आमतौर पर कई कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें विशेषज्ञों द्वारा वार्तालाप और विभिन्न सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। शैक्षणिक वर्ष में तनाव 2022 कम करने, परीक्षा कैसे दें, नशीली दवाओं और नशे की लत से कैसे दूर रहें, इत्यादि विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा कई वार्ताएं दी गईं।

कार्यक्रम

जुलाई 2022

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने जुलाई 2022 में एक सामाजिक अग्रणी गतिविधि का आयोजन किया। निकट के मुंडोती गांव में एक साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। माननीय कुलपति महोदय ने सरकारी स्कूल, मुंडोती की 12 लड़कियों को शिक्षा के लिए प्रेरित करने और अपने लिए एक स्वतंत्र जगह बनाने के लिए 12 जुलाई 2022 को साइकिलें उपहार में दीं। इस कार्यक्रम में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों के साथ-साथ मुंडोती गांव के लोगों ने भी भाग लिया। यह कार्यक्रम सेवा इंडिया के सहयोग से आयोजित किया गया था जो ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के मनोबल को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है। हमारा मानना है कि विश्वविद्यालय सामाजिक आउटरीच गतिविधियों में संलग्न होकर निकटवर्ती समुदाय के साथ विकसित होता है।

चित्र :1 माननीय कुलपति महोदय मुंडोती गांव में कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए

चित्र :2 राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय से साइकिल प्राप्त करने के बाद गाँव की लड़कियाँ

अगस्त 2022

I. हर घर तिरंगा अभियान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संपूर्ण शैक्षणिक और शिक्षकेत्तर समुदाय ने #HarGharTriranga अभियान में भाग लिया। 'हर घर तिरंगा' आज़ादी का अमृत महोत्सव के तत्वावधान में एक अभियान है, जिसका उद्देश्य लोगों को भारत की आज़ादी के 75वें वर्ष के उपलक्ष्य में घर पर तिरंगा लाने और इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित करना है। झंडे के साथ हमारा रिश्ता हमेशा व्यक्तिगत से अधिक औपचारिक और संस्थागत रहा है। आजादी के75 वें वर्ष में एक राष्ट्र के रूप में सामूहिक रूप से ध्वज को घर लाना न केवल तिरंगे के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव का प्रतीक है, बल्कि राष्ट्र-निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक भी है। इस पहल के पीछे का विचार लोगों के दिलों में देशभक्ति की भावना जगाना और भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों और कर्मचारियों ने आजादी के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 13 से 15 अगस्त तक घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके अलावा, छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने राष्ट्रव्यापी #HarGharTriranga अभियान को चिह्नित करने के लिए तिरंगा रैली में भाग लिया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रशासनिक ब्लॉक भी तिरंगे रंग में रंगा हुआ था।

चित्र :3 राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन सुंदर तिरंगे रंग में जगमगा रहा

चित्र :4 राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के संकाय, कर्मचारी और छात्रों ने तिरंगा रैली में भाग लिया

II.76 वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव

76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रांगण मे तिरंगा फहराया। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने अपने संबोधन में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को अनेक शुभकामनायें दी और विश्वविद्यालय के उपलब्धियों को प्रस्तुत किया। समारोह में विश्वविद्यालय के शिक्षण संकाय, अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्रों और विद्वानों ने काफी संख्या में भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय परिवार का अभिनंदन करते हुए राष्ट्रवाद, अखंडता, शांति और भाईचारे के भावना के बारे में बात की। उन्होंने एक ऐसे स्वतंत्र देश में रहने के महत्व को समझाया जो तेजी से प्रगति कर रहा है और बताया कि न केवल हिंदुस्तान का हर कोना, बल्कि दुनिया के हर कोने में आज किसी न किसी रूप में भारतीयों के द्वारा हमारा तिरंगा आन-बान-शान के साथ लहरा रहा है। अमृत महोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय के 75 विधयार्थियों ने 75 साल पूरे होने पर झण्डा ऊंचा रहे हमारा गीत की प्रस्तुति से सभी में देश भक्ति की भवना जगा दी।

चित्र :5 विश्वविद्यालय में ध्वजारोहण समारोह

चित्र :6 विद्यार्थियों द्वारा गीत प्रस्तुति

III. 7वां दीक्षांत समारोह

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 16 अगस्त 2022 को परिसर में अपना सातवां दीक्षांत समारोह आयोजित किया। विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों को कुल 1283 स्नातक एवं स्नातकोत्तर तथा 116 पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई और 82 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी, संकाय सदस्य, छात्र और अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता ओम बिरला जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "जीवन में सफलता के लिए शिक्षा महत्वपूर्ण है, शिक्षा के माध्यम से व्यक्ति अनुशासन और आचरण सीखता है, जो अंततः व्यक्ति को सफल बनाता है। उन्होंने दूरस्थ स्थान पर स्थापित होने के बावजूद विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।" ओम बिरला जी ने छात्रों और शिक्षकों को विश्वविद्यालय की प्रगति में उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए प्रोत्साहित किया। माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने कहा कि "यहां उपस्थित सभी विद्यार्थियों के जीवन में यह एक महत्वपूर्ण दिन है, क्योंकि वे अपनी कड़ी मेहनत की सफलता देख रहे हैं।"

सितम्बर 2022

I. अभियंता दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 15 सितंबर 2022 को अभियंता दिवस पर सर एम विश्वेश्वरैया की 160वीं जयंती गर्व और सम्मान के साथ मनाई गई। राष्ट्र हर साल 15 सितंबर को अभियंता दिवस मनाता है। यह दिन सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया (सर एमवी) की जयंती पर उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिए मनाया जाता है। सर एमवी एक सिविल इंजीनियर, राजनेता और प्रशासक थे। उनका जन्म 15 सितंबर 1860 को कर्नाटक के मुद्देनाहल्ली नामक एक छोटे से गाँव में हुआ था और उनका पालन-पोषण एक तेलुगु ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वह 1912 से 1919 तक मैसूर के दीवान रहे और एक सिविल इंजीनियर के रूप में कार्य किया। एक इंजीनियर के रूप में चार दशकों की सेवा के बाद और ऑटोमोबाइल, निर्माण, वास्तुकला आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दिया। उन्होंने 1917 में प्रतिष्ठित सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की, जिसे वर्तमान में यूनिवर्सिटी विश्वेश्वरैया कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग के नाम से जाना जाता है। सर विश्वेश्वरैया की सबसे प्रसिद्ध परियोजनाओं में मैसूर में कृष्ण राजा सागर बांध का विकास, दक्कन पठार में सिंचाई प्रणाली का कार्यान्वयन, हैदराबाद के लिए बाढ़ सुरक्षा ढांचा शामिल है। उन्होंने मैसूर साबुन फैक्ट्री, बैंगलोर कृषि विश्वविद्यालय, स्टेट बैंक ऑफ मैसूर, मैसूर आयरन एंड स्टील वर्क्स, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज और कई अन्य उद्योगों की स्थापना की। उनकी प्रतिभा और उपलब्धियों के सम्मान में, किंग जॉर्ज पंचम ने उन्हें ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के नाइट कमांडर के रूप में नाइट की उपाधि दी। उन्हें "आधुनिक मैसूर का जनक" कहा जाता है। 1955 में, उन्हें भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार - भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर एमएनआईटी, जयपुर के निदेशक प्रोफेसर एन पी पाधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

अक्टूबर 2022

I. महात्मा गांधी जयंती

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में महात्मा गांधी जयंती 02 अक्टूबी 2022 को मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रो. आनंद भालेराव ने महात्मा गांधी के बारे में कहा, "गांधीजी के सुधारों का रथ दौड़े, सारथी संस्कृति का होना चाहिए।" उनके सानिध्य, मौन, संस्कृति संबंधी विचारों में हम गांधी को पा सकते हैं। मुख्य अतिथि भूतपूर्व सांसद श्री ओंकार सिंह लाखावत थे। ऊन्होंने अपने संबोधन में कहा "हर वर्ष 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के दौरान दूरदर्शी, स्वतंत्रता सेनानी और अहिंसा में

विश्वास रखने वाले मोहनदास करमचंद गांधी को याद किया जाता है। यह देश में अहिंसा के तीन उत्सवों में से एक है। इतिहास के सबसे प्रेरणादायक व्यक्तित्वों में से एक, महात्मा गांधी हमेशा सादगी से रहते थे और अपने साथी नागरिकों के प्रति समर्पित थे। वह किसी को कोई नुकसान नहीं पहुँचाना चाहते थे, विशेषकर उन लोगों को जिन्होंने उन पर अत्याचार किया, और अपने समर्थकों को अपने विरोध प्रदर्शनों और देशभक्ति के कार्यों में अहिंसक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।"

II. सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती

भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्तूबर 2022 को राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने उन्हें पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए कहा कि "आधुनिक भारत के निर्माण में दिया गया उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।" विश्वविद्यालय परिसर में कार्यक्रमों की शुरुआत 'रन फॉर यूनिटी' से हुई जिसमें विश्वविद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी व केन्द्रीय विद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सरदार वल्लभ भाई पटेल पर एक प्रदर्शनी (द आर्किटेक्ट ऑफ यूनीफिकेशन) का भी आयोजन किया गया। कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने विश्वविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलायी।

नवंबर 2022

I. सृजन2022

तीन दिवसीय खेल और सांस्कृतिक बैठक - सृजन 2022 पहली बार शुरू की गई और 16 से 18 नवंबर 2022 तक राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित की गई। इसका उद्देश्य खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए माहौल तैयार करना था। इसमें 650से अधिक छात्र, संकाय और कर्मचारियों ने खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लिया।

I I. महिलाओं के साथ भेदभाव विरोधी पखवाड़ा

राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में महिलाओं के साथ भेदभाव विरोधी पखवाड़ा मनाया गया। स्पर्श प्रकोष्ठ द्वारा 25 नवंबर 2022 को" महिलाओं के खिलाफ हिंसा के उन्मूलन के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस "और "महिलाओं के खिलाफ भेदभाव विरोधी पखवाड़ा "के उद्घाटन के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता, विश्व चैंपियन, अंतर्राष्ट्रीय आत्म-रक्षा और मार्शल आर्ट प्रशिक्षक ऋचा गौड़ ने अपने विचार साझा किए और लाइव डेमो दिया।

दिसंबर 2022

I. शहीद उधम सिंह जयंती

26दिसम्बर 2022 को अपार शौर्य के प्रतीक महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद उधम सिंह जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी गई। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय में महान क्रांतिकारीयों को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि और सम्मान देने का संस्कार निरंतर चलता रहेगा।

I I. चौधरी चरण सिंह जयंती

23दिसम्बर 2023 को चौधरी चरण सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राष्ट्रीय किसान दिवस पर मुंड़ोती, बाँदरसिंदरी, खेड़ा, नल्लू गाँव के किसानों की विश्वविद्यालय कार्यक्रम में भागीदारी इसका साक्ष्य है कि विश्वविद्यालय किसान हित के लिए सदैव तत्पर है।

III. गुरु गोविंद सिंह जयंती

"सकल जगत में खालसा पंथ गाजे, जगे धर्म हिंदू सकल भंड भाजे "का संदेश देकर खालसा पंथ की स्थापना करने वाले दसवें और अंतिम गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर 29 दिसम्बर 2022 को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया। ऐसे आदर्श गुरु का स्मरण करना गौरव की बात है।

IV. विशेष व्याख्यान @ राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय

विदेश मंत्रालय, नई दिल्ली के निदेशक) पूर्वी और दक्षिणी अफ्रीका (श्री अमराराम गुजर द्वारा 29.12.2022 को" भारतीय कूटनीति और इसकी भूमिका का परिचय "विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। गांव के एक लड़के के आईएफएस तक के सफर को देखकर छात्र मंत्रमुग्ध हो गए।

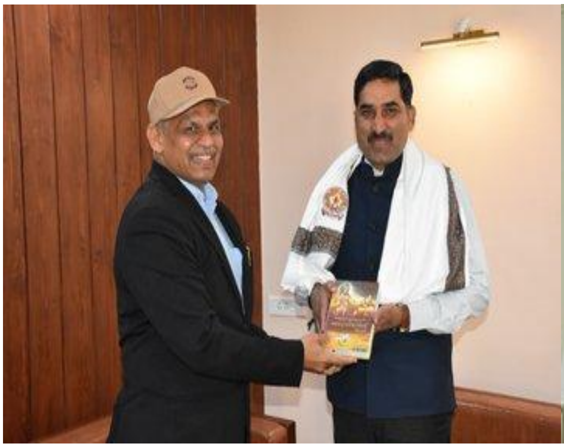

जनवरी 2023

I. माननीय कुलपति की 365 दिनों की यात्रा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार ने 24 जनवरी 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव की 365 दिनों के कार्यकाल की खुशी मनायी गई। प्रोफेसर भालेराव ने कहा कि समय इतनी तेजी से उड़ता है, ऐसा लगता है जैसे कल ही की बात हो कि मुझे इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में सेवा करने का सम्मानित कार्य सौंपा गया था। एक वर्ष की यात्रा अद्भुत रही !

II. 74वां गणतंत्र दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने 26 जनवरी 2023 को74 वां गणतंत्र दिवस मनाया। माननीय कुलपति प्रोफेसर आनंद भालेराव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और अपने संबोधन में कहा “आओ सीखें स्वतंत्रता का इतिहास, संविधान की विविधता, पूर्वजों का बलिदान, क्योंकि यह हमें स्वतंत्रता और लोकतंत्र की सराहना करने में मदद करेगा, जिसका हम सभी आज आनंद उठा रहे हैं। आइए भारतीय नागरिक होने पर गर्व करें”।

फ़रवरी 2023

I. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में रोजगार मेला

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में 23से 24 फरवरी 2023 तक आयोजित रोजगार मेला में छात्रों का उत्साह देखना एक अद्भुत अनुभव था। सर्वोत्तम नौकरी को आकर्षित करने के लिए छात्रों को संचार, समस्या समाधान, टीम वर्क, अनुकूलनशीलता, समय प्रबंधन, कंप्यूटर साक्षरता जैसे कौशल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त हुआ।

मार्च 2023

I. दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

"राष्ट्र के विकास के लिए भारतीय भाषा का विकास आवश्यक है। राष्ट्र की अपनी भाषा नहीं होगी तो हम अपूर्ण कहलाएंगे। "संस्कृति व संसदीय कार्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल जी ने 10 मार्च 2023 को द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन समारोह में यह बात मुख्य अतिथि के रूप में कही। माननीय श्री अर्जुन राम मेघवाल जी ने विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करने का संदेश दिया।

II. महिला कृषि परियोजना

माननीय केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल जी, सांसद भागीरथ चौधरी जी ने 10 मार्च 2023 को महिला कृषि परियोजना का दौरा किया। वह महिलाओं की भावना और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के गरीब कल्याण के सिद्धांत से प्रभावित हुए।

III. युवा संगम

युवा संगम #EBSB के तहत राजस्थान की यात्रा कर रहे अरुणाचल प्रदेश के युवाओं को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसर ने मोहित किया। उन्होंने सुबह योग और ध्यान के सत्र का आनंद लिया और फिर सांस्कृतिक संध्या में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

IV.15वां स्थापना दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का 15वां स्थापना दिवस 3 मार्च 2023 को बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के 15वें स्थापना दिवस पर अपने मातृ संस्थान में आए पूर्व छात्रों के लिए यह एक उत्साहपूर्ण क्षण था। इस अवसर पर, वृक्षारोपण अभियान के साथ समारोह शुरू हुआ और पूर्व छात्रों की बैठक के साथ समाप्त हुआ।

जून 2023

I. साइकिल दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार ने साइकिल चलाने की खुशी को अपनाया और 3 जून 2023 को विश्व साइकिल दिवस मनाया !यह पैडलिंग करने और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देने का एक शानदार दिन था।

II. विश्व पर्यावरण दिवस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाते हुए गतिविधियों से गुलजार था। हर कोई वृक्षारोपण अभियान में भाग लेकर पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने के लिए एक साथ आये और हर दिन हमारे सुंदर ग्रह को संजोने और उसकी रक्षा करने की प्रतिज्ञा ली!

I I I. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योग हमें समग्र स्वास्थ्य प्राप्त करने का अधिकार देता है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने परिवर्तनकारी प्रथा को अपनाया और 21 जून 2023 को योग की शक्ति का पता लगाते हुए स्वास्थ्य की दुनियां में तल्लीन हो गए । राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक भव्य उत्सव मनाया। 22 से 23 जून 2023 तक दो दिवसीय सेमिनार भी आयोजित किया गया जिसमें प्रसिद्ध विशेषज्ञों ने उत्साहवर्धक सत्र दिए।

IV. योग प्रदर्शनी

योग विभाग द्वारा आयोजित योग प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय कुलपति प्रो .आनंद भालेराव द्वारा किया गया । यह एक आनंदित दृश्य था जिसने प्राचीन प्रथा की सुंदरता और बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

YOGA FOR NEUROLOGICAL

विस्तार गतिविधियाँ

विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला:

जीवंत शैक्षणिक माहौल बनाए रखने के लिए क्षेत्र के विशेषज्ञों के व्याख्यान और वार्ता आवश्यक हैं। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय विभिन्न विभाग विशिष्ट व्याख्यानों के अलावा, विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्तियों/विशेषज्ञों को लाभ के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की "प्रतिष्ठित व्याख्यान श्रृंखला" (डीएलएस) के तहत बड़े दर्शकों के लिए भाषण देने के लिए आमंत्रित करता है।

2 सितंबर, 2022 को भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद के निदेशक प्रोफेसर अनिल भारद्वाज द्वारा 'भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम' शीर्षक से विशिष्ट व्याख्यान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) ने 02.09.2022 को अपराह्न 3.00 बजे माननीय कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के दृष्टिकोण और नेतृत्व में "भारतीय ग्रह और अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम" नामक एक विशिष्ट व्याख्यान श्रृंखला वार्ता का आयोजन पृथ्वी विज्ञान स्कूल सभागार में किया। । इस विशिष्ट व्याख्यान के वक्ता अहमदाबाद में भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के निदेशक प्रो. अनिल भारद्वाज थे। पीआरएल को भारत में अंतरिक्ष विज्ञान का उद्गम स्थल भी कहा जाता है और इसकी स्थापना विक्रम साराभाई ने की थी। प्रोफेसर भारद्वाज कई अंतरिक्ष अभियानों पर विभिन्न प्रयोगों के प्रधान अन्वेषक थे। इन मिशनों में चंद्रयान-मिशन - पहला भारतीय चंद्र मिशन, पहला भारतीय मंगल ऑर्बिटर मिशन (एमओएम) और चंद्रयान -2 मिशन शामिल हैं।

वार्ता की शुरुआत राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो.नीरज गुप्ता के स्वागत भाषण से हुई। शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार से सम्मानित प्रो. भारद्वाज के शानदार कैरियर और उपलब्धियों के बारे में डॉ. चिन्मय मलिक ने विस्तार से बताया, जो खुद पीआरएल के पूर्व छात्र हैं। प्रो.भारद्वाज ने अपनी बात (ऑनलाइन माध्यम से) पीआरएल की विरासत और राष्ट्र निर्माण में इसकी भूमिका और इसके शानदार पूर्व छात्रों का परिचय देकर शुरू की, जिसमें भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य वास्तुकार पद्म विभूषण प्रोफेसर के कस्तूरीरंगन सहित भारत के प्रमुख शोध संस्थानों के कई वर्तमान और पूर्व निदेशक शामिल हैं। उन्होंने इस बारे में भी कहा कि कैसे भारत के सबसे सम्मानित व्यक्तियों में से एक, हमारे पूर्व राष्ट्रपति प्रो. एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन और कैरियर पीआरएल और विक्रम साराभाई के साथ उनके जुड़ाव से प्रभावित था। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे इसरो को पीआरएल से नुकसान हुआ। प्रोफेसर भारद्वाज ने सरलीकृत, आम भाषा में भारत के कई अंतरिक्ष अभियानों की जटिलताओं के बारे में बात की। उन्होंने चंद्रयान I, II और III पर प्रयोगों और चंद्र सतह और उप-सतहों पर हाइड्रॉक्सिल और पानी का पता लगाने सहित चंद्रयान की उपलब्धियों के बारे में बात की। उन्होंने मंगल ग्रह के वायुमंडल की रासायनिक संरचना को समझने के लिए मंगल ऑर्बिटर मिशन और क्वाड्रुपोल मास स्पेक्ट्रोमीटर पर आधारित अपने एमईएनसीए प्रयोग के बारे में भी बात की। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अभियानों के माध्यम से ली गई चंद्रमा और मार्शल सतहों की मंत्रमुग्ध कर देने वाली तस्वीरें दिखाईं उन्होंने आदित्य-एल1 मिशन और सूर्य के अवलोकन में एल1 स्थिति के महत्व के बारे में भी बात की। उन्होंने शुक्र ग्रह का पता लगाने में इसरो की रुचि सहित भविष्य के मिशनों के बारे में भी बात की। इस उत्साहपूर्ण बातचीत के बाद अन्य ग्रहों पर जीवन, मिशन योजना, अंतरिक्ष विज्ञान में तकनीकी प्रगति और टेराफार्मिंग की अवधारणाओं और अंतरिक्ष मलबे की छंटाई से संबंधित बहुत उत्साहजनक चर्चा हुई। वार्ता डॉ. जन्मजेय पांडे के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्त हुई।

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिहार द्वारा 28 नवंबर, 2022 को 'प्राचीन भारत के शाही लोकतंत्र: संस्कृत भाषा में लोकतांत्रिक रुझानों की जांच' शीर्षक वाला विशिष्ट व्याख्यान

प्रो. शर्मा ने लोकतंत्र को वर्तमान दुनिया में शासन का सर्वोत्तम उपलब्ध साधन बताते हुए शुरुआत की और कहा कि इस दुनिया के लोगों को यह समझने की जरूरत है कि इसका कोई विकल्प नहीं है। भारतीय संस्कृति विविध है और इसमें विभिन्न रीति-रिवाज, विचार, सामाजिक गुण और मान्यताएँ शामिल हैं। भारत में विभिन्न संस्कृतियाँ और समुदाय हैं जो अपनी परंपराओं, खान-पान की आदतों, भाषाओं और परंपराओं में प्रमुख रूप से भिन्न हैं। यह विभिन्न परंपराओं और रीति-रिवाजों और विभिन्न समुदायों का एक मिश्रण है जो नैतिकता और शिष्टाचार के संदर्भ में खुद को संगठित करते हैं। प्रो. शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय समाज प्राचीन काल से ही शासन की लोकतांत्रिक प्रकृति से व्यापक रूप से परिचित रहा है। किसी भी मामले में, इस बात पर भी प्रकाश डाला जाना चाहिए कि यह लोकतंत्र के साथ हमारी पारंपरिक जुड़ाव की भावना के कारण ही है कि भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान स्वरूप ने आम जनता के मन में बढ़ते बच्चों के प्रति इतना लगाव पैदा कर लिया है। प्राचीन भारतीय संस्कृत साहित्य ने हमेशा राजधर्म के संदर्भ में सुशासन के मुद्दे को सर्वोपरि माना है। राजधर्म के माध्यम से कोई दुनिया को नियंत्रित कर सकता है और लोगों को मर्यादा के नियंत्रण में रख सकता है। अब राजनीतिक वैज्ञानिक इस क्षेत्र में रुचि दिखा रहे हैं और प्राचीन भारत में शासन कला पर साहित्य के इस बड़े हिस्से को प्राचीन भारतीय राजनीतिक समुदाय की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की समझ और समझ में काफी महत्व रखने वाला मान रहे हैं। उन्होंने रामायण और महाभारत के महाकाव्य लेखन का उदाहरण दिया और कहा कि लोकतंत्र की जड़ें वेदों, स्मृतियों, धर्मसूत्रों, अर्थशास्त्र परंपरा और महाकाव्यों (रामायण और महाभारत) से हैं। संस्कृत श्लोकों के प्रयोग से उन्होंने दर्शकों को प्राचीन भारत के राजशाही लोकतंत्रों के संबंध को समझने के लिए प्रेरित किया।

12 जनवरी, 2023 को प्रोफेसर पेट्रा बाउर, इंस्टीट्यूट फर बोटानिक, हेनरिक हेन यूनिवर्सिटेट डप्रकोष्ठडोर्फ, जर्मनी द्वारा 'पौधों में लौह होमियोस्टैसिस के नियंत्रण के लिए एकाधिक नियामक स्तर' शीर्षक वाला विशिष्ट व्याख्यान

प्रो. पेट्रा बाउर ने 12.01.2023 को स्वामी विवेकानंद की जयंती समारोह के अवसर पर "पौधों में आयरन होमोस्टैसिस के नियंत्रण के लिए कई नियामक स्तर" शीर्षक से आयरन होमोस्टैसिस पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने आयरन होमियोस्टैसिस प्रतिक्रियाओं पर विशेष जोर देने के साथ संयंत्र के भीतर आयरन के संग्रहण, भंडारण और वितरण पर काम किया। उन्होंने आयरन के अवशोषण और वितरण के लिए एक नए जीन फ़ंक्शन की पहचान पर भी चर्चा की। प्रस्तुति का उद्देश्य राइजोस्फीयर में खनिजों के प्रभावी उपयोग की गारंटी देना और वनस्पति भोजन के पोषण मूल्य में सुधार के लिए खनिज सामग्री को बढ़ाना था। उन्होंने दुनिया भर के विभिन्न व्यंजनों की लौह सामग्री पर चर्चा की और पोषण के मामले में विविधता और संतुलन के लिए भारतीय थाली की प्रशंसा की। बातचीत एक स्फूर्तिदायक चर्चा सत्र के साथ समाप्त हुई।

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी)

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ (सीडीसी) की स्थापना वर्ष 2015 में 4 फरवरी, 2015 को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित तीसरे कुलपति सम्मेलन की प्रतिक्रिया के रूप में और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशों के बाद की गई थी। इसने अगस्त, 2015 में अपनी कार्यक्षमता शुरू की। सीडीसी का मूल लक्ष्य स्थायी " के विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य को बढ़ावा देना और बदलना और गांवों में सकारात्मक वातावरण "के लिए शिक्षा विकास बनाना है। विश्वविद्यालय ने छह गांवों को गोद लिया है, जिनके नाम हैं, बांदरसिंदरी, खेड़ा करम सुतान, नोहरिया, मुंडोती, सिरोही और पेड़ीभाटा।

मूल्यांकन अवधि के दौरान सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के परामर्श से कई गतिविधियाँ की हैं। जिसका विवरण इस प्रकार दिया गया है:

- **चंदेरी गांव में आईसीडीएस केंद्र का सौंदर्यीकरण**

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने सामाजिक कार्य विभाग के छात्रों की मदद से वर्ष 2023 में चंदेरी गांव में आईसीडीएस केंद्र के सौंदर्यीकरण की पहल की। इसका मूल उद्देश्य यह था कि बच्चे आंगनवाड़ी की ओर आकर्षित हों और फिर उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों में लगाया जाए। रुचि जगाने वाला माहौल बनाए बिना यह संभव नहीं है। इसलिए सक्षम अधिकारी से अनुमति मिलने के बाद आईसीडीएस केंद्र की दीवारों पर पेंटिंग कराई गई। इसका असर यह हुआ कि आंगनबाडी केंद्र और अधिक प्रसिद्ध हो गए और अधिक संख्या में बच्चे पूरे उत्साह के साथ आंगनवाड़ी में आने लगे। इसके साथ ही बच्चों का भी पढ़ाई में मन लगने लगा।

आयोजन की झलकियाँ

पहले

बाद में

- **मुंडोती में पोषण जागरूकता अभियान**

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने 27 अप्रैल, 2023 को सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मुंडोती गांव में "मुंडोती में पोषण जागरूकता अभियान" पर एक दिवसीय वार्ता और प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया है। कक्षा 7 से 9वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कुल मिलाकर संख्या बीस के आसपास थी। विद्यार्थियों को सामान्य वृद्धि और विकास के लिए कार्ब्स, लिपिड, फाइबर, खनिज, प्रोटीन, विटामिन और पानी सहित पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को गतिविधियों के माध्यम से मौसमी फलों का महत्व भी समझाया गया है। इसके अलावा, चर्चा के दौरान, छात्रों को उन वार्म-अप अभ्यासों के बारे में भी बताया गया जिनका किसी भी खेल गतिविधि के दौरान अभ्यास करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को विभिन्न आयु वर्ग में शरीर और पोषण की आवश्यकता के बारे में भी जानकारी दी गई।

आयोजन की झलकियाँ

- **बांदरसिंदरी में पोषण जागरूकता अभियान**

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने 28 अप्रैल, 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, बांदरसिंदरी में "बांदरसिंदरी में पोषण जागरूकता अभियान" पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कक्षा 8वीं से 10वीं कक्षा तक के चालीस विद्यार्थियों (लड़के और लड़कियों) ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों को स्वस्थ वृद्धि और विकास के लिए कार्बोहाइड्रेट, वसा, फाइबर, खनिज, प्रोटीन, विटामिन और पानी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के महत्व के बारे में बताया गया, जिस पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा की गई। इसके अलावा, छात्रों को भविष्य के जीवन में स्वस्थ भोजन और पेय पदार्थ चुनने के लिए प्रेरित किया गया। एक अन्य समूह चर्चा में किशोरियों के मुद्दों पर विशेष रूप से चर्चा की गई।

आयोजन की झलकियाँ

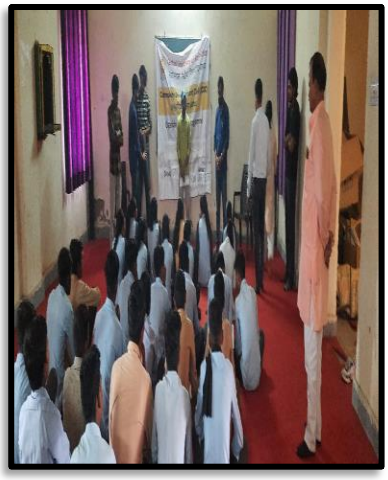

- **खेड़ा में पोषण जागरूकता अभियान**

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने 27 अप्रैल, 2023 को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, खेड़ा गांव में "खेड़ा में पोषण जागरूकता अभियान" पर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया । इसमें स्कूली विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों सहित साठ से अधिक लोगों ने भाग लिया। उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों और महिलाओं को गतिविधियों और चार्टों की मदद से स्वस्थ पोषण के लाभों जैसे शारीरिक शक्ति, गतिशीलता, सहनशक्ति, श्रवण, दृष्टि और संज्ञानात्मक क्षमताओं को बनाए रखकर स्वतंत्रता को बढ़ाना के बारे में सूचित किया गया। उन्हें स्वस्थ वृद्धि और विकास के लिए कार्बोहाइड्रेट, वसा, फाइबर, खनिज, प्रोटीन, विटामिन और पानी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के महत्व का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अलावा, विद्यार्थियों और महिलाओं को अपने भविष्य के जीवन में स्वस्थ भोजन और पेय पदार्थ चुनने के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजन की झलकियाँ

• विश्वविद्यालय में "योग और जीवन कौशल" पर प्रदर्शन सत्र

01 अप्रैल 2023 को, के बारे में सूचित किया गया, ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग और सामाजिक कार्य विभाग में "योग और जीवन कौशल" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में "राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुंडोती" की 8वीं, 9वीं और 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली उन्नीस लड़कियों ने भाग लिया। विभिन्न योग आसन, जैसे भ्रामरी प्राणायाम (मन को शांत करता है और चिंता को कम करता है और तंत्रिका तंत्र को भी संतुलित करता है), ध्यान (तनाव का प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य में सुधार और समग्र कल्याण में सुधार), और भुजंगासन (पेट के अंगों को उत्तेजित करना) थे। उनके व्यावहारिक महत्व का प्रदर्शन किया। उन्हें बताया गया कि इससे उनका तनाव कम होगा, वे शांत रहेंगे और ध्यान केंद्रित करने की उनकी क्षमता में सुधार होगा। इसके बाद डॉ. शैज़ी अहमद के साथ एक और सत्र हुआ जहां विद्यार्थियों को जीवन कौशल और इसके प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित किया गया। दोनों सत्रों में भाग लेने के बाद, प्रत्येक छात्रा आत्मविश्वासी और खुश पाई गई और उन्होंने भविष्य में भी इसी तरह बने रहने और अपने दैनिक जीवन में योग आसन का अभ्यास करने का वादा किया।

आयोजन की झलकियाँ

- **विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की छात्राओं के साथ बातचीत**

सीडीसी ने विद्यार्थियों और स्कूल शिक्षकों की विश्वविद्यालय संकायों के साथ एक दिवसीय बातचीत का आयोजन किया है। "राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुंडोती की उन्नीस लड़कियों और दो स्कूल शिक्षकों ने सामाजिक कार्य विभाग और फार्मेसी विभाग के संकायों के साथ सक्रिय रूप से बातचीत की। बातचीत के दौरान, संकाय सदस्यों ने लड़कियों की शिक्षा के महत्व और उनकी रुचियों जैसे कि वे जिन विषयों को पढ़ना पसंद करती हैं और चयन के कारणों पर चर्चा की। इसके अलावा, संकाय सदस्यों ने यह भी बताया कि उन्हें अपनी आगे की पढ़ाई के लिए विश्वविद्यालय में प्रवेश कैसे मिल सकता है और एक लड़की के लिए उच्च शिक्षा का महत्व क्या है। वे उन्हें खेलों में भी भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उनके जीवन और विचार प्रक्रिया में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने पर भी जोर दिया गया है। छात्रों ने इस सत्र की सराहना की।

आयोजन की झलकियाँ

- **राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रयोगशाला यात्रा के माध्यम से छात्रों में वैज्ञानिक सोच का विकास करना**

सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ ने विशेष रूप से छात्राओं में वैज्ञानिक सोच विकसित करने और विज्ञान विषयों में उनकी रुचि जगाने के लिए आसपास के गांवों के लिए विश्वविद्यालय प्रयोगशाला का एक दिवसीय दौरा आयोजित किया। "राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मुंडोती" की आठवीं से दसवीं कक्षा में पढ़ने वाली उन्नीस लड़कियों ने भाग लिया। उन्होंने खेल जैव-विज्ञान विभाग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग और फार्मेसी विभाग की प्रयोगशालाओं का दौरा किय । प्रयोगशाला यात्रा के दौरान विभिन्न संकाय सदस्यों और विद्वानों ने प्रयोगशाला में उपकरणों के आवश्यक कार्यों का प्रदर्शन किया और प्रयोगशाला पहलुओं की समझ पैदा करने का भी प्रयास किया। खेल के दौरान खिलाड़ियों/खिलाड़ियों के साथ मैदान पर व्यावहारिक परीक्षण (खेल जैव-विज्ञान विभाग), अणुओं, कोशिकाओं और जीवों के बुनियादी कार्य (जैव प्रौद्योगिकी विभाग) और चिकित्सा

दवाओं की तैयारी और वितरण (जैव प्रौद्योगिकी विभाग)] फार्मेसी इत्यादि के बारे में बाताया गया। छात्र काफी उत्सुक दिखे और उन्होंने शिक्षकों के साथ बातचीत की और विभिन्न संदेहों के बारे में पूछा। उन्होंने दोबारा विश्वविद्यालय आने की इच्छा भी जताई।

आयोजन की झलकियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना: राष्ट्रीय युवा-सप्ताह 2023

राष्ट्रीय सेवा योजना राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय ने 12 से 18 जनवरी, 2023 तक राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय युवा-सप्ताह 2023 का आयोजन किया। इस दौरान विशेष व्याख्यान, रक्तदान शिविर, पोस्टर प्रतियोगिता एवं मैराथन का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा सप्ताह गतिविधियों के उत्सव में विभिन्न विभागों के 330 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस अध्यक्ष प्रो. राजेश कुमार के मार्गदर्शन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. हेमलता मंगलानी ने पूरे युवा सप्ताह का समन्वय किया।

विशेष व्याख्यान

राष्ट्रीय युवा सप्ताह 2023 की उद्घाटन गतिविधि के रूप में विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान 12 जनवरी, 2023 को स्टूडेंट फॉर डेवलपमेंट के समन्वय से आयोजित किया गया था। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। सत्र की शुरुआत में वहां मौजूद सभी लोगों को स्वामी विवेकानन्द पर बनी फिल्म डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। श्री हरीश शर्मा, प्रांत संगठन मंत्री चित्तौड़ प्रांत ने युवा दिवस व्याख्यान दिया और बताया कि स्वामी विवेकानन्द सभी युवाओं के आदर्श रहे हैं जिन्होंने धर्म, राष्ट्र और मूल्यों को सर्वोपरि रखा। विशेष व्याख्यान में 80 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत 13 अप्रैल 2023 को पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर एवं नारा लेखन प्रतियोगिता में 22 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार है:

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रथम स्थान: अमित खरा, 2021MAH001
दूसरा स्थान: उर्वशी निर्वाण, 2021IMSPH024
तीसरा स्थान: कविता, 2022MAE007

नारा लेखन

प्रथम स्थान: दीपाली गुर्जर, 2022MAE002
दूसरा स्थान: उर्मिला भारती, 2022IMSBEC018
तीसरा स्थान: घनश्याम, 2022IMSBEC006

रक्तदान शिविर

16 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाने के लिए लायंस क्लब किशनगढ़ क्लासिक के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। मित्तल अस्पताल अजमेर और दुर्लभ अस्पताल जयपुर की मेडिकल टीम ने इसे आयोजित करने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर का दौरा किया। 232 यूनिट रक्तदान किया गया।

मैराथन

संकाय सदस्यों और कर्मचारियों सहित एनएसएस स्वयंसेवकों की मैराथन 18 जनवरी, 2023 को आयोजित की गई थी। मैराथन में 100 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सुरक्षा गार्ड श्री रामलाल जाट ने मैराथन जीती।

उन्नत भारत अभियान

उन्नत भारत अभियान का मिशन उच्च शिक्षण संस्थानों को विकास चुनौतियों की पहचान करने और सतत विकास में तेजी लाने के लिए उचित समाधान विकसित करने में ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम करने में सक्षम बनाना है। विश्वविद्यालय में नियमित क्षेत्र दौरे के बजाय, उन्नत भारत अभियान टीम ने आजीविका, शिक्षा, स्वच्छता और सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के क्षेत्रों में अधिक ठोस गतिविधियाँ करने पर ध्यान केंद्रित किया। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने उन्नत भारत अभियान के तहत जिला प्रशासन के परामर्श से निम्नलिखित ग्राम पंचायतों को अपनाया है। गोद ली गई ग्राम पंचायतें)05): बांदरसिंदरी, खेड़ा करम सुतान, मुंडोती, नहोरिया और पेदीभाटा हैं।

विभिन्न क्षेत्रों में समर्पित प्रयासों के माध्यम से, उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ व्यक्तियों और जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके जीवन में बदलाव ला सकता है। प्रमुख पहलों में से एक गोद लिए गए गांवों में युवा क्लबों का गठन था। 65 सदस्यों वाले पांच युवा समूहों को पदोन्नत किया गया और वे अब ग्राम विकास पहल में लगे हुए हैं। इसने युवाओं को सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने, स्वामित्व की भावना को बढ़ावा देने और समग्र विकास में योगदान करने के लिए सशक्त बनाया है।

नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से (एनवाईके), उन्नत भारत अभियान प्रकोष्ठ ने खेड़ा गांव में युवा नेता प्रशिक्षण आयोजित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने प्रतिभागियों के नेतृत्व और संचार कौशल को बढ़ाया, उन्हें नेतृत्व करने और दूसरों को प्रेरित करने के लिए सक्षम बनाया। नेहरू युवा केंद्र ने युवा सशक्तिकरण पर स्थायी प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए गांवों में चल रहे नेतृत्व विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध किया है। एक और प्रभावशाली प्रयास मुंडोती, खेड़ा और बांदरसिंदरी गांवों में सामुदायिक पुस्तकालयों की स्थापना और रखरखाव था। ये पुस्तकालय सीखने, शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच प्रदान करने और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मूल्यवान मंच बन गए हैं। इन सामुदायिक पुस्तकालयों में उपलब्ध समर्थन और संसाधनों से समुदाय के छह छात्रों ने सेना में पदों सहित सरकारी नौकरियां हासिल की हैं।

इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों म से हमारा महिला आजीविका हस्तक्षेप सफल रहा है। महिला के माध्य (एसएचजी) एसएचजी के सदस्यों ने समर्पित सामाजिक कार्य छात्रों के नेतृत्व में थाइली चोडो और थाइला पकडो अभियान के लिए 1400 कपास बैग के निर्माण में सक्रिय रूप से भाग लिया है। इस पहल ने महिलाओं को स्वसे सशक्त बनाया है रोज़गार के अवसरों-, जिससे वे अपने उत्पादों का विपणन करने और वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने में सक्षम हुई हैं।

पहल के परिणामों में सकारात्मक परिवर्तन, समुदायों को सशक्त बनाना और सतत विकास को बढ़ावा देना शामिल है। अन्य हितधारकों के निरंतर समर्थन के साथ, सहयोगात्मक और भागीदारी प्रयास आने वाले वर्षों में और भी अधिक प्रभाव डालेंगे।

फोटो (1): बांदरसिंदरी में सामुदायिक पुस्तकालय:

फोटो (2): गोद लिए गए गांव में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं की आजीविका में सहयोग

फोटो (3): गोद लिए गांव में ग्राम विकास योजना बनाते ग्राम प्रधानों के साथ बैठक

फोटो (4) : गोद लिए गांव में मनरेगा योजना के तहत महिला श्रमिकों से मुलाकात

आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

क. आईआईसी संस्थान के बारे में

क. संस्थान में स्थापित आईआईसी संस्थान के विजन:मिशन के बारे में/

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय) की स्थापना विश्वविद्यालय के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों में वैज्ञानिक प्रतिभा की पहचान करने, प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई है। आईआईसी कृषि, इंजीनियरिंग आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में पड़ोसी गांवों से जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों की पहचान करने के लिए ठोस प्रयास करता है।

परिषद ने राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके नवीन विचारों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने के मुख्य उद्देश्य से एक इनोवेशन क्लब भी स्थापित किया है। आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय एक छात्र-केंद्रित उद्यम है, छात्र जमीनी स्तर के नवाचारों को बढ़ावा देने और समाज में उनके महत्व को प्रसारित करने के लिए विभिन्न पहल करने में शामिल होंगे। क्लब राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय समुदाय के भीतर नवाचार पर नए प्रस्तावों का भी समर्थन करेगा।

आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (NIF) और देश भर के प्रसिद्ध इनोवेटर्स के साथ राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार की बातचीत को भी बढ़ावा देता है। यह विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों/नवप्रवर्तकों को उनके अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने के लिए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आमंत्रित करके किया जाता है ताकि छात्रों और कर्मचारियों को हमारे समाज के सामने आने वाले प्रमुख मुद्दों के साथ-साथ रोजमर्रा की जिंदगी में आने वाली सरल चुनौतियों के लिए नवीन विचारों के साथ आने के लिए प्रेरित किया जा सके।

ख. संस्थान में स्थापित आई.आई.सी. की यात्रा: आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना अक्टूबर 2019 में हुई थी। इससे पहले, नवाचार संबंधी गतिविधियाँ संस्थान के 'नवाचार प्रकोष्ठ' की छत्रछाया में आयोजित की जाती थीं। 2023 में इनोवेशन एंड स्टार्ट प्रकोष्ठ बनाया गया। विचारों को विकसित करने, व्यवहार्यता के लिए उनका समर्थन करने और स्टार्टअप की ओर ले जाने पर जोर देकर एक आदर्श बदलाव किया गया है।

ग. संस्थान में स्थापित आई.आई.सी. में उद्योग, अंतःविषय और विभागों/इकाइयों आदि से विविध प्रतिनिधित्व: आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का गठन विभिन्न विषयों के सदस्यों द्वारा किया गया था। हमारे पास शिक्षाविदों, उद्योगों और स्टार्ट-अप के प्रतिनिधि हैं। हमने अपने आई.आई.सी. में जमीनी स्तर के इनोवेटर्स को भी शामिल किया है। आई.आई.सी. की समग्र संरचना नीचे देखें :

ख. आईआईसी संस्थान के प्रमुख पदाधिकारियों का संक्षिप्त उल्लेख

- एचओआई और अध्यक्षकुलपति: प्रोफेसर आनंद भालेराव माननीय :
- प्रभारीडॉ. अखिल अग्रवाल :, माइक्रोबायोलॉजी

- **सदस्य:**
  डॉसंजय के गर्ग ., प्रबंधन
  डॉगुनीत कौर ., खेल मनोविज्ञान
  डॉशैलेश पाटीदार ., पर्यावरण विज्ञान
  डॉसोसायटी टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस :जया के ओझा .
  डॉटरफ़ेससोसायटी टेक्नोलॉजी इं :जुगल किशोर .
  डॉइलेक्ट्रॉनिक्स : तकपिल सारस्व .
  डॉयोग :काशीनाथ मेत्री .
  डॉशैलेन्द्र सिंह: स्पोर्ट्स बाय .ोसाइंसेज

- **पूर्व सदस्य:**
  प्रो. संजीब के पांडा, डॉ. तरूण के भट्ट, डॉ. कैसर रज़ा
- **नए जोड़े गए सदस्य:**
  डॉ. पार्थ राव, डॉ. सुब्रत के पांडा और डॉ. राकेश कुमार

- **बाहरी सदस्य:** श्री अभिषेक गुप्ता, श्री सुगन चंद गहलोत, श्री कमलेश के वर्मा, श्री अक्षत वशिष्ठ, सुश्री शिखा बाचनी और डॉ. इंद्रा द्विवेदी

- **छात्र सदस्य:** श्री अभिषेक त्यागी, सुश्री सुगंधा महाजन,

ग. आईआईसी संस्थान की संसाधन शक्ति (मानव पूंजी और भौतिक पूंजी) का पोर्टफोलियो/ग्राफिकल/सारणीबद्ध प्रतिनिधित्व

आईआईसी सदस्यों की कुल संख्या: 25
आईएएस की कुल संख्या: 4
संकाय सलाहकारों की कुल संख्या: 28
प्री-इनक्यूबेशन इकाइयां, यदि कोई हो
इन्क्यूबेशन इकाइयां, यदि कोई हो: 1 (सीयूराज इन्क्यूबेशन फाउंडेशन)
आईपी सुविधा इकाई, यदि कोई हो: 1

घ. सुविधाओं, प्री-इनक्यूबेशन और इन्क्यूबेशन प्रकार के बुनियादी ढांचे और परिसर में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने में लगे छात्र निकायों/क्लबों का विवरण

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्टार्टअप्स के इनोवेशन और इनक्यूबेशन के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं हैं। इन सुविधाओं में शामिल हैं:

1. 7000 वर्ग मीटर बिल्डअप क्षेत्र के साथ इन्क्यूबेशन सेंटर
2. निर्माण प्रयोगशाला
3. केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा
4. विशिष्ट जीवन विज्ञान प्रयोगशाला
5. आईपीआर प्रकोष्ठ
6. अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ
7. बीएलएस 3+ प्रयोगशाला (प्रक्रिया में)

1) आईपीआर और टेक ट्रांसफर का वेबिनार
2) सफल इनोवेटर द्वारा प्रेरक सत्र
3) इनोवेशन एंबेसेडर द्वारा मेंटरशिप सत्रहेमंत जोशी .डॉ :
4) डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप) जन्मेजय पांडे .डॉ :10 जून, 2021)।
5) राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति) अखिल अग्रवाल .डॉ :10 जून, 2021)
6) स्टार्टअप संस्थापकों द्वारा मेंटरशिप सत्र
7) उद्यमिता कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार विकास पर कार्यशाला
8) जल के आसपास नवाचार और सामाजिक मिशन गतिविधियाँ
9) आत्मनिर्भर भारत के लिए जैव संसाधन, जैव और अर्थव्यवस्था-उद्यमिता
10) इनोवेटिव आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता-2022
11)इनोवेटिव आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता-2023
12) नए छात्रों के लिए आईएससी का परिचय)21 दिसंबर, 2022)
13) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर केवी छात्रों के लिए ओपन हाउस

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में इनोवेशन और स्टार्टअप प्रकोष्ठ है जिसमें 2 इकाइयाँ इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय इनक्यूबेशन फाउंडेशन (CIF) (सेक्टर 8 कंपनी) शामिल हैं। वर्तमान में 6 स्टार्टअप सीआईएफ से स्नातक हो चुके हैं और अगले 15 इनक्यूबेटिंग कर रहे हैं। आईआईसी विभिन्न प्रेरक और नवाचार संचालित सत्रों और कार्यशालाओं का आयोजन करके सीआईएफ को पूरक बनाता है। निर्धारण वर्ष 22-23 में आयोजित की गई इनमें से कुछ गतिविधियाँ हैं:

1) आईपीआर और टेक ट्रांसफर का वेबिनार
2) सफल इनोवेटर द्वारा प्रेरक सत्र
3) इनोवेशन एंबेसेडर द्वारा मेंटरशिप सत्र: डॉ. हेमंत जोशी
4) डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप: डॉ. जन्मेजय पांडे (10 जून, 2021)।
5) राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति: डॉ. अखिल अग्रवाल (10 जून, 2021)
6) स्टार्टअप संस्थापकों द्वारा मेंटरशिप सत्र
7) उद्यमिता कौशल, दृष्टिकोण और व्यवहार विकास पर कार्यशाला
8) जल के आसपास नवाचार और सामाजिक मिशन गतिविधियाँ
9) आत्मनिर्भर भारत के लिए जैव संसाधन, जैव-अर्थव्यवस्था और उद्यमिता
10) इनोवेटिव आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता-2022
11)इनोवेटिव आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता-2023
12) नए छात्रों के लिए आईएससी का परिचय (21 दिसंबर, 2022)
13) राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर केवी छात्रों के लिए ओपन हाउस

ङ. उपलब्धियों पर प्रकाश डालें (कथा/चित्रमय/सारणीबद्ध प्रतिनिधित्व)

आयोजित I&E और IPR गतिविधियों की संख्या और विभिन्न प्रकार: 42

छात्र और संकाय की संख्या: 96

विकसित किए गए छात्र और संकाय नवाचार/प्रोटोटाइप की संख्या: 38

उत्पन्न, प्रकाशित और स्वीकृत आईपी की संख्या: 4

स्थापित छात्र एवं संकाय स्टार्ट-अप/उद्यमों की संख्या: 13

परिसर में नवाचार उद्यमिता पर प्रचार और जागरूकता सृजन पर खर्च की गई राशि: 2,00,000.00

छात्र और संकाय नेतृत्व नवाचारों, स्टार्ट-अप और आईपीआर को समर्थित अनुदान या निधि: 2,00,00,000.00 (2 करोड़)

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और व्यावसायीकरण की संख्या: 1 (प्रक्रिया में)

च. कुछ सर्वश्रेष्ठ आईआईसी संकाय सदस्य / छात्र और उनकी उपलब्धियों का विवरण / विभिन्न मंचों पर नवाचारों के लिए पुरस्कृत:

क. डॉ. अखिल अग्रवाल (आई.आई.सी.@राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, संयोजक): तेल और गैस उद्योग के लिए नवीन समाधान के विकास में शामिल हैं। उन्होंने सीमांत कुओं से तेल निकालने के लिए एक नया फॉर्मूलेशन विकसित किया है। इस प्रौद्योगिकी को राजस्थान विज्ञान कांग्रेस और एसईएफसीओ, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून जैसे विभिन्न मंचों पर सम्मानित किया गया है।

ख. डॉ. कैसर रज़ा, सहायक प्रोफेसर, फार्मेसी विभाग, 2013 अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ फार्मास्युटिकल साइंटिस्ट्स क्वालिटी-बाय-डिज़ाइन एंड प्रोडक्ट परफॉर्मेंस अवार्ड, यूएसए के प्राप्तकर्ता हैं, जो फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट में एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। उन्होंने अपने पिछले संस्थान, पंजाब यूनिवर्सिटी के साथ मिलकर एक तकनीक ETOVA LP जेल विकसित की है, जिसे हाल ही में IPCA लैब्स, मुंबई द्वारा लॉन्च किया गया है। उनके नाम दो पेटेंट हैं।

ग. डॉ. तरूण कुमार भट्ट, सहायक प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पैरासाइटोलॉजी के क्षेत्र में काम कर रहे हैं। डॉ. भट्ट परजीवी रोगों के लिए दवाओं, टीकों और निदान के विकास के अनुवाद संबंधी अनुसंधान पर काम करते हैं। उनकी प्रयोगशाला मलेरिया रोग के लिए एक नवीन दवा अणु की पहचान करने के लिए एक पेटेंट दाखिल करने की प्रक्रिया में है और मलेरिया के लिए कम लागत वाले निदान विकसित करने के एक नए दृष्टिकोण पर भी काम कर रही है।

छ. आविष्कारकऔर छवियों पर प्रकाश डाला नवप्रवर्तन के नाम के उल्लेख के साथ चयनित सर्वोत्तम नवाचारों/ गया

चयनित सर्वोत्तम नवाचार

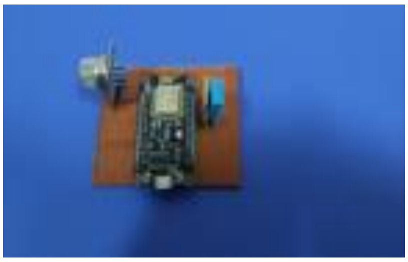

इंटरनेट ऑफ थिंग्स सक्षम पर्यावरण और वायु निगरानी प्रणाली

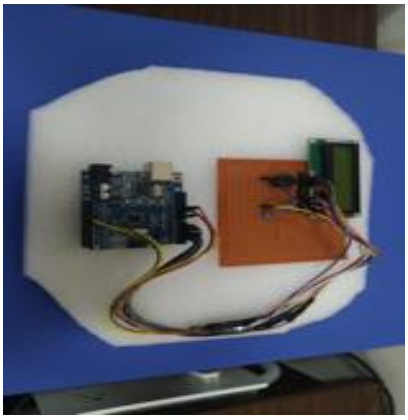

विकलांग व्यक्तियों केलिए संचार सहायता प्रणाली

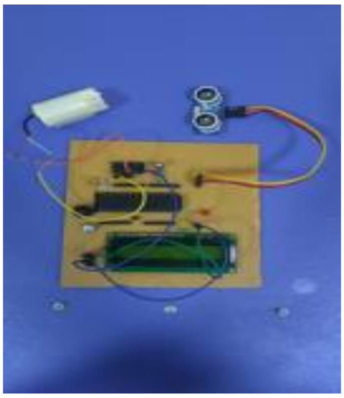

एआई सक्षम डिस्पेंसर प्रणाली के साथ कम लागत वाली स्वचालित हैंड सैनिटाइज़र मशीन

रेगिस्तान ठोसीकरण प्रौद्योगिकीविद्यालयन केंद्रीय विश्वथार रेगिस्तान में टिकाऊ कृषि के लिए राजस्था : में विकसित की गई। यह तकनीक फील्ड ट्रायल चरण में है।

वास्तुकला स्कूल

अधिष्ठाता: वास्तुकार रितु बी राय

विभाग
वास्तुकला विभाग

वास्तुकला स्कूल सतत विकास से संबंधित सभी मामलों पर उत्कृष्टता का केंद्र और ज्ञान विनिमय का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की कल्पना करता है। स्कूल पुनर्योजी वास्तुकला के लिए प्रतिबद्ध है और इसका उद्देश्य गर्म और शुष्क रेगिस्तानी क्षेत्रों में समुदाय के ऐतिहासिक और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण करने वाले ज्ञान का भंडार विकसित करना है। टिकाऊ वास्तुकला के माध्यम से अपशिष्ट, जल, ऊर्जा और मानव उत्पादकता स्कूल के केंद्रित क्षेत्र है। यह स्कूल शिक्षकों और पेशेवरों की निरंतर शिक्षा के लिए अद्वितीय क्षमता-निर्माण कार्यक्रम विकसित करने की कल्पना करता है। विशेष क्षेत्रों में रोजगारोन्मुखी व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास पाठ्यक्रम शुरू किये गये है।

वास्तुकला विभाग

विभागाध्यक्ष: वास्तुकार रितु बी राय

वास्तुकला विभाग वर्तमान में वास्तुकला (सतत वास्तुकला) में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। यह कार्यक्रम आंतरिक सज्जा, वास्तुकला, शहरी डिजाइन और शहरी नियोजन के क्षेत्र में समसामयिक चुनौतियों का सामना करने के लिए पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन, ऐतिहासिक और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य, टिकाऊ आपसी योजना, वाटरशेड प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, भवन सिमुलेशन, ध्वनिकी, थर्मल, परियोजना प्रबंधन और पारंपरिक और आधुनिक भवन प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. वास्तुकला में स्नातकोत्तर (संधारणीय वास्तुकला)
2. वास्तुकला में पीएच.डी.

1. एम. आर्क. (संधारणीय वास्तुकला)

वास्तुकला में (संधारणीय वास्तुकला) स्नात्कोत्तर कार्यक्रम वास्तुकला क्षेत्र में स्थिरता के विभिन्न पहलुओं पारिस्थितिकी और पर्यावरण प्रबंधन, ऐतिहासिक और सामुदायिक परिप्रेक्ष्य, संधारणीय आपसी योजना, जल सम्भर प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों, भवन की बनावट, ध्वनिकी, ताप तथा आंतरिक, वास्तुकला, शहरी डिजाइन और शहरी नियोजन के क्षेत्र में समकालीन चुनौतियों पर केंद्रित है।

2. पीएच.डी.

यह विभाग पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करता है और वर्तमान में इसमें एक शोधार्थी नामांकित है, जो योजना, लिंग-संबंधी मुद्दों और जल-संवेदनशील योजना के लिए समावेशी दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करता है।

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तु कला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार रितु भार्गव राय	सह आचार्य	वास्तु कला, शहर योजना, इंटीरियर डिजाइन
वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	सहायक आचार्य	पर्यावरण योजना, वास्तुकला, जल प्रबंधन
वास्तुकार सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	शहर योजना, वास्तुकला
वास्तुकार महेश कुमार	सहायक आचार्य	संधारणीय वास्तुकला, सोलर पैसिव वास्तुकला

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ /अतिथि व्याख्यान

नाम	आयोजन	तिथि
वास्तुकार मेघा मित्तल *वास्तुकार एवं ऊर्जा सलाहकार*	आमंत्रित व्याख्यान *न्यू एम्प्लॉयमेंट ऑपर्च्यूनिटीज़*	2022 जुलाई 08 (ऑफ़लाइन)
डॉ. रीना सुराणा *सह आचार्य एमएनआईटी, जयपुर*	आमंत्रित व्याख्यान *सस्टेनेबल अर्बन डिज़ाइन एंड नेबरहुड*	2022 अगस्त 01 (ऑफ़लाइन)
डॉ. संजय गर्ग , *सहायक आचार्य, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय*	आमंत्रित व्याख्यान *अंडरस्टैंडिंग कैश फ्लोज़ फॉर इंफ्रास्ट्रक्चरल इश्यूज़*	2022 सितंबर 07 (ऑफ़लाइन)
वास्तुकार हेमांग दवे , *वास्तुकार*	वेबिनार *लैंडस्केप स्ट्रैटेजीज़ फॉर ऑप्टिमम वॉटर एफिशिएंसी एट द कम्युनिटी लेवल इन हॉट एंड ड्राई क्लाइमेट*	11नवंबर 2022 (ऑनलाइन)
वास्तुकार अर्शा विश्वम्भरन, *वास्तुकार*	वेबिनार *निबंध लेखन*	2022 नवंबर 11 (ऑनलाइन)
प्रो. अंकित वार्ष्णेय , *वास्तुकार एवं ऊर्जा सलाहकार*	आमंत्रित व्याख्यान *न्यू एम्प्लॉयमेंट ऑपर्च्यूनिटीज़ फॉर स्टूडेंट्स ऑफ*	2022 नवंबर 30 (ऑफ़लाइन)

	सस्टेनेबल आर्किटेक्चर	
प्रो. राजीव श्रृंगी , *आचार्य एम.ए.नआईटीजयपुर ,*	आमंत्रित व्याख्यान *सस्टेनेबल कैम्पस डिज़ाइन*	2022 दिसंबर 19 (ऑफ़लाइन)
डॉ. रीना सुराणा *सह आचार्य एम.ए.नआईटी, जयपुर*	निबंध के लिए जूरी	2023 मार्च 25 और 24 (ऑफ़लाइन)
वास्तुकार पुष्पक पंडित, *आकल्पन, जयपुर में वरिष्ठ वास्तुकार*	जूरी एवं आमंत्रित व्याख्यान *फ़ील्ड ऑपर्च्यूनिटीज़ इन सस्टेनेबल आर्किटेक्चर*	2023 मई 03 (ऑफ़लाइन)
वास्तुकार अमितेश पांडे ,*वास्तुकार एवं ऊर्जा सलाहकार*	जूरी एवं आमंत्रित व्याख्यान *कैरियर ऑपर्च्यूनिटीज़ इन द फ़ील्ड ऑफ़ एनर्जी-इफ़िशिएंट बिल्डिंग डिज़ाइन*	2023 मई 11 (ऑफ़लाइन)

सम्मेलनसंगोष्ठी का आयोजन/संगोष्ठी/कार्यशाला/

1. 16 से 17 दिसंबर 2022 तक 'एनर्जी कंसर्वेशन बिल्डिंग कोड (ईसीबीसी) एंड इको निवास संहिता (ईएनएस)' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. **प्रो. संजीव विद्यार्थी** (आचार्य, शहरी नियोजन और नीति विभाग, इलिनोइस विश्वविद्यालय, शिकागो) द्वारा 'रिसर्चिंग अर्बन स्पेशियल प्लांस: लेसन्स एंड इंसाइट्स' पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 21 तिथि को सितंबर 2022.
3. 26 सितंबर 2022 को **देवेन्द्र सिंह यादव** (उपाध्यक्ष, भारतीय अर्बन प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम) द्वारा **'डिज़ाइनिंग बैक ऑफ़िस सर्विसेज़ फ़ॉर एनर्जी इफ़िशिएंट होटल प्रोजेक्ट'** पर वेबिनार।
4. 23 नवंबर 2022 को **'एन ओडिसी थ्रू आर्ट एंड वास्तुकला'** विषय पर **प्रो. लक्ष्मी कृष्णमूर्ति** (कलाकार, शिक्षक, अनुसंधान विद्वान और पुनर्स्थापक) द्वारा सेमिनार।

बाह्य समीक्षा:

1. डॉ. रीना सुराणा (सह आचार्य, एम.ए.नआईटी, जयपुर) को 01 अगस्त 2022 को सुश्री स्वागतिका मिश्रा के पीएच.डी. मौखिक साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।
2. रीना सुराणा (सह आचार्य, एम.ए.नआईटी, जयपुर) को 24-25 मार्च 2023 को समर प्रोजेक्ट (एआरसी 702) और निबंध (एआरसी 703) के लिए अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन और प्रतिक्रिया के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
3. वास्तुकार पुष्पक पंडित (आकल्पन, जयपुर के वरिष्ठ वास्तुकार) को 03 मई 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 606) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. रीना सुराणा (सह आचार्य, एमएनआईटी, जयपुर) को 01 अगस्त 2022 को सुश्री स्वागतिका मिश्रा के पीएचडी मौखिक साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया

वास्तुकार मेघा मित्तल (वास्तुकार और ऊर्जा सलाहकार) ने 08.07.2022 को 'न्यू एम्प्लॉयमेंट ऑपर्च्यूनिटीज़' पर अतिथि व्याख्यान दिया

डॉ. संजय कुमार गर्ग ने 07 सितंबर 2022 को 'अंडरस्टैंडिंग कैश फ्लोज़ फॉर इंफ्रास्ट्रक्चरल इश्यूज़' विषय पर व्याख्यान दिया।

23 नवंबर 2022 को 'एन आडिसी थ्रू आर्ट एंड आर्किटेक्चर' पर प्रो. लक्ष्मी कृष्णमूर्ति (कलाकार, शिक्षक और पुनर्स्थापक) द्वारा संगोष्ठी।

प्रो. राजीव श्रृंगी, (आचार्य एमएनआईटी, जयपुर) ने 19 दिसंबर 2022 को सस्टेनेबल कैंपस डिजाइन पर व्याख्यान दिया।

16-17 दिसंबर 2022 को "एनर्जी कंसर्वेशन बिल्डिंग कोड (ईसीबीसी) और इको निवास संहिता (ईएनएस)' पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

16 जनवरी 2022 को योग विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पीएचडी शोधार्थी द्वारा अतिथि सत्र

03 अप्रैल 2023 को एनआईटी, भोपाल के छात्रों का कैंपस दौरा

वास्तुकार पुष्पक पंडित (वरिष्ठ वास्तुकार, आकल्पन, जयपुर) को 03 मई 2023 को सस्टेनेबल डिज़ाइन (एआरसी 606) की समीक्षा और प्रतिक्रिया के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. मीनू वार्ष्णेय (सह आचार्य, एमएनआईटी, जयपुर) को डिजाइन समीक्षा के लिए अंतिम सेमेस्टर मूल्यांकन और प्रतिक्रिया के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया है।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. स्थानीय वास्तुकला, जल प्रबंधन, पारंपरिक निर्माण तकनीकों के संदर्भ में स्थिरता पहलुओं को लेते हुए मैक्रो और सूक्ष्म स्तर पर निपटान का विश्लेषण करके एम. आर्क (बैच 2022-24) के छात्रों के साथ देवमाली गांव, अजमेर का दौरा और दस्तावेजीकरण किया गया; और ग्रामीण समुदाय को स्वच्छता और अपशिष्ट निपटान से संबंधित वास्तुशिल्प समाधान प्रदान किए।

2. माधव गौशाला, बांदरसिंदरी का दौरा किया और एम. आर्क. छात्रों (बैच 2022-24) ने माधव गौशाला, बांदरसिंदरी, अजमेर में "योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र" परियोजना के लिए एक डिजाइन प्रस्ताव तैयार किया।

उपलब्धियाँ

1. डॉ. सुनील शर्मा को 68वें वार्षिक आईएलए सम्मेलन (री-अभियांत्रिकी ऑफ़ लाइब्रेरीज़ इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ़ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज़: मिथ ऑर रिऐलिटी) में लिखे गए और प्रस्तुत किए गए सर्वश्रेष्ठ पेपर के लिए डॉ. एजी मोतीवाले पुरस्कार-2022 प्राप्त हुआ है।

2. वास्तुकार रितु बी राय एवं वास्तुकार महेश कुमार भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय को डंगरथल गांव, नेवई के लिए "सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव" श्रेणी के तहत एक परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं। इस प्रस्ताव की राज्य सरकार ने सराहना की और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार को इसकी अनुशंसा की।

रसायन विज्ञान और फार्मेसी स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

रासायनिक विज्ञान और फार्मेसी स्कूल में दो विभाग रसायन विज्ञान विभाग और फार्मेसी विभाग हैं, जहां दोनों विभागों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी अवसंरचना की उन्नति हेतु (डीएसटी-एफआईएसटी) निधि के अंतर्गत सहायता प्रदान की जाती है। स्कूल का उद्देश्य दोनों विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार करना और संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान को कार्यान्वित करना है। यह स्कूल सभी हितधारकों के लाभ के लिए एक विशुद्ध विज्ञान को दूसरे अनुप्रयुक्त विज्ञान के साथ जोड़ता है, अंतर्विषयक अनुसंधान को बढ़ावा देता है तथा उद्योग के लिए प्रासंगिक पाठ्यक्रमों की आवश्यकता की पूर्ति करता है।

विभाग

- **रसायन विज्ञान विभाग**
- **फार्मेसी विभाग**

रसायन विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन

रसायन विज्ञान विभाग 2010 में अपनी शुरुआत से अनुसंधान और शिक्षण हेतु प्रतिबद्ध है। विभाग ने 2010 में दो वर्षीय कार्यक्रम विज्ञान में स्नातकोत्तर (रसायन विज्ञान) प्रारम्भ किया और 2012 में पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम, 2013 में पाँच वर्षीय कार्यक्रम इंटीग्रटेड एम.एससी. (रसायन विज्ञान), और 2015 में तीन वर्षीय एम.एससी. बी. एड. पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया। रसायन विज्ञान में पीएचडी कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को मौलिक और अत्याधुनिक शोध हेतु प्रशिक्षित करना है। हमने पिछले 13 वर्षों में वैज्ञानिक विषयों की सीधी सीमा रेखा को पार कर लिया है और ड्रग डिजाइनिंग, ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री, बायो-ऑर्गेनिक एंड बायो-इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, मैटीरियल केमिस्ट्री, थ्योरेटिकल केमिस्ट्री, असममित संश्लेषण की दिशा में और अधिक क्षमता प्राप्त करने हेतु एसिमेट्रिक सिन्थेसिस, हेटेरोसाइक्लिक/मैक्रोसाइक्लिक केमिस्ट्री, नैनोकैटलिस्ट्स एंड आर्गेनिक स्पेक्ट्रोस्कोपी पर कार्य किया है। यह विभाग डीएसटी-फिस्ट (DST-FIST) द्वारा वित्त पोषित है और इसके संकाय विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों जैसे सीएसआईआर, डीएसटी, यूजीसी इत्यादि से शोध अनुदान प्राप्त करते हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. रसायन विज्ञान में एम.एससी. (2-वर्षीय)
2. रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. (5-वर्षीय)
3. रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. बी.एड. (3-वर्षीय)
4. रसायन विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. ईश्वर एस.	सह आचार्य	सिंथेटिक आर्गेनिक केमिस्ट्री; मेथडोलॉजीज़ का विकास, एसिमेट्रिक सिंथेसिस और ऑर्गनोकैटालिसिस
डॉ. अनुज के. शर्मा	सह आचार्य	बायो-इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, इनॉर्गेनिक मेडिसिन, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री
डॉ. एम. भानुचंद्र	सहायक आचार्य	ट्रांजिशन-मेटल कैटलाइज्ड आर्गेनिक ट्रांसफॉर्मेशन एंड सिंथेसिस ऑफ़ आर्गेनिक मैटेरियल्स
डॉ. तिरुमूर्ति आर.	सहायक आचार्य	मेन ग्रुप रीएजेंट्स इन आर्गेनिक सिंथेसिस एंड ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री
डॉ. पार्था रॉय	सहायक आचार्य	नैनोमैटेरियल्स: सिंथेसिस, चैरेक्टराइजेशन एंड एप्लिकेशन्स
डॉ. रीतेश सिंह	सहायक आचार्य	सी-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन, आराइन केमिस्ट्री, केमो-एंजाइमेटिक सिंथेसिस, केमिकल बायोलॉजी
डॉ. हेमन्त जोशी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक इनॉर्गेनिक एंड आर्गेनिक केमिस्ट्री, मॉलेक्युलर रोटर्स एंड मॉलेक्युलर मशीन्स, कैटलिसिस
डॉ. राजगोपाला रेड्डी	सहायक आचार्य	थियोरेटिकल केमिस्ट्री, इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर थियोरी
डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी	सहायक आचार्य	सिंथेटिक इनॉर्गेनिक केमिस्ट्री, कोऑर्डिनेशन केमिस्ट्री, कैटलिसिस एंड फोटोल्यूमिनेसेंस
डॉ. चंद्रकांत दास	सहायक आचार्य	ऑर्गनोमेटैलिक केमिस्ट्री एंड होमोजेनस कैटलिसिस

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. एम.एस. बालकृष्ण	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान बॉम्बेभारत , *टर्शियरी फॉस्फाइन्स: स्टोरी थैट नेवर एंड्स*	17 नवंबर, 2022 (ऑफ़लाइन)
	एक दिवसीय "विभाग दिवस" संगोष्ठी	18 नवंबर, 2022 (ऑफ़लाइन)
डॉ. शांतनु अग्रवाल	बिक्री और अनुप्रयोग प्रबंधक, रेनिशॉ, भारत *बेसिक्स ऑफ़ रमन स्पेक्ट्रोस्कोपी एंड एप्लिकेशन्स*	19 जनवरी, 2023 (ऑफ़लाइन)

डॉ. सुमित कुमार	सहायक आचार्य-यूनिस्ट रिसर्च फेलो, इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंस सीएसएलएम, दक्षिण कोरिया *सर्फेस अभियांत्रिकी ऑफ नैनोबायो-प्रोब्स फॉर जैवचिकित्सा एप्लिकेशन*	फ़रवरी 09, 2023 (ऑफ़लाइन)
डॉ. पंकज गुप्ता	रसायन विज्ञान और रसायन अभियांत्रिकी विभाग, चाल्मर्स प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, स्वीडन *"इलेक्ट्रोकेमिकल एंड बायोसेंसर्स फॉर जैवचिकित्सा एंड एनवायरनमेंट एप्लिकेशन्स"*	24 मार्च 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. नितिन पाटिल	सह आचार्य रसायन विज्ञान विभाग आईआईएसईआर भोपाल, भारत *"एलकीन फंक्शनलाइजेशन्स अंडर लिगैंड-एनेबल्ड ऑरोरोमैटिक (गोल्ड) (I)/ऑरोरोमैटिक (गोल्ड) (III) रेडॉक्स कैटालिसिस"*	01 मई, 2023 (ऑफ़लाइन)
प्रो. मनमोहन कपूर	प्रो. रसायन विज्ञान विभाग आईआईएसईआर भोपाल, भारत *"न्यू पैथवेज इन इंडोल सिंथेसिस बाय एप्लाईंग टीएम-कैटलाइज्ड सी-एच एक्टिवेशन"*	03 मई, 2023 (ऑफ़लाइन)

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. 18 नवंबर, 2022 को एक दिवसीय "विभाग दिवस" संगोष्ठी। इस कार्यक्रम में, चौथा डॉ. सुनील जी. नाइक मेमोरियल व्याख्यान प्रो. एम.ए.स बालकृष्ण, आईआईटी बॉम्बे, भारत द्वारा दिया गया। इस कार्यक्रम के दौरान विभाग के संकाय सदस्यों और छात्रों द्वारा कई अन्य आमंत्रित व्याख्यान भी दिए गए।

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, यूजीसी आदि से 168.10 लाख रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

गैस क्रोमैटोग्राफी (थर्मो फिशर साइंटिफिक)

जीसी-एमएस (थर्मो फिशर साइंटिफिक)

एचपीएलसी (शिमात्ज़ु)

यूवी-विज़ (एजिलेंट-कैरी 100)

एफटीआईआर स्पेक्ट्रोमीटर (पर्किनएल्मर)

महासागर प्रकाशिकी यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

तत्व विश्लेषक (थर्मो फिशर वैज्ञानिक)

प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

इलेक्ट्रोकेमिकल वर्कस्टेशन (मेट्रोह्म)

दस्ताना बॉक्स (लैबकोन्को कॉर्पोरेशन)

ध्रुवमापी

कंप्यूटर लैब

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

श्री जितेंदर सिंह (एकीकृत एम.एससी. 5 वर्षीय) — नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (यूजीसी) (रैंक- 88) और गेट (एआईआर-896)

श्री योगेश कुमार गुप्ता (एकीकृत एम.एससी. बी.एड. 3 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (सीएसआईआर) (रैंक-91) और गेट (एआईआर-1895)
सुश्री प्रस्तुति अग्रवाल (एकीकृत एम.एससी. 5 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (यूजीसी) (रैंक-91) और गेट (एआईआर-56)
श्री महिपाल बिश्नोई (एकीकृत एम.एससी. 5 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (सीएसआईआर) (रैंक-86) और गेट (एआईआर-1069)
श्री राहुल (एम.एससी. 2 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (सीएसआईआर) (रैंक-103) और गेट (एआईआर-1609)
सुश्री भावना राठौड़ (एम.एससी. 2 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (यूजीसी) और गेट (एआईआर-41)
श्री उत्कर्ष मीना (एम.एससी. 2 वर्षीय)	नेट-जेआरएफ अर्हता प्राप्त (यूजीसी)
श्री ऋषिकेषन प्रधान (एम.एससी. 2 वर्षीय)	गेट (एआईआर-454)
श्री सचिन शर्मा (पीएच.डी.)	आरएसीएस-2022 सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर
सुश्री किरण कुमारी (पीएच.डी.)	ए) जीईएसईपी-2023 सम्मेलन, राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार बी) आईसीसीएसडी-2023 सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन, कोयंबटूर, तमिलनाडु
सुश्री सुरभि भट्ट (पीएच.डी.)	ए) आईसीआरएसीएस-2023 में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान। बी) एफसीएएसआई-2023 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार), राजस्थान विश्वविद्यालय, राजस्थान
श्री सोहन सिंह (पीएच.डी.)	ए) दिल्ली में आईसीआरएसीएस-2022 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार बी) आईआईटी जोधपुर, राजस्थान में ईएसटीडब्ल्यू-2022 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

4th Department day symposium

Best poster award distribution

Guest Lecture delivered by Prof. M. S. Balakrishna

Dr. Shantanu Aggarwal delivering a talk

फार्मेसी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. विपिन कुमार

फार्मेसी विभाग की स्थापना वर्ष 2012 में फार्मास्युटिकल रसायन विज्ञान में एम. फार्म और पीएच.डी. कार्यक्रमों के साथ संबंधित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और छात्रों को पेशेवर रूप से प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी। इसी तरह, फार्मास्यूटिक्स में मास्टर ऑफ फार्मेसी भी वर्ष 2017 में शुरू किया गया था। दोनों स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) द्वारा मान्यता प्राप्त है। यह विभाग फार्मास्युटिकल अनुसंधान और शिक्षा क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए समर्पित है। यह विभाग डीएसटी एफआईएसटी और कई एजेंसियों जैसे डीएसटी एसईआरबी, आईसीएमआर, सीएसआईआर, डीबीटी, डीएसटी- नैनोमिशन, यूजीसी आदि द्वारा वित्त पोषित है। स्कूल/ विभाग एनएमआर, एचपीएलसी, लियोफिलाइज़र, माइक्रोप्लेट रीडर, फ्लैश क्रोमैटोग्राफी सिस्टम, जीसी-एमएस आदि जैसे परिष्कृत उपकरणों के साथ-साथ सिलिको और सेल कल्चर प्रयोगशाला से सुसज्जित है। सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा करने के पश्चात छात्रों को विभिन्न सरकारी और औद्योगिक प्रतिष्ठानो में नियोजित किया गया है। यह विभाग शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 से फार्माकोलॉजी में एमफार्मा शुरू करने जा रहा है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा एनआईआरएफ रैंकिंग 2023 में फार्मेसी विभाग 27वें स्थान पर है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. एम. फार्म. (फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री - 2 वर्षीय)
2. एम. फार्म. (फार्मास्यूटिक्स - 2 वर्षीय)
3. फार्मेसी में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. विपिन कुमार	आचार्य	क्यूएसएआर, फार्माकोफोर मैपिंग, डॉकिंग एंड सिम्युलेशन, प्लांट एक्सट्रैक्ट्स एंड थेयर आइसोलेट्स फॉर बायोलॉजिकल एक्टिविटी, सिंथेटिक हेटेरोसिक्लिक मेडिसिनल केमिस्ट्री
प्रो. अमित के गोयल	आचार्य	नॉन-इन्वेसिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, डोसेज़ फॉर्म डिज़ाइन फॉर बायोफार्मास्युटिकल्स, हर्बल इंग्रीडिएंट्स एंड न्यू केमिकल एंटिटीज
डॉ. डी. माधुरी	सह आचार्य	लिपिड ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, नॉवेल ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स, सॉल्यूबिलिटी एन्हांसमेंट टेक्नीक्स
डॉ. देवेश एम सावंत	सहायक आचार्य	सिंथेटिक ऑर्गैनिक केमिस्ट्री, कैटलिसिस, आरएनए फोल्डिंग, डिज़ाइन ऑफ रेडियोन्यूक्लाइड लिगैंड्स

डॉ. रुचि मलिक	सहायक आचार्य	मेडिसिनल केमिस्ट्री, केमिकल बायोलॉजी ड्रग डिज़ाइन, न्यूरोडेजेनरेशन, कैंसर
डॉ. कैसर रज़ा	सहायक आचार्य	ड्रग डिलीवरी, क्वालिटी-बाय-डिज़ाइन, फार्माकोकिनेटिक्स, फार्मास्यूटिकल नैनोटेक्नोलॉजी, हर्बल फार्मास्यूटिकल्स
डॉ. उमेश गुप्ता	सहायक आचार्य	फार्मास्यूटिक्स, मैक्रोमोलेक्युलर ड्रग डिलीवरी एंड टारगेटिंग, सॉल्यूबिलाइज़ेशन, नैनोटेक्नोलॉजी इन ड्रग/जीन डिलीवरी

प्राप्त बाह्य निधि

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी एसईआरबी, एनआरडीसी और डीबीटी आदि से रुपये 89.5 लाख की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

फ्लैश क्रोमैटोग्राफी सिस्टम (थर्मो फिशर साइंटिफिक)	लायोफाइलाइज़र (लैबक्विप फ्रीजोन)
बायोसेफ्टी कैबिनेट (लैबक्विप)	ई-स्पिन नैनोटेक सुपर ईएस-2
सीओ2 इंक्यूबेटर (थर्मोफिशर, हेरासेल 15)	4°C सेंट्रीफ्यूज़ नेया 16आर (रेमी)
माइक्रोप्लेट रीडर (ओमेगा, फ्लुओस्टार)	यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एजिलेंट कैरी सीरीज 60)
ऑटोमेटेड सेल काउंटर (बायो-रैड)	माइक्रो-प्लेट वॉशर (रेटो)
इंक्यूबेटर (थर्मोटेक)	रोटरी इवैपोरेटर (बूची)
-80°C, डीप फ्रीज़र (लैबक्विप, कॉल्टिस)	

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

डॉ. वीरेंद्र नाथ (पीएच.डी.)	प्रिंस ऑफ सोंगक्ला यूनिवर्सिटी, थाईलैंड में पोस्टडॉक्टरल फेलो
डॉ. सरिता रानी (पीएच.डी.)	कनेक्टिकट विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका में पोस्ट-डॉक्टरल फेलो
सुश्री चारु मिश्रा (पीएच.डी.)	फरवरी 2023 से फरवरी 2024 तक यूके के ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय में पीएच.डी. कार्य को आगे बढ़ाने के लिए कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति 2022।
श्री राकेश कुमार साहू (पीएच.डी.)	1. मटेरियल रिसर्च सोसाइटी ऑफ सिंगापुर (एमआरएस-एस) द्वारा 26 से 30 जून 2023 के दौरान सनटेक, सिंगापुर में मेटेरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज़ (आईसीएमएटी-2023) पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर।

	2. सनटेक, सिंगापुर में 26 से 30 जून 2023 के दौरान मेटेरियल्स फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज़ (आईसीएमएटी-2023) पर 11वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए एसईआरबी, नई दिल्ली (भारत सरकार) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान (फ़ाइल संख्या आईटीएस/2023/001434)। 3. अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा 2 से 4 फरवरी 2023 के दौरान आयोजित नैनोफार्मास्यूटिकल्स एण्ड न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (आईसीएनएनडी2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार। 4. फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, डॉ. हरिसिंह गौड़ केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा नैनोमेडिसिन फॉर कैंसर थेरनोस्टिक्स पर 31 जनवरी 2023 को आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार। 5. बोस्टन, एम.ए., यूएसए में 16 से 19 अक्टूबर 2022 तक आयोजित 2022 एएपीएस फॉर्मसाइं. 360 में भाग लेने के लिए सीएसआईआर, नई दिल्ली (भारत सरकार) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान (संदर्भ संख्या टीजी/11750/22-एचआरडी)। 6. 16 से 19 अक्टूबर 2022 तक बोस्टन, एम.ए., यूएसए में आयोजित 2022 एएपीएस फॉर्मसाइं. 360 में भाग लेने के लिए एसईआरबी, नई दिल्ली (भारत सरकार) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान (फ़ाइल संख्या आईटीएस/2022/002328)।
श्री राकेश कुमार पॉल (पीएच.डी.)	"एशियन क्रिस्टलोग्राफिक एसोसिएशन (एएससीए2022) के 17वें सम्मेलन", दक्षिण कोरिया (30 अक्टूबर 2022 से 02 नवंबर 2022) में भाग लेने के लिए एसईआरबी यात्रा अनुदान।
श्री सुरेंद्र कुमार गौतम (पीएच.डी.)	06अप्रैल 2023 को एनआईपीईआर, रायबरेली, यूपी द्वारा रीसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स इन बायोलॉजिकल साइंसेज़ पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार।
श्री अमनदीप सिंह कलसी (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 2वाई)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत 95.00, रैंक-2844)
श्री बिरजेश कुमार चौधरी (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (पर्सेंटाइल-94.45, रैंक-3481)
सुश्री मालती ठाकुर (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-96.50, रैंक-2182)

श्री सुधांशु जयसवाल (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-93.19, रैंक-4245)
श्री विजय गवली (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-73.35, रैंक-16747)
सुश्री गौरी मिश्रा (एम. फार्म., फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (पर्सेंटाइल-98.11, रैंक-1187)
श्री अनिकेत खैरनार (एम. फार्म., फार्मास्यूटिक्स, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-91.82, रैंक-5096)
श्री गौरव धुले (एम. फार्म., फार्मास्यूटिक्स, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-59.33, रैंक-25517)
सुश्री नेहा गुप्ता (एम. फार्म., फार्मास्यूटिक्स, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-92.51, रैंक- 4661)
सुश्री अनन्या पाल (एम. फार्म., फार्मास्यूटिक्स, 1 वर्षीय)	जीपैट-2023 अर्हता प्राप्त (प्रतिशत-91.60, रैंक- 5269)

श्री राकेश के. साहू को आईसीएमएटी-2023, सिंगापुर में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

श्री राकेश के. साहू को आईसीएनएएनटी-2023, इगंटू, अमरकंटक, एमपी में पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार

श्री राकेश के. साहू को अमरकंटक, मप्र डॉ. एच एस गौर विश्वविद्यालय, सागर, मप्र पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार

शिक्षा स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. संजीव के पात्रा

विभाग
• शिक्षा विभाग
• योग विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा स्कूल की स्थापना वर्ष 2014 में की गयी थी। शिक्षा स्कूल द्वारा गणित, रसायन विज्ञान और भौतिक विज्ञान स्कूल तथा अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से नवोन्मेषी शिक्षा कार्यक्रम – तीन वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.एससी.-बी.एड. संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विषय वस्तु एवं अध्यापन के समर्थ ज्ञान से सम्पन्न भावी शिक्षकों में वृद्धि करना है। इसके अलावा, शिक्षा स्कूल शिक्षा और योग विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम, शिक्षा में मास्टर ऑफ आर्ट्स और एम.एससी. भी संचालित करता है। शिक्षा स्कूल का दृष्टिकोण अध्यापन, पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता केन्द्र की स्थापना करने के साथ पेशेवर शिक्षकों को विकसित करना है। विश्वविद्यालय ने पूर्व-सेवा शिक्षकों के बीच यथार्थवादी क्षेत्र के अनुभवों के साथ ही पेशेवर मूल्य और नैतिकता को विकसित कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की मांग को पूरा करने की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

शिक्षा विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संजीव के पात्रा

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों/स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) को तैयार करने पर स्पष्ट ध्यान देते हुए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा किया गया यह अनूठा प्रयास है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. रसायन विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. बी.एड.
2. अर्थशास्त्र में एकीकृत एम.एससी. बी.एड.
3. गणित में एकीकृत एम.एससी. बी.एड.
4. भौतिक विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. बी.एड.
5. शिक्षा में पीएच.डी.
6. शिक्षा में कला स्नातकोत्तर

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. अंजलि शर्मा	सह आचार्य	शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन, महिला और लिंग अध्ययन, शैक्षणिक विज्ञान, विस्थापन विमर्श, जनजातीय विमर्श

डॉ. नरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	शैक्षिक मनोविज्ञान, आईसीटी और शिक्षा, शैक्षणिक विज्ञान, शिक्षा और शिक्षक शिक्षा में उभरते मुद्दे, शिक्षा विज्ञानशास्त्र
डॉ. गोबिंद सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा में उद्यमिता, शिक्षा का समाजशास्त्र, गणित की शिक्षाशास्त्र और शिक्षा एवं शिक्षाशास्त्र में हालिया रुझान।
डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	विज्ञान शिक्षा, लिंग अध्ययन, शैक्षिक मनोविज्ञान, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, शैक्षणिक विज्ञान
डॉ. रीना गोदारा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र की शिक्षाशास्त्र, वाणिज्य की शिक्षाशास्त्र, सामाजिक शिक्षा विज्ञानशास्त्र, शैक्षिक प्रबंधन, समावेशी शिक्षा, प्रबंधन में महिलाएँ, शिक्षक शिक्षा, शिक्षा में नेतृत्व, जीवन कौशल शिक्षा
डॉ. टी. संगीता	सहायक आचार्य	विशेष शिक्षा, समावेशी शिक्षा, मूल्य शिक्षा, विज्ञान शिक्षा, शिक्षक शिक्षा
डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	गणित शिक्षा, गणित की शिक्षाशास्त्र, मूल्यांकन और मूल्यांकन, मेटाकॉग्निशन, शिक्षण कौशल, शिक्षण, शैक्षिक मनोविज्ञान, पर्यावरण शिक्षा, आईसीटी और डिजिटल लर्निंग, महिला शिक्षा, प्रारंभिक बचपन शिक्षा, अनुसंधान पद्धति
डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा विज्ञान शैक्षिक प्रौद्योगिकी और आईसीटी रसायन शिक्षा विज्ञानशास्त्र मूल्य शिक्षा समावेशी शिक्षा शैक्षणिक मनोविज्ञान शिक्षक शिक्षा, महिला शिक्षा
डॉ. नित्या प्रेम एसआर	सहायक आचार्य	शिक्षा विज्ञानशास्त्र पाठ्यक्रम परिवर्द्धन शिक्षा विज्ञान शैक्षिक प्रौद्योगिकी शैक्षिक अनुसंधान

शैक्षणिक गतिविधियाँ

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ (शैक्षिक यात्रा, शैक्षणिक उत्सव जैसे विज्ञान दिवस)

थीम/आयोजन का नाम	आयोजक/समन्वयक यदि कोई हो	बैच
प्री-इंटर्नशिप ओरिएंटेशन प्रोग्राम	डॉ. नरेंद्र कुमार डॉ. गोबिंद सिंह	23-2020
राष्ट्रीय शैक्षिक दिवस समारोह	डॉ. नरेंद्र कुमार डॉ. गोबिंद सिंह डॉ. संगीता यदुवंशी	2022/11/11

योग विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संजीब कुमार पात्र

वर्तमान में, योग विभाग मनोदैहिक रोगों के उपचार के लिए ज्ञान प्रदान करने पर ध्यान देने के साथ योग चिकित्सा में स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है। योग चिकित्सा एक नया क्षेत्र है और शोध ने असंक्रामक रोगों की विस्तृत श्रृंखला में इसकी प्रभावकारिता का संकेत देना शुरू कर दिया है। यह स्वास्थ्य संवर्धन और बीमारी की रोकथाम पर ध्यान केंद्रित करके उत्तम स्वास्थ्य सुनिश्चित करता है। यह पाठ्यक्रम योग चिकित्सीय विधियों का गहन ज्ञान प्रदान करता है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार की रोग स्थितियों के लिए किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह अभ्यर्थियों को योग की कई बुनियादी बातों, शैलियों और पहलुओं के साथसाथ विभिन्न बीमारियों के इलाज में उनके उपयोग का समर्थन करने वाले शोध के बारे में -कार्यक्रम शुरू किया गया था और कार्यक्रम का (यौगिक विज्ञान) .डी.जानकारी देता है। योग विभाग द्वारा पिछले वर्ष भी पीएच माध्यम से योग उद्देश्य वैज्ञानिक अनुसंधान केके छिपे तथ्यों को उजागर करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

• योग चिकित्सा में एम .एससी.
• यौगिक विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ .संजीव के पात्र	सह आचार्य	स्लीप मेडिसिन साइकोफिजियोलॉजी मेडिटेशन एंड योग थेरेपी
डॉ .काशीनाथ जी .मैत्री	सहायक आचार्य	योग एंड मेंटल हेल्थ योग एंड मेटाबॉलिक डिसऑर्डर्स कार्डिओवैस्कुलर मेडिसिन, योग थेरेपी आयुर्वेद एंड रिहैबिलिटेशन
श्री नीरज मेधार्थी	सहायक आचार्य	योग थेरेपी पंचगव्य

शैक्षणिक गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की पूर्व संध्या पर विभिन्न प्रमुख संस्थानों के आमंत्रित प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा "योग के चिकित्सीय प्रभाव" पर व्याख्यान श्रृंखला का से 25 जून, 2022 तक आयोजन किया गया।

2022 ,जून 21 को सीयुराज के सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए 'तनाव प्रबंधन' पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया।

विस्तार गतिविधियाँ

मुंडोती और नारू गांवों में स्कूली छात्रों के लिए दो कार्यक्रम 'स्वास्थ्य जागरूकता' पर आयोजित किए।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

योग विभाग ने सीयुराज के सभी छात्रों, कर्मचारियों और संकायों के लिए 21 से 25 जून, 2022 तक इंटर - यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज (आईयूसीवायएस) के साथ संयुक्त रूप से 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

निम्नलिखित छात्र यूजीसी नेट/जेआरएफ में अर्हता प्राप्त की

निहारिका शर्मा - नेट

कप्तान बैरवा - नेट

शंकरलाल सैनी - नेट

अर्जुन राम रॉस - नेट

हमारी गतिविधियां

विद्यार्थी वैदिक ऋचाओं का पाठ करते हुए

अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. प्रकाश चौधरी

विभाग

1. **कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग**
2. **इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग**
3. **बायो-मेडिकल अभियांत्रिकी विभाग**

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. प्रकाश चौधरी

सतत विकास के लिए गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए वर्ष 2010 में विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल की स्थापना की गई थी। कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना विश्वविद्यालय में वर्ष 2010 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत की गई। वर्तमान में विभाग सूचना सुरक्षा में विशेषज्ञता के साथ सीएसई मे 2 वर्षीय एम.टेक पाठ्यक्रम, एक डॉक्टरेट कार्यक्रम, और कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी में 4 वर्षीय बी.टेक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। विभाग सूचना के इस युग में देश की सुरक्षित प्रगति में योगदान देने के लिए पेशेवरों को तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। विभाग साइबर-भौतिक प्रणाली, सूचना परीक्षण, सुरक्षा लेखा परीक्षा, डिजिटल फोरेंसिक आदि जैसे नए उभरते क्षेत्रों का अन्वेषण भी कर रहा है। विभाग विश्वविद्यालय के लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देता रहा है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बी.टेक सीएसई
2. एम. टेक. सीएसई
3. सीएसई में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. प्रकाश चौधरी	सह आचार्य एवं	इन्फॉर्मेशन रिट्रीवल इमेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग एंड पैटर्न रेकग्निशन,

	विभागाध्यक्ष	मल्टीलिंग्वल टेक्स्ट रेकग्निशन, फेडरेटेड लर्निंग
डॉ. बसंत अग्रवाल	सह आचार्य	मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, नैचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग
डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	डिस्ट्रीब्यूटेड सिस्टम्स, कंप्यूटर नेटवर्क्स, एड हॉक नेटवर्क्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, एल्गोरिदम्स, नंबर थ्योरी, इनफॉर्मेशन सिक्योरिटी
डॉ. मुजम्मिल हुसैन	सहायक आचार्य	नेटवर्क सिक्योरिटी, वायरलेस सेंसर नेटवर्क्स, कंप्यूटर नेटवर्क्स
डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, डीप लर्निंग एंड ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

06 दिसंबर, 2022 को "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: ऑपर्च्यूनिटीज़ एंड चैलेंजेस" विषय पर प्रो. अब्दुल सत्तार, एसआईसीटी, ग्रिफ़िथ विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आमंत्रित वार्ता।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. एचपी जी400 वर्कस्टेशन
2. नेटवर्क स्विच (डीजीएस-3130)
3. डेल आर 540 और आर550 हाई एंड सर्वर
4. डब्ल्यूडी-सर्वर रैक (42यू)
5. केवीएम स्विच

प्राप्त बाह्य अनुदान

विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी और डीएसटी एसईआरबी आदि द्वारा स्वीकृत 85 लाख रुपये से अधिक की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

डॉ. गौरव सोमानी ने आईईईई एक्सेस जर्नल (आईएफ = 4.098) (2018-2022) के एसोसिएट एडिटर के रूप में अपना तीन साल का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया।

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संयोग रावत

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार अभियांत्रिकी (ईसीई) विभाग 2019 में अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी स्कूल के तहत प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम को शुरू करने का प्राथमिक लक्ष्य अत्यधिक कुशल युवा अभियंता तैयार करना है ताकि वे विभिन्न उद्योगों और शैक्षणिक नौकरियों में योगदान प्रदान कर सकें। इसके पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि छात्रों को ईसीई के क्षेत्र में सैद्धांतिक और व्यावहारिक रूप से एक मजबूत आधार मिल सके। वर्तमान में, यह विभाग 4 वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (ईसीई में बी.टेक) और एक पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभाग आधुनिक प्रयोगशाला उपकरणों से सुसज्जित है। विभाग के पास समर्पित संकाय सदस्य हैं जो छात्रों के ज्ञान, कौशल और प्रतिभा को बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बी.टेक (ईसीई)
2. पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संयोग रावत	सह आचार्य	रीकॉन्फिगरेबल आरएफ प्रिंटेड सर्किट्स, माइक्रोवेव एंड मिलीमीटर वेव टेक्नोलॉजी
डॉ. मिलन ससमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, नैनो-बायो सेंसर्स, एमईएमएस/एनईएमएस
डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	पाइजोइलेक्ट्रिक/फेरोइलेक्ट्रिक डिवाइसेज़, एनर्जी हार्वेस्टर्स, स्पिनट्रॉनिक डिवाइसेज़
डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	प्रोग्रामेबल मेटासरफेस, कंप्यूटेशनल इलेक्ट्रोमैग्नेटिज़्म
डॉ. सुधीर भास्कर	सहायक आचार्य	माइक्रोवेव अभियांत्रिकी, एंटेनास फॉर आरआईडीएफ एप्लिकेशन्स

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. नए प्रवेशकों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम
2. 15 सितंबर 2022 को अभियंता दिवस समारोह

प्राप्त अनुदान

पुरस्कार का वर्ष	अनुसंधान परियोजना का शीर्षक	पीआई का नाम	राशि (लाख में)	फंडिंग एजेंसी का नाम	स्थिति
2023	ऑल सॉल्यूशन-प्रोसेस्ड MoS2 नैनो-बायो-कॉम्पोज़िट फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक सेंसर फॉर एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग	डॉ. मिलन ससमल	42.365	हेफ़ा	स्वीकृत

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

1. गेट अर्हता प्राप्त छात्र

विद्यार्थियों ने गेट परीक्षा, 2023 में अर्हता प्राप्त की		
क्रसं.	**नामांकन संख्या**	**छात्र का नाम**
1	2020BTECE006	हितेश तंवर
2	2020BTECE015	साहिल कुमार प्रजापति
3	2020BTECE004	दिगेंद्र
4	2020BTECE016	साक्षी गुप्ता

2. डॉ. कपिल सारस्वत को कंप्यूटर सॉफ्टवेयर वर्क कैरेक्टरिस्टिक्स मोड एनालिसिस टूल सॉफ्टवेयर के लिए कॉपीराइट प्रदान किया गया।
3. डॉ. संयोग रावत ने स्प्रिंगर (एलएनएनएस सीरीज़) द्वारा प्रकाशित पुस्तक में संपादक के रूप में कार्य किया।

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

समन्वयक: डॉ. चंदन कुमार

जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग (बीएमई) अभियांत्रिकी और प्रोद्योगिकी स्कूल के तहत शैक्षणिक वर्ष 2020-2021 से शुरू हुआ। यह विभाग जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी (बीएमई) में 4 साल का स्नातक कार्यक्रम (बी.टेक.) संचालित करता है। जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी एक आकर्षक बहु-विषयक क्षेत्र है जिसमें जैवचिकित्सा वैज्ञानिकों और चिकित्सा चिकित्सकों की सहायता के लिए चिकित्सीय और निदान की एक विस्तृत श्रृंखला में अभियांत्रिकी सिद्धांतों का अनुप्रयोग शामिल है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी में बी.टेक. (4 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. चंदन कुमार	सहायक आचार्य	
डॉ. मानस कुमार नाग	सहायक आचार्य	
डॉ. संदीप चौधरी	सहायक आचार्य	
डॉ. विक्रांत सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	

मानविकी एवं भाषा स्कूल

अधिष्ठाता: डॉ. संजय अरोड़ा

मानविकी एवं भाषा स्कूल

विभाग

1. अंग्रेजी विभाग
2. हिन्दी विभाग
3. भाषा विज्ञान विभाग

अंग्रेजी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. भूमिका शर्मा

अंग्रेजी विभाग की स्थापना शैक्षिक सत्र 2010-11 में हुई। इसका लक्ष्य छात्रों को कक्षा के भीतर और बाहर दोनों जगह व्यापक समग्र विकास के लिए परामर्श देना है। इसके अलावा, यह व्याख्यान, संचार कार्यों और गतिविधियों, फिल्म स्क्रीनिंग, वाद-विवाद, चर्चा, लेखन अभ्यास, संगोष्ठी, सेमिनार, कार्यशालाओं और सम्मेलनों के माध्यम से गहन प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसका पाठ्यक्रम भाषा, साहित्य, संस्कृति अध्ययन, दृश्य प्रतिनिधित्व और बहु-विषयक अध्ययनों का एक स्वस्थ मिश्रण है और इसका पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है ताकि वे शैक्षिक केंद्रों को मूल्य-आधारित शिक्षा, जीवन कौशल, और बड़ी सामाजिक जिम्मेदारियों से जोड़ने में सहायता करें। यह कार्यक्रम न केवल इस क्षेत्र में आवश्यक और अतिरिक्त ज्ञान प्रदान करता है बल्कि शिक्षण, रचनात्मक लेखन, अनुसंधान, सामग्री लेखन, अनुवाद, फिल्म आलोचना और अन्य संबंधित अवसरों के क्षेत्र में आजीविका के लिए छात्रों को तैयार और प्रशिक्षित भी करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. अंग्रेजी में एम.ए.
2. अंग्रेजी में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. संजय अरोड़ा	सह आचार्य	अंग्रेजी भाषा शिक्षण, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, सीएलटी
डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक आचार्य	उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन, अफ्रीकी अमेरिकी साहित्य, लिंग अध्ययन
डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	दलित साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, हाशिए का साहित्य

डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक आचार्य	प्रवासी अध्ययन, आलोचनात्मक सिद्धांत, रचनात्मक लेखन
डॉ. वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	विभाजन साहित्य, जीवन लेखन, फ़िल्म अध्ययन
डॉ. सविता अंदेलवार	सहायक आचार्य	भारतीय अंग्रेजी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	**आयोजन**	**तिथि**
संदीप रणभीरकर	"इफेक्टिव कम्पेरिंग" पर अतिथि व्याख्यान	4 अक्टूबर, 2022
प्रो. प्रदीप त्रिखा	*"न्यू हिस्टरिसिज्म" पर एक वार्ता*	13 अप्रैल, 2023

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

इंडियन डिसेबिलिटी सोसाइटी कलेक्टिव के सहयोग से 8 से 10 फरवरी, 2023 तक "डिसेबिलिटी एंड द एवरीडे: इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्ज" पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

डिपार्टमेंट फिल्म क्लब ने एम.ए. कोर्स फिल्म स्टडीज के तहत 21 दिसंबर, 2022 को "मेघे ढाका तारा" की स्क्रीनिंग की।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

"इफेक्टिव कम्पेरिंग" पर डॉ. संदीप रणभीरकर का व्याख्यान

हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्र

भाषा केवल अभिव्यक्ति एवं संपर्क का माध्यम नहीं है अपितु वह सामाजिक सोच, सामासिक संस्कृति और सामूहिक मानसिकता के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भारत जैसे एक बहुभाषी और सांस्कृतिक देश की राजभाषा एवं संपर्क भाषा होने के साथ - साथ हिन्दी विविध भाषा - भाषी समाजों और संस्कृतियों के बीच अंत: संवाद का माध्यम भी है। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का हिन्दी विभाग शैक्षिक एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ उपेक्षित समूहों को केंद्र में लाने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा एवं साहित्य की भूमिका को महत्वपूर्ण मानता है। हिंदी विभाग निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। इस विभाग की स्थापना अकादमिक सत्र – 2011 में की गयी जिसमें स्नातकोत्तर एवं पीएच.डी पाठ्यक्रमों को शामिल किया गया। विभाग का पाठ्यक्रम साहित्य, प्रयोजनमूलक हिंदी और भाषाविज्ञान के एकीकृत अध्ययन पर केंद्रित है जो छात्रों को रोजगार के अवसर प्रदान करने में पूर्णतया सक्षम है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. हिंदी में एम.ए.
2. हिंदी में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य	
डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा	सह आचार्य	
डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सह आचार्य	
डॉ. ममता खांडल	सहायक आचार्य	

डॉ. संदीप वी रणभिरकर (लियन पर)	सहायक आचार्य	
डॉ. रामगोपाल मीना (संविदा)	सहायक आचार्य	

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
डॉ. संदीप रणभिरकर	"भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ" विषय पर अतिथि व्याख्यान	2023 मार्च 11-10
डॉ. डी पी अग्रवाल	*"यूपीयूपीएस परीक्षा की तैयारी कैसे करें" पर अतिथि व्याख्यान*	2023 मार्च 13
प्रो. वशिष्ठ अनूप	*"वर्तमान हिन्दी कविता की समस्याएं" विषय पर अतिथि व्याख्यान*	2023 अप्रैल 24

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

विभाग ने 25 से 29 मई, 2023 तक "अनुवाद कार्यशाला" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

विभाजन की त्रासदी एवं विभीषिका (8 अगस्त 2023) प्रो एन लक्ष्मी अय्यर

भाषा विज्ञान विभाग

समन्वयक: डॉ. धनपति शौग्रक्पम

शैक्षणिक सत्र 2019-20 के दौरान मानविकी और भाषा स्कूल के तहत स्थापित भाषा विज्ञान विभाग का उद्देश्य अंतःविषय दृष्टिकोण के माध्यम से भाषा विज्ञान के अन्वेषण को आगे बढ़ाना है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी प्राकृतिक मानव भाषाओं में निहित मौलिक गुणों की खोज करना, मानव वाक्य उत्पादन और संवेदन के जटिल और बहुपक्षीय पहलुओं की खोज करना है। इस विभाग का ध्यान विभिन्न आयामों तक फैला हुआ है, जिसमें भाषाओं की संरचनात्मक संरचना को समझना, मस्तिष्क में संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझना, बच्चों और वयस्कों दोनों द्वारा भाषा अधिग्रहण की जांच करना, भाषा विविधताओं और विकासवादी परिवर्तनों का विश्लेषण करना शामिल है। यह इस बात को जांचने पर भी केंद्रित है कि भाषा विविध सांस्कृतिक संदर्भों में कैसे कार्य करती है और व्यक्तियों और समूहों द्वारा संवाद में इसके उपयोग का अध्ययन करती है। यह विभाग सीखने के विविध क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक व्यापक अध्ययन क्षेत्र की पेशकश करके सामाजिक और जैविक विज्ञान दोनों से अंतर्दृष्टि का विलय करता है। इसमें भाषा डेटा के सेट के भीतर अंतर्निहित पैटर्न की जांच करने के लिए गणितीय और संगणक दृष्टिकोण को भी शामिल करने का प्रयास किया जाता है। यह विभाग मानव भाषा और समाज में इसके असंख्य अनुप्रयोगों की गहरी समझ को बढ़ावा देकर मानविकी, शिक्षा, नैदानिक क्षेत्रों और डेटा विश्लेषण में उद्यमिता प्रस्तुत करता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. भाषाविज्ञान और भाषा विज्ञान में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय)
2. भाषा विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. धनपति शौग्रक्पम	सहायक आचार्य	आकृति विज्ञान, शाब्दिक शब्दार्थ, समाजभाषाविज्ञान, कोशलेखन, भाषा टाइपोलॉजी, बहुभाषावाद, क्षेत्र भाषाविज्ञान और भाषा प्रलेखन
डॉ. शरिता शर्मा	सहायक आचार्य	सांकेतिक भाषा भाषाविज्ञान, सांकेतिक भाषा व्याख्या, तंत्रिका भाषाविज्ञान, नैदानिक भाषाविज्ञान, भारतीय सांकेतिक भाषा, बधिर अध्ययन, विकलांगता और पुनर्वास अध्ययन
डॉ. महबूब जाहिद	सहायक आचार्य	सामान्य भाषाविज्ञान सिद्धांत, आकृति विज्ञान और रूप-वाक्यविन्यास, क्षेत्र भाषाविज्ञान, भाषा दस्तावेज़ीकरण
डॉ. धनंजय कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	सामान्य भाषाविज्ञान, कानून की भाषा, फोरेंसिक भाषाविज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण, अनुवाद अध्ययन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. गौतम कुमार बोरा	*"भाषा एवं भाषाविज्ञान" विषय पर अतिथि व्याख्यान*	1 फ़रवरी 2023

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

प्रो. प्रियंकु सरमाह, आईआईटी गुवाहाटी, "भाषण का ध्वनिक विश्लेषण और PRAAT का परिचय" पर दो दिवसीय कार्यशाला, 24-25 अप्रैल 2023

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

कंप्यूटर लैब

वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. उमा शंकर मिश्रा

विभाग
वाणिज्य विभाग
प्रबंधन विभाग

एक दशक से भी कम पुराने वाणिज्य और प्रबंधन स्कूल में विविधता, समावेशनीयता, पारस्परिक सम्मान, सहयोग और शैक्षणिक उत्कृष्टता के मूल्य अंतर्निहित हैं। यह स्कूल नवोन्मेषी शिक्षाशास्त्रीय सिद्धांतों एवं छात्र केन्द्रित दृष्टिकोणों के साथ शिक्षण एवं अधिगम को प्रोत्साहित करता है। समर्थ शैक्षणिक पृष्ठभूमि, तीव्र शोध उन्मुखीकरण एवं पूरक कौशल समुच्चयों से युक्त व्यक्तियों का स्कूल के संकाय सदस्यों के रूप में चयन किया गया है। विकास की उच्च संभावना के साथ यह स्कूल भविष्य में स्वयं को वाणिज्य एवं प्रबंधन शिक्षा एवं शोध के विषय में उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

प्रबंधन विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. संजय कुमार गर्ग

2010 में स्थापित, प्रबंधन विभाग तीन क्षेत्रों- वित्त, मानव संसाधन प्रबंधन और विपणन में विशेषज्ञता के साथ एमबीए पाठ्यक्रम संचालित करता है। प्रत्येक वर्ष, विविध पृष्ठभूमि, राज्यों, संस्कृतियों और भाषाओं से संबंधित 30 विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सम्मिलित होते हैं। विभाग के संकाय कठिन शिक्षण गतिविधियो, नियमित प्रबंधन गतिविधियों और राष्ट्रीय ख्याति के सेमिनार के माध्यम से उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रबंधन की शिक्षा प्रदान करते हैं। यह विभाग व्यापक आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ एक अच्छा अनुसंधान वातावरण भी प्रदान करता है। यह विभाग प्रबंधन के विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों में गहन अनुसंधान कार्य में शामिल है। प्रायोजित शोध परियोजनाओं और नियमित डॉक्टोरल अनुसंधान के माध्यम से संकाय सदस्यों का मजबूत शोध अभिविन्यास परिलक्षित होता है। विभाग के पास मजबूत पूर्व छात्रों का नेटवर्क है और छात्रों को प्रतिष्ठित संगठनों में अच्छा रोजगार मिला हुआ है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमबीए)
2. प्रबंधन में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. उमा शंकर मिश्र	प्रो. और डीन-एससीएम	विपणन अनुसंधान, उपभोक्ता व्यवहार, मात्रात्मक तकनीक, अनुसंधान पद्धति

डॉ. संजय कुमार गर्ग	सहायक आचार्य	स्टॉक एवं डेरिवेटिव बाजार वित्तीय प्रबंधन जोखिम प्रबंधन प्रबंधन लेखांकन संचालन अनुसंधान
डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	संगठनात्मक व्यवहार व्यावसायिक नैतिकता और स्थिरता सार्वजनिक नीति प्रबंधन (सार्वजनिक स्वास्थ्य, स्वयं सहायता समूह, महिला सशक्तिकरण)
डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	मानव संसाधन प्रबंधन एवं विकास प्रशिक्षण एवं विकास संगठनात्मक व्यवहार नेतृत्व एचआर एनालिटिक्स, साइकैप
डॉ. रामुलु भुक्या	सहायक आचार्य	उपभोक्ता व्यवहार, ग्राहक जुड़ाव, उद्यमिता, खुदरा प्रौद्योगिकियां, ईडब्ल्यूओएम

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट्स (एनआईएसएम) के सहयोग से सिक्योरिटीज मार्केट पर कार्यशाला 18/01/2023 को आयोजित की गई।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस 2022 के उपलक्ष्य में एसएमएस ब्लड बैंक, जयपुर के सहयोग से आत्महत्या रोकथाम पर जागरूकता सत्र और रक्तदान शिविर। सत्या फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट, जयपुर द्वारा प्रायोजित।

वाणिज्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. प्रवीण साहू

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा लचीले, नवीन शैक्षणिक और अनुसंधान कार्यक्रम और समर्थन संरचनाएं प्रदान करने के लिए 2012 में वाणिज्य विभाग की स्थापना की गयी, जो शिक्षार्थियों और क्षेत्रीय आवश्यकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए उत्तरदायी हैं। यह विश्व विज्ञान, प्रौद्योगिकी, वाणिज्य और उद्योग में बदलाव के साथ एक उच्च तकनीक क्रांति देख रही है। यह विश्व अब मानता है कि ज्ञान ही सब कुछ है। वैश्वीकरण, उदारीकरण और निजीकरण प्रक्रियाओं के माध्यम से विश्व अर्थव्यवस्था के खुलने के साथ, सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में जबरदस्त वृद्धि देखी जा रही है। वित्तीय सेवाओं, परामर्श आदि जैसे कई नए उभरते क्षेत्रों के आने से पूरी अर्थव्यवस्था जबरदस्त बदलाव के दौर से गुजर रही है। सेवा क्षेत्र विकास के मामले में विनिर्माण क्षेत्र से आगे निकल रहा है। इन क्षेत्रों में करियर में चुनौतीपूर्ण कार्य, उच्च विकास के अवसर, आकर्षक वेतन पैकेट और पेशेवर रूप से चुनौतीपूर्ण कार्य परिवेश शामिल है। नौकरी का बाजार कायापलट के दौर से गुजर रहा है। इससे वाणिज्य और व्यवसाय में करियर की भारी मांग पैदा हो रही है। इससे हमारे व्यावसायिक अध्ययन के पाठ्यक्रम को पढ़ाने और इसे प्रस्तुत करने के तरीके में भारी परिवर्तन आया है। कॉर्पोरेट जगत गतिशील है और परिवर्तन इतने गंभीर हैं कि नई अवधारणाओं और तकनीकों की एक श्रृंखला तेजी से अस्तित्व में आ रही है और पुरानी और पारंपरिक तकनीकें अप्रचलित होती जा रही हैं। इस स्थिति ने सभी स्तरों पर वाणिज्य शिक्षा के पाठ्यक्रम के पुनर्गठन की आवश्यकता को जन्म दिया है ताकि इसे बदलते व्यावसायिक परिदृश्य के साथ सार्थक और संगत बनाया जा सके और वाणिज्य शिक्षकों के बीच उनके योगदान को आगे बढ़ाने और सुव्यवस्थित करने के लिए अवधारणाओं और तकनीकों को पेश किया जा सके। हमें अधिक से अधिक पेशेवर कौशल को शामिल करते हुए विश्व में सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले स्नातक और शोधकर्ता तैयार करने की आवश्यकता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. वाणिज्य में स्नातकोत्तर (एम.कॉम.)
2. वाणिज्य में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	विपणन, मानव संसाधन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार, सामान्य प्रबंधन
डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	सहायक आचार्य	वित्त एवं सामान्य प्रबंधन
डॉ. नेहा सेठ	सहायक आचार्य	वित्त एवं लेखा, सामान्य प्रबंधन
डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	लेखांकन और कराधान, पर्यावरण लेखांकन, रिपोर्टिंग और कराधान,

		प्रबंधकीय अर्थशास्त्र
डॉ. प्रियंका भास्कर	सहायक आचार्य	प्रबंधकीय अर्थशास्त्र बैंकिंग और वित्त, सामान्य प्रबंधन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. बाबू बख्श मंसूरी	*विशेषज्ञ वार्ता*	सितम्बर 30,2022
प्रो. ओपी राय	*विशेषज्ञ वार्ता*	2023 मई 19
प्रो. सुबोध कुमार शर्मा	*विशेषज्ञ वार्ता*	2023 जनवरी 25
प्रो. मोहिंदर सिंह	*विशेषज्ञ वार्ता*	2023 जनवरी 25

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- अगस्त, 2022 के दौरान वाणिज्य सप्ताह का उत्सव
- 8 मई, 2023 को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया
- सितम्बर 2022 को स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन
- 08 नवंबर, 2022 को बिजनेस क्विज़ का आयोजन

पुरस्कार और उपलब्धियाँ

यूजीसी नेट/गेट उत्तीर्ण छात्र

12वीं फाउंडेशन ऑफ इस्लामिक फाइनेंस कॉन्फ्रेंस (एफआईएफसी) 2022, सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया में 1-2 अक्टूबर, 2022 को "एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस फैक्टर्स: स्ट्रक्चर्ड रिव्यू ऑफ लिटरेचर" शीर्षक वाले पेपर के लिए सुश्री दीप्ति सिंह और डॉ. नेहा सेठ को सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार दिया गया।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. 24 डेस्कटॉप कंप्यूटर सहित 1 कंप्यूटर लैब
2. 2 कक्षाएँ

3. 2 प्रोजेक्टर
4. 1 ट्यूटोरियल कक्ष
5. 1 शोधार्थी कक्ष

गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. डीसी शर्मा

स्कूल बहु-विषयक और अंतर-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को अपनाते हुए, लागू अग्रणी क्षेत्रों में युवा छात्रों को भविष्य के शोधकर्ताओं के रूप में संवेदनशील और प्रशिक्षित करने का प्रयास करता है। स्कूल आईसीटी और संबंधित उद्योगों और अनुसंधान संगठनों के अनुसंधान और विकास के लिए भी छात्रों को प्रशिक्षित करता है। स्कूल का गणित विभाग उच्च और प्लस टू दोनों स्तरों के लिए गणित के शिक्षकों को तैयार करने के लिए एक कार्यक्रम चला रहा है। स्थानीय और वैश्विक जरूरतों के लिए इस स्कूल के विभागों द्वारा विभिन्न अभिनव कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।

विभाग
गणित विभाग
सांख्यिकी विभाग
संगणक विज्ञान विभाग
आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

गणित विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. डी सी शर्मा

विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 के प्रथम वर्ष में ही गणित विभाग की स्थापना की गई थी। विभाग का उद्देश्य शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के लिए अच्छे गणित शिक्षकों और शोधकर्ताओं को तैयार करना और उद्योगों और अनुसंधान से संबंधित अनुसंधान संगठन और विकास के लिए आवश्यक प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. गणित में पीएच.डी.
2. गणित में एम.एससी. (2 वर्षीय)
3. गणित एकीकृत एम.एससी. बी.एड. (3 वर्षीय)
4. गणित में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. डी.सी. शर्मा	आचार्य	ऑपरेशन्स रिसर्च, मैथमैटिकल प्रोग्रामिंग, एंड मशाइनिंग सिस्टम
प्रो. जुगल के. प्रजापत	आचार्य	कॉम्प्लेक्स एनालिसिस, ज्योमेट्रिक फ़ंक्शन थ्योरी,

		प्लेनार हार्मोनिक मैपिंग्स, फ़्रैक्शनल कैलकुलस
डॉ. आनंद कुमार	सह आचार्य	फ्लूइड डायनैमिक्स, मैग्नीटोहाइड्रोडायनैमिक्स, बाउंडरी लेयर थ्योरी
डॉ. विद्योत्तमा जैन	सहायक आचार्य	फ़ज़ी ऑप्टिमाइज़ेशन, ऑपरेशन्स रिसर्च, परफ़ॉर्मेंस एनालिसिस ऑफ कम्युनिकेशन सिस्टम्स
डॉ. राम किशोर	सहायक आचार्य	सेलेस्टियल मेकेनिक्स, डायनैमिकल सिस्टम्स, नॉनलिनियर डायनैमिक्स एंड केओस, मिशन डिज़ाइन
डॉ. जे.पी. त्रिपाठी	सहायक आचार्य	मैथमैटिकल एकोलॉजी, एपिडेमियोलॉजी, नॉनलिनियर डायनैमिक्स, डायनैमिकल सिस्टम्स
डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	फ़ज़ी सेट थ्योरी, फ़ज़ी टॉपोलॉजी, फ़ज़ी ऑटोमेटा थ्योरी, कैटेगरी थ्योरी
डॉ. विपुल कक्कड़	सहायक आचार्य	ग्रुप थ्योरी
डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	कॉम्प्यूटेशनल मेथड्स फॉर हाइपरबोलिक पार्शल डिफ़रेंशियल इक्वेशन्स
डॉ. कमलेश जांगिड़	सहायक आचार्य	फ्रैक्चर मेकेनिक्स, स्मार्ट मेटेरियल, पायज़ो-इलेक्ट्रिक मेटेरियल, मैग्नेटी-इलेक्ट्रो-एलास्टिक मेटेरियल, स्ट्रेन-ग्रेडिएंट थ्योरी
सुश्री अलका चौधरी	सहायक आचार्य (अतिथि संकाय, 24/11/2022 से 26/05/2023 तक)	ऑपरेशन्स रिसर्च, मैथमैटिकल प्रोग्रामिंग, एंड मशाइनिंग सिस्टम

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

06-08 जनवरी, 2023 के दौरान सेलेस्टियल मेकेनिक्स एंड डायनैमिकल एस्ट्रोनॉमी (आईडब्ल्यूसीएमडीए-2023) पर 3 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी एसईआरबी, आदि से रुपये 2.20 लाख की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

1. डॉ. राम किशोर इंटरनेशनल एस्ट्रोनॉमिकल यूनियन (आईएयू), पेरिस, फ्रांस के एक व्यक्तिगत सदस्य हैं।
2. डॉ. राम किशोर, 01.08.2022 से 31.07.2025 तक आईयूसीएए, पुणे (महाराष्ट्र), भारत के विजिटिंग एसोसिएटशिप कार्यक्रम के अंतर्गत आईयूसीएए के विजिटिंग एसोसिएट के रूप में चयनित।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

5 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस 2021 उत्सव मनाया गया।

आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. विद्योत्तमा जैन

आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ साझेदारी में 2018 में गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान के स्कूल के तहत आँकड़ा विज्ञान और विश्लेषण के तेजी से बढ़ते क्षेत्र में विद्यार्थियों को प्रशिक्षित करने और उन्हें उद्यमियों और उत्पाद डेवलपर्स के रूप में विकसित करने के मुख्य उद्देश्य के साथ प्रारम्भ हुआ। यह विभाग एम.एससी. (सीएस) बिग डेटा एनालिटिक्स और डेटा साइंस और एनालिटिक्स में एक पूर्णकालिक पीएच.डी. कार्यक्रम संचालित करता है। विद्यार्थियों को व्यापक शिक्षा प्रदान करने और व्यापक प्रभाव वाले अनुसंधान करने के लिए विभाग के पास कंप्यूटर विज्ञान, सांख्यिकी और गणित में मजबूत पृष्ठभूमि वाले संकाय सदस्यों का एक विविध समूह है। 2018-21 से, 131 से अधिक छात्रों ने स्नातक कार्यक्रम पूर्ण किया, और उनमें से 80% से अधिक को कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों में रोजगार प्राप्त हुआ।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. बिग डेटा एनालिटिक्स में एम.एससी. (सीएस) (2 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. विद्योत्तमा जैन	सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	स्टोकास्टिक मॉडेलिंग, मशीन लर्निंग, वायरलेस नेटवर्क्स
डॉ. निष्ठा केसवानी	सह आचार्य	इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (आईओटी), मशीन लर्निंग, वायरलेस नेटवर्क्स
डॉ. प्रीतपाल सिंह	सहायक आचार्य	एम्बिग्यूअस सेट थियरी, क्वांटम ऑप्टिमाइज़ेशन एल्गोरिदम, टाइम-सीरीज़ प्रेडिक्शन
डॉ. भावना सैनी	सहायक आचार्य	डेटा माइनिंग, बायोइन्फॉर्मेटिक्स डीप लर्निंग, क्लाउड सिक्योरिटी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

1. डेटा साइंस और एनालिटिक्स विभाग ने 6-17 मार्च, 2023 के दौरान "सैंपलिंग डिस्ट्रीब्यूशन" पर ऑनलाइन व्याख्यान की एक श्रृंखला का आयोजन किया, वक्ता: प्रो. एस. धर्मराज, प्रो. (एचएजी), आईआईटी दिल्ली।

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. 24 फरवरी, 2023 को "वुमेन इन डेटा साइंस" समुदाय के सहयोग से एक दिवसीय डेटाथॉन-2023 का आयोजन किया गया।

सांख्यिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. जितेंद्र कुमार

सांख्यिकी विभाग राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा गणित के साथ शुरू किए गए पहले विभागों में से एक है जिसने शैक्षणिक वर्ष 2009 में अपना कार्यक्रम शुरू किया था। विभाग का मुख्य लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना और विषयों में सैद्धांतिक, कम्प्यूटेशनल और व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ावा देना है, जो छात्रों के भावी कैरियर को अकादमिक क्षेत्र, बीमा कंपनियों या मोटे तौर पर एनालिटिक्स उद्योग में आगे बढ़ाने में सक्षम बनाता है। यह विभाग अन्य क्षेत्रों में शिक्षण एवं अनुसंधान और वास्तविक समस्याओं को संबोधित करने एक्चुरियल साइंस, बायेसियन स्टैटिस्टिक्स, डिस्ट्रीब्यूशन थ्योरी, एक्सट्रीम वैल्यू थ्योरी, इंट्रेंस, सैंपलिंग थ्योरी, स्टैटिस्टिकल क्वालिटी कंट्रोल, सर्वाइवल एनालिसिस, टाइम सीरीज़ एनालिसिस आदि में सक्रिय है। विभाग अपने छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए रोजगार का अच्छा अवसर प्रदान करता है, जो आईएसएस, आरपीएससी, आदि जैसे सरकारी विभागों के साथ-साथ प्रतिष्ठित निजी संगठनों जैसे स्विस रे, एजवाइज टोक्यो, केपीएमजी, श्रीराम फाइनेंस, डब्ल्यूएनएस कंसल्टेन्सी, द रेन मैन कंसल्टेंसी, मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, एओएन हेविट एक्चुरियल कंसल्टेंसी, नेल्सन प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई, आदि में कार्य कर रहे हैं। संकाय यूजीसी, सीएसआईआर, और एमओएसपीआई, आदि के सहयोग प्राप्त अनुसंधान परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए सक्रिय हैं।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. सांख्यिकी में एकीकृत एम.एससी.
2. सांख्यिकी में एम.एससी.
3. सांख्यिकी में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. जितेन्द्र कुमार	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	
प्रो. अरविंद पांडे	आचार्य	
डॉ. दीपेश भाटी	सह आचार्य	
डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	
डॉ. महेंद्र साहा	सहायक आचार्य	
डॉ. के. सतीश कुमार	सहायक आचार्य	
डॉ. महेश बराले	सहायक आचार्य	
डॉ. सौरभ कुमार	सहायक आचार्य	

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

"करंट स्टेट ऑफ एकोनोमेट्रिक्स एंड करियर प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ यंग माइंड्स" पर एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. छात्रों के लिए, छात्रों द्वारा 3 दिवसीय "इंट्रोडक्शन टू पायथन फॉर डेटा साइंस" पर इंटरैक्टिव कार्यशाला।
2. रॉयल सांख्यिकी सोसायटी के युवा सांख्यिकीविद् अनुभाग द्वारा आयोजित 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: "यंग स्टैटिस्टीशियन्स मीटिंग", 4-5.08.2022

उपकरण / उपलब्ध सुविधाएँ

1. कंप्यूटर प्रयोगशाला - I
2. कंप्यूटर प्रयोगशाला - II

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ (यदि कोई हो)

छात्र- अखिलेश यादव (2019PHDSTA002) (सर्वोत्तम पेपर पुरस्कार)

संगणक विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. ममता रानी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधुनिक विज्ञान और अभियांत्रिकी संकायों में अध्ययन का एक आकर्षक क्षेत्र है। इसके दो उद्देश्य हैं: बुद्धिमत्ता को समझने के लिए एक सिद्धांत विकसित करना और मानव-समान व्यवहार प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रमों का निर्माण करना। 1956 में अपनी स्थापना के बाद से, इस क्षेत्र का दुनिया भर में कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी कार्यक्रमों के मुख्य तत्व के रूप में अध्ययन किया गया है। यह कल्पना की गई है कि एआई 21वीं सदी के लिए भी एक चुनौतीपूर्ण क्षेत्र बना रहेगा। एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को एआई के सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों पहलुओं में छात्रों की भावी पीढ़ियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक विशेष कार्यक्रम प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। यह स्नातकोत्तर स्तर पर एक कठिन अध्ययन कार्यक्रम होगा जो सभी प्रासंगिक क्षेत्रों की गहराई और चौड़ाई दोनों को कवर करेगा और पर्याप्त अनुसंधान प्रशिक्षण प्रदान करेगा। इसका उद्देश्य ऐसे स्नातक तैयार करना है जो क्षेत्र में अग्रणी होंगे और एआई उद्योग, अनुसंधान और शैक्षणिक संगठनों की जरूरतों को पूरा करेंगे। एम.एससी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) दो साल की अवधि का एक स्नातकोत्तर चार-सेमेस्टर पाठ्यक्रम है, जो वर्ष 2010-2011 में शुरू हुआ था। इसके बाद, विभाग ने वर्ष 2013-14 में एकीकृत एम.एससी. कंप्यूटर साइंस, वर्ष 2017-18 में साइबर फिजिकल सिस्टम में विशेषज्ञता के साथ एम.टेक कंप्यूटर साइंस और वर्ष 2012-13 में कंप्यूटर विज्ञान में पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. पीएच.डी.
2. एम. टेक. कंप्यूटर विज्ञान
3. एम.एससी. (2 वर्षीय कार्यक्रम)
4. एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय कार्यक्रम)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. ममता रानी	आचार्य	फ्रैक्टल ग्राफिक्स एंड केओस, स्वार्म इंटेलिजेंस, एवोल्यूशनरी एल्गोरिदम्स, केओटिक क्रिप्टोग्राफी, वैदिक साइंसेज़
डॉ. पवन सिंह	सह आचार्य	वेहिकुलर एड-हॉक नेटवर्क, वायरलेस सेंसर नेटवर्क, आईओटी, डीप लर्निंग
डॉ. निष्ठा केसवानी (लियन पर)	सहायक आचार्य	वायरलेस नेटवर्क्स, आईओटी
श्री गौरव मीना	सहायक आचार्य	मशीन लर्निंग, इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी
श्री रविराज चौधरी	सहायक आचार्य	मशीन लर्निंग, इमेज प्रोसेसिंग, एल्गोरिदम्स
डॉ. कृष्णा के. मोहबे	सहायक आचार्य	डेटा माइनिंग, मोबाइल ई-कॉमर्स, क्लाउड कंप्यूटिंग
डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	इमेज प्रोसेसिंग, न्यूरल नेटवर्क्स, डेटा माइनिंग
डॉ. अभय कुमार राय	सहायक आचार्य	एल्गोरिदम डिज़ाइन, कंप्यूटर नेटवर्क्स, ऑपरेटिंग सिस्टम्स, सोशल नेटवर्क एनालिसिस

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. "डीप लर्निंग इन इमेज प्रोसेसिंग एंड पैटर्न रेकग्निशन" पर 13 मार्च से 22 मार्च 2023 तक दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम।

2. श्री रवि राज चौधरी द्वारा कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राउरकेला में 11 से 15 सितंबर 2023 तक "डीप लर्निंग एप्लिकेशन्स फॉर स्मार्ट सिटीज - 2023" पर पांच दिवसीय अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

3. श्री गौरव मीना द्वारा "इमेज प्रोसेसिंग एंड पैटर्न रेकग्निशन में डीप लर्निंग" पर 13 मार्च से 22 मार्च 2023 तक दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जीवन विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. चंडी चरण मंडल

जीवन विज्ञान स्कूल की स्थापना वर्ष 2012 में अंतर्विषयक शिक्षण एवं आधुनिक जीव विज्ञान में अनुसंधान पर जोर देने के उद्देश्य से की गयी। इस स्कूल में वर्तमान में चौबीस शिक्षक एवं पांच सहायक कर्मचारी हैं। इसके अतिरिक्त, इस विभाग में अनेक पोस्टडॉक्टोरल अध्येता कार्यरत हैं। वर्तमान शैक्षणिक सत्र में जीवन विज्ञान स्कूल प्रत्येक संकाय हेतु अत्याधुनिक प्रोयागशाला और प्रत्येक विभाग में केंद्रीय यंत्रविन्यास की सुविधा के साथ अपने स्थायी भवन में स्थानांतरित हो गया है। इस नये भवन में जीवन विज्ञान स्कूल में आधुनिक सेमिनार कक्ष, सभागार एवं स्मार्ट कक्षा भी हैं।

विभाग
जैव प्रौद्योगिकी विभाग
जैव रसायन विभाग
सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. जय कांत यादव

जुलाई 2011 में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के तहत जैव प्रौद्योगिकी विभाग अस्तित्व में आया। जैव प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से विभाग के मुख्य कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था। इसके अगले शैक्षणिक वर्ष 2012-13 में, एक पीएच.डी. कार्यक्रम शुरू किया गया और उसके पश्चात् शैक्षणिक वर्ष 2013-14 में एक एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम भी प्रारंभ किया गया। विभाग के पास पीएच.डी., एम.एससी. और एकीकृत एम.एससी. विद्यार्थियों के लिए सुसज्जित प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग में कुल नौ + दो उच्च योग्य और उत्साही संकाय सदस्य पहले से ही कार्यरत हैं। अपने वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे और विद्वान संकाय के निरंतर विकास और विस्तार के साथ, यह विभाग निकट भविष्य में विश्वविद्यालय और राष्ट्र के चमकदार स्तंभों में से एक बनने का लक्ष्य रखता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. जैव प्रौद्योगिकी में पीएच.डी.
2. जैव प्रौद्योगिकी में एम.एससी. (2 वर्षीय कार्यक्रम)
3. जैव प्रौद्योगिकी में एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय कार्यक्रम)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. गजानन बी. ज़ोरे	आचार्य	फंगल बायोलॉजी एंड प्लांट जेनेटिक इंजीनियरिंग
डॉ. पंकज गोयल	सह आचार्य	मॉलेक्युलर मेडिसिन एंड प्रेगनेंसी डिसऑर्डर्स
डॉ. जय कांत यादव	सह आचार्य	प्रोटीन फोल्डिंग एंड एग्रीगेशन
डॉ. जन्मेजय पांडे	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल जेनोमिक्स एंड मेटाजेनोमिक्स
डॉ. तरूण के. भट्ट	सहायक आचार्य	मॉलेक्युलर पैरासिटोलॉजी
डॉ. सुमन तपरयाल	सहायक आचार्य	एंटीबॉडी इंजीनियरिंग एंड वैक्सीन डेवेलपमेंट
डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ल	सहायक आचार्य	इंसेक्ट जेनेटिक्स एंड मॉलेक्युलर बायोलॉजी
डॉ. खेम राज मीना	सहायक आचार्य	लिपोपेप्टाइड्स बायोसर्फैक्टेंट्स एंड देअर एप्लीकेशन्स
डॉ. गजेन्द्र सिंह	सहायक आचार्य	यूबिक्विटिन बायोलॉजी एंड प्रोटीन बायफिजिक्स
डॉ. सुरेंद्र निमेश	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	नैनोटेक्नोलॉजी बेस्ड ड्रग एंड जीन डिलीवरी
डॉ. विवेक वर्मा	रामलिंगास्वामी फेलो	प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्राप्त बाह्य निधि:

1. विभाग को एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के समर्थन के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से कुल लागत रुपये 180 लाख का डीबीटी पीजी शिक्षण अनुदान प्राप्त हुआ।

2. विभाग को लेवल I कार्यक्रम में अनुसंधान सुविधाओं को मजबूत करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से कुल लागत रूपये 200 लाख का डीएसटी एफआईएसटी अनुदान प्राप्त हुआ।

3. विभाग को उन्नत अनुसंधान और शिक्षा के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार से रूपये 476 लाख का डीबीटी बिल्डर अनुदान प्राप्त हुआ।

4. भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीएसटी-एसईआरबी आदि द्वारा स्वीकृत 2242.18 लाख रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

2022-2023 के दौरान उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1 मैमेलियन ट्रांसफेक्शन सिस्टम
2 बैक्टीरियल ट्रांसफेक्शन सिस्टम
3 स्टेरियोज़ूमिक माइक्रोस्कोप
4 लिक्विड एन स्टोरेज कंटेनर 2
5 पीसीआर
6 यूवीविस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर-
7 रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज
8 ग्रीन हाउस
9 शेकिंग वॉटरबाथ
10 रोटरी इवैपोरेटर
11 इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम
12 फ्लोरिसेंट माइक्रोस्कोप
13 इंक्यूबेटर शेकर
14 मल्टीगैस इंक्यूबेटर
15 सोनीकेटर
16 बायोसेफ्टी कैबिनेट
17 फर्मेंटर
18 आटोक्लेव
19 सेंट्रीफ्यूज़ेस
20 फ्लो साइटोमीटर
21 लायोफाइलाइज़र
22 एनालिटिकल बैलेंस
23 कंप्यूटर वर्कस्टेशन्स
24 कूलिंग इंक्यूबेटर
25 ट्रांस ब्लॉट
26 डीप फ्रीज़र
27 थर्मो शेकर
28 कोल्ड कैबिनेट
29 नैनोड्रॉप
30 लैमिनार एयर फ्लो
31 फ्लोरिसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
32 जेल डॉक सिस्टम

प्राप्त बाह्य निधि:

1. आईसीएमआर ने "डिसाइफरिंग द इन्फ्ल्यूएंस ऑफ एडिपोसाइट-लाइक सबपॉपुलेशन ट्रांसडिफरेंटिएटेड फ्रॉम ब्रेस्ट कैंसर सेल्स इन ट्यूमोरजेनिक एक्टिविटी एंड इट्स थेरेप्यूटिक पोटेंशियल" विषय पर एक परियोजना के लिए 12 लाख से अधिक की मंजूरी दी। मुख्य सह-अन्वेषक – प्रो. चंडी सी मंडल।
2. "कॉन्जगेटेड एप्रोच फॉर मोर इफेक्टिव सीयू एंड आरयू मेटल बेस्ड मोलेक्युलर एजेंट्स विथ एन्हांस्ड एंटी-कैंसर पोटेंशियल एंड रिड्यूस्ड साइड-इफेक्ट्स" पर एक परियोजना को डीएसटी-एसईआरबी द्वारा **38** लाख रुपये का अनुदान दिया गया, जिसके प्रमुख सह-अन्वेषक प्रो. चंडी सी मंडल थे।

3. डॉ. किरण कुमार तेजावथ को डीएसटी-एसईआरबी से रुपये 30 लाख की एक परियोजना प्राप्त हुई, जिसका शीर्षक है "स्टडीज़ ऑन इन्हिबिशन ऑफ़ एसएचपी2/पीटीपीएन11 पैथवे टू ओवरकम चेमो-रेजिस्टेंस इन पीडीएसी यूज़िंग टार्गेटेड कॉम्बिनेशन थेरेपी"।
4. डीएएडी ने प्रो. संजीव कुमार पांडा के मार्गदर्शन में "फंक्शनल जेनोमिक्स एंड जेनोम एडिटिंग फॉर आयरन बायोफोर्टिफिकेशन इन पिजन पी" शीर्षक से परियोजना को मंजूरी दी। यह परियोजना रूपये 8.8 लाख की है।

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. इंशाद अली खान

जीवन विज्ञान स्कूल के तहत सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग जुलाई 2012 में अस्तित्व में आया। इसकी स्थापना के बाद से विभाग ने मौलिक और व्यावहारिक सूक्ष्म जीव विज्ञान में शिक्षण के मुख्य उद्देश्य प्राप्त करने एवं विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने तथा शिक्षा जगत/ अनुसंधान और उद्योगों के लिए सूक्ष्म जीव वैज्ञानिकों की मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित किया है। विभाग में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/ शोध संगठन के समतुल्य गुणवत्तापूर्ण शोध किया जाता है तथा राजस्थान में सम्पन्न समुदाय की सूक्ष्म जैव विविधता में भागीदारी विकसित की जाती है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. सूक्ष्म जीव विज्ञान में पीएच.डी.
2. सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम.एससी.
3. सूक्ष्म जीव विज्ञान में एकीकृत एम.एससी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. इंशाद अली खान	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी फोकसिंग ऑन द आईडेंटिफिकेशन ऑफ न्यू टारगेट्स/न्यू कॉम्पाउंड्स/न्यू टारगेट-बेस्ड एसेसेस एगेंस्ट माइकोबैसेरियम ट्यूबरक्युलोसिस एंड बैक्टीरियल एफ्लक्स पंप इन्हिबिशन
डॉ. प्रदीप वर्मा	आचार्य	फर्मेंटेशन एंड बायोप्रोसेस टेक्नोलॉजी, बायोफ्यूएल्स
डॉ. पवन कुमार दाधीच	आचार्य	माइक्रोबियल डाइवर्सिटी एंड फाइलोजेनेटिक्स, मेटाजेनोमिक्स, सायनोबैक्टीरियल बायोप्रोस्पेक्टिंग, सायनोटॉक्सिन्स
डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह*	सहायक आचार्य	एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस इन नॉन-क्लिनिकल सेटिंग्स, एनिमल माइक्रोबायोम

डॉ. अखिल अग्रवाल	सहायक आचार्य	पेट्रोलियम माइक्रोबायोलॉजी, मेटाजेनोमिक्स, सायनोबैक्टीरियल बायोटेक्नोलॉजी
डॉ. निधि पारीक (लियन पर)	सहायक आचार्य	माइक्रोबियल प्रोटियोमिक्स, मरीन बायोप्रोस्पेक्टिंग, बायोप्रोसेस डेवेलपमेंट
डॉ. चन्द्रशेखर गहन*	सहायक आचार्य	बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड बायो-हाइड्रोमेटैलर्जिकल इंजीनियरिंग
डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	मॉलेक्युलर बायोलॉजी ऑफ इन्फेक्शस डिजीजेस, होस्ट-पैथोजेन इंटरएक्शन्स,
डॉ. सागर एस. बराले#	सहायक आचार्य	इन्फेक्शस डिजीज, एंटीमाइक्रोबियल पेप्टाइड्स, एंटीबायोटिक रेजिस्टेंस एंड स्ट्रक्चरल बायोइन्फॉर्मेटिक्स
डॉ. एल. पैखोम्बा सिंघा ##	सहायक आचार्य	एग्रीकल्चर एंड एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलॉजी
*25 मई, 2023 को कार्यमुक्त। # 06.04.2023 को सहायक आचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया ## 15.05.2023 को सहायक आचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया		

शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्राप्त बाह्य निधि:

1. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने डीएसटी-एफआईएसटी (स्तर 1 श्रेणी) कार्यक्रम के तहत पांच साल (2016-2021) की अवधि के लिए रूपये 45 लाख स्वीकृत किये।
2. विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार (एसईआरबी) ने प्रो. इंशाद अली खान और डॉ. दीक्षा त्रिपाठी के मार्गदर्शन में "क्रिएशन ऑफ़ एबीएसएल-3 फेसिलिटी एट सीयूराज अंडर राजस्थान बायो-क्लस्टर फॉर इन्फेक्शस डिजीज़, थेरेप्यूटिक्स एंड डायग्नोस्टिक्स" शीर्षक पर परियोजना के लिए रूपये 09.60 करोड़ आईएनआर स्वीकृत किये।
3. विभाग में भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी, सीएसआईआर, डीबीटी और डीएसटी-एसईआरबी द्वारा स्वीकृत 74.9 लाख रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं चल रही हैं।

2. उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1.	कॉम्पाउंड माइक्रोस्कोप	2.	यूवी-विस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर
3.	थर्मल साइक्लर पीसीआर	4.	रोटा इवैपोरेटर
5.	रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज	6.	बायोसेफ्टी कैबिनेट

7.	शेकिंग वॉटरबाथ	8.	सेंट्रीफ्यूज़ेस
9.	इलेक्ट्रोफोरेसिस सिस्टम	10.	लैमिनार एयर फ्लो
11.	इंक्यूबेटर शेकर	12.	थर्मो शेकर
13.	आटोक्लेव	14.	डीप फ्रीज़र (-80°C और -20°C)
15.	एनालिटिकल बैलेंस	16.	सीओइंक्यूबेटर 2
17.	कूलिंग इंक्यूबेटर	18.	आरटी-पीसीआर (एलसी-96)
19.	एफपीएलसी	20.	डिस्टिलेशन यूनिट
21.	इनवर्टेड माइक्रोस्कोप		

केद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा

1. अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कल्टर)
2. फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफपीएलसी) सिस्टम (जीई हेल्थकेयर)
3. फोटोऑटोट्रॉफ़िक कल्चर लैबोरेट्री

डीएसटी-एफआईएसटी प्रायोजित उपकरण सुविधा (अनुदान संख्या -SR/FST/LSI-676/2016(C)

1. जेल डॉक टीएम एक्सआर सिस्टम (बायो-रेड)
2. थर्मो साइक्लर पीसीआर सी1000 (बायो-रेड)
3. आसवन इकाई (मर्क)
4. यूवी-विज़िबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (शिमदज़ु)
5. हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूज (बेकमैन कल्टर)
6. इनक्यूबेटर शेकर (लैब टेक)
7. जैव सूचना विज्ञान प्रयोगशाला

आमंत्रित/अतिथि व्याख्यान:

1. डॉ. सुमित गांधी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईआईआईएम, जम्मू ने 3 फरवरी 2023 को "अंडरस्टैंडिंग द सेकंडरी मेटाबोलिज़म इन मेडिसिनल प्लांट्स" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
2. डॉ. धीरज राठौड़, सहायक आचार्य, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, 6 अक्टूबर, 2023 को "एकोसिस्टम बैलेंस एंड बायोडाइवर्सिटी" विषय पर।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ-:

1. प्रो. प्रदीप वर्मा, प्रो. को क्योटो विश्वविद्यालय, जापान 2022 से "फंगल माइक्रोबायोलॉजी" के क्षेत्र में "जेएसपीएस ब्रिज फ़ेलोशिप" प्राप्त हुई

2. प्रो. पवन के. दाधीच, प्रोफेसर, को सोसाइटी फॉर प्लांट रिसर्च, भारत, 2023 से माइक्रोबियल डाइवर्सिटी एंड फाइलोजेनेटिक्स, एक्स्ट्रीमोफिलिक सायनोबैक्टीरिया, सायनोटॉक्सिन्स, सायनोबैक्टीरियल बायोप्रोस्पेक्टिंग के क्षेत्र में "प्रो. वाईएसआरके सरमा मेमोरियल अवार्ड" प्राप्त हुआ।

3. डॉ. दीक्षा त्रिपाठी, सहायक आचार्य को एसईआरबी-एसआईआरई-2022 से यूसीएल, लंदन में छह महीने की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुदान का पुरस्कार (27/9/2022 से 7/3/2023 तक गयी)

छात्र पुरस्कार/ उपलब्धियाँ:-

1. सुश्री सोनल शर्मा (2020IMSMB026) का आईआईएसईआर भोपाल में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में चयन।
2. सुश्री बथुला अहर्निशा (2020IMSMB005) का जैव सूचना विज्ञान केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में एम.एससी. जैव सूचना विज्ञान में चयन।
3. श्री क्षितिज मीना (2020IMSMB014) का आईआईटी बॉम्बे में एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी में चयन।
4. श्री दुर्गम थारुन (2020IMSMB007) का गोवा विश्वविद्यालय में एम.एससी. समुद्री जैव प्रौद्योगिकी कार्यक्रम में चयन।
5. श्री सुभा बिस्वास (2018IMSMB015) ने जीवन विज्ञान में NET-LS2023 उत्तीर्ण किया।
6. श्री शिव प्रसाद चरण (2018IMSMB026) अजमेर में डाक सहायक के पद पर चयनित और वेतन पैकेज रु. 27000/-.
7. सुश्री दीक्षा कुमारी (2022पीएच.डी.एमबी003) को भारत सरकार और बीसीकेआईसी से बायर-मेधा छात्रवृत्ति- 40,000/- के लिए चुना गया।

भौतिकीय विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

विभाग
भौतिकी विभाग

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग की स्थापना 20 छात्रों की प्रवेश क्षमता वाले 2 वर्षीय एम.एससी. भौतिक विज्ञान कार्यक्रम प्रस्तावित करते हुए शैक्षणिक वर्ष 2011-12 में की गई थी। विभाग के पास स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान के लिए उत्कृष्ट अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ हैं। विभाग विद्यार्थी केंद्रित शिक्षण के आदर्श वाक्य के साथ भौतिकी के मुख्य क्षेत्र में सर्वोत्तम शिक्षण प्रथाओं का पालन करता है और ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/ परियोजनाओं और एक सेमेस्टर लंबी शोध परियोजना के माध्यम से छात्रों को नवीनतम शोध के बारे में जानकारी देता है।

भौतिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. मनीष देव श्रीमाली

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी विभाग की स्थापना वर्ष 2011 में हुई थी। विभाग तीन स्नातकोत्तर कार्यक्रम दो वर्षीय एम.एससी., तीन वर्षीय एकीकृत एम.एससी. बी.एड. और 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम संचालित करता है। इसके अलावा, पीएच.डी. कार्यक्रम भी वर्ष 2014 से शुरू किया गया। विभाग में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों छात्रों के लिए उत्कृष्ट प्रयोगात्मक और कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला सुविधाएं हैं। विद्यार्थियों को प्रायोगिक और सैद्धांतिक दोनों विषयों में व्यापक शिक्षा के माध्यम से गहरी अंतर्दृष्टि और रचनात्मकता का अनुभव करने की क्षमता प्राप्त होती है। भौतिकी विभाग में सक्षम संकाय सदस्यों की एक उत्कृष्ट टीम है जो अगली पीढ़ी के भौतिकविदों के कैरियर विकास हेतु अत्याधुनिक अनुसंधान और शिक्षण में संलग्न हैं। मुख्य अनुसंधान क्षेत्र संघनित पदार्थ भौतिकी, कम्प्यूटेशनल संघनित पदार्थ भौतिकी, लेजर और प्रकाशिकी, और गैर-रेखीय गतिकी हैं। विभाग ने उत्कृष्ट स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट छात्रों को सफलता पूर्वक तैयार किया है जो विश्व स्तरीय संस्थानों जैसे बीएआरसी, पीआरएल और अन्य शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत हैं और जिन्होंने नेट-जेआरएफ, गेट और जेस्ट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाएँ भी उतीर्ण की है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. पीएच.डी.
2. एम.एससी. (2 वर्षीय)
3. एकीकृत एम.एससी. बी.एड. (3 वर्षीय)
4. एकीकृत एम.एससी. (5 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	नॉनलीनियर डायनैमिक्स एंड केओस
डॉ. अजीत कुमार पात्रा	सह आचार्य	मैग्नेटिज्म एंड स्पिन-डिपेंडेंट ट्रांसपोर्ट इन नैनोस्केल स्ट्रक्चर्स
डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	सरफेस प्लैस्मॉन रेज़ोनेंस, फोटोनिक्स
डॉ. नीरज पंवार	सहायक आचार्य	मल्टिफेरोइक्स एंड लीड-फ्री पायेजोइलेक्ट्रिक्स, एक्सचेंज-बायस, मैग्नेटाइजेशन रिवर्सल
डॉ. सुखमंदर सिंह	सहायक आचार्य	प्लाज्मा वेव्स, इंस्टेबिलिटीज़ एंड इलेक्ट्रिक प्रोपल्सन
डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	ऑप्टिकल फेज सिंगुलैरिटी, लेजर बीम शेपिंग
डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	कोरिलेटेड क्वांटम मेनी-बॉडी सिस्टम्स, टोपोलॉजिकल फेजेस
डॉ. युगांधर बिटला	सहायक आचार्य	एक्सपेरिमेंटल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स
डॉ. संदीप कुमार	यूजीसी एफआरपी सहायक आचार्य	एक्सपेरिमेंटल कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स
डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी	सहायक आचार्य	थियोरेटिकल हाई एनर्जी फिजिक्स, मैथमैटिकल फिजिक्स
डॉ. कुलदीप सुथार	सहायक आचार्य	स्ट्रॉन्ग्ली कॉरिलेटेड क्वांटम मेनी-बॉडी सिस्टम्स, अल्ट्राकोल्ड एटम्स

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-आरएफबीआर, डीएसटी-एसईआरबी, डीएसटी-आरएसएफ, आईयूएसी और यूजीसी आदि द्वारा स्वीकृत 1.07 करोड़ रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

विभागीय प्रयोगशाला सुविधाएं

1. **एकीकृत लैब I और II:** फ्लाईव्हील, बार पेंडुलम, कैटर्स पेंडुलम, स्प्रिंग कॉन्स्टेंट, प्लैंक्स कॉन्स्टेंट, स्टोक्स, टॉर्शनल पेंडुलम, वोल्टेज रेगुलेटर, वेरिफिकेशन ऑफ ट्रुथ टेबल्स ऑफ लॉजिक गेट्स थ्रू आईसी 7400 एंड 7402,

हाफ एडर, द वैल्यू ऑफ जी बाय डिजिटल टाइमिंग तकनीक, मैक्सवेल नीडल, कोएफीशिएंट ऑफ ए फ्रिक्शन-इंक्लाइंड प्लेन, ई/एम बाय थॉम्सन मेथड, स्टेफन कॉन्स्टेंट, टैंजेंट गैल्वैनोमीटर, लीज डिस्क, पी-एन जंक्शन डायोड, एलसीआर एपरेटस, डी-सौटी ब्रिज, एंडरसन ब्रिजेस, रेक्टिफायर, फैराडे'स लॉज एपरेटस, सेक्स्टेंट, बीसीडी डिकोडर एंड एंकोडर, चार्जिंग एंड डिस्चार्जिंग ऑफ कैपैसिटर, कैरी-फोस्टर ब्रिज, ट्रांजिस्टर इनपुट-आउटपुट चैरेक्टरिस्टिक्स, प्लैंक्स कॉन्स्टेंट यूजिंग एलईडी ऑफ एट 4 डिफरेंट कलर, मेजरमेंट ऑफ हाई रेजिस्टेंस एंड लो रेजिस्टेंस, थर्मल रिलैक्सेशन ऑफ द बल्ब, थर्मोकपल ऑफ सिलिकॉन, फ्रैंक हर्ट्ज एक्सपेरिमेंट, डाईइलेक्ट्रिक कॉन्स्टेंट ऑफ पैरलल कैपैसिटर, प्वासन रेशियो ऑफ रबर, मेल्डे एक्सपेरिमेंट, प्लैटिनम रिजिस्टेंस थर्मामीटर, थर्मो ईएमएफ, यंग मॉड्यूलस बेंडिंग बीम डबल कैंटिलीवर सिस्टम, विस्कॉसिटी ऑफ लिक्विड बाय स्टोक की मेथड, लिसाजू फिगर

2. **ऑप्टिक्स लैब:** न्यूटन रिंग, बैबिनेट कॉम्पेंसेटर, स्पेक्ट्रोमीटर किट, ऑप्टिकल रोटेशन ऑफ ऑप्टिकली ऐक्टिव सब्स्टेंस, माइखेल्सन इंटरफेरोमीटर, लेजर डिफ्रेक्शन, फैरेडे रोटेशन ऑफ लाइट, फ्रेसनेल बाय-प्रिज्म, लाइट रनर
3. **इलेक्ट्रॉनिक्स लैब:** वेरिफिकेशन ऑफ कैरेक्टेरिस्टिक्स एंड एक्साइटेशन टेबल ऑफ फ्लिप-फ्लॉप ऑन ए ब्रेडबोर्ड, माइक्रोकंट्रोलर 8051 एंड माइक्रोप्रोसेसर 8085, एडीसी, डीएसी, एप्लिकेशन्स ऑफ यूनिवर्सल गेट्स, काउंटर एंड रेजिस्टर्स, मल्टिप्लेक्सर एंड डी-मल्टिप्लेक्सर ऑन ए ब्रेडबोर्ड, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स ऑफ यूजीटी, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स एसीआर, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स टनल डायोड, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स, एफईटी, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स मॉसफेट, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स डायएसी, वी-आई कैरेक्टेरिस्टिक्स ट्राइएसी, मल्टी-वाइब्रेटर ऑन ए ब्रेडबोर्ड, आईसी, एप्लिकेशन्स ऑफ आईसी-741
4. **भौतिकी प्रयोगशाला:** बी-एच कर्व, मिलिकन ऑयल ड्रॉप, क्यूरी वाइस लॉ, कैपैसिटर का डाईइलेक्ट्रिक कन्स्टेंट का माप, हॉल इफेक्ट, सोलर सेल वी-आई चैरेक्टेरिस्टिक्स, क्विन्क्के का ट्यूब, जीमैन इफेक्ट, फोर प्रूब एक्सपेरिमेंट, इलेक्ट्रॉन डिफ्रेक्शन, टेबल टॉप एक्सआरडी, स्कैनिंग टनलिंग माइक्रोस्कोप।

अनुसंधान और केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधाएं:

1. **सामग्री विज्ञान प्रयोगशाला:** स्पिन कोटिंग यूनिट, हाइड्रोलिक प्रेशर मशीन, सोनीकेटर, पीएच मेज़रिंग इंस्ट्रुमेंट, वेइझंग बैलेंस, मैग्नेटिक स्टिरर्स, फ्यूम हुड, वैक्यूम पंप, हाई-स्पीड सेंट्रीफ्यूज मशीन, थिन-फिल्म फिल्ट्रेशन असेंबली, वॉर्टेक्स, पीक्यूएमएस, टेम्परेचर-कंट्रोल्ड ओवन, टैब्युलर फर्नेस, जुपिटर फर्नेस (1450°C), कार्बोलाइट फर्नेस (1700°C) और पैनालिटिकल एक्सआरडी मशीन, वैक्यूम मशीन्स (थर्मल इवैपोरेशन और ई-बीम वेपोराइजेशन)
2. **लेजर, ऑप्टिक्स और प्लाज्मा लैब:** लेजर्स, वेक्टर बीम जेनरेटिंग डिवाइस एंड ऑप्टिकल एलिमेंट्स, ऑप्टिकल डिटेक्टर्स, स्पेक्ट्रोमीटर, मैग्नेटिक स्टरर एंड रिफ्रैक्टोमीटर, गैस सेंसिंग यूनिट, डिप कोटिंग यूनिट। कंप्यूटिंग फेसिलिटीज़ आर एवेलेबल विथ मैटलैब एंड मैथेमैटिका
3. **नॉन-लीनियर डायनेमिक्स और कॉम्प्लेक्स सिस्टम लैब:** डेल एंड टायरोन वर्कस्टेशन्स, हाई कंप्यूटिंग कंप्यूटर्स एल्विस म्यूटिसिम, मेट्रोनोम ए डबल-वेटेड पेंडुलम
4. **कम्प्यूटेशनल कंडेंस्ड मैटर लैब:** टायरोन ए.आई. वर्कस्टेशन फॉर सिम्युलेशन ऑफ कंडेंस्ड मैटर मॉडल सिस्टम्स फीचरिंग द फिनॉमेना: सुपरकंडक्टिविटी, फ्रस्ट्रेटेड मैग्नेटिज्म, टॉपोलॉजिकल इन्सुलेटर्स

सम्मेलन/वेबिनार

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ/प्लेसमेंट

1. जेआरएफ उत्तीर्ण छात्र: कुमारी जयश्री (2019IMSBPH015), प्रीतम दास (2019MSPH012), ममता अग्रवाल (2019IMSBPH016)
2. गेट उत्तीर्ण छात्र: गौरव सिंह चौहान (2018IMSPH007), कोमल पारीक (2020IMSBPH010), मनीषा (2020IMSBPH012), सुहानी काबरा (2021MSPH019), सुमित कोटवाल (2019IMSBPH028), सोहन राम पुनिया (2021MSPH017), संदीपन मिश्रा (2021MSPH015), सुनील कुमार, पलक खंडेलवाल (2020IMSBPH016),
3. आईआईटी जेएएम उत्तीर्ण छात्र: नरेंद्र कुमार भूपेश(2021IMSBPH011), सुरेंद्र मेहरिया (2021IMSBPH028), सागर (2021IMSBPH018), काजल मित्तल (2022MSPH007), राकेश शर्मा (2022IMSBPH017), आयुषी गर्ग (2020IMSPH001), भावना कटारिया (2020IMSPH010)), अंकित चौधरी (2020IMSPH005), ओजस रावल (2022IMSBPH015), प्रताप सिंह पुरोहित (2020IMSPH022)
4. जेईएसटी उत्तीर्ण छात्र: नरेंद्र कुमार भूपेश (2021IMSBPH011), गौरव कुमार (2021IMSBPH005), प्रताप सिंह पुरोहित (2020IMSPH022)
5. पीएच.डी. कार्यक्रम में शामिल छात्र: ममता अग्रवाल (2019IMSBPH016), अश्विनी वैष्णव (2019IMSBPH010), आशुतोष गोयल (2019IMSBPH009), गन्ना के नायर, सोहम साव (2020MSPH023), प्रीतम दास (2019MSPH012), कृष्णा दास नायर (2019IMSPH019), जया डोलिया (2019IMSPH016), विशाल गायरी (2019IMSPH030)
6. आईआईटी में एम.एससी. कार्यक्रम में शामिल हुए छात्र: रितिका चौधरी (2019IMSPH014), हर्षिल केरावत (2019IMSPH013), सुधांशु कुमावत (2019IMSPH027)
7. सीटेट उत्तीर्ण छात्र: नरेंद्र कुमार भूपेश(2021IMSBPH011), सुरेंद्र मेहरिया(2021IMSBPH028), सुब्रत देबनाथ(2021IMSBPH027), प्रिया विद्यार्थी (2020IMSBPH019), पलक खंडेलवाल (2020IMSBPH016), ज्योति कुमारी (2020IMSBPH008)
8. आरपीएससी स्कूल व्याख्याता 2022 बने छात्र:- काजल कुमावत (2011एमएसपीएच008)
9. खेल में छात्र: सुरेंद्र मुंड (2018IMSPH009), पंकज वशिष्ठ (2021IMSPH014) और प्रदीप मेहरिया (2018IMSPH023) (टीम सदस्य, वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी 2022 वॉलीबॉल ग्रुप में दूसरा स्थान)
10. सृजन 2022 (सीयूराज) :
    1. इंटर स्कूल क्रिकेट विजेता और वॉलीबॉल विजेता

2. बैडमिंटन उपविजेता
3. 4X100 रिले दौड़ गोल्ड मेडल (पुखराज काकड़वा (2019IMSPH023), सुरेंद्र मुंड (2018IMSPH009), आर्यन एम. खान (2019IMSPH005)), सुमित कोटवाल (2019IMSPH028)
4. 100 मीटर दौड़ रजत पदक सूर्य पी राकेश वी वैष्णव (2021 आईएमएसपीएच 022),
5. 800 मीटर दौड़ रजत पदक अंकित चौधरी (2020IMSPH005)

11. अजीम प्रेम जी फाउंडेशन में एसोसिएट के रूप में चयनित छात्र: 1. राकेश यादव (2020imsbph021), विनय कुमार तिवारी (2020IMSBPH0299), यज्ञ दत्त जांगिड़ (2020IMSBPH031)
12. सांस्कृतिक कार्यक्रम: तरूण गवारिया(2020IMSBPH026), धनलक्ष्मी M(2019IMSPH009), मोहित जाटोलिया (2021IMSPH012)

सामाजिक विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. जगदीश जाधव

विभाग
अर्थशास्त्र विभाग
संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग
लोक नीति, विधि और शासन विभाग
सामाजिक कार्य विभाग
सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग

सामाजिक विज्ञान स्कूल में पांच मुख्य नवीन शैक्षणिक विभाग हैं: लोक नीति, विधि और शासन विभाग, अर्थशास्त्र विभाग, सामाजिक कार्य विभाग, मीडिया और संस्कृति अध्ययन विभाग और सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग। सभी विभागों में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम को विषयों के नवीनतम शैक्षणिक रुझानों को ध्यान में रखते हुए आधुनिक और बेहतर बनाया गया है। देश के स्थापित विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले स्कूल के संकायों ने महत्वपूर्ण शैक्षणिक कार्य किया है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू), डीएसटी, यूजीसी-एमआरपी और आईसीएसएसआर जैसी विभिन्न बाहरी एजेंसियों से स्कूल के बहुत प्रतिभाशाली संकाय सदस्यों द्वारा 50 लाख से अधिक की परियोजना अनुदान प्राप्त किया गया है। शैक्षणिक वर्ष (2017-18) में दो नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं, जैसे डिजिटल सोसाइटी पर दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम और स्कूल के अंतर्गत सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा। यह स्नातकोत्तर कार्यक्रम सामाजिक विज्ञान और डिजिटल प्रौद्योगिकी, दोनों शैक्षणिक रुझानों को जोड़ने वाले विशेष अंतर-विषयक पाठ्यक्रम हैं।

लोक नीतिविधि और शासन , विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. एस. कंडासामी

इस विभाग में नए प्रकार के स्नातकोत्तर और पीएचडी कार्यक्रम संचालित किये जाते हैं जो विद्यार्थियों को नीति निर्माण और कार्यान्वयन प्रक्रियाओं के अध्ययन, नीति विशलेषण की शक्ति और क़ानूनी सिद्धांतो को समझने और एक संयुक्त समाज में विधि के उपयोग से परिचय कराता है. लोक नीति, विधि और शासन कार्यक्रम इस अर्थ में अत्यंत नवीन है कि यह विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने और सरकारी, गैर सरकारी व निजी क्षेत्रों में विशेष रूप से कार्यकारी स्तर की नौकरी प्राप्त करने में सहायक है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. लोक नीति, विधि और शासन में पीएच.डी.
2. लोक नीति, विधि और शासन में एम.ए.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. एसएन अंबेडकर	आचार्य	स्थानीय शासन, ग्रामीण विकास, भारत सरकार और प्रशासन
डॉ. एस. कंडासामी	सह आचार्य	साइबर कानून, बौद्धिक संपदा कानून, अंतर्राष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार कानून।
डॉ. ज्ञानरंजन पांडा	सहायक आचार्य	दक्षिण एशिया में सार्वजनिक नीति, शासन, बजट और बजटीय प्रक्रियाएँ
डॉ. सीजीवन कुमार .	सहायक आचार्य	सार्वजनिक नीति, सार्वजनिक क्षेत्र प्रबंधन, शासन, और नेतृत्व, ई-शासन
डॉ. एल्मिन जोस सिसिली	सहायक आचार्य (पद से इस्तीफा)	शासन, स्थानीय शासन, सार्वजनिक नीति विश्लेषण।
डॉ. अंजन कुमार साहू	सहायक आचार्य	मानव और पर्यावरण सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध

अतिथि व्याख्यान

व्याख्यान की तिथि	व्याख्यान का विषय	वक्ताओं
20-दिसम्बर-22	रॉल्स थीरी ऑफ जस्टिस	डॉ. अंजन कुमार साहू, सह आचार्य, इलाहबाद विश्वविद्यालय
20-दिसम्बर-22	प्रैक्टिस ऑफ पब्लिक पॉलिसी इन द रियल वर्ल्ड	प्रो. ओम महलाजी, विभागाध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय
16-फ़रवरी-23	कैरियर ऑपर्च्यूनिटीज इन पॉलिटिकल कंसल्टेंसी	श्री विशाल शर्मा, राजनीतिक सलाहकार
21-फरवरी-23	स्पोर्ट्स एंड साइकोलॉजी फॉर स्ट्रेस मैनेजमेंट एंड कोपिंग	श्री रवि चौधरी, सहायक आचार्य, संगणक विज्ञान विभाग, सीयुराज; डॉ. गुनीत इंद्रजीत कौर, सहायक आचार्य, खेल मनोविज्ञान विभाग, सीयुराज
02-मार्च-23	रोल ऑफ सिविल सर्विसेज इन गवर्नेंस	प्रो. बी एम शर्मा, पूर्व कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय
13-मार्च-23	हाउ टू प्रिपेयर फॉर यूपीएससी	प्रो. डीपी अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष, यूपीएससी

	एग्जाम्स	
25-जुलाई-23	सक्सेस मंत्र फॉर कॉम्पीटिटिव एग्जामिनेशन्स	प्रो. बी.एम. शर्मा; डॉ. एस एस राठौड़, पूर्व अध्यक्ष, आरपीएससी; प्रो. आर एस खंगारोट, विशेषज्ञ और इतिहासकार

इंटर्नशिपबैच 2024-2022 छात्र :

नाम	संगठन नाम	राज्य	अवधि
आफताब आलम	ब्लॉक (मनरेगा कार्यालय)	बिहार	14 दिन
अफवहीम	तिरुवनंतपुरम म्युनिसिपल निगम	केरल	23 दिन
आकाश सेन	जबलपुर म्युनिसिपल निगम	मध्य प्रदेश	30 दिन
अंजलिना	सामाजिक जागरूकता और सेवा संगठन (एसएएसओ)	मणिपुर	20 दिन
अर्शिक अनिल कुमार	नीलेश्वर नगर पालिका	केरल	15 दिन
दिल्सा एल्ज़ जोजन	ऑफिस ऑफ गवर्नमेंट चीफ व्हिप	केरल	8 दिन
देरावर थोरी	एखर फाउंडेशन	राजस्थान	25 दिन
झांसी	डीबीआरसी	आंध्र प्रदेश	25 दिन
कोमल	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र जयपुर	राजस्थान	30 दिन
मौज़ खान	भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र जयपुर	राजस्थान	30 दिन
मुस्कान	आय कार्यालय	मध्य प्रदेश	30 दिन
मयूर शर्मा	नीलेश्वर नगर पालिका	केरल	15 दिन
नेहाल	एसबीएम (जी) प्रबंध-विभाग	राजस्थान	30 दिन
रुतिका दत्ता	महाराजा अग्रसेन अस्पताल, सिलीगुड़ी	पश्चिम बंगाल	30 दिन
श्रीराज त्रिपाठी	एसडीएम कार्यालय	मध्य प्रदेश	28 दिन
श्याम बब्बू	मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय	उत्तर प्रदेश	30 दिन
रविराज बालू	जूरी सेंटर, मुंबई	महाराष्ट्र	30 दिन

प्राप्त बाह्य निधि:

डॉ. ज्ञान रंजन पांडा को सामाजिक विज्ञान स्कूल में सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च की स्थापना के लिए सह-प्रधान अन्वेषक के रूप में डीएसटी के तहत लाख 27.00 रुपये की परियोजना अनुदान प्राप्त हुआ है।

सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफ़ेस विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. कुमार संभव पारीक

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने वर्ष 2018 में एक नये अंतःविषय शैक्षणिक विभाग, सोसाइटी-टेक्नोलोजी इंटरफेस विभाग (डीएसटीआई) की शुरुआत की है, जो दो उन्नतो ज्ञान की धाराएं- विज्ञान और प्रौद्योगिकी और सामाजिक विज्ञान को बेहतर कैरियर के अवसरों की तलाश करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने को जोड़कर विभिन्न शैक्षिक पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए स्नातकोत्तर और शोध कार्यक्रम के लिए अनुसंधान और शिक्षण को विकसित करता है। आईसीटी द्वारा निभाई गई आंतरिक भूमिका के कारण भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था पूरी तरह से स्थानांतरित हो गई है। अब हम डेटा-संचालित परिवर्तन के कगार पर खड़े हैं जहां इन डेटा का उपयोग सार्थक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है जो व्यावसायिक संगठनों, सरकार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विभिन्न अन्य क्षेत्रों को बेहतर कामकाज में मदद कर सकता है। आँकड़ा विज्ञान, या डेटा-संचालित विज्ञान, एक अंतःविषय क्षेत्र है जो निर्णय लेने के उद्देश्य से विभिन्न रूपों में डेटा से ज्ञान और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों, प्रक्रियाओं, एल्गोरिदम और प्रणालियों का उपयोग करता है। समाज, राजनीति, राजनीति, संस्कृति पर आँकड़ा विज्ञान और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के प्रभावों का अनुवाद करने की आवश्यकता ने इस विभाग के गठन को प्रेरित किया है। यह विभाग किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय में पहली बार विद्यार्थियों और शैक्षणिक समुदाय को दो बहुत ही नवीन कार्यक्रम प्रदान करता है: डिजिटल सोसायटी में दो वर्षीय एम.एससी. और सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में दो वर्षीय एम.ए.। जबकि अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), बैंगलोर के साथ एक सक्रिय शैक्षणिक सहयोग से एम.एससी. डिजिटल सोसाइटी तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली के सहयोग से सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए. शुरू हुआ।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. डिजिटल सोसायटी में एम.एससी.
2. सांस्कृतिक सूचना विज्ञान में एम.ए.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. कुमार संभव पारीक	सह आचार्य	सार्वजनिक नीति विश्लेषण; ई-सरकार; आईसीटी नियम एवं विनियम; कानून एवं डिजिटल सोसायटी; सामुदायिक व्यस्तता
डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	डिजिटलीकरण और विकास, आईसीटी एंड डी, सामुदायिक सूचना विज्ञान और स्थिरता, महिला, आजीविका और प्रौद्योगिकी, रूर्बनाइजेशन, कॉमन्स और सामूहिक कार्रवाई, क्षमताएं और सशक्तिकरण

डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और समाज अध्ययन, नवाचार अध्ययन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का दर्शन, अभिनेता नेटवर्क, लिंग, प्रौद्योगिकी और विज्ञान, सामाजिक विज्ञान में अनुसंधान पद्धति
डॉ. जुगल किशोर	सहायक आचार्य	मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग, एकीकृत मार्केटिंग कम्युनिकेशन

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

विशेषज्ञ का नाम	आयोजन	तिथि
श्री नीरज मौर्य	वेबिनार - डिजिटल मार्केटिंग: एन इमर्जिंग पैराडाइम एंड करियर प्रोस्पेक्ट्स	20.12.2022
डॉ. सुधा मिश्रा	"द आर्ट ऑफ प्रेज़ेंटिंग योर स्किल्स इन ए जॉब इंटरव्यू" पर ऑनलाइन कार्यशाला	21-02-2023

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. विभाग ने सांस्कृतिक सूचना विज्ञान के उभरते क्षेत्र के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए 01 जुलाई 2022 को एक दिवसीय वेबिनार "एक्स्प्लोरिंग कल्चरल इन्फॉर्मेटिक्स" का आयोजन किया।
2. छात्रों को अपने जीवन में खेल और मनोविज्ञान आधारित गतिविधियों को शामिल करके तनाव प्रबंधन को समझाने के लिए 21 फरवरी, 2023 को तनाव प्रबंधन और मुकाबला करने के लिए खेल और मनोविज्ञान पर कार्यशाला।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

यूजीसी नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण छात्र

1. राहुल रंजन वर्मा यूजीसी-जेआरएफ- 2022
2. निखिल राज यूजीसी-नेट- 2022

उच्च अध्ययन

1. राहुल रंजन वर्मा पांडिचेरी विश्वविद्यालय में पीएच.डी. -2022

छात्रों की उपलब्धियाँ

वर्ष	नाम	निबंध शीर्षक	इंटर्नशिप मेजबान संगठन	पर्यवेक्षक का नाम

22-2021	दर्पण बहल	"डिजिटल एम्पावरमेंट ऑफ द हिमालयन कम्युनिटीज़: स्टेट ऑफ एक्सेस एंड कनेक्टिविटी इन हिमालयन डिस्ट्रिक्ट्स ऑफ इंडिया	डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली, दिल्ली 110017	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी
22-2021	गंडेपल्ली राजेश	टेक्नॉलॉजी असेसमेंट ऑफ वुमेन एंट्रेप्रेन्यूर्स इन ईस्ट गोदावरी डिस्ट्रिक्ट ऑफ आंध्र प्रदेश	डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली, दिल्ली 110017	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी
22-2021	जयराज गौतम	डिजिटल बैंकिंग: फार्मर्स पर्सेप्शन एंड चैलेंजेस इन ईस्ट चंपारण	कौशल्या फाउंडेशन, पटना, बिहार 800001	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी
22-2021	नीरज कुमार	चेंजिंग ट्रेंड ऑफ पेमेंट सिस्टम: कैश टू क्यूआर कोड इन धारापुर एंड लंकेश्वर बाजार, कामरूप, आसाम	सेस्टा डेवलपमेंट सर्विसेज, गुवाहाटी, असम 781013	डॉ. जया कृतिका ओझा
22-2021	निखिल राज	अंडरस्टैंडिंग द इफेक्ट्स ऑफ डिजिटलाइजेशन अमंग रूरल वुमेन आर्टिज़न्स इन वेस्टर्न राजस्थान – ए मिक्स्ड मेथड स्टडी	उरमूल, बज्जू, राजस्थान 334001	डॉ. जया कृतिका
22-2021	राहुल रंजन वर्मा	डिजिटल मार्केटिंग- कस्टमर बिहेवियर टॉवर्ड ईमेल मार्केटिंग	कौशल्या फाउंडेशन, पटना, बिहार 800001	डॉ. जया कृतिका ओझा
22-2021	राहुल सिंह शेखावत	ए स्टडी ऑन रैपिड एडॉप्शन ऑफ डिजिटल एसेट्स एंड पीपल पर्सेप्शन ऑफ दिल्ली रीजन	डिजिटल एम्पावरमेंट फाउंडेशन, नई दिल्ली, दिल्ली 110017	डॉ. जया कृतिका ओझा
22-2021	अजय कुमार	इंटरनेट एंड डेमॉक्रेसी: रोल ऑफ सोशल मीडिया इन एलेक्शन कैम्पेन इन उत्तर प्रदेश	-	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी
22-2021	रश्मि	द एडॉप्शन एंड यूटिलाइजेशन ऑफ आईसीटी फॉर डेवेलपमेंट इन रूरल एरियास	-	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी

विस्तार गतिविधियाँ:

सोसायटी-टेक्नोलॉजी इंटरफेस विभाग के छात्रों ने 11-08-2022 को बांदरसिंदरी गांव का आवश्यकता आधारित मूल्यांकन सर्वेक्षण किया।

प्राप्त बाह्य निधि:

परियोजना: उप राष्ट्रीय स्तर पर एसटीआई क्षेत्र के लिए डीएसटी-सीपीआर एसटीआई वित्तपोषण समझ और निवेश प्राथमिकताएं, परियोजना राशि: 28,88,292 रुपये; द्वारा वित्त पोषित: विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, परियोजना स्वीकृत का वर्ष: 2023; सह-पीआई: डॉ. जया कृतिका ओझा।

सामाजिक कार्य विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. जगदीश जाधव

सामाजिक कार्य विभाग अपनी स्थापना वर्ष 2012 से शैक्षणिक खोज और क्षेत्र-आधारित दोनों कार्यो में सक्रिय रूप से शामिल है। यह सहभागी, समावेशी और सतत विकास की दिशा में काम करने का प्रयास करता है। विभाग समाज के भीतर अधिकतम मानव क्षमता, कौशल विकास, समान अवसर, न्याय, विविधता के लिए सम्मान और समाज के भीतर एक भेदभाव से मुक्त वातावरण के निर्माण में विश्वास रखता है। विभाग वैश्विक रूप से सक्षम, सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण और स्थानीय रूप से प्रासंगिक प्रशिक्षित कर्मियों को तैयार करने का प्रयास करता है। विभाग के कार्यो में चार क्षेत्रों को शामिल किया गया है, जिसमें पहला सतत विकास के लिए शिक्षा प्रदान करने के आदर्श वाक्य के साथ शैक्षणिक उपाधि प्रदान करना। दूसरा प्रोग्रामेटिक हस्तक्षेप और क्षेत्र प्रयोगशालाओं द्वारा सिद्धांत को व्यवहार में एकीकृत करना। तीसरा अनुभवजन्य कार्य और साक्ष्य के आधार पर छात्रों के शोध प्रबंध। चौथा क्षेत्र कार्रवाई परियोजनाओं का विस्तार करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. सामाजिक कार्य में पीएच.डी.
2. सामाजिक कार्य में एम.ए. (एमएसडब्ल्यू)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. जगदीश जाधव	आचार्य	नैचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट, सोशल स्किल ट्रेनिंग, कम्युनिटी डेवेलपमेंट, सोशल

		एडवोकेसी
डॉ. सुभासिस भद्रा	सह आचार्य	मेंटल हेल्थ एंड साइकोसोशियल सपोर्ट, लाइफ स्किल्स एजुकेशन, डिजास्टर मैनेजमेंट
डॉ. डंडुब पालज़ोर	सहायक आचार्य	सोशल वर्क, जेंडर इक्वॉलिटी, मैस्क्युलिनिटीज़, क्वालिटेटिव रिसर्च, इंडिजनस पीपल एंड हेल्थ
डॉ. अतीक अहमद	सहायक आचार्य	न्यूरो-साइको-ऑन्कोलॉजी, हेल्थ एक्सेसिबिलिटी अमंग रूरल एंड अर्बन, मेडिकल सोशल वर्क
डॉ. शैजी अहमद	सहायक आचार्य	एजिंग, कम्युनिटी वर्क, हायर एजुकेशन, वॉश मैनेजमेंट, एचआरएम
डॉ. राजीव एम.एम.	सहायक आचार्य	चाइल्ड एंड यूथ डेवेलपमेंट, डिजास्टर मैनेजमेंट, एनवायरनमेंट इश्यूज़, पीआरआई

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

क्र .सं.	नाम	पद का नाम	विषय	तिथि
1.	डॉ. सुधीर मस्क	सहायक आचार्य, सामाजिक कार्य विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	प्रोफेशनल स्किल्स इन सोशल वर्क प्रैक्टिस	21 मार्च 2023
2.	डॉ. राम कृष्ण रेड्डी	वीसी सीनियर फेलो, न्यूकैसल बिजनेस स्कूल, नॉर्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी, यूके	सोशल एंट्रेप्रेन्यूशिप: मोटिव्स एंड गवर्नेंस	05 अगस्त 2022

कार्यशाला/वेबिनार/ई-सम्मेलन/सेमिनार/सम्मेलन

1. विभाग ने भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से 9 और 10 फरवरी 2023 को 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "इकोलॉजिकल डिस्रप्शन एंड पैस्टोरलिज़म: इंडिजन नॉलेज इन इकोलॉजिकल रिस्टोरेशन" का आयोजन किया।

2. राजस्थान महिला कल्याण मंडल (आरएमकेएम), अजमेर के सहयोग से 17 मार्च 2023 को डिसेबिलिटी एंड इनक्लूजन पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया है।

3. विश्व सामाजिक कार्य दिवस पर सुश्री रेनेटा टूलसिराम (2014-16 बैच) और जशिता बाघरी (2018-20 बैच) के साथ 21 मार्च, 2023 को एक पूर्व छात्र वार्ता का आयोजन किया है।

सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी :

1. अमरावती, महाराष्ट्र में आयोजित पश्चिम क्षेत्र महिला वॉलीबॉल टूर्नामेंट में अक्टूबर से 3 नवंबर 2022 तक भाग लिया।

विस्तार गतिविधियाँ:

1. विभाग ने 25.02.2023 से 26.02.2023 तक यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज, एरफर्ट, जर्मनी और जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई), नई दिल्ली के छात्रों और शिक्षकों की यात्रा सह वार्ता की मेजबानी की।
2. 2021-23 बैच के आठ छात्रों (4 लड़कियों और 4 लड़कों) ने 27 से 30 जनवरी 2023 तक नई दिल्ली में सासाकावा इंडिया लेप्रोसी फाउंडेशन (एस-आईएलएफ) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लिया।
3. अपनी फील्डवर्क गतिविधियों के माध्यम से, सामाजिक कार्य छात्र स्थानीय अस्पतालों, पंचायतों और गैर सरकारी संगठनों के माध्यम से, या स्व-रोज़गार सामुदायिक स्वयंसेवकों के रूप में अपने समुदायों में शामिल हुए। उन्होंने जीवन कौशल शिक्षा, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने, वंचित समुदायों के बच्चों को शिक्षित करने आदि के माध्यम से सामुदायिक विकास और कल्याण की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए।

अर्थशास्त्र विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. हेमलता मंगलानी

अर्थशास्त्र विभाग की स्थापना वर्ष 2020 में की गई थी। विभाग अपने पाठ्यक्रम में सैद्धांतिक और मात्रात्मक विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करता है। स्नातकोत्तर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को इसके अनुप्रयोग के प्रमुख क्षेत्रों में आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांतों और उपकरणों से लैस करना और पर्यावरण अर्थशास्त्र के उभरते क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को सिद्धांतों और अनुप्रयोगों को समझने और जटिल पर्यावरणीय और आर्थिक मुद्दों से निपटने के लिए सक्षम बनाना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. अर्थशास्त्र में पीएच.डी.
2. अर्थशास्त्र में एम.ए.
3. अर्थशास्त्र में एकीकृत एम.एससी.
4. अर्थशास्त्र में एकीकृत एम.एससी. बी.एड.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. हेमलता मंगलानी	सह आचार्य	सूक्ष्म अर्थशास्त्र, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विकास
डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	पर्यावरण अर्थशास्त्र, विकास अध्ययन
डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा	सहायक आचार्य	मैक्रो अर्थशास्त्र और वित्त, मौद्रिक अर्थशास्त्र
डॉ. सुरेश कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	समष्टि अर्थशास्त्र, वित्त और अर्थमिति

डॉ. ललिता कुमारी	सहायक आचार्य (संविदा पर)	कृषि अर्थशास्त्र, भारतीय अर्थव्यवस्था और औद्योगिक संगठन
डॉ. बबलू जाखड़	सहायक आचार्य (संविदा पर)	श्रम अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र और अर्थमिति
सुश्री तन्वी निदर	सहायक आचार्य (संविदा पर)	पर्यावरण अर्थशास्त्र, कृषि अर्थशास्त्र

शैक्षणिक गतिविधियाँ

पैनल चर्चा

इकोनॉमिक्स सोसायटी के स्थापना दिवस के अवसर पर ए राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "भारत की आय असमानता" विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जो विभाग और विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक बहुत ही उपयोगी और इंटरैक्टिव सत्र था। 2019, 2020 और 2021 प्रत्येक बैच ने एक पैनल बनाया और चर्चा में भाग लिया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ सोशल साइंस के डीन प्रो. जगदीश जाधव मुख्य अतिथि थे और चर्चा की अध्यक्षता अर्थशास्त्र विभाग की प्रमुख डॉ. हेमलता मंगलानी ने की। विभाग के संकाय, डॉ. डीएसएन मूर्ति और डॉ. सुरेश पात्रा चर्चा में उल्लेखनीय उपस्थित थे।

उद्योग इंटरेक्शन श्रृंखला

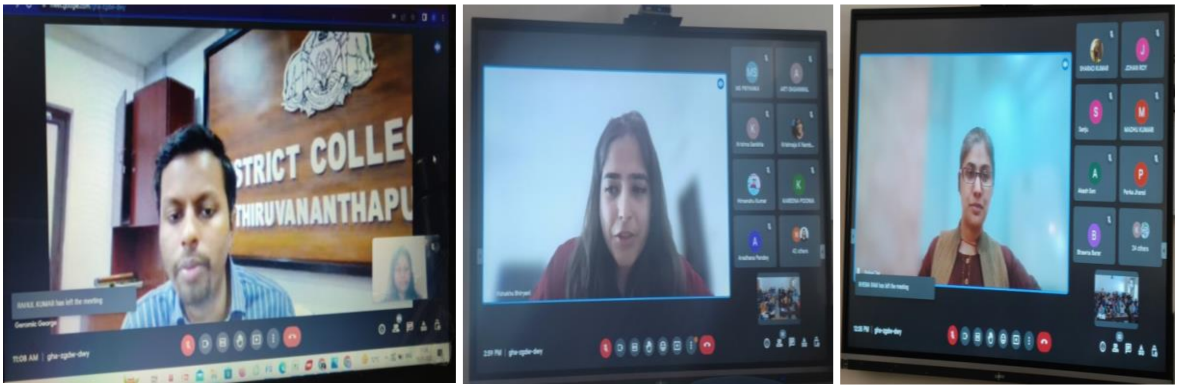

श्री जेरोमिक जॉर्ज, आईएएस और जिला कलेक्टर, तिरुवनंतपुरम ने 15 जनवरी, 2023 को छात्रों के साथ अपने प्रशासनिक सेवाओं के अनुभव साझा किए।

सुश्री विशाखा भिरयानी, ग्राहक अनुभव विपणन प्रबंधक (मध्य पूर्व और तुर्की), इंटरनेशनल फ्लेवर्स एंड फ्रेगरेंस ने 30 जनवरी, 2023 को कस्टमर रिलेशन्स एंड मैनेजमेंट एक्सपीरियंस फ्रॉम मिडिल ईस्ट एंड तुर्की पर एक व्याख्यान दिया।

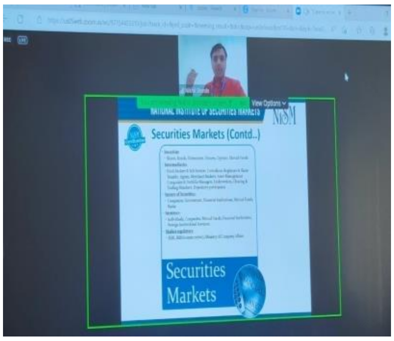

श्री निखिल शिंदे, वरिष्ठ एजीएम, विपणन और संचार, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी मार्केट ने 10 फरवरी, 2023 को "कैरियर्स ऑन सिक्योरिटी मार्केट" पर एक व्याख्यान दिया।

सीआईआईई.सीओ की उपाध्यक्ष डॉ. पल्लवी टाक ने 17 फरवरी, 2023 को "स्टार्ट-अप एण्ड एंटरप्रिन्यूरियल वेंचर्स" पर एक व्याख्यान दिया।

श्री नेसार अहमद, निदेशक बजट विश्लेषण और अनुसंधान केंद्र ने 20 फरवरी, 2023 को बजट एनालिसिस, जेंडर बजट, एण्ड बजट फॉर मार्जिनलाइज्ड एक व्याख्यान दिया।

औद्योगिक दौरा

अर्थशास्त्र विभाग ने 22 जनवरी, 2023 को तिलोनिया का दौरा किया और तिलोनिया एनजीओ द्वारा संचालित उद्यमिता के अभिनव मॉडल की खोज की। इस यात्रा में 50 छात्रों के एक समूह ने भाग लिया।

प्रख्यात वक्ताओं और अतिथियों के साथ वार्ता

प्रो. डी.के. नौरियाल, आईआईटी रूड़की और प्रो. नारायण, आईआईटी मुंबई का एक इंटरैक्टिव सत्र 18 जनवरी, 2023 को आयोजित किया गया था।

उद्यमी गतिविधि में

माननीय कुलपति प्रो. आनंद भालेराव द्वारा "एंटरप्रेन्योर्स इन एक्शन-2023" का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

उद्यमी बाज़ार औपचारिक रूप से मुद्रा लॉन्च के साथ शुरू होता है। "चव्वानी" नामक मुद्रा चलायी गयी। सेंट्रल बैंक ऑफ सीयूराज अपनी मुद्रा को 10% विनिमय दर पर संचालित कर रहा था। छात्रों, संकाय सदस्यों के परिवारों, अनुसंधान विद्वानों, स्वयं सहायता समूहों और केंद्रीय स्कूल के छात्रों के 70 से अधिक स्टालों ने बाजार में भाग लिया था। विजेता स्टॉल थे- प्राइस डिस्क्रिमिनेशन प्रॉस्पेरिटी कंसल्टेंसी (वाणिज्य विभाग), सेल्स मैक्सिमाइजेशन हरि अन्ना बिरयानी, मोस्ट यूनिक आइडिया पेज पाल्स, कॉस्ट मिनिमाइजेशन घर की मैगी और प्रॉफिट मैक्सिमाइजेशन डेजा वू।

कार्यक्रम के दूसरे दिन ए **ट्रेजर हंट** का आयोजन किया गया, जिसके बाद आईआईपीसी थिंक टैंक और एक पैनल चर्चा हुई। सीयुराज के इनोवेशन और स्टार्ट-अप सेल के सहयोग से व्यावसायिक विचारों को बढ़ावा देने के लिए आईआईपीसी **(इनोवेटिव आइडिया पिचिंग प्रतियोगिता)-थिंकटैंक** का आयोजन किया गया था। शीर्ष 3 विचारों को पुरस्कृत किया गया और उन्हें स्मार्ट इंडिया हैकथॉन के मेंटरशिप के लिए चुना गया।

केंद्रीय बजट 2023 पर **पैनल चर्चा**: 16 फरवरी, 2023 को एंटरप्रेन्योर्स इन एक्शन आयोजन के तहत आयोजित की गई थी। डॉ. ज्ञान रंजन पांडा (सहायक आचार्य, पीपीएलजी विभाग), डॉ. जया कार्तिका ओझा (सहायक आचार्य, एसटीआई विभाग)। डॉ. संजय पटेल (सहायक आचार्य, वाणिज्य विभाग) बाहरी पैनलिस्ट थे। डॉ. डी.एस.एन. मूर्ति (सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग) आंतरिक संकाय पैनलिस्ट थे। डॉ. प्रगति जैन (सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग) इस कार्यक्रम की मॉडरेटर थीं। अभिनव भारद्वाज, हिमांशु कौशिक, मीनल पारीक, विशाल राज, विजय राज छात्र पैनलिस्ट थे। पैनल ने केंद्रीय बजट 2023 के प्रावधानों और भारतीय समाज पर इसके प्रभाव का गंभीर मूल्यांकन किया। चर्चा के दौरान लगभग 240 विद्यार्थी उपस्थित थे।

विशेषज्ञ वार्ता

श्री एस.आर. मीना (संयुक्त सचिव, पंचायती राज विभाग, राजस्थान सरकार) ने 'यूनियन एंड स्टेट बजट फोकस एंड स्कोप फॉर पंचायती राज' शीर्षक पर कार्यक्रम की विशेषज्ञ वार्ता दी। अपने व्याख्यान में श्री मीना ने पंचायती राज व्यवस्था के लिए बजट आवंटन और भारतीय लोकतंत्र के संघीय ढांचे को मजबूत करने की भविष्य की गुंजाइश और आवश्यकता की भी जांच की। डॉ. हेमलता मंगलानी ने अतिथियों को कार्यक्रम का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। केंद्रीय सभागार में विशेषज्ञ को सुनने के लिए 170 छात्र मौजूद थे.

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - आईसीईसीओ जीआरएस 2023

अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से 11-12 अप्रैल 2023 की अवधि के दौरान "ग्रोथ, रिजिलियंस एंड सस्टेनेबिलिटी इन एन अनसर्टेन वर्ल्ड" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

प्रो. एनआर भानुमूर्ति, कुलपति, बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, बेंगलुरु और मैक्रोइकॉनॉमिक्स, व्यापार और अध्यक्ष, जी-20/टी20 टास्क फोर्स ऑन मैक्रोइकोनॉमिक्स, ट्रेड, एंड लाइवलीहुड्स ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र की शोभा बढ़ाई। प्रो. भानुमूर्ति ने नैविगेटिंग इंडियन इकोनॉमी इन ए वॉलेटाइल ग्लोबल कंडीशंस पर मुख्य अतिथि भाषण दिया। प्रो. निकोल बिसेसर, दक्षिणी न्यू हैम्पशायर विश्वविद्यालय, यूएसए ने सम्माननीय अतिथि के रूप में सम्मेलन की शोभा बढ़ाई; उन्होंने विकास, लचीलेपन और स्थिरता के संदर्भ में भारत की वर्तमान आर्थिक स्थिति पर अपने विचार रखे।

प्रो. मुकुल जी अशर, नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर, सलाहकार, गुजरात सरकार, डब्ल्यूटीओ, डब्ल्यूएचओ, आईएमएफ, और प्रो. चार्ल्स युजी होरीओका, कोबे यूनिवर्सिटी, जापान, पाइयरियर ऑफ फेल्डस्टीन होरिओका पज़्ज़ल कार्यक्रम के प्रतिनिधि और प्रमुख थे। प्रो. मुकुल जी. आशेर ने एक अनिश्चित दुनिया में अमृत काल के दौरान व्यापक आधार पर विकास उत्पन्न करने की रणनीति पर अपने विचार रखे। प्रो. चार्ल्स युजी होरीओका फेल्डस्टीन-होरीओका पहेली के प्रणेता हैं और उन्होंने "इज़ फेल्डस्टीन-होरिओका फाइंडिंग रियली ए पज़्ज़ल? विषय पर अपना व्याख्यान दिया। द फेल्डस्टीन-होरिओका पज़्ज़ल आफ्टर 43 इयर्स।

प्रो. अमरेश सामंतराय, पांडिचेरी विश्वविद्यालय और प्रो. तापस मिश्रा, साउथेम्प्टन बिजनेस स्कूल, यूनाइटेड किंगडम सम्मेलन के मुख्य वक्ता थे।

प्रो. मंजू सिंह, एम.ए.नआईटी, प्रो. अल्पना कटेजा, राजस्थान विश्वविद्यालय, प्रो. रंजन अनेजा, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, प्रो. अपराजिता बिस्वाल, रमा देवी महिला विश्वविद्यालय, ओडिशा, डॉ. संजा समीराना पटनायक, डॉ. अलका चड्ढा, आईआईएम सिरमौर, डॉ. घनश्याम पांडे, एसआरएम विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. एसएन अंबेडकर, डॉ. सुभासिस भद्रा, डॉ. प्रमोद कांबले, डॉ. कुमार संभव पारीक, डॉ. कंडासामी एस, डॉ. संजय गर्ग ने सम्मेलन के मुख्य वक्ता और तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

लगभग 150 प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों, अतिथियों और अध्यक्षों सहित सम्मेलन का दौरा किया। दोपहर के भोजन के बाद सम्मेलन के तकनीकी सत्र आयोजित किये गये। दस समानांतर तकनीकी सत्रों में 101 पेपर प्रस्तुत किये गये।

सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ

अर्थशास्त्र के छात्रों ने 2 अप्रैल, 2023 को सामुदायिक आउटरीच गतिविधियाँ आयोजित कीं और विश्वविद्यालय परिसर की सफाई की।

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

निम्नलिखित छात्रों ने यूजीसी नेट/ जेआरएफ उत्तीर्ण किया:

नाम	नामांकन संख्या	कार्यक्रम	सेमेस्टर	रोल नं.	यूजीसी नेट /

					जेआरएफ
सुश्री आयुषी सक्सैना	MAE0062021	एम.ए. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01201097	नेट
श्री रवीन्द्र दान	IMSEC0192019	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	नौवीं	RJ11200202	नेट
श्री रामस्वरूप	IMSBEC0022021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ09200206	जेआरएफ
श्री मनोज मातवा	016आईएमएसबीईसी2021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01200964	नेट
श्री दिनेश चौधरी	MAE0092021	एम.ए. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01200853	नेट
श्री हरिगोविंद एमसी.	MAE0102021	एम.ए. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01200571	नेट
श्री यदुकृष्ण सीएस.	030आईएमएसबीईसी2021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01201076	नेट
श्री अजीत कुमार	IMSBEC0022021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ06201100	नेट
श्री सौरव सुमन खमारी	028आईएमएसबीईसी2021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	OR09200619	नेट
सुश्री हिमाद्रि सोनी	MAE0112021	एम.ए. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	RJ01200158	नेट
श्री अंसार हुसैन	IMSBEC0042021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	JK02200509	नेट
सुश्री सुभाश्री सेठी	027आईएमएसबीईसी2021	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	चतुर्थ	OR11200173	नेट
श्री अभिषेक मील	IMSEC0012017	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	उत्तीर्ण	RJ09200113	जेआरएफ

कैम्पस प्लेसमेंट

नाम	**कार्यक्रम**	**नामांकन संख्या**	**कंपनी**	**पैकेट**
सुश्री आयुषी सक्सैना	एकीकृत एम.ए. अर्थशास्त्र	MAE0062021	फेडरल बैंक	अधिकतम 13 लाख
सुश्री नेहल जैन	एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	2020IMSBEC15	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन	-

सरकारी निकायों में चयन

नाम	कार्यक्रम	नामांकन संख्या	संगठन	पद का नाम
अन्वेक्षा बोथरा	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	2019IMSBEC001	जवाहर नवोदय स्कूल समिति	पीजीटी अर्थशास्त्र
सागर जांगिड़	एकीकृत एम.एससी. बी.एड. अर्थशास्त्र	2019IMSBEC004	जवाहर नवोदय स्कूल समिति	पीजीटी अर्थशास्त्र
तेजाराम नेतर	एकीकृत एम.एससी. अर्थशास्त्र	2014IMSEC026	जवाहर नवोदय स्कूल समिति	पीजीटी अर्थशास्त्र
अजय शर्मा दिनेश	पीएच.डी. अर्थशास्त्र	2020PHDEC003	राजस्थान लोक सेवा आयोग	सहायक आचार्य
यामिनी यादव	पीएच.डी. अर्थशास्त्र	2018PHDEC003	राजस्थान लोक सेवा आयोग	सहायक आचार्य
अमित कुमार शर्मा	एम.ए. अर्थशास्त्र	2014MAE002	दिल्ली विश्वविद्यालय	सहायक आचार्य

सृजन 2022

सृजन 2022 में अर्थशास्त्र के निम्नलिखित छात्रों ने पुरस्कार जीते।

सुश्री आंचल शर्मा- एकल लोक नृत्य प्रथम स्थान

सुश्री मीनल पारीक - एकल नृत्य द्वितीय स्थान

सुश्री कोमल मीना, सुश्री मीनल पारीक, सुश्री हिमाद्री सोनी, सुश्री पूजा, सुश्री अनामिका और सुश्री भावना- विजेता कबड्डी गर्ल्स मैच

श्री अजीत कुमार, श्री रवीन्द्र दान, श्री सागर मिश्रा और समूह- खेल प्रतियोगिताओं के विजेता

एनएसएस युवा सप्ताह 2023

अर्थशास्त्र के निम्नलिखित छात्रों को एनएसएस युवा सप्ताह प्रतियोगिताओं में मान्यता मिली

1. श्री अजीत कुमार (सेमेस्टर IV)- मैराथन
2. सुश्री दीपाली गुर्जर, सुश्री उर्मिला भारती, और श्री घनश्याम - (सेमेस्टर द्वितीय) - नारा लेखन
3. सुश्री कविता- पोस्टर प्रतियोगिता

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग ने जुलाई 2011 में समाजिक विज्ञान स्कूल के अंतर्गत अपनी शैक्षणिक यात्रा शुरू की। इसकी स्थापना शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित करके भारत में अंतर्विषयक मीडिया, सांस्कृतिक और संचार अध्ययन में खोज के नए क्षेत्रों का पता लगाने हेतु किया गया। छात्रों को मीडिया और संस्कृति के बीच अंतर-संबंध को समझने में सक्षम बनाने के लिए पाठ्यक्रम को डिज़ाइन किया गया है जो व्यक्तियों और समुदायों को आकार देता है बदले में उनके द्वारा इसे आकार दिया जाता है। विभाग का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न मीडिया प्रौद्योगिकियों, प्रथाओं और कथनों के परिचय के माध्यम से एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य और विश्लेषणात्मक दिमाग के साथ मीडिया और सांस्कृतिक अध्ययन की दुनिया में प्रवेश करने के लिए तैयार करना है। विभाग छात्रों को मीडिया प्रौद्योगिकियों को संभालने और पत्रकारिता कौशल और मूल्यों को विकसित करने के लिए तैयार करता है। एक अंतर्विषयक दृष्टिकोण के माध्यम से, विभाग छात्रों के लिए अत्याधुनिक वृत्तचित्रों, फिल्मों, वीडियो, तस्वीरों और रचनात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों का निर्माण हेतु नींव बनाता है। प्रमुख अतिथि शिक्षकों और पेशेवरों द्वारा इंटर्नशिप, औद्योगिक यात्राओं, सम्मेलनों, कार्यशालाओं के माध्यम से छात्रों को मीडिया उद्योगों और संगठनों से परिचित कराया जाता है। वे मीडिया उपकरण और तकनीकों को संभालने में सक्षम हैं जो उन्हें मीडिया उद्योग, अनुसंधान संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों में एक स्थान सुरक्षित करने में मदद करेंगे। विभाग का लक्ष्य "एक सार्थक समाज के लिए संचार" है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. संस्कृति और मीडिया अध्ययन में पीएच.डी.
2. संस्कृति और मीडिया अध्ययन में एम.ए.
3. मीडिया लेखन और डिजिटल संचार में पीजी डिप्लोमा

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव	आचार्य	पटकथा लेखन, पत्रकारिता, फिल्म अध्ययन, विकास पत्रकारिता
डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	मीडिया अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन, लिंग और लैंगिकता
डॉ. निकोलस लाकड़ा	सहायक आचार्य	अंतरसांस्कृतिक संचार, पत्रकारिता, सामग्री विश्लेषण

डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	साइबर पत्रकारिता, प्रिंट मीडिया, लेआउट और डिजाइनिंग
डॉ. अनूप कुमार	सहायक आचार्य	न्यू मीडिया अध्ययन, वेब/डिजिटल पत्रकारिता, विकास पत्रकारिता, फोटोग्राफी, वीडियो उत्पादन, मीडिया और सूचना साक्षरता, गलत/दुष्प्रचार अध्ययन, गुणात्मक अनुसंधान।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. ऑडियो-विजुअल मीडिया सामग्री के संपादन के लिए एडोब सीसी लाइसेंस
2. कैमरे के स्थिरीकरण के लिए जिम्बल
3. 28-70 मिमी लेंस के साथ सोनी अल्फा 7 मार्क IV कैमरा
4. कैनन मानक ज़ूम लेंस 24-105 मिमी

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

1. एमएसीएमएस, 2021-23 बैच (अनीश रंजन, रवि सैनी, मितुशी, चेतन जैन और हर्षिता) के छात्रों द्वारा बनाई गई लघु फिल्म 'प्लैनेट ऑर पैनिक' ने स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, फिल्म एवं क्रिएटिव आर्ट्स, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी द्वारा 27 फरवरी से 1 मार्च 2023 के दौरान आयोजित 52 घंटे के फिल्म निर्माण चैलेंज, फिल्मिथॉन में विशेष जूरी पुरस्कार जीता।

2. श्री सबास जादीन ईओ (एम.ए. छात्र) ने पृथ्वी विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह 2022 के दौरान आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

3. श्री साबास जदीन ईओ (एम.ए. छात्र) ने खेल विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेल दिवस 2022 के उत्सव के एक भाग के रूप में साइंस इनोवेशन इन स्पोर्ट्स विषय पर पोस्टर प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार जीता।

4. राष्ट्रीय वन्यजीव सप्ताह 2022 के दौरान, तिर्मिज़ी ज़ीशान वारिश अहमद (एम.ए. छात्र) द्वारा खींची गई तस्वीरों को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर में प्रदर्शित किया गया था।

5. श्री ज़ीशान तिर्मिज़ी (एम.ए. छात्र) ने 7वें टॉक जर्नलिज्म कॉन्क्लेव, जयपुर में फोटोग्राफी प्रतियोगिता जीती।

6. श्री लोकेश खटाना (एम.ए. छात्र) को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल प्रतियोगिता में पुरुषों की लंबी कूद में प्रथम स्थान हासिल करने पर स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

7. श्री रवि सैनी (एम.ए. छात्र) को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में वार्षिक खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता (सृजन-2022) में नृत्य प्रतियोगिता में कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
प्रो. ज्योतिका रामप्रसाद	स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, मियामी विश्वविद्यालय	26-27/09/2022
श्री राकेश सैन	सह निदेशक, मुंबई	17/05/2023
प्रो. सुरेश चंद्र नायक	, , ,	29/04/2023

2. सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन:

1. संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा 25 अप्रैल - 2 मई 2023 के दौरान पीएच.डी. शोधार्थियों और एम.ए. छात्रों के लिए मीडिया रिसर्च पर विस्तारित व्याख्यान आयोजित किये गये।

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

1. विभाग ने 12 जनवरी, 2023 को राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया। प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव ने विभाग के छात्रों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया।
2. एम.ए. छात्र (कुणाल गोयल एवं रोहिता कुमार सुना) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में लघु फिल्म निर्माण के लिए 7 नवंबर, 2022 को पुष्कर मेले का दौरा किया।
3. डॉ. प्रान्त प्रतीक पटनायक ने 11 सितंबर, 2022 को संस्कृति और संचार के बीच संबंधों की व्यावहारिकताओं को समझने के लिए राजस्थान के तिलोनिया गांव में एम.ए. छात्रों के लिए एक फील्ड एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया।
4. एम.ए. के छात्रों (स्नेहा, रोहित, कुणाल) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में किशनगढ़ की कला और संस्कृति पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई।
5. विकास संचार से संबंधित एक परियोजना के लिए एम.ए. के छात्रों के लिए निकटवर्ती मुंडोती गांव, राजस्थान में 8 जुलाई, 2022 को एक फील्ड विजिट का आयोजन किया।
6. एम.ए. के छात्रों (अनीश, रवि और हर्षिता) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में बाल श्रम पर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए जयपुर में एक एनजीओ का दौरा किया।
7. एम.ए. के छात्रों (साबास, शिवम और तनीषा) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में सोलर मामा पर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए तिलोनिया गांव का दौरा किया।

8. एम.ए. के छात्रों (दीपा, मितुशी और संदीप) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में मैनुअल स्कैवेंजिंग पर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए किशनगढ़ का दौरा किया।
9. एम.ए. के छात्रों (लोकेश और चेतन) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में मैनुअल स्कैवेंजिंग पर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए किशनगढ़ का दौरा किया।
10. प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव ने जनवरी 2023 में विश्व समाचार पत्र दिवस पर ग्रामीण रिपोर्टिंग के लिए एम.ए. के छात्रों के लिए पास के मुंडोती गांव, राजस्थान में एक फील्ड विजिट का आयोजन किया।
11. एम.ए. के छात्रों (प्रफुल्ल और जीशान) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में वाटर स्कारसिटी पर अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए पास के एक गाँव का दौरा किया।
12. एम.ए. के छात्र (रोहित कुमार सूना) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में मीडिया कवरेज के लिए अजमेर में मूक-बधिर स्कूल का दौरा किया।
13. एम.ए. के छात्रों (अनीश, आर्द्रा और रोहित) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में जयपुर में एक एनजीओ सम्मेलन सेवा संगम में मीडिया कवरेज किया।
14. प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव, डॉ. अनूप कुमार और एम.ए. छात्र कुणाल दादूजी के गांव में उनके स्वागत के एक अवसर पर मीडिया कवरेज के लिए गए थे।
15. एम.ए. के छात्रों (हरिकृष्ण और पुनिता) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में अपने वीडियो प्रोजेक्ट के लिए पास की सांबर झील का दौरा किया।
16. एम.ए. के छात्र (प्रफुल्ल के) ने प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव और डॉ. अनूप कुमार के पर्यवेक्षण में एक फोटोग्राफी कार्यशाला के लिए पुष्कर मेले का दौरा किया।

प्रो. ज्योतिका रामप्रसाद, मियामी विश्वविद्यालय, यूएसए मीडिया अनुसंधान विधियों पर अपना व्याख्यान देते हुए

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में एम.ए. के छात्रों के साथ प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

तिलोनिया बेयरफुट कॉलेज में एम.ए. छात्रों के साथ डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक

एम.ए. के छात्र नवंबर, 2022 में पुष्कर मेले में अपनी डॉक्यूमेंट्री शूट करते हुए

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. राजेश कुमार

विभाग
वायुमंडलीय विज्ञान विभाग
पर्यावरण विज्ञान विभाग

पृथ्वी विज्ञान स्कूल पर्यावरण विज्ञान और वायुमंडलीय विज्ञान के क्षेत्र तथा सामाजिक विकास के साथ उनके संबंध में अंतर्विषयक ज्ञान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस स्कूल का मुख्य लक्ष्य स्थानीय और वैश्विक समुदायों की सेवा के लिए पृथ्वी विज्ञान के क्षेत्र में वैज्ञानिक ज्ञान और तकनीकी कौशल के साथ जनशक्ति को प्रशिक्षित करना है। यह स्कूल पृथ्वी, इसके संसाधनों और इसमें आने वाले परिवर्तन की प्रक्रियाओं के संबंध में मौलिक ज्ञान का सृजन करने एवं प्रभावी ढंग से प्रसार करने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने दृष्टिकोण और मिशन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मौजूदा विभाग राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से अनुसंधान, शिक्षा, और आउटरीच कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. देवेश शर्मा

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग की स्थापना वर्ष 2016 में पृथ्वी विज्ञान स्कूल के तहत की गई। यह विभाग एम.एससी. और पीएच.डी. दोनों कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अंतरविषयक अनुसंधान को बढ़ावा देना है। इसमें वायुमंडल और महासागर, जलवायु मॉडलिंग, मानसून, और इसके भौतिक और सामाजिक परिणामों को समझने के लिए गंभीर मौसम पूर्वानुमान, रेगिस्तान मौसम विज्ञान की समझ, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान, वायु गुणवत्ता, रिमोट सेंसिंग और जलवायु परिवर्तन प्रभावों के संख्यात्मक मॉडलिंग शामिल है। यह विभाग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग विकसित कर रहा है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. वायुमंडलीय विज्ञान में एम.एससी.
2. वायुमंडलीय विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	क्लाइमेट चेंज एंड वॉटर रिसोर्सेस, हाइड्रोलॉजिकल मॉडेलिंग

डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	रीजनल क्लाइमेट चेंज मॉडेलिंग, इंडियन मॉनसून स्टडीज, लाइटनिंग एंड थंडरस्टॉर्म मॉडेलिंग
डॉ. चिन्मय मल्लिक	सहायक आचार्य	एटमॉस्फेरिक केमिस्ट्री, एटमॉस्फेरिक ऑक्सीडेशन एंड सेल्फ-क्लींसिंग मैकेनिज़म्स, एयर क्वॉलिटी एंड एयर पॉल्यूशन, एटमॉस्फेरिक ट्रेस गैसेस एंड एरोसोल्स
डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	क्लाइमेट चेंज का प्रभाव, एयर-सी इंटरएक्शन, इंडियन मॉनसून, ट्रॉपिकल साइक्लोजेनेसिस, क्लाउड-एरोसोल इंटरएक्शन
डॉ. जय प्रकाश	सहायक आचार्य	एटमॉस्फेरिक एरोसॉल एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन क्लाइमेट; सोर्सेज एण्ड एटमॉस्फेरिक प्रोसेस ऑफ एयरोसोल्स; सोर्स एंड रिसेप्टर-ओरिएंटेड मॉडेलिंग

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	आयोजन	तिथि
डॉ. एल.एस. राठौड़ *सेवानिवृत्त निदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग (जयपुर केन्द्र)*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप	10 फरवरी 2023
श्री राधे श्याम शर्मा *भारत मौसम विज्ञान विभाग (जयपुर केन्द्र)*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *वेदर ऑब्जर्वेशनल नेटवर्क और अर्ली वार्निंग सिस्टम इन राजस्थान*	10 फरवरी 2023
डॉ. अनिर्बान मिडी *राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी), कोलकाता*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *मीटियोरोलॉजी, एयर क्वॉलिटी एण्ड माइक्रो-क्लाइमेटिक रिस्पॉन्स सिस्टम एज इंटीग्रेटेड सिटी सर्विसेस: ऑपर्च्यूनिटीज़ एंड चैलेंजेस*	10 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
प्रो. सोमेश्वर दास *दक्षिण एशियाई मौसम विज्ञान संगठन*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *करियर ऑपर्च्यूनिटीज़ इन एटमॉस्फेरिक, वेदर एंड क्लाइमेट साइंसेस*	10 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. आशुतोष मोहंती	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस	10 फरवरी 2023

श्री श्री यूनिवर्सिटी	(आईएसीएएस) वर्कशॉप *क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट ऑन ह्यूमन हेल्थ एंड लाइवलीहुड केस स्टडी फ्रॉम हिंदुकुश हिमालय*	(ऑनलाइन)
डॉ. मनीष मोदानी *एनवीडिया*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *एन इंट्रोडक्शन टू एक्सेलरेटेड कंप्यूटिंग इन वेदर एंड क्लाइमेट*	11 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. मनीषकुमार *सीईईडी, रांची*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *एमर्जिंग जॉब प्रॉस्पेक्ट्स एंड मार्केट्स इन ए नेट-जीरो कार्बन-सीकिंग इंडिया*	11 फरवरी 2023
डॉ. पार्थ सारथी महापात्रा *डॉयचे गेसेलशाफ्ट फर इंटरनेशनेल ज़ुसामेनरबीट जीएमबीएच (जीआईजेड)*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *एनवायरनमेंटल सोल्यूशन्स फॉर एयर पॉल्यूशन*	11 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
श्री मनीष कुमार *डीएचआई, नई दिल्ली*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *फ्लड मैनेजमेंट यूज़िंग रियल टाइम डिसिशन सपोर्ट सिस्टम*	11 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. विग्नेश प्रभु *सीएसटीईपी बेंगलुरु*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *एयर पॉल्यूशन स्टडीज एट सीसटेप एंड ऑपर्च्यूनिटीज़ फॉर स्टूडेंट्स थिंक टैंक्स*	11 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. राम रतन लोहिया *क्लाइमेट कनेक्ट, गुड़गांव*	इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस (आईएसीएएस) वर्कशॉप *करियर एण्ड ऑपर्च्यूनिटीज़ इन क्लाइमेट साइंस*	11 फरवरी 2023 (ऑनलाइन)
डॉ. इलियास पेक्लिवेनिडिस *सह आचार्य, एसएमएचआई/सदस्य-डब्ल्यूएमओ अनुसंधान बोर्ड*	विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2023 *इन्वेस्टिगेटिंग द वॉटर साइकिल - ए जर्नी थ्रू हाइड्रोलॉजिकल मॉडेल्स, डेटा एंड सर्विसेस फॉर एड्रेसिंग सोसाइटल चैलेंजेस*	23 मार्च 2023 (ऑनलाइन)
सुश्री रुचा देशपांडेय,	स्टूडेंट इंटरऐक्शन ऑन एक्सट्रीम इवेंट एट्रिब्यूशन टू क्लाइमेट चेंज इन इंडिया: पर्स्पेक्टिव एंड प्रैक्टिसेस पर	21 अप्रैल 2023

पृथ्वी और पर्यावरण विज्ञान विभाग, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम	छात्रों से वार्ता	
श्री अनुराज कुमार *एजिलेंट टेक्नोलॉजीज*	एनालिसिस ऑफ एट्मॉस्फेरिक हाइड्रोकार्बन्स यूज़िंग जीसीटीडी-एफआईडी- पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम *इंट्रोडक्शन टू जीसी सिस्टम*	2023 मई 10

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

1. फरवरी 2023 को "इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस" पर दो दिवसीय कार्यशाला।
2. मई 2023 को "एनालिसिस ऑफ एट्मॉस्फेरिक हाइड्रोकार्बन्स यूज़िंग जीसी-एफआईडी-टीडी" पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 2 फरवरी 2023 को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र का एक दिवसीय दौरा।
2. 21 मार्च 2023 को पायरानोमीटर, एनीमोमीटर और बैरोमीटर का प्रदर्शन।
3. 23 मार्च 2023 को विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2023 का आयोजन।
4. श्री लोकेश शर्मा, गॉर्डन सॉल्यूशंस, गुजरात द्वारा 8 मई 2023 को पोर्टेबल ओजोन विश्लेषक का प्रदर्शन
5. 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस 2023 का आयोजन

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-एसईआरबी, यूजीसी, एमओडब्ल्यूआर, एमओईएस, इसरो आदि द्वारा स्वीकृत 320 लाख रुपये रुपये की विभिन्न अतिरिक्त वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

उपकरणों का क्रय/ उपलब्ध सुविधाएँ

1. डेस्कटॉप कंप्यूटर्स अंडर एमओईएस प्रोजेक्ट (04 सेट)
2. 01 सेट ऑफ एनएएस डेटा स्टोरेज
3. डिजिटल सोलर रेडिएशन रिकॉर्डर (पायरानोमीटर)
4. विंड मॉनिटरिंग सिस्टम
5. बैरोमीटर
6. ओजोन मॉनिटर

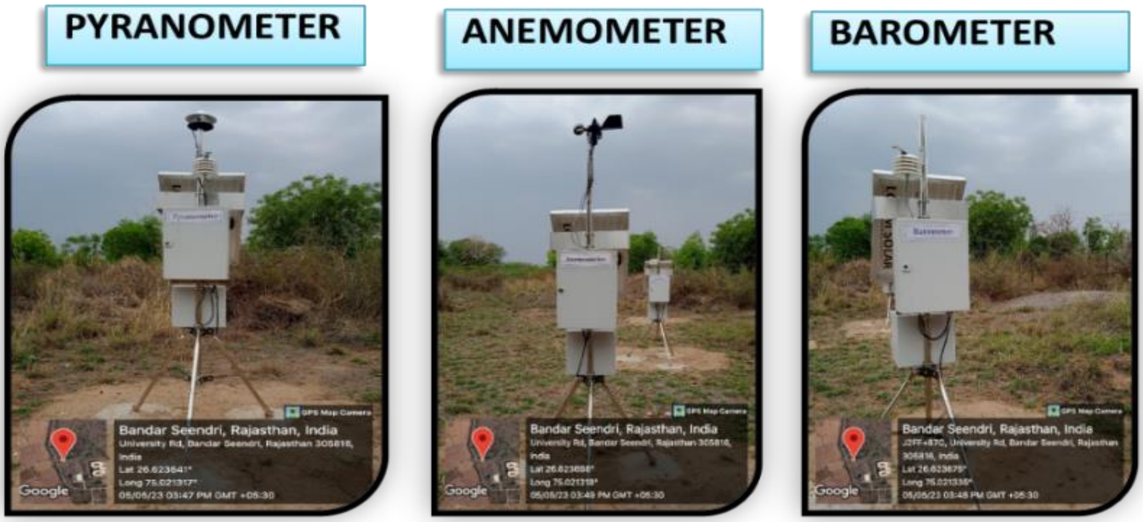

सीयूराज फील्ड वेधशाला में पायरानोमीटर, एनेमोमीटर और बैरोमीटर

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग, जयपुर मौसम विज्ञान केंद्र का एक दिवसीय दौरा

10-11 फरवरी 2023 को "इंडस्ट्री-एकेडेमिया कनेक्ट इन एटमॉस्फेरिक साइंस" पर कार्यशाला

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में, भारत अपने अवसंरचनात्मक विकास के चरम पर है और इसे प्रदूषण की निगरानी और विकासात्मक परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने के लिए पर्यावरण विशेषज्ञों तथा प्रशिक्षित कर्मियों की आवश्यकता है। वर्तमान परिदृश्य और भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए, विभाग की स्थापना का उद्देश्य है-

- क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर की पर्यावरणीय समस्याओं का ज्ञान प्रदान करना।
- छात्रों को कुशल पर्यावरणीय निर्णय और प्रबंधन हेतु पर्यावरणीय घटकों के वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए प्रशिक्षित करना।
- पर्यावरण अनुसंधान के लिए अंत:विषय सहयोग के लिए शिक्षाविदों और संगठनों के बीच अंतराफलक के रूप में कार्य करना।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- पर्यावरण विज्ञान में पीएच.डी
- पर्यावरण विज्ञान में एम.एससी. (02 वर्षीय)
- पर्यावरण विज्ञान में इंटीग्रेटेड एम.एससी. (05 वर्षीय)

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
प्रो राजेश कुमार	आचार्य	ग्लेसियोलॉजी, ग्लेशियर जिओमॉर्फोलॉजी, क्लाइमेट साइंस, एण्ड एयर पॉल्यूशन
डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा	आचार्य	एनवायरनमेंटल रिमोट सेंसिंग, इकोलॉजिकल और एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट

डॉ. प्रमोद एन कांबले	सह प्राध्यापक	सॉइल माइक्रोबियल एकोलॉजी, बायोरिमीडिएशन, और मेडिसिनल प्लांट्स स्टडी
डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबियल बायोडेग्रेडेशन ऑफ पॉप्स (पेस्टिसाइड्स, फार्मास्युटिकल्स एंड एंटीबायोटिक्स)
डॉ. रितु सिंह	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल टॉक्सिकोलॉजी, एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन, एंड मैनेजमेंट, नैनोरिमीडिएशन
डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल बायोटेक्नोलॉजी (एल्गल बायोफ्यूएल, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, बायोरिमीडिएशन), एल्गे-बैक्टीरिया इंटरऐक्शन्स, इकोफिजियोलॉजी ऑफ कॉन्टैमिनेटेड एनवायरनमेंट
डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	एयर पॉल्यूशन एंड क्लाइमेट चेंज- मॉनिटरिंग एंड इफेक्ट्स ऑन प्लांट्स
डॉ. डी. भगवान	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल पॉल्यूशन रीमीडिएशन एंड वेस्ट रिफाइनिंग फॉर वैल्यू एडेड प्रोडक्ट्स।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ/अतिथि व्याख्यान/संगोष्ठी/ दौरा

नाम	**कार्यक्रम**	**तिथि**
डॉ. मनोज प्रसाद, राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान (एनआईपीजीआर), नई दिल्ली	ऑनलाइन- अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष 2023 के जश्न के लिए आमंत्रित वार्ता	24-11-2022
सुश्री भावना चौधरी	एसडीजी हासिल करने के लिए काम कर रहे संयुक्त राष्ट्र में करियर के अवसर	14-12-2022
औद्योगिक क्षेत्र यात्रा	मैसर्स श्री सीमेंट उद्योग, ब्यावर	22-02-2023
श्री उदय प्रताप	पर्यावरण लेखापरीक्षक द्वारा पर्यावरण लेखापरीक्षा अवधारणा और संदर्भ	28-4-2023

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन

- 20-21 जनवरी, 2023 के दौरान "औषधीय पौधे सह क्रेता-विक्रेता बैठक" पर दो दिवसीय कार्यशाला।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ

- 5 जून 2023 को विश्व पर्यावरण दिवस 2021 का आयोजन।
- 13-02-23 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष-2023 के आयोजन पर क्विज़ और पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई।

प्राप्त बाह्य निधि:

भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों जैसे डीएसटी-एसईआरबी, और आयुष मंत्रालय आदि द्वारा स्वीकृत रुपये 101.60 लाख की विभिन्न बाह्य वित्त पोषित परियोजनाएं विभाग में जारी हैं।

खरीदे गए उपकरणसुविधा/

- अल्ट्रा सोनिकेटर, प्लांट ग्रोथ चैंबर

पुरस्कार/उपलब्धियाँ

यूजीसी नेट/गेट उत्तीर्ण छात्र

- अविमानु श्रमा, तीसरे राष्ट्रमंडल रसायन विज्ञान पोस्टर में पोस्टर पुरस्कार
- नाजिया तरन्नुम, वायु भुवनेश्वर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्रृंखला में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति
- मनीषा यादव और गरिमा, एम.एससी., नेट और गेट उत्तीर्ण
- 4 छात्रों को पीएच.डी. प्रदान की गयी (रजित गुप्ता, राजश्री नाइक, मोहम्मद अशरफ डार, आलोक कुमार, रजनी कांत वर्मा)

अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

- अंतर विद्यालय रस्साकशी प्रतियोगिता 29.8.23
- लोक नृत्य कृति सेमेस्टर V, सृजन सीयूराज
- लंबी कूद मो. सुहैल सेमेस्टर V, सृजन सीयूराज

श्री सीमेंट, ब्यावर का उद्योग भ्रमण

पूर्व छात्रों की बातचीत

खेल विज्ञान स्कूल

अधिष्ठाता: प्रो. प्रदीप वर्मा

विभाग
खेल जीव विज्ञान विभाग
खेल जैव यांत्रिकी विभाग
खेल मनोविज्ञान विभाग

खेल विज्ञान स्कूल की स्थापना मई 2018 में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एनवायएएस), भारत सरकार के सहयोग से की गई थी। खेल विज्ञान स्कूल में तीन अलग-अलग स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान कार्यक्रम संचालित है। सभी स्नातकोत्तर कार्यक्रम विश्वविद्यालय के व्यावसायिक पाठ्यक्रमों की श्रेणी में हैं। खेल विज्ञान स्कूल का उद्देश्य खेल विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय शिक्षण और अनुसंधान करना है। इस स्कूल के स्नातकोत्तर कार्यक्रम खेल विज्ञान में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं पर जोर देंगे जो छात्रों को खेल विज्ञान में यांत्रिक तकनीक और सॉफ्टवेयर-आधारित सिमुलेशन दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तेज करने में मदद करेगा।

खेल जीव विज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. निधि पारीक

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) द्वारा समर्थित खेल विज्ञान स्कूल के अंतर्ग खेल जैव विज्ञान विभाग शुरू किया है। यह विभाग तीन एम.एससी पाठ्यक्रम एम.एससी. खेल जैव रसायन विज्ञान, एम.एससी. एम.एससी. खेल पोषाहार और एम.एससी. खेल मनोविज्ञान संचालित करता है। ये पाठ्यक्रम खेल जीव विज्ञान में छात्रों के ज्ञान को बढ़ाएंगे और खेल विज्ञान में अंतर्निहित जैविक वैज्ञानिक सिद्धांतों के साथ उनकी समझ के स्तर में सुधार करेंगे। यह पाठ्यक्रम सैद्धांतिक और प्रयोगशाला दोनों पहलुओं और विशेष रूप से कम्प्यूटेशनल सिमुलेशन के साथ जैव रासायनिक और पोषण सम्बंधी विश्लेषण दोनों पर जोर देगा। यह कार्यक्रम छात्रों को खेल के दौरान एथलीटों/खिलाड़ियों के साथ मैदान पर बातचीत करने और उनके व्यावहारिक परीक्षण करने की भी अनुमति देगा। यह छात्रों को खेल गतिविधियों की अंतर्निहित पेचीदगियों और खेल के सुधार को समझने के लिए इंस्ट्रूमेंटेशन तकनीकों और सॉफ्टवेयर दोनों में अपने ज्ञान को समृद्ध और तेज करने की अनुमति देगा। खेल, शारीरिक गतिविधि और मानव जीव विज्ञान के जैव विज्ञान के लिए उत्साह रखने वालों से अपील करते हुए, ये पाठ्यक्रम सिखाएंगे कि कैसे व्यक्तिगत स्तर की सफलता सुनिश्चित करने और खिलाड़ियों की क्षमता में सुधार के लिए खेल प्रदर्शन में सुधार किया जा सकता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

- खेल जैव रसायन में एम.एससी.
- खेल पोषण में एम.एससी.
- खेल शरीर क्रिया विज्ञान (स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी) में एम.एससी.

• खेल जैव विज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. निधि पारीक	सह आचार्य	एप्लाइड बायोकैटलिसिस बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग प्रोटियोमिक्स
डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	डेवेलपमेंट ऑफ प्रेडिक्शन मॉडल्स फॉर कार्डिओवैस्कुलर इवेंट्स, स्पोर्ट्स बायोकेमिस्ट्री, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी, मॉडीफाइड एमएमआर टेक्नोलॉजी, बायोमेडिकल साइंसेस, मेडिसिनल प्लांट्स एंड देअर एप्लीकेशन्स इन स्पोर्ट्स इन्जरीज
डॉ. हेमन्त नाइक बनावथ	सहायक आचार्य	चैरेक्टेराइजेशन ऑफ इंटर-ऑर्गनेल कम्युनिकेशन, बायोएनर्जेटिक्स इन एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, माइक्रोआरएनएएस इन कैल्शियम होमिओस्टेसिस, मेटाबॉलिजम एंड कार्डियवैस्कुलर पैथोलॉजी, इन-सिलिको ड्रग डिस्कवरी एंड चैरेक्टेराइजेशन (इन-विट्रो) प्रोटियोमिक्स
डॉ. सुनील जी पुरोहित	सहायक आचार्य	बायोकेमिकल मॉनिटरिंग ऑफ स्पोर्ट्स ट्रेनिंग एंड रिकवरी स्टेटस ऑफ द एथलीट्स. फिजिकल फिटनेस एंड स्पोर्ट्स ट्रेनिंग
डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	मेटाबॉलिक सिंड्रोम: हाई ब्लड प्रेशर एंड अबनॉर्मल कोलेस्ट्रॉल लेवल्स; डायबिटीज एंड इंसुलिन रेजिस्टेंस; कार्डियोवैस्कुलर डिजीजेज; किडनी डैमेज एंड फाइब्रोसिस; नैनो-मेडिसिन एंड टॉक्सिकॉलॉजी

शैक्षणिक गतिविधियाँ

विशेषज्ञ व्याख्यानसुविधा उपलब्ध/विज़िट उपकरण उपलब्ध/संगोष्ठी/

मुख्य उपकरण /उपकरण

· सेमी-ऑटोमैटिक बायोकेमिस्ट्री एनालाइजर	· हैंड हेल्ड होमोजेनाइज़र
· पोर्टेबल स्पाग्रोमीटर	· कम्पलीट पोर्टेबल लैक्टेट एनालाइजर किट
· हॉट प्लेट विथ मैग्नेटिक स्टिरर	· टेबल टॉप लार्ज वॉल्यूम रिफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज

· बेंच टॉप पीएच मीटर · डीप फ्रीजर - 40° सेंटीग्रेड · लैब बेस्ड कम्प्लीट न्यूरो इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी मशीन · डीप फ्रीजर - 40° सेंटीग्रेड · 6 पार्ट ऑटोमैटिक हेमेटोलॉजी एनालाइजर · हॉरिजॉन्टल जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस यूनिट विथ पावर पैक · टेबल टॉप स्मॉल वॉल्यूम रिफ्रिजरेटर सेंट्रीफ्यूज · एसडीएस-पीएजी एपरेटस एंड वेस्टर्न ब्लॉट ट्रांसफर सिस्टम · केमी-डॉक सिस्टम · क्यूआरटी पीसीआर मशीन · सीओ2 इंक्यूबेटर · नैनो ड्रॉप यूवी-विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर · डाइट कैल (न्यूट्रिशन एसेस्मेंट सॉफ्टवेयर) · पीसीआर मशीन	· 2डी रॉकर · मिरर ड्रॉइंग एपरेटस · स्पोर्ट लोकस ऑफ कंट्रोल (आईई) स्केल · स्पोर्ट प्रेशर चेकलिस्ट · स्पोर्ट्स इमोशनल इंटेलिजेंस टेस्ट · स्पोर्ट्स कॉम्पीटिशन एंजायटी टेस्ट ·स्पोर्ट सेल्फ-कंट्रोल स्केड्यूल · एएमएसएसई (एचीवमेंट मोटिवेशन स्केल फॉर स्पोर्टिंग एनवायरनमेंट्स) · स्पोर्ट एग्रेशन इन्वेंट्री · अपर बॉडी एर्गोमीटर · क्जेलडाहल बेस्ड डाइजेस्टियन यूनिट · एनईओ सॉफ़्टवेयर सिस्टम (ईओ पी-आर™ और एनईओ-एफ़आई™ मॉड्यूल्स)

लघु उपकरण /उपकरण

· एंथ्रोपोमेट्रिक मेज़रिंग सेट · स्फीगमोमैनोमीटर · कार्डियो चेक हेल्थ स्क्रीन किट · डिजिटल मेट्रोनोम · डिजिटल ग्लूकोमीटर · फिंगर पल्स ऑक्सीमीटर · स्टेथोस्कोप · स्टैडिओमीटर पोर्टेबल · स्टैडिओमीटर डिजिटल फॉर लैब · स्किन फोल्ड कैलिपर डिजिटल	· स्किन फोल्ड कैलिपर · सिट एंड रीच बॉक्स · सेरोलॉजिकल वॉटर बाथ · हॉट एयर ओवन · पोर्टेबल डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक बॉडी वेट स्केल · टेबल टॉप वॉर्टेक्स मिक्सर · वेइंग बैलेंस · रेफ्रिजरेटर्स (2) · ड्राई ब्लॉक हीटर · पोर्टेबल हैंड ग्रिप डायनामोमीटर

मानव मॉडल और अन्य वस्तुएँ

· टॉर्सो विथ हेड एंड इंटरचेंजेबल मेल एंड फीमेल जेनिटैलिया सेपरेटेड इन 20 पार्ट्स · ह्यूमन ब्रेन · ह्यूमन आई · ईयर विथ पिना · हार्ट · स्टमेक ऑन स्टैंड · किडनी ऑन स्टैंड · लिवर शोइंग गॉल ब्लैडर · फंक्शनल शोल्डर जॉइंट · फंक्शनल हिप जॉइंट · फंक्शनल एल्बो जॉइंट · फंक्शनल व्रिस्ट जॉइंट · फंक्शनल एंकल जॉइंट · इम्पोर्टेड फंक्शनल क्नी जॉइंट (आरटी) इम्पोर्टेड वर्टीब्रल कॉलम विथ स्टैंड	· इम्पोर्टेड ह्यूमन स्केलेटन कंप्लीट · फुल ह्यूमन स्केलेटन लूस बोन्स · स्टील मेज़रिंग टेप · स्टॉप वॉच डिजिटल · मेज़रिंग टेप · कोन्स · लैडर्स फॉर स्पीड एंड एजिलिटी ड्रिल · थेरा-बैंड्स · सिट-अप्स मैट्स · रेजिस्टेंस ट्रेनिंग लूप/बैंड · जिम बॉल्स · मेडिसिन बॉल्स · स्किपिंग रोप्स · एब्डोमिनल व्हील रोलर · चिन-अप बार · पुश-अप बार

पुरस्कार/ उपलब्धियाँ

छात्रों का नाम	अवधि	बैच	उपलब्धि	वर्ष
राहुल फगरिया	एम.एससी. खेल जैव रसायन	20-2018	पीटीआई, केवी सीकर	2022
सुभजीत चटर्जी	एम.एससी. खेल पोषण	22-2020	खेल पोषण विशेषज्ञ	2022
भास्करी लिखिता	एम.एससी. खेल पोषण	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
दिविक रंजन	एम.एससी. खेल पोषण	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
जीवनगे अनिरुद्ध	एम.एससी. खेल पोषण	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
प्रीति शर्मा	एम.एससी. खेल पोषण	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
अमशा गोदारा	एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
मधुरज्य दास	एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
शालिनी दत्ता	एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
मुहम्मद शाहल के	एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
नीलम चौधरी	एम.एससी. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी	22-2020	SAI में इंटर्नशिप	2022
हर्षिता टाक	पीएच.डी. खेल जैव विज्ञान	2021	सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार	2022
हर्षिता टाक	पीएच.डी. खेल जैव विज्ञान	2021	जेआरएफ पुरस्कार	2022
कानाराम कुमावत	पीएच.डी. खेल जैव विज्ञान	2022	जेआरएफ पुरस्कार	2022

खेल जैव यांत्रिकी विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. रजनीश चौबीसा

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय ने युवा मामले और खेल मंत्रालय (एम.वाई.ए.एस.) द्वारा वित्त पोषित खेल विज्ञान स्कूल एम.वाई.ए.एस के तहत खेल जैव यांत्रिकी विभाग शुरू किया है। यह विभाग उन छात्रों के लिए खेल जैव यांत्रिकी में एम.एससी. कार्यक्रम संचालित कर रहा है जो खेल बायोइंजीनियरिंग और खिलाड़ी/ एथलीट के यांत्रिक पहलुओं, शारिरिक क्रियाओं और मानव जीव विज्ञान में अपना कैरियर बनाने के लिए उत्साही और इच्छुक हैं। इस पाठ्यक्रम में अध्ययन के उस क्षेत्र को शामिल किया गया है जहां मानव शरीर की संरचना और कार्य के लिए यांत्रिक ज्ञान तथा प्रणाली को अपनाया जाता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. खेल जैव यांत्रिकी में एम.एससी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	पॉजिटिव साइकोलॉजी (एप्लाइड) ह्यूमन रिसोर्सेस/पर्सनेल साइकोलॉजी आई/ओ साइकोलॉजी (सोशलाइजेशन, मोटिवेशन, लीडरशिप इत्यादि) इंटरवेंशन्स रिसर्च (पीपीआई वेलनेस एन्हान्सिंग इंटरनेट इंटरवेंशन्स) ऑर्गनाइजेशनल डेवेलपमेंट (इम्प्लीमेंटेशन थ्योरी एप्रोच) हेल्थ एंड एमहेल्थ (डिज़ाइन एंड कंसेप्शन) हेल्थ साइकोलॉजी एंड वेलनेस प्रोमोशन (मेंटल हेल्थ) डिजिटल हेल्थ/वेल-बीइंग

खेल मनोविज्ञान विभाग

विभागाध्यक्ष: डॉ. रजनीश चौबीसा

खेल विज्ञान स्कूल के तहत खेल मनोविज्ञान विभाग ने 2020 से अपना शैक्षणिक सत्र शुरू किया। विभाग को युवा मामले और खेल मंत्रालय (एम.वाई.एएस.), भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। खेल मनोविज्ञान विभाग रचनात्मक प्रशिक्षण, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और अभ्यास पर ध्यान केंद्रित करता है जो खेल, स्वास्थ्य और युवाओं के विकास के लिए सबसे अधिक प्रासंगिक है। गहन सैद्धांतिक और व्यावहारिक व्यस्तताओं के माध्यम से, एथलीटों के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य और खेल

व्यवस्था और संगठनों से जुड़े प्रणालीगत मुद्दों के समाधान के लिए मनोवैज्ञानिक ज्ञान और कौशल का उपयोग करने हेतु छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग सकारात्मकता का सार, चुनौतियों पर जीत की भावना और समग्र कल्याण की सुविधा सुनिश्चित करने का प्रयास करता है जिससे कि छात्र सकारात्मक-मनोविज्ञान के अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों में सक्षम होकर खेल के क्षेत्र में कैरियर बना सकते हैं। विभाग का कार्य चार क्षेत्रों में होता है, पहला, उत्साही, कुशल खेल मनोवैज्ञानिक बनाने के आदर्श वाक्य के साथ शिक्षण। दूसरा, कक्षा शिक्षण, प्रयोगशाला और क्षेत्र-आधारित व्यावहारिक अनुभवों के माध्यम से सिद्धांत और व्यवहार का एकीकरण। तीसरा शोध है जिसमें खेल मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनुभवजन्य कार्य और साक्ष्य के आधार पर छात्रों के शोध प्रबंध शामिल हैं। चौथा क्षेत्र वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान कार्य करना है।

प्रस्तावित कार्यक्रम

1. खेल मनोविज्ञान में एम.ए./एम.एससी.
2. खेल मनोविज्ञान में पीएच.डी.

संकाय

नाम	पद का नाम	विशेषज्ञता का क्षेत्र
डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	पॉजिटिव साइकोलॉजी (एप्लाइड) ह्यूमन रिसोर्सेस/पर्सनेल साइकोलॉजी आई/ओ साइकोलॉजी (सोशलाइजेशन, मोटिवेशन, लीडरशिप इत्यादि) इंटरवेंशन्स रिसर्च (पीपीआई वेलनेस एन्हान्सिंग इंटरनेट इंटरवेंशन्स) ऑर्गनाइजेशनल डेवेलपमेंट (इम्प्लीमेंटेशन थ्योरी एप्रोच) हेल्थ एंड एमहेल्थ (डिज़ाइन एंड कंसेप्शन) हेल्थ साइकोलॉजी एंड वेलनेस प्रोमोशन (मेंटल हेल्थ) डिजिटल हेल्थ/वेल-बीइंग
डॉ. नीथू पी.एस.	सहायक आचार्य	एनवायरनमेंटल साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, मेंटल हेल्थ
डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर	सहायक आचार्य	स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, परफॉर्मेंस साइकोलॉजी, हेल्थ साइकोलॉजी, आर्गनाइजेशनल बिहेवियर

पुरस्कार /छात्र

छात्रों का नाम	अवधि	बैच	परीक्षा उत्तीर्ण	वर्ष
रहमत निषा के.	पीएच.डी. मनोविज्ञान	2022	नेट	2022

संकाय :अकादमिक प्रयास

आमंत्रित व्याख्यान/मुख्य वक्ता/सत्र की अध्यक्षता

वास्तुकला विभाग

नीरज गुप्ता

- "लर्निंग टू लर्न" : 5वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय (29 अगस्त 2022) आमंत्रित व्याख्यान।
- "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: शिक्षकों की बदलती भूमिका" में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 यूजीसी-एचआरडीसी, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला (9 सितंबर 2022), आमंत्रित व्याख्यान
- गुरु-दक्षता में "शिक्षण की एक विधि के रूप में कहानी सुनाना": 5वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय। (24 सितंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान।
- गुरु-दक्षता में "डिज़ाइनिंग स्टूडेंट - सेंट्रिक लर्निंग इवेंट": 5वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) " यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय। (24 सितंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान
- "एनईपी2020: एचईआई में अनुसंधान संस्कृति को विकसित करना" बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान पद्धति में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन) यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय। (17 सितंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान
- "लर्निंग टू लर्न" : 10वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय। (18 नवंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान
- गुरु-दक्षता में 'ब्लूम्स टैक्सोनॉमी पर आधारित डिजाइनिंग प्रश्न': 10वां संकाय प्रेरण कार्यक्रम (ऑनलाइन) यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय। (25 नवंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 यूजीसी-एचआरडीसी, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में 'एनईपी 2020: प्रौद्योगिकी उपयोग और एकीकरण'। (9 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

वास्तुविद रितु बी राय

- 9 नवंबर 2022 को एक राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में अप्पासाहेब बिरनाले कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर, सांगली के सहयोग से काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर की ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "द साइट-इट्स रेलेवेंस टू डिजाइन" में 'डिजाइन पर साइट का प्रतिबिंब: राजस्थान से सीख' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- 10 नवंबर 2022 को राष्ट्रीय स्तर के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा अप्पासाहेब बिरनाले कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर सांगली, महाराष्ट्र के सहयोग से वास्तुकला परिषद द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम "द साइट-इट्स रेलेवेंस टू डिजाइन" नामक डिज़ाइन के लिए साइट की प्रासंगिकता: केस स्टडी विषय पर एक व्याख्यान दिया। ।
- 25 नवंबर 2022 से 10 दिसंबर 2022 तक स्पर्श सेल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "महिलाओं के खिलाफ भेदभाव पखवाड़ा" में 8 दिसंबर 2022 को "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 27 दिसंबर 2022 को टोडाराय सिंह में अनंत नेशनल यूनिवर्सिटी के आर्किटेक्चर छात्रों के लिए "टोडारायसिंह की बावड़ियाँ" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

देवेश शर्मा

"चरम जलवायु सूचकांक", जल संसाधन विकास और प्रबंधन केंद्र, (सीडब्ल्यूआरडीएम), केरल में प्रशिक्षण कार्यशाला। (24 दिसंबर 2022)। ऑनलाइन व्याख्यान आमंत्रित

सुब्रत कुमार पांडा

"भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भयंकर तूफान और गर्म स्थानों पर बिजली गिरने की समझ और भविष्यवाणी", पीएएमसी - पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) की वायुमंडलीय विज्ञान बैठक (03 मार्च, 2023) आभासी माध्यम से।

चिन्मय मल्लिक

"वायु गुणवत्ता, एयरोसोल गठन और जलवायु पर हाइड्रोकार्बन ऑक्सीकरण के प्रभाव", एचएनबी गढ़वाल द्वारा 4-6 नवंबर, 2022 को 'एयरोसोल, वायु गुणवत्ता और जलवायु परिवर्तन (एएसी-2022)' पर 2 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित वार्ता केंद्रीय विश्वविद्यालय, उत्तराखंड।

जैव रसायन विभाग

प्रो. चंडी. सी मंडल

30 जनवरी 2023 को स्निपेट्स ऑफ लाइफ साइंसेज रिसर्च इन इंडिया में एक आमंत्रित भाषण दिया गया : दिल्ली विश्वविद्यालय-साउथ कैंपस के जैव रसायन विभाग के प्रो. देबी पी. सरकार का सम्मान करते हुए, "एक अज्ञात जिंक फिंगर प्रोटीन स्तन कैंसर में कोलेस्ट्रॉल और ठंडे तापमान के बीच संबंध को पाटता है।""

18-19 नवंबर, 2022 को जेएनयू, नई दिल्ली, भारत में ट्रांसलेशनल कीमोप्रिवेंशन और ब्रेनस्टॉर्मिंग के 16 वें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी में " कैंसर में एक अपरिचित ठंड से प्रेरित जिंक फिंगर प्रोटीन की ट्यूमरजेनिक क्षमता और इसकी रोकथाम की रणनीति" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

7-9 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत में न्यूट्रास्यूटिकल्स और क्रोनिक रोगों आईएनसीडी2022 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " कैंसर के विकास और मेटास्टेसिस की रोकथाम के लिए विकृत कोलेस्ट्रॉल चयापचय को लक्षित करने वाली एक नई दवा" विषय पर एक आमंत्रित भाषण दिया।

प्रो. संजीब कुमार पांडा

CEPLAS FRIDAY टॉक, फरवरी, 24, 2023 के लिए जर्मनी के हेनरिक हेन यूनिवर्सिटी में "एल्युमीनियम और लोहा के संदर्भ में अम्लीय मिट्टी में फसल पौधों के तनाव अनुकूलन" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

30 जून, 2023 को ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज, क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान में "अम्लीय मिट्टी में फसल के लचीलेपन को समझना" शीर्षक से एक आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम द्वारा 7-13 नवंबर, 2022 को आयोजित "प्लांट स्ट्रेस बायोलॉजी में उन्नत तकनीक" पर डीएसटी-एसटीयूटीआई कार्यशाला में "फसल तनाव लचीलेपन के लिए प्लांट फंक्शनल जीनोमिक्स" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

डॉ. हेमन्त कुमार दायमा,

"कृषि, भोजन और पर्यावरण के लिए नैनोमटेरियल्स: अनुप्रयोग, विषाक्तता और नियम", फाकुल्तास पर्टनियन यूनिवर्सिटीस, जंबी, इंडोनेशिया में (28 नवंबर 2022)। अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक व्याख्यान.

डॉ विश्वनाथ तिवारी

" मल्टीड्रग-प्रतिरोधी AdeABC इफ्लक्स पंप को लक्षित करना विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह (WAAW) 18-24 नवंबर 2022 की व्याख्यान श्रृंखला और जागरूकता गतिविधियों के दौरान एसिनेटोबैक्टर बाउमनी, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, गणेशखिंड, पुणे 411007, महाराष्ट्र, भारत, 22 नवंबर 2022 (* आमंत्रित वक्ता, राष्ट्रीय स्तर)।

वनस्पति विज्ञान विभाग, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय), कोनी, बिलासपुर - 495009 (छत्तीसगढ़), भारत द्वारा "विश्व रोगाणुरोधी जागरूकता सप्ताह 18-24 नवंबर 2022" पर रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर व्याख्यान श्रृंखला सह जागरूकता कार्यक्रम पर " एसिनेटोबैक्टर

बाउमानी के खिलाफ एंटीबायोटिक दवाओं की खोज में वर्तमान स्थिति और भविष्य की चुनौतियां" (* आमंत्रित वक्ता, राष्ट्रीय स्तर)। 21 नवंबर 2022 ।

" सिनर्जिस्टिक ट्रेनिंग प्रोग्राम यूटिलाइजिंग साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर (एसटीयूटीआई)" के तहत आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी में तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पर "प्रोटीन शुद्धि और लक्षण वर्णन के व्यावहारिक पहलू" , 13 अक्टूबर 2022, (*संसाधन व्यक्ति, राष्ट्रीय स्तर)

डॉ. भावना बिस्सा

04-02-2023 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित एफडीपी कार्यक्रम गुरु दक्ष: 6 वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम में "शोध प्रस्ताव लेखन" पर एक व्याख्यान दिया।

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

चंदन कुमार

"कम बिजली पहनने योग्य सेंसर के लिए ऊर्जा संचयन", ऋषिकेश में बायोमटेरियल्स और हेल्थकेयर पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बायोहील 2023)। (13 - 16 अप्रैल 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

संदीप चौधरी

"पैरों की गुणवत्ता की निगरानी के लिए बायोकम्पैटिबल फ्लोरेसेंट बायोसेंसर", ऋषिकेश में बायोमटेरियल्स और हेल्थकेयर पर चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बायोहील 2023)। (13 - 16 अप्रैल 2023) आमंत्रित व्याख्यान ।

रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. अनुज के. शर्मा

"अल्जाइमर रोग में चिकित्सीय अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन की गई बहुकार्यात्मक अकार्बनिक प्रणालियाँ " बी.एच.यू वाराणसी द्वारा आयोजित अकार्बनिक रसायन विज्ञान में XIX आधुनिक रुझान में, (15-17, दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. ईश्वर एस.

" एमबीएच केटोन्स से हेटेरोसायक्लिक स्कैफोल्ड्स: विविधता और साज़िश " जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आरएसीएस-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (10-11, नवंबर, 2022) में आमंत्रित व्याख्यान ।

प्रोफेसर डीके बनर्जी मेमोरियल लेक्चर अवार्ड प्राप्त करने के लिए आईआईएससी बैंगलोर में "एमबीएच केटोन्स में रिएक्टिविटी पैटर्न: विविधता और साज़िश" (21 अप्रैल 2023) आमंत्रित व्याख्यान ।

डॉ. हेमन्त जोशी

" साइट-चयनात्मक कार्बनिक परिवर्तनों के लिए आणविक रोटर्स " 27 वें में बीआईटी मेसरा द्वारा आयोजित आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-2022) , (16-19 नवंबर, 2022) आमंत्रित व्याख्यान ।

अमेरिकन केमिकल सोसाइटी यूएसए जर्नल ऑर्गेनोमेटैलिक्स (28 नवंबर 2022) द्वारा वर्चुअल इंटरेक्शन द्वारा आयोजित ऑर्गेनोमेटेलिक केमिस्ट्री के रुझानों में 2-एरिलिमिडाज़ो [1,2-ए] पाइरिडाइन के रिवर्स रेजियोसेलेक्टिव एनुलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में ऑर्गेनोसेलेनियम लिगैंड का ट्रांस-पैलेडियम डाइक्लोराइड कॉम्प्लेक्स" आमंत्रित व्याख्यान।

डॉ. एम. भानुचंद्र

" कार्बनिक संश्लेषण में सल्फर यौगिकों का रसायन विज्ञान " राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान - संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस (FCASI-2023) में फ्रंटियर्स में (20-21 अप्रैल 2023) आमंत्रित व्याख्यान ।

डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम

IACS, कोलकाता (2-3 दिसंबर 2022) द्वारा कंप्यूटर पर डिजाइनिंग उत्प्रेरक (DCC-2022) में "सहसंयोजक युग्मित पेंटासीन डिमर्स में इंट्रामोल्युलर सिंगलेट विखंडन का क्वांटम डायनामिकल सिमुलेशन"। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. रीतेश सिंह

आईआईटी रूड़की द्वारा आयोजित ऑर्गेनिक सिंथेसिस (सीएफओएस-2022) में समकालीन पहलुओं में " जैविक रूप से प्रासंगिक एन-स्कैफोल्ड्स तक पहुंचने के लिए एक लिंचपिन के रूप में एजा-ऑक्सीएलिल केशन"। (1-4 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

राजस्थान विश्वविद्यालय (20-21 अप्रैल 2023) द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान - संबद्ध विज्ञान इंटरफेस (एफसीएएसआई-2023) में फ्रंटियर्स में "जैविक रूप से प्रासंगिक एन-स्कैफोल्ड्स तक पहुंचने के लिए एज़ा-ऑक्सीएलिल केशन का उपयोग करना"। आमंत्रित व्याख्यान

वाणिज्य विभाग

प्रो. प्रवीण साहू

- बीवीएम कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट एजुकेशन, ग्वालियर में "संगठनात्मक जिम्मेदारी और जवाबदेही: एक नैतिक चुनौती" पर 10 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में रिसोर्स पर्सन (25-26 फरवरी 2023)।
- वाणिज्य विभाग, शासकीय पीजी कॉलेज श्योपुर, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित "भारत में स्टार्टअप: अवसर और चुनौतियाँ" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता (10 फरवरी 2023)।
- शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय श्योपुर, ग्वालियर द्वारा "आपदा प्रबंधन एवं आधुनिक संचार माध्यम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता (31 अगस्त 2022)।
- शासकीय महाविद्यालय भितरवार, ग्वालियर द्वारा "आपदा प्रबंधन एवं आधुनिक संचार माध्यम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता (28 अगस्त 2022)।

डॉ. नेहा सेठ

- 25 *अप्रैल*, 2023 *को आईओटी अकादमी*, *तमिलनाडु द्वारा आयोजित एचईआई में गुणवत्ता शिक्षण पर संकाय विकास कार्यक्रम में* **"***कक्षा में शिक्षार्थी का मनोविज्ञान*" (*संसाधन व्यक्ति*)।
- "*प्रभावी पीएच.डी. कैसे लिखें?*" 17 *फरवरी*, 2023 *को आईओटी अकादमी*, *तमिलनाडु द्वारा आयोजित अनुसंधान पद्धति पर संकाय विकास कार्यक्रम में थीसिस*" (*आमंत्रित व्याख्यान*)।
- 23 *अगस्त*, 2022 *को आईओटी अकादमी*, *तमिलनाडु द्वारा अनुसंधान पद्धति की मूल बातें पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम में* **"***साहित्य की समीक्षा***"** (*आमंत्रित व्याख्यान*)।
- *"लेखन की कला पीएच.डी.* 07 *जुलाई*, 2022 *को आईओटी अकादमी*, *तमिलनाडु द्वारा आयोजित अनुसंधान और वित्त पोषण के अवसरों की मूल बातें पर संकाय विकास कार्यक्रम में निबंध "*(*आमंत्रित व्याख्यान*)।

डॉ. संजय कुमार पटेल

- "एक्शन 2023 में उद्यमी" अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (16 फरवरी, 2023): मुख्य वक्ता।
- "अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला" पं. मोहनलाल एसडी कॉलेज फॉर विमेन, गुरुदासपुर, पंजाब (28 जनवरी, 2023): मुख्य वक्ता।

डॉ. प्रियंका भास्कर

- श्री बालाजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर द्वारा हाइब्रिड मोड में "समग्र विकास" एफडीपी का आयोजन (12-15 मई 2023)। मुख्य अतिथि सह रिसोर्स पर्सन.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

ममता रानी

"इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न पहचान में गहन शिक्षण" पर दो सप्ताह की एफडीपी, (13 - 22 मार्च, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

पवन सिंह

वारसॉ मैनेजमेंट यूनिवर्सिटी, पोलैंड द्वारा "एडवांस्ड कम्युनिकेशन एंड इंटेलिजेंट सिस्टम्स (ICACIS) पर 2023 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" आयोजित किया गया। (16 जून - 17 जून 2023)। सत्र अध्यक्ष (ऑनलाइन)

"2023 आईईईई आईएएस ग्लोबल कॉन्फ्रेंस ऑन इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज (ग्लोबकोनेट)" का आयोजन लॉफबोरो यूनिवर्सिटी, लंदन, यूके में किया गया। (19 वीं -21 मई , 2023)। सत्र अध्यक्ष (ऑनलाइन मोड)

कृष्ण कुमार मोहबे

गुजरांवाला गुरु नानक खालसा कॉलेज, लुधियाना में "बिग डेटा: यह क्या है और यह क्यों मायने रखता है?" विषय पर वेबिनार। (10 अप्रैल 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

निष्ठा केसवानी

प्री-पीएचडी में "शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन संसाधन"। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर में पाठ्यक्रम कार्यशाला। (21 अक्टूबर 2022)। आमंत्रित वार्ता

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, जयपुर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम में "नेतृत्व और टीम निर्माण"। (18 अगस्त 2022)। आमंत्रित वार्ता

यूरोप के माल्टा विश्वविद्यालय द्वारा सूचना प्रणाली और प्रबंधन विज्ञान (आईएसएमएस 2022) पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। (24 नवंबर 2022)। सत्र की अध्यक्षता की.

रवि राज चौधरी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल में कार्यशाला में "तनाव प्रबंधन और मुकाबला करने के लिए खेल और मनोविज्ञान"। (21 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"भारत सरकार में में स्टार्टअप: संभावनाएँ और चुनौतियाँ"। पीजी कॉलेज श्योपुर, मध्य प्रदेश। (10 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

गौरव मीना

"विभिन्न ट्रांसफर लर्निंग मॉडल का उपयोग करके छवियों पर भावना विश्लेषण", कंप्यूटर साइंस स्कूल, पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून (उत्तराखंड), भारत में मशीन लर्निंग और डेटा इंजीनियरिंग (आईसीएमएलडीई-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (7-8 सितंबर 2022) । आमंत्रित व्याख्यान

"इंटरनेट ऑफ थिंग्स: प्रोटोकॉल, एप्लिकेशन और सुरक्षा मुद्दे", आरवीएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, भारत में इनोवेटिव डेटा कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजीज और एप्लिकेशन (आईसीआईडीसीए 2022) पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (3-4 नवंबर 2022) । आमंत्रित व्याख्यान

अजय इंडियन

अंबालिका इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ (भारत) में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी में उभरती तकनीकी जानकारी पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम - (ईटीआईसीएसई-2022) (21 तारीख - 26 फरवरी 2022) के दौरान। । आमंत्रित वक्ता

" सीएनएन और इमेज प्रोसेसिंग में इसके अनुप्रयोग " एसआरएमएससीईटी, बरेली । (12 अप्रैल 2022)। आमंत्रित वक्ता

"डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग", आरबीएमआई, बरेली । (5 दिसंबर 2022) . आमंत्रित वक्ता

"साइबर सुरक्षा और गहन शिक्षण अनुप्रयोग" पाँच दिवसीय साइबर सुरक्षा पर एफडीपी का आयोजन इंजीनियरिंग कॉलेज, रूड़की, भारत के तत्वाधान में उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (USERC), देहरादून, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तराखंड सरकार। (6 - 10 फरवरी 2023)। आमंत्रित वक्ता

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

गौरव सोमानी

"क्लाउड कंप्यूटिंग के बुनियादी सिद्धांत", एक व्याख्यान श्रृंखला, स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, अहमदाबाद विश्वविद्यालय (24 अगस्त - 7 सितंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

प्रकाश चौधरी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न पहचान में गहन शिक्षण" पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में "ज़ीरो शॉट लर्निंग का उपयोग करके छवि एनोटेशन" (13 – 22 मार्च 2023) . आमंत्रित वार्ता

बसंत अग्रवाल

"बुद्धिमान कंप्यूटिंग और अनुप्रयोगों में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (AICAPS-2023), कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग, कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कोच्चि केरल भारत द्वारा आयोजित किया गया। (फरवरी 1-3, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की

"अनुक्रमिक सीखने के लिए आवर्ती तंत्रिका नेटवर्क", आमंत्रित वार्ता, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "इमेज प्रोसेसिंग और पैटर्न पहचान में गहन शिक्षण" पर दो सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (13 - 22 मार्च 2023) । आमंत्रित व्याख्यान

स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज इंदौर द्वारा आयोजित "उच्च प्रभाव पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित करना" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम में "प्रायोजित अनुसंधान अनुदान के लिए प्रस्ताव कैसे लिखें"। (10-11 फरवरी 2023) . आमंत्रित व्याख्यान.

तरूण कुमार

"बिटकॉइन के माध्यम से ब्लॉकचेन का एक कार्यान्वयन परिप्रेक्ष्य", शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय (3 सितंबर 2022) । आमंत्रित व्याख्यान

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव

मिजोरम विश्वविद्यालय (15-16 मई, 2023) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार "सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता" में "उत्तर पूर्व क्षेत्र में मीडिया के माध्यम से सांस्कृतिक आदान-प्रदान"। सत्र की अध्यक्षता (ऑनलाइन)

डॉ. अनूप कुमार

"गुणात्मक अनुसंधान में दृष्टिकोण: नृवंशविज्ञान, फेनोमेनोलॉजी, ग्राउंडेड थ्योरी, केस स्टडी और नैरेटिव दृष्टिकोण", सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला। (9 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"डेटा संग्रह के तरीके: गहन साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा और प्रतिभागी अवलोकन", सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला। (9 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. नीरू प्रसाद

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल में पीएचडी स्कॉलर के लिए "अवलोकन, खोजपूर्ण, वर्णनात्मक और व्याख्यात्मक अनुसंधान में डिजाइन", अनुसंधान पद्धति कार्यशाला। (19 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. निकोलस लाकड़ा

"अनुसंधान और अनुसंधान प्रतिमान के आयाम", पीएच.डी. के लिए अनुसंधान पद्धति कार्यशाला। सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के विद्वान। (13 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक

लिंग संवेदीकरण, यूजीसी-एचआरडीसी, रांची विश्वविद्यालय, झारखंड (18 मार्च, 2023) में एक ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में "लिंग, कामुकता और मीडिया"। आमंत्रित व्याख्यान

इंडियन डिसेबिलिटी स्टडीज कलेक्टिव और अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'डिसेबिलिटी एंड द एवरीडे: इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सिनेमा में विकलांगता से पूछताछ" (8 - 10 फरवरी 2023) सत्र की अध्यक्षता की।

स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान (10 जनवरी, 2023) द्वारा आयोजित चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में "गुणात्मक जांच का सिद्धांत और वैचारिक ढांचा"। आमंत्रित व्याख्यान

सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित चौथी शोध पद्धति कार्यशाला में "साहित्य की व्यवस्थित समीक्षा" (19 दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

आंकड़ा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

डॉ. विद्योत्तमा जैन

"प्रधान घटक विश्लेषण के पीछे गणित", डेटा विज्ञान के परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, वीआईटी चेन्नई, भारत (5 जून 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"5जी नेटवर्क में एनबी-आईओटी उपकरणों के लिए पावर कुशल मॉडल: एक सेमी-मार्कोव दृष्टिकोण", एप्लाइड गणित और कंप्यूटिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमसी 2023), द्वारका डॉस गोवर्धन डॉस वैष्णव कॉलेज, चेन्नई, भारत (28 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"5G नेटवर्क में NB-IoT उपकरणों की पावर दक्षता के लिए सेमी-मार्कोव मॉडलिंग", एप्लाइड गणित में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICRTAM2023), लोयोला कॉलेज, चेन्नई, भारत, (25 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"5जी वायरलेस नेटवर्क में प्रदर्शन वृद्धि के लिए स्टोकेस्टिक मॉडलिंग", एप्लाइड गणितीय मॉडल पर पांचवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी, कोयंबटूर, भारत, (06 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"एमएपी/पीएच[3]/1 रीट्रियल क्यूइंग मॉडल का उपयोग करके एक बंधे हुए उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म में पावर प्रबंधन का विश्लेषण", वितरित कंप्यूटर और संचार नेटवर्क पर 25वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डीसीसीएन 2022), पीपुल्स फ्रेंडशिप यूनिवर्सिटी ऑफ रशिया (आरयूडीएन यूनिवर्सिटी), मॉस्को, रूस, (27 सितंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. निष्ठा केसवानी

प्री-पीएचडी में "शोधकर्ताओं के लिए ऑनलाइन संसाधन"। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, जयपुर में पाठ्यक्रम कार्यशाला (21 अक्टूबर 2022)। आमंत्रित वार्ता

(18 अगस्त 2022) को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, जयपुर में ओरिएंटेशन कार्यक्रम में "नेतृत्व और टीम निर्माण"। आमंत्रित वार्ता

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

डॉल्फ़िन स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, आसींद, भीलवाड़ा द्वारा दो दिवसीय (14-15 अप्रैल, 2023) अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन आयोजित "अभिभावक एवं विद्यालय संघ" (14 अप्रैल 2023)। आमंत्रित वार्ता

श्री आर.के. पाटनी गर्ल्स कॉलेज, किशनगढ़ (15-16, मार्च) द्वारा अनुसंधान पद्धति पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में "अनुसंधान के मूल सिद्धांत"। संसाधन व्याख्यान

"21वीं सदी की शिक्षाशास्त्र: नवोन्मेषी शिक्षाशास्त्र (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020)" दो दिवसीय (8-9 फरवरी, 2023) श्री अग्रसेन पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जामडोली, जयपुर द्वारा शिक्षाशास्त्र, नवाचार और शिक्षा: वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (9 फरवरी 2023)। संसाधन व्याख्यान

यूजीसी-एचआरडीसी, बर्दवान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित द्वितीय संकाय प्रेरण कार्यक्रम [AY 2022-2023] (25.08.2022 से 23.09.2022) में "योग्यता-आधारित मूल्यांकन"। (6 सितंबर 2022) संसाधन व्याख्यान

"सूक्ष्म शिक्षण कौशल और सिम्युलेटेड शिक्षण" ने बी.एड. के व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम में तेरह संसाधन व्याख्यान दिए। प्रथम वर्ष (एमएलएसएम समूह) इंटरनेशनल सेंटर ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन एंड ओपन लर्निंग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (25/11/2022 से 14/12/2022) द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया। संसाधन व्याख्यान

नरेंद्र कुमार

हेडवे कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, लावर, मेरठ (12 दिसंबर, 2022) में 'कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श' पर दो दिवसीय कार्यशाला में "कैरियर की तैयारी के लिए स्वयं की समझ"। आमंत्रित व्याख्यान

हेडवे कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, लावर, मेरठ (12 दिसंबर, 2022) में 'कैरियर मार्गदर्शन और परामर्श' पर दो दिवसीय कार्यशाला में "कैरियर विकल्प खोजने के लिए काम की दुनिया को जानना"। आमंत्रित व्याख्यान

गोबिंद सिंह

"ग्रोथ माइंड पेडागॉजी: सक्सेस ओरिएंटेड अप्रोच टू एजुकेशन", एक संसाधन व्यक्ति के रूप में यूजीसी-एचआरडीसी, केयूके द्वारा शिक्षा विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र , हरियाणा, भारत के सहयोग से आयोजित गुरुदक्षता-संकाय प्रेरण कार्यक्रम (27 दिसंबर 2022) आमंत्रित वार्ता

संगीता यदुवंशी

"संज्ञानात्मक क्षमताओं को बढ़ाने के लिए विज्ञान कक्षा में सहकारी शिक्षण: एक प्रायोगिक अध्ययन।" स्कूल ऑफ एनर्जी मटेरियल (SEM) महात्मागांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, भारत (10-12 फरवरी 2023) द्वारा आयोजित परिणाम-आधारित शिक्षा (OBE-2023) पर केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन।

स्कूल ऑफ एनर्जी मटेरियल (एसईएम) महात्मा गांधी यूनिवर्सिटी, कोट्टायम, केरल, भारत द्वारा आयोजित "परिणाम-आधारित शिक्षा (ओबीई-2023)" (10-12 फरवरी 2023)। सत्र की अध्यक्षता की

रीना गोदारा

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020: एक परिचय/अवलोकन, नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर में टीजीटी विज्ञान के लिए प्रेरण कार्यक्रम, (04/07/2022)। आमंत्रित व्याख्यान

"कक्षा शिक्षण के एकीकरण के साथ 21 वीं सदी के कौशल", नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर में टीजीटी विज्ञान के लिए प्रेरण कार्यक्रम (05/07/2022)। आमंत्रित व्याख्यान

"एनईपी-2020: नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर (12/10/2022) में नव भर्ती टीजीटी हिंदी शिक्षकों के लिए एक अवलोकन, प्रेरण कार्यक्रम। आमंत्रित व्याख्यान "कक्षा शिक्षण के साथ 21वीं सदी के कौशल का एकीकरण", नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर में नव नियुक्त टीजीटी हिंदी शिक्षकों के लिए प्रेरण कार्यक्रम, (12/10/2022)। आमंत्रित व्याख्यान

"एनईपी-2020 स्कूलों में शिक्षाशास्त्र: समग्र, एकीकृत, मनोरंजक और व्यावहारिक" नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर (16/11/2022) में टीजीटी हिंदी के लिए अनुभवात्मक शिक्षण" प्रशिक्षण कार्यक्रम। आमंत्रित व्याख्यान

"महिला नेतृत्व", उमा शिक्षणशास्त्र महाविद्यालय में महिला नेतृत्व पर राष्ट्रीय स्तर का वेबिनार, (03/01/2023)। आमंत्रित व्याख्यान,

राष्ट्रीय सेमिनार में "मूल्यांकन प्रथाएँ" विषय पर: शिक्षक शिक्षा का आशाजनक चेहरा: परिप्रेक्ष्य और amp; प्रैक्टिस, शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, (08/02/2023)। सत्र की अध्यक्षता की

टी.संगीता

"2047 में शिक्षक शिक्षा के हालिया रुझान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य, आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और साल्ट क्रिश्चियन कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन में दीमापुर, नागालैंड में "शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक-एनईपी2020 पैरा:5.20 का कार्यान्वयन" शीर्षक से प्रस्तुति (ऑनलाइन) दी गई। (4-5 अगस्त 2022) रिसोर्स पर्सन

"उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार-आईसीआईआरएचई-2022" अलगप्पा विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कराईकुडी, तमिलनाडु, भारत द्वारा "शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय व्यावसायिक मानक: एनईपी2020 का कार्यान्वयन" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (26 नवंबर 2022) को आयोजित किया गया।) अतिथि वक्ता..

"उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार" विषय पर वैश्विक मानकों की दिशा में भारतीय उच्च शिक्षा में सुधार और परिवर्तन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, VEL'S इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, VISTAS, शिक्षा विभाग, पल्लावरम, चेन्नई 600117 द्वारा आयोजित किया गया। (25 जनवरी 2023) मुख्य वक्ता।

गणतंत्र दिवस (26जनवरी 2023) पर मुख्य वक्ता मद्रास विश्वविद्यालय से संबद्ध "ओम शांति आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज"।

एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ बिहेवियरल एंड अलाइड साइंसेज एमिटी यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश सेक्टर -125, नोएडा उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित "भावी शिक्षकों के बीच रोजगार और उद्यमशीलता कौशल की खेती" मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम। आयोजित (27 अप्रैल 2023) रिसोर्स पर्सन

"नासामुक्त भारत अभियान: भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के संयोजन में रोकथाम उपचार और पुनर्वास" राष्ट्रव्यापी नशामुक्त भारत अभियान के एक भाग के रूप में "आजादी का अमृत महोत्सव (अकाम)" थीम: व्यसनों को त्यागें, स्वयं के भीतर, समाज के साथ सद्भाव के लिए जुनून रखें। (04 अगस्त-2022) पैनलिस्ट पर एक पैनल चर्चा

सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास पर विषयगत चर्चा के लिए "विकलांगता और समावेशन"। (17 मार्च 2023) एक सत्र का आयोजन किया गया।

सीमा गोपीनाथ

काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन फाउंडेशन श्री अयप्पा कॉलेज फॉर वुमेन और श्रीअयप्पा रिसर्च फोरम द्वारा आयोजित 'इको-साइकोलॉजी: ए सिल्वर लाइन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट' पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रकृति के साथ सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए हरित जीवन" (14-15 अक्टूबर)। आमंत्रित व्याख्यान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल द्वारा पीएचडी विद्वानों के लिए आयोजित चार सप्ताह की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में "अनुसंधान में सैद्धांतिक दृष्टिकोण" (12 दिसंबर 2022- 23 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

तमिलनाडु टीचर्स एजुकेशन यूनिवर्सिटी और डॉ. एमजीआर एजुकेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट, फैकल्टी ऑफ एजुकेशन एंड एकेडमिक स्टाफ कॉलेज, चेन्नई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित परिणाम आधारित शिक्षा पर पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में "सीओ, पीईओ से पीओ की मैपिंग" (05-06-) 2023 से 09-06-2023)। आमंत्रित व्याख्यान

कनक शर्मा

सीबीएसई, सीओई, अजमेर (13 जुलाई, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "शिक्षण और सीखने की शैलियाँ"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर (21 जुलाई, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "पाठ योजना के घटक"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, अजमेर (25 जुलाई, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "मल्टीपल इंटेलिजेंस को समझना"। आमंत्रित व्याख्यान

यूजीसी, एचआरडीसी, सागर यूनिवर्सिटी, एमपी द्वारा आयोजित 10वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम (15 जुलाई से 12 अगस्त, 2022) के लिए "गूगल क्लासरूम का उपयोग करना" (ऑनलाइन मोड में 25 जुलाई, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "कक्षा प्रबंधन" (27 जुलाई, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर (06 अगस्त, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "विज्ञान में शिक्षण रणनीतियाँ (माध्यमिक स्तर)"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, अजमेर (08 अगस्त, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "पाठ योजना के आवश्यक घटक"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, अजमेर (12 अगस्त, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "विज्ञान में शिक्षण रणनीतियाँ (माध्यमिक स्तर)"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर (17 अगस्त, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "मिश्रित शिक्षण का अभ्यास"। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "कक्षा प्रबंधन" (02 सितंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

सीबीएसई, सीओई, भुवनेश्वर (10 अक्टूबर, 2022) द्वारा आयोजित सीबीएसई ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में "मल्टीपल इंटेलिजेंस को समझना"। आमंत्रित व्याख्यान

यूजीसी, एचआरडीसी, सागर यूनिवर्सिटी, एमपी द्वारा आयोजित 12वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम (10 नवंबर-7 दिसंबर, 2022) के लिए "इन्सर्ट लर्निंग का उपयोग करके इंटरैक्टिव पाठ बनाना" (ऑनलाइन मोड में 18 नवंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

शिक्षा विभाग, सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात द्वारा आयोजित "शिक्षा में मूल्यांकन और मूल्यांकन" (ऑनलाइन मोड में 17 दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

भारत डिजिटल अकादमी, अलीगढ़ द्वारा शिक्षा और अनुसंधान के लिए आईसीटी उपकरण और तकनीकों पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला (6 फरवरी, 2023 से 10 फरवरी, 2023) के लिए "ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज" (ऑनलाइन मोड में 10 फरवरी, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

एससीईआरटी, बिहार द्वारा प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, मोकामा, पटना, बिहार में आयोजित पांच दिवसीय शिक्षक प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम (8वें बैच) के लिए "विभिन्न आईसीटी उपकरणों का परिचय और अनुप्रयोग" (02 मार्च, 2023 को ऑनलाइन मोड में)। आमंत्रित व्याख्यान

भारत डिजिटल अकादमी, अलीगढ़ द्वारा प्रभावी शिक्षण कौशल (10 अप्रैल, 2023 से 14 अप्रैल, 2023) पर एक सप्ताह के शिक्षक प्रशिक्षण के लिए "कक्षा प्रबंधन कौशल" (12 अप्रैल, 2023 को ऑनलाइन मोड में)। आमंत्रित व्याख्यान

शिक्षाशास्त्र में नवीन रुझानों पर पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के लिए "पूछताछ-आधारित शिक्षा: अनुभवात्मक शिक्षा का एक केंद्रित दृष्टिकोण": उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुभवात्मक शिक्षा (8 मई, 2023 से 12 मई, 2023) शिक्षा संकाय, एसजीटी द्वारा आयोजित विश्वविद्यालय, गुरुग्राम (ऑनलाइन मोड में 09 मई,2023)। आमंत्रित व्याख्यान

उड़ान एजुकेशनल सर्विसेज, गाजियाबाद द्वारा अनुसंधान पद्धति पर (04 जून 2023 से 13 जून 2023 तक) आयोजित 10 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में "जनसंख्या और नमूनाकरण" (ऑनलाइन मोड में 08 जून,2023)। आमंत्रित व्याख्यान

स्ट्राइड, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "स्व-विनियमित शिक्षण की सुविधा के लिए शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों के विभिन्न घटकों में ओईआर और ओईपी का एकीकरण" (ऑनलाइन मोड में 24 जून, 2023)। फोकस समूह चर्चा में विशेषज्ञ

नित्यप्रेम एसआर

"अनुसंधान के तरीके और उपकरण", गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, थायाकाडु , तिरुवनंतपुरम द्वारा आयोजित अनुसंधान अभिविन्यास कार्यक्रम (16/6/2023) - आमंत्रित वार्ता

" आईटीईपी: मुद्दे और चुनौतियां", हाइट्स-केरल यूनिवर्सिटी रिसर्चर्स फेस्ट 2023 का आयोजन केरल विश्वविद्यालय (एनएएसी ए++) द्वारा करियावट्टोम परिसर में 19-22 जून,2023 तक शिक्षा विभाग-आमंत्रित वार्ता के संबंध में किया गया।

अंग्रेजी विभाग

संजय अरोड़ा

एनसीईआरटी कार्यशाला, नई दिल्ली (23-25 अगस्त, 2022) में "एनईपी 2020 (अंग्रेजी) के अनुसार मूलभूत और प्रारंभिक चरणों में पाठ्यक्रम का विकास"। संसाधन व्यक्ति।

इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एजुकेशनल लीडरशिप और एमआईटी एडीटी यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित "ईएलटी समिट 2022", (27-28 अगस्त, 2022)। सत्र की अध्यक्षता की.

चिल्ड्रेन्स यूनिवर्सिटी, गांधीनगर द्वारा आयोजित कार्यशाला "एनईपी 2020 (अंग्रेजी) के अनुसार बुनियादी स्तर पर पाठ्यक्रम का विकास"। (14-16 सितंबर, 2022)। संसाधन व्यक्ति।

ELT@I अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सुबोध कॉलेज, जयपुर द्वारा आयोजित (7 अक्टूबर, 2022)। सत्र की अध्यक्षता की.

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा "साहित्य और सिनेमा के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता" संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। (10-16 अक्टूबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी, 2023)। पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

बिट्स, पिलानी द्वारा आयोजित वेबिनार "सार्वजनिक भाषण में सामंजस्य और सुसंगतता की भूमिका"। (28 अप्रैल, 2023)। संसाधन व्यक्ति।

भूमिका शर्मा

"प्यार पर बातचीत, नफरत का मुकाबला: विश्व साहित्य में प्यार की खोज", राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश के XIX वार्षिक सम्मेलन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (21 नवंबर, 2022)। पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।

“प्रथम विश्व युद्ध: आधुनिकतावाद; एंड टाइम बाइंडिंग”, राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (27-28 जनवरी, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

केएलई सोसाइटी के साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज, नवी मुंबई द्वारा आयोजित "डिजिटल युग में अंग्रेजी भाषा और साहित्य को पढ़ाने और सीखने के बदलते आयाम"। (17 फरवरी, 2023)। मुख्य वक्ता।

नेहा अरोरा

"भाषा, साहित्य और मानविकी", केप कोमोरिन ट्रस्ट के सहयोग से सेंट जॉन्स कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कन्याकुमारी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (21 अगस्त, 2022)। सत्र की अध्यक्षता की.

"भारतीय अंग्रेजी साहित्य में दलित आवाज़ें", डीपी भोसले कॉलेज, कोरेगांव द्वारा ELT@I, सतारा चैप्टर के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। (3 दिसंबर, 2022)। पूर्ण सत्र में संसाधन व्यक्ति।

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

सामाजिक कार्य विभाग, सीयूराज द्वारा आयोजित संगोष्ठी "विकलांगता और समावेशन: आगे का रास्ता" में 'समावेशी शिक्षा'। (17 मार्च, 2023)। सत्र के मॉडरेटर/सुविधाकर्ता।

देवेन्द्र रांकावत

"प्यार पर बातचीत, नफरत का मुकाबला: विश्व साहित्य में प्यार की खोज", राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश के XIX वार्षिक सम्मेलन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (21 नवंबर 2022)। एक सत्र की अध्यक्षता की.

"प्यार पर बातचीत, नफरत का मुकाबला: विश्व साहित्य में प्यार की खोज", राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश के XIX वार्षिक सम्मेलन द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (21 नवंबर 2022)। पूर्ण व्याख्यान दिया।

इंडियन सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर आईस्पेल राजस्थान फोरम (31 अगस्त 2022) में "रचनात्मक लेखन की गतिशीलता"। मुख्य भाषण दिया गया।

वेद प्रकाश

स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी, राजस्थान में "कला और साहित्य के माध्यम से विरोध"। (24 नवंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

सविता अंडेलवार

सीयूराज_आडीएससी "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (8-10 फरवरी, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

पर्यावरण विज्ञान विभाग

प्रो. राजेश कुमार

" विज्ञान और पर्यावरण शिक्षा का विकास", " स्कूल शिक्षा कार्यक्रम को मजबूत करने और पर्यावरण जागरूकता पैदा करने के लिए स्कूली बच्चों को संवेदनशील बनाने के लिए विज्ञान, गणित और पर्यावरण शिक्षा थीम पार्क का विकास - प्रकृति मेला", एनसीईआरटी आरआईई, अजमेर। (09-11 फरवरी 2023)। संसाधन व्यक्ति

"छात्रों के भविष्य को आकार देने में शिक्षक की भूमिका", राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल के शिक्षकों के लिए 'शिक्षकों का सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम" राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, अजमेर में आयोजित किया गया। (19-24 जून 2023)। मुख्य अतिथि

प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा

"अरावली: भारत की प्राकृतिक हरित दीवार ", पर्यावरण संरक्षण के लिए सतत विकास लक्ष्यों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (Icsdgec-2023), राज ऋषि सरकार। ऑटोनॉमस कॉलेज, अलवर-301001, राजस्थान, भारत। (12 जुलाई, 2023)। मुख्य वक्ता

" पर्यावरण और भारतीय विचार ", विषय : भारतीय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञान परंपरा : इतिहास , वर्तमान और भविष्य ", मोतीलाल नेहरू कॉलेज (दिल्ली) विश्वविद्यालय) . (24 अप्रैल, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"आपदा प्रबंधन की अवधारणा और जंगल की आग की निगरानी और वायु प्रदूषण में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग", आपदा प्रबंधन सहायता पर राष्ट्रीय वेबिनार, पंजाब रिमोट सेंसिंग, इसरो। (27 मार्च, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. प्रमोद एन कांबले

"नई शिक्षा नीति 2020 और सतत विकास लक्ष्य 2030" में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला: बहुविषयक शिक्षा (16-17 फरवरी 2023) I संसाधन व्यक्ति

डॉ. गरिमा कौशिक

रसायन विज्ञान विभाग, बुनियादी विज्ञान संस्थान, डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में भारतीय रसायनज्ञ सामग्री, स्वास्थ्य और पर्यावरण विज्ञान परिषद के 41 वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में " माइक्रोकॉकस एलोवेरा द्वारा मैलाथियान के बायोरेमेडिएशन के लिए एक बायोप्रोसेस का डिजाइन और अनुकूलन " (27-29, दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

एसआरके गवर्नमेंट कॉलेज, राजसमंद, राजस्थान में पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फार्मास्युटिकल यौगिकों के जैव निम्नीकरण के लिए एक संकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता दृष्टिकोण", (16-17, दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

वीं विश्व कांग्रेस" (14 दिसंबर, 2022) में "खाद्य ग्रेड प्लास्टिक में बिस्फेनॉल ए की एकाग्रता और विषाक्तता और बैक्टीरिया द्वारा इसके क्षरण का मूल्यांकन"। आमंत्रित व्याख्यान.

डॉ. ऋतु सिंह

" पर्यावरण उपचार में नैनो प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग", संदीप विश्वविद्यालय, नासिक, महाराष्ट्र के सहयोग से द सोसाइटी फॉर ग्रीन एनवायरनमेंट, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित अपशिष्ट उपचार, पुन: उपयोग और मूल्यांकन में वर्तमान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (25-27 फरवरी 2021)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. शैलेश के पाटीदार

"बायोलॉजिक्ला विज्ञान में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी: एक पूर्वोत्तर भारत परिप्रेक्ष्य" में "शैवाल लिपिड पर एचएचक्यू और पीक्यूएस की क्षमता" एनईएचयू, शिलांग, पाटीदार एसके, (28 फरवरी - 1 मार्च 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

"जैव ईंधन और बायोएनर्जी, पेरिस में वार्षिक कांग्रेस में शैवाल लिपिड और फिस्कोफ्रेरिक पारिस्थितिकी पर एचएचक्यू और पीक्यूएस की क्षमता, (07-08 दिसंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

डॉ. निवेदिता चौधरी

महिला महाविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण के लिए प्राकृतिक विज्ञान और सतत विकास: प्रतियोगिताएं और पुष्टि"। (20 - 21 जनवरी 2023) . आमंत्रित व्याख्यान

हिन्दी विभाग

प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर

"तमिल संस्कृति हिंदी में काशी- कांचीपुरम", राष्ट्रीय संगोष्ठी, काशी संगमम, पीएमओ कार्यक्रम, आईकेएस, नई दिल्ली (17.11.2022)। विषय विशेषज्ञ

"सुब्रमण्यम भारती राष्ट्रीय कवि", राष्ट्रीय संगोष्ठी, तमिल विरासत और भारतीय भाषा सप्ताह, जेएनयू, नई दिल्ली (12.12.2022)। मुख्य वक्ता

"कवि रवि की कविताओं में देशभक्ति साहित्य" पांडिचेरी विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी (20.12.22)। सत्र की अध्यक्षता की

"हिन्दी वेणुम वांगा", ऑल इंडिया तमिल एसोसिएशन, मदुरै (31.12.2022)। मुख्य वक्ता

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में "विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" (8.3.2023- 10.3.2023)। सत्र की अध्यक्षता की

"भारतीय भाषाएँ- उच्च शिक्षा में माध्यम", भारतीय भाषा समिति एवं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय द्वारा राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी (10.3.2023- 11.3.2023)। सत्र की अध्यक्षता की

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर में राष्ट्रीय भारतीय भाषाओं में "सुब्रमण्यम भारती की रचनाओं में राष्ट्रीयता" अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11.3.2023-12.3.2023) सत्र की अध्यक्षता

डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति और मातृभाषा", एपेक्स कॉलेज, दौसा। (7.11.2022), आमंत्रित व्याख्यान

"हिंदी मीडियम में रोज़गार की संभावनाएँ", डोमिनेंट कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन, दौसा, (6.1.2023) आमंत्रित व्याख्यान

भाषा विज्ञान विभाग

डॉ. धनपति शौग्राकपम

"एएलएस स्वदेशी भाषाएँ", 10 वीं वाइब्रेंट एशिया संगोष्ठी, भाषा, सांस्कृतिक विरासत और पहचान का प्रतिनिधित्व-मारवाड़ी, राजस्थान, भारत। (18 अगस्त , 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

(ईबीएसबी) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित भारतीय भाषा दिवस समारोह के दौरान "मेरी भाषा मेरा हस्ताक्षर"। (11 दिसंबर , 2022)। विशेष व्याख्यान

से 10 फरवरी, 2023 तक) " योग्यता की जांच: प्रवचन में विकलांगता"। सत्र की अध्यक्षता की

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी और भाषा विद्यालय में अनुवाद पर पांच दिवसीय घरेलू कार्यशाला में "अनुवाद में संस्कृति विशिष्ट शब्दों और वाक्यांशों को संभालना "। (25 मई - 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान

डॉ सरिता शर्मा

आर्मी पब्लिक स्कूल, एपीएस, नसीराबाद (26 जून 2023) के सेवारत शिक्षकों/प्रिंसिपलों के लिए एक सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में "भारतीय सांकेतिक भाषा"। संवेदीकरण व्याख्यान

"भाषा और मस्तिष्क: तंत्रिकाभाषा विज्ञान में मुद्दे" पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ' भाषाई विविधता की ओर' यूजीसी एचआरडीसी, जयपुर द्वारा। (27 जुलाई 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ.महबूब जाहिद

विभाग , राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकलांगता: रोजमर्रा के अनुभवों का पुनरावलोकन" (8 से 10 फरवरी , 2023)। सत्र की अध्यक्षता की

आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ द्वारा "संत साहित्य के मूल्य, सामाजिक चेतना और प्रासंगिकता पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन" का आयोजन किया गया। (20 मार्च - 21 मार्च , 2023)। संसाधन व्यक्ति

" मानविकी एवं भाषा विद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में अनुवाद पर पांच दिवसीय घरेलू कार्यशाला में अनुवाद के विभिन्न सिद्धांत । (25 मई - 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान

श्री धनंजय कुमार तिवारी

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी और भाषा विद्यालय में अनुवाद पर पांच दिवसीय घरेलू कार्यशाला में "कानूनी अनुवाद: मुद्दे, चुनौतियां और तंत्र"। (25 मई - 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के मानविकी एवं भाषा विद्यालय में अनुवाद पर पांच दिवसीय घरेलू कार्यशाला में "अनुवाद के विभिन्न प्रकार"। (25 मई - 29 मई 2023)। विशेष व्याख्यान

प्रबंधन विभाग

प्रो. उमा शंकर मिश्र

"पारिस्थितिकी व्यवधान और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" पर राष्ट्रीय सम्मेलन; भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण, संस्कृति मंत्रालय, सरकार के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित। भारत की (09 फरवरी 2023 से 10 फरवरी 2023)। सत्र की अध्यक्षता की

"अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन; राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित (11 अप्रैल 2023 से 12 अप्रैल 2023)। सत्र की अध्यक्षता की

डॉ. संजय कुमार

"प्रतिभूति बाजार की कार्यप्रणाली" पर व्याख्यान; शोभाशरिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, सीकर द्वारा आयोजित (23 फरवरी, 2023)

"भारत में कमोडिटी बाजार को समझना" पर व्याख्यान; आईपीएस बिजनेस स्कूल, जयपुर द्वारा आयोजित (11 अक्टूबर, 2022)

"निर्माण परियोजनाओं के लिए प्रदर्शन मूल्यांकन की मूल बातें" पर व्याख्यान; वास्तुकला विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ द्वारा आयोजित (5 अक्टूबर, 2022)

"बुनियादी ढांचे के मुद्दों के लिए नकदी प्रवाह को समझना" पर व्याख्यान; वास्तुकला विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ द्वारा आयोजित (7 सितंबर, 2022)

डॉ. अवंतिका सिंह

एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी जिसका शीर्षक था " राष्ट्र "। प्रेमी मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित डोले " अखिल भारतीय साहित्य परिषद, किशनगढ़ एवं दयानंद कॉलेज अजमेर द्वारा दयानंद कॉलेज, अजमेर में आयोजित किया गया। (25 नवंबर, 2022)। सत्र की अध्यक्षता की .

री-इमेजिनियरिंग बिजनेस एंड मैनेजमेंट पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: उभरता हुआ परिदृश्य, आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, जयपुर। (23-24 मार्च, 2023)। सत्र की अध्यक्षता की .

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रो. प्रदीप वर्मा

वर्मा, पी.* बायोरिफाइनरी में एंजाइम कॉकटेल का उपयोग करके कवक की बायोप्रोस्पेक्टिंग और उसके अनुप्रयोग के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण। 03-04 मार्च, 2023 को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय, सिरसा, हरियाणा, भारत में आयोजित "जैव प्रौद्योगिकी और मानव कल्याण: विजन 2030 और परे (ICBHW-2023)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिलिवरी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

वर्मा, पी.* इमोबिलाइज्ड मायरोथेसियम वेरुकेरिया आईटीसीसी-8447 और स्ट्रोफैरिया एसपी के कॉलम बायोरिएक्टर का उपयोग करके माइको-वैलोराइजेशन दृष्टिकोण। एंथ्राक्विनोन रंगों के विषहरण और क्षरण के लिए सिंथेटिक/प्राकृतिक समर्थन प्रणाली पर आईटीसीसी 8422। सितंबर 2022 को मैसूर विश्वविद्यालय, भारत में आयोजित एएमआई "माइक्रोब्स एंड सोसाइटी: करंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट्स (MSCTFP-2022) एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, इंडिया पर डिलीवरी मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

भारत-यूरोपीय संघ कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता ; सरस्वती 2.0: भारत के लिए विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार और संसाधन पुनर्प्राप्ति के लिए सर्वोत्तम तकनीकों की पहचान, 23 मार्च 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित हुई।

डॉ. अखिल अग्रवाल

बायोकेमिकल एन्हांस्ड ऑयल रिकवरी (बीसीईओआर) तकनीक का विकास। सतत विकास के लिए प्राकृतिक विज्ञान और हरित प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनटीएसडी-2022) 30 नवंबर-2 दिसंबर 2022। आमंत्रित वार्ता

डॉ. दीक्षा त्रिपाठी

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में प्री-पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य (वनस्पति विज्ञान) के लिए "डीएनए पुस्तकालय: निर्माण, स्क्रीनिंग और अनुप्रयोग" और "ट्रांक्रिप्टोमिक्स: ट्रांसक्रिप्शनल स्तर पर जीन अभिव्यक्ति का विश्लेषण" (06/09/2022 और 08/) 09/2022)। आमंत्रित व्याख्यान

फार्मेसी विभाग

प्रो. अमित के. गोयल

"पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन, 9-10 फरवरी 2023, अध्यक्षता सत्र।

डॉ. देवेश एम. सावंत

27 वां आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-2022): "रासायनिक, फार्मास्युटिकल और जैविक विज्ञान में अनुसंधान और नवाचार", बिट्स मेसरा, रांची, झारखंड। (16-19 नवंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ कैसर रज़ा

पंजाब राज्य शाखा और जीएचजी खालसा कॉलेज ऑफ फार्मेसी, गुरुसर सुधार, भारत में एपीटी-महिला फोरम में फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान में बहु-विषयक रास्ते तलाशने पर संकाय विकास कार्यक्रम (8-20 अगस्त, 2022)। संसाधन व्यक्ति

जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में "नैनोकणों के फार्माकोकाइनेटिक्स" "नैनोटेक्नोलॉजी और ड्रग डिलीवरी (ICNDD-23)" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (09-10 फरवरी, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"ड्रग डिलीवरी और ट्रांसलेशनल रिसर्च" बिट्स, पिलानी, राजस्थान, भारत पर संगोष्ठी में "नैनोकणों की एक फार्माकोकाइनेटिक समझ"। (25-26 फरवरी, 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. उमेश गुप्ता

अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (आईबीआरओ) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक, मध्य प्रदेश, भारत द्वारा आयोजित नैनोफार्मास्यूटिकल्स और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (आईसीएनएएनडी2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अल्जाइमर के उपचार के लिए हाइपरब्रांच्ड पॉलिमर संयुग्म"। (2-4 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

सोभासरिया कॉलेज, सीकर, राजस्थान द्वारा आयोजित "डेंड्रिमेरिक कॉन्जुगेट्स इन ड्रग डिलीवरी एंड टारगेटिंग", SCITECHCON-2023। (13-14 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

"अनुसंधान पद्धति: वैज्ञानिक लेखन और प्रकाशन नैतिकता", रुंगटा कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च, कोहका - कुरुद रोड, भिलाई, छत्तीसगढ़ द्वारा बायोएक्टिव्स के गुणात्मक और मात्रात्मक अनुमान के लिए बुनियादी इंस्ट्रुमेंटेशन तकनीकों पर डीएसटी-एसटीयूटीआई प्रायोजित व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम। (24-30 सितंबर 2022)। संसाधन व्यक्ति।

भौतिकी विभाग

प्रो. मनीष देव श्रीमाली

"अनकपल्ड ऑसिलेटर्स में विनियमित शोर-प्रेरित सिंक्रनाइज़ेशन", "एसटीईएम में जटिलता और नॉनलाइनियर डायनेमिक्स", आईआईटी हैदराबाद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। (05-07 जून 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"निम्न-आयामी गतिशील प्रणालियों के साथ जलाशय कंप्यूटिंग", नॉनलाइनियर सिस्टम और डायनेमिक्स पर सम्मेलन, (सीएनएसडी 2022), आईआईएसईआर पुणे। (15-18 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

"एकल चालित पेंडुलम के साथ रिजर्वायर कंप्यूटिंग", रिजर्वायर कंप्यूटिंग और तंत्रिका नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, आईआईटी मद्रास। (23-24 नवंबर, 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. अजीत कुमार पात्रा

धातुकर्म इंजीनियरिंग और सामग्री विज्ञान विभाग (एमईएमएस), आईआईटी इंदौर द्वारा आयोजित सामग्री इंजीनियरिंग में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICFME-2022), "ज्यामितीय रूप से निराश Mn2-xFe1+xAl हेसलर मिश्र धातुओं की चुंबकीय जमीनी स्थिति"। (14 - 16) दिसंबर 2022)।आमंत्रित व्याख्यान

डॉ.बृजेश कुमार सिंह

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रुड़की में "ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का एक्सएलवी संगोष्ठी, ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स और क्वांटम ऑप्टिक्स पर सम्मेलन" (सीओपीएक्यू-2022)। (10-13 नवंबर 2022)। सत्र की अध्यक्षता की

डॉ. युगांधर बिटला

"लचीले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए विभिन्न रूपों में नैनोस्केल चुंबकीय सामग्रियों का विकास", भौतिकी विभाग, जीएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राजम द्वारा आयोजित "टिकाऊ भविष्य के नैनोमटेरियल्स" पर संकाय विकास कार्यक्रम, (12-16 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी

"चेर्न-साइमन्स सिद्धांत में बहु-सीमा उलझाव: हाल के घटनाक्रम" एसएनयू (कोरिया), पोस्टेक (कोरिया), क्यूंग ही यूनिवर्सिटी (कोरिया), यूईएसटीसी (चीन) द्वारा आयोजित स्ट्रिंग्स, ब्रैन्स और गेज थ्योरी (एसबीजी2022) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला). (24-30 जुलाई 2022)। आमंत्रित व्याख्यान

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

सी. जीवन कुमार

"उद्धरण और संदर्भ", पीएचडी छात्रों के लिए चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, विज्ञान विद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (6 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"सामाजिक विज्ञान में अंतःविषय अनुसंधान", पीएचडी छात्रों के लिए चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, विज्ञान विद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय। (2 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान

"सैद्धांतिक और अनुभवजन्य अनुसंधान", पीएचडी छात्रों के लिए चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, विज्ञान विद्यालय, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, 16 दिसंबर 2022। आमंत्रित व्याख्यान

ज्ञान रंजन पांडा:

“सामाजिक घटनाएँ: सामाजिक घटनाएँ क्या हैं: सामाजिक घटनाओं की प्रकृति, माप और मापन में समस्याएँ; अनुसंधान मुद्दों की अवधारणा बनाना”। पीएचडी छात्रों के लिए चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (15 दिसंबर , 2022)। संसाधन व्यक्ति

"सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में डेटा"। पीएचडी छात्रों के लिए चौथी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय। (20 दिसंबर , 2022)। संसाधन व्यक्ति

सामाजिक कार्य विभाग

प्रो. जगदीश जाधव

19 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में 'विश्वविद्यालय-सामुदायिक जुड़ाव: राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय का एक केस स्टडी' और 'विश्वविद्यालय-सामुदायिक जुड़ाव: परिप्रेक्ष्य, प्रतिमान, नीति और कार्यक्रम' पर विशेष व्याख्यान दिया गया। मार्च 2022.

बुधवार, 30 मार्च, 2022 को समाजशास्त्र विभाग , राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में "सतत विकास और जीवन की गुणवत्ता: महामारी के बाद समाज के लिए पूर्व-आवश्यकता" विषय पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

5 और 6 अगस्त 2022 को केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में आयोजित मानव संसाधन और सामुदायिक विकास के लिए भारतीय दृष्टिकोण पर दो दिवसीय आईसीएसएसआर-प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में एक मुख्य नोट दिया।

नवंबर , 2022 को होटल क्लार्क्स शिराज, आगरा, ताज रोड, आगरा कैंट, आगरा, उत्तर प्रदेश में फेयर ट्रेड फोरम इंडिया के राष्ट्रीय सम्मेलन और वार्षिक आम सभा की बैठक में प्रोफेसर श्याम शर्मा मेमोरियल व्याख्यान दिया।

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में 09-10 फरवरी, 2023 के दौरान 'पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

17 मार्च, 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग में राजस्थान महिला कल्याण मंडल, अजमेर के सहयोग से आयोजित 'विकलांगता और समावेशन: आगे का रास्ता' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी में समापन सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. सुभासिस भद्रा

"युवा विकास पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन"। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंपुधुर, तमिलनाडु - 602 105, 24 और 25 मार्च 2023 को "युवा और खेल", संसाधन व्यक्ति के रूप में आयोजित किया गया।

एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंपुधुर, तमिलनाडु - 602 105 द्वारा "एथलीटों/खेल कर्मियों की मनोवैज्ञानिक ताकत और खेल प्रदर्शन को बढ़ाने" पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम 13 फरवरी 2023 को आयोजित किया गया। युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य और खेल" विशेष संबोधन देंगे

अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 8 से 10 फरवरी 2023 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य", एक पूर्ण सत्र में "आपदा और विकलांगता" पर व्याख्यान देंगे।

रिनपास (रांची इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइकिएट्री एंड अलाइड साइंसेज, रांची, झारखंड) और एपीएसडब्ल्यूपी (एसोसिएशन ऑफ साइकियाट्रिक सोशल वर्क प्रोफेशनल्स) ने 26 जनवरी 2023 को मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए वेबिनार का आयोजन किया और " आपदा प्रबंधन अधिनियम और मनोविज्ञान के लिए दिशानिर्देश" विषय पर व्याख्यान दिया। सामाजिक देखभाल सेवाएँ" एक आमंत्रित वक्ता के रूप में। (वेबिनार)

"मानसिक स्वास्थ्य, कार्यबल और उत्पादकता: एक बहुविषयक दृष्टिकोण" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित: विभाग के सहयोग से, केएनयू यूजीसी स्ट्राइड कंपोनेंट-1 के तहत 'खनन उद्योग में उत्पादकता और दुर्घटनाओं से जुड़े मनोसामाजिक कारकों की खोज' नामक परियोजना एप्लाइड साइकोलॉजी एंड सेंटर फॉर काउंसलिंग एंड पॉजिटिव साइकोलॉजी, काजी नजरूल यूनिवर्सिटी, आसनसोल, पश्चिम बंगाल ने 16 से 17 दिसंबर 2022 को आयोजित "औद्योगिक श्रमिकों के लिए मनोसामाजिक समर्थन: सामाजिक कार्यकर्ताओं का परिप्रेक्ष्य" और "उद्योगों और समुदायों में आपदा प्रबंधन" पर व्याख्यान दिया। मुख्य वक्ता के रूप में।

एप्लाइड साइकोलॉजी विभाग, काजी नजरूल यूनिवर्सिटी आसनसोल-713340 (डब्ल्यूबी), भारत ने 4 तारीख को एमए छात्रों के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया। नवंबर 2022; आमंत्रित वक्ता के रूप में "सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य और समुदाय आधारित पुनर्वास (सीबीआर) के परिप्रेक्ष्य" पर व्याख्यान दिया।

एनएएसी द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय वेबिनार 18-19 जुलाई 2022 को बियानी गर्ल्स बी.एड द्वारा आयोजित " महामारी की स्थिति के दौरान भारत में सामाजिक और शैक्षिक परिप्रेक्ष्य पर प्रौद्योगिकी का प्रभाव " विषय पर केंद्रित था। कॉलेज, जयपुर, राजस्थान; आमंत्रित वक्ता के रूप में " ऑनलाइन शिक्षा का शिक्षार्थियों एवं शिक्षकों के सामाजिक व्यवहार एवं सामाजिक समायोजन पर प्रभाव" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. शैजी अहमद

तारीख को NAPSWI के सहयोग से मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "कक्षाओं में सामाजिक कार्य व्यवसायों की तैयारी: कौशल और दक्षताओं पर विचार" पर एक व्याख्यान दिया। अगस्त,2023.

8 दिसंबर, 2022 को विश्वविद्यालय के स्पर्श सेल द्वारा छात्रों, संकायों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए लिंग संवेदनशीलता पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न" पर एक व्याख्यान दिया।

11 जनवरी को सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 12 दिसंबर, 2022 से 23 जनवरी, 2023 के बीच आयोजित चार सप्ताह की रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यशाला में "अनुसंधान में डेटा संग्रह और सर्वेक्षण के तरीके" विषय पर व्याख्यान दिया। 2023.

17 जनवरी, 2023 को सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 12 दिसंबर , 2022 से 23 जनवरी , 2023 के बीच आयोजित चार सप्ताह की रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यशाला में "थीसिस लेखन" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी

'लेफ्टिनेंट' पर एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की। ठेला. चंद्रकांत पुरी स्मृति सत्र' 09.02.2023 से 10.02.2023 तक भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 'पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित किया गया।

डॉ. राजीव एम.एम

25-11-2022 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट इन हायर एजुकेशन (सीपीडीएचई), यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय में समुदाय-आधारित आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन पर आमंत्रित वार्ता।

मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में 19-08-2022 को आयोजित तीसरे राष्ट्रीय सामाजिक कार्य सप्ताह के अवसर पर NAPSWI के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग द्वारा सामाजिक कार्य में फ़ील्ड वर्क प्रैक्टिकम की पुनः कल्पना पर आमंत्रित वार्ता

समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

डॉ. कुमार संभव पारीक

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में लचीलापन और समावेशन और मशीन लर्निंग दृष्टिकोण, लचीलापन और स्वास्थ्य सेवा कार्यबल में सुधार के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग" 12 अप्रैल 2023)। अध्यक्षता

सरदार पटेल पुलिस, सुरक्षा और आपराधिक न्याय विश्वविद्यालय, जोधपुर (01 मार्च 2023) द्वारा सुशासन और भ्रष्टाचार विरोधी विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ऑनलाइन) में "लोकतंत्र, मानवाधिकार और सुशासन"। सह-अध्यक्षता की।

सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी विघटन और देहातीवाद: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लेफ्टिनेंट प्रोफेसर चंद्रकांत पुरी स्मारक सत्र" (09 फरवरी 2023)। अध्यक्षता की.

डॉ. जया कृतिका ओझा

सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी विघटन और देहातीवाद: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लेफ्टिनेंट प्रोफेसर चंद्रकांत पुरी स्मारक सत्र" (09 फरवरी 2023)। सह-अध्यक्षता की।

सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (09 जनवरी 2023) द्वारा आयोजित 12.12.2022 से 23.01.2023 तक चार सप्ताह की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में "सामाजिक विज्ञान परियोजनाओं के लिए समुदाय आधारित भागीदारी अनुसंधान और कार्रवाई अनुसंधान को समझना"। आमंत्रित व्याख्यान.

"विकास प्रबंधन संस्थान पटना" (24 नवंबर 2022) में सामाजिक गतिशीलता, सामूहिक कार्रवाई, साम्यीकरण-संस्थागतीकरण और चेतना की प्रक्रियाएं। आमंत्रित व्याख्यान.

डॉ. जुगल किशोर

भारत सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा "भारत में स्टार्टअप: अवसर और चुनौतियाँ" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। पीजी कॉलेज, श्योपुर, मध्य प्रदेश (10 फरवरी 2023)। संसाधन वक्ता

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान स्कूल द्वारा "चार सप्ताह की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला" का आयोजन किया गया। (12-23 दिसंबर 2023)। संसाधन वक्ता

खेल जीव विज्ञान विभाग

डॉ. सुनील जी. पुरोहित

महाराष्ट्र सरकार के खेल एवं युवा सेवा निदेशालय, महाराष्ट्र राज्य, पुणे द्वारा जिला खेल कार्यालय, रायगढ़-अलीबाग के सहयोग से 12 तारीख को "डोपिंग को ना कहें" विषय पर आयोजित एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला और पैनल चर्चा के लिए पैनल विशेषज्ञ के रूप में कार्य करें। जुलाई 2022.

22/12/2022 को नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट मावली, उदयपुर राजस्थान द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय के नवनियुक्त शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए आयोजित खेलों और खेल प्रतियोगिताओं में खेलो इंडिया फिटनेस मूल्यांकन कार्यक्रम और डोपिंग रोधी विषय पर व्याख्यान दिया।

खेल मनोविज्ञान विभाग

डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर

" लिंग संवेदनशीलता और व्यक्तिगत उत्कृष्टता में सलाहकार की भूमिका: खेल से अंतर्दृष्टि " राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, अजमेर द्वारा आयोजित इन-सर्विस टीचर्स ट्रेनिंग में। (24 जून 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

" मानसिक क्रूरता " ओशान ब्रेन ट्रेनिंग सेंटर, नागपुर द्वारा आयोजित विशेष एथलीटों, विशेष शिक्षकों, प्रशिक्षकों, एथलीटों, चिकित्सक और अभिभावकों के लिए खेल और व्यायाम मनोविज्ञान में डिप्लोमा (ऑनलाइन)। (30 अप्रैल 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

" तनाव से मुक्ति और पुनर्प्राप्ति: खेल और जीवन में उत्कृष्टता के लिए खेल मनोविज्ञान को लागू करना " तनाव प्रबंधन और उससे निपटने के लिए खेल और मनोविज्ञान पर कार्यशाला का आयोजन किया गया लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग और समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग, CURAJ। (21 फरवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

" विकलांगता और स्वास्थ्य " विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य पर CURAJ IDSC अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 में , द्वारा आयोजित अंग्रेजी विभाग, CURAJ इंडियन डिसेबिलिटी स्टडीज कलेक्टिव के सहयोग से। (8 अप्रैल 2023)। सत्र की अध्यक्षता की.

" अनुसंधान में नैतिकता " पीएच.डी. के लिए चार सप्ताह की अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में। विद्वानों द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान स्कूल, CURAJ। (18 जनवरी 2023)। आमंत्रित व्याख्यान.

"किशोरों की व्यवहार संबंधी समस्याओं का प्रबंधन" द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए प्रेरण कार्यक्रम में नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर। (12 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

"युवा चैंपियन की मानसिकता" द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए प्रेरण कार्यक्रम में नवोदय लीडरशिप इंस्टीट्यूट, मावली, उदयपुर। (12 दिसंबर 2022)। आमंत्रित व्याख्यान.

"उत्कृष्टता का मनोविज्ञान: चरम प्रदर्शन पर एक नज़र" व्यवहार विज्ञान और अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान (बीएसएपी2022), सिंगापुर पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (29 जुलाई 2022)। अंतर्राष्ट्रीय मुख्य भाषण.

सांख्यिकी विभाग

डॉ. के. सतीश कुमार

13 जनवरी, 2023 को सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए चार सप्ताह की रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यशाला (12 से 23 जनवरी , 2023 के दौरान)। रिसोर्स पर्सन।

सामाजिक विज्ञान स्कूल, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में पीएचडी स्कॉलर्स के लिए चार सप्ताह की रिसर्च मेथडोलॉजी कार्यशाला (12 से 23 जनवरी, 2023 के दौरान) 5 जनवरी , 2023 को। रिसोर्स पर्सन।

योग विभाग

डॉ. संजीब के पात्रा

भारत में योग का वैज्ञानिक अनुसंधान, मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर द्वारा आयोजित (26 जून, 2022), आभासी माध्यम से

इग्नू के क्षेत्रीय केंद्र, जयपुर द्वारा योग एवं प्रतिरक्षा कार्यक्रम (19 जून, 2022), आभासी माध्यम से में आयोजित

क्रिया के शारीरिक प्रभाव, योग और चेतना अध्ययन विभाग, आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित (24 जून, 20220, आभासी माध्यम से)

मुद्रा और बंध की न्यूरोफिज़ियोलॉजी, योग विभाग, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय, कासरगोड, केरल द्वारा आयोजित (25 फरवरी, 2022), आभासी माध्यम से

डॉ. काशीनाथ जी मेत्री

योग और मानसिक स्वास्थ्य, इंटीग्रेटिव मेडिसिन विभाग, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित (21 फरवरी 2022), आभासी माध्यम से

हृदय संबंधी जटिलताओं के लिए चयनित योगाभ्यासों का प्रभाव, एस-व्यासा विश्वविद्यालय, बैंगलोर द्वारा आयोजित (28 जुलाई, 2022), आभासी माध्यम से

सुश्रुत आयुर्वेद कॉलेज, बैंगलोर द्वारा आयोजित मानसिक स्वास्थ्य और योग का अवलोकन (12 अगस्त 2022), आभासी माध्यम से

योग विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित मनोरोग चिकित्सा में योग की भूमिका (28 अक्टूबर, 2022), आभासी माध्यम से

सम्मेलन/कार्यशाला/संगोष्ठी प्रस्तुति

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

डॉ. देवेश शर्मा

- खाद्य, ऊर्जा और जल (एफईडब्ल्यू) सुरक्षा पर जलवायु-प्रेरित जल उपलब्धता प्रभावों को कम करने के लिए शहरी-ग्रामीण साझेदारी ढांचे के विकास पर वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क द्वारा वित्त पोषित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "नागपुर क्षेत्र

की हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग: प्रमुख अवलोकन" क्षेत्रीय स्तर का आयोजन वीएनआईटी नागपुर द्वारा किया गया। (25-26 जुलाई 2022)।

- क्षेत्रीय स्तर पर खाद्य, ऊर्जा और जल (एफईडब्ल्यू) सुरक्षा पर जलवायु-प्रेरित जल उपलब्धता प्रभावों को कम करने के लिए शहरी-ग्रामीण साझेदारी ढांचे के विकास पर वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क द्वारा वित्त पोषित अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "गाजीपुर की हाइड्रोलॉजिकल मॉडलिंग: प्रमुख अवलोकन" बीएसएमआरएयू, गाज़ीपुर, बांग्लादेश द्वारा आयोजित स्तर। (12-15 सितंबर 2022)।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर, नई दिल्ली में वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान वित्त पोषित परियोजना के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क के तहत "शहरी जल सुरक्षा को मापने" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "जल सुरक्षा मूल्यांकन उपकरण (वाटसैट) की उपयोगिता"। (17-18 अगस्त 2022, 2022)।
- थुइलोई विश्वविद्यालय, हनोई, वियतनाम में वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान वित्त पोषित परियोजना के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क के तहत "शहरी जल सुरक्षा को मापने" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "जल सुरक्षा मूल्यांकन उपकरण का परिचय"। (22-23 सितंबर 2022)।
- त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान वित्त पोषित परियोजना के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क के तहत "शहरी जल सुरक्षा को मापने" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "जल सुरक्षा मूल्यांकन उपकरण - परिचय और विज्ञान"। (27-29 सितंबर 2022, 2022)।
- पारिस्थितिकी तंत्र केंद्रित ग्रामीण पुनरोद्धार पर जापान-भारत द्विपक्षीय अनुसंधान परियोजना के तहत अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "शहरी-ग्रामीण संबंधों के संदर्भ में भूमि उपयोग की गतिशीलता और जल सुरक्षा": आईजीईएस, जापान में पोस्ट सीओवीआईडी लचीला पुनर्प्राप्ति की दिशा में शहरी-ग्रामीण द्वंद्व को पाटना। (3-9 दिसंबर 2022)

सुब्रत कुमार पांडा

- जलवायु परिवर्तन 2022 (आईसीसीसी 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, मौसम विज्ञान विभाग, ढाका विश्वविद्यालय, (10-11 दिसंबर) में "डब्लूआरएफ मॉडलिंग कॉन्फ़िगरेशन के एक समूह का उपयोग करके बिहार बिजली घटना का अनुकरण: बिजली क्षमता सूचकांक और बिजली फ्लैश गिनती का प्रदर्शन" 2022).

चिन्मय मल्लिक

- वैगनिंगन यूनिवर्सिटी, यूट्रेक्ट, नीदरलैंड्स द्वारा आयोजित तीसरी अंतर्राष्ट्रीय सीओएस कार्यशाला में "पश्चिमी भारत में सीओएस माप" मौखिक प्रस्तुति (19-21 सितंबर, 2022)। ऑनलाइन प्रस्तुति।
- पर्यावरण अनुसंधान स्टेशन, श्रीफरनरहॉस, जर्मनी (19-30 सितंबर, 2022) द्वारा 'रिएक्टिव ट्रेस गैसों' पर आयोजित 39वां GAWTEC प्रशिक्षण कार्यक्रम (पूर्णतः प्रायोजित) सफलतापूर्वक पूरा किया।

जयंती पाल

- भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी द्वारा "दक्षिण एशिया में मौसम और जलवायु भविष्यवाणी और जलवायु परिवर्तन प्रक्षेपण में प्रगति: जल और जल में अनुप्रयोग" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी TROPMET-2022 में "भारतीय उपमहाद्वीप पर भूमि महासागर थर्मल कंट्रास्ट: अवलोकन के माध्यम से चित्रण" कृषि क्षेत्र" 29 नवंबर से 02 दिसंबर 2022 तक भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान भोपाल (IISERB)।

जय प्रकाश

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा संयुक्त रूप से सीमा परत विनिमय प्रक्रिया और जलवायु परिवर्तन (NoBLExClim 2023) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में "कम लागत वाले पीएम सेंसर का उपयोग करके दिल्ली में एरोसोल की दीर्घकालिक विशेषताएं"), और एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, भारत, चेन्नई (23-24 मार्च 2023)।

जैव रसायन विभाग

प्रो. संजीव कुमार पांडा

- 8-11 नवंबर, 2022 के बीच एनआईएसईआर, भुवनेश्वर में "भूमि संयंत्र विकास" पर ईएमबीओ अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी

- दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "फ्रंटियर्स इन बायोमेडिकल रिसर्च 2022 (FBR-2022) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (02 - 04 नवंबर 2022),), सेमिनार प्रस्तुति
- जैव विज्ञान और रासायनिक प्रौद्योगिकी में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन-2022, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, कटरा, जम्मू और कश्मीर द्वारा सीएसआईआर-आईआईआईएम जम्मू और बीआरएसआई के सहयोग से आयोजित (03-05 दिसंबर 2022), संगोष्ठी प्रस्तुति

द्वारा आयोजित मलेरिया अनुसंधान संगोष्ठी का भविष्य (28 अक्टूबर 2022), ऑनलाइन संगोष्ठी प्रस्तुति

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

डॉ चंदन कुमार

- आईआईटी रूड़की द्वारा आयोजित बायोहील 2023 में "कम बिजली वाले पहनने योग्य सेंसर के लिए ऊर्जा संचयन" । (13-16 अप्रैल 2022): संगोष्ठी प्रस्तुति

डॉ. संदीप चौधरी

- आईआईटी रूड़की द्वारा आयोजित बायोहील 2023 में "फुट क्वालिटी मोनेटरिंग के लिए बायोकम्पैटिबल फ्लोरेसेंट बायोसेंसर" । (13-16 अप्रैल 2022): संगोष्ठी प्रस्तुति

वाणिज्य विभाग

डॉ. नेहा सेठ

- वें फाउंडेशन ऑफ इस्लामिक फाइनेंस कॉन्फ्रेंस (एफआईएफसी), सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया (1-2 अक्टूबर 2022) में "पर्यावरण, सामाजिक और शासन कारक: साहित्य की संरचित समीक्षा"।
- वें IFA अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडोनेशियाई फाइनेंस एसोसिएशन, नई दिल्ली, भारत (12-13 अक्टूबर 2022) में "बिटकॉइन की कीमत और इसकी ऊर्जा खपत के बीच अंतर्संबंध का विश्लेषण"।
- अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए पूंजी बाजार की भूमिका पर तीसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार सम्मेलन 2022 में "स्थायी और पारंपरिक स्टॉक सूचकांकों के बीच असममित अस्थिरता अंतरनिर्भरता: विकसित और उभरते देशों से एक अनुभवजन्य अध्ययन", नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटीज मार्केट, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत (15-16 दिसंबर 2022)।
- सतत व्यवसाय प्रबंधन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की, उत्तराखंड, भारत (23-25 मार्च 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्थायी स्टॉक सूचकांकों के बीच अस्थिरता कनेक्टिविटी की जांच: उभरते एशिया से अनुभवजन्य साक्ष्य"।
- वें IFA अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडोनेशियाई फाइनेंस एसोसिएशन, नई दिल्ली, भारत (12-13 अक्टूबर 2022) में "बिटकॉइन की कीमत और इसकी ऊर्जा खपत के बीच अंतर्संबंध का विश्लेषण"।
- उभरते बाजार में समसामयिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बाजार मूड सूचकांक और शेयर बाजार रिटर्न - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से साक्ष्य", आईआईएम बोधगया, बिहार, भारत (28-29 अक्टूबर 2022)।
- भविष्य के व्यवसाय का नेतृत्व: बदलती दुनिया में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन, आईआईएम नागपुर, महाराष्ट्र, भारत (17-18 नवंबर 2022)।

- विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए NEP2020 के कार्यान्वयन पर व्यावसायिक विकास कार्यक्रम, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (09-17 सितंबर 2022)।

डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया

- भारतीय प्रबंधन संस्थान, बोधगया, बिहार (28-29 अक्टूबर 2022) द्वारा उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) में "एकीकृत रिपोर्टिंग प्रथाओं के प्रारंभिक रुझान: भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों का एक अध्ययन"।
- रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, रोहिणी, नई दिल्ली में हाइब्रिड मोड में एआई और बिजनेस वर्ल्ड के लिए सांख्यिकीय निर्णय लेने के अनुप्रयोगों (आईसीएएसडीएमबीडब्ल्यू-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बौद्धिक पूंजी और वित्तीय प्रदर्शन के बीच संबंध: एक पैनल डेटा विश्लेषण" (16-17 दिसंबर 2022)।
- रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, रोहिणी, नई दिल्ली में हाइब्रिड मोड में एआई और बिजनेस वर्ल्ड के लिए सांख्यिकीय निर्णय लेने के अनुप्रयोगों (आईसीएएसडीएमबीडब्ल्यू-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एकीकृत रिपोर्टिंग प्रकटीकरण प्रथाएं: भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों से अंतर्दृष्टि"। 17 दिसंबर 2022)।
- यूथ 2025, नेट्रित्व 4.0 श्रृंखला में यूथ 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अकाउंटिंग और ऑडिटिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण का उपयोग करके पिछले रुझानों और भविष्य के अनुसंधान एजेंडे की पहचान करना": जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट जयपुर में कनेक्शन और सहयोग के युग में नेतृत्व (16-) 18 फरवरी 2023)।

डॉ. संजय कुमार पटेल

- वें एआईएसी, इंडियन अकाउंटिंग एसोसिएशन, जीवाजी यूनिवर्सिटी, ग्वालियर (29-30 अक्टूबर 2022) में "डीकार्बोनाइजिंग के लिए लेखांकन: कॉर्पोरेट कार्बन फुटप्रिंट मूल्य का उचित मूल्य माप"।
- महामना के विजन और एनईपी 2020, वाणिज्य संकाय, बीएचयू (03-04 दिसंबर 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बिजनेस स्टडीज कार्यक्रमों और एनईपी के समावेशी विकास के लिए महामना का दृष्टिकोण: मुक्त और दूरस्थ शिक्षा केंद्र के लिए विकल्प"।
- वें एआईएसी, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद (एमएच) (22-24 दिसंबर 2022) में "कागज अपशिष्ट प्रबंधन और जातीय मूर्तिकला विकास: स्टार्ट-अप के माध्यम से प्रवासी महिलाओं के समावेशी विकास का एक अध्ययन"।
- सतत व्यवसाय प्रबंधन, आईआईटी रूड़की (23-25 मार्च 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जीएचजी उत्सर्जन पर अंकुश लगाने में पर्यावरणीय कराधान की भूमिका: ओईसीडी देश से प्रासंगिक साक्ष्य की खोज"।
- "जनसांख्यिकीय कारक और एसडीजी जागरूकता: उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच एक अध्ययन" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर (11-12 अप्रैल 2023)।
- व्यवसाय और वित्त में डिजिटल नवाचार: उभरते रुझान और संभावनाएं, वाणिज्य विभाग और अनुसंधान केंद्र, भारत माता कॉलेज, त्रिक्काकारा, केरल (26-27 अप्रैल 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बैंकिंग क्षेत्र में फिनटेक की उभरती भूमिका"।

डॉ. प्रियंका भास्कर

- रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा "सतत भविष्य के लिए ईएसजी को अपनाना" पर कार्यशाला आयोजित (31 जून 2023)।
- श्री बालाजी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, जयपुर, भारत (22 जून 2023) द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग, सामाजिक विज्ञान और प्रबंधन (आईसीईएसएसएम-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सांस्कृतिक आदान-प्रदान और पर्यटन: आपसी समझ को बढ़ावा देना और विरासत को संरक्षित करना"।
- जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (16-18) द्वारा नेट्रित्व 4.0: कनेक्शन और सहयोग के युग में नेतृत्व पर श्रृंखला में यूथ 2025 श्रृंखला में 10 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यटन उद्योग के भविष्य को आकार देने में प्रौद्योगिकी और नवाचार की भूमिका की जांच" फरवरी 2023)।
- जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर (16-18 फरवरी 2023) द्वारा नेट्रित्व 4.0: कनेक्शन और सहयोग के युग में नेतृत्व पर श्रृंखला में यूथ 2025 में 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्रामीण विकास पर पुनर्विचार: कृषि और संबद्ध गतिविधियों को पुनर्जीवित करना"।

- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद और एमजीएम विश्वविद्यालय, औरंगबा द्वारा 2024 तक भारत की 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन: रोजगार सृजन में एक प्रमुख मूल्य चालक"

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

रवि राज चौधरी

- " टू स्टेज हार्ट सिग्नल वर्गीकरण", कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में उभरती तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (**ICETCI**2022), 25-27 अगस्त, 2022 को महिंद्रा यूनिवर्सिटी हैदराबाद में। सम्मेलन प्रस्तुति
- एसकेआईटी जयपुर में छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "1-डी सीएनएन और टीक्यूडब्ल्यूटी परिवर्तन का उपयोग करके हृदय ध्वनि में असामान्यता का पता लगाना" पेपर प्रस्तुत करें। (3-4 फरवरी 2023)। सम्मेलन प्रस्तुति

अजय इंडियन

- "मूवी अनुशंसा के लिए मशीन लर्निंग-आधारित प्रणाली " , छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "कंप्यूटर इंजीनियरिंग में उभरती प्रौद्योगिकियाँ: औद्योगिक **IoT** और साइबर भौतिक प्रणालियाँ" (आईसीईटीसीई-**2023)**, स्प्रिंगर सीसीआईएस सीरीज (आईएसएसएन: **1865 0929)** स्किट जयपुर। (**3-4** फरवरी **, _ 2023).** सम्मेलन प्रस्तुति

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

डॉ गौरव सोमानी

- में " DDoS हमलों के दौरान संसाधन पृथक्करण लागू करने के समय पर " (क्लस्टर, क्लाउड और इंटरनेट कंप्यूटिंग, CCGRID, IISc बैंगलोर, भारत पर 23वें IEEE/ACM अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ आयोजित) I 1-4 मई, 2023) : कार्यशाला
- " स्केल-इनसाइड आउट असिस्टेड कंटेनर सेपरेशन का उपयोग करके क्लाउड लक्ष्यों में डीडीओएस हमला शमन " : आईसीसीएन 2022: इंटेलिजेंट क्लाउड कंप्यूटिंग और नेटवर्किंग पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, लंदन, यूके। (2-5 मई, 2022) : कार्यशाला

डॉ बसंत अग्रवाल

- विशेषज्ञ अनुप्रयोगों और सुरक्षा में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICE-TEAS 2023) (17-19 फरवरी 2023), सम्मेलन में "मशीन लर्निंग-आधारित तकनीकों का उपयोग करके डिस्ग्राफिया डिटेक्शन: एक सर्वेक्षण" I

रवि सहारण

- बहु-विषयक वैज्ञानिक अनुसंधान (ICRIAMSR 2023) में हाल के नवाचारों और अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नकली उन्मूलन में ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी " (6-7 जनवरी 2023)
- कंप्यूटर इंजीनियरिंग में उभरती प्रौद्योगिकियों पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भीड़ भरे परिदृश्य की स्थिर छवियों का उपयोग करके चेहरे की भावनात्मक पहचान ": ICETCE-2023 (3-4 फरवरी 2023)।

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव

- मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में " एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत अरुणाचल प्रदेश और राजस्थान के युवा समूहों के बीच अंतरसांस्कृतिक संचार का विश्लेषण"। (15-16 मई 2023)।
- मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "सांस्कृतिक आदान-प्रदान के

माध्यम से राष्ट्रीय एकता" में "हिंदी फिल्मों में उत्तर पूर्व भारत का चित्रण: एक तुलनात्मक विश्लेषण"। (15-16 मई 2023)।

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में मीडिया अर्थशास्त्र और मीडिया शिक्षा का तुलनात्मक विश्लेषण: यूजीसी मीडिया विनियमन दिशानिर्देशों के साथ ईवाई फिक्की मीडिया और मनोरंजन रिपोर्ट का तुलनात्मक विश्लेषण"। (11 - 12 अप्रैल 2023)
- अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (8 - 10 फरवरी, 2023) द्वारा आयोजित CURAJ-IDSC अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हिंदी सिनेमा में विकलांगताओं का चित्रण: तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से रुझानों को उजागर करना" विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य शीर्षक से आयोजित किया गया।
- भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पशुपालन से संबंधित कानूनी मुद्दों और उनके संचार केंद्रित उपायों का विश्लेषण' संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (9-10, फरवरी, 2023)

डॉ.अनूप कुमार

- स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन द्वारा 'न्यू मीडिया लैंडस्केप इन इंडिया: डाइमेंशन्स, इश्यूज, ट्रेंड्स एंड फ्यूचर' विषय पर मीडिया एंड कम्युनिकेशन (आईसीएमसी) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूजरूम में संपादकीय निर्णय लेना: वेब एनालिटिक्स की भूमिका को समझना" एडमास यूनिवर्सिटी, कोलकाता (30-31 मार्च, 2023)।

डॉ. नीरू प्रसाद

- क्रिस्टु जयंती कॉलेज ऑटोनॉमस, बेंगलुरु (06) के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित "दक्षिण एशिया में बदलते मीडिया परिदृश्य" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओवर-द-टॉप प्लेटफ़ॉर्म और चयनात्मक एक्सपोज़र: उपभोक्ता की पसंद और धारणाओं का विश्लेषण"। मार्च, 2023)।

डॉ. प्रांत प्रतीक पटनायक

- मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उपेक्षा और नवीनीकरण: हिंदी सिनेमा में हाल के उत्तर-पूर्व प्रतिनिधित्व में सांस्कृतिक समावेशिता को डिकोड करना"। (15-16 मई 2023)
- विभाग, करीम सिटी कॉलेज, जमशेदपुर, झारखंड द्वारा ' रेडियो के दायरे पर पुनर्विचार: रेडियो प्रसारण के 100 वर्षों का जश्न ' विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संचार और सामाजिक परिवर्तन: राजस्थान में तिलोनिया सामुदायिक रेडियो का एक केस स्टडी" (18 – 20 मार्च 2023)
- फोरम फॉर रिसर्च इन इंग्लिश, सेंटर फॉर एडवांस्ड स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा 'एम्बोडिड आइडेंटिटीज: द बॉडी इन कल्चरल स्पेसेस' विषय पर दो दिवसीय बहुविषयक ऑनलाइन राष्ट्रीय सम्मेलन में "निकायों का 'बनना': महिला स्वास्थ्य पत्रिकाओं का विश्लेषण" अंग्रेजी भाषा और साहित्य, अंग्रेजी विभाग, फारूक कॉलेज (स्वायत्त), कालीकट, केरल। (21-22 फरवरी 2023)
- स्टडीज़ सेल, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटीज़, क्राइस्ट द्वारा ' श्रमिक, सांस्कृतिक (पुनः)उत्पादन और दक्षिण एशिया में संस्कृति उद्योग ' पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "संकट में संचार: महामारी के दौरान प्रवासियों पर मीडिया कथाओं के साथ जुड़ाव" विश्वविद्यालय, बैंगलोर और समाजशास्त्र विभाग, तेजपुर विश्वविद्यालय, असम (17 - 18 अक्टूबर 2022)

अर्थशास्त्र विभाग

डॉ. हेमलता मंगलानी

- अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS'23) में "दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के क्षेत्रीय निर्यात के निर्धारकों पर एक अध्ययन: एक संवर्धित गुरुत्वाकर्षण मॉडल विश्लेषण"। , राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- "महामारी के दौरान चयनित देशों के साथ भारत के व्यापारिक निर्यात के रुझान और पैटर्न: तुलनात्मक विश्लेषण का एक अध्ययन", अर्थशास्त्र विभाग द्वारा एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS'23) में प्रस्तुत किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- ब्रिक्स देशों के विनिर्माण क्षेत्र की गतिशीलता और कुल कारक उत्पादकता, भारतीय सामाजिक परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता (ICECO_GRS'23) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत की गई। विज्ञान अनुसंधान (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- "भारत में श्रम प्रवासन पर: रुझान, कारण और प्रभाव", अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS'23) में प्रस्तुत किया गया (11-12 अप्रैल) 2023): पेपर प्रेजेंटेशन
- स्कॉलर मोज़ेक 2.0 2022 में "ऑनलाइन लर्निंग की प्रभावशीलता: भारत में उच्च शिक्षा के छात्रों का एक प्रभाव अध्ययन", शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात द्वारा आयोजित वार्षिक युवा शोधकर्ता मीट (17-18 सितंबर 2022): पेपर प्रस्तुति
- बिरला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र और वित्तीय क्षेत्र की बदलती गतिशीलता: सतत विकास के लिए मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओडिशा में खतरे से प्रेरित तटीय ग्रामीण आजीविका की कमजोरी का आकलन"। (4-5 मार्च 2023): पेपर प्रस्तुति
- कर्मयोगी भारत द्वारा आयोजित "कर्मयोगी प्रारम्भ प्रशिक्षण" (2023): प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला

डॉ. प्रगति जैन

- "ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और असमानता से निपटने में स्थानीय नेतृत्व की भूमिका" जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर में यूथ 2025 श्रृंखला में 10वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (16-18) फरवरी, 2023): पेपर प्रस्तुति
- “दुनिया के सबसे अधिक पानी की कमी वाले देशों के सामाजिक आर्थिक विकास पर पानी की कमी का प्रभाव उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) वाइकाटो मैनेजमेंट स्कूल, वाइकाटो विश्वविद्यालय के सहयोग से भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया, भारत में आयोजित किया गया। , न्यूज़ीलैंड। (28-29, अक्टूबर 2022): पेपर प्रस्तुति

डॉ. सुरेश कुमार पात्रा

- "एशियाई देशों में वित्तीय विकास के चालक: पैनल एआरडीएल मॉडल से साक्ष्य", हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 57वां टीआईईएस सम्मेलन (जनवरी 4-6,2023): पेपर प्रस्तुति
- "जलवायु परिवर्तन का आर्थिक प्रभाव: एक ग्रंथ सूची समीक्षा"। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11 से 12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- "वित्तीय वैश्वीकरण, संस्थागत शासन और गुणवत्ता और आर्थिक विकास और एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर इसका प्रभाव: पैनल एआरडीएल मॉडल के माध्यम से"। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- "बहुआयामी भेद्यता सूचकांक को प्रभावित करने वाले कारक: भुवनेश्वर शहर के शहरी झुग्गी-झोपड़ी निवासियों का एक आकलन"। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति

- "स्वतंत्रता के बाद से भारत में घरेलू बचत और आर्थिक विकास के बीच कारणात्मक संबंध की जांच"। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-12 अप्रैल 2023): पेपर प्रस्तुति
- शिक्षा मंत्रालय के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएमएनटीटी) योजना द्वारा प्रायोजित एक महीने का संकाय प्रेरण कार्यक्रम (22 मार्च - 20 अप्रैल, 2023): कार्यशाला
- शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रायोजित पंडित मदन मोहन मालवीय नेशनल मिशन ऑन टीचर्स एंड टीचिंग (पीएमएमएनएमटीटी) योजना के तहत टीचिंग लर्निंग सेंटर, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक महीने का संकाय प्रेरण कार्यक्रम (22 मार्च - 20 अप्रैल, 2023): कार्यशाला
- कर्मयोगी भारत द्वारा आयोजित "कर्मयोगी प्रारम्भ प्रशिक्षण" (2023): प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

- आईआईटी गुवाहाटी, असम द्वारा आयोजित नॉर्थ-ईस्ट रिसर्च कॉन्क्लेव (एनईआरसी2022) में "असम राज्य के पारंपरिक खेल: उत्तर पूर्व क्षेत्र की विरासत को संरक्षित और लोकप्रिय बनाने के लिए नेक्स्टजेन को पुनर्जीवित करना"। (20-22 मई, 2022)
- "विकास मानसिकता शिक्षाशास्त्र: बचपन की शिक्षा और विकास में विकास मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक के लिए एक विकल्प" सामाजिक विज्ञान और मानविकी में संवाद और विचार-विमर्श पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICDDSSH-22) में मानविकी सामाजिक और विज्ञान स्कूल, साबरमती विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया। , अहमदाबाद, गुजरात (29 जुलाई – 30,2022)।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय, भारत में 5-6 अगस्त 2022 के दौरान आयोजित 2022 यूएसटीएम-एआईएमटी ग्रीष्मकालीन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिक्षार्थियों की गणित उपलब्धि पर भास्कर आचार्य के लिखित लीलावती पाठ-आधारित निर्देशात्मक हस्तक्षेप का प्रभाव"
- "स्वदेशी ज्ञान प्रणाली: जनजातीय विरासत को संरक्षित और लोकप्रिय बनाने के लिए मध्य प्रदेश के लोक खेल" भारत के जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी के महत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (23-24 अगस्त2022)।
- इंस्टीट्यूट फॉर इंजीनियरिंग रिसर्च एंड पब्लिकेशन (आईएफईआरपी) - इंडोनेशिया चैप्टर के सहयोग से कंप्यूटर, साइबरनेटिक्स और शिक्षा (आईसीसीसीई-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "रचनात्मक समस्या-समाधान अनुदेशात्मक मोड के माध्यम से विज्ञान सीखने वालों की वैज्ञानिक रचनात्मकता का पोषण" यूनिवर्सिटासफजर, जकार्ता, इंडोनेशिया और सीएमआर इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद, भारत (23-24 फरवरी, 2023)।
- एनएफएल, एनएएसी, एनआईएसबीयूडी और एमजीएनसीआरई के सहयोग से मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा द्वारा "उद्यमिता और कौशल विकास: आत्मनिर्भर भारत का मार्ग" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसजेंडर उद्यमिता के मार्ग में रुकावटें" (नवंबर) 5, 2022)।
- समाजशास्त्र विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित शैक्षिक परिवर्तन: संकट और लचीलापन पर तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया के 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसजेंडर शिक्षा: समावेशन और बहिष्करण आउटलुक पर दोबारा गौर करें" (9-11 दिसंबर, 2022).

नरेंद्र कुमार

- एपीजे सत्या विश्वविद्यालय, गुरुग्राम (5-6 अगस्त, 2022) द्वारा शांति, विवेक और समृद्धि पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सद्भाव और राष्ट्रीय अखंडता के लिए शिक्षा की भूमिका"। ऑनलाइन
- मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा (5 नवंबर, 2022) द्वारा उद्यमिता और कौशल विकास: आत्मनिर्भर भारत का मार्ग विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "आत्म-तोड़फोड़ पर काबू पाना: उद्यमशीलता की सफलता में तोड़फोड़ करना बंद करें"। ऑनलाइन
- एलएसएम सरकार द्वारा वैश्विक विकास में शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की भूमिका पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उद्यमिता के लिए शिक्षा: आवश्यकता और महत्व"। पीजी कॉलेज, पिथौरागढ़ (14-15 नवंबर 2022)।

- वीं सदी के शिक्षार्थियों के बीच जीवन कौशल के विकास के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण के रूप में मध्य स्तर पर कला को शामिल करना"। ऑनलाइन
- भोपाल सामाजिक विज्ञान स्कूल (16-17 फरवरी 2023) द्वारा बहुविषयक अनुसंधान परिप्रेक्ष्य (आईसीएमआरपी 2023) पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कला-एकीकृत शिक्षण (एआईएल): 21वीं सदी के शिक्षार्थियों के लिए एक प्रभावी शिक्षण दृष्टिकोण"। ऑनलाइन
- महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम द्वारा आयोजित यूथ@75: आगे का रास्ता- शिक्षकों की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार में "भारतीय संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता" (1-2 मार्च 2023)। ऑनलाइन
- महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम द्वारा आयोजित यूथ@75: आगे की राह- शिक्षकों की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार में "लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण" (1-2 मार्च 2023)। ऑनलाइन
- दिगंबर जैन कॉलेज, बड़ौत, बागपत, यूपी (24-25 मार्च 2023) द्वारा सरकारी शैक्षणिक संस्थान: वर्तमान परिदृश्य और चुनौतियां विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "खुशी के लिए शिक्षा: शिक्षण - सीखने का एक नया दृष्टिकोण"।
- " शैक्षणिक उछाल के माध्यम से लचीलेपन का निर्माण: संगठनात्मक लचीलेपन के निर्माण के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण "।

गोबिंद सिंह

- स्व-निर्देशित शिक्षा: 21 वीं सदी के शिक्षार्थियों के सुधार के लिए एक आवश्यक शिक्षण कौशल" (16 वीं -17 फरवरी 2023) .
- 2. "डिजिटल शिक्षाशास्त्र: शिक्षा में एक अभिनव अभ्यास", 'उच्च शिक्षा में वैश्विक अनुसंधान रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में, (प्रबंधन संस्थान, द वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज, पोलैंड द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित। साइंटिफिक रिसर्च एसोसिएशन रिसर्च कल्चर सोसाइटी और स्वराज अनुसंधान संस्थान) (25 और 26 नवंबर , 2022)
- सतत विकास के लिए भारतीय शिक्षा की जड़ों को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन, एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, नोएडा, एयूयूपी, (10 फरवरी 2023) में "एंड्रैगॉजी: भावी शिक्षकों के कौशल को बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण"

संगीता यदुवंशी

- भारतीय और पश्चिमी शिक्षा के एकीकरण के लिए महामना का दृष्टिकोण। बीएचयू-इंटरनेशनल कॉमर्स एल्युमिनी मीट-2022 और महामना के विजन और एनईपी-2020 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, वाणिज्य संकाय, बीएचयू द्वारा आयोजित (3-4, दिसंबर 2022)।
- पारंपरिक से प्रासंगिक तक विज्ञान सीखने का परिप्रेक्ष्य : मानव विज्ञान विभाग, डीएचएसजीवी, सागर और पैलियोथ्नोलॉजी रिसर्च सेंटर, मॉस्को, रूस द्वारा आयोजित मानव विविधता के नृवंशविज्ञान तरीकों का पुनरीक्षण (13-14, फरवरी 2023)).

रीना गोदारा

- स्कॉलर मोज़ेक 2.0 में "ऑनलाइन लर्निंग की प्रभावशीलता: भारत में उच्च शिक्षा के छात्रों का एक प्रभाव अध्ययन"। भारत के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय के शोधकर्ता सेल द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वार्षिक युवा शोधकर्ताओं की बैठक (17-18 सितंबर 2022)
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी), वरुण मार्ग, नई दिल्ली द्वारा स्कूल और शिक्षक शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "सामाजिक विज्ञान की कला एकीकृत शिक्षण" (1-2 फरवरी 2023)
- भारत के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय के शिक्षा विभाग (केस, आईएएसई, आईयूसीटीई) द्वारा शिक्षक शिक्षा के आशाजनक चेहरे: परिप्रेक्ष्य और व्यवहार विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "कला एकीकरण के माध्यम से सीखने को मनोरंजक और आकर्षक बनाना" (8) -9 फरवरी 2023)
- औद्योगिक क्रांति 4.0 को नेविगेट करने पर एड्यूरफॉर्म अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "4आईआर से निपटने के लिए उच्च शिक्षा को बदलना": शिक्षा विभाग (केस, आईएएसई, आईयूसीटीई), शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, भारत के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित रणनीतियों और चुनौतियों का सामना करना (20 जनवरी, 2023)
- शिक्षा विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षा नीति: विकास, विश्लेषण और प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बहिष्करण से पूर्ण समावेशन तक की यात्रा का पता लगाना" (30-31 मार्च 2023)

टी.संगीता

- "संभव स्कूल में ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के बीच सामाजिक और शैक्षणिक कौशल- एक केस स्टडी"। आईसीएसएसआर ने 2047 में शिक्षक शिक्षा के हालिया रुझान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन प्रायोजित किया और (4-5 अगस्त 2022) को साल्ट क्रिश्चियन कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, दीमापुर, नागालैंड में प्रस्तुति (ऑनलाइन) दी।

- "शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण के रुझान - संवर्धित और आभासी शिक्षण" अलगप्पा विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कराईकुडी, तमिलनाडु, भारत द्वारा "उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार-आईसीआईआरएचई-2022" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (25-) 26नवंबर 2022)।
- "समावेश के लिए उच्च शिक्षा में नवाचार का एक महत्वपूर्ण निर्धारण" "वैश्विक मानकों की दिशा में भारतीय उच्च शिक्षा में सुधार और परिवर्तन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन -2023" उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार, VEL'S इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, VISTAS द्वारा आयोजित , शिक्षा विभाग, पल्लावरम, चेन्नई 600117 (25जनवरी 2023)।
- "भारत में उच्च शिक्षा का भारी विकास-21 वीं सदी में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार" उच्च शिक्षा में सपने और अवसर, शिक्षा संकाय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (एमपी) द्वारा आयोजित किया गया। (25 - 26 नवंबर 2022)).
- यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित एएमयू मलप्पुरम केंद्र, केरल के सहयोग से उच्च शिक्षा और अनुसंधान में नवीन प्रथाओं पर छह दिवसीय ऑनलाइन अंतःविषय संकाय विकास कार्यक्रम (02 - 07 जनवरी 2023)
- एमराल्ड पब्लिशिंग द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित "द आर्ट ऑफ पब्लिशिंग एन एकेडमिक बुक" (13 जुलाई 2022)
- "एनईपी2020 में समावेशी शिक्षा के लिए एक रोड मैप: वंचितों तक पहुंचना" शिक्षा विभाग, मंदसौर, एमपी द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित (07.07.2022)।

सीमा गोपीनाथ

- नई विश्व व्यवस्था के लिए भारतीय उच्च शिक्षा के परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सतत विकास के लिए शिक्षा के मार्ग के रूप में पर्यावरण साक्षरता": केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद के सहयोग से मदर टेरेसा कॉलेज ऑफ टीचर एजुकेशन, कोझिकोड पर परिकल्पना, रोडमैप और कार्यान्वयन , तिरुवनंतपुरम, तमिलनाडु टीचर्स एजुकेशन यूनिवर्सिटी, चेन्नई और ऑल इंडिया एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च, भुवनेश्वर। (3-5 नवंबर 2022)
- शिक्षा विभाग, शिक्षा एवं मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात द्वारा औद्योगिक क्रांति 4.0 को उजागर करने और चुनौतियों को उजागर करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "4आईआर से निपटने के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव" आयोजित किया गया। (20 जनवरी 2023)
- महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ पेडागोगिकल साइंसेज, कोट्टायम, केरल द्वारा आयोजित यूथ@75: आगे का रास्ता- शिक्षकों की भूमिका पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार में "सशक्तीकरण के लिए जीवन कौशल के निर्माण के साथ युवा शिक्षा में बदलाव"। (1-2 मार्च 2023)
- मार थियोफिलस ट्रेनिंग कॉलेज और केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में गुणवत्ता चेतना के पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में "विशेष से समावेशी शिक्षा में परिवर्तन परिदृश्य" आयोजित किया गया। (31 मई 2023)

कनक शर्मा

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया में आईसीटी का उपयोग: राजस्थान के सीकर जिले के फतेहपुर ब्लॉक में स्कूलों का एक सर्वेक्षण": शिक्षा विभाग, सामाजिक विज्ञान स्कूल, आईएफटीएम विश्वविद्यालय, मोरादाबाद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय निर्माण परिप्रेक्ष्य (जनवरी 27-28,2023)।
- साहू राम स्वरूप महिला महाविद्यालय, बरेली (30 जनवरी, 2023) द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों के मुद्दों और चुनौतियों में एनईपी के सफल निष्पादन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "विज्ञान की शिक्षाशास्त्र में कला एकीकरण"।
- भारतीय भाषा समिति और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में (10 - 11 मार्च, 2023)।
- अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर (11-12 अप्रैल, 2023) द्वारा अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास लचीलापन और स्थिरता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में संगठनात्मक लचीलापन"।

नित्या प्रेम एसआर

- केरल विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा (28 से 30 नवंबर 2022) तक आयोजित विंडोज़ प्लेटफ़ॉर्म के लिए इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया इंस्ट्रक्शनल पैकेज के विकास पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार सह कार्यशाला में "ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से शिक्षण और सीखने के लिए आदर्श बदलाव"।

- "महिला उद्यमिता के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रिया: एक निर्णय लेने का दृष्टिकोण" आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षक शिक्षा प्रणाली के पुनरोद्धार पर राष्ट्रीय सेमिनार IQAC, फातिमा मेमोरियल ट्रेनिंग कॉलेज पल्लीमुक्कू, कोल्लम, केरल द्वारा विद्याभ्यास विकास केंद्रम, केरल के सहयोग से आयोजित (14 और 15 दिसंबर) 2022)

अंग्रेजी विभाग

संजय अरोड़ा

- सीयूराज_आडीएससी विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " समकालीन भारतीय चित्र पुस्तकों में दृश्य विकलांगता का प्रतिनिधित्व " । (8-10 फरवरी, 2023) . पेपर प्रस्तुति.

भूमिका शर्मा

- चंडीगढ़ विश्वविद्यालय द्वारा अंग्रेजी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन में समकालीन परिप्रेक्ष्य पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रैप्ड इन एनोमी: द फ्यूचर वर्ल्ड इन कोलसन व्हाइटशीड्स जोन वन"। (15-16 जुलाई, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- इंडियन एसोसिएशन फॉर साइंस फिक्शन स्टडीज के सहयोग से आईएएच, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा द्वारा आयोजित साइंस फिक्शन स्टडीज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "साइंस फिक्शन एंड मशीन्स: ए स्टिंट विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन डेनियल एच. विल्सन्स रोबोपोकैलिप्स"। (17-20 जुलाई, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- बांकुरा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित न्यू एज क्रिटिकल पोस्टह्यूमैनिटीज: ट्रांसडिसिप्लिनरी अप्रोच टू पोस्ट-मिलेनियल इंटेलेक्चुअल हिस्ट्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मरणोपरांतवाद और एआई कंपेनियनशिप: मारिसा मेयर्स सिंडर में संभावित भविष्य के समाज का एक अध्ययन"। (10-11 सितंबर, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश के XIX वार्षिक सम्मेलन द्वारा आयोजित, प्यार पर बातचीत, नफरत का मुकाबला: विश्व साहित्य में प्यार की खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अन/बॉन्डेड की सूक्ष्मता: राइट, एलिसन और बाल्डविन में प्यार-नफरत संबंध का पुनर्निर्माण"। (20-21 नवंबर, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- प्रथम विश्व युद्ध पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नेगोशिएटिंग मॉडर्निज्म: इन्वेंटिव इमेजरीज एंड सर्किटस कोड्स इन एलिसन फिक्शन": आधुनिकतावाद; एवं टाइम बाइंडिंग का आयोजन राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा किया गया। (27-28 जनवरी, 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य पर सीयूराज_आडीएससी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "द हेल्पिंग हैंड्स: चुनिंदा फिल्मों के माध्यम से विकलांग लोगों और उनके देखभाल करने वालों की जीवन चुनौतियों को देखते हुए"। (8-10 फरवरी, 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- "द महाभारत: ए टेल टोल्ड थाउजेंड टाइम्स" प्राचीन ज्ञान प्रणाली ट्रांसेंडिंग स्पैटियो बाउंड्रीज़ पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (29-31 मई, 2023)। पेपर प्रस्तुति.

नेहा अरोरा

- असम विश्वविद्यालय, दीफू कैंपस द्वारा प्रतिरोध, सुलह और उपचार पर एक अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "'हमारा श्रम, हमारा काम': भारतीय यौनकर्मियों के जीवन की कहानियों में प्रतिरोध पढ़ना"। (11-12 जुलाई, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- केप कोमोरिन ट्रस्ट के सहयोग से सेंट जॉन्स कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड साइंस, कन्याकुमारी द्वारा भाषा, साहित्य और मानविकी पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सेक्स वर्कर्स का हाशियाकरण: केरल और राजस्थान में सेक्स वर्कर्स का एक तुलनात्मक अध्ययन" . (20-21 अगस्त, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- डीआईटी विश्वविद्यालय द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान में रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "दुनिया को बदलना, नई कहानियां लिखना: समकालीन समय में दलित महिला सशक्तिकरण को समझना"। (10-11 नवंबर, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी और बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर-पूर्व भारत में विकलांगता पर आईसीएसएसआर-एनईआरसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रतिरोध, सुलह और उपचार: शिवानी गुप्ता की 'नो लुकिंग बैक: ए टू स्टोरी' का एक अंतर्विभागीय वाचन"। (28-29 नवंबर 2022)। पेपर प्रस्तुति.

- फारूक कॉलेज, कालीकट द्वारा आयोजित सन्निहित पहचान: द बॉडी इन कल्चरल स्पेसेस पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "'अस्वीकृत' शरीर को अस्वीकार करना, विकलांगता को प्राकृतिक बनाना: भारतीय विकलांग महिला लेखकों का एक अध्ययन"। (21-22 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- सोफिया गर्ल्स कॉलेज, अजमेर द्वारा साहित्य और भाषाविज्ञान में हालिया रुझानों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हाशिए पर बातचीत, 'स्वयं' पर जोर देना: भारतीय विकलांग महिलाओं द्वारा जीवन कथाओं का एक महत्वपूर्ण अध्ययन"। (10-11 मार्च 2023)। पेपर प्रस्तुति.

देवेन्द्र रांकावत

- सीयूराज_आडीएससी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य में "विकलांगता और लोकगीत: चुनिंदा राजस्थानी कथाओं और कहावतों का विश्लेषण"। (8-10 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- "प्यार रामबाण है: मीरा बाई की प्रेम कविताओं का एक अध्ययन" राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश ऑन नेगोशिएटिंग लव के XIX वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आयोजित किया गया। नफरत का मुकाबला: अंग्रेजी विभाग, सरकार द्वारा विश्व साहित्य में प्रेम की खोज का आयोजन। लोहिया कॉलेज, चूरू (राजस्थान)। (20-21 नवंबर, 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- संगम विश्वविद्यालय और अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय योगदान पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "औपनिवेशिक शासन के तहत दक्षिणी राजस्थान में जनजातीय जीवन"। (14-15 सितंबर 2022) पेपर प्रस्तुत किया गया।
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में अंग्रेजी और उच्च शिक्षा: अंतर-संबंध पर एक परिप्रेक्ष्य"। (10-11 मई 2023)। पेपर प्रस्तुत किया गया.

वेद प्रकाश

- जादवपुर विश्वविद्यालय द्वारा दलित अध्ययन पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जाति हिंसा और मूंछों की राजनीति: 'मोंछे' के माध्यम से उपस्थिति-आधारित भेदभाव का एक अध्ययन"। (3-4 नवंबर 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- मेट्रोपोलिस और मार्जिन पर IACLALS अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "'मैनुअल स्कैवेंजिंग' और भाषा सिंह की अनसीन के माध्यम से मेट्रोपोलिस का विचार: भारत के मैनुअल स्कैवेंजर्स के बारे में सच्चाई": साहित्यिक और भाषा अध्ययन में बदलते परिप्रेक्ष्य। (27-29 अप्रैल, 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- पेड़ और साहित्य पर राष्ट्रीय सेमिनार में "मौत का पेड़: अजीब फल के माध्यम से लिंचिंग की संस्कृति का विश्लेषण": विविध प्रतिमान। (18-19 अप्रैल 2023)। पेपर प्रस्तुति.

सविता अंडेलवार

- डीएवी कॉलेज, अजमेर द्वारा राष्ट्र प्रेमी, मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन "आधुनिक भारत में पंडित दीनदयाल उपाध्याय और समाज कल्याण योजनाएं"। (25 नवंबर 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- “विकलांगताएं और सौंदर्यशास्त्र! मुंह और पैर पेंटिंग कलाकार", सीयूराज_आडीएससी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकलांगता और रोजमर्रा की जिंदगी: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर। (8-10 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- अंग्रेजी विभाग, सोफिया गर्ल्स कॉलेज, अजमेर, राजस्थान द्वारा साहित्य और भाषाविज्ञान में हालिया रुझानों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " गांधी के साथ महादेव देसाई का दिन-प्रतिदिन" (सचिव की डायरी) । (10-11 मार्च 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा चुनोठिया या संभावनाई विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उच्च शिक्षा में प्रादेशिक भाषाओं का चलन, सम्भावनाई या चुनोठिया"। (10-11 मार्च 2023)। पेपर प्रस्तुति.

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डॉ. ऋतु सिंह

- पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित जल मात्रा और गुणवत्ता प्रबंधन (*ETWQQM*-2023) में उभरते रुझानों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " पॉलीमर कार्यात्मक लौह नैनोकणों के साथ एज़ो रंगों को हटाने का मूल्यांकन"। (22 - 23 मार्च 2023): पेपर प्रेजेंटेशन

- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा पादप एवं पर्यावरण विज्ञान में उभरते रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मूंग की वृद्धि और विकास पर वाणिज्यिक यूरिया और नैनोयूरिया के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन"। (2 - 4 फरवरी 2023): पेपर प्रस्तुति
- एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा सतत पर्यावरण चुनौतियों और अवसरों पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "प्रयोगात्मक मॉडलिंग के माध्यम से ज़ेनोबायोटिक रंगों को हटाने के लिए चुंबकीय कोर-शेल नैनोकण"। (29 - 30 अगस्त 2022): पेपर प्रस्तुति।

डॉ. निवेदिता चौधरी

- शेर-ए-कश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू, चट्ठा, जम्मू के सहयोग से इंडियन इकोलॉजिकल सोसायटी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस द्वारा आयोजित "इंडियन इकोलॉजिकल सोसायटी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस", (13-15 अक्टूबर, 2022) , पोस्टर प्रस्तुति (ऑफ़लाइन) .

- " पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" एसआरकेजी, पीजी कॉलेज, एमपी सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। पीजी कॉलेज गवर्नमेंट पीजी साइंस कॉलेज, एसआरकेजी, पीजी कॉलेज, राजसमंद, राजस्थान के सहयोग से (16-17 दिसंबर, 2022), मौखिक प्रस्तुति (ऑफ़लाइन) ।

- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा औषधीय पौधों की खेती और विपणन (एमपीसीएम, 2023) पर राज्य स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। (20 -21 जनवरी, 2023), भाग लिया (ऑफ़लाइन)।

- "आईसीपी वनस्पति पोस्टर प्रस्तुति की 36 वीं टास्क फोर्स बैठक", अंतर्राष्ट्रीय बैठक ऑनलाइन आयोजित की गई और यूरोप के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (यूएनईसीई) द्वारा आयोजित की गई और यूके सेंटर फॉर इकोलॉजी एंड हाइड्रोलॉजी, बांगोर द्वारा आयोजित की गई, (13-15) फरवरी 2023), पोस्टर प्रस्तुति (ऑनलाइन)।

- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा (20-24 फरवरी 2023) तक "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करना" विषय पर पांच दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी आयोजित की गई। भाग लिया (ऑनलाइन)।

भाषा विज्ञान विभाग

श्री धनंजय कुमार तिवारी

- *50 वें अखिल भारतीय द्रविड़ भाषाविज्ञान संघ में "न्यायपालिका में सरल भाषा आंदोलन: एक परीक्षा" । (21 तारीख - 23 जून 2023)।* प्रस्तुति

डॉ.महबूब जाहिद

- "कौन क्या बोलता है? सीआईआईएल (मैसूर) के सहयोग से भाषा विज्ञान और साहित्य विभाग, क्लस्टर यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू द्वारा भाषा साहित्य और लोकगीत (आईसीओएलएएफ) पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बिहार की एक समाजशास्त्रीय प्रोफ़ाइल। (28 जनवरी -30 जनवरी 2023)। प्रस्तुति

फार्मेसी विभाग

प्रो. अमित के गोयल

- शिवलाल यादव , मेडटेक, आईआईटी कानपुर के सहयोग से ई-स्पिन नैनोटेक द्वारा "नैनोफाइबर प्रौद्योगिकी और इसके व्यावसायीकरण" पर कार्यशाला 10 से 15 अक्टूबर 2022 को आयोजित की गई।
- प्रियंका कुमारी, मेडटेक, आईआईटी कानपुर के सहयोग से ई-स्पिन नैनोटेक द्वारा "नैनोफाइबर प्रौद्योगिकी और इसके व्यावसायीकरण" पर कार्यशाला 10 से 15 अक्टूबर 2022 को आयोजित की गई।
- माहोर, ए., सावंत, डीएम, गोयल, एके, " मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण के प्रभावों (आईईएफएनएचएच - आईएसएलएस 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एम्फोटेरिसिन बी के निर्दिष्ट स्थानों पर विभिन्न आर समूह पुस्तकालयों के साथ प्रगणित प्रतिस्थापन "। (21-24 दिसंबर 2022)।

- माहोर, ए., सावंत, डीएम, गोयल, एके, " एम्फोटेरिसिन बी और एर्गोस्टेरॉल के प्रगणित अणुओं के बीच आणविक अंतःक्रिया का आकलन, जिससे एम्फोटेरिसिन बी की मौखिक जैवउपलब्धता में सुधार होता है " रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आईसीआरएसीएस 2023) पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में). (16-18 जनवरी 2023)।

डॉ.डी.माधुरी

- एपीटीआई और आईपीए-एपी राज्य शाखा, तेनाली, आंध्र प्रदेश के सहयोग से एएसएन फामेसी कॉलेज द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार "नियामक मामलों की भूमिका और भविष्य की संभावनाएं" में "चिकित्सा उपकरणों के लिए नियामक आवश्यकताएं"। (25 फरवरी 2023): पेपर प्रेजेंटेशन।
- यूजीसी प्रायोजित राष्ट्रीय सेमिनार "हिंसा: महिला सशक्तिकरण में बाधा" में "भारत में महिला सशक्तिकरण पर घरेलू हिंसा का प्रभाव", महिला अध्ययन केंद्र, आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित (13-14 फरवरी, 2023): पेपर प्रस्तुति

डॉ कैसर रज़ा

- राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में "डिजाइन द्वारा फार्मा गुणवत्ता में समकालीन रुझान, उपकरण और तकनीक (क्यूबीडी): संकल्पना से कार्यान्वयन तक"। (20-21 अप्रैल 2023)।

डॉ .उमेश गुप्ता

- "विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 का कार्यान्वयन ¬", इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, कर्मचारी प्रशिक्षण और दूरस्थ शिक्षा अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली (0917 सितंबर 2022) द्वारा आयोजित यूजीसी अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम।

प्रबंधन विभाग

डॉ. संजय कुमार

- अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्रिप्टोकरेंसी और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के बीच दीर्घकालिक संबंध" (11-12 अप्रैल, 2023)
- अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ द्वारा आयोजित प्रबंधन, सामाजिक विज्ञान और उन्नत अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पिछले 20 वर्षों में अनुसंधान आयाम के रूप में वित्तीय डेरिवेटिव" (11-12 अप्रैल, 2023)
- अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, किशनगढ़ द्वारा आयोजित अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और इक्विटी पूंजी की लागत के बीच संबंध की एक व्यवस्थित और मेटा विश्लेषणात्मक समीक्षा"। 11-12 अप्रैल, 2023)
- प्रबंधन और वाणिज्य संकाय, पूर्णिमा विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित वैश्विक नेतृत्व और नवीन प्रबंधन प्रथाओं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "उभरते और विकसित पूंजी बाजारों के क्षेत्रीय सूचकांकों के बीच दीर्घकालिक और अल्पकालिक संबंध" (10-11 अप्रैल 2023)
- आईआईटी रूड़की और एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित सतत व्यवसाय प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (23-25 मार्च, 2023) "कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और इक्विटी पूंजी की लागत के बीच संबंधों की एक मेटा विश्लेषण समीक्षा"।
- आईआईटी रूड़की और एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा आयोजित सतत व्यवसाय प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारंपरिक और टिकाऊ संपत्तियों के बीच अस्थिरता स्पिलओवर और गतिशील इंटरकनेक्टेडनेस" (23-25 मार्च, 2023)
- दिल्ली स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली द्वारा आयोजित "व्यवसाय और प्रबंधन" पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "विकसित और उभरते बाजारों के सतत इक्विटी सूचकांकों के बीच अस्थिरता स्पिलओवर" (19-20 जनवरी, 2023)
- एमडीआई डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, मुशीराबाद द्वारा आयोजित बिजनेस, आईटी और एंटरप्राइज आर्किटेक्चर के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कैसे भारतीय कंपनियों ने आईटी और कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के माध्यम से कोविड 19 महामारी से निपटा" (16-17, दिसंबर, 2022)
- 11-12 नवंबर 2022 को वाणिज्य और वित्तीय अध्ययन विभाग, झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय, रांची द्वारा आयोजित "आत्मनिर्भर भारत: भवन लचीलापन, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता" पर आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वित्तीय डेरिवेटिव: एक ग्रंथ

सूची परिप्रेक्ष्य"।

- आईआईएम बोधगया द्वारा आयोजित (28-29 अक्टूबर, 2022) उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) में "उभरते और विकसित पूंजी बाजारों के बीच अस्थिरता स्पिलओवर की मॉडलिंग: एक क्षेत्रीय विश्लेषण"
- 23-25 फरवरी 2023 को जेपी बिजनेस स्कूल (जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी) द्वारा "प्रबंधन और प्रौद्योगिकी में प्रगति ICAMT-2023" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृषि डेरिवेटिव सूचकांकों का प्रदर्शन: एक तुलनात्मक विश्लेषण"।
- प्रबंधन, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण स्थिरता (आईसीएमआरआई-2023) में बहुविषयक अनुसंधान और नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "जर्नल में अंतर्दृष्टि के लिए बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण का उपयोग: कृषि स्थिरता के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल का विशेष संदर्भ") एसएस जैन सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय, राम बाग, जयपुर और इंस्पिरा रिसर्च एसोसिएशन- आईआरए, भारत द्वारा 27-28 फरवरी, 2023 को आयोजित किया गया।
- 28 फरवरी, 2023 को आईईएस के प्रबंधन कॉलेज और अनुसंधान केंद्र, मुंबई द्वारा हाल के समय में चुनौतियों और बदलती व्यावसायिक प्रथाओं पर आयोजित 13वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृषि-व्युत्पन्न सूचकांक: निवेश के लिए नए युग के उपकरण"।
- 23 और 24 मार्च 2023 को आईसीएफएआई बिजनेस स्कूल, जयपुर द्वारा री-इमेजिनियरिंग बिजनेस एंड मैनेजमेंट: द इमर्जिंग लैंडस्केप पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को किसानों के लिए बेहतर कल की आवश्यकता है"।
- 11-12 अप्रैल, 2023 को वाणिज्य विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित स्थिरता @ 75: स्वतंत्रता के 75 वर्षों के बाद तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कृषि-व्युत्पन्न बाजार: किसानों के लिए आशा"।
- प्रबंधन विकास संस्थान, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल, भारत (16-17 दिसंबर 2022) द्वारा आयोजित बिजनेस, आईटी और एंटरप्राइज आर्किटेक्चर (आईसीबीआईटी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "क्रिप्टोकरेंसी के पदचिह्न- एक ग्रंथ सूची समीक्षा"।
- "क्रिप्टोकरेंसी का प्रदर्शन और विकास: एक तुलनात्मक विश्लेषण", क्राइस्ट (डीम्ड यूनिवर्सिटी) दिल्ली एनसीआर, भारत (23-25 मार्च 2023) द्वारा आयोजित सतत बिजनेस प्रैक्टिस और इनोवेटिव मॉडल -2023 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग, राजलक्ष्मी इंजीनियरिंग कॉलेज, चेन्नई (12-13 अप्रैल, 2023) द्वारा आयोजित सतत व्यावसायिक प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में क्रिप्टोकरेंसी और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के बीच सह-एकीकृत संबंध।
- क्रिप्टोकरेंसी विकास और इसकी भविष्य की संभावनाएं: एक ग्रंथ सूची समीक्षा, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, बीआईसीओएन 2022-23, बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज, जयपुर, राजस्थान, भारत द्वारा आयोजित (21-24 जनवरी 2023)

डॉ. अवंतिका सिंह

- मोहन लाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर के इतिहास विभाग द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया के इतिहास में जानवरों पर अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन में "अमूल के विशेष संदर्भ में भारत में डेयरी उद्योग का इतिहास"। (02-03 फरवरी, 2023)।
- दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, दिल्ली स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा डिजिटलीकरण और सतत विकास लक्ष्य विषय पर व्यापार और प्रबंधन पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सामाजिक विपणन अभियान: विकास और चुनौतियां"। (19-20 जनवरी, 2023)।
- मराठवाड़ा सर्वोदय शिक्षण प्रसारक मंडल के लालबहादुर शास्त्री सीनियर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित पर्यावरण, प्रबंधन, मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीसीईएमएसटी-2022) में बदलते परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "राजस्थान में पर्यटन उद्योग में सतत नेतृत्व: एक समीक्षा और वैचारिक ढांचा"। कॉलेज, पार्टूर जिला। जालना, मुला एजुकेशन सोसाइटी के कला, वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, सोनाई, नेवासा जिला। अहमदनगर और युवराज कॉलेज मैसूरु। (14-15 जुलाई, 2022)।
- मराठवाड़ा सर्वोदय शिक्षण प्रसारक मंडल के लालबहादुर शास्त्री सीनियर द्वारा संयुक्त रूप से पर्यावरण, प्रबंधन, मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (आईसीसीईएमएसटी-2022) में बदलते परिप्रेक्ष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पिरामिड के निचले भाग में ई-बैंकिंग सेवाओं का एक संश्लेषण" आयोजित किया गया। कॉलेज, पार्टूर जिला। जालना, मुला एजुकेशन सोसाइटी के कला, वाणिज्य और विज्ञान कॉलेज, सोनाई, नेवासा जिला। अहमदनगर और युवराज कॉलेज मैसूरु। (14-15 जुलाई, 2022)।
- बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर द्वारा आयोजित लेखांकन, वित्त और व्यवसाय प्रबंधन (आईएसएएफबीएम'2022) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्थायी नेतृत्व के सिद्धांतों पर एक समीक्षा और वैचारिक रूपरेखा"। (27 सितंबर, 2022)।

डॉ. तुलसी गिरी गोस्वामी

- "एचआर एनालिटिक्स की एक हाइब्रिड समीक्षा " - कार्रवाई में संगठन: प्रबंधन प्रथाओं में डिजिटलीकरण और स्थिरता , 9-11 जून 2023 को आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित
- श्री राम चरित भवन, ह्यूस्टन, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा आयोजित 5 वें अंतर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में " रामायण में महिलाओं का परिप्रेक्ष्य " 17-19 मार्च 2023

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

प्रो प्रदीप वर्मा

- भारत-यूरोपीय संघ कार्यशाला में सत्र की अध्यक्षता; सरस्वती 2.0: भारत के लिए विकेन्द्रीकृत अपशिष्ट जल उपचार और संसाधन पुनर्प्राप्ति के लिए सर्वोत्तम तकनीकों की पहचान, 23 मार्च 2023 को राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में आयोजित हुई।

डॉ. दीक्षा त्रिपाठी

- सिडस्कॉन 2022, कोलकाता पश्चिम बंगाल के वार्षिक सम्मेलन में "एमटीबी के ट्रिगर फैक्टर के नए अवरोधकों की पहचान"। (15-17 जुलाई 2022)
- मेडिकल बायोलॉजिकल और फार्मास्युटिकल विज्ञान आईसीएमबीपीएस 22, जयपुर, राजस्थान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "तनाव प्रतिक्रिया में उनकी भूमिका के लिए रोगजनक बैक्टीरिया के चैपरोन जैसे प्रोटीन की कार्यात्मक विशेषता"। (07 अगस्त 2022)।
- "उपन्यास एम. तपेदिक पीटीपीबी अवरोधकों की संरचना आधारित पहचान: सिलिको निर्धारकों से अंतर्दृष्टि" सूक्ष्मजीवों और समाज पर 62वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: वर्तमान रुझान और भविष्य की संभावनाएं (एमएससीटीएफपी-2022) मैसूर, कर्नाटक (21-23 सितंबर 2022)

भौतिकी विभाग

प्रो. मनीष देव श्रीमाली

- बुनियादी विज्ञान में अनुसंधान पद्धति में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (ऑनलाइन), यूजीसी-एचआरडीसी, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर। (10 नवंबर 2022)।

डॉ. अजीत कुमार पात्रा

- सेंटर फॉर एडवांस्ड इलेक्ट्रॉनिक्स (सीएई) आईआईटी इंदौर में "चुंबकीय डेटा भंडारण अनुप्रयोगों के लिए लंबवत चुंबकीय अनिसोट्रॉपी के साथ एपिटैक्सियल एमएन-जीई पतली फिल्में"। (7 अक्टूबर 2022): सेमिनार प्रस्तुति

डॉ. सुखमंदर सिंह

- आईआईटी जोधपुर, राजस्थान में प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 37वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में "चुंबकीय क्वांटम धूलयुक्त प्लाज़्मा में स्ट्रीमिंग अस्थिरता"। (12-14 दिसंबर, 2022)। सम्मेलन प्रस्तुति

डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी

- एसएनयू (कोरिया), पोस्टेक (कोरिया), क्यूंग ही यूनिवर्सिटी (कोरिया), यूईएसटीसी (चीन) द्वारा स्ट्रिंग्स, ब्रेन्स और गेज थ्योरी (एसबीजी2022) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में "चेर्न-साइमन्स सिद्धांत में बहु-सीमा उलझाव: हालिया विकास"). (24-30 जुलाई, 2022): कार्यशाला प्रस्तुति।

डॉ.कुलदीप सुथार

- भौतिक विज्ञान विभाग, आईआईएसईआर मोहाली में "उपन्यास क्वांटम चरण और ऑप्टिकल लैटिस में गैर-हर्मिटियन कई-शरीर स्थानीयकरण"। (12 मई 2023): सेमिनार प्रस्तुति।

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

सी. जीवन कुमार:

- "कृषि पद्धतियों के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म का उपयोग: महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र से अंतर्दृष्टि", स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में भारत में लोक प्रशासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: परिवर्तन और चुनौतियाँ, जेएनवी विश्वविद्यालय, जोधपुर। (23-24 दिसंबर, 2022)। सम्मेलन प्रस्तुति

एस. कंडासामी:

- CURAJ और ICSSR (11 और 12 अप्रैल 2023) द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में 'भारतीय सिविल सेवाओं में सुधार - आर्थिक सेवाओं के निर्धारण में एक प्रमुख कारक'। संगोष्ठी प्रस्तुति
- बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में "उभरती प्रौद्योगिकी में कॉपीराइट संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियाँ" (26 अप्रैल 2023)। सम्मेलन प्रस्तुति

ज्ञान रंजन पांडा:

- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों, रणनीतियों और चुनौतियों पर आयोजित यूएलपी अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बीआरआई के तहत डिजिटल सिल्क रोड पहल (डीएसआरआई): भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए निहितार्थ और चिंताएं"। (20-21 जनवरी, 2023)। संगोष्ठी प्रस्तुति
- राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित "अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में "शहरी केरल में अस्पताल में भर्ती व्यय: स्वास्थ्य वित्तपोषण में खामियों को दूर करना"। (11-12 अप्रैल, 2023)। सम्मेलन प्रस्तुति

सामाजिक कार्य विभाग

प्रो. जगदीश जाधव

- 9 जून, 2023 को https://www.iaswg.org/2023symposium में सामाजिक कार्य पर एक पूर्ण सत्र में अंतर्राष्ट्रीय वर्चुअल संगोष्ठी में 'वी सस्टेन्ड कलेक्टिवली: इंडिजिनस ग्रुप वर्क प्रैक्टिसेस अमंग द बकरवाल पास्टरल नोमैड्स' शीर्षक से एक पेपर सह -प्रस्तुत किया गया । समूहों के साथ: सामाजिक समूह कार्य की उत्पत्ति: दुनिया भर से स्थानीय कहानियाँ।

डॉ. सुभासिस भद्रा

- "अदृश्य संघर्ष: जयपुर में कूड़ा बीनने में लगे रोहिंग्या शरणार्थियों द्वारा सामना किए जाने वाले शासन संबंधी मुद्दों की खोज" (ऐश्वर्या गौतम के साथ सह-लेखक); लोक प्रशासन विभाग, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 2 मई 2023 को आयोजित 21 वीं सदी में लोक प्रशासन का पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित किया गया।
- "जम्मू क्षेत्र के सीमा संघर्ष क्षेत्रों में रहने वाले स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच लचीलापन" (कौसर, आर के साथ सह-लेखक),); लोक प्रशासन विभाग, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 2 मई 2023 को आयोजित 21 वीं सदी में लोक प्रशासन का पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित किया गया।
- "संस्थागत देखभाल से सामुदायिक जीवन में संक्रमण में युवा देखभाल-छोड़ने वाले: शासन के मुद्दे और आगे का रास्ता" (मधु कुमारी के साथ सह-लेखक); लोक प्रशासन विभाग, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 2 मई 2023 को आयोजित 21 वीं सदी में लोक प्रशासन का पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित किया गया।

डॉ. शैजी अहमद

- सेंटर फॉर रिसर्च ऑन ह्यूमन राइट्स, यूनाइटेड वर्ल्ड स्कूल ऑफ ह्यूमन राइट्स द्वारा आयोजित 'कोविड-19 और मानव अधिकारों पर इसके प्रभाव' 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय अंतःविषय सम्मेलन में "प्रारंभिक बचपन के दौरान नियमित टीकाकरण प्रथाओं पर सीओवीआईडी - 19 महामारी का प्रभाव" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। कानून, गुजरात मानवाधिकार आयोग और कर्णावती विश्वविद्यालय, गांधीनगर 27 अगस्त , 2022 को।
- 8 सितंबर, 2022 को स्कूल ऑफ लॉ, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी द्वारा 'आतंकवाद-विरोधी और मानवाधिकार' विषय पर आयोजित एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा 'रक्षा शिक्षा, अनुसंधान और प्रबंधन के क्षेत्र में समकालीन रुझान: अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर आयोजित बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "कोविड-19 महामारी और नए सामान्य के दौरान मलिन बस्तियों में मातृ स्वास्थ्य देखभाल की जटिलताओं" पर पेपर प्रस्तुत किया। 25-26 नवंबर, 2022 के दौरान भारत और आईसीईआरटी।
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै के संचार विभाग द्वारा समन्वय में 'इको-साक्षरता का भविष्य: पर्यावरण-केंद्रित मीडिया की भूमिका' विषय पर आयोजित मदुरै अंतर्राष्ट्रीय संचार सम्मेलन में "स्थानीय ज्ञान और सामुदायिक सहभागिता प्रथाओं के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण" पर पेपर प्रस्तुत किया गया। रूसा और इको विजन इंडिका, नई दिल्ली 3-4 दिसंबर, 2022 के दौरान ऑनलाइन मोड में।
- "राजस्थान में बच्चों के अनुकूल पुलिस प्रणाली: समकालीन रुझान और तंत्र" पर पेपर प्रस्तुत किया सेंटर फॉर साउथ एशियन लीगल स्टडीज, गीता इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, पानीपत, दिल्ली-एनसीआर और स्कूल ऑफ लॉ, गीता यूनिवर्सिटी द्वारा मालदीव नेशनल यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित 'दक्षिण एशिया में कानून के बदलते आयाम: मुद्दे और चुनौतियां' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में और काठमांडू स्कूल ऑफ लॉ, नेपाल 10 दिसंबर , 2022 को।
- रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, लंदन और के सहयोग से राजस्थान विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'हरित ऊर्जा और सतत पर्यावरण अभ्यास -2023' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पर्यावरण-स्थिरता प्राप्त करने में स्वदेशी प्रौद्योगिकी और ज्ञान की भूमिका" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर, नई दिल्ली 30-31 जनवरी, 2023 के दौरान।
- तारीख के दौरान 'समाज, अपराध और कानून प्रवर्तन एजेंसियां' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पुलिसिंग बनाम मित्रता: बच्चों के लिए पुलिस स्टेशनों का कायाकल्प करने का समय" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। जनवरी,2023.
- 11-12वीं के दौरान राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 'अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता के अर्थशास्त्र' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "अजमेर, राजस्थान की महिला निर्माण श्रमिकों के व्यवहार संबंधी प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल" पर पेपर प्रस्तुत किया। अप्रैल,2023.
- 03-03 के दौरान काठमांडू, नेपाल में गुरु विद्यापीठ, भारत द्वारा आयोजित 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत-नेपाल की राजनीति, शिक्षा, साहित्य और संस्कृति' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ऑनलाइन मोड में "राजस्थान में बाल मैत्रीपूर्ण पुलिस प्रणाली की प्रथाएं" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। 04 जून , 2023।
- एनएचआरसी, न्यू के सहयोग से हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा 'लिंग आधारित अपराध और महिला पुलिस स्टेशन' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लिंग आधारित हिंसा और राजस्थान के संदर्भ में संभावित हस्तक्षेप पर एक अध्ययन" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। 18-19 नवंबर , 2022 को दिल्ली ।
- भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित 'पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "पिछले 20 वर्षों में पशुचारण एक शोध आयाम के रूप में" विषय पर पेपर प्रस्तुत किया। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार 9-10 फरवरी , 2023 को।

डॉ. डंडुब पलज़ूर

- 09.02 को भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा 'पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "उदयपुर, राजस्थान में जनजातियों के बीच पारंपरिक आजीविका में बदलाव का प्रभाव" .2023 से 10.02.2023 तक।

डॉ. राजीव एम.एम

- वीं सदी में सार्वजनिक प्रशासन के पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ 2 मई 2023.

समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

डॉ. कुमार संभव पारीक

- एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित मीडिया और साहित्य में लिंग और राजनीति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (10 फरवरी 2023) में "डिजिटल मीडिया और समकालीन राजनीति पर इसका प्रभाव"। पेपर प्रस्तुति

डॉ जया कृतिका ओझा

- " स्थिरता की दिशा में महिला समूह: भारत में हंसिबा का एक केस स्टडी"। आरआईएम हैदराबाद द्वारा ईएसजी (पर्यावरण, सामाजिक और शासन) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित (27-28 जून 2023)। पेपर प्रस्तुति
- " पश्चिमी राजस्थान में ग्रामीण महिला कारीगरों के लिए शिल्प क्षेत्र और डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र"। एफडीपी सम्मेलन सह पुनर्मिलन। आईआईएम अहमदाबाद द्वारा आयोजित (26-27 मई 2023)। पेपर प्रस्तुति
- " डिजिटल अर्थव्यवस्था में नवाचार और लचीलापन: भारत और चीन का एक विश्लेषण"। "अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। ICSSR और अर्थशास्त्र विभाग, CURAJ द्वारा आयोजित (11-12) अप्रैल 2023)। पेपर प्रस्तुति
- " पशुपालन: राजस्थान के थार रेगिस्तान में भविष्य सुनिश्चित करने के लिए पारंपरिक प्रथाओं को पुनः व्यवस्थित करना"। पारिस्थितिक विघटन और पशुचारण पर राष्ट्रीय सम्मेलन: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान। भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण (एएसआई), सरकार के सहयोग से सामाजिक कार्य विभाग, सीयूआरएजे द्वारा आयोजित। भारत की (9-10 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति
- " राजस्थान के थार रेगिस्तान की ग्रामीण महिला कारीगरों के लिए डिजिटल परिदृश्य का आकलन"। सामाजिक विज्ञान और मानविकी में संवाद और विचार-विमर्श पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICDDSSH-2022), साबरमती विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित (29-30 जुलाई 2022)। पेपर प्रस्तुति

डॉ. जुगल किशोर

- एसओएम, प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु, (9-10 दिसंबर 2022) में दूसरे डॉक्टरेट कोलोक्वियम में "डिजिटलीकरण: एसएमई की बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धात्मकता की ओर"। पेपर प्रस्तुति
- वाणिज्य विभाग, भारत इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (30 नवंबर 2022) द्वारा आयोजित "वाणिज्य में भविष्य के रुझान: चुनौतियां और स्थिरता" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एसएमई के लिए प्रतिस्पर्धी लाभ प्राप्त करने के लिए एक रणनीतिक चपलता के रूप में डिजिटलीकरण"। पेपर प्रस्तुति

खेल जीव विज्ञान विभाग

डॉ. नेहा सिंह

- द इंडियन बोटैनिकल सोसाइटी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के अखिल भारतीय वानस्पतिक सम्मेलन में "एथलीटों में प्रोसोपिस सिनेरिया के साथ स्पिरुलिना प्रशासन का हाइपोकोलेस्ट्रोलेमिक प्रभाव"। (14-16 अक्टूबर, 2022)

- ह्यूमनाइजिंग वर्क एंड वर्क एनवायरनमेंट 2022 पर 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब में "भेड़ के दूध के पूरक से प्रतिरोध प्रशिक्षण से गुजरने वाले एथलीटों की लिपिड प्रोफाइल और शारीरिक फिटनेस में सुधार होता है"। (24-26 नवंबर 2022)

खेल मनोविज्ञान विभाग

डॉ. गुनीत इंदरजीत कौर

- "विश्वविद्यालय स्तर के एथलीटों के बीच बुद्धि और एथलेटिक मुकाबला रणनीति"। मनोविज्ञान विभाग और राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान (एनआईएएस), बैंगलोर, कर्नाटक (18-19 अप्रैल 2023) द्वारा जानवरों, मनुष्यों और मशीनों में बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय सम्मेलन 'इनसाइट 2023' आयोजित किया गया। पेपर प्रस्तुति.
- "युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच मनोवैज्ञानिक कल्याण के साथ धैर्य और लचीलेपन का संबंध"। शारीरिक शिक्षा और व्यायाम विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICPEES 2023), शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा आयोजित (22- 24 मार्च 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- "व्यक्तियों और टीम खेल एथलीटों के बीच खेल भावनात्मक बुद्धिमत्ता"। खेल, स्वास्थ्य, कल्याण और सतत विकास पर स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज और इंटरनेशनल नॉलेज पार्टनर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (17- 18 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- "ग्रामीण और शहरी विश्वविद्यालय एथलीटों के बीच मनोवैज्ञानिक कल्याण में जुनून"। खेल, स्वास्थ्य, कल्याण और सतत विकास पर स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज और इंटरनेशनल नॉलेज पार्टनर्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (17- 18 फरवरी 2023)। पेपर प्रस्तुति.
- "कबड्डी खिलाड़ियों के बीच खेल उपलब्धि प्रेरणा और मानसिक दृढ़ता"। कार्य और कार्य वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने पर 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "नए सामान्य के लिए एर्गोनॉमिक्स"। शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, इंटरनेशनल एर्गोनॉमिक्स एसोसिएशन और इंडियन सोसाइटी ऑफ एर्गोनॉमिक्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (24- 26 नवंबर 2022)। पेपर प्रस्तुति.
- यूजीसी-एचआरडीसी महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर और एनईपी सेल, सीयूआरएजे द्वारा एनईपी 2020-मूविंग ऑन इंप्लीमेंटेशन पर ऑनलाइन कार्यशाला श्रृंखला के एक भाग के रूप में "इनोवेशन इकोसिस्टम और इनक्यूबेशन सेटअप" (30 जुलाई 2022): कार्यशाला

सांख्यिकी विभाग

डॉ. महेश बराले

- उभरते परिदृश्य में सांख्यिकीय विज्ञान के महत्व (एसएसएसईएस 2023-एसएससीए XXV) पर सोसायटी ऑफ स्टैटिस्टिक्स, कंप्यूटर एंड एप्लीकेशंस (एसएससीए) के रजत जयंती (वार्षिक) अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में फरवरी के दौरान आयोजित "स्थान की तुलना के लिए एक उत्कृष्ट कार्य आधारित परीक्षण" 15-17,2022 सांख्यिकी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू। पेपर प्रस्तुति.
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र और आनंदीबाई रोराणे कला, वाणिज्य और विज्ञान महाविद्यालय, वैभववाड़ी, महाराष्ट्र द्वारा संयुक्त रूप से अनुसंधान पद्धति पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में "एमएस-एक्सेल का उपयोग करके प्रशिक्षण डेटा विश्लेषण" आयोजित किया गया। अतिथि व्याख्यान

योग विभाग

- नींद और चेतना का तंत्रिका विज्ञान, योग के सिद्धांतों और प्रथाओं की वैज्ञानिक खोज पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार द्वारा आयोजित (25 फरवरी, 2022), आभासी माध्यम से
- मानव शरीर और पंचकोश का वैज्ञानिक सहसंबंध - योग चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ योग एंड स्पिरिचुअलिटी, केआईआईटीएस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (17 जुलाई, 2022), आभासी माध्यम से
- प्रतिरक्षा और योग - विज्ञान और आध्यात्मिकता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, योग और आध्यात्मिकता स्कूल, केआईआईटीएस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (22 अगस्त 2022), आभासी माध्यम से

.

- स्वास्थ्य और कल्याण पर योग का प्रभाव, योग विभाग, विश्वभारती, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित कार्यशाला (29 अगस्त 2022), आभासी माध्यम से
- मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण, बागलकोट आयुर्वेद कॉलेज, कर्नाटक द्वारा आयोजित एक प्रस्तुति (19 सितंबर 2022), आभासी माध्यम से
- योग के माध्यम से स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और रोगों की रोकथाम, मैंगलोर विश्वविद्यालय, मैंगलोर द्वारा आयोजित प्रस्तुति (23 नवंबर 2023), आभासी माध्यम से

विद्यार्थियों की मौखिक एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ

वास्तुकला विभाग

- महाले, ए. , राय, आरबी, " विरासत संरचनाओं का अनुकूली पुन: उपयोग - नासिक शहर के वाडा की खोज" में सिटीज़-2050 योजना, शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान। (23-24 जुलाई 2021)।
- पांडे, ए., राय, आरबी, " शहरी फैब्रिक में अनौपचारिक क्षेत्र का एकीकरण: आलमबाग, लखनऊ का केस स्टडी" नेशनल कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स ऑन सिटीज-2050 प्लानिंग, गवर्नेंस एंड मैनेजमेंट, एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान में। (23-24 जुलाई 2021)।
- संजीव, एम., राय, आरबी, " अन्थकारा नहर, त्रिपुनिथुरा, कोच्चि को पुनर्जीवित करने की संभावनाएं तलाशना" सिटीज़-2050 योजना, शासन और प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान। (23-24 जुलाई 2021)।
- शर्मा, आई., राय, आरबी, " गुरुग्राम के एक शहरी गांव में प्रवासियों के लिए अनौपचारिक किराये का आवास - बादशाहपुर गांव की कॉलोनी का एक अध्ययन " शहर-2050 योजना, प्रशासन और प्रबंधन, एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में । (23-24 जुलाई 2021)।
- इंगल, ए., राय, आरबी, " महाराष्ट्र में गर्म और शुष्क (नागपुर) जलवायु क्षेत्र में मौजूदा छोटे पैमाने के आवासीय भवनों की हरियाली" भविष्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन शहरी है- लचीलापन, जीवंतता और संसाधन संरक्षण, वास्तुकला और योजना संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात। (16-18 नवंबर 2021)।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

- कुमार, ए., दास, एस., पांडा, एसके, बदलते जलवायु पर उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान (INTROMET '21) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "डब्ल्यूआरएफ मॉडल कॉन्फ़िगरेशन के एक समूह का उपयोग करके बिहार लाइटनिंग इवेंट (25 जून 2020) का अनुकरण": परिणाम एवं चुनौतियाँ (C4-'21) भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी, कोचीन चैप्टर द्वारा आयोजित और कोचीन विज्ञान विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित की गई। (23-26 नवंबर 2021)।
- कुमार, ए., दास, एस., पांडा, एसके, जापान जियोसाइंस यूनियन (जेपीजीयू-2022) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डब्ल्यूआरएफ मॉडलिंग सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन के एक समूह का उपयोग करके बिजली की घटना का अनुकरण: लाइटनिंग पोटेंशियल इंडेक्स और लाइटनिंग फ्लैश काउंट का प्रदर्शन" . (22 मई-3 जून 2022)।
- वासन, जी., दास, एस., पांडा, एसके, उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मौसम अनुसंधान और पूर्वानुमान (डब्ल्यूआरएफ) मॉडल का उपयोग करके विमानन दुर्घटनाओं के उन्मूलन के लिए 2018 की स्पष्ट वायु अशांति (सीएटी) घटना का संख्यात्मक सिमुलेशन" (INTROMET '21) बदलती जलवायु: परिणाम और चुनौतियाँ (C4-'21) पर भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी, कोचीन चैप्टर द्वारा आयोजित और कोचीन विज्ञान विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित। (23-26 नवंबर 2021)।
- साहू, एस, पांडा, एसके, ढाका विश्वविद्यालय, बांग्लादेश द्वारा आयोजित मौसम विज्ञान और जलवायु विज्ञान 2021 (आईसीएमसीएस 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नमी परिवहन और सीमा परत प्रक्रियाओं की भूमिका: डब्ल्यूआरएफ मॉडलिंग सिस्टम का उपयोग करके उष्णकटिबंधीय चक्रवात चपाला का सिमुलेशन"। (10-11 दिसंबर 2021)।
- हरिताश्री, एस., पांडा, एसके, "मानदंडीकरण योजनाओं की संवेदनशीलता विश्लेषण: डब्ल्यूआरएफ का उपयोग करके उत्तराखंड में बादल फटने का संख्यात्मक सिमुलेशन" उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान (INTROMET '21) पर बदलती जलवायु: परिणाम

और चुनौतियां (C4-'21) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारतीय मौसम विज्ञान सोसायटी, कोचीन चैप्टर द्वारा आयोजित और कोचीन विज्ञान विश्वविद्यालय, केरल द्वारा आयोजित। (23-26 नवंबर 2021)।

- मोंडल, यू., पांडा, एसके, दास, एस., 18 वीं वर्चुअल वार्षिक बैठक एशिया ओशिनिया जियोसाइंसेज सोसाइटी (एओजीएस) में "भारत में बिजली गतिविधि के स्थानिक और अस्थायी जलवायु विज्ञान के अवलोकन संबंधी लक्षण"। (1-6 अगस्त 2021)।
- मोंडल, यू., श्रीलक्ष्मी एस., पांडा, एस.के., बनर्जी, बी., दास, एस., टेराओ, टी., “भारत और पूर्वी खासी हिल्स उत्तर पूर्वी क्षेत्र में बिजली का हॉटस्पॉट” में बिजली की जलवायु विज्ञान में मौसमी बदलाव ” जापान जियोसाइंस यूनियन का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (JpGU-2022)। (22 मई-3 जून 2022)।

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

- मोंडल, यू., पांडा, एसके, बनर्जी, बी., शर्मा, डी., "सैटेलाइट डेटासेट्स और वेदर रिसर्च फोरकास्टिंग (डब्ल्यूआरएफ) मॉडल का उपयोग करके लाइटनिंग पोटेंशियल इंडेक्स और फ्लैश काउंट का मूल्यांकन करने के लिए लाइटनिंग पैरामीटराइजेशन स्कीम का प्रभाव" में जलवायु और पर्यावरण अध्ययन के लिए अंतरिक्ष आधारित सूचना समर्थन: भविष्य की राह " एनआईसीईएस, एनआरएससी, भारत अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसरो, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (*17-19 जुलाई 2022)*।
- शर्मा, ए., शर्मा, डी., पांडा, एसके, "भारत के माही नदी बेसिन पर कृषि-जलवायु क्षेत्रों का उपयोग करके अत्यधिक वर्षा सूचकांकों और सूखे की विशेषताओं का रुझान विश्लेषण" आयोजित "जैव विविधता संरक्षण योजना के लिए भू-सूचना विज्ञान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन एवं जल अनुसंधान केंद्र, एसजीवीयू, जयपुर द्वारा। (*14 अक्टूबर 2022)*।
- शर्मा, ए., शर्मा, डी., पांडा, एसके, *9* वें अंतर्राष्ट्रीय भूजल सम्मेलन (आईजीडब्ल्यूसी *2022)* में "भारत के माही नदी बेसिन में कृषि-जलवायु क्षेत्रों का उपयोग करके अत्यधिक वर्षा सूचकांकों और सूखे की विशेषताओं का स्थानिक-अस्थायी मूल्यांकन" जल विज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की द्वारा "शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में (उप)-सतही जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन" पर आयोजित कार्यक्रम। (*2-4 नवंबर 2022)*।
- शर्मा, ए., शर्मा, डी., पांडा, एसके, "भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत के माही नदी बेसिन में कृषि-जलवायु क्षेत्रों का उपयोग करके वर्षा की चरम सीमा और सूखे की पहचान की स्थानिक-अस्थायी परिवर्तनशीलता" द्वारा आयोजित जियोआरएस, चीन। (*23-25 नवंबर 2022)*।

जैव रसायन विभाग

- नाइक, बी., प्रुस्टी, डी., "संरचना-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन अध्ययन से SARS-CoV-2 संक्रमण और संबंधित स्वास्थ्य परिणामों के उपचार के लिए शक्तिशाली बहु-लक्ष्य अवरोधकों का पता चलता है" बायोसाइंसेज में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और जैव प्रौद्योगिकी (ICABB-2022) "जीवन विज्ञान और कम्प्यूटेशनल जीवविज्ञान में नवाचार" पर जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा, भारत में आयोजित किया गया। (20-22 जनवरी 2022)।
- नाइक, बी., प्रुस्टी, डी., "उच्च थ्रूपुट वर्चुअल स्क्रीनिंग से प्रतिरोध-प्रतिरोधी मलेरिया-रोधी दवाओं के विकास के लिए प्राकृतिक बहु-लक्ष्य यौगिकों का पता चलता है" केके बिड़ला गोवा कैम्पस, भारत। (10-11 नवंबर 2022)।
- गोदारा, पी., प्रुस्टी, डी., "मलेरिया और अन्य वेक्टर के नियंत्रण" विषय पर मेडिकल आर्थ्रोपोडोलॉजी के 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "तेजी से उभरती दवा प्रतिरोध का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम किनेसेस के खिलाफ मल्टीटार्गेटिंग एंटीमाइरियल यौगिकों को डिजाइन करने के लिए एक तर्कसंगत दृष्टिकोण" जनित एवं जूनोटिक रोग: कार्यान्वयन अनुसंधान में चुनौतियाँ और अवसर” उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में। (12-14 दिसंबर 2022)।
- गोदारा, पी., प्रुस्टी, डी., "जटिल मलेरिया के खिलाफ पेप्टाइड-लिगैंड कंजुगेट्स-आधारित इम्यूनोथेरेपी डिजाइन करने के लिए एक तर्कसंगत दृष्टिकोण" घाना विश्वविद्यालय में संक्रामक रोगों पर उत्कृष्टता केंद्रों के पश्चिम अफ्रीकी नेटवर्क WANIDA संगोष्ठी में (ऑनलाइन मोड)). (8-10 मार्च 2023)।
- सिंह एस., प्रजापति वीके, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में ब्रिटिश सोसाइटी फॉर पैरासिटोलॉजी, स्प्रिंग मीटिंग 2023 में "लीशमैनिया डोनोवानी के खिलाफ संभावित बहु-लक्ष्य अवरोधकों की पहचान करने के लिए एक्टिनोमाइसेट्स प्राकृतिक उत्पादों की खोज"। (11-14 अप्रैल, 2023)।

- सिंह एस., प्रजापति वीके, "ट्रांसलेशनल वैक्सीनोमिक्स एंड स्ट्रक्चरल फिल्ट्रेशन एल्गोरिदम टू डिवाइस मल्टीएपिटोप वैक्सीन फॉर कैटास्ट्रॉफिक मंकीपॉक्स वायरस" बायोकेमिस्ट्री विभाग, शिवाजी कॉलेज और दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ, आईओई, यूनिवर्सिटी में "ट्रांसलेशनल ड्रग डेवलपमेंट में प्रगति" पर। दिल्ली। (5-6 अप्रैल, 2023)।
- सिंह एस., प्रजापति वीके, "मलेरिया और अन्य वेक्टर-जनित एवं रोग नियंत्रण" विषय पर 15वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लीशमैनिया डोनोवानी के खिलाफ संभावित बहु-लक्ष्य अवरोधकों की पहचान करने के लिए एक्टिनोमाइसेट्स प्राकृतिक उत्पादों की खोज"। जूनोटिक रोग: कार्यान्वयन अनुसंधान में चुनौतियाँ और अवसर" का आयोजन उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में सोसाइटी ऑफ मेडिकल आर्थ्रोपोडोलॉजी (एसओएमए) के सहयोग से प्राणीशास्त्र विभाग द्वारा किया गया। (12-14 दिसंबर, 2022)
- सिंह एस., प्रजापति वीके, "ट्रिप्सस्कूल- साओ पाउलो स्कूल ऑफ एडवांस्ड साइंस ऑन पैथोजेनिक ट्रिपैनोसोमेटिड्स: फ्रॉम बेसिक बायोलॉजी टू पैथोजेनेसिस एंड न्यू थैरेपीज़" साओ पाउलो में "लीशमैनिया डोनोवानी के खिलाफ संभावित बहु-लक्ष्य अवरोधकों की पहचान करने के लिए एक्टिनोमाइसेट्स प्राकृतिक उत्पादों की खोज"। ब्राज़ील. (19-30 सितंबर, 2022)
- सोनी, एन., बिस्सा, बी., "स्तन कैंसर में ऑटोफैगी और एक्सोसोम पाथवे क्रॉसस्टॉक का इन-सिलिको विश्लेषण" क्लिनिक में बुनियादी और अनुवादात्मक अनुसंधान लाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: चुनौतियां और अवसर, एडवांस्ड सेंटर फॉर ट्रीटमेंट द्वारा आयोजित, कैंसर में अनुसंधान और शिक्षा (12-16 जनवरी 2023), नवी मुंबई, भारत।
- मेघा, बिस्सा, बी., "ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की विभेदक अभिव्यक्ति" क्लिनिक में बुनियादी और अनुवादात्मक अनुसंधान लाने पर राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही: कैंसर में उपचार, अनुसंधान और शिक्षा के लिए उन्नत केंद्र द्वारा आयोजित चुनौतियां और अवसर। (12-16 जनवरी 2023), नवी मुंबई, भारत।
- पुनम शर्मा . कार्यशाला: एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी में डीएसटी-एसटीयूटीआई द्वारा प्रायोजित सेलुलर और आणविक इंस्ट्रुमेंटेशन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- पुनम शर्मा . पोस्टर प्रस्तुति: जीवाजी विश्वविद्यालय में पर्यावरण और समाज पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएस 2022) में 'जीनोम-वाइड विश्लेषण, निर्जलीकरण सहनशीलता और गर्मी अनुकूलन को विनियमित करने वाले सीएलपी प्रोटीज जीन की पहचान चना (सिसर एरीटिनम एल)' शीर्षक विषय पर प्रस्तुत पोस्टर। ग्वालियर.
- अनुराधा पांडे. पोस्टर प्रस्तुति: जीवाजी विश्वविद्यालय में पर्यावरण और समाज पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएस 2022) में 'चने में फाइब्रिलिन जीन परिवार की जीनोम-व्यापी पहचान (सिसर एरीटिनम एल) और सूखे तनाव पर इसकी प्रतिक्रिया' विषय पर पोस्टर प्रस्तुत किया गया। ग्वालियर.
- अनुराधा पांडे. एक-स्लाइड प्रस्तुति: जैव रसायन विभाग में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर 'चने में फाइब्रिलिन जीन परिवार की जीनोम-व्यापी पहचान (सिसर एरीटिनम एल) और सूखे तनाव के प्रति इसकी प्रतिक्रिया' शीर्षक से एक स्लाइड प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय.
- रिंकू मालवीय. मौखिक प्रस्तुति: जीवाजी में पर्यावरण और समाज पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईएस 2022) में 'त्वरित उम्र बढ़ने के जवाब में चना (सिसर एरीटिनम एल) के लिपोक्सिनेज जीन की जीनोम-वाइड पहचान और अभिव्यक्ति पैटर्न विश्लेषण' शीर्षक विषय पर मौखिक प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। विश्वविद्यालय, ग्वालियर।
- स्नेहा सोनी एमएलएसयू, उदयपुर में जैव प्रौद्योगिकी, रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान में हालिया नवाचारों (15-16 मार्च, 2023) में "स्तन कैंसर कोशिकाओं की प्रकृति को प्रभावित करने वाले एडिपोसाइट और स्तन कैंसर कोशिकाओं पर एक नया पहलू"।
- स्नेहा सोनी 7.9 अक्टूबर 2022 को दिल्ली विश्वविद्यालय के प्राणीशास्त्र विभाग में आईएनसीडी 2022 में "स्तन कैंसर कोशिकाओं की ट्यूमरजेनिक क्षमता के नियमन में एडिपोसाइट की भागीदारी"।
- पूजा यादव "डीएनएमटी1 निकटतम कैंसर कोशिकाओं के ऑस्टियोब्लास्ट-जैसे भेदभाव को प्रभावित करता है और स्तन कैंसर प्रेरित ऑस्टियोक्लास्ट गतिविधि को बढ़ावा देता है"।
- पूजा यादव "वर्चुअल ड्रग स्क्रीनिंग के माध्यम से डीएनए मिथाइलट्रांसफेरेज 1 और एस-एडेनोसिल होमोसिस्टीन हाइड्रॉलेज़ के लिए सामान्य अवरोधकों की पहचान" कैंसर और अन्य पुरानी बीमारियों के लिए फार्मास्यूटिकल्स और न्यूट्रास्यूटिकल्स पर INCD2022 के 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा जूलॉजी विभाग द्वारा अक्टूबर में आयोजित की गई। 7-9, 2022.
- पूजा यादव "स्तन कैंसर कोशिकाओं में ऑन्कोजेनिक डीएनएमटी1 अभिव्यक्ति के अंतर्जात विनियमन से जुड़ा एक तंत्र"।

- स्वेता मकवाना " एक ग्लूकोज चयापचय से संबंधित जीन जो ऑन्कोजेनिक क्षमता दिखा रहा है" जैव प्रौद्योगिकी , रासायनिक और पर्यावरण विज्ञान में हालिया नवाचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (15 से 16 मार्च 2023), एमएलएसयू, उदयपुर में।
- स्वेता मकवाना " ट्रांसलेशनल कीमोप्रिवेंशन" और ब्रेन स्टॉर्मिंग पर 16वें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी में "स्तन कैंसर में अज्ञात ग्लूकोज चयापचय-संबंधित जीन की पहचान के लिए एक अध्ययन", जेएनयू, नई दिल्ली (18-19 नवंबर 2022) ।
- शिवानी बंसल, "ट्रांसलेशनल कीमोप्रिवेंशन " और ब्रेन स्टॉर्मिंग पर 16 वें अंतर्राष्ट्रीय कैंसर संगोष्ठी में ट्यूमरजेनिक गतिविधि पर ट्रांस-डिफरेंशियल ऑस्टियोब्लास्ट-जैसे स्तन कैंसर कोशिकाओं का प्रभाव , जेएनयू, नई दिल्ली (18-19 नवंबर 2022)।

रसायन विज्ञान विभाग

- शर्मा, एस. , ईश्वर, एस., "मोरिता-बेलिस-हिलमैन केटोन्स की प्रतिक्रियाशीलता की खोज: इमिडाज़ोपाइरिडाइन के लिए सिंथेटिक मार्ग" रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आरएसीएस-2022), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (10-11 नवंबर 2022)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- शर्मा, एस. , ईश्वर, एस., "मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स के डिग्रेडेटिव डिमराइजेशन पर मैकेनिस्टिक जांच: इमिडाज़ोपाइरिडाइन के लिए सिंथेटिक रूट" रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आईसीआरएसीएस-2023), मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, राजस्थान Rajasthan। (16-18 जनवरी 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- शर्मा, एस. , ईश्वर, एस., "ए सेरेन्डिपिटस एक्सेस टू इमिडाज़ोपाइरीडीन फ्रॉम मोरिटा-बायलिस-हिलमैन केटोन्स" हरित ऊर्जा और सतत पर्यावरण प्रथाओं (जीईएसईपी-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (30-31 जनवरी 2023)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- शर्मा, एस. , ईश्वर, एस., "मोरिता-बेलिस-हिलमैन केटोन्स की प्रतिक्रियाशीलता की खोज द्वारा इमिडाज़ोपाइरिडाइन के लिए एक सिंथेटिक मार्ग" सतत विकास के लिए रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएसडी-2023), अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन में, कोयंबटूर, तमिलनाडु (22-23 फरवरी 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- शर्मा, एस. , ईश्वर, एस., "मोरिता-बेलिस-हिलमैन केटोन्स से फ्लोरोसेंट डायहाइड्रोपाइराज़ोल और पाइराज़ोल के लिए सिंथेटिक मार्ग" रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस (एफसीएएसआई-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- कुमारी , के ., ईश्वर, एस., "हरित ऊर्जा और सतत पर्यावरण प्रथाओं (जीईएसईपी-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एक द्वि-कार्यात्मक स्क्वैरामाइड-टैग प्रोलाइन द्वारा मध्यस्थता वाले मेलिमाइड्स में केटोन्स का एनेंटियोसेलेटिव माइकल जोड़" , (30-31 जनवरी, 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- कुमारी , के ., ईश्वर, एस., "चिरल स्क्वैरामाइड ने मेनीमाइड्स में कीटोन्स के एनेंटियोसेलेक्टिव माइकल जोड़ को उत्प्रेरित किया" सतत विकास के लिए रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएसडी-2023), अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन, कोयंबटूर, तमिलनाडु में। (22-23 फरवरी, 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- कुमारी , आर ., ईश्वर, एस., रसायन में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एसाइल ट्रांसफर ड्रिवेन रौहुत-क्यूरियर डिमराइजेशन ऑफ मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स" विज्ञान (आरएसीएस-2022), जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू-कश्मीर। (10-11 नवंबर 2022)। (मौखिक प्रस्तुति)
- कुमारी , आर ., ईश्वर, एस., "सतत विकास के लिए रसायन विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीएसडी-2023), अविनाशीलिंगम संस्थान में "2-अमीनोबेंजोथियाज़ोल के साथ मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स के [3 + 3] वार्षिकीकरण के माध्यम से बेंज़ोथियाज़ोलोपाइरीमिडीन का निर्माण" गृह विज्ञान और उच्च शिक्षा के लिए, कोयंबटूर, तमिलनाडु। (22-23 फरवरी 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- लक्ष्कार, आरआर , डैश, सी., ड्रग डिस्कवरी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीडी-2022), केके बिड़ला गोवा कैंपस, गोवा, (10-11 नवंबर, 2022) में "जिंक (II) कैटालाइज्ड कार्बाज़ोल सिंथेसिस यूजिंग इंट्रामोलेक्यूलर एमिनेशन ऑफ बायरिल एज़ाइड्स").
- दीक्षा , सिंह आर., "एज़ा-ऑक्सीएलिल केशन से जुड़ी हल्की परिस्थितियों में स्टेरिकली हिंडर्ड थियोएथर्स (α-थियोएमाइड्स) तक पहुंच: 1,4-बेंजोथियाज़िनोन और 4,1-बेंजोथियाज़ेपिनोन की ओर अनुप्रयोग। जैविक संश्लेषण में समसामयिक तथ्य (सीएफओएस-2022), आईआईटी रुड़की, रूड़की, उत्तराखंड (01-04 दिसंबर, 2022)। (पोस्टर प्रस्तुति)

- दीक्षा , सिंह आर., रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "आजा-ऑक्सीएलिल केशन को शामिल करते हुए कंजेस्टेड थियोइथर्स (α-थियोएमाइड्स) का हल्का संश्लेषण: 1,4-बेंजोथियाज़िनोन और 4,1-बेंजोथियाज़ेपिनोन के लिए एक कुशल मार्ग" : संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस (FCASI-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- गोयल, एस., रेड्डी, एसआर, "स्थानापन्न बॉडी डाईज़ की इलेक्ट्रॉनिक संरचना : एकल विखंडन के लिए अनुप्रयोग" जाह्न-टेलर इफेक्ट्स, यॉर्क विश्वविद्यालय, टोरंटो, ओंटारियो (कनाडा) पर 25वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (ऑनलाइन 14-18 मई, 2023).
- भट्ट, एस. , शर्मा, एके, "ईएनई (ई = एस, से) पिंसर लिगैंड्स के रूथेनियम कॉम्प्लेक्स: उत्प्रेरक और जैविक अनुप्रयोगों के लिए एक बहुमुखी प्रणाली" रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आईसीआरएसीएस-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान। (16-18 जनवरी 2023)। (मौखिक प्रस्तुति) (युवा वैज्ञानिक पुरस्कार)
- भट्ट, एस. , शर्मा, एके, "रूथेनियम-पिनसर कॉम्प्लेक्स ने एमाइन और अल्कोहल की एन-अल्काइलेशन प्रतिक्रिया और जैविक प्रयोज्यता के लिए एक कुशल प्रणाली" रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संबद्ध विज्ञान इंटरफेस (एफसीएएसआई-2023), विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (मौखिक प्रस्तुति) (सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार)
- खान , ए ., इनानी, एच., ईश्वर, एस. "ऑक्सा-माइकल/एल्डोल कैस्केड साइक्लाइजेशन रिएक्शन के माध्यम से टेट्राहाइड्रॉक्सेंथेनोन स्कैफोल्ड्स के संश्लेषण के लिए आयन-टैग्ड प्रोलाइन-हिस्टिडाइन डाइपेप्टाइड व्युत्पन्न ऑर्गेनोकैटलिस्ट" ऑर्गेनिक सिंथेसिस में समकालीन पहलू (सीएफओएस-2022) , आईआईटी-रुड़की (01-04 दिसंबर, 2022)। (मौखिक प्रस्तुति)
- माथुर, एन., रॉय, पी., जोशी, एच., "ऑक्सीडेटिव डुअल सीएच सक्रियण प्रतिक्रिया के लिए उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल स्थिर पैलेडियम नैनोकण" रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संबद्ध विज्ञान इंटरफेस (एफसीएएसआई-2023), विश्वविद्यालय राजस्थान, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- कुमार, एस., रॉय, पी., जोशी, एच. "ऑक्सीडेटिव डुअल सीएच सक्रियण प्रतिक्रिया के लिए उत्प्रेरक के रूप में ऑक्सीकृत चारकोल स्थिर पैलेडियम नैनोकण" सामग्री विज्ञान और उत्प्रेरक में हालिया प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय असम (1 -3 मार्च 2023) . (पोस्टर प्रस्तुति)
- कुमार, एस., रॉय, पी., जोशी, एच., टाइटेनिया नैनोरोड्स के लचीले पदानुक्रम की इंजीनियरिंग - मर्कैप्टाउंडेकैनोइकसिड-पैलेडियम नैनोकण: सब्सट्रेट डिपेंडेंट उलमैन कपलिंग और एरिल ब्रोमाइड्स के डीब्रोमिनेशन के लिए विषम उत्प्रेरक" रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस (FCASI-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- सिंह, एस ., कुमार एस., रॉय पी., जोशी एच., "एनसीएसई पैलेडियम पिंसर कॉम्प्लेक्स फॉर स्टेरली फेवरेट रेजियोसेलेक्टिव सीएच एक्टिवेशन रिएक्शन" रसायन में अनुसंधान और नवाचार पर 27 वें आईएससीबी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईएससीबीसी-2022) में पोस्टर प्रस्तुति, फार्मास्युटिकल एंड बायोलॉजिकल साइंसेज" बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, भारत (16 - 19 नवंबर 2022)।
- सिंह, एस ., कुमार एस., रॉय पी., जोशी एच., "एनसीएसई पैलेडियम पिंसर कॉम्प्लेक्स फॉर स्टेरिकली फेवरेट रेजियोसेलेक्टिव सीएच एक्टिवेशन रिएक्शन" छठे एफसीएएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एफसीएएसआई-2023) में मौखिक प्रस्तुति " केमिस्ट्री में फ्रंटियर्स-एलाइड साइंसेज इंटरफ़ेस" राजस्थान विश्वविद्यालय, भारत में (20 - 21 अप्रैल, 2023)।
- सैनी, ए. , थिरुमूर्ति , आर ., " थर्मल अपघटन विधि द्वारा प्राप्त Fe-डोपेड SnO 2 का चुंबकीय अध्ययन " रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस (FCASI-2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान (20-21 अप्रैल, 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)
- जाट, आरएस, भुआनुचंद्र, एम. , "एक क्वाटेनरी सेंटर वाले जैविक महत्वपूर्ण 5,5'-डायरीलपाइराज़ोलिन का संश्लेषण: - एक अनुक्रमिक एक-पॉट थियोनिल क्लोराइड मध्यस्थता मेयर-शूस्टर पुनर्व्यवस्था, हाइड्रोज़ोनेशन और इंट्रामोल्यूलर एज़ा-माइकल एडिशन" समसामयिक में कार्बनिक संश्लेषण में तथ्य (सीएफओएस-2022), आईआईटी रूड़की, रूड़की, उत्तराखंड (01-04 दिसंबर, 2022)। (पोस्टर प्रस्तुति)
- जाट, आरएस, भुआनुचंद्र, एम., "संक्रमण-धातु-मुक्त मेयर-शूस्टर पुनर्व्यवस्था, हाइड्राज़िन के साथ असंतृप्त कार्बोनिल यौगिकों के चक्रीकरण द्वारा अनुसरण किया गया: एक चतुर्धातुक केंद्र को प्रभावित करने वाले डायहाइड्रोपाइराज़ोल का संश्लेषण" हरित ऊर्जा और

सतत पर्यावरणीय प्रथाओं (जीईएसईपी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में -2023), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान। (30-31 जनवरी 2023)। (मौखिक प्रस्तुति)

- महला, एस ., कुमार एस., जोशी एच., "मैक्रोसाइक्लिक ऑर्गेनोसेलेनियम लिगैंड का ट्रांस पैलेडियम डाइक्लोराइड कॉम्प्लेक्स डायहाइड्रॉक्सी यौगिकों के डीहाइड्रॉक्सीमेथिलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में" छठे एफसीएएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एफसीएएसआई-2023) में "रसायन विज्ञान में फ्रंटियर्स" पर पोस्टर प्रस्तुति । संबद्ध विज्ञान इंटरफ़ेस" राजस्थान विश्वविद्यालय, भारत में (20 - 21 अप्रैल 2023)

वाणिज्य विभाग

- वर्मा, आर., शर्मा, डी., और सैम, एस., "क्या Google का चलन क्रिप्टोकरेंसी को प्रभावित करता है? यूरोपियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, लिस्बन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स मैनेजमेंट, लिस्बन, पुर्तगाल (7 जुलाई 2022) की दूसरी वार्षिक बैठक में पैनल डेटा दृष्टिकोण का एक अनुप्रयोग ।
- सिंह, डी., और सेठ, एन., "पर्यावरण, सामाजिक और शासन कारक: साहित्य की संरचित समीक्षा" 12 वें फाउंडेशन ऑफ इस्लामिक फाइनेंस कॉन्फ्रेंस (एफआईएफसी) 2022, सनवे यूनिवर्सिटी, मलेशिया (1-2 अक्टूबर 2022) में .
- जैन, के. , सेठ, एन., और सिंह, डी., 8 वें आईएफए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडोनेशियाई फाइनेंस एसोसिएशन, नई दिल्ली, भारत (12-13 अक्टूबर 2022) में "बिटकॉइन की कीमत और इसकी ऊर्जा खपत के बीच अंतर्संबंध का विश्लेषण").
- रस्तोगी, पी. , और सोरिया, एस., "एकीकृत रिपोर्टिंग प्रथाओं के प्रारंभिक रुझान: भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों का एक अध्ययन" उभरते बाजारों में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022), भारतीय प्रबंधन संस्थान स्कूल बोधगया, बिहार के सहयोग से वाइकाटो मैनेजमेंट स्कूल, वाइकाटो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड (28-29 अक्टूबर 2022) के साथ।
- कुमार, वाई. , और सेठ, एन., "मार्केट मूड इंडेक्स और स्टॉक मार्केट रिटर्न - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से साक्ष्य" उभरते बाजार में समकालीन मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, वाइकाटो मैनेजमेंट स्कूल के सहयोग से भारतीय प्रबंधन संस्थान स्कूल बोधगया, बिहार , वाइकाटो विश्वविद्यालय, न्यूजीलैंड (28-29 अक्टूबर 2022)।
- कुमारी, पी. , "डीकार्बोनाइजिंग के लिए लेखांकन: कॉर्पोरेट कार्बन फुटप्रिंट मूल्य का उचित मूल्य माप" 44 वें अखिल भारतीय लेखा सम्मेलन और लेखांकन शिक्षा और अनुसंधान पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस स्टडीज, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश , भारत (29-30 अक्टूबर 2022)।
- कुमार, वाई. , और सेठ, एन., "स्टॉक मार्केट वैल्यूएशन के बॉन्ड इक्विटी आय अनुपात (बीईईआर) का मूल्यांकन: नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से साक्ष्य" भविष्य के व्यवसाय का नेतृत्व: प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एक बदलती दुनिया, आईआईएम नागपुर, महाराष्ट्र, भारत (17-18 नवंबर 2022)।
- जोशी, डी. , और पटेल, एसके, "क्या एफडीआई और ऊर्जा खपत ब्रिक्स देशों में कृषि उत्पादकता को प्रभावित करते हैं?" भविष्य के व्यवसाय का नेतृत्व करने पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: बदलती दुनिया में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन, भारतीय प्रबंधन संस्थान नागपुर, महाराष्ट्र, भारत (17-19 नवंबर 2022)।
- बानो, ए. , और सोरिया, एस., "अकाउंटिंग एंड ऑडिटिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: सिस्टमैटिक लिटरेचर रिव्यू एंड बिब्लियोमेट्रिक एनालिसिस का उपयोग करके पिछले रुझानों और भविष्य के अनुसंधान एजेंडा की पहचान करना" दूसरे प्रीतम सिंह मेमोरियल कॉन्फ्रेंस (पीआरआईएसएम) में "के व्यवसाय का नेतृत्व करना" भविष्य: बदलती दुनिया में प्रतिभा, प्रौद्योगिकी और परिवर्तन" आईआईएम नागपुर, नागपुर, भारत (17-19 नवंबर 2022)।
- वर्मा, आर. , और सैम, एस., "मैक्रोइकोनॉमिक वेरिएबल्स और बिटकॉइन के बीच सह-एकीकरण और कारण: भारतीय बाजार से साक्ष्य" फोर इंटरनेशनल फाइनेंस कॉन्फ्रेंस, फोर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली (25-26 नवंबर 2022)।
- खंगारोत, जी. , "राजस्थान, भारत में सतत पर्यटन विकास के प्रति हितधारकों की धारणा का आकलन: एक गुणात्मक अध्ययन" सतत और समुदाय-प्रेरित विकास के लिए प्रयास करने के लिए पर्यटन पर पुनर्विचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारत (30 नवंबर 2022)).

- सिंह, डी. , और सेठ, एन., "स्थायी और पारंपरिक स्टॉक सूचकांकों के बीच असममित अस्थिरता अंतरनिर्भरता: विकसित और उभरते देशों से एक अनुभवजन्य अध्ययन" अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए पूंजी बाजार की भूमिका पर तीसरे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय पूंजी बाजार सम्मेलन 2022 में , राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान, मुंबई, महाराष्ट्र, भारत (15-16 दिसंबर 2022)।
- कादियान, पी. , और सोरिया, एस. "बौद्धिक पूंजी और वित्तीय प्रदर्शन के बीच संबंध: एक पैनल डेटा विश्लेषण" बिजनेस वर्ल्ड के लिए एआई और सांख्यिकीय निर्णय लेने के अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (आईसीएएसडीएमबीडब्ल्यू-2022) अनुसंधान और विकास बोर्ड, आरडीआईएएस , नई दिल्ली (16-17 दिसंबर 2022)।
- रस्तोगी, पी. , और सोरिया, एस., "एकीकृत रिपोर्टिंग प्रकटीकरण प्रथाएं: भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों से अंतर्दृष्टि" बिजनेस वर्ल्ड के लिए एआई और सांख्यिकीय निर्णय लेने के अनुप्रयोगों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICASDMBW-2022), रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज (16-17 दिसंबर 2022)।
- प्रबंधन विकास संस्थान मुर्शिदाबाद, भारत (16-17 दिसंबर 2022) द्वारा आयोजित बिजनेस, आईटी और एंटरप्राइज आर्किटेक्चर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में साहू, पी ., और पांडे, एस., "भारत में उद्यमशीलता अभ्यास और रोजगार विकास"।
- खंगारोट. जी. , प्रबंधन पर 20 वें एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय प्रबंधन संस्थान, कोझिकोड, भारत (28-31 दिसंबर 2022) में "स्थायी पर्यटन स्थल पर जाने के पर्यटक निर्णय के चालक" ।
- तंवर, एस. , "संबद्ध विपणन का अतीत, वर्तमान और भविष्य: एक व्यवस्थित साहित्य समीक्षा" प्रबंधन पर 20 वें एआईएमएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, आईआईएम कोझिकोड, केरल, भारत (28-31 दिसंबर 2022)।
- साहू, एम. , "आर्थिक विकास और विदेशी व्यापार: चीन और भारत का एक तुलनात्मक अध्ययन" द इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस), स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय (4-6 जनवरी 2023) के 57 वें वार्षिक सम्मेलन में।
- बानो, ए. , और सोरिया, एस., "अकाउंटिंग और ऑडिटिंग के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: पिछले रुझानों और भविष्य के शोध एजेंडे की पहचान" दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नेट्रिट्वा 4.0: युग में नेतृत्व" पर यूथ 2025 की श्रृंखला जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर कैंपस, राजस्थान, भारत में कनेक्शन और सहयोग (16-18 फरवरी 2023)।
- पटेल, एसके , और झालानी, पी., "जीएचजी उत्सर्जन को रोकने में पर्यावरणीय कराधान की भूमिका: ओईसीडी देशों से प्रासंगिक साक्ष्य की खोज" सतत व्यवसाय प्रबंधन (एसबीएम 2023) पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी रूड़की (23-25 मार्च 2023)।
- सिंह, डी. , और सेठ, एन., "सतत स्टॉक सूचकांकों के बीच अस्थिरता कनेक्टिविटी की जांच: उभरते एशिया से अनुभवजन्य साक्ष्य" भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की, रूड़की, उत्तराखंड, भारत (23-25 मार्च) सतत व्यापार प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 2023).
- पटेल, एसके, और झालानी, पी., "जनसांख्यिकीय कारक और एसडीजी जागरूकता: उच्च शिक्षा के छात्रों के बीच एक अध्ययन" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (11 अप्रैल 2023)।
- जोशी, डी. , और पटेल, एसके, "बैंकिंग क्षेत्र में फिनटेक की उभरती भूमिका", व्यापार और वित्त में डिजिटल नवाचारों पर आईसीएसएसआर प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में: उभरते रुझान और संभावनाएं, भारत माता कॉलेज, थ्रीक्काकारा, केरल, भारत, में कोलंबो विश्वविद्यालय के साथ सहयोग (26-27 अप्रैल 2023)।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

- संचार नेटवर्क (आईसीसीएस) में साइबर सुरक्षा और गोपनीयता पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन , यूके, 12-13 दिसंबर, 2022। पेपर का शीर्षक: सुरक्षित पीओआई अनुशंसा के लिए स्पैटियो-टेम्पोरल प्रॉक्सिमिटी पर विभेदक गोपनीयता आधारित सोशल नेटवर्क डिटेक्शन।

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

- सिंह, सागर वेद, "रूपक और गलत सूचना: मीडिया-संचालित दुनिया में धर्म" मीडिया, धर्म और संस्कृति पर 13 वें द्विवार्षिक सम्मेलन में, धार्मिक अध्ययन केंद्र (सीईआरईएस) बोचुम, जर्मनी द्वारा आयोजित (1-5 अगस्त, 2023) .

- अग्रवाल, मेहुल, पटनायक, प्रान्त प्रतीक। मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में "उपेक्षा और नवीनीकरण: हिंदी सिनेमा में हाल के उत्तर-पूर्व प्रतिनिधित्व में सांस्कृतिक समावेशिता को डिकोड करना"। (15-16 मई 2023)।
- मितुशी और श्रीवास्तव, अमिताभ। मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता' विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में " एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत अरुणाचल प्रदेश और राजस्थान के युवा समूहों के बीच अंतरसांस्कृतिक संचार का विश्लेषण"। (15-16 मई 2023)।
- माथुर, तनीषा और श्रीवास्तव, अमिताभ। मिजोरम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "सांस्कृतिक आदान-प्रदान के माध्यम से राष्ट्रीय एकता" में "हिंदी फिल्मों में उत्तर पूर्व भारत का चित्रण: एक तुलनात्मक विश्लेषण"। (15-16 मई 2023)
- माथुर, साक्षी और श्रीवास्तव, अमिताभ। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में मीडिया अर्थशास्त्र और मीडिया शिक्षा का तुलनात्मक विश्लेषण: यूजीसी मीडिया विनियमन दिशानिर्देशों के साथ ईवाई फिक्की मीडिया और मनोरंजन रिपोर्ट का तुलनात्मक विश्लेषण"। (11 - 12 अप्रैल 2023)
- मौर्य, एमके और कुमार, अनूप। स्कूल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन द्वारा 'न्यू मीडिया लैंडस्केप इन इंडिया: डाइमेंशन्स, इश्यूज, ट्रेंड्स एंड फ्यूचर' विषय पर मीडिया एंड कम्युनिकेशन (आईसीएमसी) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "न्यूजरूम में संपादकीय निर्णय लेना: वेब एनालिटिक्स की भूमिका को समझना" एडमास यूनिवर्सिटी, कोलकाता (30-31 मार्च, 2023)।
- अग्रवाल, मेहुल. केंद्रीय विश्वविद्यालय में 'भारत में विकास की यात्रा: स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में आर्थिक और संचार परिदृश्य पर विचार' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल वित्तीय समावेशन में लैंगिक अंतर: यूपीआई अनुप्रयोगों के टीवीसी पर एक अध्ययन " ओडिशा, कोरापुट (28-29 मार्च 2023)।
- माथुर, साक्षी और श्रीवास्तव, ए. "हिंदी सिनेमा में विकलांगताओं का चित्रण: तुलनात्मक विश्लेषण के माध्यम से रुझानों को उजागर करना" CURAJ-IDSC अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य, अंग्रेजी विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (8 - 10) फरवरी, 2023)।
- रघुवंसी, पंकज प्रताप और श्रीवास्तव, अमिताभ। भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग द्वारा आयोजित "पारिस्थितिकी विघटन और पशुचारण: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में 'पशुपालन से संबंधित कानूनी मुद्दों और उनके संचार केंद्रित उपायों का विश्लेषण' संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार (9-10, फरवरी, 2023)
- अग्रवाल, मेहुल. "द मेन इन अवर सोप्स: डिकंस्ट्रक्टिंग मैस्क्युलिनिटीज़ इन इंडियन सोप ओपेरा" 'मीडिया एंड जेंडर - इनक्लूसिव नैरेटिव्स एंड कंटेम्पररी डिबेट्स' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ कर्नाटक, इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल जर्नलिज्म, ओहियो यूनिवर्सिटी, यूएसए के सहयोग से (18) जनवरी 2023)
- अग्रवाल, मेहुल. तुलनात्मक साहित्य विभाग द्वारा 'दलित अध्ययन: दलित सौंदर्यशास्त्र, प्रतिरोध और एकजुटता की पुनर्कल्पना' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गीली पुच्ची' का 'अजीब दास्तां': दलित, मर्दाना और समलैंगिक अंतरविभागीयताएं" जादवपुर विश्वविद्यालय (3 - 4 नवंबर, 2022)।
- कुमारी, शालिनी, "बॉलीहुड में महिलाओं के यौन स्वास्थ्य के मुद्दों का चित्रण: जनहित में जारी और छत्रीवाली का विशेष संदर्भ, अर्थशास्त्र विभाग और जे एंड एमसी विभाग, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ ओडिशा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (28-29, मार्च) 2023).
- श्रीवास्तव, अनुष्का और प्रसाद, नीरू। क्रिस्टु जयंती कॉलेज ऑटोनॉमस, बेंगलुरु (06) के मीडिया अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित "दक्षिण एशिया में बदलते मीडिया परिदृश्य" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ओवर-द-टॉप प्लेटफ़ॉर्म और चयनात्मक एक्सपोज़र: उपभोक्ता की पसंद और धारणाओं का विश्लेषण"। मार्च, 2023)।
- श्रीवास्तव, अनुष्का. एडमास यूनिवर्सिटी, कोलकाता (30-31) द्वारा न्यू मीडिया लैंस्केप: मुद्दे, रुझान और भविष्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मीडिया और संचार सम्मेलन (आईसीएमसी-1) में "लखनऊ, उत्तर प्रदेश में मीडिया के उपयोग और स्वास्थ्य जागरूकता पर एक खोजी सर्वेक्षण"। मार्च 2023)।

- प्रसाद, जूही. "गीली पुच्ची' का 'अजीब दास्तां': दलित, मर्दाना और विचित्र अंतर्संबंधों का मंचन" दलित अध्ययन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मेरा जन्म मेरी घातक दुर्घटना है": दलित सौंदर्यशास्त्र, प्रतिरोध और एकजुटता की पुनर्कल्पना" द्वारा आयोजित किया गया। तुलनात्मक साहित्य विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय (3-4, नवंबर 2022)
- खान रहीम, "डिजिटल पत्रकारिता का उदय: नए रुझान और चुनौतियां", दृश्य संचार विभाग, द्वारका डॉस गोवर्धन डॉस वैष्णव कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित मीडिया और संचार पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, (22-23 सितंबर 2022)).
- प्रसाद, जूही. दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन, नोएडा और डीकिन यूनिवर्सिटी द्वारा समावेशिता, अभिसरण और वैकल्पिक वार्ता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "बॉलीवुड बैंडवैगन में सभी: हिंदी लोकप्रिय सिनेमा में समावेशिता"। मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया (3, जुलाई 2022)।

अर्थशास्त्र विभाग

- गुलनाज़ एस. , मंगलानी एच., "दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत के क्षेत्रीय निर्यात के निर्धारकों पर एक अध्ययन: एक संवर्धित गुरुत्वाकर्षण मॉडल विश्लेषण" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (**ICECO_GRS'**23) में), अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- गुलनाज़ एस., "आसियान देशों के साथ भारत की व्यापार गतिशीलता का अनुभवजन्य विश्लेषण", हैदराबाद विश्वविद्यालय में आयोजित 57 वें टीआईईएस वार्षिक सम्मेलन (4 से 6 जनवरी, 2023) में प्रस्तुत किया गया।
- से 5 फरवरी , 2023) में गुलनाज़ एस., "आसियान व्यापार भागीदारों के साथ भारत के कृषि और विनिर्माण व्यापार को प्रभावित करने वाले कारक"।
- वर्मा ए., मंगलानी एच. "महामारी के दौरान चयनित राष्ट्रों के साथ भारत के व्यापारिक निर्यात के रुझान और पैटर्न: तुलनात्मक विश्लेषण का एक अध्ययन" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS'23), विभाग में अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- मुद्गल बी. , मंगलानी एच., "ब्रिक्स देशों के विनिर्माण क्षेत्र की गतिशीलता और कुल कारक उत्पादकता", एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS'23), अर्थशास्त्र विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया गया। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान (11-12 अप्रैल 2023)
- कुमारी एम. , मंगलानी एच., "भारत में श्रम प्रवासन पर: रुझान, कारण और प्रभाव" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में (ICECO_GRS'23), अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (11-12 अप्रैल 2023)
- मिश्रा एस., मंगलानी एच. और गोदारा आर. "ऑनलाइन लर्निंग की प्रभावशीलता: भारत में उच्च शिक्षा के छात्रों का एक प्रभाव अध्ययन" स्कॉलर मोज़ेक 2.0 2022 में, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक युवा शोधकर्ता की बैठक बड़ौदा, गुजरात (17-18 सितंबर 2022)
- जैन पी., " अर्थशास्त्र और वित्तीय क्षेत्र की बदलती गतिशीलता पर राष्ट्रीय सम्मेलन में ओडिशा में खतरे से प्रेरित तटीय ग्रामीण आजीविका की कमजोरी का आकलन: सतत विकास के लिए मुद्दे और चुनौतियां" बिड़ला ग्लोबल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर में। (4-5 मार्च 2023)
- जैन पी., जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर में द सीरीज़ यूथ 2025 में 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और असमानता से निपटने में स्थानीय नेतृत्व की भूमिका" (16-18) फरवरी, 2023)
- जैन पी. , वाइकाटो मैनेजमेंट के सहयोग से भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया, भारत में आयोजित उभरते बाजारों में समसामयिक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सीआईईएमसी 2022) में "दुनिया के सबसे अधिक पानी की कमी वाले देशों के सामाजिक आर्थिक विकास पर पानी की कमी का प्रभाव" स्कूल, वाइकाटो विश्वविद्यालय, न्यूज़ीलैंड। (28-29, अक्टूबर 2022)
- पात्रा एस., "एशियाई देशों में वित्तीय विकास के चालक: पैनल एआरडीएल मॉडल से साक्ष्य", सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद में 57वां टीआईईएस सम्मेलन (4-6 जनवरी, 2023)।
- यादव पी., पात्रा एस., "जलवायु परिवर्तन का आर्थिक प्रभाव: एक ग्रंथ सूची समीक्षा" भारतीय सामाजिक विज्ञान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुसंधान (11 वीं -12 वीं अप्रैल 2023)।

- पांडा एल., पात्रा एस., "स्वतंत्रता के बाद से भारत में घरेलू बचत और आर्थिक विकास के बीच कारण संबंध की जांच" में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (11-12 अप्रैल 2023)।
- मिश्रा यू., डिजिटल फाइनेंस: चेंजिंग इकोनॉमिक सिनेरियो इन इंडिया" पैराडाइम शिफ्ट पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कोशी कॉलेज, मुंगेर विश्वविद्यालय, बिहार द्वारा आयोजित अर्थशास्त्र, व्यावसायिक अभ्यास और स्थिरता (11-12) नवंबर 2022)
- मिश्रा यू., "भारतीय जी-सेक पैदावार को प्रभावित करने वाले व्यापक आर्थिक बुनियादी सिद्धांत: अंतर्राष्ट्रीय में एक एआरडीएल बाउंड टेस्ट दृष्टिकोण" सम्मेलन IIF IRCAS नवंबर 2022, भारतीय वित्त संस्थान, ग्रेटर नोएडा, यूपी (6 - 8 जनवरी) 2023).
- मिश्रा यू., "भारत में सॉवरेन बॉन्ड यील्ड के रुझान और पैटर्न पर विहंगम दृष्टि।" के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)।
- मिश्रा यू., "भारत में सॉवरेन बांड पैदावार का निर्धारण: एक एआरडीएल बाउंड परीक्षण दृष्टिकोण" के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)।
- शर्मा अजय डी ., "न्यू होराइजन इन कॉमर्स, फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स"।
- शर्मा अजय डी., "भारत में विकास की यात्रा: स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष में अर्थशास्त्र और संचार परिदृश्य पर विचार" ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- जयश्री, तेजवानी एस., "हरित निवेश और अंतर्राष्ट्रीय पूंजी प्रवाह के माध्यम से सतत विकास प्रदान करना: एक अनुभवजन्य विश्लेषण" सतत व्यवसाय प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसबीएम 2023), प्रबंधन अध्ययन विभाग, आईआईटी रूड़की और एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी यूएसए (23-) में 25, मार्च 2023)
- जयश्री ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शहरी भारत में प्रजनन आयु की महिलाओं में एनीमिया को प्रभावित करने वाले सामाजिक-आर्थिक कारक" एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- जयश्री., "भारत में हरित निवेश पहल" के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- प्रेम., " भारत में मौद्रिक नीति का विभेदक प्रभाव: सुधार के बाद की अवधि का विश्लेषण" अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा 'स्वतंत्रता के 75 वें वर्ष के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था: अवसर और मुद्दे' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में, उत्तर प्रदेश (04-05 दिसम्बर, 2022)।
- प्रेम., " भारत में मुद्रास्फीति को समझना: प्रमुख चालक और सीमाएं ' 'अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता ' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, अजमेर, राजस्थान भारतीय परिषद के सहयोग से सामाजिक विज्ञान अनुसंधान (11-12 अप्रैल, 2023)।
- प्रेम., " भारत में कमजोर सामाजिक समूहों पर मुद्रास्फीति के वितरणात्मक प्रभाव " 'समकालीन भारत में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अस्तित्व और आजीविका: पोस्ट कोविड-19 परिदृश्य का विश्लेषण' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में विकास अध्ययन संस्थान, जयपुर, राजस्थान (18-19 जुलाई, 2023)।
- राज वी., बलीम जी., पारीक एम., " एग्जामिनिंग द रिवर्सल ऑफ इंडियन बिजनेस टाइकून - अदानी एंटरप्राइज" के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- श्रीहरि ने दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " एशिया प्रशांत क्षेत्र में नीली अर्थव्यवस्था की चुनौतियाँ" पर चर्चा की एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)

- मुद्गल बी., ढाका, बांग्लादेश में आयोजित 6वें SANEM वार्षिक अर्थशास्त्रियों के सम्मेलन में " आर्थिक विकास और विकास चुनौतियां" सत्र में " जी7 देशों के लिए गतिशील मानव विकास सूचकांक का एक प्रस्ताव: मानव विकास सूचकांक पर फिर से विचार"। (एसएईसी, 4-5 फरवरी, 2023)
- मुद्गल बी., " संशोधित मानव विकास सूचकांक का प्रस्ताव: रोजगार, पर्यावरण, मूल्यों और गुणवत्ता पहलुओं को एकीकृत करना" एक्सएलवीआई भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस में अर्थशास्त्र अनुसंधान समिति में" भारतीदासन विश्वविद्यालय, त्रिची, तमिलनाडु में आयोजित (27-31 जनवरी, 2023))
- स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 57वें वार्षिक सम्मेलन में मुद्गल बी., "एलेवेटिंग ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स मेट्रिक: ए प्रपोजल ऑफ मॉडिफाइड ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स फॉर जी7 नेशंस"। 6 जनवरी, 2023)
- यादव वाई., दयाल बाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित भारत और विश्व में प्री और पोस्ट-डॉक्टरल रिसर्च पर प्रथम बहुविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "निवेशक भावना का अवलोकन" (25 मार्च, 2023)
- यादव वाई., "उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं में तर्कहीन भावना और शेयर बाजार की अस्थिरता" के दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलेपन और स्थिरता पर अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के सहयोग से (11-12 अप्रैल 2023)
- सोनिका, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (11-) के सहयोग से अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICECO_GRS2023) में "भारत की जल स्थिरता का एक अंतरराज्यीय विश्लेषण"। 12 अप्रैल 2023)

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

- सिंह, गुलशन. के , सोमानी जी. 18वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " आउट-क्लाउड अटैक डिटेक्शन (ओसीएडी) का उपयोग करके स्रोत पर क्लाउड उत्पन्न डीडीओएस हमलों का पता लगाना "। सूचना प्रणाली सुरक्षा (आईसीआईएसएस), आईआईटी तिरूपति, भारत, 2022 (17-20 दिसंबर, 2022) पर।
- समकालीन कंप्यूटिंग (आईसीसीसी 2022), नोएडा, भारत, अगस्त 2022 पर चौदहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अक्षय कुमार , मुजम्मिल हुसैन, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) नेटवर्क में "मल्टी-क्लस्टर पर्यावरण के तहत उपकरणों का पारस्परिक प्रमाणीकरण"।
- अक्षय कुमार , मुजम्मिल हुसैन, औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) नेटवर्क में "आईओटी नेटवर्क में उपकरणों के लिए सुरक्षित ईसीसी आधारित कुंजी विनिमय तंत्र"।
- रौशन कुमार सिंह , अक्षय कुमार, मुजम्मिल हुसैन, "स्मार्ट होम नेटवर्क के लिए एक सुरक्षित कुंजी समझौता तंत्र" कनेक्टेड सिस्टम और इंटेलिजेंस (सीएसआई) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, त्रिवेंद्रम, अगस्त 2022

शिक्षा विभाग

- सिंह एस . और "विकास मानसिकता शिक्षाशास्त्र: बचपन की शिक्षा और विकास में विकास मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षक के लिए एक विकल्प" सामाजिक विज्ञान और मानविकी में संवाद और विचार-विमर्श पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICDDSSH-22) में मानविकी सामाजिक और विज्ञान स्कूल, साबरमती द्वारा आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात (29 जुलाई - 30 जुलाई 2022)।
- प्रजापति एस . एपीजे सत्य विश्वविद्यालय, गुरुग्राम द्वारा शांति, विवेक और समृद्धि पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सद्भाव और राष्ट्रीय अखंडता के लिए शिक्षा की भूमिका" (5-6 अगस्त 2023)
- तमिषा "खुशी और शांति के मार्ग के माध्यम से समृद्धि की खोज"।
- तमिषा "अभिनव शिक्षा: भारत में शिक्षा का परिवर्तन" स्कॉलर्स मोज़ेक 2.0 में: वार्षिक युवा शोधकर्ताओं की बैठक (17-18 सितंबर 2022)।
- तमिषा "आत्म-तोड़फोड़ पर काबू पाना: उद्यमशीलता की सफलता को नुकसान पहुंचाना बंद करें" मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा उद्यमी और कौशल विकास: आत्मनिर्भर भारत का मार्ग विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "अन्वेषा-2022" का आयोजन कर रहा है। 5 नवंबर 2022)।
- भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: दृष्टि को कार्य में बदलना (18-19 नवंबर 2022) पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तमिषा "समग्र और बहु-विषयक शिक्षा: समाज में शिक्षा को फिर से शुरू करने के लिए ज्ञान को एकीकृत करना"।
- सिंह एस . "स्वदेशी ज्ञान प्रणाली: जनजातीय विरासत को संरक्षित और लोकप्रिय बनाने के लिए मध्य प्रदेश के लोक खेल" भारत के जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने में प्रौद्योगिकी के महत्व पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित (23-24 अगस्त 2022) ।
- मिश्रा, एस ., "ऑनलाइन लर्निंग की प्रभावशीलता: भारत में उच्च शिक्षा के छात्रों का एक प्रभाव अध्ययन" स्कॉलर मोज़ेक 2.0 में। भारत के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय के शोधकर्ता सेल द्वारा राष्ट्रीय वार्षिक युवा शोधकर्ताओं की बैठक (17-18 सितंबर 2022) आयोजित की गई।
- अग्रवाल एम . एनएफएल, एनएएसी, एनआईएसबीयूडी और एमजीएनसीआरई के सहयोग से मंगलमय इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा द्वारा "उद्यमिता और कौशल विकास: आत्मनिर्भर भारत का मार्ग" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसजेंडर उद्यमिता के मार्ग में रुकावटें" (5 नवंबर) 2022).
- प्रजापति एस . प्रबंधन संस्थान: वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज, साइंटिफिक रिसर्च एसोसिएशन, रिसर्च कल्चर सोसाइटी और स्वराज रिसर्च द्वारा उच्च शिक्षा में वैश्विक अनुसंधान रुझान (आईसीजीआरटीई - 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "फ़्लिप्स: उच्च शिक्षा में शिक्षार्थियों के लिए आवश्यक जीवन कौशल" संस्थान, जोधपुर, राजस्थान (25-26 नवंबर 2022)।
- पचौरी वाई . प्रबंधन संस्थान: वारसॉ यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज, साइंटिफिक रिसर्च एसोसिएशन, रिसर्च कल्चर सोसाइटी और स्वराज रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा उच्च शिक्षा में वैश्विक अनुसंधान रुझानों (आईसीजीआरटीई - 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल शिक्षाशास्त्र: शिक्षा में एक अभिनव अभ्यास" जोधपुर, राजस्थान (25-26 नवंबर 2022)।
- दुरईमुरुगन. इ । "उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार-आईसीआईआरएचई-2022" ने अलगप्पा विश्वविद्यालय, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कराईकुडी, तमिलनाडु द्वारा आयोजित "शिक्षा में प्रौद्योगिकी एकीकरण के रुझान - संवर्धित और आभासी शिक्षण" विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पेपर प्रस्तुत किया। भारत (25-26 नवंबर 2022)।
- सिंह एस . मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (एमएएनयूयू), हैदराबाद द्वारा आयोजित तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) का 12वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "छात्रों के लचीलेपन पर विकास मानसिकता शिक्षाशास्त्र के प्रभाव का परीक्षण" (9-11 दिसंबर 2022)।
- अग्रवाल एम . समाजशास्त्र विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित शैक्षिक परिवर्तन: संकट और लचीलापन पर तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया के 12वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "ट्रांसजेंडर शिक्षा: समावेशन और बहिष्करण आउटलुक पर दोबारा गौर करें" (9-11 दिसंबर 2022) .
- सिंह एस . "विकास मानसिकता: कक्षा सेटिंग में एक नया शैक्षणिक परिदृश्य" इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईसीईआरटी) और आईएनएम पीजी कॉलेज, मेरठ द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन (15 जनवरी 2023)।

- दुरईमुरुगन.ई . "वैश्विक मानकों की दिशा में भारतीय उच्च शिक्षा में सुधार और परिवर्तन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन -2023" उच्च शिक्षा में नवाचार और सुधार विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया, जिसका शीर्षक था "समावेश के लिए उच्च शिक्षा में नवाचार का एक महत्वपूर्ण निर्धारण" "VEL'S इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस टेक्नोलॉजी एंड एडवांस्ड स्टडीज, VISTAS, शिक्षा विभाग, पल्लावरम, चेन्नई द्वारा आयोजित। (25जनवरी 2023)।
- सिंह एस . उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (एनईआरआईई) शिलांग, मेघालय (2-3 फरवरी 2023) द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में "लोक कला (वार्ली): ज्यामिति डिजाइन का भारतीय और स्वदेशी खजाना"।
- रे एम . सामाजिक कार्य विभाग, सीयूआरएजे और भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण (9-10 फरवरी 2023) द्वारा पारिस्थितिक व्यवधानों और देहातीवाद: पारिस्थितिक बहाली में स्वदेशी ज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "पारिस्थितिकी बहाली पर कृष्णमूर्ति स्कूलों द्वारा निभाई गई भूमिका"।
- प्रजापति एस . एमिटी यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश (10 फरवरी 2023) द्वारा सतत विकास के लिए भारतीय शिक्षा की जड़ों को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "21वीं सदी के शिक्षार्थियों के बीच जीवन कौशल के विकास के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण के रूप में मध्य स्तर पर कला को शामिल करना"।
- पचौरी वाई . एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश (10 फरवरी 2023) द्वारा सतत विकास के लिए भारतीय शिक्षा की जड़ों को पुनर्जीवित करने पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "एंड्रैगॉजी: भावी शिक्षक के कौशल को बढ़ाने के लिए एक दृष्टिकोण"।
- अग्रवाल एम . सामाजिक-सांस्कृतिक और जैविक विविधता में समकालीन रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "लैंगिक विविधता और बहुसंस्कृतिवाद: एलजीबीटीक्यूआईए समुदाय के लेंस से खोज": मानव विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा मानव विविधता के नृवंशविज्ञान तरीकों पर दोबारा गौर करना। सागर (13-14 फरवरी 2023)।
- दुरईमुरुगन. इ । आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित "उच्च शिक्षा में सपने और अवसर" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (एमपी) के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित "21वीं सदी में भारत में उच्च शिक्षा का व्यापक विकास" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। (13-14 फरवरी, 2023)।
- द भोपाल सामाजिक विज्ञान स्कूल, भोपाल द्वारा आयोजित बहुविषयक अनुसंधान परिप्रेक्ष्य (आईसीएमआरपी 2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रजापति एस. "कला-एकीकृत शिक्षण (एआईएल): 21 वीं सदी के शिक्षार्थियों के लिए एक प्रभावी शिक्षण दृष्टिकोण" (16-17 फरवरी 2023) .

- पचौरी वाई. "स्व-निर्देशित शिक्षा: 21 वीं सदी के शिक्षार्थियों के सुधार के लिए एक आवश्यक शिक्षण कौशल " (16-17 फरवरी 2023)).
- इंस्टीट्यूट फॉर इंजीनियरिंग रिसर्च एंड पब्लिकेशन (आईएफईआरपी) - इंडोनेशिया चैप्टर द्वारा आयोजित कंप्यूटर, साइबरनेटिक्स और शिक्षा (आईसीसीसीई-2023) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सिंह एस. "विज्ञान अनुशासन में शिक्षार्थी के प्रदर्शन पर विकास मानसिकता शिक्षाशास्त्र के प्रभाव की जांच " यूनिवर्सिटासफजर, जकार्ता, इंडोनेशिया और सीएमआर इंजीनियरिंग कॉलेज, हैदराबाद, भारत के सहयोग से (23-24 फरवरी 2023)।
- प्रजापति एस. "समग्र युवा विकास के लिए जीवन कौशल: क्या यह युवाओं को फिर से जोड़ने के लिए एक आवश्यक घटक है"।
- तमिषा "युवाओं के जीवन में शैक्षणिक उछाल और जीवन कौशल की भूमिका"।
- जोशी जे . महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम द्वारा आयोजित यूथ@75: आगे का रास्ता- शिक्षकों की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमिनार में "भारतीय संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की सांस्कृतिक बुद्धिमत्ता" (1-2 मार्च 2023)।
- शालिनी , भारतीय भाषा समिति और राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (10 - 11 मार्च, 2023) में।
- कुमार। शिक्षा विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षा नीति: विकास, विश्लेषण और प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन में एस. "बहिष्करण से पूर्ण समावेशन तक की यात्रा का पता लगाना" (30-31 मार्च 2023)
- तमिषा "अकादमिक उछाल के माध्यम से लचीलेपन का निर्माण: संगठनात्मक लचीलेपन के निर्माण के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण" "अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता" पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, (11-12 अप्रैल 2023)।

- रे एम. "मियाज़ावा केनजी की कहानियों और कविताओं के माध्यम से लचीलेपन का एक मार्ग: शिक्षा में एक मूल्य के रूप में लचीलेपन को समझने के लिए एक दृष्टिकोण" CURAJ, अर्थशास्त्र विभाग द्वारा अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में और आईसीएसएसआर (11-12 अप्रैल 2023)।
- अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर (11-12 अप्रैल, 2023) द्वारा आयोजित एक अनिश्चित दुनिया में विकास लचीलापन और स्थिरता पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शालिनी, "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में संगठनात्मक लचीलापन" ।
- बाला, ए . मार थियोफिलस ट्रेनिंग कॉलेज और केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा शिक्षण, अनुसंधान और विस्तार में गुणवत्ता चेतना के पोषण पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में " विशेष से समावेशी शिक्षा में परिवर्तन परिदृश्य" (31 मई 2023)

अंग्रेजी विभाग

- वर्मा, ए. , क्राइस्ट एकेडमी इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज, बेंगलुरु द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन **FORTELL'**22 में "इंटेलिजेंट पर्सनल असिस्टेंट का उपयोग करके प्राथमिक स्तर पर सुनने और बोलने की सुविधा प्रदान करना"। (13-15 जुलाई, 2022)।
- दत्ता, आर., अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय, दीफू कैंपस, दीफू द्वारा प्रतिरोध, सुलह और उपचार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में "ट्रांसलोकल लेंस से स्वदेशी प्रतिरोध: जॉय हार्जो और जैकिंटा केरकेट्टा की चुनिंदा कविताओं का एक अध्ययन" । (11-12 जुलाई, 2022) .
- डीपी भोसले कॉलेज, कोरेगांव (संबद्ध) के अंग्रेजी विभाग द्वारा अंग्रेजी साहित्य में उत्तर औपनिवेशिक आवाज़ों पर आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में, दत्ता, आर., "पुनर्प्राप्ति, प्रतिरोध, पुनर्मूल्यांकन: जैकिंटा केरकेट्टा के चुनिंदा कार्यों में स्वदेशी चेतना का प्रतिबिंब" । शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर) इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईएलटी@आई) - सतारा चैप्टर, सतारा (एमएस) के सहयोग से। (3 दिसंबर, 2022)।
- दत्ता, आर., "अनुवाद के माध्यम से भारत में जनजातीय स्व-फैशन को पढ़ना" मेट्रोपोलिस और मार्जिन पर तीन दिवसीय वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 (ऑनलाइन): साहित्यिक और भाषा अध्ययन में बदलते परिप्रेक्ष्य, इंडियन एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज द्वारा आयोजित जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, नई दिल्ली के सहयोग से अध्ययन (**IACLALS**)। (27-29 अप्रैल, 2023)।
- दत्ता, आर., इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एजुकेशनल लीडरशिप (आईएसईएल) और एमआईटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंग्रेजी साहित्य शिखर सम्मेलन 2023 में अंग्रेजी साहित्य शिखर सम्मेलन 2023 में "स्वदेशी, सीमाओं और अनुवाद पर परिप्रेक्ष्य: अंग्रेजी अनुवाद में भारत से चुनिंदा जनजातीय लेखन का एक अध्ययन"। एडीटी विश्वविद्यालय, पुणे। (24 - 25 जून, 2023)।
- चौधरी, एसके, " चुनौतीपूर्ण बहिष्करण, लेखन जीवन: भारतीय विकलांग महिलाओं के लेखन का एक अंतर्विभागीय अध्ययन" अंग्रेजी विभाग, असम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रतिरोध, सुलह और उपचार पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में: दीफू परिसर, दीफू। (11-12 जुलाई, 2022)।
- चौधरी, एसके, अनंत 2022 में "चुनौतीपूर्ण बहिष्करण, प्रतिस्पर्धात्मक प्रतिनिधित्व: फिल्म मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ का एक अंतर्विषयक विश्लेषण": स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मैनेजमेंट, डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून द्वारा मानविकी और सामाजिक विज्ञान में रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन , उत्तराखंड डेब्रे ताबूर विश्वविद्यालय, इथियोपिया के सहयोग से । (10-11 नवंबर, 2022)।
- चौधरी, एसके, आर्य विद्यापीठ कॉलेज, गुवाहाटी और बोडोलैंड विश्वविद्यालय द्वारा उत्तर-पूर्व भारत में विकलांगता पर आईसीएसएसआर-एनईआरसी प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "प्रतिरोध, सुलह और उपचार: शिवानी गुप्ता की 'नो लुकिंग बैक: ए टू स्टोरी' का एक अंतर्विभागीय वाचन"। (28-29 नवंबर, 2022)।
- चौधरी, एसके, "विकलांगता और हर दिन: अंतःविषय परिप्रेक्ष्य" पर सीयूराज_आडीएससी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " नसीमा हुरज़ुक की नसीमा: द इनक्रेडिबल स्टोरी में प्रवचन और सम्मान-क्षमता को सक्षम करना"। (8-10 फरवरी, 2023)।

- चौधरी, एसके, फारूक कॉलेज, कालीकट द्वारा आयोजित सन्निहित पहचान: द बॉडी इन कल्चरल स्पेसेस पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में "'अस्वीकृत' शरीर को अस्वीकार करना, विकलांगता को प्राकृतिक बनाना: भारतीय विकलांग महिला लेखकों का एक अध्ययन"। (21-22 फरवरी, 2023)।
- चौधरी, एसके, सोफिया गर्ल्स कॉलेज, अजमेर द्वारा साहित्य और भाषाविज्ञान में हालिया रुझानों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "हाशिए पर बातचीत, 'स्वयं' पर जोर देना: भारतीय विकलांग महिलाओं द्वारा जीवन कथाओं का एक महत्वपूर्ण अध्ययन"। (10-11 मार्च, 2023)।

- नंदी, एस., इंडियन एसोसिएशन फॉर साइंस फिक्शन स्टडीज के सहयोग से अंग्रेजी विभाग, आईएएच, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा द्वारा साइंस फिक्शन स्टडीज पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "साइंस फिक्शन एंड मशीन्स: ए स्टिंट विद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन डेनियल एच. विल्सन्स रोबोपोकैलिप्स"। (17-20 जुलाई, 2022) .
- मनीषा, प्रथम विश्व युद्ध की थीम पर " आघात, अलगाव और भय के माध्यम से विकलांगता की पुनर्कल्पना: वर्जीनिया वूल्फ और जॉन स्टीनबेक के चुनिंदा पाठ का एक महत्वपूर्ण अध्ययन"; आधुनिकतावाद(ओं); और राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में टोम बाइंडिंग। (22-24 जनवरी, 2023) .
- मनीषा, " एक्सटेंडिंग नैरेशन बियॉन्ड 'फ्रीक' ऑफ माइस एंड (डिसेबल्ड) मेन: ए क्रिटिकल डिसेबिलिटी स्टडीज पर्सपेक्टिव", सीयूराज_आडीएससी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में "डिसेबिलिटी एंड द एवरीडे: इंटरडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स"। (8-10 फरवरी, 2023)।
- मनीषा, " महाभारत में लिंग और विकलांगता की धारणाओं का विकास" एशिया भर में महाभारत महाकाव्य पर एक अंतरविषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: अंग्रेजी साहित्य विभाग, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (ईएफएलयू), हैदराबाद। (29-31 मई, 2023)।
- देवी, एम., "नेगोशिएटिंग द नेशन, एम्ब्रेसिंग एथनोनेशनलिज्म: ए स्टडी ऑफ टेम्सुला एओ की चुनिंदा लघु कथाएँ" मेट्रोपोलिस एंड मार्जिन्स: शिफ्टिंग पर्सपेक्टिव्स इन लिटरेरी एंड लैंग्वेज स्टडीज पर इंडियन द्वारा आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 (ऑनलाइन) में जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, नई दिल्ली के सहयोग से एसोसिएशन फॉर कॉमनवेल्थ लिटरेचर एंड लैंग्वेज स्टडीज (**IACLALS**)। (27-29 अप्रैल, 2023)।
- दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में वशिष्ठ, के., "चुनिंदा समकालीन महिला कविता के माध्यम से आवाज रहित हाशिये पर रहने वालों के लचीलेपन और विरोध की खोज", मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी रूड़की, रूड़की द्वारा आयोजित। (12-13 अप्रैल, 2023)।
- वशिष्ठ, के., "सोशल मीडिया पर चुनिंदा समकालीन महिला कविता के माध्यम से आवाज रहित हाशिये पर रहने वालों की सक्रियता की खोज"। (2 मई, 2023)।
- वशिष्ठ, के. " चयनित अमेरिकी महिला कविता में प्रेम की धारणा", सरकार द्वारा आयोजित राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज़ इन इंग्लिश ऑन नेगोशिएटिंग लव, कॉम्बैटिंग हेट्रेड: एक्सप्लोरिंग लव इन वर्ल्ड लिटरेचर्स के **XIX** वार्षिक सम्मेलन में। लोहिया कॉलेज, चूरू। (20 - 21 नवंबर, 2022)।
- पधान, वी., "रीफिकेशन एंड द पॉलिटिक्स ऑफ नॉन-रिकग्निशन: एन एनालिसिस ऑफ अरविंद अडिगा एमनेस्टी" भाषा, साहित्य और सामाजिक विज्ञान पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, अंग्रेजी के पीजी और अनुसंधान विभाग, अन्नाई वेलानकन्नी कॉलेज द्वारा आयोजित किया गया। , थोलायवट्टम, कन्याकुमारी, तमिलनाडु, भारत। (11-12 नवंबर, 2022)।
- पधान, वी., "अरविंद अडिगा की एमनेस्टी में भित्तिचित्र कला और अलगाव"। (11-12 मार्च, 2023)।
- नाग, डी., "सांप्रदायिक प्रवासन की कंडीशनिंग: खुशवंत सिंह और मलॉय कृष्ण धर के ग्रंथों में एक प्रेरणा के रूप में ट्रेन का उपयोग" वेल्लोर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित 'साहित्य, फिल्म और मीडिया 2.0 के माध्यम से मानविकी' पर अंतर्राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में टेक्नोलॉजी, चेन्नई (18-19 अगस्त, 2022)।
- अंग्रेजी विभाग, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, पंजाब द्वारा अंग्रेजी भाषा, साहित्य और सांस्कृतिक अध्ययन में समकालीन परिप्रेक्ष्य पर दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन एनसीसीपीई-2022 में आयोजित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में नायर केएस, के., " अरविंद अडिगा के चयन दिवस में समलैंगिक इच्छा का प्रतिनिधित्व " . (15-16 जुलाई, 2022)।

- नायर केएस, के., "क्वेरिंग अमृता पाटिल का ग्राफिक उपन्यास कारी" अनंत 2022 में: मानविकी और सामाजिक विज्ञान में रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर अंतःविषय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स एंड मैनेजमेंट, डीआईटी विश्वविद्यालय, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा डेब्रे ताबूर विश्वविद्यालय, इथियोपिया के सहयोग से आयोजित किया गया। (10-11 नवंबर, 2022)।
- नायर के.एस., के., "'लव इज लव': सचिन कुंडलकर के कोबाल्ट ब्लू में प्यार और इच्छा का प्रतिनिधित्व", राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश के **XIX** वार्षिक सम्मेलन में प्यार पर बातचीत, नफरत का मुकाबला: विश्व साहित्य में प्यार की खोज विषय पर आयोजित किया गया। सरकार द्वारा. लोहिया कॉलेज, चूरू। (20 - 21 नवंबर, 2022)।
- शर्मा, के., "औपनिवेशिक शासन के तहत दक्षिणी राजस्थान में जनजातीय जीवन: हरि राम मीना की पुस्तक जब तीर गरम किए गए" की कुछ झलकियाँ राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ (14 - 15 सितंबर, 2022)।
- शर्मा, के., "नेगोशिएटिंग लव फॉर नेचर एंड वीमेन: एन इकोफेमिनिस्ट स्टडी ऑफ व्हेन एरोज वेयर हीटेड अप" राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश ऑन नेगोशिएटिंग लव, कॉम्बैटिंग हेट्रेड: एक्सप्लोरिंग लव इन वर्ल्ड लिटरेचर्स के **XIX** वार्षिक सम्मेलन में सरकार द्वारा आयोजित . लोहिया कॉलेज, चूरू। (20 - 21 नवंबर, 2022)।
- शर्मा, के., "सांस्कृतिक निधि के रूप में राजस्थान की जनजातियाँ: एक अध्ययन गरासिया जनजातियाँ" आदिवासी समाज के स्वदेशी ज्ञान और कौशल के प्रक्षेप पथ (कला, संस्कृति और दर्शन के प्रकाश में) के पुनरावलोकन पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित की गईं दर्शनशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से। (9-10 , दिसंबर, 2022)।
- शर्मा, के., "गमना में जनजातीय जीवन की खोज: एक उत्तर औपनिवेशिक अध्ययन"; आधुनिकतावाद (ओं); और टाइम बाइंडिंग का आयोजन अंग्रेजी विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा फोरम ऑफ कंटेम्परेरी थ्योरी और बलवंत पारेख सेंटर फॉर जनरल सिमेंटिक्स एंड अदर ह्यूमन साइंसेज, बड़ौदा के सहयोग से किया गया। (27-28 जनवरी, 2023)।
- अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब द्वारा आयोजित थ्योरी - लिटरेचर इंटरफेस: पॉसिबिलिटीज ऑफ री-सर्चिंग इंडिया पर राष्ट्रीय सेमिनार में शर्मा, के., " एलिफेंट व्हिस्परर्स के विशेष संदर्भ में आदिवासियों और प्रकृति के बीच सहजीवी संबंध की खोज " विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (11-12 मई, 2023)।
- शर्मा, के., "आदिवासी महिलाओं के आघात और संघर्ष का विश्लेषण: 'जय भीम' में सेंगानी का एक प्रतिनिधि अध्ययन, दो दिवसीय अंग्रेजी साहित्य शिखर सम्मेलन 2023 में, इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एजुकेशनल लीडरशिप और एमआईटी आर्ट, डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक आभासी सम्मेलन विश्वविद्यालय। (24 - 25 जून, 2023)।

पर्यावरण विज्ञान विभाग

- कुमारी, एन. , सिंह, आर., "सांख्यिकीय अनुकूलन उपकरण का उपयोग करके चिटोसन से सजाए गए चुंबकीय नैनोकणों (सीएस@एनजेडवीआई) के माध्यम से जलीय घोल से आयनिक एज़ो रंगों का अवशोषण " नैनो सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन में महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत। (12 -14 अगस्त 2022)।
- कुमारी, एन. , आर्य, एस., सिंह, आर., "संशोधित लौह नैनोकणों का उपयोग करके कपड़ा प्रवाह का उपचार: प्रतिक्रिया सतह पद्धति (आरएसएम) द्वारा प्रक्रिया पैरामीटर्स का अनुकूलन" नैनोटेक्नोलॉजी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में: अवसर और चुनौतियां (आईसीएनओसी-) 2022) ऑनलाइन मोड में, एप्लाइड साइंसेज और मानविकी विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित किया गया। (28-30 नवंबर 2022)।
- कुमारी, एन. , आर्य, एस., सिंह, आर., "आरएसएम-सीसीडी दृष्टिकोण के माध्यम से चिटोसन संशोधित जीरोवैलेंट आयरन (सीएस@एनजेडवीआई) का उपयोग करके वास्तविक कपड़ा अपशिष्ट जल का उपचार" नैनो संरचित सामग्री और पॉलिमर पर अंतर्राष्ट्रीय हाइब्रिड सम्मेलन (आईसीएनपी 2023) (12-14 मई 2023)।
- शर्मा, ए. , सिंह, आर., "धीमी गति से निकलने वाले नाइट्रोजन उर्वरक का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और विग्ना रेडिएटा एल के विकास पर इसका प्रभाव।" तीसरे राष्ट्रमंडल रसायन विज्ञान पोस्टर प्रस्तुति में, राष्ट्रमंडल रसायन विज्ञान (आरएससी), यूके (28-29 सितंबर 2022)।

- शर्मा, ए. , सिंह, आर., "विग्ना रेडिएटा एल की वृद्धि और विकास पर वाणिज्यिक यूरिया और नैनो यूरिया के तुलनात्मक प्रभावों का मूल्यांकन।" नैनोसाइंस और नैनोटेक्नोलॉजी पर 7वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICONN-2023), एसआरएम तमिलनाडु (27-29 मार्च 2023) में।
- जयसवाल, पीके , सिंह, आर., "जयपुर शहर के वाणिज्यिक क्षेत्र में माइक्रोप्लास्टिक्स का आकलन", सेठ रंगलाल कोठारी सरकारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजसमंद, राजस्थान, भारत। (16-17) दिसंबर 2022)।
- जयसवाल, पीके , सिंह, आर., "जयपुर शहर की सड़क की धूल में माइक्रोप्लास्टिक्स की व्यापकता, मात्रा का निर्धारण और विशेषताएं" पादप और पर्यावरण विज्ञान में उभरते रुझान, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में। (2-4 फरवरी 2023)।
- सत्या, एस., कौशिक, जी., "पर्यावरण निगरानी और विश्लेषण में हालिया प्रगति, जम्मू विश्वविद्यालय, पर एक कार्यशाला में पोषक तत्व (के, पी, जेडएन) घुलनशीलता और कीटनाशक सहिष्णुता के संयुक्त गुणों वाले जीवाणु उपभेदों का अलगाव और मूल्यांकन"। जम्मू, भारत. (13-17 फरवरी 2023)
- दशोरा, एम., कौशिक, जी., कुमार, ए., "भारत के रेगिस्तानी हिस्से से भूजल का केमोमेट्रिक भू-रासायनिक विश्लेषण और एन्ट्रॉपी जल गुणवत्ता सूचकांक (ईडब्ल्यूक्यूआई) का उपयोग करके इसकी उपयुक्तता मूल्यांकन" विश्लेषण, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, भारत। (13-17 फरवरी 2023)
- पलसानिया, पी., कौशिक, जी., "खाद्य ग्रेड प्लास्टिक में बिस्फेनॉल ए की एकाग्रता और विषाक्तता का मूल्यांकन और जीवाणु प्रजातियों द्वारा इसका क्षरण" पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, सेठ रंगलाल कोठारी सरकार स्नातकोत्तर कॉलेज राजसमंद, राजस्थान, भारत। (16-17 दिसंबर 2022)।
- पलसानिया, पी., कौशिक, जी., "बिस्फेनॉल ए: खाद्य ग्रेड प्लास्टिक में एकाग्रता का मूल्यांकन और बैक्टीरिया प्रजातियों द्वारा गिरावट" पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में, विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान, भारत। (26 नवंबर 2022)
- गर्ग, वी., कुमार, आर., कुमार, ए., "भारत के राजस्थान के उप-आर्द्र क्षेत्र में भूजल प्रदूषण और संबंधित स्वास्थ्य खतरे का आकलन", सेठ रंगलाल कोठारी सरकार स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजसमंद, राजस्थान, भारत। (16-17 दिसंबर 2022)।
- सिन्हा, ए., शर्मा, एलके, "सरिस्का नेशनल पार्क (भारत) में जंगल की आग की गंभीरता और आग-प्रवण क्षेत्रों का आकलन" जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सतत विकास परिप्रेक्ष्य पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम -बंगाल, भारत. (17 फरवरी 2023)
- राठौड़, एमके, शर्मा, एलके, "जैविक संरक्षण और प्रथाओं का पता लगाने के लिए पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए प्रजाति वितरण मॉडल (एसडीएम) की प्रभावशीलता" जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सतत विकास परिप्रेक्ष्य पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम- बंगाल, भारत. (17 फरवरी 2023)
- तरन्नुम, एन., चौधरी, एन., "वायु: द वाइटल लाइफ फोर्स, इंस्टीट्यूट ऑफ क्लाइमेट चेंज रिसर्च, द महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, पर राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में राजस्थान के केंद्रीय विश्वविद्यालय के आसपास के क्षेत्र में धूल प्रदूषण का गुणात्मक मूल्यांकन"। वडोदरा, गुजरात, भारत। (02 दिसंबर 2022)
- तरन्नुम, एन ., राठौड़, एन., चौधरी, एन., "सुमंगलम पंचमहाभूत: शिक्षा 'ओ' अनुसंधान विश्वविद्यालय परिसर, भुवनेश्वर, ओडिशा द्वारा आयोजित 'वायु- द वाइटल लाइफ फोर्स' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन श्रृंखला। (2-4 दिसंबर, 2022)। मौखिक प्रस्तुति (ऑफ़लाइन)
- राठौड़, एमके , शर्मा, एलके, " जैविक संरक्षण और प्रथाओं का पता लगाने के लिए पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए प्रजाति वितरण मॉडल (एसडीएम) की प्रभावशीलता" जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सतत विकास परिप्रेक्ष्य 2023 पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, भारत। (16-19 फरवरी 2023)।
- सिन्हा, ए. , शर्मा, एलके, वर्मा, आरके, " सरिस्का नेशनल पार्क (भारत) में जंगल की आग की गंभीरता और आग-प्रवण क्षेत्रों का आकलन " जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सतत विकास परिप्रेक्ष्य 2023 पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान , खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, भारत। (16-19 फरवरी 2023)।
- कुमार, एस. , शर्मा, एलके, " संयुक्त पारिस्थितिक लचीलापन सूचकांक दृष्टिकोण (सीईआरआईए): भोजन और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए एक जमीनी स्तर का अनुपात-पारिस्थितिक लचीलापन मूल्यांकन दृष्टिकोण " जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन सतत

विकास परिप्रेक्ष्य 2023 पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में , भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल, भारत। (16-19 फरवरी 2023)।

- कुमार, एस. , शर्मा, एलके, " खाद्य और उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्र के लिए संयुक्त पारिस्थितिक लचीलापन सूचकांक दृष्टिकोण (सीईआरआईए) " 2 में भूविज्ञान अनुसंधान में फ्रोनिटर्स 2023 भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद, भारत (1-3 फरवरी 2023)।
- कुमार, एस. , शर्मा, एलके, " बदलती जलवायु परिस्थितियों में कार्बन और जल उपयोग दक्षता: सार्क क्षेत्र के लिए एक स्थानिक-पारिस्थितिक लचीलापन दृष्टिकोण " अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन फॉल मीटिंग एब्सट्रैक्ट्स 2022, जीसी52आई-0250 में। (12-16 दिसंबर,2023)
- कुमार, एम., कुमार, आर., कुमार, ए., "राजस्थान में सांभर (प्लाया) झील के भूमि उपयोग/भूमि आवरण (एलयूएलसी) परिवर्तन का स्थानिक-अस्थायी विश्लेषण" सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजसमंद, राजस्थान, भारत। (16-17 दिसंबर 2022)।
- सेठ रंगलाल कोठारी गवर्नमेंट पोस्ट-ग्रेजुएट कॉलेज में पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में गर्ग, वी., कुमार, ए., "भारत के राजस्थान के उप-आर्द्र क्षेत्र में भूजल प्रदूषण और संबंधित स्वास्थ्य खतरे का आकलन " , राजसमंद, राजस्थान, भारत (16-17 दिसंबर 2022)
- पिप्पल पीएस , कुमार आर., चौहान ए., सिंह आरपी, कुमार आर., सिंह ए., “धूल और धुआं
- ढाका, बांग्लादेश में वायुमंडलीय संरचना और एशियाई मानसून (एसीएएम) कार्यशाला 2023 में (06-10 जून 2023), पोस्टर प्रस्तुति (व्यक्तिगत रूप से)
- पिप्पल पीएस , कुमार आर., चौहान ए., सिंह आरपी, “धूल का लंबी दूरी का परिवहन और
- "एजीयू फॉल मीटिंग 2022" (12-16 दिसंबर 2022) पोस्टर प्रस्तुति (ऑनलाइन) में थार रेगिस्तान क्षेत्र (भारत) के ऊपर फसल अवशेष जलाने से निकलने वाला धुआं एयरोसोल ऑप्टिकल प्रॉपर्टीज (एओडी) को प्रभावित करता है।
- पिप्पल पीएस, कुमार आर., चौहान ए., सिंह आरपी, कुमार आर., सिंह ए., "उष्णकटिबंधीय चक्रवात TAUKTAE से जुड़े वायुमंडलीय मौसम विज्ञान पर विचार करके भूमि-महासागर मापदंडों में परिवर्तन" अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ के "विषयगत अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में (24-25 नवंबर 2022) मौखिक प्रस्तुति (व्यक्तिगत रूप से)।
- पिप्पल पीएस , कुमार आर., कुमार आर., सिंह ए., "वायु सुमंगलम राष्ट्रीय युवा सम्मेलन" में "फसल अवशेष जलाने से निकलने वाली धूल और धुएं का लंबी दूरी तक परिवहन उत्तर पश्चिम भारत में एयरोसोल ऑप्टिकल गुणों (एओडी) को प्रभावित करता है"। -4 दिसंबर 2022) मौखिक प्रस्तुति (व्यक्तिगत रूप से)।
- शर्मा पी., कुमार आर., सिंह ए. , कुमार आर ., पिप्पल पीएस, और तनुजा, ध्रुवीय विज्ञान पर राष्ट्रीय सम्मेलन 2023 में "पश्चिमी हिमालय के रावी बेसिन में 1971-2022 तक ग्लेशियर पीछे हटने और इसके नियंत्रित जलवायु मापदंडों के स्थानिक वितरण का मूल्यांकन" (16-19 मई) राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित (पोस्टर प्रस्तुति)।
- सिंह ए. , सेठ रंगलाल कोठारी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा पर्यावरण, सतत विकास और मानव स्वास्थ्य पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुमार आर ., कुमार आर., सिंह एस., "जलवायु परिवर्तन की दिशा में हिमालय ग्लेशियर द्रव्यमान संतुलन पर जलवायु मापदंडों का आकलन" राजसमंद, राजस्थान, भारत। (16-17 दिसंबर 2022)

हिन्दी विभाग

- डेन एस. , राष्ट्रीय संगोष्ठी 'विभाजन की परंपरा, हिंदी विभाग, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय' में भाग लिया। (8 अगस्त 2022)
- डेन एस ., निराला की कविताओं में राष्ट्रीय सांस्कृतिक चेतना का स्वरूप', एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में, 'स्वतंत्रता के 75 वर्ष का साहित्यिक, सामाजिक एवं आर्थिक परिवेश' विश्व हिंदी मंच, (8 -9 अक्टूबर 2022)
- राष्ट्रीय संगोष्ठी में डेन एस ., "पंडित दीन दयाल उपाध्याय की वैचारिकी एवं राष्ट्रीयता"
- "राष्ट्र प्रेमी मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय" दयानंद कॉलेज, अजमेर एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, किशनगढ़। (25 नवंबर 2022)।

- सैनी एच ., "किशनगढ़ का साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय सम्मान, दयानंद कॉलेज, अजमेर" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार में "राजस्थान की चित्रकला में किशनगढ़ शैली का स्वरूप"। (7 अक्टूबर 2022)।
- सैनी एच ., "पंडित दीन दयाल उपाध्याय एक समाजसेवी के रूप में", "राष्ट्र प्रेमी मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित दीन दयाल उपाध्याय" विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में दयानंद महाविद्यालय, अजमेर एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, किशनगढ़। (25 नवंबर 2022)।
- सैनी एच ., "उच्च शिक्षा में महिलाओं की स्थिति, समस्या एवं चुनौतियाँ", "भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में, भारतीय भाषा समिति एवं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, राजस्थान। (10-11 मार्च, 2023)।
- सैनी एच ., "हिन्दी राष्ट्रीय, सांस्कृतिक धारा में द्विवेदी युग के कवियों का योगदान", "भारतीय साहित्य में राष्ट्र की अवधारणा" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में हिन्दी विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय एवं महाराजा मानसिंह पुस्तक प्रकाश शोध केन्द्र मेहरानगढ़, जोधपुर। (11-12 मार्च, 2023)।
- सैनी एच ., (2022), "21वीं सदी के साहित्य में चित्र उपेक्षित वृद्ध विमर्श", भारत मंथन पीर समीक्षित जर्नल, 2583-634एक्स
- सैनी एच ., (2022), "राजस्थान की चित्रकला में किशनगढ़ शैली का स्वरूप", जनकृति, 2454-2725
- सैनी एच ., (2023), "सुब्रमण्यम भारती मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी", मीरायन, 2455-6033
- मेघवाल एस ., 'राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा जागृति', एनआईपीएएम, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। (8 दिसंबर 2022)
- मेघवाल एस ., ने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी: वर्तमान और भविष्य' हिंदी विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में भाग लिया। (10 जनवरी 2023)
- मेघवाल एस . ने राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय भाषाओं का स्त्रोत: अनुवाद' हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी सीनियर कॉलेज, सिडको, नांदेड़ एवं विश्व हिंदी संगठन, नई दिल्ली में भाग लिया। (24 जनवरी 2023)
- राजावत, ए . (2022), "यादवेंद्र शर्मा 'चंद्र' के उपन्यासों में समानता परिवेश एवं नारी संवेदना के स्वर", शोध दर्पण, खंड VIII(संख्या 2), 338-345, 2231-1688
- राजावत, ए . (2023), "हिन्दी के विस्तार में मीडिया की भूमिका", बोहल शोध मंजूषा, खंड 17(1), 159-162, 2395-7115
- राजावत, ए., मीना एसके, (2023), "गैर आदिवासी रचनाकारों के उपन्यासों में अभिव्यक्त आदिवासियों की तस्वीरें", मानविकी, खंड 15(1), 455-461, 0975-7880
- राजावत, ए. (2023), "हरिवंशराय बच्चन के काव्य में राष्ट्रीय स्वर", द इटरनिटी, खंड 14(2), 455-461, 0975-8690
- सोनी बी., (2022) "ढोला मारू रा दूह उर्फ ऐतिहासिक विवेचन", मीरायान , 63, 61-65, 2455-6033
- गुर्जर एल. ने भाग लिया "राष्ट्र प्रेमी मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित दीन दयाल उपाध्याय" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में दयानंद महाविद्यालय, अजमेर एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद, किशनगढ़। (25 नवंबर 2022)।
- गुर्जर एल ., 'राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा जागृति', एनआईपीएएम, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, नई दिल्ली पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। (8 दिसंबर 2022)
- गुर्जर एल.., राष्ट्रीय संगोष्ठी 'वैश्विक परिप्रेक्ष्य में हिंदी: वर्तमान और भविष्य' हिंदी विभाग, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा में भाग लिया। (10 जनवरी 2023)
- गुर्जर एल. , एक राष्ट्रीय संगोष्ठी 'भारतीय भाषाओं का स्त्रोत: अनुवाद' हिंदी विभाग, इंदिरा गांधी सीनियर कॉलेज, सिडको, नांदेड़ एवं विश्व हिंदी संगठन, नई दिल्ली में भाग लिया। (24 जनवरी 2023)
- गुर्जर एल., "भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ", भारतीय भाषा समिति एवं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, राजस्थान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया । (10-11 मार्च, 2023)।
- पांडे, पी., "उच्च शिक्षा का मध्यम भारतीय भाषाएँ और वैश्विक परिचय" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ", भारतीय भाषा समिति एवं राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, राजस्थान। (10-11 मार्च, 2023)।

- पांडे, पी., "द्विवेदी युगीन कविता पर दयानंद सरस्वती के विचारों का प्रभाव", राष्ट्रीय सम्मेलन में "स्वराज, स्वधर्म के संरक्षण की परंपरा: स्वामी दयानंद सरस्वती का प्रदेय (विशेष सन्दर्भ: हिंदी भाषा एवं साहित्य), हिंदी विभाग, काशानी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी। (2 जून 2023)
- पांडे, पी., राष्ट्रीय सम्मेलन में "महामति प्राणनाथ के साहित्य में मानव धर्म" "संत कविता में मानव धर्म: कबीर से कीनाराम तक", हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय (9-11 जून, 2023)।
- पांडे, पी., "रूपक काव्यों के प्राच्य एवं पश्चत्य आधारों पर कामायनी का अनुशीलन" हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी और हिंदुस्तानी अकादमी, प्रयागराज में "कामायनी को फिर से पढ़ते हुए" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में। (23-25 जून 2023)।
- शर्मा आर ।", नवीन शिक्षण पद्धति 21वीं सदी में", राष्ट्रीय संगोष्ठी में", शिक्षण शास्त्र, नवाचार डब्ल्यू शिक्षा: वैश्विक परिपेक्ष्य में", श्री अग्रसेन स्नातकोत्तर शिक्षा महाविद्यालय, केशव विद्यापीठ जामडोली, जयपुरा . (8-9 फरवरी, 2023)।
- शर्मा आर . ", उच्च शिक्षा में हिंदी: संभावना और संभावनाएं।", राष्ट्रीय संगोष्ठी इन", भारतीय भाषा माध्यम से उच्च शिक्षा: चुनौतियाँ और संभावनाएँ", भारतीय भाषा समिति एवंम, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बांदरसिंदरी, राजस्थान। (10-11 मार्च, 2023)।

भाषा विज्ञान विभाग

- सिलु.पी, भाटिया.एस., चोपड़ा.ए., "36 वें दक्षिण एशियाई भाषा विश्लेषण गोलमेज एवं 43वें लिंग्विस्टिक सोसाइटी ऑफ नेपाल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस " में "बागरी और ढुंढारी में क्रिया समझौता"

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

- सिडस्कॉन 2022, कोलकाता पश्चिम बंगाल के वार्षिक सम्मेलन में मासूमा खवारी, दीक्षा त्रिपाठी "एमटीबी के ट्रिगर फैक्टर के नए अवरोधकों की पहचान"। (15-17 जुलाई 2022)
- मासूमा खवारी, दीक्षा त्रिपाठी " तनाव प्रतिक्रिया में उनकी भूमिका के लिए रोगजनक बैक्टीरिया के चैपरोन जैसे प्रोटीन की कार्यात्मक विशेषता" मेडिकल बायोलॉजिकल और फार्मास्युटिकल विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएमबीपीएस 22, जयपुर, राजस्थान। (07 अगस्त 2022)।
- रौनक , दीक्षा त्रिपाठी " उपन्यास एम. तपेदिक पीटीपीबी अवरोधकों की संरचना आधारित पहचान : सिलिको निर्धारकों से अंतर्दृष्टि " सूक्ष्मजीव और समाज पर 62वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: वर्तमान रुझान और भविष्य संभावनाएँ (**MSCTFP**-2022) मैसूर, कर्नाटक (21-23 सितंबर 2022)
- सुगंधा महाजन (2022) एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएमआई) 2022 का वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। बढ़ी हुई तेल वसूली के लिए चरम जलाशय स्थितियों में पॉलिमर चिपचिपाहट का मूल्यांकन। 21 से 23 सितंबर, 2022. मौखिक प्रस्तुति
- रूपशाली रक्षित , दीक्षा त्रिपाठी " माइकोबैक्टीरियल ट्रिगर फैक्टर के लिए नए अवरोधकों की संरचना आधारित पहचान, सूक्ष्मजीव और समाज पर 62वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत: वर्तमान रुझान और भविष्य संभावनाएँ (**MSCTFP**-2022) मैसूर, कर्नाटक (21-23 सितंबर 2022)

फार्मेसी विभाग

- माहोर, ए., सावंत, डीएम, गोयल, एके, " मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण के प्रभावों (आईईएफएनएचएच - आईएसएलएस 2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एम्फोटेरिसिन बी के निर्दिष्ट स्थानों पर विभिन्न आर समूह पुस्तकालयों के साथ प्रगणित प्रतिस्थापन "। (21-24 दिसंबर 2022)
- माहोर, ए., सावंत, डीएम, गोयल, एके, " एम्फोटेरिसिन बी और एर्गोस्टेरॉल के प्रगणित अणुओं के बीच आणविक अंतःक्रिया का आकलन, जिससे एम्फोटेरिसिन बी की मौखिक जैवउपलब्धता में सुधार होता है " रासायनिक विज्ञान में हालिया प्रगति (आईसीआरएसीएस 2023) पर प्रथम अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में). (16-18 जनवरी 2023)।

- पंडित, ए., कुमार, एस., सावंत, डीएमएस, ड्रग डिस्कवरी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीडी-2023) में "एचआईवी-1 जीपी-41 ट्रिमर का अनफोल्डिंग नॉन-इक्विलिब्रियम एमडी सिमुलेशन: आणविक स्तर पर इसे समझने का एक दृष्टिकोण" , बिट्स-पिलानी केके बिड़ला गोवा कैंपस, गोवा। (10-11 नवंबर 2022)।
- साहू, आरके, कुमार, एच., जैन, वी., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन, गुप्ता, यू., अंतर्राष्ट्रीय डेंड्रिमर संगोष्ठी में "ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रबंधन में टेमोज़ोलोमाइड की मस्तिष्क डिलीवरी के लिए पेप्टाइड ग्राफ्टेड पेगीलेटेड PAMAM डेंड्रिमर्स", उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए सामग्री पर 11वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ICMAT-2023), मटेरियल रिसर्च सोसाइटी ऑफ सिंगापुर, सनटेक, सिंगापुर (26-30 जून 2023)।
- साहू, आरके , कुमार, एच., जैन, वी., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन, गुप्ता, यू., "ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रबंधन में टेमोज़ोलोमाइड की मस्तिष्क डिलीवरी के लिए पेप्टाइड ग्राफ्टेड PAMAM डेंड्रिमर्स और पेगीलेशन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में नैनोफार्मास्यूटिकल्स और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर (ICNAND2023), अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान संगठन (IBRO) और इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (IGNTU), अमरकंटक, मध्य प्रदेश, भारत (2-4 फरवरी 2023)।
- साहू, आर.के., कुमार, एच., जैन, वी., सिन्हा, एस., अजाजुद्दीन, गुप्ता, यू., राष्ट्रीय सम्मेलन में "एलआरपी-1 रिसेप्टर मध्यस्थ मस्तिष्क द्वारा टेमोज़ोलोमाइड की डिलीवरी: ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रबंधन में पेगीलेटेड PAMAM डेंड्रिमर्स" कैंसर थेरानोस्टिक्स के लिए नैनोमेडिसिन पर, फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश, भारत (31 जनवरी 2023)।
- कुमार, वी., राणा, एम., शर्मा, के.ए., अजाजुद्दीन, गुप्ता, यू., "न्यूरो सुरक्षा और बेहतर फार्माकोकाइनेटिक्स के लिए पेगीलेटेड डेंड्रिमर आधारित फॉर्मूलेशन" फार्मास्यूटिकल्स में हालिया रुझानों और भविष्य के अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एनआईपीईआर फार्माकॉन 2022, मोहाली , एसएएस नगर, पंजाब, भारत (10-12 नवंबर 2022)।
- चौरवाल, एन., रज़ा, के., "स्तन कैंसर के प्रबंधन में एक नवीन सोराफेनीब-लोडेड माइक्रोइमल्शन के वादे" राष्ट्रीय संगोष्ठी सह कार्यशाला में "डिज़ाइन द्वारा फार्मा गुणवत्ता में समकालीन रुझान, उपकरण और तकनीकें (क्यूबीडी): संकल्पना से" कार्यान्वयन के लिए", पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (20-21 अप्रैल 2023)।
- चौरावाल, एन., रज़ा, के., "स्तन कैंसर प्रबंधन में मौखिक डिलीवरी के लिए सोराफेनीब-लोडेड माइक्रोइमल्शन की तैयारी, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन" अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "फार्माकॉन" में "फार्मास्यूटिकल्स में हालिया रुझान और भविष्य के अवसर", एनआईपीईआर-मोहाली, भारत (10-12 नवंबर 2022)।
- चौरावाल, एन., रज़ा, के., "स्तन कैंसर के प्रबंधन में ओरल सोराफेनीब-लोडेड माइक्रोइमल्शन: एक अन्वेषणात्मक अध्ययन" फार्मास्युटिकल विज्ञान में नवाचार और प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कर्नाटक, भारत में ई-मौखिक प्रस्तुति (10 -11 फरवरी 2023)।
- पॉल, आर.के., रजा के., "5-हाइड्रॉक्सी-7,8-डाइमेथॉक्सीफ्लेवोन एक डीपीपी-IV अवरोधक के रूप में: एम्बरबोआ रामोसा से एक प्राकृतिक यौगिक" एशियन क्रिस्टलोग्राफिक एसोसिएशन जेजू, कोरिया के 17वें सम्मेलन में। (29 अक्टूबर से 2 नवंबर 2022)।
- मिश्रा सी, कुमार एम, कौशिक एल, चितकारा डी, प्रीत एस, रज़ा के "स्तन कैंसर में डोकेटेक्सेल डिलीवरी के लिए पाइरोलिडाइन डाइ-कार्बोक्सिलिक एसिड व्युत्पन्न फुलरीन" फार्मास्युटिकल साइंसेज, कर्नाटक, भारत में नवाचार और प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ई-मौखिक प्रस्तुति (10 -11 फरवरी 2023)।
- गौतम, एसके, रज़ा, के., फार्मास्यूटिकल्स में हालिया रुझानों और भविष्य के अवसरों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में, एनआईपीईआर फार्माकॉन-2022, एनआईपीईआर, मोहाली, पंजाब में " बैलेनाइट्स एजिपियाका की पत्ती के अर्क के बायोएसे निर्देशित अंशों की इन विट्रो अल्फा एमाइलेज़ गतिविधि" । (10-12 नवंबर 2022)।
- गौतम, एसके, पॉल, आरके, कुमार, वी., रज़ा, के, "जैविक विज्ञान में हालिया रुझान और भविष्य की संभावनाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "बैलेनाइट्स एजिपियाका से प्राप्त यौगिक के आधार पर टैनिमोटो दृष्टिकोण का उपयोग करके फाइटो पुस्तकालयों से प्राकृतिक यौगिकों की स्क्रीनिंग" एनआईपीईआर रायबरली, लखनऊ। (6 अप्रैल 2023)।
- साठे, एन., रज़ा, के., पॉल, आर.के., कुमार वी., "नैनोटेक्नोलॉजी और ड्रग डिलीवरी (आईसीएनडीडी-23), विभाग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में जेट्रोफा गॉसिपिफ़ोलिया पौधे और नैनो-हस्तक्षेपों से अर्क की कैंसर विरोधी गतिविधि की खोज" ऑफ फार्मास्यूटिक्स, स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, (09-10 फरवरी, 2023।)

- सुभाष. एस., थोटाकुरा, एन., रज़ा.के., " त्वचा कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए डॉक्सोरूबिसिन-लोडेड मिश्रित माइक्रेलर सिस्टम की तैयारी, लक्षण वर्णन और मूल्यांकन" नैनोटेक्नोलॉजी और ड्रग डिलीवरी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली (09) -10 फरवरी 2023)।
- सुभाष. एस., थोटाकुरा, एन., रज़ा। के, " त्वचा कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए डॉक्सोरूबिसिन-लोडेड मिश्रित माइक्रेलर सिस्टम: एक प्रीक्लिनिकल अन्वेषण" त्वचा कैंसर के प्रभावी प्रबंधन के लिए डॉक्सोरूबिसिन-लोडेड मिश्रित माइक्रेलर सिस्टम: एक प्रीक्लिनिकल अन्वेषण" समसामयिक रुझानों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला में , डिजाइन द्वारा फार्मा गुणवत्ता में उपकरण और तकनीक (क्यूबीडी): संकल्पना से कार्यान्वयन तक, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (20-21 अप्रैल 2023)।
- अस्करी, एम., कटारे, ओपी, रज़ा, के., "टॉपिकल डिलीवरी के लिए एटोडोलैक-लोडेड फ्लेक्सिबल मेम्ब्रेन वेसिकल्स का डिज़ाइन, विकास और अनुकूलन", नैनोटेक्नोलॉजी और ड्रग डिलीवरी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली (09-10) फरवरी 2023)।
- शर्मा, ओ., श्रीवास्तव, एस., मलिक, आर. इंडो- में "होमोलॉजी मॉडलिंग, संरचना-आधारित स्क्रीनिंग, आणविक गतिशीलता और क्वांटम मैकेनिकल गणनाओं से अंतर्दृष्टि, एक सेरीन/थ्रेओनीन काइनेज अवरोधक एक्ट -3 की पहचान करने के लिए उपयोग की जाती है" आर्य कॉलेज ऑफ फार्मेसी, जयपुर द्वारा ड्रग डिजाइन, विकास और फार्मास्युटिकल टेक्नोलॉजी में प्रगति और अपडेट पर यूएस 19वां एपीपी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। (30 जुलाई 2022)।
- शर्मा, ओ., श्रीवास्तव, एस., मलिक, आर. पिंगल गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमेन द्वारा आयोजित रसायन विज्ञान और संबद्ध विज्ञान (आईसीसीएएस-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "पीआईएम1 किनेज के संभावित अवरोधकों के रूप में बेंज़ोक्साज़ेपाइन डेरिवेटिव की संरचना निर्देशित खोज"। वारंगल, भारत। (25-27 अगस्त 2022)।

भौतिकी विभाग

- साहा, एस. , विश्वकर्मा, एस., खोरवाल, एके, बिटला, वाई., पात्रा, एके, 66 वें डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स संगोष्ठी 2022, बिड़ला में "एमएन 50 एफई 25 अल 5 सी 20 मिश्र धातु के संरचनात्मक और चुंबकीय गुण " प्रौद्योगिकी संस्थान, मेसरा, रांची, झारखंड, भारत। (18-22 दिसंबर 2022)।
- खोरवाल, एके , विश्वकर्मा, एस., डैश, एस., बिटला, वाई., वसुंधरा, एम., पात्रा, एके, 66 वें डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम 2022 में "पॉलीक्रिस्टलाइन एमएन 1.5 एफई 1.5 अल मिश्र धातु का चुंबकीय विश्राम" बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, झारखंड, भारत। (18-22 दिसंबर 2022)।
- वर्मा, एम. , बिटला, वाई., 66 वें डीएई सॉलिड स्टेट फिजिक्स सिम्पोजियम 2022, बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा में "ला 1.4 सीनियर 1.6 एमएन 2 ओ 7 /ला 0.67 सीनियर 0.33 एमएनओ 3 कंपोजिट के संरचनात्मक और चुंबकीय गुण"। राँची, झारखण्ड, भारत। (18-22 दिसंबर 2022)।
- रेनू कुमारी, श्याम सुंदर, स्नेहल एल पाटिल और संदीप कुमार ने राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में नवीकरणीय ऊर्जा 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "गैर-वाष्पशील मेमोरी अनुप्रयोगों के लिए हाइड्रोथर्मली विकसित ZnO नैनोरोड्स में द्विध्रुवी प्रतिरोधी स्विचिंग घटना का अध्ययन"।
- पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ में उन्नत सामग्री, धातुकर्म और विनिर्माण 2022 [ICAMMM-2022] पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में कुलदीप सिंह , "Ga 2 Mn 2 O 7 पायरोक्लोर यौगिक के संरचनात्मक और ऑप्टिकल गुण "। (1-2 नवंबर 2022)।
- कुलदीप सिंह , जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी नोएडा, उत्तर प्रदेश में उन्नत सामग्री और नैनोटेक्नोलॉजी (ICAMN-2022) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Ga 2 Mn 1.9 Cr 0.1 O 7 पायरोक्लोर यौगिक के ऑप्टिकल गुण "। (22-24 दिसंबर 2022)।
- मंजीत रानी , पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ में उन्नत सामग्री, धातुकर्म और विनिर्माण 2022 [ICAMMM-2022] पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "Dy 0.5 Yb 0.5 CrO 3 Perovskite Compound के संरचनात्मक और ढांकता हुआ गुण "। (1-2 नवंबर 2022)।

- मंजीत रानी , सीएसआईआर-सीएसआईओ, चंडीगढ़ में "सतत विकास के लिए उभरती सामग्री (ईएमएसडी)" विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में " डाई 0.5 वाईबी 0.5 सीआरओ 3 पेरोव्स्काइट कंपाउंड के ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुण "। (11-12 अक्टूबर 2022)।
- पंत, बी., मीना, आरके, सिंह, बीके, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की के ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स और क्वांटम ऑप्टिक्स (COPaQ-2022) पर सम्मेलन में "रेडियली पोलराइज्ड लाइट को एक सबवेवलेंथ फोकल स्पॉट में फोकस करना"। (10-13 नवंबर 2022)।
- महापात्रा, एमआर, सरकार द्वारा आयोजित सामग्री के भौतिकी और रसायन विज्ञान (एनसीपीसीएम2023) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "दो-आयामी हॉलैंडाइट जाली का बॉन्ड-बोसोन माध्य-क्षेत्र सिद्धांत"। होल्कर कॉलेज, इंदौर। (16 -18 मार्च 2023)।
- आईआईटी जोधपुर में प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 37वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में आशीष, गोपाल, के., सिंह, एस., गुप्ता, डीएन, "चुंबकीय प्लाज्मा के साथ लेजर संपर्क से टीएचजेड विकिरण पीढ़ी"। (12-14 दिसंबर 2022)।
- कविता और आरके वर्मा, "एलएमआर आधारित ऑप्टिकल फाइबर सेंसर में लेयर स्टेबलाइजर के रूप में पॉली विनाइल अल्कोहल का उपयोग," ऑप्टिक्स, फोटोनिक्स और क्वांटम ऑप्टिक्स (सीओपीक्यूओ-2022), आईआईटी रूड़की पर सम्मेलन में। (10-13 नवंबर 2022)।
- कविता और आरके वर्मा, "बाइंडिंग एजेंटों का उपयोग करके एलएमआर सेंसर की स्थिरता और सटीकता में वृद्धि," ऑप्टिक्स और फोटोनिक्स में: सिद्धांत और कम्प्यूटेशनल तकनीक (ओपीटीसीटी-2022), आईआईटी दिल्ली। (26-27 दिसंबर 2022)।
- कविता और आरके वर्मा, "एलएमआर/एलएसपीआर-आधारित ऑप्टिकल फाइबर सेंसर का उपयोग करके डायथेनॉलमाइन का चयनात्मक पता लगाना," विंटर कॉलेज ऑन ऑप्टिक्स में: टेराहर्ट्ज़ ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स (आईसीटीपी-2023), ट्राइस्टे, इटली। (6 - 17 फरवरी 2023)।
- रानी, आर., "एजी एनपीएस डोप्ड जेएनओ टीसीओ का निर्माण और लक्षण वर्णन"। (1-3 मार्च 2023)।
- आईआईटी जोधपुर में प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 37वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में रोहित कुमार, "क्वांटम प्लाज्मा के आयनीकरण क्षेत्र में रेले टेलर अस्थिरता का अध्ययन"। (12-14 दिसंबर 2022)।
- सत्य प्रकाश भारती, आईआईटी जोधपुर में प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 37वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में "हॉल थ्रस्टर इलेक्ट्रॉन बीम प्लाज्मा में अक्षीय अज़ीमुथल तरंगों की वृद्धि दर और दोलन का विश्लेषण"। (12-14 दिसंबर 2022)।
- आशीष, कृष्ण गोपाल, गुप्ता, डीएन, आईआईटी जोधपुर में प्लाज्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 37वें राष्ट्रीय संगोष्ठी में चुंबकीय प्लाज्मा के साथ लेजर इंटरेक्शन से टीएचजेड विकिरण उत्पादन। (12-14 दिसंबर 2022)।

सामाजिक कार्य विभाग

- ऐश्वर्या जी ने "अदृश्य संघर्ष: जयपुर में कूड़ा बीनने में लगे रोहिंग्या शरणार्थियों द्वारा सामना किए जाने वाले शासन के मुद्दों की खोज" प्रस्तुत की; लोक प्रशासन विभाग, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 2 मई 2023 को आयोजित 21 वीं सदी में लोक प्रशासन का पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित किया गया।
- रवीना के ने "जम्मू क्षेत्र के सीमावर्ती संघर्ष क्षेत्रों में रहने वाले स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच लचीलापन" प्रस्तुत किया (21 वीं शताब्दी में लोक प्रशासन को पुनर्जीवित करने, पुनर्जीवित करने और पुनर्कल्पना करने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी : मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ) लोक विभाग द्वारा आयोजित प्रशासन, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना, 2 मई 2023 को आयोजित किया गया
- मधु के ने "संस्थागत देखभाल से सामुदायिक जीवन में संक्रमण में युवा देखभाल छोड़ने वाले: शासन के मुद्दे और आगे का रास्ता" प्रस्तुत किया; लोक प्रशासन विभाग, सरदार पटेल कॉलेज, सिकंदराबाद, तेलंगाना द्वारा 2 मई 2023 को आयोजित 21 वीं सदी में लोक प्रशासन का पुनरुद्धार, पुनरोद्धार और पुनर्कल्पना: मुद्दे, चुनौतियाँ और संभावनाएँ विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में आयोजित किया गया।
- अभिलाषा एस ने "कोविड-19 महामारी और न्यू नॉर्मल के दौरान मलिन बस्तियों में मातृ स्वास्थ्य देखभाल की जटिलताओं " पर पेपर प्रस्तुत किया। अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'इंटरनेशनल काउंसिल फॉर एजुकेशन, रिसर्च एंड ट्रेनिंग (आईसीईआरटी), (25 और 26 नवंबर , 2022) , & ज्योतिबा फुले राजकीय महाविद्यालय, रादौर उमुना नगर द्वारा आयोजित,

- अभिलाषा एस ने इंटरनेशनल में अजमेर, राजस्थान की मलिन बस्तियों में महिलाओं के प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल संबंधी व्यवहार पर पेपर प्रस्तुत किया अर्थशास्त्र विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा एक अनिश्चित दुनिया में विकास, लचीलापन और स्थिरता पर सम्मेलन (11 और 12 अप्रैल, 2023) आयोजित किया गया।
- अभिलाषा एस ने अंतर्राष्ट्रीय में "मलिन बस्तियों में महिलाओं के बीच प्रजनन स्वास्थ्य संचार के पैटर्न की पहचान " विषय पर पेपर प्रस्तुत किया आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा आयोजित सम्मेलन , अकादमिक एकीकरण और सतत विकास "एक अंतःविषय घोषणापत्र" (30 और 31 मई , 2023)।

खेल जीव विज्ञान विभाग

- हर्षिता टाक , दिविक रंजन, अर्पण चट्टोपाध्याय, डॉ. हेमंथ नाइक बी*। फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए स्मार्ट शिन गार्ड विकसित करने के लिए सेंसर-आधारित तकनीक लागू करना। राष्ट्रीय खेल दिवस 2022। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (29-0-2022)।
- हर्षिता टाक , अर्पण चट्टोपाध्याय, डॉ. हेमंथ नाइक बी*। डिजाइनिंग और
- संपर्क खेल एथलीटों और सशस्त्र व्यक्तियों में कंसकशन बायोमार्कर तक पहुंचने के लिए बायो पैच का विकास। इनोवेटिव प्रोजेक्ट आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता IPIP2022, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, अजमेर, राजस्थान। (12-09-2022)
- अर्पण चट्टोपाध्याय , हर्षिता टाक, डॉ. हेमन्त नाइक बी*तरल बायोप्सी से कोशिका मुक्त परिसंचारी माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए का तेजी से पता लगाने के लिए एक नवीन लागत प्रभावी MoS2 आधारित बायोसेंसर का विकास। इनोवेटिव प्रोजेक्ट आइडिया प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता-आईपीआईपी2022, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान। (12-09-2022)
- अर्पण चट्टोपाध्याय , सुभास्मिता दास, हर्षिता टाक, पलाडी राम्या, बिक्रम मोयरा, दिविक रंजन और डॉ. हेमंथ नाइक बी*। क्वाड्रिसेप्स टेंडिनोसिस की रिकवरी पर स्ट्रेचिंग व्यायाम का प्रभाव: एक केस अध्ययन। HWWE 2022. पटियाला. (25-11-2022)
- हर्षिता टाक, अर्पण चट्टोपाध्याय, डॉ. हेमंथ नाइक बी*। क्रोनिक ट्रॉमैटिक एन्सेफैलोपैथी को विनियमित करने में ताऊ-प्रोटीन के खिलाफ नए अवरोधकों की पहचान। मानव स्वास्थ्य पर पर्यावरण, भोजन और पोषण के प्रभाव पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर। (21-24 दिसंबर 2022)
- हर्षिता टाक, अर्पण चट्टोपाध्याय, डॉ. हेमंथ नाइक बी*। संपर्क खेलों से जुड़े क्रोनिक दर्दनाक एन्सेफैलोपैथी में ओवरएक्सप्रेस्ड माइक्रोआरएनए-181सी-5पी की लक्ष्य जीन भविष्यवाणी: इन-सिलिको दृष्टिकोण। स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। मानव रचना अनुसंधान संस्थान,फरीदाबाद। (17-18 फरवरी 2023)।
- जेएमजी टेस्ट का उपयोग करके विशिष्ट भारतीय वुशु एथलीटों की शारीरिक फिटनेस का मूल्यांकन और प्रदर्शन की भविष्यवाणी" पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा मानवीकरण कार्य और कार्य पर्यावरण 2022 पर 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 24 से 26 नवंबर 2022 तक आयोजित किया गया।
- "विशिष्ट तैयारी पूर्व-प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण अवधि के दौरान विशिष्ट भारतीय वुशु खिलाड़ियों के शारीरिक प्रदर्शन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन" शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला द्वारा 22 से 24 मार्च, 2023 तक शारीरिक शिक्षा और व्यायाम विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

खेल मनोविज्ञान विभाग

- रहमथ निशादा के., कौर, जीआईके " विश्वविद्यालय स्तर के एथलीटों के बीच बुद्धि और एथलेटिक मुकाबला रणनीति" , मनोविज्ञान विभाग और राष्ट्रीय उन्नत अध्ययन संस्थान द्वारा जानवरों, मनुष्यों और मशीनों में बुद्धिमत्ता पर राष्ट्रीय सम्मेलन 'इनसाइट 2023' में आयोजित किया गया। (एनआईएएस), बेंगलुरु, कर्नाटक। (18-19 अप्रैल 2023)।
- बिनिल थॉमस " राज्य-स्तरीय एमेच्योर मुक्केबाजों (महिला) के बीच जुनून और एथलीट बर्नआउट का संबंध", खेल, स्वास्थ्य, कल्याण और सतत विकास पर स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त रूप से मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च द्वारा आयोजित किया गया। और अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान भागीदार (17-18 फरवरी 2023)।

- निशाकला साई, स्नेहा मोले बीजू, संगमेश्वर कुम्मारी , कौर, जीआईजे द्वारा संयुक्त रूप से खेल, स्वास्थ्य, कल्याण और सतत विकास पर स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "व्यक्तियों और टीम के खेल एथलीटों के बीच खेल भावनात्मक बुद्धिमत्ता" का आयोजन किया गया। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज और इंटरनेशनल नॉलेज पार्टनर्स (17-18 फरवरी 2023)।
- दिव्या शर्मा , कौर, जीआईके "ग्रामीण और शहरी विश्वविद्यालय एथलीटों के बीच मनोवैज्ञानिक कल्याण में जुनून" खेल, स्वास्थ्य, कल्याण और सतत विकास पर स्वास्थ्य और खेल विज्ञान पर छठे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संयुक्त रूप से मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित किया गया। अनुसंधान और अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान भागीदार (17- 18 फरवरी 2023)।
- पार्वती, एन. कौर, जीआईजे "कबड्डी खिलाड़ियों के बीच खेल उपलब्धि प्रेरणा और मानसिक दृढ़ता"। कार्य और कार्य वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने पर 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "नए सामान्य के लिए एर्गोनॉमिक्स"। शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, इंटरनेशनल एर्गोनॉमिक्स एसोसिएशन और इंडियन सोसाइटी ऑफ एर्गोनॉमिक्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (24- 26 नवंबर 2022)।
- सरगुन सेठी "भारतीय पैरा-एथलीटों के बीच जुनून और जलन का संबंध"। कार्य और कार्य वातावरण में सामंजस्य स्थापित करने पर 20वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "नए सामान्य के लिए एर्गोनॉमिक्स"। शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, इंटरनेशनल एर्गोनॉमिक्स एसोसिएशन और इंडियन सोसाइटी ऑफ एर्गोनॉमिक्स द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित (24- 26 नवंबर 2022)।

खेल मनोविज्ञान विभाग

- अभिजीत वैश्य, 24वां *INCOFYRA*, थीम - एकीकृत चिकित्सा और इष्टतम प्रतिरक्षा, 26 से 29 मई 2022 (पोस्टर प्रस्तुति)
- अभिजीत वैश्य, योग, यज्ञ और आयुर्वेद पर 24वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-13 दिसंबर, 2022 (पोस्टर प्रस्तुति)
- सुनील कुमार, "योग और प्राकृतिक चिकित्सा का चिकित्सीय अनुप्रयोग-शारीरिक कल्याण के लिए एक मार्ग" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 29-30 जुलाई, 2022 (पोस्टर प्रस्तुति)
- सुनील कुमार, योग, यज्ञ और आयुर्वेद पर 24वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 12-13 दिसंबर , 2022 (पोस्टर प्रस्तुति)
- केएम मेघा, योग चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, स्कूल ऑफ योग एंड स्पिरिचुअलिटी, केआईआईटीएस विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित (17 जुलाई, 2022), आभासी माध्यम से (मौखिक प्रस्तुति)

संकाय सदस्यों के प्रकाशन

क. पत्रिका प्रकाशन

वास्तुकला विभाग

आर. महेश कुमार

कुमार, एम., और राय, आर.बी. (2023) रामगढ़ शेखावाटी: मध्यकालीन बस्ती का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। आईजेएफएमआर-इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 5(2)। दोई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.36948/आईजेएफएमआर.2023.वी05आई02.2668

रितु बी राय

कुमार, एम., और राय, आर.बी. (2023) रामगढ़ शेखावाटी: मध्यकालीन बस्ती का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन। आईजेएफएमआर-इंटरनेशनल जर्नल फॉर मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च, 5(2)। दोई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.36948/आईजेएफएमआर.2023.वी05आई02.2668

सुनील शर्मा

शर्मा, एस., (2023), ग्रीन लाइब्रेरी बिल्डिंग्स: ए स्टडी ऑन नेशनल एंड इंटरनेशनल रेटिंग सिस्टम्स, 68वें आईएलए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही "उभरती प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में पुस्तकालयों की री-इंजीनियरिंग: मिथक या वास्तविकता", पृष्ठ 124 -139.

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

देवेश शर्मा

गुनावत ए., शर्मा डी., शर्मा ए., और दुबे, एस.के. (2023)। अर्ध-शुष्क वातावरण में सिंचाई और नाइट्रोजन उर्वरक का प्रबंधन करके गेहूं (ट्रिटिकम एस्टिवम एल.) फसल के प्रदर्शन का आकलन करना। एक्वा-जल अवसंरचना, पारिस्थितिकी तंत्र और समाज। दोई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.2166/एक्युयूए.2023.032 (आईएफ 4.3)

शर्मा, ए., शर्मा, डी., पांडा, एस.के., सुंदर, एम.एस.एस., दुबे, एस.के. (2023)। भारत के माही नदी बेसिन में क्लस्टरिंग और तरंगिका परिवर्तन दृष्टिकोण का उपयोग करके दीर्घकालिक (1970-2020) वर्षा परिवर्तनशीलता का मौसमी विश्लेषण। एक्टा जियोफिज. (2023)। एचटीटीपीएस:// दोई.ओआरजी /10.1007/एस11600-023-01094-5 (आईएफ 2.3)

मुंडेतिया, एन., शर्मा, डी., शर्मा, ए., दुबे, एस.के., मित्रा, बी.के., दासगुप्ता, आर., जियोंग, एच. (2023)। भारत के खारी नदी बेसिन में सतत जल संसाधनों के लिए जलवायु, भूमि और पानी के एकीकृत दृष्टिकोण के साथ हाइड्रोलॉजिकल प्रतिक्रिया का आकलन। एंथ्रोपोसीन, वॉल्यूम. 41, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1016/जे.एनसेने.2023.100373 (आईएफ 3.6)

कुमार, ए., पांडा, एस.के., मंडल, यू., शर्मा, डी., दास, एस. (2023)। भारत के बिहार और राजस्थान में बिजली का अनुकरण करने के लिए डब्ल्यूआरएफ मॉडल के मॉडल समय चरण और डोमेन रिज़ॉल्यूशन का आकलन। मॉडलिंग अर्थ सिस्टम और पर्यावरण (2023)। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस40808-023-01724-3 (आईएफ 3.0)

दास, ए.के., रहमान, एम., मित्रा, पी., सुखवानी, वी., शॉ, आर., मित्रे, बी.के., शर्मा, डी. और देशकर, एस. और मोरे, बी. (2022) जैविक कृषि का उन्नयन दक्षिण एशिया में खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ाना। कार्बनिक कृषि। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस13165-022-00403-4

चंद्रा, एस., दुबे, एस.के., शर्मा, डी., मित्रा, बी.के., और दासगुप्ता, आर. (2022)। भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके जयपुर शहर में भूमि उपयोग और ताप तनाव सूचकांकों में अनुपात-लौकिक परिवर्तन की जांच। स्थिरता, 14(15), 9095. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एसयू14159095 (आईएफ 3.9)

मोरे, बी., देशकर, एस., सुखवानी, वी., मित्रा, पी., शॉ, आर., मित्रा, बी.के., शर्मा, डी., रहमान, एम., दासगुप्ता, आर. और दास, ए.के., (2022). शहरी क्षेत्रों में परिसंचरण और पारिस्थितिक क्षेत्र की ओर: नागपुर, भारत में खाद्य-ऊर्जा-जल सुरक्षा मूल्यांकन के लिए एक संकेतक-आधारित ढांचा। स्थिरता, 14(13), पृ.8123. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एसयू14138123 (आईएफ 3.9)

सुब्रत कुमार पांडा

शर्मा, ए., शर्मा, डी., पांडा, एस.के., सुंदर, एम.एस.एस., दुबे, एस.के., (2023), माही नदी बेसिन में क्लस्टरिंग और तरंगिका परिवर्तन दृष्टिकोण का उपयोग करके दीर्घकालिक (1970-2020) वर्षा परिवर्तनशीलता का मौसमी विश्लेषण, भारत। एक्टा जियोफिज., एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस11600-023-01094-5 (आईएफ 2.3) ।

कुमार ए.,• पांडा, एस.के., मंडल, यू., शर्मा, डी., दास, एस., (2023), बिहार और राजस्थान, भारत में बिजली का अनुकरण करने के लिए डब्ल्यूआरएफ मॉडल के मॉडल समय चरण और डोमेन रिज़ॉल्यूशन का आकलन, पृथ्वी प्रणाली और पर्यावरण की मॉडलिंग, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस40808-023-01724-3। (आईएफ=3.1) ।

मुसैद, पी.पी., मनोज, एम.जी., पांडा, एस.के., दास, एस., मोहनकुमार, के., (2023), केरल की 2018 की ऐतिहासिक बाढ़ पर पश्चिम प्रशांत टाइफून का गतिशील प्रभाव, जैसा कि मौसम अनुसंधान और पूर्वानुमान (डब्ल्यूआरएफ) मॉडल, क्लाइमेट डायनेमिक्स, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस00382-022-06648-9 से पता चला है. (आईएफ=4.9) ।

कुमार ए., दास, एस., पांडा, एस.के., (2022), डब्ल्यूआरएफ मॉडलिंग कॉन्फ़िगरेशन के संयोजन का उपयोग करके उत्तर भारत में व्यापक बिजली घटना का संख्यात्मक अनुकरण, जर्नल ऑफ एटमॉस्फेरिक एंड सोलर-टेरेस्ट्रियल फिजिक्स, 241 (105984), एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1016/जे.जेएएसटीपी.2022.105984, (आईएफ =2.1)।

वासन, जी., दास, एस., पांडा, एस.के., (2022), डब्लूआरएफ मॉडलिंग प्रणाली, प्राकृतिक खतरों का उपयोग करके उत्तरी भारत में एक स्पष्ट वायु अशांति (सीएटी) घटना का संख्यात्मक अनुकरण, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस 11069-022-05481-एक्स. (आई.एफ-3.1).

चिन्मय मल्लिक

आर.के. यादव, गढ़वी एच., अरोड़ा, ए., मोहबे के.के., कुमार, एस., लाल, एस., मल्लिक, सी. (2023) 'भारत में विभिन्न शहरी पर्यावरणीय व्यवस्थाओं पर पीएम2.5 और ओ3 के बीच संबंध। शहरी विज्ञान, 7,9 (आईएफ 2.0)।

जय प्रकाश

महमूद, टी., पेंग, एल., सलाम, ए., प्रकाश, जे., और हैदर, एम. (2023)। दक्षिण एशिया में उपेक्षित वायुमंडलीय माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण एक व्यापक विफलता को दर्शाता है। पारिस्थितिक सूचना विज्ञान, 73, 101949। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1016/ जे.इकोआईएनएफ.2022.101949 (आईएफ 5.1)

प्रकाश, जे., चौधरी, एस., रलिया, आर., चड्ढा, टी., फैंग, जे., और बिस्वास, पी. (2022)। समग्र वायु गुणवत्ता के संकेतक के रूप में पीएम सेंसर: पूर्व-कोविड और कोविड अवधि। वायुमंडलीय प्रदूषण अनुसंधान, 13(11), 101594. दोई: एचटीटीपीएस:// दोई.ओआरजी/10.1016/जे.एपीआर.2022.101594 (आईएफ 4.5)

प्रकाश, जे., मित्रा, के., मिश्रा, एच.आर., पेई, एक्स., लजंगस्ट्रॉम, ई., और पाठक, आर.के. (2022)। प्रोपेन ईंधन वाली लपटों की विशेषता: ब्राउन कार्बन का एक महत्वपूर्ण स्रोत। वायुमंडल, 13(8), 1270. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.3390/एटमोस13081270 (आईएफ 2.9)

जयंती पाल

सरकार, आई., पाल, जे., चक्रवर्ती, टी. और चौधरी एस. (2023) उत्तरी गोलार्ध में समुद्री घाटियों पर उष्णकटिबंधीय चक्रवात का पूर्वानुमान। प्राकृतिक खतरे। 117, 293-311, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस11069-023-05860-वाई प्रभाव कारक = 3.0

जैव रसायन विज्ञान विभाग

चंडी सी मंडल

यादव पी., बंद्योपाध्याय एस., सोनी एस., सैनी एस., शर्मा एल.के., श्रीवास्तव एस.के. और मंडल सी.सी. (2023)। सिम्वास्टेटिन स्तन कैंसर कोशिकाओं में ऑन्कोजेनिक डीएनएमटी1 अभिव्यक्ति को दबाकर बीएमपी-2 संचालित सेल प्रवास और आक्रमण को रोकता है, जीन, 147636, डीओआई: 10.1016/जे.जीन.2023.147636, आईएफ: 3.913।

यादव पी., मकवाना एस., बंसल एस., सोनी एस., महापात्रा एम.के., बंद्योपाध्याय एस., टेलर आर., श्रीवास्तव एस.के., शर्मा एल.के. और मंडल सी.सी. (2023)। मेटफोर्मिन फेफड़ों के कैंसर A549 कोशिकाओं में ऑस्टियोब्लास्ट जैसी क्षमता और कैल्सीफिकेशन को रोकता है, जर्नल ऑफ बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर टॉक्सिकोलॉजी, इ23454, दोई: 10.1002/जेबीटी .23454, आईएफ :3.568

सोनी एस., यादव पी., और मंडल सी.सी. (2023)। मेटफोर्मिन स्तन कैंसर कोशिकाओं में बीएमपी2 प्रेरित एडिपोसाइट जैसी संपत्ति को सुधारता है, बायोकेमिकल और बायोफिजिकल रिसर्च कम्युनिकेशंस (बीबीआरसी), 672,201-208, डीओआई: 10.1016/जे.बीबीआरसी.2023.06.044, आईएफ :3.322

बंद्योपाध्याय एस., यादव पी., डे एस., शर्मा ए., नाग ए., माहेश्वरी आर., फोर्ड बी.एम. और मंडल सी.सी. (2023)। स्तन कैंसर में अस्वाभाविक ठंड से प्रेरित जिंक फिंगर प्रोटीन 726 की ऑन्कोजेनिक भूमिका, जर्नल ऑफ सेल्युलर बायोकैमिस्ट्री, 124,889-906, डीओआई: 10.1002/जेसीबी.30417, आईएफ =:4.481

कुलदीप एस., सोनी एस., श्रीवास्तव ए., मिश्रा ए., शर्मा एल.के., मंडल सी.सी. (2023)। कैंसर के लिए डायग्नोस्टिक बायोमार्कर के रूप में विकृत कोलेस्ट्रॉल नियामक जीन, जर्नल ऑफ जीन मेडिसिन, 25,ई3475, डीओआई: 10.1002/जेजीएम.3475, आईएफ:4.152

कपूर ए.. और मंडल सी.सी. (2023)। अस्थि मोर्फोजेनेटिक प्रोटीन पर एक परिप्रेक्ष्य: कैंसर संबंधी प्रतिक्रियाओं के पीछे की दुविधा, वर्तमान औषधि लक्ष्य, 24,382-387, डीओआई: 10.2174/1389450124666230201144605, आईएफ: 2.937

टेंसेरोवा एम., और मंडल सी.सी. (2022)। संपादकीय: स्वास्थ्य और रोग में अस्थि कोशिका विभेदन। फ्रंट एंडोक्रिनोल (लॉज़ेन), 13:1115444, डीओआई: 10.3389/फ़्रेन्डो.2022.1115444, आईएफ: 6.055 मंडल सी.सी., रोड्स स्टर्लिंग,

जे.ए. (2022)। संपादकीय: कैंसर और हड्डी मेटास्टेसिस, खंड II। फ्रंट एंडोक्रिनोल (लॉज़ेन) 13:971240, डीओआई: 10.3389/फ़ेन्डो.2022.971240, आईएफ: 6.055

संजीब के. पांडा

चौरधारा बी., साहा बी., बोर्गोहेन पी., अवस्थी जे.पी., कित्यानिया एस. और पांडा, एस.के. (2022)। भारतीय सरसों में कैडमियम संचय और विषाक्तता पर इथेनॉल, पुट्रेसिन और एसिटिक एसिड का प्रभाव। साउथ अफ्रीकन जर्नल ऑफ बॉटनी, 147, 42-52। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1016/जे. यदि:3.1

थौनाओजम टी.सी., खान जेड., मीतेई टी.टी., पांडा एस.के. और उपाध्याय, एच. (2022)। नैनोकण रक्षा तंत्र को संशोधित करके पौधों में आर्सेनिक तनाव को कम करते हैं। वर्तमान विज्ञान, 123(5), पृष्ठ.642. दोई: 10.18520/सीएस/वी 123/आई5/642-649 आईएफ:1

पात्रा, जी.के., गुप्ता, डी., राऊत, जी.आर. और पांडा, एस.के., (2022) अजैविक और जैविक तनाव के तहत पौधों में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका। प्लांट फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1016/जे .प्लाफ्य.2022.10.030 आईएफ: 6.5

शोम एस., तिवारी एस., भट्टाचार्य एम.के., पांडा एस.के. और उपाध्याय एच., (2022)। फाइटोफंक्शनलाइज्ड ZnO नैनोकण ओराइजा सैटिवा एल में पानी के तनाव और उसकी रिकवरी में सुधार करते हैं। एक्टा फिजियोलॉजी प्लांटारम, 44, 137। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1007/एस11738-022-03477-5 आईएफ: 2.6

मनसा एल.एस., पाणिग्रही एम., पाणिग्रही के.सी., मिश्रा जी., पांडा एस.के. और राऊत, जी.आर., (2023)। अंकुरण के दौरान मूंग (विग्ना रेडियेटा एल.) जीनोटाइप में शीत सहनशीलता तंत्र। कृषि, 13, 315. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.3390/एग्रीकल्चर13020315 आईएफ: 3.6

शुक्ला एस.एस. और पांडा एस.के., (2023)। नाइट्रोजन उपयोग दक्षता बाजरा जीनोटाइप में सूखे के तनाव को नियंत्रित करती है: मॉर्फो-फिजियोलॉजिकल मूल्यांकन। कृषि, 13, 680.. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.3390/एग्रीकल्चर 13030680 आईएफ: 3.6

साहू एस., कुसुनोकी के., गोस्वामी के., कोयामा एच., सानन-मिश्रा एन. और पांडा एस.के., (2023)। उत्तर पूर्व भारत के कंट्रास्टिंग इंडिका चावल के तुलनात्मक आरएनए-सीक्यू विश्लेषण से सूखे के तनाव का विभेदक ट्रांसक्रिप्शनल विनियमन प्रकट हुआ। जर्नल ऑफ़ प्लांट ग्रोथ रेगुलेशन, 1-16। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस00344-023-10964-7 आईएफ: 4.8

जरांबासा टी., रेंगॉन पी., ज्योति एस.वाई., गुप्ता डी., पांडा एस.के. और तांती बी, (2023)। पिसम सैटिवम (एल.) एपेटाला2/एथिलीन-रेस्पॉन्सिव फैक्टर (एपी2/ईआरएफ) जीन परिवार की जीनोम-व्यापी पहचान और अभिव्यक्ति विश्लेषण से सूखे और ठंड के तनाव में कार्यों का पता चलता है। जेनेटिका, 1-15. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस10709-023-00190-0 आईएफ: 1.5

किरण कुमार तेजावत

गुप्ता, एस., बनावथ, एच.एन. और तेजवथ, के.के., (2022)। इन विट्रो अध्ययनों का उपयोग करके फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट की फार्माकोइनफॉर्मेटिक स्क्रीनिंग और इसके एंटी-पीडीएसी प्रभाव का मूल्यांकन जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन, 1-15, डीओआई: 10.1080/07391102.2022.2155701), आईएफ: 5.2

गुप्ता, एस., तेजावत, के.के. और वर्मा, आर.के., (2022)। एलएमआर/एलएसपीआर-आधारित ऑप्टिकल फाइबर सेंसर का उपयोग करके डायथेनॉलमाइन का चयनात्मक पता लगाना। विश्लेषक, डीओआई: 10.1039/डी2एएन01025ए, आईएफ: 5.22

गुप्ता एस., और तेजवथ के.के. (2022) मोरिंगा ओलीफेरा जलीय पत्ती के अर्क का उपयोग करके फाइटोसिंथेसाइज्ड मोनो और बाईमेटेलिक नैनोकणों का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और तुलनात्मक एंटीकैंसर क्षमता। नैनो, 17, 6 डीओआई:10.1142/एस1793292022500473। आईएफ: 1.438

विश्वनाथ तिवारी

सोलंकी वी., तिवारी एम., और तिवारी वी. (2023) एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के पेप्टिडोग्लाइकन-संबंधित लिपोप्रोटीन की जांच और इसकी चिकित्सीय क्षमता खोजने के लिए फ़ाइब्रोनेक्टिन के साथ इसकी बातचीत। संक्रमण एवं प्रतिरक्षण,91,e0002323, . एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1128/आईएआई.00023-23 , आईएफ:3.6

तिवारी एम., पंवार एस., और तिवारी वी., (2023)। एंटीबायोफिल्म अणु हेलियॉन, 5;9(1):ई12837, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1016/जे. हेलियों.2023.ई 12837, आईएफ:3.8 खोजने के लिए एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के बायोफिल्म निर्माण में इलेक्ट्रिक सिग्नलिंग के दौरान पोटेशियम आयन चैनल का आकलन

सरकार एस., कुमारी ए., तिवारी एम., और तिवारी वी., (2023)। इंटरेक्शन और सिमुलेशन अध्ययन एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में आंतरिक रूप से अव्यवस्थित अमाइलॉइडोजेनिक रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स के संभावित आणविक लक्ष्य का सुझाव देते हैं। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, (प्रेस में), एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1080/07391102.2023.2208219, आईएफ: 5.24

नंदी ए., रोहिला एम., सोलंकी वी., तिवारी वी., सज्जनर बी., शंकर एम., सैनी एम., समीर श्रीवास्तव एस., भूरे एसके., घोष एस., (2023)। हाइलोम्मा एनाटोलिकम, थीलेरिया एनुलता के वेक्टर और क्रीमियन-कांगो रक्तस्रावी बुखार वायरस के खिलाफ मल्टीपल एपिटोप-आधारित वैक्सीन की सुरक्षात्मक प्रभावकारिता। टीके, 11, 881, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.3390/ वैक्सीन11040881, आईएफ: 7.8

शर्मा एस., सोलंकी वी., और तिवारी वी., (2023) साल्मोनेला टाइफी के मेम्ब्रेन लिपोप्रोटीन को लक्षित करने वाले टीके को डिजाइन करने के लिए रिवर्स वैक्सीनोलॉजी दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स, 41, 954-969। एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1080/07391102.2021.2015443, आईएफ: 5.24

शर्मा, एस., कौशिक, वी., कुलश्रेष्ठ, एम. और तिवारी, वी., (2023)। एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में विभिन्न इफ्लक्स पंप सिस्टम और मल्टीड्रग प्रतिरोध में उनकी भूमिका। प्रायोगिक चिकित्सा और जीवविज्ञान में प्रगति, 17, 155-168, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/5584_2023_771, आईएफ: 3.65

पांडा, एस.के., बुरोनी, एस., स्वेन, एस.एस., बोनाकोरसी, ए., दा फोंसेका अमोरिम, ई.ए., कुलश्रेष्ठ, एम., दा सिल्वा, एल.सी.एन. और तिवारी, वी., (2022) आवश्यक तेलों के विशेष संदर्भ में ESKAPE रोगजनकों से निपटने के लिए हाल की प्रगति। फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 13, 1029098, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.3389/फएमआईसीबी.2022.1029098, आईएफ: 6.06

कुमार, आर., तिवारी, वी. और डे, एस. (2022)। अल्जाइमर रोग के रोगजनन में प्रोलाइन-समृद्ध टायरोसिन किनसे 2 (पीवाईके2) की भूमिका। न्यूरोसाइंस के यूरोपीय जर्नल. 56, 5442-5452, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1111/ईजेएन.15569, आईएफ: 3.7

कौशिक, वी., तिवारी, एम. और तिवारी, वी., (2022)। बैक्टीरिया की दृढ़ता, बायोफिल्म निर्माण और मेजबान प्रतिक्रिया के साथ आरईसी ए -मध्यस्थता एसओएस प्रतिक्रिया की सहभागिता। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 217, 931-943, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1016/जे.आईजेबायोमक. 2022.07.176, आईएफ: 8.2

वर्मा, पी., तिवारी, एम. और तिवारी, वी., (2022)। मल्टीड्रग-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के एडीईएबीसी इफ्लक्स पंप को लक्षित करके नैरिंगिन डाइहाइड्रोचलकोन द्वारा वर्तमान एंटीबायोटिक दवाओं की गतिविधि को प्रबल करें। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 217, 592-605, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1016/ जे.आईजेबायोमक. 2022.07.065, आईएफ: 8.2

शिव स्वरूप

कॉन्ट्रैक्टर डी., ग्लोबिश सी., स्वरूप एस., जैन ए. (2022), ओमिक्रॉन प्रतिरक्षा चोरी का संरचनात्मक आधार: एक तुलनात्मक कम्प्यूटेशनल अध्ययन। कंप्यूट बायोल मेड. 147, 105758. दोई: 10.1016/जे.कॉम्पबिओमेद.2022.105758, आईएफ: 7.7

दीपक गायेन

मालवीय आर., डे एस., पांडे ए., गायेन डी. (2023)। त्वरित उम्र बढ़ने की प्रतिक्रिया में चने (सिसर एरीटिनम एल.) के लिपोक्सीजिनेज जीन की जीनोम-व्यापी पहचान और अभिव्यक्ति पैटर्न विश्लेषण। जीन, 874, 147482. डीओआई: 10.1016/जे.जीन.2023.147482, आईएफ:3.91

पांडे ए., शर्मा पी., मिश्रा डी., डे एस., मालविया आर. और गायेन डी., (2023) चने में फाइब्रिलिन जीन परिवार की जीनोम-व्यापी पहचान (सिसर एरीटिनम एल.) और सूखे के तनाव पर इसकी प्रतिक्रिया. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल मैक्रोमोलेक्युलस, 234, 123757. डीओआई: 10.1016/जे.आईजेबीओमैक.2023.123757, आईएफ:8.20

शर्मा पी., पांडे ए., मालवीय आर., डे एस., करमाकर एस. और गायेन डी., (2023) फलों, सब्जियों और सजावटी पौधों की पोषण गुणवत्ता, कटाई के बाद की शेल्फ लाइफ और तनाव सहनशीलता में सुधार के लिए जीनोम संपादन। फ्रंटियर्स इन जीनोम एडिटिंग, 5, पृष्ठ.1094965.डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.3389/एफगीद.2023.1094965,

भावना बिस्सा

सोनी एन, नंदी जी, चौधरी एम, बिस्सा बी. (2023)। कैंसर की प्रगति के दौरान ऑटोफैगी और एक्सोसोम मार्गों के सह-नियमन में एनसीआरएनए की भूमिका। बायोचिम बायोफिस एक्टा मोल सेल रेस। 20, 1870, 119523, डीओआई: 10.1016/जे.बीबीएएमसीआर.2023.119523। आईएफ: 5.01

शुक्ला एन, कौर बी, शर्मा डी, विजयवर्गीय एम, सदासुखी टीसी, मेडिचेरला केएम, मलिक बी, बिस्सा बी, वुरे एस, लोहिया एनके, सुरवझाला पी. (2023)। भारतीय प्रोस्टेट कैंसर समूह में विभेदित रूप से व्यक्त जीन विश्लेषण से जुड़े प्रमुख हस्ताक्षर मार्गों को समझने की दिशा में... रोग। 11, 11, 72. डीओआई: 10.3390/रोग11020072। आईएफ: 3.7

धनेश्वर प्रुस्टी

सिंह एस., बनावथ एच.एन., गोदारा पी., नाइक बी., श्रीवास्तव वी. और प्रुस्टी डी., (2022)। SARS-CoV-2 ओमीक्रॉन और इसके उप-वेरिएंट के रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन के लिए एंटीवायरल पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान: एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। 3 बायोटेक, 12,198. डीओआई: 10.1007/एस13205-022-03258-4, आईएफ: 2.893

गोदारा पी., नाइक बी., मेघवाल आर., ओझा आर., श्रीवास्तव वी., प्रजापति वी.के. और प्रुस्टी डी., (2022)। जटिल मलेरिया के उपचार के लिए पेप्टाइड-लिगैंड संयुग्म-आधारित इम्यूनोथेरेपी की तर्कसंगत डिजाइनिंग। जीवन विज्ञान, 311, पृ.121121। डीओआई: 10.1016/जे.एलएफएस.2022.121121 आईएफ:6.78

श्रीवास्तव वी., नाइक बी., गोदारा पी., दास डी., मट्टापर्थी वी.एस.के. और प्रस्टी डी., (2023)। मंकीपॉक्स के इलाज के लिए ट्रिपल टारगेटिंग मोड ऑफ एक्शन के साथ एफडीए-अनुमोदित दवाओं की पहचान: एक उच्च थ्रूपुट वर्चुअल स्क्रीनिंग अध्ययन। आणविक विविधता, 1-15. डीओआई: 10.1007/एस11030-023-10636-4 आईएफ:3.364

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

विक्रांत सिंह राजपूत

राजपूत वी.एस., रुंथला ए. और खान आई.ए., 2023. शिकिमेट किनेज़ इनहिबिटर्स: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ आशाजनक रणनीति पर एक अद्यतन। वर्तमान औषधि लक्ष्य, 24(5), पीपी.388-405। डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.2174/1389450124666230208102645। आईएफ: 3.2

मानस कुमार नाग

नाग एम.के., कोले एस., साधु ए.के., दत्ता पी.के., होल्सौसर बी., अश्वल एस. और घोष एन., 2023. गैर-विपरीत मस्तिष्क सीटी स्कैन का उपयोग करके हेमेटोमा के स्वचालित मात्रा अनुमान के लिए एक कंप्यूटर-सहायता प्राप्त उपकरण। बायोमेडिकल फिजिक्स एंड इंजीनियरिंग एक्सप्रेस, 9(4), पी.045011। डीओआई: 10.1088/2057-1976/एसीडी256

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

गजानन बी. ज़ोरे

माज़ेन अब्दुलघानी और अन्य, कैंडिडा अल्बिकन्स के अपारदर्शी सेल विशिष्ट प्रोटीन एटीसीसी 10231, मेडिकल माइकोलॉजी, 2023;, एमवाईएडी062, एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1093/एमएमवाई/एमवाईएडी062 आईएफ 3.3

गजानन ज़ोरे 1, माज़ेन अब्दुलघानी 1,*, रूबीना काज़ी 2, अमृता शेलार 3 और राजेंद्र पाटिल। 2023. कैंडिडा अल्बिकन्स का प्रोटीन डेटासेट (एटीसीसी 10231) बायोफिल्म। बीएमसी अनुसंधान नोट्स। स्वीकृत आईएफ 4

ज़ोर एट अल. 2022. मेन्थॉल एपोप्टोसिस के बाद ऑक्सीडेटिव तनाव उत्पन्न करके कैंडिडा एल्बिकन्स के विकास को रोकता है। ईकेम. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1155/2022/1297888। आईएफ । 2.06

माज़ेन अब्दुलघानी, आर. इरम, पी. चिद्रावर, के. भोसले, आर. काज़ी, आर. पाटिल, के खरात, गजानन ज़ोरे। 2022. कैंडिडा एल्बिकैंस बायोफिल्म का प्रोटीन विश्लेषण। जर्नल ऑफ़ प्रोटिओमिक्स, 265, 104661 आईएफ 3.885

पंकज गोयल

वर्मा एन, श्रीवास्तव एस, मलिक आर, गोयल पी, और पांडे जे. (2022) ईसीएम जे के प्रमुख प्रोटीन घटक टासा (28-261) को लक्षित करने के लिए वर्चुअल स्क्रीनिंग के माध्यम से पहचाने गए छोटे अणु अवरोधकों के साथ बैसिलस सबटिलिस बायोफिल्म का निषेध और विघटन बायोमोल। संरचना. डीवाईएन10.1080/ 07391102.2022.2033135।

जय कांत यादव

क्लेमेंस, आर., राव, पी.जी., एलौफ़ी, आई., ओनियांगो, आर., चन्द्रशेखर, ए., प्रेसमैन, पी., और यादव, जे.के. कृषि-अर्थव्यवस्था, पोषण, पर्यावरण को बढ़ाने के लिए बाजरा पर एक टिप्पणी सतत विकास लक्ष्यों। जर्नल ऑफ़ फूड बायोएक्टिव्स, 2023, वॉल्यूम। 22. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.31665/जेएफबी.2023.18342

पिप्पल बी, चौधरी पी, रानी के, यादव जे.के., जैन एन (2023), α-क्रिस्टलीय द्वारा α-सिन्यूक्लिन अमाइलॉइड असेंबली का समझदार मॉड्यूलेशन। एसीएस केमिकल न्यूरोसाइंस 14(9) 1659-1671। प्रभाव कारक: 5.78

मलिक एस और यादव जे. के (2023), खाद्य प्रणाली में अमाइलॉइड और अमाइलॉइड-जैसे प्रोटीन समुच्चय: चुनौतियाँ और नए परिप्रेक्ष्य। वर्तमान प्रोटीन एवं पेप्टाइड विज्ञान। प्रभाव कारक: 3.272

जंगीर एन., बंगरावा एस., यादव टी., मलिक एस., आलमरी एस.ए., गैलानकिस सी.एम., सिंह एम., यादव जे.के. (2022), सोयाबीन से अमाइलॉइड जैसे प्रोटीन समुच्चय का अलगाव और लक्षण वर्णन और कम पीएच का प्रभाव और उनकी स्थिरता पर ताप-उपचार। खाद्य जैव रसायन जर्नल. 46(10) 14369. प्रभाव कारक: 2.72

मलिक एस., डी आई., सिंह एम., गैलानकिस सी.एम., आलमरी ए.एस., यादव जे.के. (2022), पनीर से दूध-व्युत्पन्न अमाइलॉइड-जैसे प्रोटीन समुच्चय (एमएपीए) का अलगाव और लक्षण वर्णन। भोजन का रसायन। 373: 131486. प्रभाव कारक: 7.27

जन्मेजय पांडे

मीना डी., पांडे जे., वासिता आर., और स्वरूप एस. 2022. सैलिपलुडीबैसिलस एसपी का जीनोम अनुक्रम। तनाव सीयूआर 1, भारत के राजस्थान में एक क्षारीय-लवणीय झील से पृथक। माइक्रोबायोलॉजी संसाधन घोषणाएँ। जुलाई 2022. 11(7). ई01092-21.

कांतिवाल यू. और पांडे जे.. 2023. मास्टर रेगुलेटर प्रोटीन के प्रोटीन-प्रोटीन इंटरैक्शन के हस्तक्षेप के माध्यम से बैक्टीरियल बायोफिल्म का कुशल निषेध: बैसिलस सबटिलिस के सिनआर-सिनआई कॉम्प्लेक्स के साथ अवधारणा अध्ययन का एक प्रमाण। एप्लाइड बायोकैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी। मार्च 2023. (195): 1947-1967.

जयेन्द्र नाथ शुक्ल

बराड़ जीएस, सिंह एस, शुक्ला जेएन, कुमार वी, एमिर डेविस टीजी, कौर जी, पंढेर एस, कौर आर (2023), डबलसेक्स होमोलॉग सेक्स-विशेष रूप से जुड़ा हुआ है और व्हाइटफ्लाई बेमिसिया टैबसी एशिया II-1 वॉल्यूम में यौन भेदभाव प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। 850, 20 जनवरी 2023, 146929

सुरेंद्र निमेष

शर्मा डी, पारीक ए, आर्य एच, सोनी आर, राय पी, अग्रवाल ए, निमेश एस, कुमार डी, यारागोरला एस, भट्ट टी.के (2022) संभावित मलेरिया-रोधी यौगिकों के रूप में बेंजोडायजेपाइन की खोज की दिशा में संश्लेषण और निषेध अध्ययन। प्रायोगिक परजीवी विज्ञान 243, 108411, आईएफ-2.1

तरूण के भट्ट

त्रिपाठी एच, भालेराव पी, सिंह एस, आर्य एच, अलोताइबी बीएस, राशिद एस, हसन एमआर और भट्ट टीके (2023), मलेरिया थेरेप्यूटिक्स: क्या हम काफी करीब हैं?, परजीवी और वेक्टर। 16, 130, 2023, आईएफ- 4.05

शर्मा डी, पारीक ए, आर्य एच, सोनी आर, राय पी, अग्रवाल ए, निमेश एस, कुमार डी, यारागोरला एस, भट्ट टी.के (2022) संभावित मलेरिया-रोधी यौगिकों के रूप में बेंजोडायजेपाइन की खोज की दिशा में संश्लेषण और निषेध अध्ययन। प्रायोगिक परजीवी विज्ञान 243, 108411, आईएफ-2.1

खेम राज मीना

रहमान वी, मीना के आर, अल-अनी एलकेटी, सिंह ए, कुमार ए (2023)। मक्के में दक्षिणी मकई पत्ती झुलसा रोग का कारण बनने वाले हेल्मिन्थोस्पोरियम मेडीस को नियंत्रित करने के लिए बैसिलस वेलेज़ेंसिस स्ट्रेन में सुधार किया गया। प्लांट पैथोलॉजी के यूरोपीय जर्नल. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1007/s10658-023-02708-डब्लू

मीना के आर, सत्यम, सिंह ए (2022), "पौधों के रोगजनकों के खिलाफ उनके बायोसर्फैक्टेंट एंटीफंगल कार्रवाई के लिए विभिन्न रोगाणुओं की बेंचमार्किंग। इंडियन जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल बायोलॉजी 60:931-938

गजेंद्र सिंह

घोष यू., कुमार वी., सिंह जी., और चक्रवर्ती टी.के. *. थ्रोम्बिन अवरोधकों के रूप में βγ फ़्यूज्ड टर्न्स के साथ चक्रीय टेट्रापेप्टाइड्स के सिलिको अध्ययन पर आधारित संरचना। 8,11,2023. रसायन विज्ञान चयन दोई: दोई.ओआरजी /10.1002/एस एलसीटी.202204761 आईएफ 2.3।

सिंह जी., कुमार एस., और दास आर.*. मिश्रित और शाखित हेटरोटाइपिक यूबिकिटिन श्रृंखलाओं की असेंबली को डिकोड करना एसीएस विश्लेषणात्मक रसायन विज्ञान 2023, 95, 26, 10061-10067। दोई: दोई.ओआरजी /10.1021/एसीएस.एएनएएलसीएचईएम.3c01425 आईएफ 8.1

रसायन विज्ञान विभाग

अनुज के. शर्मा

भट्ट एस., राणा एम., शर्मा ए.के., जोशी एच. (2023), अल्कोहल के साथ अमीनों के चयनात्मक एन-अल्किलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में बिडेंटेट एन, एन-लिगैंड के रूथेनियम कॉम्प्लेक्स। एशियन जर्नल ऑफ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री, 2023, ई 202300158। प्रभाव कारक = 2.7

भट्ट, एस.; मीना, एन.; कुमार, एम.; भुवनेश, एन.; कुमार, ए.; शर्मा, ए.के. जोशी, एच. "रूथेनियम ईएनई (ई = एस, से) पिंसर कॉम्प्लेक्स का डिजाइन और संश्लेषण: उत्प्रेरक और जैविक अनुप्रयोगों के लिए एक बहुमुखी प्रणाली" रसायन विज्ञान-एक एशियाई जर्नल, 2022, 17(21)। ई202200736. प्रभाव कारक = 4.1

भूपेन्द्र गोस्वामी

गोस्वामी बी., सन, एक्स., फ्यूरस्टीन टी., गेमर एम., रोस्की पी. (2023), होमोलेप्टिक एनेंटिओप्योर लैंथेनाइड कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण, संरचना, और लक्षण वर्णन, ऑर्गेनोमेटेलिक्स, 42, 12, 1317-1323 (डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1021/एसीएस.ओर्गानोमेत.2सी00603), प्रभाव कारक = 3.837।

चंद्रकांत दास

डे जे., यादव, एस., लक्षकार आर.आर., सिंह ए., रे एस., डैश सी. (2022), जिंक-बिस (इमीनो) पाइरीडीन कॉम्प्लेक्स पानी में एज़ाइड-एल्केनी साइक्लोडोडिशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में, केमिस्ट्रीसेलेक्ट, 7, ई202202239 (डीओआई: एचटीटीपीएस://केमिस्ट्री-यूरोप.विले.कॉम/दोई/ईपीडीएफ/10.1002/एसएलसीटी.202202239), प्रभाव कारक = 2.307।

ईश्वर श्रीनिवासन

कुमारी, आर.; झा, ए.के.; गोयल, एस. मान, आर.; रेड्डी, एस.आर.; ईश्वर, एस. (2023), एसाइल ट्रांसफर-ड्रिवेन रौहुत-क्यूरियर डिमराइजेशन ऑफ मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स, जे. ऑर्ग। रसायन. 2023, 88, 2023-2033. प्रभाव कारक: 3.6

हेमन्त जोशी

भट्ट एस., राणा एम., शर्मा ए.के., जोशी एच. (2023), अल्कोहल के साथ अमीनों के चयनात्मक एन-अल्किलेशन के लिए उत्प्रेरक के रूप में बिडेंटेट एन, एन-लिगैंड के रूथेनियम कॉम्प्लेक्स। एशियनजेओसी, 2023, ई202300158। प्रभाव कारक = 2.7

कुमार एस., सिंह एस., महला एस., जंजानी पी., रेड्डी एस.आर., रोम टी., पॉल ए.के., रॉय पी., जोशी एच. (2023), मैक्रोसाइक्लिक सेलेनियम लिगैंड का पैलेडियम कॉम्प्लेक्स: डायहाइड्रॉक्सी यौगिकों के डिहाइड्रॉक्सीमेथिलेशन के लिए उत्प्रेरक . डाल्टन. ट्रांस., 2023, 52, 5110-5118। प्रभाव कारक = 4.0

कुमार एस., सिंह एस., माथुर एन., रॉय पी., जोशी एच. (2023), टाइटेनिया नैनोरोड्स ने सब्सट्रेट डिपेंडेंट उल्मैन कपलिंग और एरिल ब्रोमाइड्स के डीब्रोमिनेशन के लिए अत्यधिक पुन: प्रयोज्य विषम उत्प्रेरक के रूप में मर्कैप्टोंडेकेनोइक एसिड ग्राफ्टेड पैलेडियम नैनोकणों का समर्थन किया। आईएनओआरजी.रसायन, 2023, 62, 3993-4002। प्रभाव कारक = 4.6

झू वाई., स्टॉलेंज़ एम., ज़ारकोन एस.आर., खरेल एस., जोशी एच., भुवनेश एन., रीबेंस्पीज़ जे.एच., ग्लेडिज़ जे. (2022), सिंथेसिस, होमियोमोर्फिक और कॉन्फिगरेशनल आइसोमेराइजेशन, और मैक्रोसाइक्लिक एलिफैटिक डिब्रिजहेड डिफोस्फ़िन की संरचनाएं; अणु जो स्वयं को अंदर से बाहर कर देते हैं। रसायन. विज्ञान, 2022, 13, 13368-13386। प्रभाव कारक = 8.4

एम. भानुचंद्र

यादव एम., जाट आर.एस., कुमारी एस., बाबू पी.वी., रॉय पी., भानुचंद्र एम. (2023), केओएच के साथ डिबेंजोथियोफीन डाइऑक्साइड की एसएनएआर प्रतिक्रिया के माध्यम से 2-एरिलफेनोल का संक्रमण-धातु-मुक्त संश्लेषण। टेट्राहेड्रोन लेट., 119, 154430. प्रभाव कारक = 1.8

पार्थ रॉय

कुमार एस., सिंह एस., माथुर एन., रॉय पी., जोशी एच. (2023) टाइटेनिया नैनोरोड-समर्थित मर्कैपटॉन्डेकैनोइक एसिड-ग्राफ्टेड पैलेडियम नैनोकण, सब्सट्रेट-निर्भर उल्मैन युग्मन और एरिल ब्रोमाइड्स के डीब्रोमिनेशन के लिए एक अत्यधिक पुन: प्रयोज्य विषम उत्प्रेरक के रूप में, आईएनओआरजी. रसायन., 62, 3993−4002. डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1021/एसीएस.आईएनओआरजी.2सी04537, प्रभाव कारक = 4.6

यादव एम., जाट आर.एस., कुमारी एस., बाबू पी.वी., रॉय पी., भानुचंद्र एम. (2023) केओएच, टेट्राहेड्रोन पत्र, 119, 154430- के साथ डिबेंजोथियोफीन डाइऑक्साइड की एसएनएआर प्रतिक्रिया के माध्यम से 2-एरिलफेनॉल का संक्रमण-धातु-मुक्त संश्लेषण 154433. दोई:ओआरजी /10.1016/जे.टीईटीएलईटी.2023.154430, प्रभाव कारक = 1.8

कुमार एस., सिंह, एस., महला एस., जंजानी पी., रेड्डी एस.आर., रोम टी., पॉल ए.के., रॉय पी., जोशी, एच. (2023) मैक्रोसाइक्लिक सेलेनियम लिगैंड का एक पैलेडियम कॉम्प्लेक्स: उत्प्रेरक के लिए डाइहाइड्रॉक्सी यौगिकों का डीहाइड्रॉक्सीमेथिलेशन, डाल्टन ट्रांस., 52, 5110-5118। दोई: 10.1039/डी3डीटी00375बी, प्रभाव कारक = 4.0

राजगोपाला रेड्डी सीलम

कुमार एस., सिंह, एस., महला एस., जंजानी पी., रेड्डी एस.आर., रोम टी., पॉल ए.के., रॉय पी., जोशी, एच. (2023) मैक्रोसाइक्लिक सेलेनियम लिगैंड का एक पैलेडियम कॉम्प्लेक्स: उत्प्रेरक के लिए डाइहाइड्रॉक्सी यौगिकों का डीहाइड्रॉक्सीमेथिलेशन, डाल्टन ट्रांस., 52, 5110-5118। दोई: 10.1039/डी3डीटी00375बी, प्रभाव कारक = 4.0

कुमारी, आर.; झा, ए.के.; गोयल, एस. मान, आर.; रेड्डी, एस.आर.; ईश्वर, एस. (2023), एसाइल ट्रांसफर-ड्रिवेन रौहुत-क्यूरियर डिमराइजेशन ऑफ मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स, जे. ऑर्ग। रसायन. 2023, 88, 2023-2033. प्रभाव कारक: 4.198

पापाडोपोलोस, एल., राजगोपाला रेड्डी एस., कोटो, पी.बी., लेन्हेरर, डी., थिएल, डी., थॉस, एम., टाइकविंस्की, आर.आर., गुल्डी, डी.एम. (2022) पैरेलल बनाम ट्विस्टेड पेंटासीन: सिंगलेट विखंडन पर गठनात्मक प्रभाव, जे. भौतिक. रसायन. लेट. ,2022, 13, 5094-5100। प्रभाव कारक: 9.7

रीतेश सिंह

दीक्षा, सतीश ई., किरण, और सिंह आर. (2023), α-हेलोहाइड्रॉक्सामेट्स का उपयोग करते हुए हल्के परिस्थितियों में स्टेरिकली हिंडर्ड थियोएथर्स (α-थियोएमाइड्स) तक पहुंच: 1,4-बेंजोथियाज़िनोन और 4,1-बेंजोथियाज़ेपिनोन की ओर अनुप्रयोग। जे. संगठन. केम., 88, 901-908, डीओआई: एचटीटीपीएस:// दोई.ओआरजी / 10.1021/ एसीएस.जेओसी.2 सी 02274. प्रभाव कारक = 3.6

सतीश ई., गुप्ता ए.के., दीक्षा, मिश्रा एस.के., सावंत डी.एम., और सिंह आर. (2022) एज़ा-ऑक्सीएलिल केशन के माध्यम से इमिडाज़ो-हेटेरोएरेन्स और इंडोलिज़िन के साथ कंजस्टेड α-ब्रोमोएमाइड्स का हेटेरोरिलेशन: डिबेंज़ोएज़ेपिनोन और ज़ोलपिडेम एनालॉग्स के रास्ते में। जे. संगठन. केम., 87, 14168-14176, डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1021/एसीएस.जेओसी.2सी01708। प्रभाव कारक = 3.6

दीक्षा, और सिंह आर. (2022), एज़ा-ऑक्सीएलिल धनायन और (3+एम) साइक्लोडिशन प्रतिक्रियाओं में उनके अनुप्रयोग। ईयूआर। जे. संगठन. केम., 2022, ई202201043, डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1002/ईजेओसी .202201043। प्रभाव कारक = 2.8

ओटा वाई., इटोह वाई., कुरोहारा टी., सिंह आर., एल्बोरे ई.ई., हू सी., ज़मानी एफ., मुखर्जी ए., तकादा वाई., यामाशिता वाई., मोरिता एम., होरिनाका एम., सोवा वाई. , मसुदा एम., साकाई टी., और सुजुकी टी. (2022), एरिलसाइक्लोप्रोपाइलमाइन-वोरिनोस्टैट कॉन्जुगेट्स द्वारा कैंसर-सेल-चयनात्मक लक्ष्यीकरण। एसीएस मेड. रसायन. लेट. 13, 1568-1573, डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1021/एक्समेडचेमलेट.2c00126। प्रभाव कारक = 4.2

तिरुमूर्ति रामलिंगम

रायगर ए.के., सैनी के., ज्योति एन, थिरुमूर्ति आर., गुलेरिया ए. (2023) सीयूएफई 2ओ4 नैनोकणों द्वारा उत्प्रेरित सी – एच सक्रिय एरोबिक सीएसपी–सीएसपी होमोकपलिंग के माध्यम से 1,4- डिफेनिलबुटाडाइन-1,3 के संश्लेषण के लिए एक हरित दृष्टिकोण . रसायन विज्ञान चयन, 8, ई202300610। डीओआई: 10.1002/एसएलसीटी.202300610। प्रभाव कारक = 2.1.

धनवंत के., सैनी ए., चिवर्स टी., थिरुमूर्ति आर. (2023) बीआईएस (एरिलमिथाइल) टिन डाइक्लोराइड्स से एरिलमिथाइल रेडिकल्स की तापमान-सहायता वाली पीढ़ी: सीएसपी3-सीएसपी2 बॉन्ड-फॉर्मिंग प्रतिक्रियाओं के लिए कुशल अभिकर्मक। केमिस्ट्री-ए यूरोपियन जर्नल, 29, ई202202844। डीओआई: 10.1002/केम.202202844। प्रभाव कारक = 4.3.

सैनी ए., धनवंत के., देवांगन के., थिरुमूर्ति आर., जयसवाल ए., बहादुर आई., मोहम्मद एफ., सोलेमन ए.ए. (2023) फूल-जैसा रूपात्मक ट्राइगोनल टेल्यूरियम (टी-टीई): एक सरल गीला-रासायनिक अर्धचालक सामग्री प्राप्त करने के लिए तैयारी दृष्टिकोण। सामग्री में परिणाम, 18, 100397। डीओआई: 10.1016/जे.आरआईएनएमआ.2023.100397.

सैनी ए., धनवंत के., थिरुमूर्ति आर. (2022) 1-हाइड्रॉक्सी-4-मिथाइलपाइरिडिनियम क्लोराइड। आईयूसीआरडेटा, 7, एक्स 221023. डीओआई: 10.1107/एस2414314622010239.

वाणिज्य विभाग

प्रवीण साहू

साहू, एम., एवं साहू, पी. (2023)। क्या मुद्रा आपूर्ति और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की प्रभावशीलता भारत में औद्योगिक विकास प्रदर्शन को निर्धारित करती है? सैद्धांतिक और व्यावहारिक अर्थशास्त्र, 30 (2 (635), ग्रीष्म), 83-102।

साहू, पी., और खंगारोत, जी. (2023)। स्थायी विरासत पर्यटन संकेतकों की पहचान करना और उनका विकास करना। तीसरी अवधारणा, 431.

शीतल, और साहू, पी. (2022)। जयपुर आधारित स्टार्टअप्स के लेंस से उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र पर एक वर्णनात्मक अध्ययन: सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल 17 (3) 1-6।

साहू, पी., पांडे, एस., और कुमारी, वी. (2022)। भारतीय एमएसएमई पर कोविड-19 का प्रभाव: 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में एक रास्ता। जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, 16(4)।

साहू, पी., और खंगारोत, जी. (2022)। राजस्थान के विकास में पर्यटन नीतियों की भूमिका को समझना। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड कॉमर्स, 3(2)।

साहू, एम., और साहू, पी. (2022)। भारत के राष्ट्रीय उत्पादन, पूंजी निर्माण और विदेशी व्यापार का एक अनुभवजन्य अध्ययन: विनिर्माण और निर्माण उद्योग क्षेत्र से साक्ष्य। वाणिज्य और प्रबंधन अनुसंधान में कार्यात्मक रुझान चुनौतियां और संभावनाएं, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, 1: 283-298।

साहू, एम., और साहू, पी. (2022)। भारत के राष्ट्रीय उत्पादन, रोजगार और विदेशी व्यापार का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन: नवउदारवादी सुधारों के पिछले तीन दशकों के साक्ष्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक डेवलपमेंट एंड रिसर्च (आईजेएसडीआर), 7(10), पीपी. 899-911।

मीना, पी., साहू, पी., सोनी, ए. और मीना, ए.के. (2022) "बीमा कंपनियों में सेवा गुणवत्ता चर का एक पायलट अध्ययन।" साउथ इंडिया जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, एक्स एक्स (4), 73-82।

एच., और साहू, पी. (2022)। राजकोषीय लचीलेपन के साथ भारत को पुनर्जीवित करने के लिए वस्तु एवं सेवा कर के उपाय: एक पोस्ट कोविड अध्ययन। भारतीय अर्थव्यवस्था का पुनरुत्थान: वित्तीय लचीलापन और स्थिरता, 1, 84-9

संजय कुमार पटेल

पटेल, एस.के. और कुमारी, पी. (2022)। डीकार्बोनाइजिंग के लिए कार्बन लेखांकन ढांचा: भारत में वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए एक उचित मूल्य माप दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रीन इकोनॉमिक्स, 16(2), 204-218। आईएसएसएन: 1744-9936. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1504/आईजेजीई.2022.127910। स्कोपस, प्रभाव कारक: 1.7

पटेल, एस.के. और कुमारी, पी. (2022)। कार्बन उत्सर्जन और कोविड-19 के बीच असममित संबंध की मॉडलिंग: एनएआरडीएल मॉडल को नियोजित करने वाले भारतीय साक्ष्य। अंतःविषय पर्यावरण समीक्षा, 22(3-4), 292-305।

आईएसएसएन: 2042-6992. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1504/आईईआर.2022.128145। स्कोपस, प्रभाव कारक: 0.6

पटेल, एस.के., और झालानी, पी. (2022)। पर्यावरणीय कराधान के चर का निरूपण: स्कोपस डेटाबेस का एक ग्रंथ सूची विश्लेषण (2001-2022)। पर्यावरण, विकास और स्थिरता। आईएसएसएन: 1573-2975. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1007/एस10668-023-03027-0 स्कोपस, प्रभाव कारक: 4.9

पटेल, एस.के., और झालानी, पी. (2022)। पर्यावरणीय क्षरण और नकारात्मक पारिस्थितिकी-बाह्यताएँ: पर्यावरणीय लागत पर अंकुश लगाने के लिए सिद्धांतों की समीक्षा। इंद्रप्रस्थ जर्नल ऑफ मैनेजमेंट, 9(1-2). आईएसएसएन: 2454-4175. प्रभाव कारक: 0.0

नेहा सेठ

सेठ, एन. और सिंह, डी. (2023)। सतत स्टॉक सूचकांकों पर अनुसंधान का मानचित्रण: 2001 से 2022 तक एक ग्रंथ सूची समीक्षा, वित्तीय बाजारों में गुणात्मक शोध, 15(4), पीपी. 699-716। डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी /10.1108/ आईएमईएफएम-07-2018-0222। स्कोपस, प्रभाव कारक: 2.1

सेठ, एन. और कुमार, वाई. (2023)। मार्केट मूड इंडेक्स और भारतीय स्टॉक मार्केट- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज से एक प्रदर्शनी, सैद्धांतिक और व्यावहारिक अर्थशास्त्र, 30(1), पीपी 263-272।

मिश्रा, एम., सेठ, एन. और पांडा, एल. (2023)। भारतीय क्षेत्रीय बाजार की संरचनात्मक अस्थिरता पर सीओवीआईडी -19 के प्रभाव को उजागर करना: एक मात्रात्मक प्रतिगमन विश्लेषण, विजन: द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव (आगामी)। डीओआई: एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1177/09722629231159521। स्कोपस, प्रभाव कारक: 2.8

रानी, एम. और सेठ, एन. (2022)। सिकुड़ती दुनिया में मूल्यों और नैतिकता को समझना, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-54358-94-4

सेठ, एन. और सिंह, डी. (2022)। व्यवसाय और वित्त में अनुसंधान के मुद्दे, कोविड-19 प्रकोप के दौरान दक्षिण एशियाई सतत स्टॉक सूचकांकों का एक व्यावहारिक अध्ययन, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-56400-00-9

सुशीला सोरिया

सोरिया, एस. और पुष्पेंडर (2023)। भारतीय आतिथ्य क्षेत्र में बौद्धिक पूंजी और वित्तीय प्रदर्शन का गठजोड़: एक पैनल डेटा विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिप्लोमेसी एंड इकोनॉमी, (अंडरप्रिंटिंग)। आईएसएसएन: 2049-0895. स्कोपस, प्रभाव कारक: 0.7

मित्तल, आर., सोरिया, एस., प्रकाश, बी और लोचब, ए. (2022)। भारतीय एसएमई के लिए व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का आकलन: एक संसाधन-आधारित दृष्टिकोण, लघु उद्यम विकास, प्रबंधन और विस्तार, 49(3), 292-310। आईएसएसएन: 0970-8464. एचटीटीपीएस://दोई.ओआरजी/10.1177/09708464221106857। स्कोपस, प्रभाव कारक: 0.0

मित्तल, आर., सोरिया, एस., और लोचब, ए. (2022)। निफ्टी इमर्ज एसएमई इंडेक्स, एसएंडपी बीएसई एसएमई इंडेक्स पर सूचीबद्ध एसएमई की लाभप्रदता निर्धारक: भारत से साक्ष्य, एससीएमएस जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट,

19(2),14-25।आईएसएसएन:0973-3167.
एचटीटीपीएस://डब्लूडब्लूडब्लू.एसीएमएस.ईडीयू.आईएन/अप्लोअड्स/जर्नल/जर्नल-_अप्रैल-जून1.पीडीएफ। स्कोपस, प्रभाव कारक: 0.0

प्रियंका भास्कर

बी. प्रियंका, (2023), राजस्थान में ग्रामीण पर्यटन विकास: ग्रामीण राजस्थान में पर्यटक संतुष्टि को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अनुभवजन्य अध्ययन, पेसिफिक बिजनेस रिव्यू इंटरनेशनल, वॉल्यूम। 15, अंक. 10, पेज. 1-16. वेब ऑफ़ साइंस।

बी. प्रियंका, एस. कृष्ण दयाल, (2022), ए क्रिटिकल इनसाइट इनटू द रोल ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इन टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्रीज, पेसिफिक बिजनेस रिव्यू इंटरनेशनल, वॉल्यूम। 15, अंक. 3, पेज. 1-16. वेब ऑफ़ साइंस।

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

पवन सिंह

पवन सिंह, एक विकासवादी एल्गोरिथम फ्रेमवर्क क्लाउड आधारित साक्ष्य संग्रह आर्किटेक्चर" , मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन (स्प्रिंगर), 2023।

पवन सिंह, लेट्यूस की वृद्धि प्रतिक्रियाओं का मूल्यांकन और सब्सट्रेट और स्मार्ट हाइड्रोपोनिक्स क्रॉपिंग सिस्टम की ऊर्जा दक्षता, सेंसर (पबमेड), 2023।)

निष्ठा केसवानी

नवीन सरन, और निष्ठा केसवानी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स में घुसपैठ का पता लगाने के लिए पर्यवेक्षित मशीन लर्निंग क्लासिफायर का एक तुलनात्मक अध्ययन, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस (एल्सेवियर), 218, 2022, 2049-2057।

निष्ठा केसवानी, और मोनिका विश्वकर्मा, डीआईडीएस: आईओटी के लिए एक गहन तंत्रिका नेटवर्क आधारित वास्तविक समय घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली, डिसीजन एनालिटिक्स जर्नल (एल्सेवियर), 5, 2022, 100142।

मोनिका विश्वकर्मा, निष्ठा केसवानी। डेटा वर्गीकरण के लिए नैवे बेयस मशीन लर्निंग और विसंगति का पता लगाने के लिए अण्डाकार आवरण विधि के साथ एक नया दो-चरण घुसपैठ का पता लगाने वाला सिस्टम, डिसीजन एनालिटिक्स जर्नल (एल्सेवियर), 7, 2023, 100233।

प्रियंका नेहरा, और निष्ठा केसवानी, क्लाउड डेटा केंद्रों में लोड संतुलित बहु-आयामी बिन पैकिंग अनुमानी का उपयोग करके कुशल संसाधन आवंटन और प्रबंधन, द जर्नल ऑफ सुपरकंप्यूटिंग (स्प्रिंगर), 79, 2023, 1398-1425।

मोनिका ज्योतियाना, और निष्ठा केसवानी, पार्किंसंस रोग के वर्गीकरण और निदान के लिए एक गहन शिक्षण दृष्टिकोण, सॉफ्ट कंप्यूटिंग (स्प्रिंगर), 26, 2022, 9155-9165।

कृष्ण कुमार मोहबे

गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे, और सुनील कुमार, कन्वेन्शनल न्यूरल नेटवर्क आधारित इंसेप्शन-वी3 ट्रांसफर लर्निंग दृष्टिकोण का उपयोग करके छवियों पर भावना विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट डेटा इनसाइट्स (एल्सेवियर), 3(1), 2023, 100174।

मल्लिका आचार्य, और कृष्ण कुमार मोहबे, हम पर्यटन के लिए एक अनुशंसा प्रणाली कैसे बना सकते हैं? सामाजिक नेटवर्क का उपयोग करते हुए एक स्थान केंद्रित स्थानिक बिनिंग-आधारित पद्धति, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट डेटा इनसाइट्स (एल्सेवियर), 3(1), 2023, 100161।

गौरव मीना, मल्लिका आचार्य, और कृष्ण कुमार मोहबे, विषम संवेदन डेटा फ़्यूज़न के साथ आईओटी वातावरण पर फ़ज़ी कनवल्शन न्यूरल नेटवर्क का उपयोग करके दोष भविष्यवाणी, माप: सेंसर, 26, 2023, 100701।

कृष्ण कुमार मोहबे, भारत में विभिन्न शहरी पर्यावरण व्यवस्थाओं पर पीएम 2.5 और ओ3 के बीच संबंध, शहरी विज्ञान, 7(1), 2023, 9।

कृष्ण कुमार मोहबे, कम शफ़ल ओवरहेड के साथ एक उपयोगिता-आधारित वितरित पैटर्न खनन एल्गोरिदम, समानांतर पर आईईईई लेनदेन और वितरित सिस्टम, 34, 2023, 416-418।

कृष्ण कुमार मोहबे, सीटी-स्कैन और एक्स-रे छवियों में सीओवीआईडी -19 के वर्गीकरण के लिए संयुक्त क्लाउड-आधारित अनुमान प्रणाली, नई पीढ़ी कंप्यूटिंग (एल्सेवियर), 41, 2023, 61-84।

कृष्ण कुमार मोहबे, और अजय इंडियन, क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी भविष्यवाणी

मल्लिका आचार्य, और कृष्ण कुमार मोहबे, सुरक्षित पीओआई अनुशंसा के लिए स्पैटियो-टेम्पोरल प्रॉक्सिमिटी पर विभेदक गोपनीयता-आधारित सोशल नेटवर्क डिटेक्शन, एसएन कंप्यूटर साइंस (स्प्रिंगर), 4(252), 2023।

मल्लिका आचार्य, और कृष्ण कुमार मोहबे, इंसेप्शनवी3 ट्रांसफर लर्निंग अप्रोच (स्प्रिंगर), 4 (242), 2023 का उपयोग करके छवि-आधारित भावना विश्लेषण।

गौरव मीना

गौरव मीना, और कृष्ण कुमार मोहबे, विभिन्न ट्रांसफर लर्निंग मॉडल का उपयोग करके छवियों पर भावना विश्लेषण, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 218, 2023, 1640-1649।

गौरव मीना, कृष्ण कुमार मोहबे, अजय इंडियन और सुनील कुमार, वीजीजी19 आधारित ट्रांसफर लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके छवियों से भावना विश्लेषण, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस, 204, 2022, 411 - 418।

सारिका चौधरी, गौरव मीना, इंटरनेट ऑफ थिंग्स: प्रोटोकॉल, एप्लिकेशन और सुरक्षा मुद्दे, प्रोसीडिया कंप्यूटर साइंस (एल्सेवियर), 215, 2022, 274-288।

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

प्रकाश चौधरी

प्रशांत के., चौधरी पी., अग्रवाल टी. और कौशिक ई. (2022), ओडब्ल्यूएई-नेट: कोविड-19 डिटेक्शन फ्रॉम ईसीजी इमेज युसिंग डीप लर्निंग एण्ड ऑप्टिमाइज्ड वेटेड एवरेज एनसेंबल टेक्नीक इन्टेलिजन्ट सिस्टम्स विथ एप्लीकेशनस् इन्टेलिजन्ट सिस्टम्स विथ एप्लीकेशनस् . डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.iswa.2022.200154

प्रशांत के. और चौधरी पी. (2022), ए स्टैकड एनसेंबल मॉडेल फॉर ऑटोमैटिक स्ट्रोक प्रीडिक्शन युसिंग ओन्ली रॉ एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम. इन्टेलिजन्ट सिस्टम्स विथ ऐप्लीकैशनस्. डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.iswa.2022.200165

अग्रवाल टी. और चौधरी पी। (2023), आरईएसई-नेट: एनहैन्स्ड उनेट आर्किटेक्चर फॉर लंग सेग्मन्टैशन इन चेस्ट रैडीओग्राफी इमेजस्, काम्प्यूटैशनल इन्टेलिजन्स. डीओआई: https://doi.org/10.1111/coin.12575, इफ: 2.14

अग्रवाल टी. और चौधरी पी. (2023), कोविड-सेगनेट: एनकोडर-डीकोडर-बेस्ड आर्किटेक्चर फॉर कोविड-19 लीशन सेग्मन्टैशन इन चेस्ट एक्स-रे. डीओआई: https://doi.org/10.1007/s00530-023-01096-9 मल्टीमीडिया सिस्टम। इफ: 2.60

गौरव सोमानी

कुमार ए., और सोमानी जी. "डीडीओएस एट ए ग्लांस: अटैक लॉन्च टू सॉल्यूशंस। आईटी प्रोफेशनल 25, नंबर 3 (2023): 36-42। डीओआई: 10.1109/ MITP.2023.3273295. इम्पैक्ट फैक्टर = 2.6.

गुर्जर एच.एस., और सोमानी जी. "ऐम्पलिफीकेशन/रिफ्लेक्शन अटैक सप्रेशन युसिंग विक्टिम सेपरैशन. आईईईई नेटवर्किंग लेटर्स (2023): 140-143। DOI: 10.1109/ LNET.2023.3264827

कुमार, ए., और सोमानी जी.। "सर्विस सेपरैशन असिस्टेड डीडीओएस अटैक मिटिगैशन इन क्लाउड टार्गेटस." जर्नल ऑफ इनफार्मेशन सिक्युरिटी एण्ड ऐम्पलिफिकेशनस् 73 (2023): 103435। डीओआई: 10.1016/जे.जेआईएसए.2023.103435. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.6.

मुज्जमिल हुसैन

जैन यू., पिरास्तेह एस, और हुसैन एम., लाइटवैट, सिक्युर, इफिशन्ट, एण्ड डाइनैमिक स्कीम फॉर म्यूचूअल ऑथेन्टिकैशन ऑफ डिवाइसेस इन इंटरनेट-ऑफ-थिंग्स-फॉग एनवायरनमेंट, कॉनकरन्सी एण्ड काम्प्यूटैशन: प्रेक्टिस एण्ड इक्स्पीरीयन्स, वॉल्यूम 35 इस्यू 1, ई7428, विले, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.0

सिंह आर.के., कुमार ए., और हुसैन एम., ए सिक्युर की एग्रीमेन्ट मेकनिज़्म फॉर स्मार्ट होम नेटवर्क्स, आईईईई एक्सप्लोर, 2022,1-6.

कुमार ए., और हुसैन एम., म्यूचूअल ऑथेन्टिकैशन ऑफ डिवाइसेस अन्डर मल्टी-क्लस्टर एनवायरनमेंट इन इन्डस्ट्रीअल इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईआईओटी) नेटवर्क्स, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, 2022, 120 - 126।

कुमार ए., और हुसैन एम., सिक्युर ईसीसी बेस्ड की मेकनिज़्म फॉर डिवाइसेस इन आईओटी नेटवर्क्स, एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, 175 - 179।

अरोड़ा एस., हुसैन एम., जैन यू., और पिरास्टेह एस., ए सिम्पल, सिक्युर एण्ड एनर्जी इफिशीएन्ट की एस्टाब्लिशमेंट, आईईईई एक्सप्लोर, 2022, 1 - 8।

जैन यू., हुसैन एम., और झोरर के., टू-फेज डिवाइस ऑथेन्टिकैशन स्कीम फॉर रीक्वेस्ट-रीस्पान्स कम्प्यूटिंग, आईईईई एक्सप्लोर, 2022, 1 - 7।

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

अमिताभ श्रीवास्तव

पांडे, कुमार आशुतोष, श्रीवास्तव, अमिताभ, सचान, मनीष, कुमार, गोविंद, शर्मा, अमित, (2023) दि पोर्ट्रेऐल ऑफ इंडियन रुरल वुमन ऑन ओटीटी प्लेटफॉर्म्स: ए क्रिटिकल डिसकोर्स एनालीसिस ऑफ दि फिल्म जय भीम, यूरोपियन इकनॉमिक लेटर्स, पेज न. 288-294, डीओआई: https://doi.org/10.52783/eel.v13i4.699 (एबीडीसी इंडेक्स्ड जर्नल)

वर्मा, अनुराग; सचान मनीष; कोडाली, बाबू राहुल; श्रीवास्तव, अमिताभ और शर्मा, अमित (2023) जेन्डर रीप्रेज़न्टैशन एण्ड डिपिक्शन ऑफ वायोलेन्स इन हिन्दी वेब सीरीज, यूरोपियन इकनॉमिक लेटर्स, पेज न. 1021-1032, डीओआई: https: //doi.org/ 10.52783/eel.v13i4.699 (एबीडीसी इंडेक्स्ड जर्नल)

पांडे, कुमार आशुतोष; शर्मा, अमित; श्रीवास्तव, अमिताभ (2022) हेल्थ अवेर्नेस एण्ड गवर्नमेंट स्कीम्स ऑफ इंडिया: ए स्टडी ऑफ बिहार स्टेट, यूरोपियन जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर एंड क्लिनिकल मेडिसिन, वॉल्यूम 9, इशू 9 https://ejmcm.com/issue-content/a-health-awareness-and-govt-schemes-in-india-a-study-of-bihar-state-10165

प्रांत प्रतीक पटनायक

पटनायक, पी.पी., अग्रवाल, एम. (2023) 'स्क्रीनिंग बॉडीज: द इंडियन मेल इन हिंदी सोप ओपेरास्'। मास कम्युनिकेटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्युनिकेशन स्टडीज, वॉल्यूम 17, न. 1, पीपी.29-33। (आईएसएसएन न. 0973-9688) डीओई- 10.5958/0973-967X.2023.00005.4

अनूप कुमार

कुमार, ए (2022)। फैक्ट-चेकिंग मेथोड़ोलोगी एण्ड इट्स ट्रैन्स्पेरन्सी: व्हाट इंडियन फैक्ट-चेकिंग वेबसाईट हेव टू से? जर्नलिज़्म प्रैक्टिस, 1-21। डीओआई: 10.1080/17512786.2022.2098520 इम्पैक्ट फैक्टर = 2.1

आँकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग

विद्योत्तमा जैन

राज आर और जैन वी. (2023), आप्टिमाईज़ैशन ऑफ ट्राफिक कंट्रोल इन एमएमएपी [2]/पीएच [2]/एस प्राइऑरटी क्यूइंग मॉडेल विथ पीएच रेट्रीयल टाइम्स एण्ड प्री-एमटिव रीपीट पॉलिसी, जर्नल ऑफ इन्डस्ट्रीअल एण्ड मैनेजमेंट ऑप्टिमाइज़ेशन, 19 (4), 2333-2353। (इम्पैक्ट फैक्टर: 1.4) (10.3934/jimo.2022044)

मित्तल एन., जैन वी., धर्मराज एस.(2023), पावर एफिशिएंट स्टोकेस्टिक मॉडलिंग फॉर एनबी-आईओटी डिवाइसेस इन 5जी नेटवर्क्स। ट्रांजेक्शन ऑन इमर्जिन्ग टेलीकम्यूनिकैशन्स टेकनोलोजिस. (इम्पैक्ट फैक्टर: 3.6) डीओआई: 10.1002/ईटिटि. 4825

जैन वी., मित्तल एन., धर्मराज एस.(2023), स्टोकेस्टिक मॉडलिंग फॉर बैंडविड्थ पार्ट स्विचिंग डीआरएक्स मेकनिज़्म इन 5जी-एनआर, टेलीकम्यूनिकैशन्स सिस्टम्स, 83. (इम्पैक्ट फैक्टर: 2.5) डीओआई: 10.1007/s11235-023-01007-3

जैन वी., राज आर., धर्मराज एस. (2022), परफोरमेबिलिटी एनालीसिस ऑफ ए एमएमएपी[2]/पीएच[2]/एस मॉडल विथ पीएच रिट्रायल टाइम्स, कम्यूनिकेशन्स इन स्टेटिस्टिक्स- थ्योरी एण्ड मेथड्स, इन प्रेस. (इम्पैक्ट फैक्टर: 0.9) (https://doi.org/10.1080/03610926.2022.2150053)

निष्ठा केसवानी

विश्वकर्मा, एम., और केसवानी, एन. (2023). ए न्यू टू-फेज इन्ट्रूशन डिटेक्शन सिस्टम विथ नाईव बाएस मशीन लर्निंग फॉर डेटा क्लासिफिकेशन एण्ड एलिप्टिक एन्वेलप मेथड फॉर अनामली डिटेक्शन. डिसिशन एनालिटिक्स जर्नल, 7, 100233.स्कोपस।

सारन, एन, और केसवानी, एन (2023). ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ सुपरवाईज्ड मशीन लर्निंग क्लासिफायरका फॉर इन्ट्रूशन डिटेक्शन इन इंटरनेट थिंग्स. प्रोसेडिया कंप्यूटर साइंस, 218, 2049-2057। इम्पैक्ट फैक्टर = 2.56

नेहरा, पी., और केसवानी, एन. (2023). इफिशन्ट रिसोर्स ऐलोकैशन एण्ड मैनेजमेंट बाय युसिंग लोड बैलेन्स्ड मल्टी-डिमेन्शनल बिन पॅकिंग हेरिस्टिक इन क्लाउड डेटा सेंटर्स. द जर्नल ऑफ सुपरकम्प्यूटिंग, 79 (2), 1398-1425। इम्पैक्ट फैक्टर = 2.557

विश्वकर्मा, एम., और केसवानी, एन. (2022). डीआईडीएस: ए डीप न्युरल नेटवर्क बेस्ड रियल-टाइम इन्ट्रूशन डिटेक्शन सिस्टम फॉर आईओटी, डिसिशन एनालिटिक्स जर्नल, 5, 100142। स्कोपस।

प्रीतपाल सिंह

सिंह, प्रीतपाल और हुआंग, यो-पिंग, (2023), मेम्बरशिप फ़ंक्शन, सेट-थीओरेटिक ऑपरेशन्स, डिस्टेंस मेसर्मेन्ट मेथड्स बेस्ड ऑन ऐम्बिग्यूअस सेट थ्योरी: ए सोल्यूशन टू ए डिसिशन-मैकिंग प्रॉब्लेम इन सलेक्टिन्ग द अप्रोप्रीएट कॉलेजेस्, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फजी सिस्टम, वॉल्यूम 25, पृष्ठ 1311-1326, डीओआई: 10.1007/एस40815-023-01468-3, इम्पैक्ट फैक्टर = 4.085।

सिंह, प्रीतपाल और मुचाहारी, मोनोज कुमार, (2023), सोलविंग मल्टी-ऑब्जेक्टिव आप्टीमाईज़ैशन प्रॉब्लेम ऑफ कॉनवोल्यूटीशनल न्युरल नेटवर्क युसिंग फास्ट फॉरवर्ड क्वानटम आप्टीमाईज़ैशन ऐल्गरिदम: एप्लीकेशन इन डिजिटल इमेज क्लासीफिकेशन. एड़वानसेस इन इंजीनियरिंग सॉफ्टवेयर, 176, 103370, डीओआई: 10.1016/ j.advengsoft.2022.103370, इम्पैक्ट फैक्टर = 4.255।

भावना सैनी

जैन, टी., वर्मा, वी.के., शर्मा, ए.के., सैनी, बी., और अरशद, एम.एस. (2023). सेंटीमेंट एनालीसिस ऑन कोविड-19 वैक्सीन ट्वीट्स युसिंग मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग एल्गोरिदम. इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड कंप्युटर साइंस एण्ड एप्लीकेशन्स, 14 (5). स्कोपस

अर्थशास्त्र विभाग

हेमलता मंगलानी

मंगलानी एच. (2022)। डिटरमाइनिंग द फ़ैक्टर्स ऑफ सस्टैनेबल एन्गैज्मेन्ट ऑफ स्टूडेंटस् इन ई-लर्निंग इन हायर एजुकेशन डयूरिंग द कोविड-19 पैन्डेमिक: ए केस-स्टडी ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ राजस्थान, एजुकेशन इंडिया: ए क्वॉर्टर्ली रेफरीड जर्नल ऑफ डायलॉग्स ऑन एजुकेशन, ए यूजीसी- केयर लिस्ट जर्नल, आईएसएसएन 2278-2435, वॉल. 11, इशू -3 http://www.educationindiajournal.orgPaper आईडी: पेपर आईडी: EIJ20110000715

गुलनाज एस और मंगलानी एच (2023) एन ईम्पिरिकल एनालीसिस ऑफ इंडिया-आसियान ट्रैड डाइनैमिक्स, इंडियन जे इकोन देव 19 (2) डीओआई: https://doi.org/10.35716/आईजेईडी -22269 इंडेक्सड इन स्कोपस एण्ड ईएससीआई (क्लेरिवेट एनालिटिक्स) 320-329।

प्रगति जैन

रेधू, एस., जैन, पी. (2023) अनवेलिंग द नेक्सस बीट्वीन वाटर स्केर्सिटी एण्ड सोसिओइकनॉमिक डेवलपमेंट इन द वाटर-स्केर्स कंट्रीस. एनवायरनमेंट, डेवलपमेंट एण्ड सस्टैनबिलिटी. https://doi.org/10.1007/s10668-023-03425-4।

जैन, पी., सरावगी ए., जैन, पी., (2023) एनवायरनमेंटल कोस्ट ऑफ फूड वेस्टेज: इंटीग्रेटेड रीस्पान्स थ्रू ए मिक्स ऑफ एनवायरनमेंटल पॉलिसी इन्स्ट्रूमेंट्स, सस्टैनेबल डेवलपमेंट. आईएसएसएन 1099-1719।

सत्यनारायणमूर्ति डोगा

डोग्गा, एस. के. बाबू और के. मोनिका (2023)। व्हाट हेव बीन ड्राइविंग इंडियास इकनॉमिक ग्रोथ? एन एम्पिरिकल अनालीसिस, द इंडियन जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स

डोग्गा एस टाक पी और सी जे (2023) फिस्कल डिसीप्लिन एण्ड इट्स रीलैशन्शिप विथ इकनॉमिक ग्रोथ इन इंडिया: एविडेन्स बेस्ड पॉलिसी एनालीसिस, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन।

सुरेश कुमार पात्रा

पत्री पी, शर्मा पी, पात्र एस। (2002) ए मल्टीडाईमेनसीनल मॉडेल फॉर साईक्लोन वुलनेरबिलिटी असेस्मेन्ट ऑफ अर्बन स्लम ड्वेलर्स इन इंडियाल: ए केस स्टडी ऑफ भुवनेश्वर सिटी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डीजास्टर रिस्क रीडक्शन. एल्सेवियर, वॉल्यूम 83, 1-17, दिसंबर 2022, 103439, आईएसएसएन: 2212-4209। (एबीडीसी रैंकिंग: ए) https://doi.org/10.1016/j.ijdrr.2022.103439

शिक्षा विभाग

अंजलि शर्मा

शर्मा, ए., सिंह, एस.(2022). ग्रोथ माइन्ड्सेट पेडगोजी इन इन्क्लूसिव क्लासरूम. वॉइसेस ऑफ टीचर्स एण्ड टीचर एज्यूकैटर. एनसीईआरटी न्यू दिल्ली, वॉल्यूम ग्यारहवां इशू द्वितीय दिसंबर 2022। पीपी 16-22। आईएसएसएन 2455-1376।

रावत, एन., शर्मा, ए., सिंह, एस.(2023). इफेक्ट ऑफ सेल्फ-डेवलपमेंट ई-कंटेन्ट मॉडुलस इन बायोलॉजी टू एन्हैन्स लर्निंग एजिलिटी: एन एक्सपेरिमेंटल एनालीसिस, इंडियन जर्नल ऑफ नेचुरल साइंसेज (आईजेओएनएस), वॉल्यूम 14, इशू 79 / अगस्त 22023. आईएसएसएन: 0976-0997.आईएसआई इम्पैक्ट फैक्टर: 2.452-2022-23।

सिंह, एस, शर्मा, ए (2022)। ग्रोथ माइन्ड्सेट पेडगोजी: डेवलपमेंट ए ग्रोथ माइन्ड्सेट इन अर्ली चाइल्ड्हुड लर्निंग, रबीन्द्र भारती जर्नल ऑफ फिलॉसफी, वॉल. : XXIII, न. 27, पीपी62-70। ISSN: 0973-0087

नरेंद्र कुमार

कुमार, एन., प्रदीप और रॉय, पी. (2022). स्टडी ऑफ एग्जामिनेशन ऐंज़ाइटी अमंग सीनियर सेकन्डेरी केमिस्ट्री स्टूडेंटस्, जर्नल ऑफ द इंडियन एकेडमी ऑफ एप्लाइड साइकोलॉजी, वॉल्यूम 48 (2), 299-302।

कुमार, एन और जोशी, जे (2022) एक्सपेंडिंग द कॉनसेपचुलाइजेशन ऑफ कल्चरल इन्टेलिजेन्स, रिसर्च डिसकोर्स, वॉल-12, (3), 12-15।

प्रजापति, एस और कुमार, एन (2022)। फ्लिप्स: एसेन्शियल लाइफ स्किल्स फॉर लरनर्स एट हाइयर एजुकेशन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिव रिसर्च इन मल्टीडिसिप्लिनरी फील्ड, वॉल -8 (39), 36-41।

कुमार, एन., निधि और श्रीनिवासन ई. (2022). प्लाइट ऑफ केमिस्ट्री टीचर्स इन रीमोट टीचिंग ड्यूरिंग कोविड-19 पैन्डेमिक, वॉइसेस ऑफ टीचर्स एण्ड टीचर एज्यूकैटर, वॉल. 11 (2), 81-88.

कुमार, एन. और जोशी, जे. (2023). ए स्टडी ऑफ क्रॉस- कल्चरल एडजस्टमेंट इन रीलैशन टू ऐकडेमिक अचीव्मेन्ट ऑफ इंटरनेशनल स्टूडेंटस्, शोध दिशा, वॉल. 61, 269-274.

कुमार, एन. और कुमार, आर. (2023). नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एवं संस्कृत भाषा की प्रासंगिक्ता, शोध दिशा, वॉल. 62 (एम), 258-261.

कुमार, एन और जोशी, जे (2023)। ऐकडेमिक अचीव्मेन्ट ऑफ इंटरनेशनल स्टूडेंटस् इन रीलैशन टू जेन्डर, स्ट्रीम एण्ड अकल्चरेशन इक्स्पीरीअन्स, अमनायीकी, खंड - 23, 208-212.

गोबिंद सिंह गुरे

पचौरी, वाई, सिंह, जी (2022) डिजिटल पेडगोजी: एन इन्नोवेटिव प्रैक्टिस इन एजुकेशन, इंटरनेशनल जर्नल फॉर इनोवेटिव रिसर्च इन मल्टीडीसीप्लिनरी फील्ड, आईएसएसएन: 2455-0620, वॉल्यूम - 8, स्पेशल इशू - 39, नवंबर, पीपी.42-47.

गुरे, जी, एस. हरदीप सिंह (2023) ईफेक्टिवनेस ऑफ ग्रोथ माइन्ड सेट ऑफ लरनर्स इन मैथमैटिक्स: ए रिव्यू स्टडी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एण्ड साइंटिफिक मेथड्स (आईजेएआरईएसएम), आईएसएसएन: 2455-6211, वॉल्यूम 11, इशू 6, जून, पीपी 2974-2982.

संगीता यदुवंशी

यदुवंशी, एस और यदुवंशी, एस, (2023) इफेक्ट ऑफ प्राणायाम ऑन स्ट्रेस मैनेजमेंट ऑफ केंद्रीय विद्यालय टीचर्स, प्रज्ञा प्रबोधिनी, आईएसएसएन 2454-681एक्स. खंड 30.

टी संगीता

संगीता टी., (2022) "इन्फ्लूएन्स ऑफ त्यागरायाक्रिटिस एण्ड रागस इन साउथ इंडियन सॉन्ग्स एनरिचिंग कल्चर एण्ड हेरिटेज" भाव वीणा, 9 (2) आईएसएसएन: न. : 2456-4702, पृष्ठ 144-149. (यूजीसी केयर लिस्ट)

जीवनागा अनिरुद्ध, धिनेश कुमार, वी., संगीता, टी. (2022) "ह्वे एस ए क्रूशल कम्पोनेन्ट इन रेजुवेनटींग एथलीट हेल्थ-ए रिव्यू, जर्नल ऑफ पोस्टहार्वेस्ट टेक्नॉलजी, 10 (4) 2022 आईएसएसएन: न.: 2348-4330, पीजी 135-155 (यूजीसी केयर लिस्ट)।

संगीता, टी., और इलामति के., (2023), "द इफेक्ट ऑफ स्काइ योगा ऑन द मेंटल हेल्थ एण्ड सोशल एडजस्टमेंट अमंग प्रैक्टिस टीचर्स इन वेल्लोर सिटी" इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, आईएसएसएन: 0019-5553, पीजी 161-163 (यूजीसी केयर लिस्ट)

सीमा गोपीनाथ

गोपीनाथ, एस (2023). आर्ट इंटीग्रेटेड लर्निंग पेडागोगी इन ए कंस्ट्रक्टीविस्ट क्लासरूम, जर्नल ऑफ़ एजुकेशन, 11 (2).

गोपीनाथ, एस (2023). इन्फ्लुएंस ऑफ़ रेसिलिएंस ओन मेटाकोग्निटिव अवेयरनेस इन टीचिंग अमंग प्रोस्पेक्टिव टीचर्स एट सेकेंडरी लेवल, जर्नल ऑफ़ रिसर्च एंड एक्सटेंशन इन एजुकेशन, वॉल् 17, इशू 2.

निथ्या प्रेम एसआर

प्रॉब्लम-सोल्विंग टेम्पलेट्स इन फिजिक्स फॉर नेचरिंग द स्किल ऑफ़ इवैल्यूएशन इन क्रिटिकल थिंकिंग स्किल्स, इन स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल ऑफ़ यूरोपियन केमिकल बुलेटिन आईएसएसएन 2063-5346, पेज न. 1743-1751 वॉल् 12, स्पेशल इशू 04, अप्रैल 2023.

रोल ऑफ़ वीमेन एन्टरप्रेयूर्शिप इन इंडिया, इन स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल ऑफ़ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी आईएसएसएन 2717-7564, पृष्ठ संख्या: 257-260 वॉल् 6 इशू 04, 2022.

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग

संयोग रावत

टी. नाहर और एस. रावत, ए रिव्यु ऑफ़ डिजाईन कांसिडेरेशन, चैलेंजेज एंड टेक्नोलॉजीज यूज्ड इन 5जी एंटेना, वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशनस, जन. 2023, https://doi.org/10.1007/s11277-023-10193-x (एससीआई, आईएफ: 2.017)

सुधीर भास्कर

सुधीर भास्कर, मोहम्मद गुलमन सिद्दीकी, सार्थक सिंघल और आरती बंसल, "मिनीआट्युराइज्ड सर्कुलर्ली पोलराइज्ड विक्सेक्क्रोस-शेप्ड स्लॉट ऐन्टेना फॉर यूएचएफ-आरएफआईडी रीडर हैंडसेट एप्लीकेशन्स," " आईईईई जर्नल ऑफ रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन, वॉल् 6, पीपी 515-523, 2022. (स्कोपस)

दीपशिखा लोधी, सुधीर भास्कर, सार्थक सिंघल, "क्वाड पोर्ट व्हील शेप्ड सुपर वाइडबैंड मीमो एंटीना", जर्नल ऑफ एंबिएंट इंटेलिजेंस एंड ह्यूमनाइज्ड कंप्यूटिंग, वॉल्. 14, पीपी 2691-2707, 2023। (इम्पैक्ट फैक्टर 3.662)

अमित के सिंह, सुधीर भास्कर, अमित के सिंह, "ए नेस्टेड स्लॉट एंड टी-मैच नेटवर्क बेस्ड हाइब्रिड एंटीना फॉर युएचएफ आरएफआईडी टैग एप्लीकेशन्स", प्रोग्रेस इन इलेक्ट्रोमेग्नेटीक्स रिसर्च सी, वॉल्. 125, पीपी 93-104, 2022. (स्कोपस)

अंग्रेजी विभाग

संजय अरोड़ा

वर्मा, ए और संजय अरोड़ा। (जुलाई 2022) "एक्सप्लोरिंग द चैलेंजेज ऑफ़ ऑनलाइन टीचिंग एंड लर्निंग ड्यूरिंग द कोविद - 19 पेंड़ेमिक" , फोर्टेल जर्नल ऑफ़ टीचिंग इंग्लिश लैंग्वेज एंड लिटरेचर. वॉल् 45 (2), पीपी 19-32। (यूजीसी-केयर)

अरोड़ा, एस और रुचि कौशिक. (जनवरी 2023) "युजिंग एडवर्टाइजमेंट्स इन द इंग्लिश क्लासरूम: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी," जर्नल ऑफ़ आर्ट्स, वॉल् 11 (3), पीपी 291-223. (यूजीसी-केयर)

भूमिका शर्मा

शर्मा, बी और शिबासंभू, नंदी। (2023) "न्यू क्रिटिकल कांसर्न्स ऑफ़ लिटरेचर क्लासरूम: एग्जामिनिंग पोस्टह्यूमन आइडेंटिटी थ्रू ब्लेड रनर, फोर्टेल, इशू न. 46, पीपी 30-39। https://www.fortell.org/wp-content/uploads/2023/04/January-2023-30-39.pdf

शर्मा, बी. (2022) "डीलिमिटिंग टेरिटरी, स्पीकिंग जेंडर: स्पेस बिल्डिंग इन अफ्रीकन अमेरिकन राइटिंग" , राजस्थान यूनिवर्सिटी स्टडीज इन इंग्लिश, वॉल्यूम II (II), 2022। आईएसएसएन 0448-1690. पीपी 28-45। (पीर रिव्यूड)

नेहा अरोड़ा

अरोड़ा, एन और जुनाली डेका (जुलाई 2022) "क्राफ्टिंग कास्ट इन इंडियन सिनेमा: रीइन्फोर्सिंग स्टीरियोटाइप और चेल्लेंजिंग नेगाशन," आईआईएस जर्नल ऑफ आर्ट्स, वॉल् 11 (1)। आईएसएसएन 2319-5339। पीपी 38-55। (यूजीसी केयर)

डेका, जे, श्रुति शुक्ला और नेहा अरोड़ा (जुलाई-सितंबर 2022) "फोस्टेरिंग साइंटिफिक टेम्पर इन इंडिया: कैन बॉलीवुड बी ए कैटेलिस्ट?". जर्नल ऑफ़ साइंटिफिक टेम्पर, वॉल् 10 (3)। आईएसएसएन 2278-2788, ई- आईएसएसएन 2278-2796। पीपी 197-208। डीओआई: 10.56042/ jst.v10i3.64308। (यूजीसी केयर)

चौधरी, एस और नेहा अरोड़ा (जुलाई 2022) "डीफायिंग स्टिग्मटाइज्ड एक्सिस्टेंस, कांटेस्टिंग रिप्रजेंटेशन इन प्रीती मोंगास द अदर सेंस" , वीमेनस लिंक: एन इंटरनेशनल बाई-एनुअल पीर रिव्युड जामिया जर्नल, वॉल् 29, नंबर 2. आईएसएसएन 2229-6409। पीपी 77-83। (पीर रिव्युड)

अरोड़ा, एन (सितंबर 2022) बुक रिव्यु, भूषन शर्मा द आउटसाइडर विथिन: ए दलित फेमिनिस्ट स्टैंडपॉइंट इन द लाइफ नरेटीव्स ऑफ़ दलित वीमेन. अर्चिव ओरिएंटलनी 90, 2022: डीओआई: 10.47979/aror.j.90.2.403-405. आईएसएसएन 2787 9461 (ऑनलाइन)। पीपी 403-405 (स्कोपस)

महावर, सी और नेहा अरोड़ा (दिसंबर 2022) "अंडरस्टैंडिंग द ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ़ कास्ट इन ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी अर्बन इंडिया" , एमजेडयू जर्नल ऑफ लिटरेचर एंड कल्चरल स्टडीज, वॉल् IX, इशू II. आईएसएसएन 2348-1188। पीपी 78-88। (पीर रिव्युड)

देवेंद्र रांकावत

चौधरी, एम एंड रांकावत, डी (2022) "नोर्मलाईशन ऑफ़ सर्विलांस कल्चर थ्रू कंटेम्परारी फिल्म एंड वेब सीरीज: ए स्टडी ऑफ़ मर्दानी एंड द फैमिली मैन 2 राजस्थान एसोसिएशन फॉर स्टडीज इन इंग्लिश, वॉल् 18, आईएसएसएन: 0975-3419. पीपी 97-104. (पीर रिव्युड)

रांकावत, डी.(2023) "कम्युनिटी हिस्ट्री इन डायस्पोरिक फिक्शन: अंडरस्टैंडिंग रोहिंटन मिस्त्री एज ए कम्युनिटी हिस्टोरियन" , आईआईएस जर्नल ऑफ आर्ट्स, वॉल् 11 (4) आईएसएसएन 2319-5339। पीपी 189-200। (यूजीसी केयर)

वेद प्रकाश

प्रकाश, वी. (नवंबर 2022) "डिजिटल अर्चिविंग ऑफ़ रेजिस्टेंस थ्रू दलित कैमरा" . द आईएसीएलएएलएस जर्नल, वॉल् 6 2020। आईएसएसएन 2395-1206. पीपी 168-178. (पीर रिव्युड)

प्रकाश, वी. (दिसंबर 2022) "क्लाइमेट क्राइसिस एंड द प्रेडीकमेंट ऑफ़ बीइंग: ए स्टडी ऑफ़ सेलेक्ट वर्क्स बाई अमिताव घोष" . एमजेडयू जर्नल ऑफ लिटरेचर एंड कल्चरल स्टडीज, वॉल् IX (II). आईएसएसएन 2348-1188. पीपी 187-200. (पीर रिव्युड)

सविता अन्देलवार

अन्डेलवर, एस. (जनवरी-मार्च 2023) बुक रिव्यु, रक्तिमा मुखोपाध्याय, इतिश्री पटनायक और कुंतला लाहिड़ी-दत्त, बिकमिंग ए फार्मर वीमेन इन रूरल वेस्ट बंगाल, इंडिया हैदराबाद: ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2023, झारखंड जर्नल ऑफ डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंट स्टडीज, वॉल् 21 (1), पीपी 9707-9709.

पर्यावरण विज्ञान विभाग

राजेश कुमार

सिंह, पी., कुमार, आर., रचना, के., सिंह, एन.बी., सिंह, आर.सी., और सिंह, पी.के. (2023). डीएफटी कैलकुलेशन्स फॉर एडसोर्पशन ऑफ़ मेथिलीन ब्लू डाई ओन नीम (आज़ादीरचता इंडिका) लीव्स. इन मैक्रोमॉलिक्यूलर सिम्पोसिया (वॉल् 407, नं 1, पी 2200070) https://doi.org/10.1002/masy.202200070.

सिंह, पी., कुमार, आर., कुमारी, आर., सिंह, एन.बी., सिंह, आर.सी., और सिंह, पी.के. (2023). मेथिलीन ब्लू डाई रिमूवल फ्रॉम वाटर बाय नीम लीफ (अजादिराच्ता इंडिका) एड्सोर्बेंट. इन मैक्रोमोलेक्यूलर सिम्पोसिया (वॉल् 407, नं 1, पी 2200069. https://doi.org/10.1002/masy.202200069.

कुमार, आर., पिप्पल, पी.एस., कुमार, आर., कुमार, पी., सिंह, ए., शर्मा, पी. (2023), द ग्लोबल सिनेरियो ऑफ़ हाइड्रोजियोकेमिकल रिसर्च ओन ग्लेशियर मेल्टवाटर: ए बिब्लियोमेट्रिक और विज़ुअलाइज़ेशन एनालिसिस. एन्विरों साई पोलट रेस 30, 74612–74627. https://doi.org/10.1007/s11356-023-27642-6. इफ = 5.8

कुमार, आर., कुमारी, ए., कुमार, आर., सुलेमान, एम.ए., जफर, एम.एम., सिंह, ए., पिप्पल, पी.एस. (2023), अस्सेस्सिंग द जिओकेमिकल प्रोसस्सेस कंट्रोलिंग ग्राउंडवाटर क्वालिटी एंड देयर पॉसिबल इफ़ेक्ट ओन ह्यूमन हेल्थ इन पटना, बिहार. एन्विरों साईं पोलट रेस https://doi.org/10.1007/s11356-023-26203-1. इफ = 5.8

कुमार, आर., कुमार, आर., भारद्वाज, ए., सिंह, ए., सिंह, एस., कुमारी, ए., और सिन्हा, आर.के.(2023), मुल्टीवेरीएट स्टैटिस्टिकल एनालिसिस एंड जिओस्पाटल एप्रोच फॉर इवैल्यूएटिंग हाइड्रो- जिओकेमिकल करेक्टराइटिक्स ऑफ़ मेल्टवाटर फ्रॉम शॉने गारंग ग्लेशियर, हिमाचल प्रदेश, इंडिया, एक्टा जिओफीस. 71, 323–339. https://doi.org/10.1007/s11600-022-00844-1. इफ= 2.3

कुमार, आर., कुमार, आर., सिंह, ए., आरिफ, एम., कुमार, पी., और कुमारी, ए.(2022),चेमोमैट्रिक एप्रोच टू इवेल्युएट द केमिकल बिहेवीयर ऑफ़ रेनवाटर एट हाई एल्टीट्युड इन शौने गारंग कैचमेंट, वेस्टर्न हिमालया Sci Rep 12, 12774. https://doi.org/10.1038/s41598-022-15422-0. इफ = 4.6

प्रमोद कांबले

राजेंद्र एस. पाटिल, विनोद एस. नंदरे, सागर एन. म्हात्रे, नारायण बी. म्हात्रे, अभिषेक पी. सुतार, किशोर के. जाधव, ज्ञानेश्वर एम. महाजन, चंद्रकला पी. हासे और प्रमोद एन. कांबले एक्सट्रैक्शन ऑफ़ नाइट्रेट फ्रॉम ग्रेपवाइन पेटीओल एंड इट्स डेटर्मिनेशन बाय युसिंग यूवी-स्पेक्ट्रोमेट्रिक स्क्रीनिंग मेथड: ए कम्पेरेटिव स्टडी, जे अनल केम 78, 330–336 (2023). https://doi.org/10.1134/S1061934823030115.

कालेकर, पी., कांबले, पी., चक्रवर्ती, एस. एट अल. 2022. हैवी मेटल कंटैमिनेशन इन सरफेस सेडीमेंट्स ऑफ़ द अपर भीमा बेसिन, महाराष्ट्र, इंडिया. एन्विरोंमेंटल सस्टेनेबिलिटी 5, 507-531 (2022). https://doi.org/10.1007/s42398-022-00252-7

शैलेश कुमार पाटीदार

परवीन एस., पाटीदार एस.के., (2022), सस्टेनेबल एनर्जी एंड फ्यूल्स, 6, 3907-3925। डीओआई: 10.1039/D2SE00574C, इम्पैक्ट फैक्टर = 6.813

रितु सिंह

सिद्दीकी एजे, कुमारी एन, अदनान एम, कुमार एस, अब्देलगादिर ए, सक्सेना जे, बदराउई आर, स्नूसी एम, खरे पी, सिंह आर* (2023) इम्प्रेग्नेशन ऑफ़ मॉडिफाइड मैग्नेटिक नेनोपार्टीकल्स ओन लो-कास्ट एग्रो-वास्ट डेरिवेड बायोचार फॉर एनहांस्ड रिमूवल ऑफ़ पीएचएसीएस: परफोर्मेंस इवैल्यूएशन एंड ओप्टीमाइगजेशन युसिंग आरएसएम-सीसीडी एप्रोच. वाटर. इम्पैक्ट फैक्टर = 3.53.

जैन बी, जैन आर, जायसवाल पीकेजे, जुघैबी टी, शर्मा टी, कबीर ए, सिंह आर, शर्मा एस (2023) ए नॉन-इंस्ट्रुमेंटल ग्रीन एनालिटिकल मेथड बेस्ड ओन सर्फेक्टेंट अस्सिस्टेड डिस्पर्सिव लिक्विड-लिक्विड माइक्रोएक्सट्रैक्शन-थिन लेयर क्रोमैटोग्राफी-स्मार्टफोन बेस्ड डिजिटल इमेज कलरमेट्री (एसए-डीएलएलएमई-टीएलसी-एसडीआईसी) फॉर डेटरमाइनिंग फविपिराविर इन बायोलॉजिकल सैंपल्स. मोलेकुल्सअणु, 28, 529. इम्पैक्ट फैक्टर = 4.927

कुमारी एन, बेहरा एम, सिंह आर* (2022) फ़सीले सिंथेसिस ऑफ़ बायोपॉलीमर डेकोरेटेड मैग्नेटिक कोर शेल्स फॉर एनहांस्ड रिमूवल ऑफ़ ज़ेनोबायोटिक एज़ो डाइज थ्रू एक्सपेरिमेंटल मॉडलिंग, फ़ूड केम, टॉक्सिकोल, 113518. इम्पैक्ट फैक्टर = 5.572

शर्मा ए, कुमार एस, सिंह आर* (2022) सिंथेसिस एंड कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ ए नावेल स्लो-रिलीज़ धीमी नैनोरिया/चिटोसन नैनोकम्पोजिट्स एंड इट्स इफ़ेक्ट ओन विग्ना रेडिएटा एल. एन्विरोंमेंटल साइंस: नैनो, 9, 4177-4189. इम्पैक्ट फैक्टर = 9.40।

निवेदिता चौधरी

सिंह, पी., चौधरी, के.के., चौधरी, एन., गुप्ता, एस., साहू, एम., तेजस्विनी, बी., और सरकार, एस. (2022). साल्ट स्ट्रेस रेसिलिएंस इन प्लांट्स मीडियाटेड थ्रू ओस्मोलाइट अक्कुमुलेशन एंड इट्स क्रॉसटॉक मैकेनिज्म विथ फाइटोहार्मोन. फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, 13, 1006617. https://doi.org/10.3389/fpls.2022.1006617

गरिमा कौशिक

डी. मोहम्मद अशरफ, ए. मोहम्मद, के. कुमारी, के. संदीप, के. गरिमा (2023), एड्सोर्प्टीव रिमूवल ऑफ़ क्रिस्टल वायलेट डाई बाय अजादिराच्ता इंडिका (नीम) सॉडस्ट: ए लो-कास्ट बायो-सोर्बेंट, एक्टा इकोलॉजिका सिनिका आईएसएसएन 1872-2032.

डी. मोहम्मद अशरफ, एच. बुरहान, के. गरिमा (2023), टेम्पोरल ट्रेंड्स इन द यूज़ एंड कंसंट्रेशन ऑफ़ ऑर्गनोफॉस्फोरस पेस्टीसाईडेस इन इंडियन रिवरइन वाटर, टोक्सिसिट, एंड देयर रिस्क असेसमेंट. रीजनल स्टडीज इन मरीन साइंस, 102814. (I.F.2.166)।

डी. मोहम्मद अशरफ, के. गरिमा, (2022), फाइटोटॉक्सिक इफ़ेक्ट एंड पेर्सिसटेन्स ऑफ़ मैलाथियान ओन फेनुग्रीक (ट्रिगोनेला फोएनम-ग्रेकम), एंड असेसमेंट ऑफ़ हेल्थ रिस्क्स. एक्टा इकोलॉजिका सिनिका, आईएसएसएन 1872-2032.

डी. मोहम्मद अशरफ, सी. जेकी, एम. प्रेम राज, एस. अरविंद प्रताप, के. गरिमा , (2022), बायोडीग्रेडेशन ऑफ़ मैलाथियान बाय माइक्रोकोकस एसपी, स्ट्रेन एमएजीके3: कायनेटीक्स एंड डीग्रेडेशन फ्रैगमेन्ट्स. अरचिवस ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजी, 204 (8): 482 (आई.एफ. 2.552).

हिंदी विभाग

एन. लक्ष्मी अय्यर

अय्यर, एन. एल. (2022-2023), आंध्र की मीरा वैगमाबा के काव्य में चित्रित श्री कृष्ण भक्ति, मीरायन, 35-38, 2455- 6033

अय्यर, एन. एल. (2022), 'राष्ट्र प्रेमी, मानव प्रेम के उद्घोषक भारत के सुपुत्र पंडित दीनदयाल उपाध्याय', श्रीलंकन हिंदी समाचार, 2659-2355

शीतल प्रसाद महेंद्रा

महेंद्र, एसपी (2022), 'पूर्वी राजस्थान के नाथ संत श्री दुर्बलनाथ का चिंतन', नागफनी, 12 (42), 148-150, 2321-1504

महेंद्र, एसपी (2023), 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय संस्कार' शोध दिशा, 61 (1), 225-231, 0975- 735एक्स।

ममता खांडल

खांडल, एम., (2023), आदिवासी अस्मिता का संकट और कालचिती, सम्मेलन पत्रिका, 108, (1), 44-57, 2278-1773।

सुरेश सिंह राठौर

राठौर, एस.एस. (2022), गांधीवाद और राजस्थान का कथा साहित्य, मधुमती, 62 (9), 111-119, 2321-5569

राठौर, एस.एस. (2022), बिज्जी की कहानियों में लोक विश्वास एवं मान्यतायें, अक्षरा, 3, VI (B), 112-116, 2582-5429

राठौर, एस.एस. (2022), राजस्थान की हिंदी महिला कहानी लेखन: सामयिक परिदृश्य, शोध दिशा, 60 (4) 63-68, 0975-735एक्स

राठौड़, एसएस (2022), समकालीन महिला कहानी लेखन: विविध परिदृश्य, वैचारिकी, 38 (5-6), 53-59, 0975-6531

राठौर, एस.एस. (2023), डिजिटल क्रांति और बाल मन, शोध दिशा, 61 (1), 225-231, 0975- 735एक्स।

डॉ. संदीप रणभिरकर

रणभिरकर एस.वी., (2022), भूमंडलीकरण के दौर में हिंदी विज्ञापन: दशा एवं दिशा, राजभाषा भारती, 44 (162), 54-59, 0970-9389।

रणभिरकर एस.वी., (2022), हिंदी एवं मराठी काव्य में चित्रित राष्ट्रीय चेतना का तुलनात्मक अध्ययन: दिनकर एवं कुसुमाग्रज के विशेष संदर्भ में, राष्ट्र सेवक, 72 (4), 66-72, 2321- 4945.

भाषाविज्ञान विभाग

धनंजय कुमार तिवारी

धनंजय कुमार तिवारी (2022)। न्यायपालिक में सरल /सादा भाषा आंदोलन : एक परिचयात्मक विश्लेषण {अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषाशिक्षण तथा साहित्य चिंतन की पत्रिका (ISSN: 0435-1460, अंक 129,UGCCARE)

धनंजय कुमार तिवारी (2023)। लिंगविस्टिक फीचर्स ऑफ़ लीगल इंग्लिश: एन इवैल्यूएशन (जर्नल ऑफ कोलकाता सोसाइटी फॉर एशियन स्टडीज, एन इंटरनेशनल बाईलिंगुअल जर्नल ऑफ सोशल साइंस, यूजीसी केयर) आईएसएसएन 2454-5694.

प्रबंधन विभाग

उमा शंकर मिश्रा

मोहंती बी, दास एसएम, मिश्रा यू.एस., शेख जेड.एच, कुमार ए (2022); इफ़ेक्ट ऑफ़ पेशेंट्स' एटीट्युड ओन देयर सेटीशफेक्शन एंड स्विचिंग इंटेंशन इन जेनेरिक मेडिसिन इंडस्ट्री: एन एम्पिरिकल एनालिसिस इन इंडिया; एशिया पेसिफ़िक जर्नल ऑफ़ हेल्थ मैनेजमेंट ; वॉल – 17 इशू -2, पीपी: 1-7, डीओआई: 10.24083 /apjhm.v17i2.1821

पटनायक एस, मिश्रा यू.एस., मिश्रा बी.बी (2023); प्रेसीवेड ओर्गनाइजेशनल सपोर्ट एंड परफॉरमेंस: मॉडरेटेड मीडियाशन मॉडल ऑफ़ साइकोलॉजिकल कैपिटल एंड ओर्गनाइजेशनल जस्टिस – एविडेंस फ्रॉम इंडिया; मैनेजमेंट एंड ओर्गनाइजेशन रिव्यु; पीपी: 1-28, डीओआई: 10.1017 / mor.2022.27, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.776.

प्रहराज एस, मिश्रा बी बी, मिश्रा यू एस, पाणिग्रही आर आर, मिश्रा पीसी (2023); रोल ऑफ़ सर्विस ऑटोमेशन ओन गेस्ट एक्सपीरियंस ऑफ़ होटल इंडस्ट्री; टूरिज्म एंड हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट, वॉल -29, इशू - 2, पीपी: 265-278, डीओआई: https://doi.org/10.20867/thm.29.2.11, इम्पैक्ट फैक्टर = 0.374.

गोयल ए, मिश्रा यूएस (2023); इम्पैक्ट ऑफ़ इंटरप्रेन्योरियल ओरिएंटेशन ओन एमएसएमई परफॉरमेंस: मीडियाटिंग रोल ऑफ़ इंटरप्रेन्योरियल कॉम्पीटेंसी; इंटरप्रेन्योरशिप रिसर्च जर्नल ; पीपी: 1-27, डीओआई: https://doi.org/10.1515/erj-2022-0315, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.61.

साहू पी. के., महापात्र आर. एन. मिश्रा यू. एस. (2023); रिलेशनशिप एनालिसिस बिटवीन सस्टेनेबल सप्लाई चैन मैनेजमेंट प्रेक्टिसेस एंड आर्गेनाइजेशन्स फाइनेंसियल परफॉरमेंस: एन एम्पिरिकल स्टडी ओन इंडियन स्टील सेक्टर; जर्नल ऑफ़ डाटा एक्वीजीशन एंड प्रोसेसिंग; वॉल -38, इशू - 3, पीपी: 1659-1666, डीओअई: 10.5281 / zenodo.98549366.

मोहंती बी, दास एसएम, मिश्रा यूएस (2023); एन एम्पिरिकल स्टडी इन इंडिया एग्जामाइन्ड हाउ पेशेंट्स एटीट्युडस अफेक्टेड देयर सेटिस्फेक्शन एंड देयर लाइकलीहुड ऑफ़ स्विचइंग टू ए डिफरेंट जेनेरिक मेडिसिन प्रोवाइडर; यूरोपियन इकनोमिक लेटर्स; वॉल -13, इशू -3, पीपी: 803-809.

रामालु भुक्या

भुक्या, आर (2023)। "सोशल इन्फ्लुएंस रिसर्च इन कंज्यूमर बिहेवियर: व्हाट वी लर्नड एंड वी नीड टू लर्न" ? जर्नल ऑफ़ बिज़नस रिसर्च. वॉल्यूम 162, जुलाई 2023, 113870. इंडेक्स्ड इन Q1, ABDC-A रेंक, ABS-3, वोस एंड स्कोपस डाताबेसेस (एन एल्सवियर पब्लिकेशन) https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2023.113870। इम्पैक्ट फैक्टर : 11.3.

भूक्या, आर (2023). "मैपिंग सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग रिसर्च विथ द युएन' एस सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल" . हेलियोन. वॉल्यूम 9, इशू ८, अगस्त 2023, e18510. (क्यू 1, स्कोपस और एससीआई इंडेक्स) एन एल्सेवियर पब्लिकेशन. https://doi.org/10.1016/j.heliyon.2023.e18510। इम्पैक्ट फैक्टर : 4.0

गणित विभाग

डी. सी. शर्मा

महाला एन., चौधरी ए., शर्मा डी.सी., कास्ट ऑप्टिमाइजेशन ऑफ़ द कुयूएंग सिस्टम विथ डीगार्डिंग सर्विस रेट, बेर्नौली वेकेशन, एंड ए रेगुलर वेकेशन आफ्टर फिक्स्ड सर्विसेज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एप्लाइड एंड कम्प्यूटेशनल मैथमेटिक्स, 8, 124, https://doi.org/10.1007/s40819-022-01319-z

महाला एन., चौधरी ए., शर्मा डी.सी., स्टडी ऑफ़ टू हेटेरोओगेनस सर्वर्स विथ सर्विस इंटर्प्शन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैथमेटिक्स इन ऑपरेशनल रिसर्च, 26 (2), 231-249.

आनंद कुमार

जाखड़, ए., कुमार, ए., और गुप्ता, वी.के. (2023) स्टडी ऑफ़ वीक्ली नॉनलीनियर डबल-डीफ्फुसिव मैग्नेटो कोन्वेकशन अंडर कंसंट्रेशन मोडलेशन. हीट ट्रान्सफर. डीओआई: https://doi.org/10.1002/htj.22939

जाखड़, ए. और कुमार, ए. (2023). इन्स्टाबिलिटी एनालिसिस ऑफ़ डबल- डीफ्फुसिव कान्वेक्सन अंडर टाइम फ्लुइड्स, 35, 77101। डीओआई: https://doi.org/10.1063/5.0155264

राम किशोर

गहलोत, पी., किशोर आर., (2023), आर्टिफीसियल एक्कुइलिब्रिउम पॉइंट्स एंड देयर लाइनर स्टेबिलिटी एनालिसिस इन द सोलर सैल प्रॉब्लम विथ ट्रिक्षिअल सेकंड प्राइमरी. एडवांसेज इन स्पेस रिसर्च, 71 (8), 3262-3280. डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.asr.2022.12.012, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.6

यूसुफ एस, किशोर आर, (2022), 2 डी और 3 डी एक्सी-सिमेट्रिक होर्सेशोए पीरियाडिक ओर्बिट्स अबाउट लैग्रेंजियन पॉइंट्स: ए ग्लोबल ग्रिड सर्च एप्रोच. इकारस, 387, 115207। डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.icarus.2022.115207, इम्पैक्ट फैक्टर = 3.2

मीना पी., किशोर आर., (2022), फ़्लोक्युएट स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ़ एक्वुइलिब्रियम पॉइंट्स एंड न्यूमेरिकल एक्सप्लोरेशन ऑफ़ पल्सेटिंग जीरो-वेलोसिटी कर्व्स एंड न्यूटोन-रेफ्सोन बेसिंस ऑफ़ अट्रैक्शन. एडवांसेज इन स्पेस रिसर्च, 70 (8), 2334-2356। डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.asr.2022.07.019, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.6

यूसुफ एस, किशोर आर, (2022), फैमिलीज़ ऑफ़ पीरियाडिक ओर्बिट्स अबाउट लेग्रंनियन पॉइंट्स L_1, L_2 और L_3 विथ कॉन्टिन्युएशन मेथड. प्लेनेटरी एंड स्पेस साइंस, 217, 105491। डीओआई: https://doi.org/10.1016/j.pss.2022.105491, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.4

जय प्रकाश त्रिपाठी

बुगालिया एस, त्रिपाठी, जे.पी., (2023), अस्सेस्सिंग पोटेंशियल इनसाइट्स ऑफ़ एन इम्पर्फेक्ट टेस्टिंग स्ट्रेटेजी: पैरामीटर एस्टीमेशन एंड प्रैक्टिकल आइडेंटिफिबिलिटी युसिंग अर्ली कोविड-19 डाटा इन इंडिया, कम्युनिकेशन इन नॉनलीनीयर साइंस एंड न्यूमेरिकल सिमुलेशन, 123, 107280, डीओआई:: 10.1016/j.cnsns.2023.107280, इम्पैक्ट फैक्टर = 4.186

बुगालिया एस, त्रिपाठी, जे.पी., अब्बास एस., वांग एच., (2023), जनरल थ्योरी फॉर सिग्निफिकेंस ऑफ़ कल्लिंग इन टू-वे डिजीज ट्रांसमिशन बिटवीन ह्यूमन्स एंड एनिमल्स, जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल सिस्टम्स, 1-42, डीओआई:: 10.1016/j.cnsns.2023.107280, इम्पैक्ट फैक्टर = 1.6

बुगालिया एस, त्रिपाठी, जे.पी., वांग एच., (2023), एस्टिमेटिंग द टाइम-डिपेंडेंट इफ्फेक्टिव रिप्रोडक्शन नंबर एंड वैक्सीनेशन रेट फॉर कोविड-19 इन द युएसए एंड इंडिया, मैथमेटिकल बायोसाइंसेज एंड इंजीनियरिंग, 20, 3, 4673-4689 डीओआई:: 10.3934/mbe.2023216, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.6

बाजिया वी.पी., बुगालिया एस., त्रिपाठी जे.पी., मार्टचेवा एम. (2023), डेसिफेरिंग द ट्रांसमिशन डायनामिक्स ऑफ़ कोविदड-19 इन इंडिया: ऑप्टीमल कंट्रोल एंड कॉस्ट इफ्फेक्टिव एनालिसिस, जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल डायनामिक्स, , 16, 1, 665-712 डीओआई:: 10.1080/17513758.2022.2116493, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.8

बाजिया वी.पी., त्रिपाठी जे.पी., कक्कड़ वी.(2023), मॉडलिंग द इम्पेक्ट्स ऑफ़ अवेयरनेस एंड लिमिटेड मेडिकल रिसोर्सेज ओन द एपिडेमिक साइज़ ऑफ़ ए मुल्टी-ग्रुप एपिडेमिक मॉडल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोमैथेमेटिक्स, 16, 1, 665-712 डीओआई:: 10.1080/17513758.2022.2116493, इम्पैक्ट फैक्टर = 2.8

विजय कुमार यादव

यादव एस., तिवारी एस.पी., कुमारी एम., यादव वी.के., जर्नलाईज्ड रफ़ एंड फजी रफ़ ऑटोमेटा फॉर सिमेंटिक कंप्यूटिंग, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मशीन लर्निंग एंड साइबरनेटिक्स, वॉल 13, पृष्ठ 4013-4032 (2022) (इम्पैक्ट फैक्टर 5.6)।

वर्मा एस., यादव एस., यादव वी.के., तिवारी एस.पी., ओन मिनिमल रियलाईजेशन ऑफ़ आईएलएफ-लैंग्वेजेज: ए केटेगोरिकल अप्प्रोच, न्यू मैथमेटिक्स एंड नेचुरल कम्प्यूटेशन, वॉल 19 इशू 1, पीपी.153-172। (2023).

कुमारी एम., यादव एस., यादव वी.के., तिवारी एस.पी., ओन अल्जेब्रिक एंड टोपोलोगिकल आस्पेक्ट्स ऑफ़ आईएलएफ-ऑटोमेटा, न्यू मैथमेटिक्स एंड नेचुरल कम्प्यूटेशन, वॉल 19 इशू 1, पीपी. 131-152 (2023)।

कमलेश जांगिड़

भट्टर, एस., जांगिड़ के., कुमावत एस., पुरोहित एस.डी., बालेनु डी., सुथार, डी.एल. (2023) ए जर्नलाईज्ड स्टडी ऑफ़ द डिस्ट्रीब्यूशन ऑफ़ बफर ओवर कैल्शियम ओन ए फ्रैक्शन डायमेंशन. एप्लाइड मैथमेटिक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग .31(1), 1-22. डीओआई: 10.1080/27690911.2023.2217323. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.44।

भट्टर, एस., जांगिड़ के., कुमावत एस., बालेनु डी., सुथार डी.एल., पुरोहित एस.डी. (2023) एनालिसिस ऑफ़ द फॅमिली ऑफ़ इंटीग्रल एक्वाशन इन्वोल्विंग इनकम्पलीट टाइप्स ऑफ़ I और I-फ़ंक्शंस. एप्लाइड मैथमेटिक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग. 31(01), 1-18. डीओआई: 10.1080/27690911.2023.2165280. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.44.

कुमावत एस., भट्टर एस., जांगिड़ के., अबीदेमी ए., ओवोलाबी के.एम., पुरोहित एस.डी. (2023) ए न्यू फ्रेक्शनल मैथमेटिकल मॉडल टू स्टडी द इम्पैक्ट ऑफ़ वेक्शीनेशन ओन कोविड-19 आउटब्रेक्स. डिसिशन एनालिटिक्स जर्नल. 6, 1-12. डीओआई: 10.1016/j.dajour.2022.100156.

भट्टर एस., कुमावत एस., जांगिड़ के., पुरोहित एस.डी., बास्कोनस एच.एम. (2023) फ्रेक्शनल डिफरेंशियल इक्विशन रिलेटेड टू एन इंटीग्रल ऑपरेटर इन्वोल्विंग द इनकम्पलीट I- फंक्शन एस ए कर्नेल. मैथमेटिकल मेथोड्स इन द एप्लाइड साइंसेज. 1–15. डीओआई: 10.1002 / mma.9360। इम्पैक्ट फैक्टर = 3.007

कुमावत एस., भट्टर एस., सुथार डी.एल., पुरोहित एस.डी., जांगिड़ के.(2022) न्यूमेरिकल मॉडलिंग ओन ऐज-बेस्ड स्टडी ऑफ़ कोरोना वायरस ट्रांसमिशन. एप्लाइड मैथमेटिक्स इन साइंस एंड इंजीनियरिंग. 30(1), 609-63. दीओआई: 10.1080/27690911.2022.2116435. इम्पैक्ट फैक्टर = 1.44।

कुमावत एस., भट्टर एस., जांगिड़ के., पुरोहित एसडी (2022) फ्रेक्शनलाईज्ड मैथमेटिकल मॉडल्स फॉर ड्रग डीफ्फुशन. चाओस, सोलिटॉन एंड फ्रैक्टल. 165, 112810. डीओआई: 10.1016/ j.chaos.2022.112810. इम्पैक्ट फैक्टर = 9.922

कुमावत एस., भट्टर एस., जांगिड़ के., पुरोहित एसडी (2022) ए स्टडी ऑफ़ हेपेटाइटिस बी-वायरस इन्फेक्शन युसिंग हिल्फेर फ्रेक्शनल डेरीवेटिव. प्रोसेडिंग्स ऑफ़ द इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैथमेटिक्स एंड मैकेनिक्स, नेशनल अकादमी ऑफ़ साइंसेज ऑफ़ अज़रबैजान. 48(2022), 100-117. डीओआई: 10.30546/2409-4994.48.2022.100117

संजय कुमार

एस. कुमार और पी. छापरवाल (2023), एस्टीमेशन ऑफ़ पापुलेशन मीन इन द प्रेसेंस ऑफ़ नॉनरेस्पोंस फॉर टाइम-बेस्ड सर्वेस. थाईलैंड स्टेटिसटीशियन (एक्सेप्टेड)

एस. कुमार और पी. छापरवाल (2023), यूटिलाइजेशन ऑफ़ प्रायोरी इनफार्मेशन इन द एस्टीमेशन ऑफ़ पापुलेशन मीन फॉर टाइम-बेस्ड सर्वेस. एनल्स ऑफ़ डाटा साइंस, https://doi.org/10.1007/s40745-023-00472-6। (फर्स्ट ऑनलाइन अवेलेबल)

विपुल कक्कड़

लाल, रतन; कक्कड़, विपुल (2022) गायरोग्रुप एसोसिएटेड विथ ग्रुप्स, कॉम. अलजेब्रा 50, न. 2, 524-537.

बाजिया, विजय पाल; त्रिपाठी, जय प्रकाश; कक्कड़, विपुल; कांग, युन (2022), मॉडलिंग द इम्पेक्ट्स ऑफ़ अवेयरनेस एंड लिमिटेड मेडिकल रिसोर्सेज ओन द एपिडेमिक साइज़ ऑफ़ ए मल्टी-ग्रुप एसआईआर एपिडेमिक मॉडल, इंट.जे. बायोमैथ. 15 (2022), नंबर 7, पेपर नंबर 2250045, 49 पीपी.

लाल रतन, कक्कड़ विपुल (2022), ऑटोमोर्फिज्म ऑफ़ ज़प्पा-स्ज़ेप प्रोडक्ट्स, एडीवी. ग्रुप थ्योरी एपीपीएल. 14 (2022), 95-135.

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

प्रदीप वर्मा

अग्रवाल, के., रूहिल, टी., गुप्ता, वी.के. और वर्मा, पी. (2023). "माइक्रोबायल असिस्टेड मल्तिफेसटेड अमेलिओरशन प्रोसरसेस ऑफ़ हैवी-मेटल रेमेडीशन: ए क्लीन पर्सपेक्टिव टुवर्ड्स सस्टेनेबल एंड ग्रीनर फ्यूचर. क्रिटिकल रिव्युज इन बायोटेक्नोलॉजी, पीपी.1-19. (इफ: 9.0). https://doi.org/10.1080/07388551.2023.2170862

गोस्वामी, आर.के., अग्रवाल, के., मेहरिया, एस., राजगोपाल, आर., कार्तिकेयन, ओ.पी एंड वर्मा, पी. (2023) डेवलपमेंट ऑफ़ इकोनोमिकल एंड सस्टेनेबल कल्टीवेशन सिस्टम फॉर बायोमास प्रोडक्शन एंड सिमुलटेनियस ट्रीटमेंट ऑफ़ मुंसीपल वेस्टवाटर युसिंग टेट्रासेल्मिस इंडिका BDUG001 एन्विरोंमेंटल टेक्नोलॉजी, पीपी.1-45. (इफ: 3.47)। https://doi.org/10.1080/09593330.2023.2166429

गोस्वामी, आर.के., अग्रवाल, के., उपाध्याय, एच.एम., गुप्ता, वी.के. एंड पी*., 2022. माइक्रोअल्गे कन्वर्शन टू अल्टरनेटिव एनर्जी, ऑपरेटिंग एनवायरनमेंट एंड इकनोमिक फूटप्रिंट: एन इन्फ्लूएंशल एप्रोच टुवर्ड्स एनर्जी कन्वर्शन, एंड मैनेजमेंट. एनर्जी कन्वर्शन एंड मैनेजमेंट, 269, पी.116118. (इफ: 10.4)। https://doi.org/10.1016/j.enconman.2022.116118

इंशाद अली खान

साधना शर्मा, सुशील चौधरी, सुखलीन कौर, एम वेंकट रेड्डी, निरंजन थोटा, अमरिंदर सिंह, सुरिंदर कौल, इंशाद अली खान, जबीर अहमद, अजय कुमार, (2023). पिपेरिन एनालॉग पीजीपी -41 ट्रीटमेंट ओवरकम्स पैक्लिटैक्सेल रेजिस्टेंस एनसीआई / एडीआर-आरईएस ओवेरियन सेल्स बाय इन्हीबिशन ऑफ़ एमडीआर 1 केमिको-बायोलॉजिकल इंटरैक्शन 381: आर्टिकल न. 110569 (डीओआई: 10.1016/ j.cbi.2023.110569) (इफ-5.19)

विक्रांत सिंह राजपूत*, आशीष रुंथला और इंशाद अली खान* (2023) शिकमेट काइनेज इनहिबिटर: एन अपडेट ओन प्रोइसिंग स्ट्रेटेजी अगेंस्ट माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस. 24: 368-405 (https://doi.org/10.2174/1389450124666230208102645) (इम्पैक्ट फैक्टर = 3.2)

अखिल अग्रवाल

एस रेलेगडला, एस जैन, जी प्रजापत, अखिल अग्रवाल (2023) माइक्रोबियल कम्युनिटीज सक्सेशन पोस्ट टू पॉलीमर फ्लड डीमोंसट्रेट देयर रोल इन एनहांस्ड आयल रिकवरी, एप्लाइड माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, एएमबी-डी-22-02050.

डी कुमारी, जी प्रजापत, एस गोयल, ए अग्रवाल (2023) मॉडिफिकेशन ऑफ़ डेजर्ट सैंड टू साइल युसिंग पोलीमर्स फॉर इट्स एग्रीकल्चरल पोटेंशियल, जर्नल ऑफ़ एरिड एन्विरोंमेंट्स 209, 104899

जी प्रजापत, एस जैन, बी लाल, एम लवानिया, ए अग्रवाल (2023) कंट्रोल ऑफ़ रेसेर्विओर सौरिंग बाय इन्कम्प्लिट नाइट्रेट रिडक्शन इन इंडियन आयल फ़ील्ड्स. बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 21, 101302

डी शर्मा, ए पारीक, एच आर्य, आर सोनी, पी राय, ए अग्रवाल, एस निमेश, टी भट्ट (2023) सिंथेसिस एंड इनहिबिशन स्टडीज टुवर्ड्स द डिस्कवरी ऑफ़ बेंजोडायजेपाइन एस पोटेंशियल एंटीमलेरियल कंपाउंड्स. एक्सपेरिमेंटल पैरासाइटोलॉजी 243, 108411

दीक्षा त्रिपाठी

खवरी एम, रक्षित आर, बहल ए, जुनेजा पी, कांत एस, पांडे एस, त्रिपाठी डी, (2023) एम.टीबी-आरवी 2462 सी ऑफ़ माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस शोज चैपरोन-लाइक एक्टिविटी एंड प्लेस ए रोल इन स्ट्रेस एडाप्टेशन एंड इम्यूनोमॉड्यूलेशन, बायोलॉजी;,; 12: 69. डीओआई: 10.3390 / बायोलॉजी 12010069, आईएफ = 5.168; (आईएसएसएन: 2079-7737)

खवरी एम, पांडे एस, शर्मा ओ, रौनक, शर्मा एम, मलिक आर, त्रिपाठी डी (2023), आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ नावेल इन्हिबिटर्स फॉर ट्रिगर फेक्टर (टीएफ) ऑफ़ एम.टीबी: एन इन सिलिको इन्वेस्टीगेशन, जर्नल ऑफ़ बायोमॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनामिक्स डीओआई: 10.1080/07391102.2023.2218937; आईएफ = 5.235; (आईएसएसएन: 1538-0254)

भारद्वाज पी, रानी एम, त्रिपाठी डी, बनर्जी ए, सेनगुप्ता एस, पांडे एस, कुमार ए, (2023) एस्केप पथोगेंस: मेनक ऑफ़ एंटीमाइक्रोबायल रेजिस्टेंस एंड इट्स मिटिगेशन, बायोटेक्नोलॉजी एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग रिव्युज.

पांडे एस, कांत एस, खवरी एम, त्रिपाठी डी (2022); मैक्रोफगेस इन माइक्रोबायल पथोगेंसीस: कॉम्मनलिटिस ऑफ़ डिफेंस एवासन मैकेनिज्म, इन्फेक्शन एंड इम्युनिटी, , डीओआई: 10.1128/ IAI.00291-21 (ISSN 0019-9567

फार्मेसी विभाग

विपिन कुमार

पॉल आर.के., अहमद आई., पटेल एच., कुमार वी., रज़ा के., (2022), एम्बरबोआ रामोसा के फाइटोकेमिकल्स टाइप-2 मधुमेह मेलिटस के प्रबंधन के लिए संभावित डीपीपी-IV अवरोधकों के रूप में: इन-सिलिको जांच से निष्कर्ष, जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर, 1271,134045.https://doi.org/10.1016/j.molstruc.2022.134045, प्रभाव कारक: 3.8।

भटनागर ए., नाथ वी., कुमार एन., कुमार वी., सिलिको अध्ययन में अग्रानुक्रम का उपयोग करके उपन्यास PARP-1 अवरोधकों की खोज: एकीकृत डॉकिंग, ई-फार्माकोफोर, गहन शिक्षण आधारित डे नोवो और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन दृष्टिकोण, 2023, जर्नल जैव आणविक संरचना और गतिशीलता, 1-14। https://doi.org/10.1080/07391102.2023.2214223, प्रभाव कारक: 5.235।

अमित कुमार गोयल

महोर अजय, सावंत, डी. एम., गोयल, ए.के. एम्फोटेरिसिन बी की बेहतर बायोफार्मास्युटिकल गतिविधि के लिए रासायनिक और भौतिक दृष्टिकोण: वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय। 2022; 22(19):1571-1592(22). doi: https://doi.org/10.2174/1568026622666220610141243। (प्रभाव कारक: 3.57)

महोर अजय, सावंत, डी. एम., गोयल, ए.के. एम्फोटेरिसिन बी पर निर्दिष्ट साइटों पर विभिन्न आर समूह पुस्तकालयों के साथ कस्टम आर समूह गणना। वर्तमान कंप्यूटर - एडेड ड्रग डिजाइन। 2023; 19(5): 382-390. doi: https://doi.org/10.2174/1573409919666230123144712। (प्रभाव कारक: 1.639)

साहू आर.के., गुप्ता टी., बथेजा एस., गोयल ए.के., और गुप्ता यू. सरफेस इंजीनियर्ड डेंड्रिमर्स: ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक संभावित नैनोकैरियर। वर्तमान औषधि चयापचय. 2022; 23(9): 708-722. doi: http://dx.doi.org /10.2174/13892002236662206161 25524 (प्रभाव कारक: 2.3)

साहू आर.के., सिंह एच., ठाकुर के., गुप्ता यू., और गोयल ए.के. हृदय रोगों के क्षेत्र में नैनोमटेरियल्स के थेरानोस्टिक अनुप्रयोग। वर्तमान फार्मास्युटिकल डिज़ाइन। 2022; 28(2):91-103 डीओआई: https://doi.org/ 10.2174/ 1381612827666210701154305 (प्रभाव कारक: 3.1)

बसाक टी, गोयल एके। फंगल संक्रमण के प्रभावी उपचार के लिए वर्तमान अग्रणी और विपणन सूत्रीकरण। संक्रमित विकार औषधि लक्ष्य। 2023 जुलाई 26। डीओआई: 10.2174/1871526523666230726114855। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 37493165. (प्रभाव कारक: 2.5)

रामचंदानी एम, गोयल एके। सोरायसिस के प्रबंधन के लिए दोहरे अवरोधक के रूप में संभावित मेथोट्रेक्सेट एनालॉग्स की पहचान करने के लिए संरचना आधारित दवा डिजाइन और टुकड़ा आधारित दृष्टिकोण। जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन। 2023

मई 22:1-14. डीओआई: 10.1080/07391102.2023.2214823। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 37216397 (प्रभाव कारक: 4.4)

गोयल, ए.के.; रामचंदानी, एम.; बसाक, टी. सूजन संबंधी बीमारियों में थेरानोस्टिक्स के रूप में नैनोफॉर्म्यूलेशन के उपयोग में हालिया प्रगति, चुनौतियां और भविष्य की संभावनाएं। जे. नैनोथेरानोस्टिक्स 2023, 4, 106-126। https://doi.org/10.3390/jnt401000 (प्रभाव कारक: 3.8)

कॉनकू आर, गोयल एके, गुप्ता यू. कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन में हालिया प्रगति। कर्र टॉप मेड केम। 2023;23(1):30. डीओआई: 10.2174/1568026623012301131606551 पीएमआईडी: 36891921. (प्रभाव कारक: 3.4)

जुन्यू मा, चेन मा, शियाओयू हुआंग, पेड्रो हेनरिक हर्मीस डी अराउजो, अमित कुमल गोयल, गुओलिन लू, चुन फेंग, जलीय मीडिया में लंबाई नियंत्रणीयता और उच्च कोलाइडयन स्थिरता के साथ एकसमान फाइबर जैसे मिसेल की तैयारी और सेलुलर अवशोषण व्यवहार, मौलिक अनुसंधान, खंड 3, अंक 1,2023, पृष्ठ 93-101, आईएसएसएन 2667-3258, doi:10.1016/j.fmre.2022.01.020। (प्रभाव कारक: 6.2)

मिश्रा एन., आशिक एस., गर्ग ए., राय वी.के., दुआ के., गोयल ए., भट्ट एस., न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के उपचार के लिए siRNA-आधारित नैनोकैरियर की भूमिका, ड्रग डिस्कवरी टुडे, खंड 27, अंक 5 , 2022, पृष्ठ 1431-1440 (प्रभाव कारक: 7.4)

डी. माधुरी

माधुरी डी., बी पी कुमार., डीआरएस रेड्डी., एसके बाबी परवीन., सीएच सृजनी (2023)। टॉलवैपटन की स्व-पायसीकरण औषधि वितरण प्रणाली का डिजाइन और विकास। एशियन जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिक्स (एजेपी), 17(2),322-328.https://doi.org/10.22377/ajp.v17i2.4874.

देवेश एम सावंत

सतीश ई., गुप्ता ए. के., दीक्षा., मिश्रा एस. 2022; जर्नल ऑफ़ ऑर्गेनिक केमिस्ट्री. 2022; 87(21):14168-14176। डीओआई: https://doi.org/10.1021/acs.joc.2c01708। (प्रभाव कारक: 4.335)।

महोर अजय, सावंत, डी. एम., गोयल, ए.के. एम्फोटेरिसिन बी की बेहतर बायोफार्मास्युटिकल गतिविधि के लिए रासायनिक और भौतिक दृष्टिकोण: वर्तमान और भविष्य की संभावनाएं। औषधीय रसायन विज्ञान में वर्तमान विषय। 2022; 22(19):1571-1592(22). doi: https://doi.org/10.2174/1568026622666220610141243। (प्रभाव कारक: 3.57)

बिहारी ए., यादव ए., जांगिड़ के., सिंह वाई., कुलकर्णी एस., सावंत डी.एम., कुमार पी., थरेजा., जैन ए.के. फ्लेवोनोइड आशाजनक एंटीकैंसर एजेंटों के रूप में: एडीएमईटी की सिलिको जांच में, आणविक डॉकिंग द्वारा बाध्यकारी संबंध और आणविक गतिशीलता सिमुलेशन। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स. 2022; 1-12. डीओआई: https://doi.org/10.1080/07391102.2022.2126397। (प्रभाव कारक: 4.4)

महोर अजय, सावंत, डी. एम., गोयल, ए.के. एम्फोटेरिसिन बी पर निर्दिष्ट साइटों पर विभिन्न आर समूह पुस्तकालयों के साथ कस्टम आर समूह गणना। वर्तमान कंप्यूटर - एडेड ड्रग डिजाइन। 2023; 19(5): 382-390. doi: https://doi.org/10.2174/1573409919666230123144712। (प्रभाव कारक: 1.639)

रुचि मलिक

खवारी एम., पांडे एस., शर्मा ओ., रौनक आर., शर्मा एम., मलिक आर., त्रिपाठी डी., एम. टीबी के ट्रिगर फैक्टर (टीएफ) के लिए नए अवरोधकों की पहचान: सिलिको जांच में। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स. 2023

श्रीवास्तव ए.के., श्रीवास्तव एस., कुमार वी., घोष एस., यादव एस., मलिक आर., रॉय पी., आर प्रसाद आर., एनएफ-केबी अवरोधकों की संरचनात्मक और गठनात्मक गतिशीलता की पहचान और यंत्रवत अन्वेषण: तर्कसंगत अंतर्दृष्टि सिलिको और इन विट्रो अध्ययन में। जर्नल ऑफ़ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स. 2023

गहलोत पी., कुमार एस., व्यास वी.के., चौधरी बी.एस., शर्मा एम., मलिक आर., गुआनिडाइन-आधारित β अमाइलॉइड प्रीकर्सर प्रोटीन क्लीवेज एंजाइम 1 (बीएसीई-1) अल्जाइमर रोग (एडी) के लिए अवरोधक: एक समीक्षा बायोऑर्गेनिक और औषधीय रसायन शास्त्र। 2022

सुकन्या एस., चौधरी बी.एस., मेहता पी., फ़िलिपेक एस., मलिक आर., संरचना-आधारित वर्चुअल स्क्रीनिंग के माध्यम से ग्लाइकोजन सिंथेज़ किनेज़-3β (जीएसके-3β) अवरोधकों के रूप में सीएनएस संगत छोटे अणुओं की पहचान। औषधीय रसायन अनुसंधान 2022

कैसर रज़ा

चौरावल एन, रज़ा के. कैंसर कोशिकाओं को डोसेटेक्सेल की दवा वितरण के लिए नैनो-हस्तक्षेप। स्वास्थ्य विज्ञान समीक्षा. 2023 मई 18:100101.

चौरावल एन, कटारिया एम, कुमार एमवी, मिश्रा एनपी, गोनी वीजी, रज़ा के. दर्द संबंधी विकारों के प्रभावी उपचार में नैनोकैरियर दृष्टिकोण में उभरती प्रगति: हालिया साक्ष्य और भविष्य की आवश्यकताएं। एएपीएस फार्मासाइंसटेक। 2023 अप्रैल 28;24(5):111। (प्रभाव कारक-3.3)

कौर आर, देसाई डी, अमीन एस, रज़ा के, भल्ला ए, यादव पी, कौशल एन. सेलेनोकॉक्सिब-3, एक नवीन सूजनरोधी चिकित्सीय प्रभावी ढंग से कोलाइटिस का समाधान करता है। आणविक और सेलुलर जैव रसायन। 2023 मार्च;478(3):621-36. (प्रभाव कारक-4.3)

थरमैट ए, साहेल डीके, रज़ा के, पांडे एमएम, मित्तल ए, चितकारा डी. सोरायसिस के इलाज के लिए एंटी-वीईजीएफ नैनोमेडिसिन की सामयिक डिलीवरी। जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलिवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी। 2023 मई 1;83:104365। (प्रभाव कारक-5.0)

पॉल आरके, अहमद I, पटेल एच, कुमार वी, रज़ा के. एम्बरबोआ रामोसा के फाइटोकेमिकल्स, टाइप-II डायबिटीज मेलिटस के प्रबंधन के लिए संभावित डीपीपी-IV अवरोधक के रूप में: इन-सिलिको जांच से निष्कर्ष। जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर. 2023 जनवरी 5;1271:134045। (प्रभाव कारक-3.8)

चौधरी एम, चौरावल एन, बरकत एमए, रज़ा के. प्रोलिपोसोम-आधारित नैनोस्ट्रैटेजी: ड्रग डिलीवरी सिस्टम के रूप में चुनौतियां और विकास। एएपीएस फार्मासाइंसटेक। 2022 नवंबर 3;23(8):293। (प्रभाव कारक-3.3)

कौर जे, रज़ा के, प्रीत एस. ऑर्गेनोगेल ने निसिन और 5-फ्लूरोरासिल की सह-डिलीवरी की मध्यस्थता की: त्वचा कैंसर के खिलाफ एक सहक्रियात्मक दृष्टिकोण। माइक्रोएन्कैप्सुलेशन जर्नल. 2022 अक्टूबर 3;39(7-8):609-25। (प्रभाव कारक-3.9)

बेहरा एम, कुमारी एन, रज़ा के, सिंह आर। जलीय मैट्रिक्स से क्रिस्टल वायलेट और फिनोल लाल डाई को प्रभावी ढंग से हटाने के लिए ग्लूटाथियोन कार्यात्मक स्व-इकट्ठे मैग्नेटाइट नैनोचेन का निर्माण। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान। 2022 अक्टूबर;29(48):72260-78. (प्रभाव कारक-5.8)

चौरावल एन, मिश्रा सी, अबुल बरकत एच, जाटयान आर, चितकारा डी, बरकत एमए, शर्मा टी, सिंह बी, रजा के. स्तन कैंसर के लिए ओरल सोराफेनीब-लोडेड माइक्रोइमल्शन: इन-विट्रो मूल्यांकन और फार्माकोकाइनेटिक अध्ययन से साक्ष्य। वैज्ञानिक रिपोर्ट. 2022 अगस्त 12;12(1):13746। (प्रभाव कारक-4.9)

अलशहरानी एसएम, थोटाकुरा एन, शर्मा एस, क्वाडिर एसएस, चौरावल एन, शर्मा एस, चितकारा डी, रज़ा के. डोसेटेक्सेल के दवा वितरण पहलुओं पर नैनोकैरियर प्रकार का प्रभाव: अनुभवजन्य साक्ष्य। फार्मास्युटिकल इनोवेशन जर्नल. 2022 अगस्त 11:1-2. (प्रभाव कारक-2.6)

लालरेंगपुई जे, रज़ा के, मिश्रा ए, शुक्ला आर। रेटिनोइड नैनोपार्टिकुलेट्स: मुँहासे उपचार के लिए पहुंच योग्य प्रवेश द्वार। स्वास्थ्य विज्ञान समीक्षा. 2022 जुलाई 16:100042।

उमेश गुप्ता

रानी एस., साहू आर.के., महाले ए., पांचाल के., चौरसिया ए., कुलकर्णी ओ., कुचे के., जैन एस., नखाते के.टी., अजाजुद्दीन, और गुप्ता यू. सियालिक एसिड इंजीनियर्ड प्रोड्रग नैनोपार्टिकल्स की सह-डिलीवरी के लिए ट्यूमर वाले चूहों में बोर्टेज़ोमिब और सेलेनियम। बायोकंजुगेट रसायन विज्ञान। 2023 (स्वीकृत) (प्रभाव कारक: 4.7)

साहू आर.के., कुमार एच., जैन वी., सिन्हा एस., अजाजुद्दीन और गुप्ता यू. एंजियोपेप-2 टेमोज़ोलोमाइड की लक्षित डिलीवरी के लिए ग्राफ्टेड PAMAM डेंड्रिमर्स: ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रबंधन में पेगीलेशन के इन-विट्रो और इन-विवो प्रभाव। एसीएस बायोमटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग। 2023, 9: 4288-4301, डीओआई: https://doi.org/ 10.1021/acsbiomaterials.3c00263 (प्रभाव कारक: 5.8)

कुमार वी. और गुप्ता यू. मस्तिष्क लक्ष्यीकरण के लिए आशाजनक उपकरण के रूप में दर्जी नैनोकार्गो: बेहतर चिकित्सीय परिणामों के साथ संशोधित दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ़ ड्रग डिलिवरी साइंस एंड टेक्नोलॉजी। 2023; 104466: 01-29. doi: https://doi.org/ 10.1016/j.jddst.2023.104466 (प्रभाव कारक: 5.0)

गुप्ता टी., साहू आर.के., सिंह एच., कटके एस., चौरसिया ए., और गुप्ता यू. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म (जीबीएम) के उपचार में लिपिड आधारित नैनोकैरियर: चुनौतियां और अवसर। एएपीएस फार्मासाइंसटेक। 2023, 24(102): 01-23 डीओआई: https://doi.org/10। 1208/एस12249-023-02555-2 (प्रभाव कारक: 3.3)

मजाहिर एफ., साहू आर.के., गुप्ता यू, और यादव ए.के. चोंड्रोइटिन सल्फेट एंकरेड बायोडिग्रेडेबल नैनोकण: डिजाइन, संश्लेषण, और इन-विट्रो एंटी-ट्यूबरकुलर प्रभावकारिता। सामग्री आज संचार। 2023; 34(105364): 01-11. doi: https:// doi.org/10.1016/j.mtcomm.2023.105364 (प्रभाव कारक: 3.8)

रानी एस., साहू आर.के., कुमार वी., चौरसिया ए., कुलकर्णी ओ., महाले ए., कटके एस., कुचे के., यादव वी., जैन एस., नखाते के.टी., अजाजुद्दीन, और गुप्ता यू. एचपीएमए- प्रोटीसोम इनहिबिटर और पॉलीफेनॉल की सह-डिलीवरी में पीसीएल पॉलीमेरिक मिसेलस: सिनर्जिज्म या एंटागोनिज्म की खोज। आण्विक फार्मास्यूटिक्स. 2023; 20(1): 524-544। doi: https://doi.org/ 10.1021/acs.molpharmaceut.2c00752 (प्रभाव कारक: 4.9)

जेसवानी जी., छबलानी एल., गुप्ता यू., साहू आर.के., नखाते के.टी., तकसांद ए.जी., और अजाजुद्दीन। पोलोक्सामेर और ज़ैंथन गम से बने थर्मोरेस्पॉन्सिव हाइड्रोजेल के लोको-क्षेत्रीय प्रशासन के बाद पैक्लिटैक्सेल की हेमोकोम्पैटिबिलिटी और इंट्राटूमोरल संचय की खोज: खुराक-सघन कीमोथेरेपी के लिए एक अनुप्रयोग। जैविक मैक्रोमोलेक्युलस का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल. 2023; 226: 746-759. doi: https:// doi.org/10.1016/j.ijbiomac.2022। 11.285 (प्रभाव कारक: 8.2)

साहू आर.के., गुप्ता टी., बथेजा एस., गोयल ए.के., और गुप्ता यू. सरफेस इंजीनियर्ड डेंड्रिमर्स: ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रभावी प्रबंधन के लिए एक संभावित नैनोकैरियर। वर्तमान औषधि चयापचय. 2022; 23(9): 708-722. doi: http://dx.doi.org /10.2174/1389200223666220616125524 (प्रभाव कारक: 2.3)

रानी एस., शर्मा ए.के., कासु आर., और गुप्ता यू. पॉलीमेरिक नैनोपार्टिकल्स: तपेदिक से निपटने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण। चिकित्सीय औषधि वाहक प्रणालियों में महत्वपूर्ण समीक्षा™। 2022; 39(5):83-115. doi: 10.1615/ CritRevTherDrugCarrierSyst.202203 9981 (प्रभाव कारक: 2.7)

प्रभाकरन ए, अग्रवाल एम., देथे एम.आर., अहमद एच., यादव ए.के., गुप्ता यू., और अलेक्जेंडर ए. अल्जाइमर रोग के इलाज के लिए नाक से मस्तिष्क तक दवा वितरण: वर्तमान प्रगति और चुनौतियाँ। दवा वितरण पर विशेषज्ञ की राय। 2022; 19(1):87-102. doi: https://doi.org/10.1080/17425247.2022.2029845 (प्रभाव कारक: 6.6)

राणा आर., रानी एस., कुमार वी., नखाते के.टी., अजाजुद्दीन, और गुप्ता यू. सियालिक एसिड संयुग्मित चिटोसन नैनोकण: ट्यूमर कोशिकाओं और चिकित्सीय अवसरों को लक्षित करने के लिए मॉड्यूलेशन AAPS PharmSciTech। 2022; 23(10):01-16. doi: https://doi.org/10.1208/ s12249-021-02170-z (प्रभाव कारक: 3.3)

साहू आर.के., सिंह एच., ठाकुर के., गुप्ता यू., और गोयल ए.के. हृदय रोगों के क्षेत्र में नैनोमटेरियल्स के थेरानोस्टिक अनुप्रयोग। वर्तमान फार्मास्युटिकल डिज़ाइन। 2022; 28(2):91-103 डीओआई: https://doi.org/ 10.2174/1381612827666210701154305 (प्रभाव कारक: 3.1)

भौतिकी विभाग

मनीष देव श्रीमाली

रामेसन, जी., शाजन, ई. और श्रीमाली, एम.डी., (2022) पर्यावरणीय युग्मन द्वारा प्रेरित विस्फोटक तुल्यकालन। भौतिकी पत्र ए, 441, पृष्ठ 128147 https://doi.org/10.1016/j.physleta.2022.128147। प्रभाव कारक = 2.6

रॉय, एम., मंडल, एस., हेन्स, सी., प्रसाद, ए., कुज़नेत्सोव, एन.वी. और देव श्रीमाली, एम., (2022) इको स्टेट नेटवर्क का उपयोग करके बहुस्थिरता की मॉडल-मुक्त भविष्यवाणी। कैओस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ नॉनलीनियर साइंस, 32(10) https://doi.org/10.1063/5.0119963। प्रभाव कारक = 2.9

असीर, एम.पी., थमिलमारन, के., प्रसाद, ए., फ्यूडेल, यू., कुज़नेत्सोव, एन.वी. और श्रीमाली, एम.डी., (2023) एक गैर-स्वायत्त मॉडल में छिपी हुई अजीब गैर-अराजक गतिशीलता। कैओस, सॉलिटन्स और फ्रैक्टल्स, 168, पृष्ठ 113101।

https://doi.org/10.1016/j.chaos.2023.113101। प्रभाव कारक = 7.8

शाजन, ई., घोष, डी., कुर्थ्स, जे. और श्रीमाली, एम.डी., (2023) मोबाइल ऑसिलेटर्स में दिशा-निर्भर शोर-प्रेरित सिंक्रनाइज़ेशन। कैओस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ नॉनलीनियर साइंस, 33(5) https://doi.org/10.1063/5.0146983। प्रभाव कारक = 2.9

कुमारसामी, एस., बनर्जी, एम., वार्ष्णेय, वी., श्रीमाली, एम.डी., कुज़नेत्सोव, एन.वी. और प्रसाद, ए., (2023) छिपे हुए आकर्षितकर्ताओं के लिए आवधिक कक्षा मार्ग का सैडल-नोड द्विभाजन। भौतिक समीक्षा ई, 107(5), पी.एल052201.https://doi.org/10.1103/PhysRevE.107.L052201। प्रभाव कारक = 2.4

मंडल, एस. और श्रीमाली, एम.डी., (2023) इको-स्टेट नेटवर्क का उपयोग करके यूनिडायरेक्शनल कपलिंग सीखना। फिजिकल रिव्यू ई, 107(6), पी.064205https://doi.org/10.1103/PhysRevE.107.064205। प्रभाव कारक = 2.4

चौहान, एस., मंडल, एस., यादव, वी., जयसवाल, पी.के., प्रिया, एम. और श्रीमाली, एम.डी., (2023) चरण क्रम गतिशीलता की मशीन लर्निंग आधारित भविष्यवाणी। कैओस: एन इंटरडिसिप्लिनरी जर्नल ऑफ नॉनलीनियर साइंस, 33(6) https://doi.org/10.1063/5.0156611। प्रभाव कारक = 2.9

अजित के. पात्रा

प्रदीप., बिटला वाई., पात्रा ए.के., ललिता., पंत आर.पी., बशीद जी.ए. (2022), β-Mn प्रकार Co7Zn7Mn6 चिरल चुंबक के व्यापक टी-एच क्षेत्र में स्थिर मेटास्टेबल स्किर्मियन चरण, जर्नल ऑफ फिजिक्स- कंडेंस्ड मैटर, 34, 365801। डीओआई: https://doi.org/10.1088/1361-648X/ac7b5c, प्रभाव कारक = 2.745

प्रदीप., बिटला वाई., ललिता., पात्रा ए.के., बशीद जी.ए. (2023), β-Mn प्रकार Co7Zn7Mn6 स्किर्मियन होस्ट का इन-फील्ड क्रिटिकल व्यवहार, फिजिका बी: कंडेंस्ड मैटर 654, 414669, डीओआई: https://doi। org/10.1016/j.physb.2023.414669, प्रभाव कारक = 2.988

प्रदीप., ललिता; बिटला वाई., साहा एस., पात्रा ए.के., बशीद जी.ए. (2023), चिरल-उतार-चढ़ाव मध्यस्थ हेलिकल से पैरामैग्नेटिक चरण संक्रमण और β-Mn प्रकार Co8Zn8Mn4 चिरल चुंबक में स्केलिंग अध्ययन" जर्नल ऑफ फिजिक्स-कंडेंस्ड मैटर 35, 175801। डीओआई: https://doi.org/10.1088/1361-648X/acbd0b, प्रभाव कारक = 2.745

रजनीश कुमार वर्मा - नीरज पंवार

कंवर के., चेन बी.आर., कुओ वाई.के., और पनवार एन. smCr0.85Mn0.15O3 नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल, चुंबकीयकरण उत्क्रमण और द्विध्रुवी चुंबकीय स्विचिंग व्यवहार पर एक अध्ययन। सिरेमिक्स इंटरनेशनल 49 (2) (2023) 2506-2514। प्रभाव कारक: 5.532

कंवर के., प्रधान एस., सतपथी एस., बिटला वाई., और पंवर एन., RECr0.85Mn0.15O3 (आरई = हो, जीडी और पीआर) नैनोकणों पर संरचनात्मक, ऑप्टिकल और ढांकता हुआ जांच जर्नल ऑफ़ रेयर अर्थ्स (2023) प्रेस में (https://doi.org/10.1016/j.jre.2023.02.024)। प्रभाव कारक: 4.632

सुखमंदर सिंह

आशीष, गोपाल के, सिंह एस, गुप्ता डीएन। चुंबकीय प्लाज़्मा में टेराहर्ट्ज़ क्षेत्र पीढ़ी के लिए एक काउंटर प्रोपेगेटिंग इलेक्ट्रॉन बीम के साथ उच्च तीव्रता वाली लेजर पल्स इंटरैक्शन। ऑप्टिकल और क्वांटम इलेक्ट्रॉनिक्स। 2023 जुलाई;55(7):605, doi.10.1007/s11082-023-04889-4, प्रभाव कारक = 2.794

आशीष, सिंह एस. आयनीकरण के प्रभाव के तहत बंधे हुए क्वांटम प्लाज्मा में इलेक्ट्रोस्टैटिक तरंगों की फैलाव संबंधी विशेषताएं। जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी. 2022 सितंबर 2;43(2):59, https://doi.org/10.1007/s12036-022-09857-0, प्रभाव कारक = 1.5

भारती एसपी, सिंह एस. इलेक्ट्रॉन तापमान के प्रभाव के तहत हॉल थ्रस्टर बीम प्लाज्मा में बढ़ती तरंगों का अध्ययन। जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी. 2022 अगस्त 2;43(2):47, https://doi.org/10.1007/s12036-022-09834-7, प्रभाव कारक = 1.5

सिंह एस, मलिक एच.के. हॉल थ्रस्टर में प्लाज्मा प्लम के अनुकरण में प्रारंभिक आयन वेग, चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा घनत्व प्रोफाइल के प्रभाव। जर्नल ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स एंड एस्ट्रोनॉमी. 2023 जनवरी 16;44(1):3, https://doi.org/10.1007/s12036-022-09895-8, प्रभाव कारक = 1.5

भारती एसपी, सिंह एस. हॉल थ्रस्टर बीम प्लाज़्मा में इलेक्ट्रोस्टैटिक तरंग की स्थानिक अवमंदन। सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त भौतिकी जर्नल. 2022 दिसंबर 1;16(4):1-6, 10.30495/जेटीएपी.162237

बृजेश कुमार सिंह

पंत बी., मीना के.एच., सिंह के.बी. (2023), शुद्ध अनुदैर्ध्य सुपर-ऑसिलेटरी स्पॉट का निर्माण। प्रकाशिकी पत्र, 2023, 48, 1240-1243। प्रभाव कारक = 3.56

मीना के.एच., सिंह के.बी. (2023), मॉड्यूलेटेड हर्माइट-गॉसियन लेजर मोड का प्रायोगिक अहसास: अत्यधिक तीव्र लोब की अधिकतम संख्या। जर्नल ऑफ़ ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ़ अमेरिका ए (जोसा ए), 2023, 39, 2104-2109। प्रभाव कारक = 2.104

युगांधर बिटला

प्रदीप, युगांधर बिटला, अजीत कुमार पात्रा, ललिता, रोहित पाठक, अमृता भट्टाचार्य और जी ए बशीद (2022), β-Mn प्रकार Co7Zn7Mn6 चिरल चुंबक के व्यापक टी-एच क्षेत्र में मेटास्टेबल स्किर्मियन चरण-स्थिर, जे। भौतिक: संघनित। मामला। 34 365801. डीओआई: https://doi.org/10.1088/1361-648X/ac7b5c, प्रभाव कारक = 2.745

एफ अल-सईद, वी गणेश, एमएसए हुसैन, टीएच अलअब्दुलाल, एचवाई ज़हरान, आईएस याहिया, एमए वहाब, मोहम्मद शाकिर, युगांधर बिटला (2022), यूवी-और के तहत रंगों/मिश्रित रंगों के फोटोडिग्रेडेशन के लिए Y2O3/CuO नैनोकम्पोजिट का आसान संश्लेषण दृश्य प्रकाश विकिरण. जे मेटर. रेस. टेक. 19, 4867-80, https://doi.org/10.1016/j.jmrt.2022.06.163, प्रभाव कारक = 6.4

हरीश शर्मा अक्केरा, पेद्दावरापु शिवकुमार, युगांधर बिटला, वी. गणेश, नागैया कंभाला, सी.एस. नवीन, टी. रंजेथ कुमार रेड्डी, जी. श्रीनिवास रेड्डी (2022), स्पिन-कोटेड Bi:SnO2 पारदर्शी संचालन ऑक्साइड के संरचनात्मक, विद्युत और ऑप्टिकल गुण पतली फिल्में, फिजिका बी, 638, 413839, https://doi.org/10.1016/j.physb.2022.413839, प्रभाव कारक = 2.988

टी ज्ञानसेकर, एस वालानारासु, आर एडे, एवी जूलियट, वी गणेश, टीएच अलअब्दुलाल, युगांधर बिटला (2022), ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों के लिए CuO पतली फिल्मों के फोटो-डिवाइस गुणों में सुधार: (Ni, Co) सह-डोपिंग के प्रभाव , फिजिका स्क्रिप्टा, 97, 125802, https://doi.org/10.1088/1402-4896/ac9868, प्रभाव कारक = 2.9

एचएस अक्केरा, वाई कुमार, एमडी कुमार, जीएस रेड्डी, बीआर कुमार, यूएम पाशा, युगांधर बिटला, वी गणेश (2022), ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस अनुप्रयोगों के लिए दुर्लभ-पृथ्वी एसएम3+ डोप्ड एसएनओ2 पारदर्शी संचालन ऑक्साइड पतली फिल्मों के संरचनात्मक, विद्युत और ऑप्टिकल गुण : स्पिन कोटिंग विधि द्वारा संश्लेषित, ऑप्टिकल सामग्री, 133, 112993, https://doi.org/10.1016/j.optmat.2022.112993, प्रभाव कारक = 3.754

योंग-ज्युन वांग, जिया-वेई चेन, यू-होंग लाई, पाओ-वेन शाओ, युगांधर बिटला, यी-चुन चेन, यिंग-हाओ चू (2023), प्रॉक्सिमिटी सेंसर के लिए मस्कोवाइट पर फ्लेक्सिबल मैग्नेटोइलेक्ट्रिक कॉम्प्लेक्स ऑक्साइड हेटरोस्ट्रक्चर, एनपीजे फ्लेक्सिबल इलेक्ट्रॉनिक्स , 7, 10, https://doi.org/10.1038/s41528-023-00241-8, प्रभाव कारक = 12.019

प्रदीप, ललिता, युगांधर बिटला, सुजॉय साहा, अजीत कुमार पात्रा और गौंडा अब्दुल बशीद (2023), चिरल-उतार-चढ़ाव ने β-Mn प्रकार Co8Zn8Mn4 चिरल चुंबक में हेलिकल से पैरामैग्नेटिक चरण संक्रमण और स्केलिंग अध्ययन की मध्यस्थता की, जे। भौतिकी: संघनन। पदार्थ, 35, 175801, https://doi.org/10.1088/1361-648X/acbd0b, प्रभाव कारक = 2.745

प्रदीप, युगांधर बिटला, ललिता, अजीत कुमार पात्रा, जी.ए. बशीद (2023), β-Mn प्रकार Co7Zn7Mn6 स्किर्मियन-होस्ट का इन-फील्ड महत्वपूर्ण व्यवहार, फिजिका बी, 654, 414669, https://doi.org/10.1016/j.physb.2023.414669, प्रभाव कारक = 2.988

शौभिक मंडल, देबर्घ्य मल्लिक, युगांधर बिटला, आर गणेशन, पीएस अनिल कुमार (2023), इलेक्ट्रॉन-फोनन इंटरैक्शन के माध्यम से दोहरे टोपोलॉजिकल इंसुलेटर Bi1Te1 और एसबी-डोप्ड Bi1Te 1 सिंगल क्रिस्टल में बल्क-सतह युग्मन, जे. भौतिक: संघनना पदार्थ, 35, 285001, https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1361-648X/acb89c, प्रभाव कारक = 2.745

पीवी जितिन, युगांधर बिटला, मंजू मिश्रा पाटीदार, वी गणेशन, केजे शंकरन, जोजी कुरियन (2023), सोल-जेल व्युत्पन्न La1-xCaxMnO3 (0≤ x≤ 0.3) नैनोकणों के संरचनात्मक, चुंबकीय और विद्युत परिवहन गुण, मेटर। रसायन. भौतिक विज्ञान, 301, 127651, https://doi.org/10.1016/j.matchemphys.2023.127651, प्रभाव कारक = 4.778

वीके सिंह, जे लिंक, के कारगेती, एम बारिक, बी लेन्ज, एन सारस्वत, यू जेना, आई हेनमा, पी खुंटिया, के बोया, एसके पांडा, आर स्टर्न, वाई बिटला, टी चक्रवर्ती, बी कोटेश्वरराव (2023), चुंबकीय गुण S का = 1/2 विकृत J1-J2 मधुकोश जाली यौगिक NaCuIn(PO4)2, भौतिक। रेव बी, 107, 214430, https://journals.aps.org/prb/pdf/10.1103/PhysRevB.107.214430, प्रभाव कारक = 3.908

हनुमा कुमार दारा, आर. हरिकृष्णन, युगांधर। बिटला, पी.डी. बाबू, मार्कंडेयुलु जी(2023), एमएनएफईएसबी में विकार प्रेरित क्लस्टर स्पिन ग्लास जैसी स्थिति, जे. मैग्न। मैग्न. मेटर. 583, 170990, https://doi.org/10.1016/j.jmmm.2023.170990, प्रभाव कारक = 3.097

कुलदीप सुथर

वांग वाई.-सी., सुथार के., जेन एच.एच., सू वाई.-टी., यू जे.-एस. (2023), थर्मल और कई-शरीर स्थानीयकृत चरणों पर गैर-हर्मिटियन त्वचा प्रभाव, शारीरिक समीक्षा बी 107, 22, एल220205। doi:10.1103/PhysRevB.107.L220205, प्रभाव कारक=3.7

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

चेरुकु जीवन कुमार

काटेकर वी. और कुमार सी.जे. (2022)। टिकाऊ कृषि के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग, वर्तमान कृषि अनुसंधान जर्नल, खंड 10, संख्या 3, दिसंबर, पीपी 1-13। आईएसएसएन: 2347-4688।

नागेन्द्र अम्बेडकर सोले

अम्बेडकर एस.एन. (2022)। सुशासन और कोविड-19: राजस्थान सरकार द्वारा परिवर्तनकारी ई-लर्निंग उपाय। जूनी ख्यात. आईएसएसएन 2278-4632.

अम्बेडकर एस.एन. (2022)। भारत में भूजल संसाधनों की गतिशीलता: समस्याओं और संभावनाओं का एक अध्ययन। इंडियन वाटर वर्क्स एसोसिएशन का जर्नल. आईएसएसएन 0970-275एक्स।

एस कंदासामी

चावला एस. और एस.कंदासामी (2022) - लोकतांत्रिक देशों में सोशल मीडिया गोपनीयता के कानूनी मुद्दे-एक तुलनात्मक अध्ययन-जर्नल ऑफ फंडामेंटल एंड कम्पेरेटिव रिसर्च, 185-190, खंड VIII, अंक II संख्या 18, जुलाई-दिसंबर 2022, आईएसएसएन:2227-7067.

झालानी एन. और एस. कंदासामी (2022)-ई-कोर्ट-निचली अदालतों में न्यायिक तनाव में कमी-बिहार जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, 171-178, वॉल्यूम XIX, नंबर 2S, जुलाई-दिसंबर 2022।

नरेंद्र कुमार चंदेल, एस. कंदासामी (2020)-बच्चों के खिलाफ यौन अपराध और भारत में POCSO अधिनियम का प्रभाव, न्यूरोक्वांटोलॉजी, 10301-10310, doi:10.48047/n.q2022.20.8NQ221051 (स्कोपस)।

अमित पटेल, एस. कंदासामी (2022) - क्षमता निर्माण: मिशन कर्मयोगी का मूल्यांकन- न्यूरोक्वांटोलॉजी, 10293-10301, doi:10.480.47/n.q2022.20.8NQ221050 (स्कोपस)

ज्ञानरंजन पांडा

गोस्वामी पी. और पांडा, जी.आर., (2023) जम्मू और कश्मीर में सतत विकास लक्ष्यों के लिए शहरी एजेंडा का पुनर्स्थापन, जे. माउंटेन रेस। वॉल्यूम. 18(1), (2023), 41-54, पी-आईएसएसएन: 0974-3030, डीओआई: https://doi.org/10.51220/jmr.v18i1.6 (वेब ऑफ साइंस)।

गोस्वामी पी. और पांडा जी.आर., (2022), जम्मू और कश्मीर में गवर्नेंस नेटवर्क और सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर: दो राजधानी शहरों में शहरी पेयजल सेवाओं का अध्ययन, जर्नल ऑफ पॉलिटी एंड सोसाइटी (2022) 14(2), पीपी149 - 17 (यूजीसी-केयर लिस्टेड)।

पांडा जी.आर. और जाधव जे. (2022) भारत में शिक्षा संस्थानों में लड़कियों के नामांकन को बढ़ाने के लिए लिंग उत्तरदायी गतिशीलता योजना की आवश्यकता, इंडियन जर्नल ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस 3 (1), 36-49 (पीयर रिव्यूड)

सामाजिक कार्य विभाग

जगदीश जाधव

गज़टा पी., और जाधव जे.(2022) क्या शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का प्रतीक है इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, वॉल्यूम LVIII_नंबर 30 जुलाई 29 2023, 21-24, आईएसएसएन प्रिंट: आईएसएसएन 0012-9976 https://www.epw .in/journal/2023/30/commentary/क्या शैक्षणिक संस्थानों तक पहुंच का मतलब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना है? | आर्थिक एवं राजनीतिक साप्ताहिक (epw.in)

राजपूत पी. और जाधव जे. (2022) 'वी सस्टेन्ड कलेक्टिव': बकरवाल देहाती खानाबदोशों के बीच स्वदेशी समूह कार्य प्रथाएं, समूहों के साथ सामाजिक कार्य, ए जर्नल ऑफ कम्युनिटी एंड क्लिनिकल प्रैक्टिसेज, वॉल्यूम। 45 अंक 02 65-78, आईएसएसएन 1540-9481 प्रिंट (ऑनलाइन) जर्नल होमपेज: http://www.tandfonline.com/ loi/wswg20 DOI: https://doi.org/10.1080/01609513.2022.2117909

गजटा पी., और जगदीश जाधव (2022) राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण 2021 भारत में शिक्षा नीति के लिए निहितार्थ, आर्थिक और राजनीतिक साप्ताहिक, वॉल्यूम LVII_No 32 अगस्त, 06 2022, 22-24, आईएसएसएन प्रिंट: आईएसएसएन 0012-9976 https://www .epw.in/journal/2022/32/commentary/national-achievement-survey-2021.html

राजपूत पी., जाधव जे. और राही जे. (2022) सतत मौसमी प्रवासन: कोविड-19 महामारी के बीच बकरवालों का संघर्ष जर्नल ऑफ कम्युनिटी पॉजिटिव प्रैक्टिसेस, XXII 2022, 65-78, आईएसएसएन प्रिंट: 1582-8244, इलेक्ट्रॉनिक: 2247 -6571, डीओआई: https://doi.org/10.35782/JCPP.2022.2.05

सुभासिस भद्रा

गौतम ए, भद्रा एस, (2023)। कूड़ा बीनने वाले और उनके छोटे बच्चे कोविड-19 के दौरान: पालन-पोषण और व्यवहार्य सामाजिक कार्य प्रतिक्रिया में मुद्दों की खोज, जर्नल ऑफ़ ह्यूमन राइट्स एंड सोशल वर्क, स्प्रिंगर नेचर (स्कोपस अनुक्रमित), (https://doi.org/10.1007/s41134- 023-00239-2)

कौसर आर, भद्रा एस. (2023)। बच्चों के भविष्य को ख़तरे में डालना: जम्मू और कश्मीर में निष्ठाहीन मेल-मिलाप, पीस रिव्यू (टेलर और फ्रांसिस- स्कोपस इंडेक्स्ड)। (https://doi.org/10.1080/10402659.2023.2165877)

मुखर्जी डी, चक्रवर्ती एस, भद्रा एस, हसन केके, जेना एलके, देबनाथ आर, (2022)। एक विकासशील राज्य में COVID 19 के प्रसार को रोकने में जिम्मेदार शासन। जर्नल ऑफ़ एजुकेशन कल्चर एंड सोसाइटी. खंड 13, संख्या-2, पीपी-119-136 (डीओआई: https://doi.org/10.15503/jecs2022.2.119.136)

भद्रा एस., कुमार एस., (2023)। कॉलेजों में युवाओं के बीच व्यक्ति के सामाजिक-समर्थक व्यवहार और संबंधित चुनौतियों पर सोशल मीडिया का प्रभाव। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री. खंड 39, अंक 2 (अप्रैल-जून), पीपी 153-161 (यूजीसी-केयर लिस्टेड/स्कोपस इंडेक्स)। (आईएसएसएन: 0971-9962) (डीओआई: 10.4103/आईजेएसपी.आईजेएसपी_309_20)

शैज़ी अहमद

चौधरी एम. एवं अहमद. एस (2022)।भारत में प्राथमिक शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी का विकास: एक केस स्टडी। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अर्ली चाइल्डहुड स्पेशल एजुकेशन, खंड 14(5), आईएसएसएन:1308-5581, अगस्त,2022, पीपी.4583-4587। doi:10.9756/INTJECSE/VI415,551; (स्कोपस सूचीबद्ध)

अहमद. एस एवं सिंह. पी (2023)। बाल देखभाल संस्थानों में कला थेरेपी: परिवहन की दिशा में एक उपचारात्मक उपाय। अतिशय कलित. आईएसएसएन 2277-419एक्स, रोज़ (जनवरी-जून) वॉल्यूम। 10(17) पृ.212-219. (यूजीसी केयर)

अहमद. एस एवं शर्मा. ए (2023)। कोविड-19 महामारी और नए सामान्य के दौरान मलिन बस्तियों में मातृ स्वास्थ्य देखभाल की जटिलताएँ। मध्य भारती (मध्य भारती): आईएसएसएन 0974-0066, वॉल्यूम। 83, नंबर 03, जनवरी-जून, 2023। यूजीसी केयर स्वीकृत, ग्रुप I, पीयर रिव्यूड, द्विभाषी, द्विवार्षिक, बहु-विषयक संदर्भित जर्नल। प्रभाव कारक: 6.28. पीपी. (यूजीसी केयर)

अहमद. एस एवं सिंह. पी (2023)। राजस्थान में बच्चों के अनुकूल पुलिस प्रणाली: गांधीवादी परिप्रेक्ष्य से एक अंतर्दृष्टि। जूनी क्यात: आईएसएसएन 2278-4632, जनवरी-जून, खंड(2), 2023.पीपी 166-179(यूजीसी केयर)

अहमद. एस एवं सिंह. पी (2023)। अंग्रेजी बनाम हिंदी: क्या करियर विकास में भाषा मायने रखती है? आधुनिक साहित्य: आईएसएसएन 2278-4632, अप्रैल-जून, 2023। खंड 46, पीपी 53-59 (यूजीसी केयर)

अतीक अहमद

हरिकृष्णा, एन., और अहमद, ए. (2022)। ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के स्कूली छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं। जर्नल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी साइकिल रिसर्च, 15(8), पीपी: 698-716 आईएसएसएन नंबर: 0022-1945

डंडुब पालज़ोर नेगी

अब्दुल अज़ीज़ ईपी, दंडुब पलज़ोर नेगी, निष्ठा मिश्रा, ज्योति शर्मा, अथुल्ल्या एस नायर, मनोज मैथ्यू (2023)। "उनके बाद का जीवन बिल्कुल नरक था": राजस्थान, भारत में युवा ग्रामीण महिलाओं के विधवापन के अनुभव। मृत्यु अध्ययन। (टेलर और फ्रांसिस, रूटलेज।) खंड 47, अंक 10. पीपी। 1146-1157.

राजीव एम.एम.

राजीव एमएम (2022): जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव: राजस्थान, भारत के टोंक जिले के गांवों से सबक, जर्नल ऑफ क्लाइमेट चेंज, वॉल्यूम। 8, संख्या 4 (2022), पीपी 35-42.डीओआई 10.3233/जेसीसी220028।

राजीव एमएम, मोहम्मद आमिर (2022)। आपदा प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति: स्थानीय स्व-सरकारी संस्थानों से उच्च स्तरीय समन्वय के निहितार्थ, अतिशय कलित 98(16) आईएसएसएन 2277-419एक्स।

राजीव एम. एम., हरिकृष्णन यू, ग्रेस लल्हलुपुई सेलो, अजित कैमल सीनियर शांति बी. एस (2023)। आइजोल, मिजोरम में स्कूली बच्चों के लिए जीवन कौशल शिक्षा: एक प्री-पोस्ट डिजाइन, शिक्षा और समाज, आईएसएसएन: 2278-6864, (यूजीसी केयर जर्नल) खंड-47, अंक-1, संख्या-8, जनवरी-मार्च: 2023 .

हरिकृष्णन यू, राजीव एम.एम., ग्रेस लल्हलुपुई सेलो, चंद्र कांता गोगोई (2023) सामुदायिक लचीलापन और मिज़ो सोसायटी: एक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ, डोगो रंगसंग रिसर्च जर्नल आईएसएसएन: 2347-7180 खंड-13, अंक-3, संख्या 6 , मार्च 2023, पेज | 81

समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

जया कृतिका ओझा

ओझा, जे.के. और डैश, डी.एन. (2023)। पश्चिमी राजस्थान के थार रेगिस्तान में ग्रामीण महिला कारीगर, उद्यमशीलता चुनौतियाँ और डिजिटल प्रौद्योगिकी से मुकाबला। जूनी ख्यात, 12(1), 14-25. आईएसएसएन 2278-4632 (यूजीसी केयर)।

ओझा, जे.के. (2023)। थार रेगिस्तान की ग्रामीण महिला कारीगरों के लिए डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र। इंडियन जर्नल ऑफ रूरल एजुकेशन एंड एंगेजमेंट (आईजेआरईई), खंड 12, 2-10

कुमार संभव पारीक

राजोरिया, एन. और पारीक, के.एस., (2023), गवर्नेंस और ई-गवर्नेंस की संकल्पना और विशेषता, इंडियन जर्नल ऑफ डेमोक्रेटिक गवर्नेंस, वॉल्यूम। III, अंक II, अक्टूबर 2022- मार्च 2023, आईएसएसएन 2582-7731, पीपी.-7-17

अहमद, एस. और पारीक, के.एस., (2023), स्वामी विवेकानन्द: 21वीं सदी में भारतीय युवाओं के लिए एक प्रेरणा, द इंडियन जर्नल ऑफ पॉलिटिकल साइंस, वॉल्यूम। LXXXIV, नंबर 1, जनवरी-मार्च 2023, ISSN 0019-5510, पीपी.-27-32

जुगल किशोर

किशोर, जे., भारद्वाज, एस.के., और शर्मा, एस. (2023) "डिजिटल शॉपिंग निर्णयों पर ओमनीचैनल सूचना प्रसंस्करण के प्रभाव को मापने के लिए एक मूल्यांकन मॉडल" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट, वॉल्यूम-27, संख्या 02, पीपी -255-276, आईएसएसएन: 1753-8440

(स्कोपस इंडेक्स्ड, https://dx.doi.org/10.1504/IJPM.2021.10043988)

किशोर, जे. (2022) "उपभोक्ता संज्ञानात्मक प्रतिक्रिया में एक अभिनव विज्ञापन तकनीक के रूप में सिंक विज्ञापन का नेक्सस" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस इनोवेशन एंड रिसर्च, आईएसएसएन: 1751-0260, (स्कोपस इंडेक्स्ड, डीओआई: 10.1504/आईजेबीआईआर.2022.10052634, लेख मुद्रणालय में,)

खेल जीवविज्ञान विभाग

निधि पारीक

सिंह आर., परितोष के., पारीक एन., विवेकानंद वी. (2022)। चक्रीय जैव-अर्थव्यवस्था की दिशा में कृषि और खाद्य अपशिष्ट के मूल्यांकन के लिए अवायवीय पाचन और पायरोलिसिस की एकीकृत प्रणाली। बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी, 360, 127596. (आईएसएसएन: 0960-8524) (आईएफ-11.89)

सुहैल एम.ए., श्रीवास्तव एस., परितोष के., पारीक एन., कोवालेव ए.ए., कोवालेव डी.ए., लिट्टी वाई.वी., पंचेंको वी., बोल्शेव वी., विवेकानंद वी. (2022)। पर्यावरणीय स्थिरता के लिए हरित कंक्रीट प्रौद्योगिकी में अनाज की फसल के अवशेषों के अनुप्रयोगों में प्रगति: एक समीक्षा। कृषि, 12, 1266. (आईएसएसएन: 2077-0472) (आईएफ, 3.41)

राजपूत एम., कुमार एम., पारीक एन. (2022)। तटीय अवशिष्ट संसाधनों को पर्यावरण-सक्षम चिटो-बायोएक्टिव में अनुवाद के लिए बहुमुखी जैव उत्प्रेरक के रूप में माइको-चिटिनैस। फंगल जीव विज्ञान समीक्षा, 41, 52-69। (आईएसएसएन: 1749-4613) (आईएफ-6.73)

शेखावत एस.एस., कुलश्रेष्ठ एन.एम., सैनी पी., उपाध्याय ए., गुप्ता ए.बी., सुब्रमण्यम वी., कुमारी ए., पारीक एन., विवेकानंद वी. (2022)। एंटीबायोटिक प्रतिरोध जीन और जीवाणु विविधता: विभिन्न मूल से उपचारित सीवेज का तुलनात्मक आणविक अध्ययन और सिंचित मिट्टी पर उनका प्रभाव। केमोस्फियर, 307, 136175. (आईएसएसएन: 1749-4613) (आईएफ-6.73)

उपाध्याय ए., कोवालेव ए.ए., झुरावलेवा ई.ए., कोवालेव डी.ए., लिट्टी वाई.वी., मसाकापल्ली एस.के., पारीक एन., विवेकानंद वी. (2022)। भौतिक, रासायनिक, जैविक और संकर उन्नयन तकनीकों में हालिया विकास। स्थिरता, 15, 476. (आईएसएसएन: 2071-1050) (आईएफ - 3.89)

श्रीवास्तव आर.के., सारंगी पी.के., विवेकानन्द वी., पारीक एन., शेख के.बी., सुबुद्धि एस. (2022)। अपशिष्ट पोषक तत्वों को न्यूनतम करने के लिए माइक्रोबियल ईंधन सेल: हालिया प्रक्रिया प्रौद्योगिकियां और इलेक्ट्रोकेमिकल सक्रिय माइक्रोबियल प्रणाली के इनपुट। माइक्रोबायोलॉजिकल रिसर्च, 265, 127216. (आईएसएसएन: 0944-5013) (आईएफ-5.07)

सोनी टी., ज़ुआंग एम., कुमार एम., बालन वी., उबनवा बी., विवेकानंद वी., पारीक एन. (2023)। ग्लूकोसामाइन की बहुआयामी उत्पादन रणनीतियाँ और अनुप्रयोग: एक व्यापक समीक्षा। जैव प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण समीक्षाएँ, 43,100-120। (आईएसएसएन: 0738-8551) (आईएफ, 9.06)

उपाध्याय ए., कोवालेव ए.ए., झुरावलेवा ई.ए., कोवालेव डी.ए., लिट्टी वाई.वी., मसाकापल्ली एस.के., पारीक एन., विवेकानंद वी. (2023)। अवायवीय डाइजेस्टर में माइक्रोबियल समुदाय विश्लेषण के लिए बुनियादी जैव सूचनात्मक तकनीकों की समीक्षा। किण्वन, 9, 62. (आईएसएसएन: 2311-5637) (आईएफ - 5.12)

सिंह एच., परितोष के., पारीक एन., विवेकानंद वी. (2023)। सूक्ष्मजीव-सहायता प्राप्त बायोहाइड्रोजन उत्पादन और बायोरिएक्टर। केमिकल इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, https://doi.org/10.1002/ceat.202000561। (आईएसएसएन:1521-4125) (आईएफ-2.2)

यादव एम., बालन वी., वरजानी एस., त्यागी वी.के., चौधरी जी., पारीक एन., विवेकानन्द वी. (2023)। लिग्नोसेल्युलोसिक बायोमास से बायो-मीथेन उत्पादन में सुधार के लिए बहु-विषयक पूर्व-उपचार दृष्टिकोण। बायोएनर्जी रिसर्च, 16, 228-247। (आईएसएसएन: 2311-5637) (आईएफ-3.85) उपाध्याय ए., कोवालेव ए.ए., झुरावलेवा ई.ए., पारीक एन., विवेकानन्द वी. (2023)। प्रतिक्रिया सतह पद्धति और कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क को नियोजित करके बायोप्रोसेस अनुकूलन के माध्यम से एसिटिक एसिड का उन्नत उत्पादन। जैवसंपदा प्रौद्योगिकी, 376, 1-12। (आईएसएसएन: 0960-8524) (आईएफ-11.89)

हेमंथ नाइक बनावथ

टाक, एच., चट्टोपाध्याय, ए. और बनावथ, एच.एन. क्रोनिक ट्रॉमैटिक एन्सेफैलोपैथी और अन्य टाओपैथियों में विभेदित रूप से व्यक्त परिसंचरण माइक्रो-आरएनए का एक मेटा-विश्लेषण: miR-181c-5p की एक महत्वपूर्ण भूमिका। इर जे मेड साइंस (2023)। https://doi.org/10.1007/s11845-023-03469-5

सिंह, एस., श्रीवास्तव, वी., गोदारा, पी., बनावथ, एच.एन., टाक, एच., नायक, ए., कुमारी, डी., नाइक, बी., प्रस्टी, डी., एक इन-सिलिको-आधारित अध्ययन में पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान की गई है जो पी37 प्रोटीन लक्ष्य को रोककर मंकीपॉक्स वायरस के उत्सर्जन को रोक सकते हैं। पेप्ट. विज्ञान. 2023, 115(5), ई24325। https://doi.org/10.1002/pep2.24325

श्रुति गुप्ता, हर्षिता टाक, खुशहाल राठौड़ आदि। कैफिक एसिड, एक आहार पॉलीफेनोल पीडीएसी को कीमोथेराप्यूटिक दवा के प्रति पूर्व-संवेदित करता है, 18 मई 2023, प्रीप्रिंट (संस्करण 1) रिसर्च स्क्वायर पर उपलब्ध है [https://doi.org/10.21203/rs.3.rs-2926296/v1] (प्रीप्रिंट)

चट्टोपाध्याय, ए. टाक, एच., और बनावथ, एच.एन. सेल-फ्री माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए तनाव से संबंधित स्थितियों के लिए एक उपन्यास बायोमार्कर के रूप में - मेटा-विश्लेषण। मानव जीन. https://doi.org/10.1016/j.humgen.2023.201198

गुप्ता, एस., एच.एन. बनावथ और के.के. तेजवथ (2022)। "इन विट्रो अध्ययनों का उपयोग करके फाइटोकॉन्स्टिट्यूएंट की फार्माकॉइनफॉर्मेटिक स्क्रीनिंग और इसके एंटी-पीडीएसी प्रभाव का मूल्यांकन।" जे बायोमोल स्ट्रक्चर डायन: 1-15।

सिंह, एस., बनावथ, एच.एन., गोदारा, पी. एट अल। SARS-CoV-2 ओमीक्रॉन और इसके उप-वेरिएंट के रिसेप्टर बाइंडिंग डोमेन के लिए एंटीवायरल पेप्टाइड अवरोधकों की पहचान: एक इन-सिलिको दृष्टिकोण। 3 बायोटेक 12, 198 (2022)। https://doi.org/10.1007/s13205-022-03258

सुनील जी पुरोहित

मोहर चट्टोपाध्याय, सुनील जी. पुरोहित, विवेक समानिया (2023) विशिष्ट तैयारी और पूर्व-प्रतिस्पर्धी प्रशिक्षण अवधि के दौरान विशिष्ट भारतीय वुशु खिलाड़ियों के शारीरिक प्रदर्शन स्तर का एक तुलनात्मक अध्ययन। आईजेईएमएस। 12(02):146-151.

चट्टोपाध्याय एम और सुनील जी पुरोहित (2022) "एक आसान और कम खर्चीले तरीके से प्रदर्शन अनुकूलन में विभिन्न दौड़ संबंधी आंदोलनों में फुट स्ट्राइक का विश्लेषण"। ईसी आर्थोपेडिक्स 13(4): 26-32.

शैलेन्द्र प्रताप सिंह

शेन, सिंह एट अल (2022), एंटीऑक्सिडेंट्स, 11, 1147। पीजीसी1α की एडिपोसाइट-विशिष्ट अभिव्यक्ति एडिपोसाइट ब्राउनिंग को बढ़ावा देती है और एचओ-1-निर्भर फैशन में मोटापा-प्रेरित मेटाबोलिक डिसफंक्शन को कम करती है। IF=7.648

वाल्डमैन, सिंह एट अल (2022), सेल्स, 2022, 11(19), 3060। एडिपोसाइटोकिन को शांत करना NOV: ऑक्सीडेटिव तनाव-प्रेरित कार्डियोमेटाबोलिक डिसफंक्शन को उलटने के लिए एक नया दृष्टिकोण। IF=7.66

श्वेता चौहान, संजीब पात्रा, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जीतेन्द्र डी लखानी। सरल वैरिकाज़ नस रोग में योग और प्राकृतिक चिकित्सा का संयुक्त प्रभाव - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। जे आयुर्वेद इंटीग्र मेड. 2023 मई-जून;14(3):100718.

खेल मनोविज्ञान विभाग

गुनीत इंदरजीत कौर

कौर, जी.आई.जे. (2023)। युवा फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच धैर्य और लचीलेपन का मनोवैज्ञानिक कल्याण के साथ संबंध। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च पेडागॉजी एंड टेक्नोलॉजी इन एजुकेशन एंड मूवमेंट साइंसेज, 12(2), 242-250। [ई-आईएसएसएन: 2319-3050]

मोहन, जे. और कौर, जी.आई.जे. (2023)। खेलों में लैंगिक उत्पीड़न: क्या कांच की छत खेल उत्कृष्टता को बाधित कर रही है। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 201-205। [आईएसएसएन:0019-5553]

गौतम, ए., भद्रा, एस. और कौर, जी.आई.जे. (2022)। चित्र कार्डों का उपयोग करके कचरा बीनने वाले बच्चों के प्रारंभिक बचपन में विकास की खोज। इंडियन जर्नल ऑफ साइकोलॉजी, 112-117. [आईएसएसएन:0019-5553]

सांख्यिकी विभाग

जीतेन्द्र कुमार

जितेंद्र कुमार, अशोक कुमार और वरुण अगिवाल (2023): ऑटोरेग्रेसिव (एमसी-एआर) मॉडल के मल्टीपल कोवेरिएट का बायेसियन अनुमान", डेटा विज्ञान के इतिहास. https://doi.org/10.1007/s40745-023-00468-2

वरुण आगीवाल, जितेंद्र कुमार और नरिंदर कुमार (2022): बहुपद समय प्रवृत्ति का बायेसियन अनुमान एआर (1) स्प्लाइन फ़ंक्शन के माध्यम से मॉडल, अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेज, 4(1) 13-23, डीओआई: 10.1080/01966324.2021। 1903368 (आईएसएसएन नंबर: 01966324)

अरविन्द पांडे

मोहम्मद ए., पांडे ए. और, त्यागी एस. (2023), कोपुला से व्युत्पन्न बायवेरिएट इनवर्स लिंडले डिस्ट्रीब्यूशन पर। थाईलैंड सांख्यिकीविद् अप्रैल 2023; 21(2): 291-304 http://statassoc.or.th

पांडे ए., डेविड डी.एच. और त्यागी एस. (2022), जनरलाइज्ड लिंडले ने द्विचर उत्तरजीविता डेटा के लिए एडिटिव फ्रैल्टी रिग्रेशन मॉडल साझा किया। स्टैटिस्टिक्स इन ट्रांज़िशन नई श्रृंखला खंड 23, अंक 4, पृष्ठ 161-176।

त्यागी एस. और पांडे ए. (2022), वेटेड लिंडले ने बायवेरिएट लेफ्ट सेंसर्ड डेटा के लिए प्रतिगमन मॉडल साझा किया। सांख्य : द इंडियन जर्नल ऑफ स्टैटिस्टिक्स 2022, खंड 84-बी, भाग 2, पीपी. 655-682

दीपेश भाटी

कुमारी ए. और भाटी डी. (2023)। एक तरफा लेवी वितरण के लिए फिट की अच्छाई का परीक्षण। एप्लाइड सांख्यिकी जर्नल. https://doi.org/10.1080/02664763.2023.2251098।

कुमारी ए., सुधीश के.के. और भाटी, डी. (2023)। स्टीन की विशेषता के आधार पर एक तरफा लेवी वितरण के लिए फिट टेस्ट की अच्छाई। जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी फॉर प्रोबेबिलिटी एंड स्टैटिस्टिक्स। https://doi.org/10.1007/s41096-023-00158-5।

गिरीश अराध्ये, जॉर्ज त्ज़ोगास, भाटी डी. (2023)। दावे की गंभीरता के लिए मिश्रित पेरेटो रिग्रेशन मॉडल के लिए ईएम अनुमान, सांख्यिकी-सिद्धांत और विधियों में संचार, डीओआई: 10.1080/03610926.2023.2221358।

दीवान आई., भाटी, डी. और सुधीश के.के. (2022) सकारात्मक चतुर्थांश निर्भरता के परीक्षण के लिए एक नया गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण, सांख्यिकी-सिमुलेशन और संगणना में संचार, डीओआई:10.1080/ 03610918.2021.1982975।

महेंद्र साहा

हर्ष त्रिपाठी, महेंद्र साहा और सौमिक हलदर (2023): परिवर्तित रेले वितरण पर आधारित एकल स्वीकृति नमूना निरीक्षण योजना। जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग, doi.org/10.1007/s41872-023-00221-x।

संकू डे, महेंद्र साहा, एम. जेड. अनीस, सुधांशु एस. मैती और सुमित कुमार (2023): अनुप्रयोग के साथ लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल डिस्ट्रीब्यूशन के लिए $C_{Np}(u,v)$ का अनुमान और आत्मविश्वास अंतराल, {आईटी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग और प्रबंधन}, doi.org/10.1007/s13198-023-01870-y। स्कोपस

महेंद्र साहा और संकू डे. (2023): घातीय-घातीय वितरित गुणवत्ता विशेषताओं का उपयोग करके हानि आधारित पीसीआई एस'पीएमके का आत्मविश्वास अंतराल, अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेज, doi.org/10.1080/01966324.2023.2175632। स्कोपस

हर्ष त्रिपाठी, महेंद्र साहा और संकू डे (2023): टाइम ट्रंकेटेड लाइफ टेस्ट और उसके अनुप्रयोगों के लिए एक संशोधित श्रृंखला समूह नमूना निरीक्षण योजना, {जीवन चक्र विश्वसनीयता और सुरक्षा इंजीनियरिंग}, डीओआई:10.1007/एस41872-023-00215- 9.

हर्ष त्रिपाठी, अभिमन्यु एस. यादव, महेंद्र साहा और शिवांशी शुक्ला (2022): एक्सगामा वितरण का एक नया लचीला विस्तार और सीओवीआईडी-19 डेटा पर इसका अनुप्रयोग, नेपाल जर्नल ऑफ मैथमैटिकल साइंसेज, 3(1), 11-30।

महेंद्र साहा, अभिमन्यु सिंह, जी श्रीनिवास राव, संकू डे और बिपुल सरकार। (2022): लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल परसेंटाइल के लिए बूटस्ट्रैप विधि का उपयोग करके नियंत्रण चार्ट, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक अनुसंधान जर्नल, 66(5), 137-143।

महेंद्र साहा और संकू डे (2022): परिवर्तनशीलता, स्टोकेस्टिक्स और गुणवत्ता नियंत्रण के मजबूत माप का उपयोग करके संशोधित प्रक्रिया क्षमता सूचकांक का अनुमान और विश्वास अंतराल, डीओआई:10.1515/ईक्यूसी-2022-0014। स्कोपस

महेंद्र साहा (2022): सामान्यीकृत आत्मविश्वास अंतराल और उसके अनुप्रयोगों का उपयोग करके दो प्रक्रिया क्षमताओं का आकलन। एनल्स ऑफ डेटा साइंस, doi.org/10.1007/s40745-022-00448-y। स्कोपस

महेंद्र साहा (2022): इलेक्ट्रॉनिक उद्योगों के लिए एक नई प्रक्रिया क्षमता सूचकांक के अनुप्रयोग, सांख्यिकी में संचार - केस अध्ययन, डेटा विश्लेषण और अनुप्रयोग, 1-14, doi.org/10.1080/23737484.2022.2107962। स्कोपस

संजय कुमार

एस. कुमार और पी. छापरवाल (2023), समय-आधारित सर्वेक्षणों के लिए गैर-प्रतिक्रिया की उपस्थिति में जनसंख्या का अनुमान। थाईलैंड सांख्यिकीविद् (स्वीकृत)

एस. कुमार और पी. छापरवाल (2023), समय-आधारित सर्वेक्षणों के लिए जनसंख्या माध्य के अनुमान में प्राथमिक सूचना का उपयोग। एनल्स ऑफ डेटा साइंस, https://doi.org/10.1007/s40745-023-00472-6। (पहली बार ऑनलाइन उपलब्ध)

के.सतीश कुमार

के.सतीश कुमार, एस.हनुमंतराव, बी.श्रीनिवास कुमार और टी.श्रीनिवास राव। (2023), सर्वर स्टार्ट-अप और टाइम-आउट के साथ अवकाश कतार प्रणाली एन-पॉलिसी एमएक्स/एक/1, एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2707, 040011-1-040011-9। https://doi.org/10.1063/5.0143094।

पुष्प लता ममिदी, के.जी. आर. दीप्ति, के. सतीश कुमार, बी श्रीनिवास कुमार एस. हनुमंथराव, एस.वी. सुब्रह्मण्यम. (2023), भारतीय फार्मास्युटिकल क्षेत्र की कंपनियों का मूल्यांकन और रैंकिंग: एक बहु-मानदंड निर्णय लेने का दृष्टिकोण, एआईपी सम्मेलन कार्यवाही, 2707, 040010-1-040010-16। https://doi.org/10.1063/5.0143102।

एन. लक्ष्मण राव, के. सतीश कुमार, के. चंदन और गणपति स्वामी चिंतादा। (2023), फजी वातावरण के साथ नियंत्रण चार्ट के तहत थोक आगमन कतार मॉडल के साथ संचार नेटवर्क की मॉडलिंग। डेटा अधिग्रहण और प्रसंस्करण जर्नल, वॉल्यूम। 38 (2) 2023. दोई: 10.5281/ज़ेनोडो.776987।

महेश बराले

बाराले, एम.एस., और शिर्के, डी.टी. एक बहुभिन्नरूपी प्रक्रिया में परिवर्तनशीलता की निगरानी के लिए डेटा गहराई पर आधारित एक नियंत्रण चार्ट। सांख्यिकी-सिमुलेशन और संगणना में संचार, 1-15, 2023। https://doi.org/10.1080/03610918.2023.2185932 (एससीआईई, प्रभाव कारक: 1.162)

योग विभाग

संजीब के पात्रा

सिंह, एस.पी., भटनागर, ए., सिंह, एस.के., पात्रा, एस.के., कंवर, एन., कंवल, ए., अमर, एस. और मन्ना, आर. (2022)। RSARS-CoV-2 संक्रमण, क्षतिग्रस्त ऊतक और मेटाबोलिक स्वास्थ्य: पैथोफिजियोलॉजी और संभावित चिकित्सीय, औषधीय रसायन विज्ञान में मिनी समीक्षा, 01 फरवरी 2022DOI: 10.2174/1389557522666220201154845, I. F. - 4.02

महाराणा, एस., पात्रा, एस., नागरत्ना, आर., वेंकटराम, पी. और नागेंद्र एच.आर. (2022)। एक्टा वैज्ञानिक महिला स्वास्थ्य, 4.1 (2022): 24-35,

काशीनाथ जी मेत्री

मेत्री केजी, रघुराम एन, नारायण एम, श्रवण के, सेकर एस, भार्गव एच, बाबू एन, मोहंती एस, रेवनकर आर। पुरानी समस्याओं से पीड़ित महिला शिक्षकों में दर्द के उपाय, मानसिक स्वास्थ्य, नींद की गुणवत्ता और जीवन की गुणवत्ता पर कार्यस्थल योग का प्रभाव मस्कुलोस्केलेटल दर्द: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। काम। 2023 फरवरी 21. डीओआई: 10.3233/डब्ल्यूओआर-210269। मुद्रण से पहले ई - प्रकाशन। पीएमआईडी: 36847050. प्रभाव कारक = 2.3

सिंह जे, मेत्री के, टेकुर पी, मोहंती एस, सिंह ए, रघुराम एन। सीओवीआईडी महामारी के बीच एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस के प्रबंधन में टेली-योग: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण। वहाँ क्लिनिक अभ्यास को लागू करें। 2023 फ़रवरी;50:101672. डीओआई: 10.1016/जे.सीटीसीपी.2022.101672। ईपीयूबी 2022 अक्टूबर 22। पीएमआईडी: 36395635..प्रभाव कारक = 3.5

चोबे एम, चोबे एस, दयामा एस, सिंह ए, मेत्री के, बासा जेआर, रघुराम एन. छह भारतीय राज्यों के शहरी बुजुर्गों में गैर-संचारी रोगों की व्यापकता और इसके संबद्ध कारक। क्यूरियस. 2022 अक्टूबर 10;14(10):e30123। डीओआई: 10.7759/क्यूरियस.30123। पीएमआईडी: 36381942; पीएमसीआईडी: पीएमसी9644428.प्रभाव कारक = 1.2

बालाकृष्णन बी, मेत्री केजी, डे जे, गणेशन एम। स्वस्थ चिकित्सकों में हृदय गति परिवर्तनशीलता पर हठ योग के दीर्घकालिक प्रभाव: हृदय संबंधी जोखिम में कमी के लिए संभावित लाभ। अल्टरनेटिव थेर हेल्थ मेड. 2023 मई;29(4):97-101. पीएमआईडी: 34453503.प्रभाव कारक = 1.8

बसु-रे I, मेत्री के , खानरा डी, रेवनकर आर, चिन्नैयन केएम, रघुराम एन, मिश्रा एमसी, पटवर्धन बी, शर्मा एम, बसवरड्डी IV, आनंद ए, रेड्डी एस, दीपक केके, लेवी एम, थियस एस, लेविन जीएन, क्रैमर एच, फ्रिक्चियोन जीएल, होंगसंद्रा एनआर। योग पर एक कथात्मक समीक्षा: कोविड-19 में इम्यूनोमॉड्यूलेशन और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने के लिए एक संभावित हस्तक्षेप।

बीएमसी कॉम्प्लीमेंट मेड। 2022 जुलाई 18;22(1):191. डीओआई: 10.1186/एस12906-022-03666-2। पीएमआईडी: 35850685; पीएमसीआईडी: PMC9289356. प्रभाव कारक = 1.8

मेत्री केजी, रघुराम एन, एस राम सीवी, सिंह ए, पाटिल एसएस, मोहंती एस, पालुकुरू एस, एचआर एन। भारत में उच्च रक्तचाप और मधुमेह की घातक जोड़ी: एक नए महामारी विज्ञान अध्ययन से आगे की पुष्टि। जे असोक फिजिशियन इंडिया। 2022 जुलाई;70(7):11-12. डीओआई: 10.5005/जापी-11001-0048। पीएमआईडी: 35833390.

बी. पुस्तक/ अध्याय/पुस्तक का संपादक

वास्तुकला विभाग

रितु बी राय

इंगले अतुल, राय, रितु बी. गर्म और गर्म क्षेत्रों में मौजूदा छोटे पैमाने के आवासीय भवनों की हरियाली; शुष्क (नागपुर) महाराष्ट्र का जलवायु क्षेत्र. फ्यूचर इज अर्बन: लिवेबिलिटी, रेजिलिएंस एंड रिसोर्स कंजर्वेशन बाय रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस आईएसबीएन: 978-1-032-37892-3 (पीबीके) आईएसबीएन: 978-1-003-34244-1 (ईबीके), 2023

जैव रसायन विज्ञान विभाग

चंडी सी मंडल

नूनिया वी., कुरेशी एस., महापात्रा एमके और मंडल सीसी (2023). स्तन कैंसर में फॉस्फोलिपेज़ सी अवरोधकों के चिकित्सीय दृष्टिकोण, एल्सेवियर.

हेमन्त कुमार दायमा

दायमा, एच.के., नव्या पी.एन., लिक्टफाउस ई. (संपादक) (2023) नैनोजाइम्स इन मेडिसिन, वॉल्यूम 1, पृ. 1-212. प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-3-031-20581-1, ईबुक आईएसबीएन: 978-3-031-20581-1, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-3-031-20580-4, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-3-031-20583-5, सीरीज आईएसएसएन: 2213-7114, सीरीज ई-आईएसएसएन: 2213-7122.

कुमावत एम., श्रीनिवास, एसपी, सिंह, आर., दायमा, एचके, (2023) अध्याय-3: ग्लूकोज सेंसिंग और मधुमेह प्रबंधन में नैनोजाइम: विकास, अवसर और चुनौतियाँ, चिकित्सा में नैनोजाइम, पीपी-51-80. प्रकाशक: स्प्रिंगर नेचर, दायमा एचके द्वारा संपादित, नव्या पीएन, लिक्टफाउस ई, ईबुक आईएसबीएन: 978-3-031-20581-1, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-3-031-20580-4, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-3-031 -20583-5, सीरीज आईएसएसएन: 2213-7114, सीरीज ई-आईएसएसएन: 2213-7122.

वीरेंद्र तिवारी

शर्मा एस., कौशिक वी., तिवारी वी. (2022) अध्याय 14 "अस्पताल से प्राप्त संक्रमणों (एचएआई) में बायोफिल्म की भूमिका" सुरजीत दास, नीलम कुंगवानी एल्सेवियर एकेडमिक प्रेस द्वारा संपादित पुस्तक "अंडरस्टैंडिंग माइक्रोबायल बायोफिल्म्स". आईएसबीएन: 978-0-323-99977-9.

शिव स्वरूप

स्वरूप एस., वर्मा एन., यादव जेके, पांडे जे. (2023) उभरते और फिर से उभरते माइक्रोबायल रोगों के लिए एंटी-माइक्रोबायल दवाएं: 21वीं सदी में प्रतिमान. रोगाणुरोधी एजेंटों की पहचान और विकास में वर्तमान रुझान (बेंथम साइंसेज)

भावना बिस्सा

सोनी एन, जांगड़ा जे, चौधरी एम, नंदी जी और बिस्सा बी. एक्सोसोम्स: द सरेप्टिटियस इंटरसेलुलर मेसेंजर्स इन द बॉडी. एक्सोसोम - रीसेंट एडवांसिस फ्रॉम बेंच टू बिसाइड; इंटेकओपन डीओआई: 10.5772/इनटेकओपन.110779

जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग

विक्रांत सिंह राजपूत

राजपूत विक्रांत सिंह और रुंथला आशीष. ड्रग्स एंड मेथडोलॉजिकल कम्पेंडियम (2023) स्प्रिंगर. आईएसबीएन: 13:978-981197915

जैव प्रौद्योगिकी विभाग

सुमन तप्रयाल

पुस्तक संपादित और अध्याय लेखन: जीन क्लोनिंग और डीएनए विश्लेषण, टीए ब्राउन द्वारा 8ई, विली प्रकाशन, 2022

सुरेंद्र निमेष

आर्य जी., गुप्ता एन., निमेश एस. (2022) एंटीकैंसर दवाओं की चिकित्सीय डिलीवरी के लिए चिटोसन नैनोकण, पॉलीसेकेराइड नैनोकण: तैयारी और बायोमेडिकल अनुप्रयोग 201-229, एड. जे वेंकटेशन, से-के. किम, एस. अनिल, रेखा पीडी (एल्सेवियर, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड) सुमन

केंद्रीय पुस्तकालय

सौभाग्यवती गुप्ता

शर्मा, सुनील, शर्मा, उमेश और गुप्ता, सौभाग्यवती (2023). हरित पुस्तकालय भवन: राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेटिंग प्रणालियों पर एक अध्ययन. 68वें वार्षिक आईएलए सम्मेलन की कार्यवाही में 'उभरती प्रौद्योगिकियों के संदर्भ में पुस्तकालयों की पुनः-इंजीनियरिंग: मिथक या वास्तविकता', धरम कुमार, सिन्हा, अभिजीत और कुमर अब्बास द्वारा संपादित, इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन, दिल्ली, पृष्ठ 144-159. आईएसबीएन: 978-81-956643-1-3.

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

रवि राज चौधरी

रवि राज चौधरी, और ममता रानी, ट्यूनेबल क्वालिटी वेवलेट ट्रांसफॉर्म फीचर्स का उपयोग करके हृदय ध्वनियों का दो-चरणीय वर्गीकरण. प्रोक में. कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में उभरती तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईटीसीआई), 2022.

रवि राज चौधरी, और ममता रानी, हृदय ध्वनियों के बहु-वर्ग वर्गीकरण के लिए एक लाइटवेट 1-डी कन्वोल्यूशन न्यूरल नेटवर्क मॉडल. प्रोक में. कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस में उभरती तकनीकों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईटीसीआई), 2022.

निष्ठा केसवानी

निष्ठा केसवानी, इंटरनेट ऑफ थिंग्स में घुसपैठ का पता लगाने के लिए एक इंटरएक्टिव डैशबोर्ड, डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति (स्प्रिंगर), 2022.

निष्ठा केसवानी, IoT में नैतिक पहलू, सिकुड़ती दुनिया में मूल्यों और नैतिकता को समझना, 2022.

अजय इंडियन

अजय इंडियन, मूवी अनुशंसा के लिए मशीन लर्निंग-आधारित सिस्टम, एसएन कंप्यूटर साइंस, 2023.

गौरव मीणा

गौरव मीणा, हालिया स्वचालित भाषण सारांश और कीवर्ड पहचान तकनीकों की एक व्यापक समीक्षा, औद्योगिक अनुप्रयोगों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 2021, 111-126.

संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

गौरव सोमानी

कुमार, ए., सोमानी, जी. (2022). साइबर हमले के लक्षित नेटवर्क और सेवाओं के लिए सुरक्षा अवसंरचना. चतुर्वेदी, एम., पटेल, पी., यादव, आर. (संस्करण) आईसीटी अवसंरचना और अनुप्रयोगों में हालिया प्रगति. बुनियादी ढांचे और नियंत्रण में अध्ययन. स्प्रिंगर, सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/978-981-19-2374-6_9

संस्कृति और मीडिया अध्ययन विभाग

अमिताभ श्रीवास्तव

श्रीवास्तव, अमिताभ और सिंह, रघुनाथ, अध्याय 1-प्रकृति, पर्यावरण और मीडिया, संपादक: सिंह, रघुनाथ, द मीडिया वर्ल्ड, अयाह मीडिया एंड पब्लिशिंग प्राइवेट लिमिटेड 2022, पृष्ठ 10-20, आईएसबीएन 978-93-94787-43-8.

जनरेशन Z के लिए मीडिया शिक्षा, प्रकाशक: रूटलेज. प्रोफेसर अमिताभ श्रीवास्तव द्वारा संपादित (आईएसबीएन 9781032542171)

प्रान्ता प्रतीक पटनायक

पटनायक, पीपी (2022) 'सीमांत शरीर, विकृत इच्छाएँ. सुप्रिया अग्रवाल एट एल (संस्करण) में 'रितुपर्णो घोष की क्वीर ट्रायोलॉजी' में लिंग और वर्ग, सीमांतता को समझना: सांस्कृतिक और साहित्यिक परिप्रेक्ष्य, रावत प्रकाशन, जयपुर, आईएसबीएन नंबर 978-8-131-61229-3.

डेटा विज्ञान और विश्लेषण विभाग

विद्योत्तमा जैन

जैन वी., विस्नेव्स्की वी., राज आर., धर्मराज एस. (2022), एमएपी/पीएच[3]/1 रिट्रियल क्यूइंग मॉडल का उपयोग करके एक बंधे हुए उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफॉर्म में पावर प्रबंधन का विश्लेषण. कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्यान नोट्स, स्प्रिंगर, 13766. आईएसबीएन 978-3-031-23206-0. डीओआई: 10.1007/978-3-031-23207-7_17

धर्मराज एस., जैन वी., राज आर. (2022), टेथर्ड एचएपी सिस्टम के लिए प्रदर्शन विश्लेषण: एक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण. कंप्यूटर विज्ञान में व्याख्यान नोट्स, स्प्रिंगर, 13766. आईएसबीएन 978-3-031-23206-0. डीओआई: 10.1007/978-3-031-23207-7_16

डॉ. निष्ठा केसवानी

विश्वकर्मा, एम., और केसवानी, एन. (2023). इंटरनेट ऑफ थिंग्स में घुसपैठ का पता लगाने के लिए एक इंटरएक्टिव डैशबोर्ड, अपडेट की जांच करें. डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति: आईसीडीएसएआई 2022, आईआईटी पटना, भारत, 23-24 अप्रैल, 403, 87.

विश्वकर्मा, एम., और केसवानी, एन. (2022). इंटरनेट ऑफ थिंग्स के लिए दो चरणों वाली घुसपैठ का पता लगाने वाली प्रणाली (टीआईडीएस). डीप लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स में प्रगति: डीप लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (आईसीडीएलएआईआर) 2020 (पीपी. 89-97). स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

गर्ग, एल., सिसौदिया, डीएस, केसवानी, एन., वेला, जेजी, ब्रिगुई, आई., मिश्रा, एस., और सिंह, डी. (एड्स.) (2023). सूचना और प्रबंधन विज्ञान के भविष्य को आकार देने वाले प्रमुख डिजिटल रुझान: सूचना प्रणाली और प्रबंधन विज्ञान (आईएसएमएस) 2022 पर 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (वॉल्यूम 671). स्प्रिंगर प्रकृति.

मिश्रा, आर., केसवानी, एन., राजराजन, एम., वीरावल्ली, बी., ब्रिगुई, आई., पटेल, ए., और सिंह, टीएन (एड्स.) (2023). डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में प्रगति: आईसीडीएसएआई 2022, आईआईटी पटना, भारत, 23-24 अप्रैल (वॉल्यूम 403). स्प्रिंगर प्रकृति.

ट्रोइयानो, एल., वैकेरो, ए., केसवानी, एन., रोड्रिग्ज, आईडी, ब्रिगुई, आई., और पास्टर-एस्क्योरडो, डी. (एड्स.) (2023). आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स में प्रमुख डिजिटल रुझान: डीप लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, (आईसीडीएलएआईआर) 2022-डीप लर्निंग के एल्गोरिदम और अनुप्रयोगों में प्रगति (वॉल्यूम 670). स्प्रिंगर प्रकृति.

भावना सैनी

गुप्ता, एन., खान, एफ., और सैनी, बी. (2023, जनवरी). ट्रांसफर लर्निंग का उपयोग करके रियल टाइम ड्राइवर तंद्रा का पता लगाना. 2023 में इंटेलिजेंट कम्युनिकेशन एंड कम्प्यूटेशनल टेक्निक्स (आईसीसीटी) पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीपी. 1-5). आईईईई

अर्थशास्त्र विभाग

प्रगति जैन

जैन, पी., जैन, पी., 2023. क्या संपन्नता और लालच सबसे बड़े प्रदूषक हैं? नेतृत्व 4.0 में: कनेक्शन और सहयोग के युग में नेतृत्व. ब्लूम्सबरी प्रकाशन, आईएसबीएन 978-93-56402-79-9.

शिक्षा विभाग

अंजली शर्मा

सिंह, एस. और शर्मा, ए. (2023), "तस्करी करने वाले बच्चों के शैक्षिक यातायात को अनलॉक करना (अध्याय संख्या 16), सामाजिक-आर्थिक वंचित समूहों की शिक्षा, पहला संस्करण, रूटलेज इंडिया, टेलर और फ्रांसिस, आईएसबीएन 9781032315003 डीओआई: 10.4324/9781003370222-21

शर्मा, ए. और अग्रवाल, एम. (2023), ट्रांसजेंडर की शिक्षा: समाज को बदलने की ओर कदम (अध्याय संख्या 2), "सामाजिक-आर्थिक वंचित समूहों की शिक्षा", पहला संस्करण, रूटलेज इंडिया, टेलर और फ्रांसिस, 2023, आईएसबीएन 9781032315003 डीओआई: 10.4324/9781003370222-4

रावत, एन. और शर्मा, ए. (2023), शिक्षा के माध्यम से नशे की लत से मुक्ति (अध्याय संख्या 13, सामाजिक-आर्थिक वंचित समूहों की शिक्षा. पहला संस्करण, रूटलेज इंडिया, टेलर और फ्रांसिस, 2023, आईएसबीएन 9781032315003 डीओआई: 10.4324/9781003370222-21

शर्मा, ए., सिंह, एस. और शर्मा, आरपी (2023), इंजीनियरिंग छात्रों के मेटाकॉग्निशन के साथ एटीट्यूड बिल्डिंग के लिए इंजीनियरिंग शिक्षाशास्त्र में विकास मानसिकता (अध्याय संख्या 3) संपादित पुस्तक "इंजीनियरिंग शिक्षाशास्त्र: सम्मान में लेखों का एक संग्रह" प्रो. अमिताभ घोष" स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर 2023.आईएसबीएन:978-981-8015-2

नरेंद्र कुमार

तमिषा और कुमार, एन. (2022). "एक्सप्लोरिंग द अदर हाफ: चैलेंजेज फेस्ड बाय वीमेन इन इंडिया" पुस्तक में भारतीय महिलाओं का पालन-पोषण: लड़की की मासूमियत से नारीत्व तक का जिम्मेदारियों से भरा सफर,s 384-392, नोशन प्रेस (आईएसबीएन-979-888-7725-66-6).

प्रजापति, एस. और कुमार, एन. (2022). "एक्सप्लोरिंग द अदर हाफ: चैलेंजेज फेस्ड बाई वीमेन इन इंडिया" पुस्तक का अध्याय एसिड अटैक: भारत में एक प्रमुख मुद्दा, (आईएसबीएन-979-888-7725-66-6) 18-24, नोशन प्रेस (आईएसबीएन-979-888- 7725-66-6).

तमिषा और कुमार, एन. (2022). "भारत में कोविड के बाद शिक्षा परिदृश्य" पुस्तक में ऑन-लाइन शिक्षा अध्याय में डिजिटल विभाजन को समझना 210-215, 21वीं सदी के प्रकाशन पटियाला (आईएसबीएन-978-93-94017-30-6).

प्रजापति, एस. और कुमार, एन. (2022). "स्वास्थ्य, समाज, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर महामारी के प्रभाव" पुस्तक में भारत में COVID-19 के दौरान शिक्षा की सामर्थ्य के लिए सरकार द्वारा की गई पहल, 83-90, रेड शाइन प्रकाशन, लूनावाड़ा, गुजरात (ISBN-978-93-95456-46-3).

रीना गोदारा

गोदारा आर (2022), शिक्षा के मुद्दे, बहस और चिंताएं, शिक्षा का इतिहास और राजनीतिक अर्थव्यवस्था, इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर्स एजुकेशन, शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, वडोदरा, 2022, आईएसबीएन 978-93-5626-890-6.

टी संगीता

संगीता टी (2022), "संभव स्कूल में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार वाले बच्चों के बीच सामाजिक और शैक्षणिक कौशल-एक केस स्टडी" शैक्षणिक शिक्षा का व्यावसायीकरण, हालिया रुझान और भविष्य के परिप्रेक्ष्य, आईएसबीएन: 978-93-94899-85-8, शानलैक्स प्रकाशन.

संगीता टी (2022), वाणिज्य और प्रबंधन में नए सामान्य, कार्यात्मक रुझान में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच तनाव कारक और तनाव निवारक. अनुसंधान चुनौतियाँ और संभावनाएँ, आईएसबीएन: 978-93-56401-27-3. ब्लूम्सबेरी प्रकाशन

संगीता टी और दीप्ति रंगा (2022), स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की देखभाल अर्थव्यवस्था की संभावनाओं और चुनौतियों के लिए रामबाण है" आईएसबीएन 978-9-35-627869-1

संगीता टी और जगदीश के (2022), मोबाइल फोन की लत: भारत में शैक्षिक हितधारकों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक खतरा - भारत में स्वास्थ्य क्षेत्र की संभावनाएं और चुनौतियां" आईएसबीएन: 978-9-35-627869-1

सीमा गोपीनाथ

गोपीनाथ, एस. (2022). महिला सशक्तिकरण: लैंगिक समानता के लिए एक छलांग. पुस्तक का नाम: लैंगिक शिक्षा के बहुआयामी परिप्रेक्ष्य: रिडिंग द अनरीच्ड. प्रकाशक: शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन परिषद

गोपीनाथ, एस. (2022). इकोपेडागॉजी: ग्रहों के विवेक के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण. पुस्तक का नाम: संरक्षण से परे ऊर्जा शिक्षा के उद्देश्य की पुनर्कल्पना. प्रकाशक: प्रावदा बुक्स, कोल्लम.

कनक शर्मा

शर्मा, के. (2022), कोविड-19 के दौरान ऑनलाइन शिक्षण के प्रति शिक्षक प्रशिक्षुओं की धारणा. समाज को बदलना सीखना (सं.), यूनिवर्सिटी बुक हाउस प्रा. लिमिटेड, जयपुर. पीपी: 116-122 (आईएसबीएन:978-93-95215-14-5).

पर्यावरण विज्ञान विभाग

गरिमा कौशिक

पटवा, राहुल. दास, डेज़ी. कौशिक, गरिमा. औद्योगिक अपशिष्ट जल में माइक्रोप्लास्टिक और नैनोप्लास्टिक प्रदूषण की नियति और घटना, प्रदूषकों का माइक्रोबायल क्षरण और विषहरण, 2023 डी ग्रुइटर 2023 पीपी. 251-276. https://doi.org/10.1515/9783110743623-013

बेडब्रैट, बरूआ. शर्मा, कृतिका. कौशिक, गरिमा. (2023) - पर्यावरणीय मैट्रिक्स में मौजूद व्यक्तिगत देखभाल उत्पादों के क्षरण में माइक्रोबायल एंजाइमों की भूमिका, माइक्रोबायल क्षरण और प्रदूषकों का विषहरण, डी ग्रुइटर 2023 पीपी 251-276. https://doi.org/10.1515/9783110743623-013

सोकल, स्वाति. पलसानिया, प्रेक्षा. कौशिक, गरिमा. (2022). बायोरेमेडिएशन और कार्यात्मक मेटागेनोमिक्स: प्रगति, चुनौतियाँ और अवसर. पर्यावरणीय बायोरेमेडिएशन में ओमिक्स इनसाइट्स. स्प्रिंगर, सिंगापुर. https://doi.org/10.1007/978-981-19-4320-1_1.

पलसानिया, प्रेक्षा. डार, मोहम्मद अशरफ. कौशिक, गरिमा. (2022). प्रदूषित वातावरण से क्रोमियम को हटाने के लिए बायोरेमेडिएशन रणनीतियाँ. विषाक्त धातु (लॉयड) का बायोरेमेडिएशन प्रकाशक: सीआरसी प्रेस आईएसबीएन 9781032135779 2.

निवेदिता चौधरी

सिंह, वी., और चौधरी, एन. (2023). उत्तर-पूर्व भारत में भूमि क्षरण, मरुस्थलीकरण और खाद्य सुरक्षा: वर्तमान और भविष्य के परिदृश्य. पूर्वोत्तर भारत में सतत विकास लक्ष्य: चुनौतियाँ और उपलब्धियाँ (पृ. 153-166). सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर. ऑनलाइन आईएसबीएन978-981-19-6478-7 https://doi.org/10.1007/978-981-19-6478-7_8

वाणिज्य विभाग

प्रियंका भास्कर

शर्मा. कृष्ण दयाल, सिंह. अनुप्रिया, भास्कर, प्रियंका, मलिक. शिप्रा. (2023), मानवीय मूल्य, आरबीएसए प्रकाशक, आईएसबीएन-978-93-87972-39-1

इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग

संयोग रावत

एस. रावत, एस. कुमार, पी. कुमार, जे. अंगुएरा, "वायरलेस संचार के लिए कम्प्यूटेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ICCWC 2022" की कार्यवाही, नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स (LNNS, वॉल्यूम 554), जनवरी 2023, https : //link.springer.com/book/10.1007/978-981-19-6661-3

अंग्रेजी विभाग

भूमिका शर्मा

शर्मा, भूमिका. (2023), अध्याय-1, अतीत का पुनर्निर्माण: राइट्स ब्लैक बॉय में ऐतिहासिक चेतना की भूमिका, संपादक: डॉ. प्रगति सोबती और डॉ. संतोष कंवर शेखावत, लाइफस्केप्स, क्लेवर फॉक्स प्रकाशन, पृष्ठ 1-18, आईएसबीएन: 9789356482838

शर्मा, भूमिका. (2022), अध्याय-1, विज़ुअलाइज़िंग द ब्लैक वर्ल्ड: अफ्रीकी-अमेरिकन फिक्शन में स्थानिक चेतना, संपादक: डॉ. अतीका केल्सी और डॉ. रंजीत कौर, साहित्य में भावनाओं के मानचित्रण के रूप में: होने के तरीके और (बीई) लॉन्गिंग, सरूप बुक प्रकाशक, पेज 1-15, आईएसबीएन: 978-93-5208-148-6

वेद प्रकाश

प्रकाश, वी. (2023), जयन के चेरियन की चुनिंदा फिल्मों के माध्यम से जाति, लिंग और कामुकता के क्षेत्र की जांच. जोशील के अब्राहम और जूडिथ मिश्राही बराक (सं.). भारत में जाति और सिनेमा का रूटलेज साथी. न्यूयॉर्क. पीपी 188-200. आईएसबीएन 978-1-032-16099-3.

पर्यावरण विज्ञान विभाग

रितु सिंह

सिद्दीकी, ए जे, सिंह, आर., जहान, एस., अलशम्मारी, एन., खान, ए., बदरौई, आर., अरोरा डी., अदनान, एम. (2023). विभिन्न जैविक और अजैविक वातावरणों में वायरल संरचना और स्थिरता. वायरल संक्रमण के प्रसार से निपटने के लिए स्मार्ट नैनोमटेरियल्स में (संपादन खान आर, सादिक एमएस) अकादमिक प्रेस, पीपी. 23-60 (आईएसबीएन 9780323991483).

प्रबंधन विभाग

उमा शंकर मिश्र

भुक्या आर, मिश्रा यू. एस (2023); तेलंगाना राज्य की अनुसूचित जनजातियों के बीच वित्तीय समावेशन के मुद्दे और चुनौतियाँ - एक गुणात्मक और मात्रात्मक जांच; भारत में हाशिये पर पड़े चयनों का वित्तीय समावेशन: उभरते मुद्दे और चुनौतियाँ; भारतीय शैक्षणिक अनुसंधानकर्ता संघ, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु, आईएसबीएन: 978-93-94293-16-8; पीपी: 276-283.

रामलु भुक्या

भुक्या, आर. (2023). "तेलंगाना राज्य की अनुसूचित जनजातियों के बीच वित्तीय समावेशन के मुद्दे और चुनौतियाँ - एक गुणात्मक और मात्रात्मक जांच", भारत में हाशिये पर रहने वाले वर्गों का वित्तीय समावेशन: उभरते मुद्दे और चुनौतियाँ, आईएआरए प्रकाशन, आईएसबीएन: 978-93-94293-16-8

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

प्रदीप वर्मा

वर्मा पी. (संपादक), (2023). अपशिष्ट के मूल्य निर्धारण में एंजाइम: मूल्य वर्धित उत्पादों के विकास के लिए अपशिष्ट का एंजाइमैटिक हाइड्रोलिसिस, संस्करण 1, पीपी 1-268, प्रकाशक: सीआरसी प्रेस, डीओआई: https://doi.org/10.1201/9781003187684, ईबुक आईएसबीएन: 978-1-003-18768-4, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-1-032-03509-3, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-1-032-03510-9.

वर्मा पी. (संपादक), (2023). अपशिष्ट के मूल्य निर्धारण में एंजाइम: एंजाइम-आधारित बायोरिफाइनरी के विकास के लिए कचरे का एंजाइमैटिक प्रीट्रीटमेंट, संस्करण 1, पीपी 1-258, प्रकाशक: सीआरसी प्रेस, डीओआई: https://doi.org/10.1201/9781003187714, ईबुक आईएसबीएन: 978-1-003-18771-4, हार्डकवर आईएसबीएन: 9788-1-032-03515-4, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-1-032-03516-1.☐

वर्मा पी. (संपादक) (2022). अपशिष्ट के मूल्य निर्धारण में एंजाइम: एंजाइम-आधारित बायोरिफाइनरी के सतत विकास के लिए अगली पीढ़ी की तकनीकी प्रगति, संस्करण 1, पीपी 1-260, प्रकाशक: सीआरसी प्रेस, डीओआई: https://doi.org/10.1201/9781003187721, ईबुक आईएसबीएन: 978-1-003-18772-1, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-1-032-03517-8, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-1-032-03518. आईएसबीएन प्रिंट: 978-1-032-03517-8.

वर्मा पी. (संपादक) (2022). भविष्य की बायोरिफाइनरियों के लिए थर्मोकेमिकल और उत्प्रेरक रूपांतरण प्रौद्योगिकियां, वॉल्यूम. 2, पृ. 1-285, प्रकाशक: स्प्रिंगर. पुस्तक श्रृंखला के एक भाग के रूप में: स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन प्रौद्योगिकी", डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-19-4316-4, ईबुक आईएसबीएन: 978-981-19-4316-4, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-981-19-4315-7, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-981-19-4318-8, सीरीज आईएसबीएन: 2662-6861, सीरीज ई-आईएसबीएन: 2662-687X.

वर्मा पी. (संपादक) (2022) भविष्य की बायोरिफाइनरियों के लिए थर्मोकेमिकल और उत्प्रेरक रूपांतरण प्रौद्योगिकियां, वॉल्यूम. 1, पृ. 1-345, प्रकाशक: स्प्रिंगर. पुस्तक श्रृंखला के एक भाग के रूप में: स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन प्रौद्योगिकी", डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-19-4312-6, ईबुक आईएसबीएन: 978-981-19-4312-6, हार्डकवर आईएसबीएन : 978-981-19-4311-9, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-981-19-4314-0, सीरीज आईएसबीएन: 2662-6861, सीरीज ई-आईएसबीएन: 2662-687X.

वर्मा, पी., (संपादक), (2022) माइक्रो-शैवाल: बायोरिफाइनरीज समकालीन प्रौद्योगिकियों और भविष्य के दृष्टिकोण के लिए अगली पीढ़ी का फीडस्टॉक , संस्करण 1, पीपी 1-230, प्रकाशक: स्प्रिंगर. पुस्तक श्रृंखला के एक भाग के रूप में: "स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन प्रौद्योगिकी" DOI: https://doi.org/10.1007/978- 981-19-0680-0, ईबुक आईएसबीएन: 978-981-19-

0680-0, हार्डकवर आईएसबीएन: 978-981-19-0679-4, सॉफ्टकवर आईएसबीएन: 978-981-19-0682-4, सीरीज आईएसबीएन: 2662-6861, सीरीज ई-आईएसबीएन: 2662-687X.

अनीता सिंह, ऋचा कोठारी, सोमवीर बजार और विनीत वीर त्यागी सीआरसी प्रेस द्वारा संपादित पुस्तक "सस्टेनेबल ब्यूटेनॉल बायोफ्यूल्स" में कुमार बी., और वर्मा पी. (2023) अध्याय 5 "बुटानॉल उत्पादन और संबंधित चुनौतियों में प्रगति". आईएसबीएन: 9781003165408.

अग्रवाल के., और वर्मा, पी. (2023) अध्याय 3 "नैनोफिल्ट्रेशन भविष्य की संभावनाओं को उजागर करता है" पुस्तक "बायो-नैनो फिल्ट्रेशन इन इंडस्ट्रियल एफ्लुएंट्स ट्रीटमेंट" सीआरसी प्रेस. आईएसबीएन: 9781003165149.

नायर एलजी, अग्रवाल के., और वर्मा पी. (2023) अध्याय 25 "बायोइलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन के लिए सूक्ष्मजीवों और एंजाइमों की भूमिका: वैश्विक स्थिरता की ओर एक विश्वास" पुस्तक "माइक्रोबायल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी: उत्पादन, बायोकैटलिसिस और औद्योगिक अनुप्रयोग". गौतम ब्रह्मचारी एल्सेवियर द्वारा संपादित. आईएसबीएन: 978-0-443-19059-9.

मुदलियार एस., कुमार बी., अग्रवाल के., और वर्मा पी. (2023) अध्याय 26 "उन्नत अगली पीढ़ी के मेटागेनोमिक दृष्टिकोण पर आधारित नवीन औद्योगिक एंजाइमों की खोज के लिए अप्रयुक्त गैर-कृषि योग्य रोगाणुओं की खोज" पुस्तक "माइक्रोबायल एंजाइमों की जैव प्रौद्योगिकी". उत्पादन, बायोकैटलिसिस, और औद्योगिक अनुप्रयोग" एल्सेवियर. आईएसबीएन: 978-0-443-19059-9.

अग्रवाल के., और वर्मा पी. (2023) मौलिन पी शाह, सुज़ाना रोड्रिग्ज-काउटो, अशोक कुमार द्वारा संपादित पुस्तक "अपशिष्ट जल उपचार अनुसंधान और प्रक्रियाओं में विकास" में अध्याय 2 "शैवाल माइक्रोबायल ईंधन सेल: एक अभिनव और सुलभ दृष्टिकोण" नड्डा, अचलेश डेवेरी एल्सेवियर, एनएक्स एम्स्टर्डम, नीदरलैंड. आईएसबीएन: 78-0-323-88505-8.

यादव एम., अग्रवाल के., कुमार बी., और वर्मा पी. (2022) अध्याय 10 "फलों के रस और पेपर डींकिंग में फंगल ज़ाइलानेज़ के अनुप्रयोग का प्रदर्शन और सिलिको जांच में इसके तंत्र का सत्यापन" पुस्तक "थर्मोकेमिकल एंड" में भविष्य की बायोरिफाइनरियों के लिए कैटेलिटिक रूपांतरण तकनीकें: खंड 2" प्रदीप वर्मा द्वारा संपादित. सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर. आईएसबीएन: 978-981-19-4315-7.

मौलिन पी. शाह वाल्टर डी ग्रुइटर जीएमबीएच एंड कंपनी केजी द्वारा संपादित पुस्तक "एनवायरनमेंटल माइक्रोबायोलॉजी: इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज" अग्रवाल के., और वर्मा पी. (2022) अध्याय 10 "माइक्रोबायल डिसेलिनेशन सेल: टिकाऊ योगदान की दिशा में एक बहुमुखी अंतर्दृष्टि". बर्लिन, बोस्टन. आईएसबीएन: 978-3-11-072721-0

कुमार बी., वर्मा पी. (2022) अध्याय 13 "पिचिया पास्टोरिस: बायोरिफाइनरी अनुप्रयोगों के लिए बायोकेमिकल्स की बहुआयामी फंगल सेल फैक्ट्री" पुस्तक "फंगल बायोटेक्नोलॉजी प्रॉस्पेक्ट्स, एंड एवेन्यूज़" में सुनील के. देशमुख, कांदिकेरे आर. श्रीधर, सुज़ाना द्वारा संपादित एम. बडालियन सीआरसी प्रेस. आईएसबीएन: 9781003248316

दीक्षा त्रिपाठी

सेनगुप्ता एस, सेनगुप्ता ए, हुसैन ए, सरमा जे, बनर्जी ए, पांडे एस, त्रिपाठी डी, पेड्डीरेड्डी वी और कुमार ए (2023); शत्रुतापूर्ण वातावरण में बैक्टीरियल सर्वाइवल पुस्तक में जीवित रहने के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस द्वारा मेजबान मार्गों का मॉड्यूलेशन, संपादक: आशुतोष कुमार, शिवेंद्र तेनगुरिया, अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780323918060; 10.1016/बी978-0-323-91806-0.00003-5

रक्षित आर, बहल ए, कुमार ए, त्रिपाठी डी, पांडे एस (2023); बायोफिल्म: शत्रुतापूर्ण वातावरण में बैक्टीरियल सर्वाइवल पुस्तक में तनाव के खिलाफ बैक्टीरिया की एक समन्वित प्रतिक्रिया, संपादक: आशुतोष कुमार, शिवेंद्र तेनगुरिया, अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780323918060, डीओआई: 10.1016/बी978-0-323-91806-0.00006-0

बनर्जी ए, सेनगुप्ता एस, नंदनवार एन, पांडे एम, त्रिपाठी डी, पांडे एस, कुमार ए, पेद्दीरेड्डी वी (2023); शत्रुतापूर्ण वातावरण में बैक्टीरियल सर्वाइवल पुस्तक में मेजबान पर्यावरण के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस अनुकूलन, संपादक: आशुतोष कुमार, शिवेंद्र तेनगुरिया, अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 9780323918060, डीओआई: 10.1016/बी978-0-323-91806-0.00005-9

पांडे एस, रौनक, त्रिपाठी टी, खवारी एम, त्रिपाठी डी, कांत एस (2022); अध्याय 10 - जीवाणु समुदायों द्वारा तनाव अनुकूलन के आणविक तंत्र, संपादक: राघवेंद्र प्रताप सिंह, गीतांजलि मनचंदा, कौशिक भट्टाचार्जी, होविक पैनोसियन; माइक्रोबायल सिंट्रोफी मीडियेटेड इको-एंटरप्राइजिंग (प्रथम संस्करण), अकादमिक प्रेस, आईएसबीएन: 03239139622□

रानी एम, पॉल बी, भट्टाचार्जी ए, दास के, सिंह पी, बसु एस, पांडे एस, त्रिपाठी डी, कुमार ए (2022); अध्याय 13 - विभिन्न नैनोकणों का उपयोग करके अपशिष्ट जल से रोगजनक बैक्टीरिया का पता लगाना और हटाना, संपादक: मौलिन शाह, सुज़ाना रोड्रिग्ज-काउटो, जयंत बिस्वास; अपशिष्ट जल उपचार अनुसंधान और प्रक्रियाओं में विकास, एल्सेवियर, पृष्ठ 311-322, आईएसबीएन 9780323855839, डीओआई:10.1016/बी978-0-323-85583-9.00025-9.

रानी एम, भट्टाचार्जी ए, सिंह पी, बसु एस, दास के, गोस्वामी के, पांडे एस, त्रिपाठी डी, कुमार ए (2022); अध्याय 22 - अपशिष्ट जल उपचार के संबंध में विभिन्न नैनोकणों की रोगाणुरोधी गतिविधियाँ, संपादक: मौलिन शाह, सुज़ाना रोड्रिग्ज-काउटो, जयंत बिस्वास, अपशिष्ट जल उपचार अनुसंधान और प्रक्रियाओं में विकास, एल्सेवियर, पृष्ठ 501-514, आईएसबीएन 9780323855839, 10.1016/बी978-0- 323-85583-9.00029-6.

फार्मेसी विभाग

अमित के गोयल

एम. रामचंदानी, जी. रथ, ए.के. गोयल, अध्याय 11 - हाइड्रोजेल-आधारित नियंत्रित दवा-वितरण प्रणाली में प्रगति, संपादक: सुरेश पी. व्यास, उदिता अग्रवाल, राजीव शर्मा, स्मार्ट पॉलिमरिक नैनो-कंस्ट्रक्ट्स इन ड्रग डिलीवरी, अकादमिक प्रेस, 2023, पेज 329-350, आईएसबीएन 9780323912488, डीओआई: 10.1016/बी978-0-323-91248-8.00011-8.

कैसर रज़ा

पॉल, राकेश; शर्मा, गजानंद; रज़ा, कैसर; कटारे, ओम. (2022). लिपोडर्मास्यूटिकल्स: तकनीकी परिवर्तन. बायोमेड. अनुवाद. रेस. (2022), पीपी. 213-230, 10.1007/978-981-16-9232-1_1 4, आईएसबीएन: 978-981-16-9231-4

उमेश गुप्ता

उमेश गुप्ता और प्रशांत केशरवानी (संपादक) (2022). डिमेंशिया के उपचार के लिए नैनोमेडिसिन आधारित दृष्टिकोण. एल्सेवियर इंक. पहला संस्करण (आईएसबीएन: 978-0-12-824331-2).

सान्या बठेजा, रेम्या, विनय कुमार, राकेश कुमार साहू, उमेश गुप्ता (2023), अध्याय 8: केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को दवा वितरण. एनके जैन द्वारा संपादित नियंत्रित एवं नवीन औषधि वितरण. सीबीएस प्रकाशक, 266-298.

सुनील के. जैन, कुलदीप राजपूत, के. केसवन, आवेश यादव, उमेश गुप्ता, और प्रेम एन. गुप्ता (2022). अध्याय 6: एच. पाइलोरी संक्रमण के कुशल उपचार के लिए नैनोकैरियर्स की लक्ष्यीकरण क्षमता. नैनोकणों और नैनोकैरियर्स-आधारित फार्मास्युटिकल फॉर्मूलेशन, अखलेश के. जैन और कीर्ति मिश्रा द्वारा संपादित. बेंथम साइंस पब्लिशर्स लिमिटेड 158-175.

हिमानी सिंह, सोफिया तरन्नुम, राकेश के. साहू, विनय कुमार, और उमेश गुप्ता (2022). अध्याय 10: औषधि वितरण के लिए डेंड्राइटिक पॉलिमर मैक्रोमोलेक्यूलर कैरियर. ड्रग डिलीवरी में स्मार्ट पॉलिमरिक नैनो-कंस्ट्रक्ट्स, सुरेश पी. व्यास, उदिता अग्रवाल और राजीव शर्मा द्वारा संपादित, अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर इंक., 289-328 (आईएसबीएन: 978-0-32-391248-8)

राकेश के. साहू, विनय कुमार, सान्या बथेजा, और उमेश गुप्ता (2022). अध्याय 4: अल्जाइमर और डिमेंशिया के प्रभावी प्रबंधन में डेंड्रिमर्स. डिमेंशिया के उपचार के लिए नैनोमेडिसिन-आधारित दृष्टिकोण, उमेश गुप्ता और प्रशांत केशरवानी द्वारा संपादित, अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर इंक. 2022, 71-88 (आईएसबीएन: 978-0-12-824331-2)

सरिता रानी, राकेश के. साहू, विनय कुमार, और उमेश गुप्ता (2022). अध्याय 5: मानव एपिडर्मल ग्रोथ रिसेप्टर को लक्षित नैनोमेडिसिन डिलीवरी. स्तन कैंसर थेरेपी के लिए लक्षित नैनोमेडिसिन, शिवानी आर पालीवाल और ऋषि पालीवाल द्वारा संपादित, अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर इंक. 111-130 (आईएसबीएन: 978-0-12-824476-0)

राकेश के. साहू, तनीषा गुप्ता, स्माइली, विनय कुमार, सरिता रानी, और उमेश गुप्ता (2022). अध्याय 1: न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों की एटियोलॉजी और पैथोफिजियोलॉजी. न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के लिए नैनोमेडिकल ड्रग डिलीवरी, आवेश के. यादव, राहुल शुक्ला और एसजेएस फ्लोरा द्वारा संपादित, अकादमिक प्रेस, एल्सेवियर इंक. 1-16 (आईएसबीएन: 978-0-32-385544-0)

भौतिकी विभाग

सुखमंदर सिंह

सिंह, एस. (एड.). (2023). प्लाज्मा विज्ञान - हालिया प्रगति, नए परिप्रेक्ष्य और अनुप्रयोग. इंटेकओपन. doi: 10.5772/intechopen.104018

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

नागेन्द्र अम्बेडकर सोले

नागेन्द्र अम्बेडकर सोले. (2022). प्रगतिशील भारत में डॉ. बाबू जगजीवन राम का योगदान (भारत की आजादी से पहले और बाद में), कमजोर वर्गों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बाबू जगजीवन राम का योगदान नामक पुस्तक. पृथ्वी प्रकाशक. आईएसबीएन: 9789392256233

जीवन कुमार चेरुकु

जीवन कुमार चेरुकु. (2023). राजस्थान में जनजातीय शिक्षा: एक नीति विश्लेषण, एक पुस्तक में जिसका शीर्षक है: भारत में शिक्षा और राजनीति: नीचे से परिप्रेक्ष्य (पहला संस्करण) रामदास रूपावथ द्वारा संपादित, रूटलेज, नई दिल्ली, पीपी 75-86, आईएसबीएन: 9780367220761.

जीवन कुमार चेरुकु. विशाल काटेकर (2022). भारत में कृषि का डिजिटलीकरण: आत्मनिर्भर भारत के चालकों में किसानों की आय दोगुनी करने का मामला, एसएन त्रिपाठी और नीतू जैन द्वारा संपादित, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली. पीपी 194-205, आईएसबीएन: 978-81-955533-4-1.

सामाजिक कार्य विभाग

जगदीश जाधव

जगदीश जाधव: नीले आकाश: गोष्ठी उद्योगतेच्य (2022) परममित्र मुंबई, आईएसबीएन 978-93-86059-93-2

जे. जाधव, महिला सशक्तीकरण और सतत विकास लक्ष्यों की चुनौतियां: कविता सूरी में गुज्जर और बकरवाल अनुसूचित जनजातियों का एक मामला (2022) (संस्करण) जम्मू और कश्मीर से लिंग असमानता, भेदभाव और न्याय अंतर्दृष्टि, कनिष्क प्रकाशक, वितरक, नई दिल्ली ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू के साथ सहयोग, आईएसबीएन 978-93-93066-10-7

पी. गज़्टा और जे. जाधव, 'लिंग समानता के प्रति बच्चों को संवेदनशील बनाने के लिए स्कूल सेटिंग में हस्तक्षेप कार्यक्रमों की प्रासंगिकता' (2022) लैंगिक समानता में: चुनौतियाँ और अवसर, सरदार वल्लभभाई राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही https : / /link.springer.com/chapter/10.1007/978-981-19-0460-8_36

कोविड-19 के दौरान विकलांग कामकाजी महिलाओं का आजीविका अनुभव: सतत विकास पर अंतःविषय परिप्रेक्ष्य में भविष्यवाणी और संभावनाएं (2022): शिक्षा, कल्याण और नवाचार के माध्यम से एसडीजी हासिल करना, अंतर्राष्ट्रीय स्थिरता सम्मेलन की कार्यवाही 21-22 अगस्त, 2022 दिमित्रियस द्वारा संपादित ए कर्रास, साई किरण ओरोगांती और सुदेशना रे, आईएसबीएन: 978-1-032-60104.5 (पीबीके) 978-1-003-45761-9 (ईबीके) डीओआई: 10.4324/9781003457619

सुभासिस भद्रा

भद्रा, एस. (2023). समुदाय-आधारित मनोसामाजिक सहायता: कोविड-19 के दौरान कमजोर आबादी की सुरक्षा के लिए एक प्रक्रिया, मानसिक स्वास्थ्य और कोविड-19 प्रतिक्रिया के दौरान मनोसामाजिक सहायता: एक अवलोकन, डियाज़ जेओपी द्वारा संपादित, ऐप्पल एकेडमिक प्रेस, (आईएसबीएन: 9781774912898), फ्लोरिडा, यूएसए. (पीपी: 47-74)

गौतम, ए. और भद्रा एस. (2022) कलंकित माता-पिता के बच्चे: चिंताएँ और समग्र विकास को बढ़ावा देना. बाल सुरक्षा, कल्याण और खुशहाली (दूसरा संस्करण), सिबनाथ देब द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड द्वारा प्रकाशित, पीपी-197-214 (आईएसबीएन 978-981-16-9819-4)

कौसर आर, भद्रा एस (2022). सशस्त्र संघर्ष में बच्चे: बाल सुरक्षा, कल्याण और खुशहाली के लिए सुरक्षा और उपायों की चिंता (दूसरा संस्करण), सिबनाथ देब द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड द्वारा प्रकाशित, पीपी- 269-288 (आईएसबीएन 978-981-16-9819-4)

भद्रा, एस,. (2022) आपदाओं में बच्चों की सुरक्षा के लिए मनोसामाजिक सहायता. बाल सुरक्षा, कल्याण और कल्याण में (दूसरा संस्करण), सिबनाथ देब द्वारा संपादित, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड द्वारा प्रकाशित, पीपी-453-483 (आईएसबीएन 978-981-16-9819-4)

समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

कुमार संभव पारीक

सिंह, एम., भट्ट, पी., सिंह, डब्लू., और पारीक, के.एस. (संस्करण). (2023). उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता: सिद्धांत से अभ्यास तक. रूटलेज इंडिया, आईएसबीएन 978-10-32195-77-3. https://doi.org/10.4324/9781003285670

सिंह, एम., भट्ट, पी., सिंह, डब्लू., और पारीक, केएस (2023), उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता: एक परिचय. उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता में (पृ. 3-17). रूटलेज इंडिया. (आईएसबीएन 978-10-32195-77-3) https://doi.org/10.4324/9781003285670-2

भट्ट, पी., सिंह, डब्लू., सिंह, एम., और पारीक, केएस (2023), कम्युनिटी एंगेजमेंट इन द इंडियन हायर एजुकेशन लैंडस्केप. उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता (पृ. 157-166). रूटलेज इंडिया. (आईएसबीएन 978-10-32195-77-3) https://doi.org/10.4324/9781003285670-15

सिंह, डब्लू., भट्ट, पी., सिंह, एम., और पारीक, केएस (2023), उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता: धागों की बुनाई और भविष्य की दिशाएँ. उच्च शिक्षा में सामुदायिक सहभागिता (पृ. 273-292). रूटलेज इंडिया. (आईएसबीएन 978-10-32195-77-3) एचटीटी पीएस://doi.org/10.4324/9781003285670-24

जुगल किशोर

शर्मा, एस., किशोर. जे (2023) "गतिशील दक्षताओं का पोषण: एसएमई के लिए एक अभिनव दृष्टिकोण" पुस्तक "भारतीय एसएमई और स्टार्टअप, नवाचार और नेतृत्व के माध्यम से विकास" https://doi.org/10.1142/13239, विश्व वैज्ञानिक.

खेल जीवविज्ञान विभाग

निधि पारेक

कुमारी, आर., विवेकानन्द, वी., पारीक, एन. (2023). न्यूट्रास्यूटिकल्स और जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में समुद्री आधारित कार्बोहाइड्रेट. समुद्री जैव रसायन (से-क्वोन किम एड.), 1-29. प्रकाशक - सीआरसी प्रेस (आईएसबीएन 9781003303916)

कुमारी, आर., विवेकानन्द, वी., पारीक, एन. (2023). विभिन्न उपचार तकनीकों का उपयोग करके अपशिष्ट जल से एल्काइलफेनोल्स का उन्मूलन. जैव प्रौद्योगिकी और जैव अभियांत्रिकी में वर्तमान विकास (हक आई, कलमधाद ए, पांडे ए एड्स.), 85-102. प्रकाशक - एल्सेवियर (आईएसबीएन 978-0-323-91902-9)

मैकन, जीपीएफ, खलील, एस., कल्याणदुर्ग, पीबी, पारीक, एन., वेतुलुरी, आरआर (2022). पादप रोगज़नक़-जैविक नियंत्रण एजेंटों की तेजी से जांच के लिए एक अलग पत्ती परख. प्लांट पैथोलॉजी: विधि और प्रोटोकॉल (लूची एन एड.), 449-458. प्रकाशक - स्प्रिंगर (आईएसबीएन 978-1-0716-2517-0)

सिंह, आर., पारीक, एन., कुमार, आर., विवेकानन्द, वी. (2022). उच्च शक्ति वाले अपशिष्ट जल के उपचार के लिए अवायवीय बायोडाइजेस्टर. मानव अपशिष्ट उपचार के लिए अवायवीय बायोडाइजेस्टर (मेघवंसी एमके, गोयल एके एड.), 75-94. प्रकाशक - स्प्रिंगर (आईएसबीएन 978-981-19-4921-0)

खेल मनोविज्ञान विभाग

के.सतीश कुमार

के. श्री दिव्या, के. एफ. भारती, एस. हनुमंत राव, के. शांति और के. सतीश कुमार (2023). डेटा एनालिटिक्स के बुनियादी सिद्धांत, इंडो-कॉन्टिनेंटल अकादमिक प्रकाशक. आईएसबीएन नंबर 978-81961690-4-6.

सांख्यिकी विभाग

अरविन्द पांडे

अरविंद पांडे और राल्टे लालपाविमावहा, सहसंबद्ध कमज़ोर मॉडलों की तुलना. सांख्यिकी में संचार - सिमुलेशन और संगणना vR2022, वॉ. 51, सं. 9, 5387-540.

मोहम्मद अबुलेब्दा, अशोक कुमार पाठक, अरविंद पांडे, शिखर त्यागी. कोपुला से प्राप्त द्विचर x गामा वितरण पर. सांख्यिकी, एनों. LXXXII, एन. 1, 2022.

ए पांडे, आरपी सिंह, ए त्यागी, पूर्ण और सेंसर किए गए डेटा के तहत असतत बर-हटके घातीय वितरण का एक अनुमानित अध्ययन. विश्वसनीयता: सिद्धांत और अनुप्रयोग 17 (4 (71)), 109-122.

सौरभ कुमार

आराधना, ए., कुमार, एस. और शुक्ला, एके (2023), "ग्रीन बैंकिंग में मल्टीमीडिया इनोवेटिव टेक्नोलॉजी की भूमिका", ग्रिमा, एस., सूद, के. और ओज़ेन, ई. (सं.) जोखिमों का समकालीन अध्ययन उभरती प्रौद्योगिकी में, भाग बी (वित्त, बीमा और जोखिम प्रबंधन में एमराल्ड अध्ययन), एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, बिंगले, पीपी 275-297. https://doi.org/10.1108/978-1-80455-566-820231015

योग विभाग

संजीब के पात्रा

खोसला, आर. और पात्रा, एस. न्यूरोफिज़ियोलॉजी ऑफ़ कॉन्शसनेस; योग का तंत्रिका विज्ञान, स्प्रिंगर नेचर, चंडीगढ़, भारत, 2022 (प्रेस में)

कुमा, के., मैती, के., मजूमदार, वी., पात्रा, एस. और प्रमोद, ए. कैदियों के न्यूरोसाइकोलॉजिकल प्रोफाइल पर ध्यान का प्रभाव; योग का तंत्रिका विज्ञान, स्प्रिंगर नेचर, चंडीगढ़, भारत, 2022 (प्रेस में)

काशीनाथ जी मैत्री

मैत्री के, आर नागरत्न, ए सिंह टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस (टी2डीएम) और इसकी जटिलताओं की रोकथाम और प्रबंधन में योग की भूमिका. कार्डियोवास्कुलर में योग के सिद्धांत और अभ्यास. स्प्रिंगर प्रकृति. आईएसएसएन: 978-981-16-6913-2, 2022

मैं बसु-रे, मैत्री के. योग को सीओवीआईडी-19 में हृदय संबंधी जटिलताओं को रोकने के लिए एक संभावित हस्तक्षेप के रूप में: इम्यूनो-मॉड्यूलेशन को बढ़ाना और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना. कार्डियोवास्कुलर में योग के सिद्धांत और अभ्यास. स्प्रिंगर प्रकृति. आईएसएसएन: 978-981-16-6913-2, 2022

....

बाह्य निधि परियोजनायें

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वर्ष 2022-2023 के दौरान विभिन्न विभागों में निम्नलिखित 111 अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया गया। इन बाह्य परियोजनाओं को भारत के साथ-साथ अन्य देशों की विभिन्न निधि प्रदाता एजेंसियों जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, भारतीय सामाजिक परिषद, जल संसाधन मंत्रालय, वैश्विक परिवर्तन अनुसंधान के लिए एशिया-प्रशांत नेटवर्क (जापान) द्वारा वित्त पोषित किया गया। जारी अनुसंधान परियोजनाओं के संबंध में विस्तृत सूचनाएँ निम्नलिखित हैं :

रासायनिक विज्ञान एवं फार्मेसी स्कूल

रसायन विज्ञान विभाग

डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन			
जैविक रूप से महत्वपूर्ण हेटरोसाइक्लिक मचानों तक पहुँचने के लिए मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स में विविध प्रतिक्रियाशीलता पैटर्न की जांच।	*34.47* लाख	*2022-2025*	एसईआरबी
डॉ. अनुज कुमार शर्मा एवं **प्रो. चंडी सी. मंडल**			
उन्नत कैंसर रोधी क्षमता और कम दुष्प्रभावों के साथ अधिक प्रभावी *Cu* और *Ru* धातु आधारित आणविक एजेंटों के लिए संयुग्मित दृष्टिकोण	*38.29* लाख	*2022-2025*	एसईआरबी
डॉ. एम. भानुचंद्र			
रीजियोकंट्रोल्ड डायरेक्ट सी-एच सेलेनेशन, एरिलेशन, और होमोएलिलेशन ऑफ (हेटेरो) एरेन्स: औषधीय रूप से महत्वपूर्ण अणुओं का संश्लेषण	*33.06* लाख	*2023-2026*	एसईआरबी

फार्मेसी विभाग

प्रो. अमित कुमार गोयल			
इंसुलिन की बुक्कल/सबलिंगुअल डिलीवरी के लिए बायोएडहेसिव पैच	*10.00* लाख	*2023-24*	एनआडीसी
मवेशियों में थन के संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण के लिए नवीन सूत्रीकरण का विकास	*53.74* लाख	*2023-2026*	डीबीटी

पृथ्वी विज्ञान स्कूल

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

सुश्री साकिया शबनम कादर			
ईसीएमडब्ल्यूएफ से संवहनीय उपलब्ध संभावित ऊर्जा के रुझानों का तुलनात्मक अध्ययन और बांग्लादेश में थंडरस्टॉर्म के लिए अवलोकन संबंधी डेटा। (INSA/*डीएसटी*-ISRF/2022)	*33.00* लाख	*2022* *(6 months)*	आईएनएसए

पर्यावरण विज्ञान विभाग

डॉ. निवेदिता चौधरी एवं डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार			
उत्तरी पश्चिमी हिमालय और मध्य पश्चिम उपोष्णकटिबंधीय भारत में सतत कृषि के लिए ऑर्गनोफॉस्फेट कीटनाशकों के क्षरण, खनिज घुलनशीलता और पादप जैव उत्तेजक उत्पादन के लिए कुशल एक्स्ट्रीमोफिलिक बैक्टीरियल फॉर्मूलेशन का विकास	*2493667.00*	*27.06.2023 to 26.06.2026 (3 वर्ष)*	एसईआरबी
डॉ. गरिमा कौशिक			
स्वतंत्र और इंटरैक्टिव हीटवेव और ओजोन एक्सपोजर के तहत राजस्थान के शुष्क पर्यावरण की पारिस्थितिक रूप से महत्वपूर्ण घासों का मूल्यांकन: जलवायु परिवर्तन परिदृश्य के तहत संरक्षण रणनीति की पहचान करना।	*3079323.00*	*28.06.2023 to 27.06.2026 (3 वर्ष)*	एसईआरबी
प्रो. राजेश कुमार (पीआई) और डॉ. रितु सिंह (सह-पीआई)			
कोविड-19 युग में वैश्विक परिवर्तन और स्थिरता: अधिक लचीले समाजों में परिवर्तन का लक्ष्य	*USD 157.000*	*01.08.2022 to 30.11.2023 (2 वर्ष)*	एपीएनआईएस

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल

डॉ. मिलन सासमल			
पर्यावरण निगरानी के लिए सभी समाधान-संसाधित *MoS2* नैनो-बायो-कम्पोजिट लचीले इलेक्ट्रॉनिक सेंसर।	*4236500.00*	*2022-2026 (3 वर्ष)*	सीएसआर-एचईएफए

जीवन विज्ञान स्कूल

जैवरसायन विभाग

डॉ. विश्वनाथ तिवारी			
नवीन चिकित्सीय रणनीतियों की खोज के लिए एसिनेटोबैक्टर बाउमानी मॉड्यूलेटेड होस्ट ऑटोफैगी का आकलन।	*1107144.00*	*2022-2025 (3 वर्ष)*	आईसीएमआर
डॉ किरण कुमार तेजावथ			
लक्षित संयोजन थेरेपी का उपयोग करके पीडीएसी में कीमो-प्रतिरोध पर काबू पाने के लिए *SHP2/PTPN11* मार्ग के निषेध पर अध्ययन।	*3003000.00*	*2022-2025 (3 वर्ष)*	एसईआरबी
प्रो. चंडी चरण मंडल			

ट्यूमरजेनिक गतिविधि और इसकी चिकित्सीय क्षमता में स्तन कैंसर कोशिकाओं से ट्रांसडिफरेंशियेटेड एडिपोसाइट-जैसी सेल उप-जनसंख्या के प्रभाव को समझना।	*1276129.00*	*2022-23*	आईसीएमआर

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

डॉ विनीत कुमार			
पल्प-पेपर उद्योग से क्लोरोलिग्निन अपशिष्ट के जैव निम्नीकरण के दौरान जीवाणु समुदाय में बायोफिल्म निर्माण, कोरम सेंसिंग अणुओं और उनके जीन अभिव्यक्ति के तंत्र की जांच।	*2025600.00*	*2022-2024 (2 वर्ष)*	एसईआरबी

गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल

गणित विभाग

डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी			
उत्परिवर्तन महामारी को बदतर या बेहतर बनाता है: एक गणितीय मॉडलिंग अध्ययन।	*660000.00*	*2023-2026 (3 वर्ष)*	एसईआरबी

भौतिकीय विज्ञान स्कूल

भौतिकी विभाग

डॉ. अजीत कुमार पात्रा			
न्यूट्रॉन विवर्तन *CRS/2021-22/03/568* को नियोजित करके नवीन हेस्लर मिश्र धातुओं की कार्यक्षमता की खोज	*243240.00*	*2023-24 (01 वर्ष)*	यूजीसी – डीएई सीआरएस

सामाजिक विज्ञान स्कूल

लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग

डॉ. अंजन कुमार साहू			
प्राथमिक संस्थान और माध्यमिक संस्थान: इंग्लिश स्कूल और भारत की वैश्विक जलवायु परिवर्तन-विकास कूटनीति।	*1100000.00*	*2023-2026 (3 वर्ष)*	आईसीएसएसआर

सामाजिक कार्य विभाग

डॉ. राजीव एम.एम.			
उन्नत भारत अभियान और स्वच्छ भारत मिशन में समुदाय-विश्वविद्यालय की भागीदारी- राजस्थान, भारत के ग्रामीण गांवों के अनुभव और प्रयोग।	*300000.00*	*2022-2023 (1 वर्ष)*	एमजीएन सीआरई

प्रो. जगदीश जाधव			
उप-राष्ट्रीय स्तर पर एसटीआई क्षेत्र के लिए डीएसटी-सीपीआर वित्तपोषण नीति और निवेश प्राथमिकताओं को समझना।	*2888292.00*	*2023-2024 (1 वर्ष)*	डीएसटी

एमवाईएएस-सीयूराज खेल विज्ञान स्कूल

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

डॉ. निधि पारीक और डॉ. विवेकानन्द, एमएनआईटी, जयपुर			
सौर ऊर्जा का उपयोग करके जैविक अपशिष्ट के एगेरोबिक बायोकनवर्जन को तीव्र करके स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दक्षता बढ़ाना।	*7489084.00*	*2022-2025 (3 वर्ष)*	डीएसटी

शोध प्रबंध एवं शोध निबंध

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थी अपने स्नातकोत्तर / पीएच.डी. उपाधि को पूरा करने हेतु शोध प्रबंध एवं शोध निबंध प्रस्तुत करते हैं। इस अध्याय में विद्यार्थी द्वारा अपने संबंधित पर्यवेक्षकों के मार्गदर्शन में पूरी की गई पीएच.डी., एमए, एम.आर्क, एमबीए, एम.कॉम, एम.एससी., एम.टेक आदि के शोध प्रबंध एवं शोध निबंध की सूची शामिल है। निम्नलिखित सूची में विद्यार्थी के शोध प्रबंध एवं शोध निबंध के विवरण उपलब्ध है:

पीएच.डी. शोध-प्रबंध

अभ्यर्थी का नाम	विभाग	शोध पर्यवेक्षक	शोध प्रबंध का शीर्षक	मौखिक परीक्षा की तिथि
जानकी सिंह राठौड़ - 2016PHDCOM03	वाणिज्य	डॉ रुचिता वर्मा	भारतीय बैंकिंग उद्योग में विलय और अधिग्रहण: बाजार एकाग्रता, शेयरधारकों की संपत्ति और वित्तीय प्रदर्शन का एक अनुभवजन्य विश्लेषण	11.07.2022
स्वागतिका मिश्रा - 2017PHDARCH01	वास्तुकला	प्रो. नीरज गुप्ता	ओडिशा के भुवनेश्वर शहर के अलग-अलग योजनाबद्ध आवासीय क्षेत्रों में रहने की क्षमता के बारे में महिलाओं की धारणा की खोज	01.08.2022
रूपल ओझा (2017PHDBC01)	जैव रसायन	डॉ. विजय कुमार प्रजापति	विसेरल लीशमैनियासिस संक्रमण के खिलाफ टीका विकसित करने की एक नई रणनीति	10.08.2022
अलका (2015PHDHINDI01)	हिंदी	डॉ. ममता खाण्डल	सुधा ओम ढींगरा का साहित्य "प्रवासी संस्कृति का अध्ययन"	19.09.2022
शिवांशी शुक्ला (2018PHDSTA003)	सांख्यिकी	डॉ. महेंद्र साहा	ऐसिमैट्रिक वितरण के लिए जीवनकाल विशेषताओं का सांख्यिकीय अनुमान	07.11.2022
हेमलता (2016PHDBC02)	जैव रसायन	डॉ किरण कुमार तेजावथ	कैंसर रोधी एजेंट के रूप में नैनो-बायोपॉलिमर में समाहित हर्बल अर्क पर अध्ययन	09.12.2022
सुनील कुमार (2018PHDCS001)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	बिग डेटा तकनीकों का उपयोग करके उच्च उपयोगिता पैटर्न की पहचान	20.12.2022
अलका चौधरी (2017PHDMT01)	गणित	प्रो. डीसी शर्मा	अविश्वसनीय सर्वर, अवकाश नीतियों और घटती सेवा दरों के साथ कतारबद्ध मॉडल का गणितीय अध्ययन	22.12.2022
वीरेंद्र नाथ (2014PHDPHARM08)	फार्मेसी	प्रो. विपिन कुमार	टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस में शामिल लक्ष्यों के लिए एगोनिस्ट/एंटागोनिस्ट के रूप में नवीन हेटरोसाइक्लिक यौगिकों के सिलिको अध्ययन और संश्लेषण	24.12.2022
भंवर सिंह चौधरी (2014PHDPHARM02)	फार्मेसी	डॉ रुचि मलिक	कम्प्यूटेशनल अध्ययन, संश्लेषण और नोवेल एंटीलज़ाइमर एजेंटों का जैविक मूल्यांकन	06.01.2023
शुभम पाराशर (2015PHDPHARM05)	फार्मेसी	डॉ. कैसर रज़ा	जैविक प्रक्रियाओं में कार्बोहाइड्रेट की मध्यस्थता वाली अंतःक्रियाओं के अध्ययन के लिए कार्यात्मक ग्लाइको-नैनोकैरियर्स	12.01.2023
सलीम यूसुफ (2017PHDMT03)	गणित	डॉ. राम किशोर	गड़बड़ी के साथ प्रतिबंधित तीन-शरीर समस्या में स्थिरता विश्लेषण का एक अध्ययन	12.01.2023
मो. अशरफ डार (2017PHDES02)	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. गरिमा कौशिक	माइक्रोकॉकस और बैसिलस एसपीपी द्वारा मैलाथियान के बायोरेमेडिएशन के लिए एक बायोप्रोसेस का डिजाइन और विकास	18.01.2023
श्रीतमा बंद्योपाध्याय (2017PHDBC02)	जैव रसायन	प्रो. चंडी सी. मंडल	स्तन कैंसर में अज्ञात ठंड से प्रेरित जीन के प्रभाव पर अध्ययन	17.01.2023
रैना राज (2017PHDMT02)	गणित	डॉ. विद्योत्तम जैन	सेलुलर नेटवर्क में अनुकूलन समस्याओं के साथ पुन: परीक्षण कतार मॉडल का एक अध्ययन	02.02.2023
रजित गुप्ता (2017PHDES03)	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. एलके शर्मा	उन्नत रिमोट सेंसिंग और प्रक्रिया-आधारित मॉडलिंग को एकीकृत करके वन विकास की गतिशीलता का आंकलन	06.02.2023
उम्मे अफ़िफ़ा (2014PHDSTA	आंकड़े	डॉ. जीतेन्द्र कुमार	वेक्टर ऑटोरेग्रेसिव टाइम सीरीज़ मॉडल का बायेसियन विश्लेषण	15.02.2023

विजय पाल बाजिया (2017PHDMT05)	गणित	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी	विभिन्न हस्तक्षेप रणनीतियों के साथ कुछ बहु-समूह महामारी मॉडल का अध्ययन	06.03.2023
दीपक (2014PHDCS01)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ. ममता रानी	डेटा माइनिंग में फ्रैक्टल और कैओस मॉडल और अनुप्रयोग	21.03.2023
राजश्री नाइक (2018PHDEVS004)	पर्यावरण विज्ञान	प्रो. एलके शर्मा	राजस्थान, भारत स्थित सांभर झील (रामसर साइट) के पारिस्थितिकी तंत्र के आंकलन के लिए जलवायु परिवर्तनशीलता के साथ मल्टीस्पेक्ट्रल और हाइपरस्पेक्ट्रल डेटा का एकीकरण	17.04.2023
कुलदीप कुमार मौर्य (2014PHDHINDI04)	हिंदी	डॉ. जीतेन्द्र कुमार सिंह	मार्कण्डेय की कहानियों का शैलीवैज्ञानिक अध्ययन	25.04.2023
आलोक राज (2018PHDEVS004)	पर्यावरण विज्ञान	प्रो. एलके शर्मा	परिस्थितियों के तहत भू-स्थानिक दृष्टिकोण का उपयोग करके मध्य अरावली क्षेत्र में पर्यावरण-संवेदनशीलता का आंकलन	06.05.2023
शाइनी सैम (2018PHDCOM005)	वाणिज्य	डॉ रुचिता वर्मा	क्रिप्टोकरंसी बाजार में फैलाव, संवेदनशीलता और दृढ़ता: एक क्रॉस-कंट्री विश्लेषण	28.04.2023
ममता यादव (2017PHDCH05)	रसायन विज्ञान	डॉ. एम. भानुचंद्र	पाइरिडिल सल्फ़ोक्साइड समूह द्वारा निर्देशित एरेन्स के सीएच कार्यात्मककरण और डिबेंजोथियोफीन डाइऑक्साइड की एसएनएआर प्रतिक्रियाओं पर अध्ययन	01.05.2023
इलागंधुला सतीश (2018PHDPHARM01)	फार्मेसी	डॉ. देवेश एम. सावंत	जैविक रूप से प्रासंगिक एन-युक्त छोटे कार्बनिक अणुओं के संश्लेषण के लिए नवीन रणनीतियों का विकास	01.05.2023
कोमल कंवर (2017PHDPH02)	भौतिक विज्ञान	डॉ. नीरज पंवार	प्राचीन और प्रतिस्थापित दुर्लभ-पृथ्वी ऑर्थोक्रोमाइट्स के ऑप्टिकल, चुंबकीय और असंवाहक गुणों पर एक अध्ययन	19.05.2023
शंकर लाल चौधरी (2015PHDEN04)	अंग्रेजी	प्रो. सुप्रिया अग्रवाल	भारत में समसामयिक आलोचनात्मक विमर्श में मूलनिवासीवाद के प्रतिमान	13.04.2023
मोनिका ज्योतियाना (2014PHDCS02)	कंप्यूटर विज्ञान	डॉ निष्ठा केसवानी	न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में न्यूरोइमेजिंग विश्लेषण	04.05.2023
सुश्री सरिता रानी (2017PHDPHARM01)	फार्मेसी	डॉ. उमेश गुप्ता	ट्यूमर के प्रभावी प्रबंधन के लिए एचपीएमए (एन-2-हाइड्रॉक्सीप्रोपाइलमेथैक्रिलामाइड) आधारित पॉलिमरिक संयुग्मों का डिजाइन, संश्लेषण और मूल्यांकन	13.05.2023
हंसा (2017PHDCOM01)	वाणिज्य	प्रो. प्रवीण साहू	भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और सार्वजनिक धारणा पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का प्रभाव: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	19.05.2023
रजनी कांत वर्मा (2019PHDEVS004)	पर्यावरण विज्ञान	प्रो. एलके शर्मा	वन बायोफिजिकल पैरामीटर्स के आंकलन के लिए उन्नत हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग	30.06.2023

(आरएस - शोध पर्यवेक्षक; जेएस - संयुक्त पर्यवेक्षक)

शोध निबंध (स्नातकोत्तर)

वास्तुकला विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम	डिजाइन थीसिस	पर्यवेक्षक का नाम
अद्रिका मुहुरि	आयु-मैत्रीपूर्ण समुदाय: जयपुर के आवासीय क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों की धारणा का पता लगाना	प्रो. नीरज गुप्ता	कोलकाता में सतत आवासीय परिसर	प्रो. नीरज गुप्ता एवं वास्तुकार बिबेकानंद मंडल (बाहरी मार्गदर्शक)
आर्यन गुप्ता	कानपुर के आसपास में स्कूल में छात्रों की गतिशीलता का विश्लेषण	डॉ स्वागतिका मिश्रा	कानपुर में बोर्डिंग स्कूल	वास्तुकार रितु बी राय
चार्वी नवीन पटेल	जयपुर शहर में उच्च वृद्धि वाले विकास में किशोरों के बीच सामाजिक संपर्क बढ़ाने के लिए मनोरंजक स्थानों का मूल्यांकन।	डॉ स्वागतिका मिश्रा	IIIT वडोदरा परिसर	प्रो. नीरज गुप्ता एवं वास्तुकार नवीन पटेल (बाहरी मार्गदर्शक)
दामिनी सलूजा	भारत के मंदिर शहरों की तीर्थयात्रा और इसका स्थायी कायाकल्प	वास्तुकार रितु बी राय	धार्मिक ग्राम और सांस्कृतिक क्षेत्र, राया, मथुरा-वृंदावन	वास्तुकार रितु बी राय
धारावत जयचरण	गर्म और आर्द्र जलवायु वाले स्कूल भवनों में थर्मल आराम और ऊर्जा बचत बढ़ाने के लिए थर्मल मास की व्यवहार्यता	डॉ. सुनील शर्मा	सतत अंतर्राष्ट्रीय स्कूल डिजाइन	वास्तुकार रितु बी राय
खुशबू	विभिन्न स्तरों पर नीले हरे बुनियादी ढांचे की समझ	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	आईआईटी दिल्ली एक्सटेंशन. कैम्पस, सोनीपत	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी
एम प्रदीप कुमार	बाढ़ प्रतिरोधी शहरी पड़ोस की ओर: प्रभावी रणनीतियों के लिए संभावित संकेतकों की पहचान करना।	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	विधान परिसर, नया रायपुर	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी
मानसी अशोक परवाल	विदर्भ क्षेत्र, महाराष्ट्र का अज्ञात जल खजाना (बावड़ी): तीन बावड़ियों का एक केस अध्ययन	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	विवान' - इको हाउसिंग विकास परियोजना	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी
प्रतिभा वर्मा	राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य में पारंपरिक भवन निर्माण प्रथाओं का संभावित उपयोग: चकरनगर, इटावा, उत्तर प्रदेश का एक केस अध्ययन	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी	विलेज रिजॉर्ट, इटावा	वास्तुकार विवेकानन्द तिवारी
राहुल टाक	ढूंढाड़ क्षेत्र के किलों में दिन के उजाले की भूमिका - जयपुर के किलों का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन (आमेर और नाहरगढ़ किले के मामले)	वास्तुकार महेश कुमार	मिश्रित उपयोग विकास हैदराबाद	वास्तुकार रितु बी राय
समता डोडिया	भारत में उच्च शिक्षण संस्थानों के गर्ल्स हॉस्टल के भीतर उपयोगकर्ता संतुष्टि का विश्लेषण करना	वास्तुकार रितु बी राय	ग्रुप हाउसिंग, यवतमाल	वास्तुकार रितु बी राय
शिवम कुमार	रोहतासगढ़ पठार पर ग्रामीण बस्ती के विश्लेषण के लिए एक उपकरण के रूप में पैटर्न भाषा की खोज: क्रिस्टोफर अलेक्जेंडर की 'एक पैटर्न भाषा' का एक अध्ययन	वास्तुकार रितु बी राय	बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय, वैशाली	वास्तुकार रितु बी राय
सुम्बुल शमीम	जयपुर शहर के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में पड़ोस में चलने की योग्यता के बारे में महिलाओं की धारणा का विश्लेषण करना	डॉ स्वागतिका मिश्रा	औद्योगिक टाउनशिप, चेन्नई	प्रो. नीरज गुप्ता

वायुमंडलीय विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अरुण कृष्णा एस एस	अवलोकित ऊपरी और गोदावरी नदी पूर्वाग्रह सुधारित बेसिन एन्सेम्बल CMIP6 मॉडल का उपयोग करके अत्यधिक वर्षा और तापमान सूचकांक	डॉ देवेश शर्मा
नमन कुमार राजौरिया	अवलोकित और पूर्वाग्रह सुधारित समुच्चय Cmip6 मॉडल का उपयोग करके रामगंगा बेसिन (भारत) पर अत्यधिक वर्षा और तापमान सूचकांक	डॉ देवेश शर्मा
भव्यश्री	मौसम शोध पर्यवेक्षक और पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करके असम और बिहार में ओलावृष्टि की सूक्ष्मभौतिकीय और गतिशील विशेषताओं की संवेदनशीलता	डॉ सुब्रत कुमार पांडा
गौरव महापात्र	लीड टाइम द्वारा पंजाब के फाजिल्का क्षेत्र में बवंडर की भविष्यवाणी का अध्ययन	डॉ सुब्रत कुमार पांडा

विनिशा	पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करके बिहार और पश्चिम बंगाल में गंभीर तूफानों का 3DVAR संयोजन का प्रभाव	डॉ सुब्रत कुमार पांडा
मिधुन के गोपाकुमार	लॉकडाउन-2020, आंशिक लॉकडाउन और पोस्ट-लॉकडाउन-2022 के दौरान भारत में वायु गुणवत्ता परिवर्तन का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ चिन्मय मल्लिक
प्रियांशु मलिक	भारत के दो एचसीएचओ हॉटस्पॉट पर एचसीएचओ के निर्माण में मानवजनित और बायोजेनिक प्रभावों को कम करना	डॉ चिन्मय मल्लिक
जीना विश्वनाथन	मानसून के मौसम के दौरान उत्तरी भारत में बिजली और बादल के मापदंडों के बीच संबंध को समझना	डॉ. जयंती पाल
श्रेयसी उपाध्याय	सैटेलाइट डेटा और संख्यात्मक सिमुलेशन उत्पादों का उपयोग करके तूफान के दौरान रडार परावर्तन और क्लाउड पैरामीटर्स के बीच संबंध	डॉ. जयंती पाल
अनुराग साहू	भारत के सिंधु-गंगा के मैदानों (आईजीपी) में एक ग्रामीण स्थल पर प्रमुख अल्पकालिक जलवायु प्रदूषकों (एसएलसीपी) का दीर्घकालिक अवलोकन	डॉ जय प्रकाश
मुहम्मद बशीर सी एच	भारत के इंडो-गैंगेटिक प्लेन (आईजीपी) के मध्य बहिर्प्रवाह के एक ग्रामीण स्थल पर प्री-कोविड और सीओवीआईडी अवधि के दौरान ब्लैक कार्बन और ओजोन अग्रदूतों में भिन्नता	डॉ जय प्रकाश

जैव रसायन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
सीमा जोशी	केआरएएस प्रोटीन अवरोधक के रूप में नवीन क्विनोलिन डेरिवेटिव: एक इन सिलिको और इन विट्रो अध्ययन	डॉ किरण कुमार तेजावथ
प्रशांत सिंह राय	सिलिको की पहचान और लक्षण वर्णन में	
चावल में सूखा प्रतिरोधी फॉस्फेट जीन (ओरिज़ा सैटिवा एल.)	डॉ. दीपक गायेन	
मौसम कुमारी	ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में एएमपीके सबयूनिट्स की विभेदक अभिव्यक्ति का विश्लेषण	डॉ भावना बिस्सा
लक्ष्मी खटीक	हेलोअल्केलिफिलिक प्रजाति सैलिपलुडीबैसिलस से कोलेजनेज़ एंजाइम की क्लोनिंग	डॉ. शिव स्वरूप
तपस्विनी जेना	अजैविक तनाव के तहत एफबीएन की पहचान और अभिव्यक्ति विश्लेषण	डॉ. दीपक गायेन
खुशहाल राठौड़	कैफिक एसिड और इन विट्रो अध्ययन के खिलाफ अग्नाशयी डक्टल एडेनोकार्सिनोमा में प्रमुख जीन और मार्गों की पहचान करने के लिए एकीकृत कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण	डॉ किरण कुमार तेजावत
ऋषि प्रिया	नैनोकण एंटीऑक्सीडेंट रक्षा तंत्र को संशोधित करके विग्ना रेडिएटा एल में नमक तनाव को कम करता है	प्रो. संजीब के. पांडा
नेहा सैनी	एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के स्थायी गठन में पेप्टिडोग्लाइकन से जुड़े लिपोप्रोटीन की भूमिका का आंकलन	डॉ विश्वनाथ तिवारी
प्रज्ञा शोभावत	एसिनेटोबैक्टर बॉमन्नी में पर्सिस्टर कोशिका निर्माण में इफ्लक्स पंप की भूमिका का आंकलन	डॉ विश्वनाथ तिवारी
शिवांशी शर्मा	एल-ग्लूटामिनेज़ और एल-एस्पैरागिनेज़ एंजाइम गतिविधि अनुकूलन और हेलोअल्केलिफिलिक बैक्टीरिया से एल-एस्पैरागिनेज की क्लोनिंग	डॉ. शिव स्वरूप
तन्नवी एक्स	स्तन कैंसर में अज्ञात TRIM26 जीन की पहचान और लक्षण वर्णन	प्रो. चंडी सी मंडल
अदिति वार्ष्णेय	हार्मोन-पॉजिटिव और ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) में भिन्न रूप से व्यक्त जीन की पहचान	डॉ. भावना बिस्सा
सुदीप प्रसाद जेना	डेंगू वायरस के घुलनशील गैर-संरचनात्मक प्रोटीन के प्रतिरक्षा उन्मूलन के लिए पेप्टाइड लिगैंड संयुग्मों को डिजाइन करना	डॉ. धनेश्वर प्रस्ती

इंटीग्रेटेड एम.एससी. जैव प्रौद्योगिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
दिव्यांशु किशोर	रेड फ्लोर बीटल, ट्राइबोलियम के वैप्रिन प्रोटीन जीन की अभिव्यक्ति और फाइलोजेनेटिक विश्लेषण कास्टेनियम	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ला
संजय कुमार	पास्ता में अमाइलॉइड का पता लगाना	डॉ. जयकांत यादव
ईशा गोयल	फ्लोरोसेंट और एफ़िनिटी टैग के साथ अंतर्जात STK35L1 जीन की टैगिंग के लिए इन-	डॉ. पंकज गोयल

	सिलिको डिज़ाइनिंग	
सिमरन सारण	DENV-2 के लिफाफा प्रोटीन ई की अभिव्यक्ति, शुद्धि और इसके रीफोल्डिंग के तापमान का अनुकूलन	डॉ. सुमन तप्रयाल
अभिषेक कुमार	सैलिपलुडीबैसिलस एसपी स्ट्रेन CUR 1 में बायोफिल्म से संबंधित जीन के लिए जीनोम-व्यापक पहचान	डॉ. जन्मेजय पांडे

रसायन विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनमोल बेहेरा	$Bi(OTf)_3$ द्वारा मध्यस्थता वाले विभिन्न एरेन्स के साथ 1-नेफ्थाइलमिथाइल और फेरोसीनमिथाइल आधारित अल्कोहल के क्रॉस युग्मन के लिए एक आसान हरित सिंथेटिक मार्ग	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
दिनेश रेगर	एरेन्स के साथ बीआईएस (2,4,6-ट्राइमेथिलबेंज़िल) टिन डाइब्रोमाइड की प्रतिक्रियाओं से सीसी युग्मित उत्पादों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
सुभम रंजन साहू	डायऑर्गेनोटिन (IV) डाइहैलाइड्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और सीसी बॉन्ड बनाने वाली प्रतिक्रियाओं में उनका अनुप्रयोग	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
के आर एस ललिथानंद	साइक्लोफॉस्फेजीन कोर पर प्रतिस्थापित मल्टी-एज़ोबेंजीन संश्लेषण, लक्षण वर्णन और अनुप्रयोग	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
प्रदीप कुमार	एरेन्स का टिन असिस्टेड 4-फ्लोरोबेंजाइलेशन	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
कलामती नागेश	विभिन्न एरेन्स के साथ इलेक्ट्रॉनिक रूप से निष्क्रिय 4-सायनोबेंज़िल क्लोराइड का टिन सहायता प्राप्त युग्मन	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम
रौशन कुमार	Ni_xS_y नैनोकणों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और इसके अनुप्रयोग	डॉ. पार्था रॉय
सोम्यरंजन जेना	TiO_2 नैनोरोड्स और उसके अनुप्रयोगों पर इकट्ठे थियोल स्थिर नी नैनोकणों की तैयारी	डॉ. पार्था रॉय
हम्मराज	मिश्र धातु और धातु नैनोकणों का संश्लेषण और अनुप्रयोग	डॉ. पार्था रॉय
जगदीश बोरदोलोई	विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए TiO_2 सतह का अन्वेषण	डॉ. पार्था रॉय
नितेन्द्र कुमार	ट्रांज़िशन मेटल चाल्कोजेनाइड: डिज़ाइन और कार्यान्वयन	डॉ. पार्था रॉय
धवल भाई पंड्या	K_2CO_3-α, β- असंतृप्त केटॉक्सिम्स का मध्यस्थ इंट्रामोल्युलर ऑक्सीजनेशन: क्वाटरनेरी सेंटर वाले आइसोक्साज़ोलिन का संश्लेषण	डॉ. एम. भानुचंद्र
जिशु नंदा	क्विनोलिन एन-ऑक्साइड का सिंथेटिक विविधीकरण	डॉ. एम. भानुचंद्र
आशुतोष शर्मा	भारी मैक्रोसायक्लिक ऑर्गनोसल्फर लिगैंड स्थिर ट्रांस-पैलेडियम डाइक्लोराइड आणविक रोटर का डिजाइन और संश्लेषण और प्राथमिक अल्कोहल द्वारा नाइट्राइल के α-ओलेफिनेशन में इसका उपयोग	डॉ. हेमन्त जोशी
अदिति गौतम	एनएनएसई पिंसर लिगैंड और मैंगनीज पिंसर कॉम्प्लेक्स का डिजाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन और प्राथमिक अल्कोहल का उपयोग करके नाइट्राइल के α-ओलेफिनेशन के लिए इसका अनुप्रयोग	डॉ. हेमन्त जोशी
नीतिका	एनसीएस आधारित पैलेडियम पिंसर कॉम्प्लेक्स का डिज़ाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. हेमन्त जोशी
रजत कुमार	एकल विखंडन और सौर कोशिकाओं में इसका अनुप्रयोग	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
हिमांशु	एक्साइटन का कंपन शमन दोहरे हाइड्रोजन बंधित डिमर में विभाजन	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
योगेश गुप्ता	एच-बंधित अणु 2-एमिनोपाइरीडीन डिमर (2एपी)2 में एक्साइटोनिक विभाजन की कंपन शमन	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
जागृति	एएमएफ और अमाइलॉइड-42 के प्रति Cu^{2+} की धातु बंधन एफ़िनिटी और चयनात्मकता	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
अनिशा सतपथी	बीएन प्रतिस्थापित डिमर्स पर एकल विखंडन का अध्ययन	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
पुखराज	के फोटोफिजिकल गुणों पर बीएन प्रतिस्थापन का प्रभाव फ्लोरेन्थीन और एसेनेफ्थिलीन	डॉ. एस. राजगोपाल रेड्डी
अनिशा रावत	नोवेल क्रोमोफोर लिगैंड और इसके Ni(II) और Zn(II) कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी

प्रकांत कुमार	सेलेनियम आधारित बिडेंटेट लिगैंड युक्त Zn(II) कॉम्प्लेक्स का डिज़ाइन, संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी
सत्यरंजन पाढ़ी	बीआईएस (इमिनो) पाइरीडीन लिगैंड समर्थित जिंक कॉम्प्लेक्स: संश्लेषण और इसकी विशेषता	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी
अदीबा नाज़	सल्फर लिगैंड युक्त Zn (II) कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी
मुक्ता कुमारी	क्रोमोफोर लिगैंड का उपयोग करके Co(II) कॉम्प्लेक्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी
उत्कर्ष मीणा	संश्लेषण, ओ-फेनिलेनेडियमीन और क्रोमोन के संघनन द्वारा प्राप्त कम किए गए शिफ बेस लिगैंड पर आधारित धातु परिसरों की विशेषता	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी
योगिता यादव	मैलिक एनहाइड्राइड के साथ मोरिटा-बायलिस-हिलमैन केटोन से प्राप्त डायनामाइन्स की डायल्स-एल्डर प्रतिक्रिया	डॉ. ईश्वर एस.
आद्यशा मिश्रा	असममित परिवर्तनों के लिए प्रोलाइन व्युत्पन्न द्विकार्यात्मक ऑर्गेनोकैटलिस्ट का विकास	डॉ. ईश्वर एस.
गुणनिधि साहू	असममित परिवर्तनों के लिए प्रोलाइन व्युत्पन्न सी2-सममितीय द्विकार्यात्मक ऑर्गेनोकैटलिस्ट	डॉ. ईश्वर एस.
हिमांशु शेखर पांडा	नेफ्थोक्विनोन का उपयोग करके मोरिटा-बेलिस-हिलमैन केटोन्स से प्राप्त डायनामाइन का γ-कार्यात्मकीकरण	डॉ. ईश्वर एस.
जतिन सिंहमार	असममित सीसी बॉन्ड बनाने की प्रतिक्रिया के लिए प्रोलाइन व्युत्पन्न ऑर्गेनोकैटेलिस्ट की खोज	डॉ. ईश्वर एस.
बुबुन नायक	मेटल फ्री एन-डायरिल का एरिलेशन डायरिलिओडोनियम साल्ट का उपयोग करके कमरे के तापमान पर सल्फ़ोक्सिमाइंस	डॉ. रितेश सिंह
ओमेश मालव	आयरन उत्प्रेरित सी3- प्रत्यक्ष सी (एसपी2)-एच बॉन्ड क्रियाशीलता के माध्यम से इमिडाज़ोपाइरीडीन का संशोधन	डॉ. रितेश सिंह
रवि कुमार	डायरेक्ट सी (एसपी2)-एच बॉन्ड फंक्शनलाइजेशन के माध्यम से फ्लोरोअल्कोहल के साथ एजा-हेटरोसायकल का कमरे का तापमान फ्लोरोअल्किलीकरण	डॉ. रितेश सिंह
ज्योयिरमयी साहू	बेंजो के निर्माण के लिए एक कुशल दृष्टिकोण [2,3] एज़ेपिनोइंडोल एक प्रमुख मध्यवर्ती के रूप में एज़ा - ऑक्सीलीएल केशन का उपयोग करता है	डॉ. रितेश सिंह
रक्षिता मीणा	एज़ॉक्सायलील केशन इंटरमीडिएट का उपयोग करके डायहाइड्रोपाइरिडो इंडोल-1, 3-डायोन तक पहुंचने का एक कुशल दृष्टिकोण	डॉ. रितेश सिंह
अंकित कुमार दाश	कोबाल्ट उत्प्रेरक का उपयोग करके जैविक रूप से प्रासंगिक हेटरोसायक्लिक यौगिकों का संश्लेषण	डॉ. चंद्रकांत दाश
बर्षा आचार्य	बेंजिलिक C(sp3)-H हाइड्रोकार्बन का बीआईएस (इमिनो) पाइरीडीन निकल(II) कॉम्प्लेक्स द्वारा ऑक्सीकरण	डॉ. चंद्रकांत दाश
पायल मीणा	पानी में घुलनशील एन-हेटरोसायक्लिक कार्बाइन लिगैंड समर्थित सिल्वर कॉम्प्लेक्स: क्लिक प्रतिक्रियाओं में संश्लेषण, लक्षण वर्णन और उनके उत्प्रेरक अनुप्रयोग	डॉ. चंद्रकांत दाश
मुफ़ीदा एम.	आयरन(III) - पानी में उत्प्रेरित कार्बाज़ोलोन संश्लेषण	डॉ. चंद्रकांत दाश
यश जैन	एनएचसी आधारित कॉपर कॉम्प्लेक्स द्वारा उत्प्रेरित हेटरोसाइक्लिक यौगिकों का संश्लेषण	डॉ. चंद्रकांत दाश
शुभादीप सान्याल	Fe(II) और Fe(III) कॉम्प्लेक्स में स्पिन संक्रमण:- कुछ हालिया उदाहरण	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
अश्विनी	कोबाल्ट कॉम्प्लेक्स में स्पिन क्रॉसओवर घटना	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
मोनिका सिहाग	धातु और अमाइलॉइड बाइंडिंग के लिए चयनित फ्लेवोनोइड्स की खोज गुण	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
नीतीश कुमार	रु-एरीन आधा सैंडविच कॉम्प्लेक्स प्राथमिक अल्कोहल के साथ मिथाइल एन हेटेरोएरेन्स के उत्प्रेरित युग्मन: कार्यात्मक एन-हेटेरोएरोमैटिक्स तक सीधी पहुंच	डॉ. अनुज कुमार शर्मा
उमेश मोर्दा	अल्कोहल के साथ मिथाइल प्रतिस्थापित नेटेरोएज़ारेनेस के लिए कुशल उत्प्रेरक	डॉ. अनुज कुमार शर्मा

वाणिज्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनुभव आनंद	विविधता, समानता और समावेशन: अमेज़ॅन का एक केस अध्ययन	प्रो प्रवीण साहू
आरती पुष्कर	वित्तीय पर COVID- 19 के प्रभाव का मानचित्रण भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की स्थिरता का उपयोग करना चयनात्मक मॉडल	डॉ. संजय कुमार पटेल
बालेबोइना वेंगाबाबू	शेयर बाज़ार के उतार-चढ़ाव को समझना: रूस यूक्रेन संघर्ष का एक अनुभवजन्य अध्ययन	डॉ. नेहा सेठ
चिराग ज्योति बारिक	वैश्विक बाज़ार में रणनीतिक प्रबंधन प्रथाएँ: रॉयल एनफील्ड का एक अध्ययन	प्रो प्रवीण साहू
काजल कुमारी	क्रेडिट निवेश जमा और एनपीए पर असर सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र की लाभप्रदता सेक्टर बैंक: भारत से अनुभवजन्य साक्ष्य	डॉ. प्रियंका भास्कर
कृतार्थ कुमार गुप्ता	भारतीय पर्यटन का एक तुलनात्मक विश्लेषण उद्योग: पूर्व-कोविड और कोविड प्रभाव के दौरान	डॉ. प्रियंका भास्कर
मिशाब ओपी	पारंपरिक सूचकांक पर COVID-19 का प्रभाव और भारत में इस्लामी सूचकांक	डॉ. नेहा सेठ
मिताली सिंह	पारिस्थितिकी पर हरित पहल का प्रभाव पदचिह्न: एक अनुभवजन्य अध्ययन	डॉ. संजय कुमार पटेल
मुहम्मद आसिफ पी.सी	इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने का भारतीयों पर प्रभाव अर्थव्यवस्था: एक वैचारिक विश्लेषण	डॉ. नेहा सेठ
नाभन टी.पी	वस्तु एवं सेवा कर के प्रभाव का एक अध्ययन केरल में आतिथ्य उद्योग	डॉ. हंसा
पुष्पांजलि कुमारी	वित्तीय पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव बैंकिंग क्षेत्र का प्रदर्शन: का एक अध्ययन चयनित भारतीय बैंक	डॉ. प्रियंका भास्कर
श्रेया साक्षी	क्रेडिट रेटिंग का प्रदर्शन मूल्यांकन भारत में एजेंसियां: एक खोजपूर्ण विश्लेषण	डॉ. हंसा
वन्दना	एनएसई सूचीबद्ध दवा कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर कोविड-19 का प्रभाव: एक ड्यू-पोंट विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार पटेल

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अतुल कुमार	ट्रांसफर लर्निंग और हाइब्रिड दृष्टिकोण का उपयोग करके हस्तलिखित हिंदी वर्ण पहचान	डॉ. अजय इंडियन
अर्पित दाधीच	रेस्तरां प्रबंधन प्रणाली	डॉ. ममता रानी
सालवी पालीवाल	छवि जालसाजी का पता लगाने वाली प्रणाली	श्री रविराज चौधरी
सुबिता	एसीओ का उपयोग करके ग्रिड कंप्यूटिंग में लोड संतुलन	डॉ. ममता रानी
अतुल शर्मा	भारी अर्थ मूविंग मशीनरी के लिए ओपनकास्ट खनन में इमेज डीहेजिंग	श्री रविराज चौधरी
प्रियाल पालीवाल	रेस्तरां प्रबंधन प्रणाली	डॉ. ममता रानी
रितिक जांगिड़	ZOHO क्रिएटर का उपयोग करके सॉफ़्टवेयर अनुप्रयोग विकास	डॉ निष्ठा केसवानी
कुणाल जांगिड़	भावना विश्लेषण का उपयोग करते हुए पीओआई अनुशंसा प्रणाली	डॉ. अजय इंडियन
संदीप कुमार	उपस्थिति स्वचालन प्रणाली	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
प्रिया कुमावत	चेहरा पहचान का उपयोग कर स्वचालित उपस्थिति प्रबंधन प्रणाली	श्री रविराज चौधरी
सौरभ कुमार	फार्म स्वचालन प्रणाली	डॉ. अजय इंडियन
जगदीश कुमार	फिक्स्ड बेस्ड ऑपरेटर (एफबीओ) मास्टर	डॉ. ममता रानी
रंजीत कुमार	अतिक्रमण संसूचन प्रणाली	डॉ निष्ठा केसवानी
अंशू वैश्य	AI SENSY इंटीग्रेशन के साथ व्हाट्सएप चैटबॉट के माध्यम से ग्राहक अनुभव और बिक्री को बढ़ाना	डॉ निष्ठा केसवानी
गणेश सैनी	एआई मॉड्यूल के साथ यात्रा सलाहकार	डॉ निष्ठा केसवानी
इंद्रजीत चक्रवर्ती	साक्षात्कार प्रबंधन प्रणाली	प्रो. ममता रानी
मनोज	हिंदी से मारवाड़ी भाषा अनुवाद	प्रो. ममता रानी
मानसी प्रकाश इंगले	स्प्रिंग एमवीसी का उपयोग कर वेब एप्लिकेशन	श्री गौरव मीणा
मेहर आलिया	सीएनएन का उपयोग करके स्टील प्लेटों पर दोष का पता लगाना	श्री रवि राज चौधरी
निशा	IOT घुसपैठ का पता लगाने के लिए विविध डेटासेट विश्लेषण: KDD-CUP'99, NSL-	श्री गौरव मीणा

	KDD, UNSW-NB15, और CICIOT2023 अन्वेषण	
प्रकाश चंद्र महापात्रा	हिंदी पाठ में भावना विश्लेषण	श्री गौरव मीणा
प्रिया खिची	गहन शिक्षण मॉडल का उपयोग करके पौधों की बीमारियों का वर्गीकरण और पता लगाना	डॉ पवन सिंह
प्रियंका	भावनाओं को डिकोड करना: पाठ विश्लेषण के माध्यम से भावनाओं और व्यंग्य का अनावरण	डॉ. अजय इंडियन
सिद्धार्थ सिंह कुशवाहा	डेटा माइनिंग दृष्टिकोण का उपयोग करके उच्च शिक्षा के छात्रों में अवसाद का विश्लेषण	डॉ. अजय इंडियन
सिमरन आर्यल	परामर्श प्रबंधन प्रणाली	डॉ. अजय इंडियन
सोनाली पलाई	चेहरा पहचान आधारित कर्मचारी उपस्थिति लकड़हारा	श्री रवि राज चौधरी
सुरेंद्र सिंह	कुक्कू सर्च ऑप्टोमाइजेशन	प्रो. ममता रानी
विकास कुमार महातो	मशीन लर्निंग का उपयोग करके फ़िशिंग डोमेन का पता लगाना	श्री रवि राज चौधरी

कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
शिवम कुमार	कंटेनर स्केल: कंटेनर ऑटो-स्केलिंग का उपयोग करके DDoS शमन	डॉ गौरव सोमानी
गोविंद नारायण पटेल	डब्लूएसएन में नोड्स के पारस्परिक प्रमाणीकरण के लिए तंत्र	डॉ मुजम्मिल हुसैन
बबलु कुमार	गहन शिक्षण का उपयोग करके सांकेतिक भाषा पहचान	डॉ. तरूण कुमार

संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अनीश रंजन	रूस-यूक्रेन संघर्ष का मीडिया प्रतिनिधित्व: बीबीसी समाचार और टाइम्स नाउ का एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ प्रांत प्रतीक पटनायक
आर्द्रा टी	मलयालम सिनेमा में पत्रकारों के चित्रण के बारे में एक अध्ययन	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव
चेतन जैन	सिनेमाई उत्कृष्टता में आरआरआर और बाहुबली के बीच कलात्मक और तकनीकी विश्लेषण	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव
दीपा पोथागोला	खबर का एक केस स्टडी लहरिया	डॉ. अनूप कुमार
हर्षिता	सोशल मीडिया और पर्यावरण सक्रियता: भविष्य के विरोध के लिए शुक्रवार पर एक अध्ययन	डॉ प्रांत प्रतीक पटनायक
कुमार शिवम	युवाओं की जीवनशैली पर सोशल मीडिया उपभोग के प्रभाव पर एक अध्ययन	डॉ. अनूप कुमार
कुणाल गोयल	राजनीतिक संचार में सोशल मीडिया की भूमिका: कांग्रेस और भाजपा के ट्विटर हैंडल का आलोचनात्मक विश्लेषण	डॉ नीरू प्रसाद
लोकेश खटाना	युवाओं पर फेक न्यूज़ का प्रभाव: फेसबुक पर एक अध्ययन	डॉ निकोलस लाकड़ा
मितुशी	दलित स्वामित्व वाली और गैर-दलित स्वामित्व वाली वेबसाइटों पर पाठ्य विश्लेषण: एक तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव
प्रफुल्ल के	फोटोग्राफिक छवि में सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व: स्टीव मैककरी और मैरी एलन मार्क के कार्य का विश्लेषण	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव
रवि सैनी	बॉलीवुड बनाम दक्षिण भारतीय फिल्मों की लोकप्रियता	डॉ नीरू प्रसाद
रोहिता कुमार सुना	डंगरिया के लोक मीडिया अभ्यास पर मोबाइल के प्रभाव पर एक अध्ययन कंध जनजाति	डॉ निकोलस लाकड़ा
साबास जदीन ई ओ	अन्य भाषा के दर्शकों पर 2021 में चयनित मलयालम ओटीटी रिलीज़ फिल्मों का प्रभाव और स्वागत	डॉ निकोलस लाकड़ा
स्नेहा भोल	प्रिंट मीडिया और जनजातीय विकास: ओडिशा में नियमगिरि आंदोलन पर सामग्री विश्लेषण	डॉ प्रांत प्रतीक पटनायक
तनीषा माथुर	तुच्छीकरण विनय: हिंदी टेलीविजन सिटकॉम 'भाभी जी घर पर हैं' में महिलाओं के प्रतिनिधित्व का एक विश्लेषण	डॉ. अनूप कुमार

तिर्मिज़ी मो ज़ीशान वारिश अहमद	विधर्मी के रूप में मुसलमानों की अन्यता: गुजरात के डिजिटल समाचार मीडिया का एक केस स्टडी	डॉ नीरू प्रसाद
उसानगरी संदीप कुमार	तेलुगु सिनेमा में हाशिये पर पड़े समुदायों की कहानियों पर एक अध्ययन	डॉ निकोलस लाकड़ा

आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
हरविंदर सिंह	जोखिम प्रबंधन में समय श्रृंखला मॉडलिंग के लिए SaaS आधारित उत्पाद विकास	डॉ. अरविन्द पांडे
आकाश सिंह	अगले शब्द की भविष्यवाणी	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
अब्दुल नफीह जी	पूर्व-प्रशिक्षित एंबेडिंग का उपयोग करके अंग्रेजी-हिंदी न्यूरल मशीन अनुवाद प्रणाली पर प्रायोगिक विश्लेषण	डॉ. राजेश कुमार मुंडोतिया
आकाश चक्रवर्ती	कन्वोल्यूशन अनुक्रम से अनुक्रम मॉडल का उपयोग करके हिंदी-बंगाली न्यूरल मशीन अनुवाद	डॉ. राजेश कुमार मुंडोतिया
बिपाशा बिस्वास	बिटकॉइन की कीमत की भविष्यवाणी	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
चित्राक्षी जेतवातुमु	राजस्थान स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में धोखाधड़ी का पता लगाना और जोखिम विश्लेषण	डॉ. अरविन्द पांडे
दिव्या कुवार्बी	DOCINT.AI - दस्तावेज़ डेटा निष्कर्षण और अंतर्दृष्टि	डॉ. अरविन्द पांडे
गरिमा लकड़ा	मशीन लर्निंग विधियों का उपयोग करके बिटकॉइन की कीमत की भविष्यवाणी	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
जूही प्रिया	एक्सपीरियन ब्यूरो डेटा में प्रत्येक वाणिज्य के लिए ईएमआई की गणना करने के लिए (ऋण दायित्व V2)	डॉ. अरविन्द पांडे
कमल सिंह	निवेश स्वचालन की वापसी	डॉ. अरविन्द पांडे
कु प्रियंका गुप्ता	दृष्टि ट्रांसफार्मर से ब्रेन ट्यूमर का पता लगाना	डॉ. राजेश कुमार मुंडोतिया
कु वर्षा	चेहरे के भाव पहचानने पर आधारित गीत की अनुशंसा	डॉ. अरविंद पांडे, डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
कुमार संजीब रे	वाहन बीमा दावा धोखाधड़ी का पता लगाना	श्री रवि राज चौधरी
कुमारी पूजा	छवि-पाठ भावना विश्लेषण	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
लोकिंदर सिंह राणा	डेटा साइंस इंटर्न	डॉ. अरविन्द पांडे
मंगलदीप काराक्न	कन्वोल्यूशन अनुक्रम से अनुक्रम मॉडल का उपयोग करके हिंदी-बंगाली न्यूरल मशीन अनुवाद	डॉ. राजेश कुमार मुंडोतिया
वसीम राजा	GAN नेटवर्क का उपयोग करके सिंथेटिक सिग्नल जनरेशन	डॉ. अरविन्द पांडे
नमन गुप्ता	छवि-पाठ भावना विश्लेषण	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
नीतीश कुमार	बीएनपीएल के लिए उपयोगकर्ता स्तर का उपकरण	डॉ. अरविन्द पांडे
पी विशाल	पूर्व-प्रशिक्षित एंबेडिंग का उपयोग करके अंग्रेजी-हिंदी न्यूरल मशीन अनुवाद प्रणाली पर प्रायोगिक विश्लेषण	डॉ. राजेश कुमार मुंडोतिया
प्रबीन कुमार मोहन्ता	चेहरे के भाव पहचानने पर आधारित गीत की अनुशंसा	डॉ. अरविंद पांडे, डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
प्रीति कुमारी मुर्मू	छवि-पाठ भावना विश्लेषण	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
प्रेमजीत कुमार	बायोटेक स्टार्ट-अप बाजार विभाजन	डॉ. अरविन्द पांडे
प्रियंका शर्मा	क्लासिफायर व्याख्याता का उपयोग करके मॉडल व्याख्या	डॉ. अरविन्द पांडे
रवि शंकर प्रसाद	अगले शब्द की भविष्यवाणी	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे
शिवम जोशी	दस्तावेज़-वर्गीकरण, RSHAA, ALTHEA और ज़ोन बिक्री सहायता POC परियोजनाएँ	डॉ. अरविन्द पांडे
सुमन सौरव बस्तिया	आय वर्गीकरण प्रणाली	डॉ. अरविन्द पांडे
विपिन उनियाल	लियो में उत्पाद विश्लेषण का निर्माण	डॉ. अरविन्द पांडे
रितिका कुमारी विश्वकर्मा	भविष्य के वायरलेस नेटवर्क के लिए ऊर्जा-जागरूक नेटवर्क योजना	डॉ. विद्योत्तमा जैन

अर्थशास्त्र विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
दीपा कुमारी	भारत में वित्तीय समावेशन का एक अनुभवजन्य विश्लेषण: एक राज्य स्तरीय विश्लेषण	डॉ प्रगति जैन
खुशबू बिलंदानी	आर्थिक विकास और पर्यावरण गुणवत्ता के बीच समझौता: भारतीय राज्यों से दूसरी पीढ़ी के पैनल साक्ष्य	डॉ प्रगति जैन

नेहल जैन	ब्रिक्स देशों में नवीकरणीय ऊर्जा नेक्सस का अनावरण	डॉ प्रगति जैन
दिनेश कुमार चौधरी	राजस्थान में सौर ऊर्जा अपनाने की संभावनाओं और चुनौतियों की खोज	डॉ प्रगति जैन
कोमल मीणा	भारत में वित्तीय समावेशन: एक अनुभवजन्य जांच	डॉ प्रगति जैन
मनजीत साहा	पंजाब में कृषि उत्पादन और आर्थिक विकास का एक अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ प्रगति जैन
मीनल पारीक	भारत में सतत ऊर्जा और आर्थिक विकास के बीच की गतिशीलता: एक एआरडीएल दृष्टिकोण	डॉ प्रगति जैन
आरती नेगी	CO2 उत्सर्जन पर वित्तीय विकास और वाणिज्य खुलेपन का प्रभाव: भारत का अध्ययन	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
दीप्ति रंगा	राजस्थान में उच्च शिक्षा पर संभागवार विश्लेषण का एक अध्ययन	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
जिन्सी एल्सा जोसेफ	भारत के आर्थिक विकास पर सीपीएसई के प्रदर्शन का प्रभाव: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
रौशनी सिंह	CO2 उत्सर्जन, ऊर्जा खपत और औद्योगिक उत्पाद सूचकांक के बीच संबंध: एक अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
केतकी धोटे	भारतीय अर्थव्यवस्था पर एफडीआई का प्रभाव	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
गौरव बलीम	भारत में सुधारों के बाद की अवधि के दौरान CO2 उत्सर्जन पर व्यापारिक निर्यात, एफडीआई प्रवाह और सकल घरेलू उत्पाद का प्रभाव	डॉ. एसएन मूर्ति डोगा
कुंजन शर्मा	आर्थिक विकास पर तेल की कीमतों का प्रभाव: सार्क देशों का एक अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ हेमलता मंगलानी
हरिगोविंद एम.सी	प्रसन्नता सूचकांक: कोच्चि का एक बहुआयामी तुलनात्मक अध्ययन	डॉ हेमलता मंगलानी

अध्ययन विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
प्रिया विद्यार्थी	कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सीखने में आने वाली कठिनाइयों पर एक अध्ययन (संयुक्त शोध प्रबंध- भौतिकी एवं शिक्षा विभाग)	डॉ सीमा गोपीनाथ
संग्राम रे	मलकानगिरी, ओडिशा की ऊपरी बोंडा आदिवासी महिलाओं की स्वास्थ्य, स्वच्छता और शैक्षिक स्थिति	डॉ अंजलि शर्मा
ओम प्रकाश	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर शिक्षण मॉडल का विकास और कार्यान्वयन	डॉ रीना गोदारा
यज्ञ दत्त जांगिड़	उपलब्धि पर खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र की प्रभावशीलता ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों की भौतिकी	डॉ कनक शर्मा
विनय कुमार	आलोचनात्मक सोच और समस्या समाधान कौशल का समावेश एनसीईआरटी भौतिकी पाठ्यपुस्तक के आधुनिक भौतिकी अध्याय में बारहवीं कक्षा के लिए	डॉ कनक शर्मा

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अमर सिन्हा	3डी प्रिंटेड माइक्रोनीडल्स और आईओटी का उपयोग करके बायोमेडिकल अनुप्रयोगों में एकीकृत दवा।	डॉ. मिलन सासमल
मनीष कुमार	शैवाल वृद्धि के आंकलन के लिए फ्लोटिंग वायरलेस सेंसर नोड का डिजाइन और विकास	डॉ कपिल सारस्वत
निधि शर्मा	नोड प्रमाणीकरण के माध्यम से AODV रूटिंग प्रोटोकॉल को सुरक्षित करना	डॉ. राजन सिंह

अंग्रेजी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
रोज़ मैरी शाजी	महामारी शिक्षाशास्त्र: अनिंदिता दास का एक आलोचनात्मक अध्ययन, महामारी ने मुझसे क्या सीखा	डॉ. संजय अरोड़ा
उमा नायर	करुक्कु और कर्णन में दलित के माध्यम से दलित की खोज	डॉ. संजय अरोड़ा
विशाखा मीणा	जब खरगोश चिल्लाता है और झुंड के प्रकाश में विघटनकारी पहचान विकार को समझना	डॉ. संजय अरोड़ा
निकिथा जीथ	भारतीय सिनेमा में समलैंगिकता का चित्रण: एक चुनिंदा अध्ययन	डॉ. भूमिका शर्मा
नितीशा सिंह	सार्त्र के अस्तित्ववादी ढाँचे के माध्यम से दोस्तोवस्की की कल्पना पर गौर करना: एक चयन अध्ययन	डॉ. भूमिका शर्मा
खुशी शेखावत	हांसदा में संथाल विश्व दृष्टिकोण को समझना सोवेंद्र शेखर की चयनित कृतियाँ	डॉ. नेहा अरोड़ा

हिमांश सिंह बरोला	दलित महिलाओं की आवाज़: 1857 के गुमनाम योद्धाओं का पुनरावलोकन	डॉ. नेहा अरोड़ा
गायत्री रंजन	प्रकृति, शक्ति और संस्कृति: हकलबेरी फिन और हंग्री टाइड के साहसिक कार्यों में पर्यावरणीय चेतना का उत्तर औपनिवेशिक अन्वेषण	डॉ. देवेन्द्र रांकावत
गली तेजा	भारत में पारिवारिक मूल्यों पर रामायण का प्रभाव: राम की बहन रघु की सच्ची संतान का एक अध्ययन	डॉ. देवेन्द्र रांकावत
देविका एस प्रवीण	ग्राफिक उपन्यासों की आकृति विज्ञान: अभिव्यंजक शक्ति और पाठक की अनुभूति की एक जांच	डॉ. देवेन्द्र रांकावत
आयशा कुमैर	सामग्री स्मृति के माध्यम से विभाजन के इतिहास का पता लगाना: एक महत्वपूर्ण अध्ययन	डॉ वेद प्रकाश
आर्य. के	आभा से बाहर दिव्यता: मानवता और सीता की दिव्यता की तुलना	डॉ वेद प्रकाश
अनन्या सिंह	आराम, असुविधा और दुर्व्यवहार: 'आरामदायक महिलाओं' की घटना की जांच	डॉ वेद प्रकाश
अनघा बिनीश पलाथिंगल	चुनिंदा काल्पनिक और गैर-काल्पनिक कार्यों के माध्यम से भारतीय मातृत्व को परिभाषित और पुनर्परिभाषित करना	डॉ. सविता अंदेलवर
अमिता कृष्णा	आदिवासी और गैर-आदिवासी लेखकों द्वारा आदिवासियों का चित्रण: कोचारेथी और परजा का एक चयनित अध्ययन	डॉ. सविता अंदेलवर
अमिताभ आदर्श	जिम मॉरिसन की चुनिंदा कविताओं पर फ्रायड के व्यक्तित्व के सिद्धांत को लागू करना: एक मनोविश्लेषणात्मक अध्ययन	डॉ. सविता अंदेलवर

पर्यावरण विज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अंबिका नंदिनी आर मेनन	एसडीएम दृष्टिकोण का उपयोग करके गंभीर रूप से लुप्तप्राय पतले-बिल वाले गिद्ध के लिए आवास उपयुक्तता और लचीलेपन का आंकलन	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा
वृंदा विजयन	मानसागर झील, जयपुर में माइक्रोप्लास्टिक की व्यापकता, मात्रा और विशेषताएं	डॉ. ऋतु सिंह
अमित आनंद	चने के पौधों की वृद्धि और विकास पर मिट्टी में फ्लाई ऐश संशोधन के प्रभावों का मूल्यांकन	डॉ. निवेदिता चौधरी
अंकुश चरावंडे	मध्य प्रदेश के जबकपुर जिले में भूजल संभावित क्षेत्र का चित्रण; विश्लेषणात्मक पदानुक्रम प्रक्रिया (एएचपी) और आरएस-जीआईएस तकनीकों का एक एकीकृत दृष्टिकोण	प्रो राजेश कुमार
केतन कुमार मिश्रा	क्लोरेला एसपी में अल्ट्रासोनिकेशन तनाव के ऑक्सीडेटिव और एंटीऑक्सीडेंट प्रतिक्रियाओं को समझना।	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार
आरती मीणा	क्लोरेला एसपी के विकास पर अल्ट्रासोनिकेशन का प्रभाव। और संस्कृति सतह पर तैरनेवाला में नाइट्रेट और फास्फोरस एकाग्रता का निर्धारण	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार
अरुण अशोक	जलवायु गतिशीलता में विकिरण विविधता को समझना	प्रो राजेश कुमार
भद्रेश पटेल	वर्टिकल फ्लो कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड ट्रीटिंग यूनिवर्सिटी कैंपस अपशिष्ट जल की नाइट्रोजन गतिशीलता	डॉ. गरिमा कौशिक
गरिमा	किसानों और जलवायु मापदंडों के निर्णय लेने में आईसीटी की भूमिका का उपयोग करके अजमेर में कृषि पैटर्न का विश्लेषण	डॉ. निवेदिता चौधरी
मनीषा यादव	भू-स्थानिक दृष्टिकोण का उपयोग करके अंतर्देशीय हाइपर सेलाइन झील की बायो-ऑप्टिकल मॉडलिंग	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा
नरपत सुरेला	राजस्थान के जयपुर शहर (2018-2023) की स्थानिक -अस्थायी वायु गुणवत्ता का आंकलन	प्रो राजेश कुमार
साहिरौ टीएम मंसूर	शॉन में ग्लेशियर की गतिशीलता और जलवायु रुझान का आंकलन गारंग कैचमेंट: एक बहु-विधि दृष्टिकोण	डॉ. निवेदिता चौधरी
साक्षी शर्मा	लैंडफिल साइट (मथुरादासपुरा) से बिस्फेनॉल ए का निष्कर्षण, निर्धारण और विषाक्तता का मूल्यांकन	डॉ. गरिमा कौशिक
सम्मी कुमारी	शॉन में ग्लेशियर की गतिशीलता और जलवायु रुझान का आंकलन गारंग कैचमेंट: एक बहु-विधि दृष्टिकोण	प्रो राजेश कुमार
शाइनी शर्मा	क्लोरेला एसपी के विकास और मैक्रोमोलेक्यूल्स पर लवणता और पीएच के प्रभाव का मूल्यांकन।	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार

शिरोमी शैलेश	जीवाणु प्रजातियों द्वारा BPA के बेहतर क्षरण के लिए बायोप्रोसेस अनुकूलन	डॉ. गरिमा कौशिक
शिर्तिका शिवांजलि प्रसाद	जलवायु परिवर्तन के तहत फिजी द्वीप समूह में जैव विविधता और खाद्य सुरक्षा पर लुलक डायनेमिक का प्रभाव	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा
श्रुति चौधरी	पुनर्गणना डायथाइल थैलेट को हटाने के लिए सक्रिय कार्बन कार्यात्मक Gsh@Fe3o4 नैनोकम्पोजिट की दक्षता की जांच करना: एक सांख्यिकीय अनुकूलन उपकरण	डॉ. ऋतु सिंह
सिद्धार्थ सिंह	भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके भारत में जंगल की आग के लिए कंडीशनिंग कारकों (जलवायु परिवर्तन) की यादृच्छिकता की डिग्री का अनुमान लगाना	प्रो. लक्ष्मीकांत शर्मा
आरती मीणा	क्लोरेला एसपी के विकास पर अल्ट्रासोनिकेशन का प्रभाव। और संस्कृति सतह पर तैरनेवाला में नाइट्रेट और फास्फोरस एकाग्रता का निर्धारण	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार

प्रबंधन विभाग (एमबीए)

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आदर्श कुमार	बैंकों में ग्राहक संतुष्टि पर सर्वेक्षण	प्रो. उमा शंकर मिश्र
अनामिका कुमारी	विलय और अधिग्रहण शोध पर्यवेक्षक में रुझान की खोज: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ. रामुलु भुक्या
भानुप्रिया गोयल	म्युचुअल फंड एक ग्रंथ सूची संबंधी परिप्रेक्ष्य	डॉ. संजय कुमार गर्ग
दीपांशु भाटी	एसबीआई बैंक के खुदरा बैंकिंग परिचालन पर एक अध्ययन	प्रो. उमा शंकर मिश्र
हितेश झा	पूंजी बजटिंग पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ तुलसी गिरि गोस्वामी
नववंश कांत	क्रेडिट जोखिम एक ग्रंथ सूची संबंधी परिप्रेक्ष्य	डॉ. रामुलु भुक्या
नितिन यादव	मौलिक विश्लेषण पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ तुलसी गिरि गोस्वामी
परवीन	हरित वित्त पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार गर्ग
प्रकाश कुमार	आरसी उद्यमों के लिए ग्राहक मानचित्रण और प्रत्यक्ष बिक्री	डॉ. संजय कुमार गर्ग
प्रिया महातो	अर्थशास्त्र से जुड़ा पेंशन फंड क्षेत्र: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ तुलसी गिरि गोस्वामी
प्रियंका बैरवा	पिछले दस वर्षों से बांड बाजार का विकास	डॉ तुलसी गिरि गोस्वामी
प्रियंका कुमारी	विदेशी मुद्रा	डॉ. संजय कुमार गर्ग
राधिका यादव	आईपीओ एक ग्रंथ सूची से संबंधित है	डॉ. संजय कुमार गर्ग
रजनीश रंजन	निवेश बैंकिंग पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ. रामुलु भुक्या
राकेश कुमार	एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक द्वारा दी जाने वाली सेवाओं के प्रति ग्राहकों की संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. उमा शंकर मिश्र
रोहित यादव	उद्यमिता के प्रति पीजी छात्रों के दृष्टिकोण पर एक अध्ययन	डॉ. अवंतिका सिंह
संजय कुमार महातो	रेस्तरां उद्योग में ग्राहक खरीद निर्णय पर सोशल मीडिया का प्रभाव	डॉ. अवंतिका सिंह
शुभम	किसी कंपनी की लाभांश नीति	डॉ. अवंतिका सिंह
सुनयना शाक्य	जीवन बीमा के विशेष संदर्भ में बीमा क्षेत्र पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ. संजय कुमार गर्ग
विकास धनखड़	तकनीकी विश्लेषण पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ तुलसी गिरि गोस्वामी
विकास सोनी	रिलायंस मार्ट के लिए ग्राहक संतुष्टि और ग्राहक धारणा	डॉ. अवंतिका सिंह
विकास कुमार	स्टॉक और इंडेक्स विकल्प पर ग्रंथ सूची विश्लेषण	डॉ. अवंतिका सिंह
विवेक सिंह रावत	उद्यम पूंजी	डॉ. संजय कुमार गर्ग
विल्सन देवगम	ग्रंथ सूची विश्लेषण - क्रेडिट रेटिंग	डॉ. रामुलु भुक्या

गणित विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अखिलेश कुमार	फ़ज़ी समूहों के बीच समरूपता पर	डॉ विजय कुमार यादव

अंकित तिवारी	आईएलएफ-ऑटोमेटा के बीजगणितीय और टोपोलॉजिकल पहलू: ए आर	डॉ विजय कुमार यादव
अशोक कुमार प्रजापत	हाइपरबोलिक सिस्टम के लिए पथ रूढ़िवादी योजनाएँ	डॉ आशा कुमारी मीणा
छोटू कुमार	स्थानीय भिन्नात्मक व्युत्पन्न	प्रो जुगल किशोर प्रजापत
दीपक मित्तल	एक अच्छी तरह से संतुलित रूढ़िवादी परिमित अंतर AWENO योजना	डॉ आशा कुमारी मीणा
धीरज कुमार श्रीवास्तव	मानव के माध्यम से संक्रामक रोग और स्वास्थ्य अर्थशास्त्र के लिए व्यापक दृष्टिकोण	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
दिव्यांशी गर्ग	सेल्युलर बेस स्टेशन के लिए पावर मॉडल पर अध्ययन	डॉ. विद्योत्तमा जैन
गिरीश कुमार गुप्ता	गैलोइस कनेक्शन और इसके अनुप्रयोग: एक समीक्षा	डॉ विजय कुमार यादव
हरिओम मंगल	फ़ज़ी कॉम्प्लेक्स वैल्यूड फ़ंक्शंस के लेबेसेग इंटीग्रल्स पर	डॉ विजय कुमार यादव
हेमन्त मीणा	एसोसिएटेड लैगुएरे बहुपद और हाइपरज्यामितीय कार्यों के ज्यामितीय गुण	प्रो जुगल किशोर प्रजापत
रितिका कुमारी विश्वकर्मा	भविष्य के वायरलेस नेटवर्क के लिए ऊर्जा-जागरूक नेटवर्क योजना	डॉ. विद्योत्तमा जैन
जागृति मेहरा	हाइब्रिड ऊर्जा के साथ फ़ज़ी-लॉजिक-आधारित बेस स्टेशन वेक-अप रणनीति	डॉ विद्योत्तमा जैन
किशोर कुमार	प्रतिबंधित चार शारीरिक समस्या में गड़बड़ी का प्रभाव	डॉ. राम किशोर
मनीष कुमार	कुछ पी-ग्रुप के आवागमन ग्राफ का एक अध्ययन	डॉ. विपुल कक्कड़
मनीष यादव	ताप प्रवाह की उपस्थिति में रेडियल चुंबकीय क्षेत्र और छिद्रपूर्ण माध्यम के साथ मुक्त संवहन प्रवाह का कॉम्पैक्ट समाधान	डॉ आनंद कुमार
मुकेश कुमार चौधरी	मैग्नेटो-इलेक्ट्रो-इलास्टिक प्लेट को कमजोर करने वाली दो समान कोलीनियर दरारों के लिए संशोधित स्ट्रिप-इंडक्शन ज़ोन मॉडल का गणितीय अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड़
नेहा जैन	पी-समूहों के आवागमन ग्राफ पर	डॉ. विपुल कक्कड़
निशा कछावा	तीव्र यातायात के साथ मल्टी-एक्सेस चैनल	डॉ. विद्योत्तमा जैन
पवन नहलोत	दो समान संरेखीय दरारों के लिए पट्टी-चुंबकीय सहसंबद्ध क्षेत्र मॉडल	डॉ. कमलेश जांगिड़
राहुल चौधरी	मैग्नेटो-इलेक्ट्रो-इलास्टिक सामग्री के लिए स्ट्रिप-इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक जोन मॉडल	डॉ. कमलेश जांगिड़
राहुल कुमार	हाइपरबोलिक संतुलन कानूनों के लिए एक अच्छी तरह से संतुलित MUSCL पुनर्निर्माण	डॉ आशा कुमारी मीणा
राजा केशरी	भविष्यवाणी से रोकथाम तक: गणितीय मॉडलिंग और क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से हानिकारक शैवाल खिलने को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी रणनीतियों की खोज करने वाली एक लक्षित समीक्षा	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
रामगोपाल निमाड़	हेंकेल परिवर्तन के माध्यम से रेडियल चुंबकीय क्षेत्र और आंतरिक ताप स्रोत की उपस्थिति में मुक्त संवहन ओउ के लिए सटीक समाधान	डॉ आनंद कुमार
रौशन कुमार	बेसेल-क्लिफ़ोर्ड फ़ंक्शन के कुछ ज्यामितीय गुणों पर एक अध्ययन	प्रो जुगल किशोर प्रजापत
सिद्धार्थ मालवीय	ऑर्डर पी4 के कुछ समूहों के आवागमन ग्राफ़ पर	डॉ. विपुल कक्कड़
सुमन मीणा	हेंकेल परिवर्तन का उपयोग करके रेडियल चुंबकीय क्षेत्र की उपस्थिति में वेग वितरण का सटीक समाधान	डॉ आनंद कुमार
अनिशा शेषमा (एक्स)	लैगुएरे बहुपद के ज्यामितीय गुण	प्रो. जेके प्रजापत
मोनिका मीणा	संकेंद्रित इलेक्ट्रो-मैकेनिकल लोडिंग के तहत पीजोइलेक्ट्रिक अर्ध-अनंत पट्टी में इंटरफ़ेस दरार का एक अध्ययन	डॉ. कमलेश जांगिड़
अभिजीत जोशी	ताप स्रोत/सिंक की उपस्थिति में दो ऊर्ध्वाधर घूर्णन संकेंद्रित सिलेंडरों के बीच जलचुंबकीय प्राकृतिक संवहन प्रवाह पर हॉल करंट का प्रभाव	डॉ आनंद कुमार
रोहित सिंह चूंडावत	संशोधित रॉकेट समीकरण, जीएसएलवी एमके III और एलवीएम-एम3 मिशन का प्रदर्शन विश्लेषण	डॉ. राम किशोर
आदर्श कुमार	निरर्थक प्रणाली की उपलब्धता और विश्वसनीयता विश्लेषण का एक अध्ययन	डॉ. विद्योत्तमा जैन
कुलदीप सैनी	दूरसंचार नेटवर्क में उपयोगकर्ता उपकरणों के लिए कुशल बिजली बचत योजनाओं का अध्ययन	डॉ. विद्योत्तमा जैन
रैना राज	सेलुलर नेटवर्क में अनुकूलन समस्याओं के साथ कतारबद्ध मॉडल के पुन: परीक्षण का	डॉ. विद्योत्तमा जैन

	अध्ययन	
सलीम यूसुफ	गड़बड़ी के साथ प्रतिबंधित तीन-शरीर समस्या में स्थिरता विश्लेषण का एक अध्ययन।	डॉ. राम किशोर
विजयपाल बाजिया	विभिन्न हस्तक्षेप रणनीतियों के साथ कुछ बहु-समूह महामारी मॉडल का अध्ययन	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी
अलका चौधरी	अविश्वसनीय सर्वर, अवकाश नीतियों और घटती सेवा दरों के साथ कतारबद्ध मॉडल का गणितीय अध्ययन	प्रो. डीसी शर्मा

सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग (एकीकृत एम.एससी. एवं एम.एससी. सूक्ष्मजीव विज्ञान)

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
मयूरी कुशवाहा	एथनोमेडिसिनल पौधे बालानाइट्स की पत्तियों का मूल्यांकन एंटीऑक्सीडेंट और जीवाणुरोधी गतिविधि के लिए एजिप्टियाका	प्रो. इंशाद अली खान
शिव प्रसाद चरण	लिपिड उत्पादन के लिए सायनोबैक्टीरिया क्षमता का मूल्यांकन	प्रो. पवन के दाधीच
शिखा मीणा	माइकोबैक्टीरियम विषाणु निर्धारकों के विरुद्ध रोगाणुरोधी पेप्टाइड्स की संरचना आधारित पहचान	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी
अनुश्री दामोदरन	उन्नत तेल पुनर्प्राप्ति के लिए मूल और उच्च-प्रदर्शन गैलेक्टोमैनन पॉलिमर की रियोलॉजिकल तुलना	डॉ. अखिल अग्रवाल
कुलदीप लक्षकार	मल्टीपल बायोएनर्जी जेनरेशन के लिए ग्रीन माइक्रोएल्गा-असिस्टेड कैथोड का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार के साथ एकीकृत माइक्रोबियल ईंधन सेल	प्रो प्रदीप वर्मा
सुभा बिस्वास	ग्रामीण घरेलू मिट्टी से पृथक दवा-प्रतिरोधी एस्चेरिचिया कोली की जीवाणुरोधी क्षमता	डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह
मो क्वैश	Fe ऑक्सीकरण और Fe और S दोनों ऑक्सीकरण करने वाले सूक्ष्मजीवों का उपयोग करके पेट्रोलियम रिफाइनरी खर्च किए गए उत्प्रेरक से निकल बायोलीचिंग का तुलनात्मक मूल्यांकन	डॉ. चन्द्र शेखर गहन

फार्मेसी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
आज़ाद भारती	सिल्नीडिपाइन की स्व-पायसीकरण दवा वितरण प्रणाली का निर्माण और मूल्यांकन	डॉ. डी. माधुरी
प्रिंसी वर्मा	लेरकेनिडिपिन हाइड्रोक्लोराइड की स्व-पायसीकरण दवा वितरण प्रणाली का निर्माण और मूल्यांकन	डॉ. डी. माधुरी
मो अस्करी	सामयिक वितरण के लिए एटोडोलैक लोडेड मिश्रित मिसेल की तैयारी, अनुकूलन और लक्षण वर्णन	डॉ. कैसर रज़ा
श्रेया सुभाष	डॉक्सोरूबिसिन और करक्यूमिन की सह-डिलीवरी के लिए चिटोसन-एल्गिनेट नैनोकणों की तैयारी, विशेषता और मूल्यांकन	डॉ कैसर रज़ा
नवनाथ साठे	सूजन रोधी क्षमता के लिए जेट्रोफा गॉसिपिफ़ोलिया की खोज: गणना, नैनोफॉर्मुलेशन और इन-विट्रो दृष्टिकोण	प्रो. विपिन कुमार
मानसी जरांडे	स्ट्राइ डिस्टांसे के उपचार के लिए नवीन फॉर्मूलेशन की डिजाइनिंग	डॉ कैसर रज़ा
आनंद नायक भुक्या	मलेरियारोधी वितरण के लिए एसएनईडीडीएस का विकास और मूल्यांकन	प्रो. अमित कुमार गोयल
आदिल एसके असलम खटीक	ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म के प्रभावी उपचार के लिए मेसोपोरस सिलिका नैनोकणों का विकास	प्रो. अमित कुमार गोयल

भौतिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
मनीषा	एमएन-आधारित हेस्लर मिश्र धातुओं के संरचनात्मक और चुंबकीय गुण	डॉ अजित के पात्रा
अभिषेक सुरेतिया	Co-Zn-Mn प्रणाली में स्किर्मियन्स का सूक्ष्मचुंबकीय सिमुलेशन	डॉ अजित के पात्रा
आकांशा सिंघल	Ru2Mn V हेस्लर मिश्र धातु का संरचनात्मक लक्षण वर्णन	डॉ अजित के पात्रा
कोमल पारीक	स्पिन कोटिंग तकनीक द्वारा बिस्मथ फेराइट पतली फिल्मों का संश्लेषण और	डॉ. युगांधर बिटला

	संरचनात्मक लक्षण वर्णन	
प्रतीक अकोडिया	सोल-जेल विधि द्वारा बिलीयर्ड मैंगनाइट La1.4Sr1.6Mn2O7 का संश्लेषण	डॉ. युगांधर बिटला
तरूण गावरिया	स्पिन कोटिंग द्वारा ε-Fe2O3 पतली फिल्म का संश्लेषण तकनीक	डॉ. युगांधर बिटला
अनिल गोदारा	स्पिन लेपित बेरियम टाइटेनेट पतली फिल्मों का संश्लेषण और संरचनात्मक लक्षण वर्णन	डॉ. युगांधर बिटला
सुहानी काबरा	सह-डोप्ड बिस्मथ फेराइट थिन फिल्म का संश्लेषण और संरचनात्मक लक्षण वर्णन	डॉ. युगांधर बिटला
अभिषेक देब	ऑप्टिकल लैटिस में अल्ट्राकोल्ड परमाणु	डॉ. कुलदीप सुथार
ऐश्वर्या सिंह	बोस-आइंस्टीन संघनन का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. कुलदीप सुथार
नवल किशोर शर्मा	सुपरफ्लुइड क्वांटम तरल पदार्थों का सैद्धांतिक अध्ययन	डॉ. कुलदीप सुथार
विनोद कुमार	आदर्श और कमजोर अंतःक्रियात्मक बोस गैस की सैद्धांतिक जांच	डॉ. कुलदीप सुथार
जुबैर मंसूरी	जटिल अमानवीय ऑप्टिकल क्षेत्र में ध्रुवीकरण विलक्षणता की खोज	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
अजयप्रताप सिंह मीणा	वेक्टर लैगुएरे गॉसियन बीम का सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
दमन गोंड	परिवर्तनीय स्थानिक सुसंगतता के साथ रेडियल ध्रुवीकृत किरण की सुसंगतता और ध्रुवीकरण गुणों का अध्ययन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
मुस्कान चौधरी	वेक्टर लैगुएरे गॉसियन बीम का सैद्धांतिक और प्रायोगिक अध्ययन	डॉ. बृजेश कुमार सिंह
राकेश रंजन बेहरा	ऑप्टिकल एयरी बीम की स्व-उपचार संपत्ति का प्रायोगिक अध्ययन	डॉ.बृजेश कुमार सिंह
वेद प्रकाश पांडे	COMSOL सिमुलेशन का उपयोग करके ICP टॉर्च के प्रदर्शन पर उच्च-शक्ति आरएफ स्रोत के प्रभावों का विश्लेषण	डॉ. सुखमंदर सिंह
यज्ञ दत्त जांगिड़	ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों की भौतिकी में उपलब्धि पर खिलौना-आधारित शिक्षाशास्त्र की प्रभावशीलता	डॉ. सनीप कुमार और डॉ. कनक शर्मा
विनय कुमार तिवारी	बारहवीं कक्षा के लिए एनसीईआरटी भौतिकी पाठ्यपुस्तक के आधुनिक भौतिकी अध्यायों में गहन सोच और समस्या समाधान कौशल का समावेश	डॉ. सनीप कुमार और डॉ. कनक शर्मा
सुनील कुमार	हाइजेनबर्ग एंटीफेरोमैग्नेट्स का बॉन्ड-ऑपरेटर मीन-फील्ड सिद्धांत	डॉ. राकेश कुमार
दिलीप सिंह	हनीकॉम्ब एंटीफेरोमैग्नेट का बॉन्ड-ऑपरेटर मीन-फील्ड सिद्धांत	डॉ. राकेश कुमार
प्रिया विद्यार्थी	कंप्यूटर प्रोग्रामिंग सीखने में कठिनाइयों पर एक अध्ययन	प्रो. मनीष देव श्रीमाली और डॉ. सीमा गोपीनाथ
ओम प्रकाश	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर शिक्षण मॉडल का विकास और कार्यान्वयन	डॉ. संदीप कुमार एवं डॉ. रीना गोदारा
विकास यादव	घनत्व कार्यात्मक सिद्धांत का उपयोग करके Ga-N की इलेक्ट्रॉनिक संरचना गणना	डॉ. जितेन्द्र कुमार मिश्र
राकेश यादव	सापेक्षता के विशेष सिद्धांत पर शैक्षणिक हस्तक्षेप पर अध्ययन	डॉ. संदीप कुमार और डॉ. अंजलि शर्मा
संदीपन मिश्रा	चेर्न -साइमन्स सिद्धांत में बहु-सीमा उलझाव	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
देवेन्द्र पाल दारिया	टोपोलॉजिकल क्वांटम फील्ड थ्योरी में उलझाव संरचना का अध्ययन	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
मनोज कुमार मीणा	चेर्न -साइमन्स सिद्धांत में एकाधिक S2 सीमाओं का उलझाव	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
किरण कुमार पाढ़ी	टोपोलॉजिकल फील्ड थ्योरी में उलझाव संरचना का अध्ययन	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
शुभम मीणा	एबेलियन समूह के लिए (1+1)-डी टोपोलॉजिकल क्यूएफटी में एंटैंगलमेंट एन्ट्रॉपी	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
विवेक नायर	3-आयामी टीक्यूएफटी की उलझाव एन्ट्रॉपी का अध्ययन	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
प्रियंका	नॉन-एबेलियन परिमित समूह के लिए टोपोलॉजिकल एंटैंगलमेंट एन्ट्रॉपी	डॉ सिद्धार्थ द्विवेदी
चैनसुख वर्मा	लॉजिस्टिक मानचित्र का विश्लेषण: विभाजन, अराजकता और अनुप्रयोग	प्रो. मनीष देव श्रीमाली
सोहनराम पूनिया	CoCr2O4/rGO नैनोकम्पोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. नीरज पंवार
महेंद्र मीणा	पीजोकैटलिसिस प्रक्रिया पर एक समीक्षा	डॉ. नीरज पंवार
शिवम गर्ग	सीसा रहित पेरोव्स्काइट सौर सेल पर एक समीक्षा	डॉ. नीरज पंवार
प्रदीप कुमार मीणा	सोडियम आयन बैटरियों पर एक समीक्षा	डॉ. नीरज पंवार

ज्योति कुमारी	2डी सामग्री पर आधारित सुपरकैपेसिटर पर एक समीक्षा	डॉ. नीरज पंवार
जगदीप दारिया	जिंक ऑक्साइड और अपचित ग्राफीन ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. संदीप कुमार
राहुल	rGo-MoS2 नैनोकम्पोजिट का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	डॉ. संदीप कुमार
किरण सिंहमार	स्कॉटकी डायोड पर उच्च और निम्न ऊर्जा आयन विकिरण के प्रभाव पर एक समीक्षा	डॉ. संदीप कुमार
सिद्धार्थ भारद्वाज	टेराएर्ट्ज़ जेनरेशन रिसर्च: एक ग्रंथ सूची अध्ययन	डॉ. सुखमंदर सिंह
पलक खंडेलवाल	श्विंगर बोसॉन मीन-फील्ड सिद्धांत और शास्त्री -सदरलैंड मॉडल का स्पिन वेव विश्लेषण	डॉ. राकेश कुमार
चिवुकुला अनुदीप	आकाशगंगाओं की एक परस्पर क्रिया जोड़ी की सतह की चमक प्रोफ़ाइल पर गतिशील मापदंडों का प्रभाव	डॉ अरुणिमा बनर्जी

सामाजिक कार्य विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अदीब के.	राजस्थान के ग्रामीण किशनगढ़ ब्लॉक की आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में जीवन की गुणवत्ता और कार्यस्थल तनाव का आंकलन	डॉ. शैजी अहमद
अफ़सल ए.	छात्रों के शैक्षणिक संवर्धन में माता-पिता की भागीदारी: केरल में सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल का एक केस स्टडी	डॉ. शैजी अहमद
अमृत स्वरूप	कोर्गा जनजातियों के किशोरों के बीच मनोसामाजिक समायोजन शिक्षा के परिणामों का प्रभाव : एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन	डॉ अतीक अहमद
आनंदु एके	विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए शैक्षणिक तनाव की स्थिति और उपलब्ध सामाजिक समर्थन के स्रोतों की खोज	डॉ सुभाशीष भद्रा
अंकिता भुपारिया	आटा-साटा परंपरा और महिलाओं पर इसका प्रभाव: ग्रामीण राजस्थान में एक खोजपूर्ण अध्ययन	डॉ. डीपी नेगी
देविका के.	एमएसडब्ल्यू छात्रों के बीच डिजिटल उपयोग और डिजिटल योग्यता और सामाजिक कार्य शिक्षा के संदर्भ में आने वाली चुनौतियाँ	डॉ सुभाशीष भद्रा
गौतम कुमार सी	चंपारण, बिहार में लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने में माता-पिता और समुदायों का ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी)	प्रो. जगदीश जाधव
हरेन्द्र राज	कृषि संकट और महिलाओं के बीच मुकाबला: राजस्थान में एक अन्वेषण	प्रो. जगदीश जादव
जेरोम इसाक	समान आयु वर्ग के विपरीत लिंग के व्यक्तियों के प्रति युवाओं का दृष्टिकोण और अपेक्षाएँ	डॉ अतीक अहमद
जिबिन वी.एस	विश्वविद्यालयों में छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करने वाले लोगों के प्रति छात्रों के दृष्टिकोण का एक अध्ययन	डॉ. राजीव एम.एम
मो रईस एम.	राजस्थान के अजमेर जिले के संदर्भ में आय असमानता और सामुदायिक विकास पर इसके प्रभाव का एक अध्ययन	डॉ. डीपी नेगी
मो फरहान सी.के	अपने गृह राज्य के अलावा अन्य स्थानों पर स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे छात्रों के बीच समायोजन के मुद्दों, मनोवैज्ञानिक संकट और मुकाबला करने की रणनीतियों पर एक अध्ययन	डॉ सुभाशीष भद्रा
मो सलमान वी.के	सरकारी स्कूल में मिडिल स्कूल के छात्रों द्वारा सामना की जाने वाली सीखने की चुनौतियाँ- सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुथुप्परम्बा का एक मामला	प्रो. जगदीश जाधव
मो शनिस एम.एम	अझियूर में अकेले रहने वाले बुजुर्गों के जीवन की गुणवत्ता और कल्याण केरल के कोझिकोड जिले की पंचायत	डॉ. शैजी अहमद
नीथुलक्ष्मी जी.	पारिवारिक जीवन की गुणवत्ता और किशोरों में कथित तनाव: केरल में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन	डॉ अतीक अहमद
पूजा पोर	राजस्थान में ग्रामीण क्षेत्रों से स्कूल जाने वाले किशोरों के जीवन कौशल का आंकलन	डॉ अतीक अहमद
सारथ के.	परेशान नींद - नींद जागने के चक्र पर एक अध्ययन: स्क्रीन समय में वृद्धि और युवा वयस्कों पर शारीरिक - मनोवैज्ञानिक प्रभाव	डॉ. राजीव एम.एम
शैलेश के आज़ाद	वृद्धावस्था पेंशन लाभार्थियों के बीच जीवन शैली के मुद्दे और सक्रिय उम्र बढ़ने की प्रक्रिया	डॉ सुभाशीष भद्रा

समाज प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
बिबेक कुमार बेहेरा	उरमूल की दूध प्रसंस्करण इकाई में तकनीकी एकीकरण की खोज: बज्जू, राजस्थान से एक अध्ययन	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी

करण कुमार	जयपुर, राजस्थान में खरीदारी के व्यवहार पर व्हाट्सएप मार्केटिंग के प्रभाव पर एक अध्ययन	डॉ. जुगल किशोर
कुबेर दास	कक्षा शिक्षा का हाइब्रिड लर्निंग में परिवर्तन: हरियाणा सरकार के मिशन बुनियाद कार्यक्रम का एक केस स्टडी	डॉ. कुमार संभव पारीक
मिशाब इब्राहिम	पश्चिमी राजस्थान में ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व वाले शिल्प उद्यम के लिए डिजिटल मार्केटिंग का लाभ उठाना	डॉ जया कृतिका ओझा
सौरव कुमार	ई-कॉमर्स रणनीतियों का व्यापक विश्लेषण	डॉ. जुगल किशोर
श्रीपामा थौनाओजम	काशीदा शिल्प में महिला कारीगरों के डिजिटल स्थानों की खोज: पश्चिमी राजस्थान के थार रेगिस्तान की केस कहानियां	डॉ जया कृतिका ओझा
सौरव हेम्ब्रोम	एआई-संचालित मोशन ग्राफिक्स और वीडियो संपादन	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी

खेल जीवविज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अश्वथी एस नायर	शरीर को सुनना: वॉलीबॉल और जिम प्रशिक्षकों में ओवरट्रेनिंग मार्क्स की दोहरी परीक्षा	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
मुम्मलानेनि साहित्य	एंटी-डोपिंग में ल्यूटिनाइजिंग हार्मोन (एलएच) और ह्यूमन कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी) का पता लगाने में इस्तेमाल की जाने वाली इम्यूनोएसे तकनीक	डॉ. निधि पारीक
शांतनु गोगोई	स्पोर्ट्स पर्सन में अतिरिक्त सूजन को कम करने के लिए बायोएक्टिव यौगिकों, एंथोसायनिन और इसके डेरिवेटिव की खोज करना	डॉ हेमनाथ नाइक बी
अमलेंदु नारायणन	पैरा तैराकों का पोषण मूल्यांकन	डॉ. नेहा सिंह
अनूप	आनुवंशिक प्रदर्शन को अनलॉक करना: Actn3Gene (स्पोर्ट्स जीन) अभिव्यक्ति पर पोषक तत्व अनुपूरण के प्रभावों की खोज	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह
मौमा साहा	बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच शारीरिक और शारीरिक फिटनेस का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. नेहा सिंह
रूपेश शर्मा	लड़ाकू खेलों में शारीरिक कारकों और चोट के जोखिमों को प्रभावित करना	डॉ. सुनील जी पुरोहित

खेल मनोविज्ञान विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
एनस्वेट्टा जेम्स	कलारीपयट्टू कलाकारों के प्रवाह और मानसिक दृढ़ता पर आत्म करुणा के हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
अरुंधति जी	मोटरस्पोर्ट ड्राइवरों के लचीलेपन और मुकाबला करने पर मनो-शैक्षिक हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
बिनिल थॉमस	फुटबॉलरों के बीच बर्नआउट, पूर्णतावाद और खुशी	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
दिनेश कुमार	खुशी, लचीलापन और आशावाद: खेल सहभागिता के संदर्भ में एथलीटों और गैर-एथलीटों का एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
दिव्या शर्मा	पैरा-एथलीटों में धैर्य: व्यक्तित्व और जीवन संतुष्टि का तुलनात्मक मूल्यांकन	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
कुमारी संगमेश्वर	राज्य स्तरीय पहलवानों और साइकिल चालकों के बीच मूड विनियमन पर संगीत हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
मो. वसीम	राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजों में एकाग्रता और आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए त्राटक ध्यान का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
नस्ना रुखसाना	राष्ट्रीय युवा महिला फुटबॉल खिलाड़ियों के बीच मनोदशा की स्थिति पर इमेजरी हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
निकेथन दिलीप	जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर के बैडमिंटन खिलाड़ियों के बीच प्रवाह और इमेजरी क्षमता पर इमेजरी हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर
निश्कला साई	जिला स्तरीय तीरंदाजों में धैर्य और विकास मानसिकता के लिए लक्ष्य-उन्मुख इमेजरी	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर

	प्रशिक्षण	
स्नेहा मोल बीजू	राज्य स्तरीय पोलो खिलाड़ियों के बीच लचीलेपन और भावनात्मक विनियमन पर ईएफटी हस्तक्षेप का प्रभाव	डॉ गुनीत इंदरजीत कौर

सांख्यिकी विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अमर कुमार	एक्सगामा गामा फ्रैइल्टी डिस्ट्रीब्यूशन	प्रो. अरविंद पांडे
महावीर सिंह देवड़ा	इथेरियम आर्किटेक्चर में गैस की कीमत की भविष्यवाणी: मशीन लर्निंग के साथ एक डेटा संचालित दृष्टिकोण	डॉ. के. सतीशकुमार
कुन्दन कुमार राव	उत्तरजीविता विश्लेषण में प्रगति: यादृच्छिक उत्तरजीविता वन की क्षमता की खोज	प्रो. अरविंद पांडे
नवल शाजू	पारदर्शी सरकारी खर्च के लिए ब्लॉकचेन: जवाबदेही सुनिश्चित करना और भ्रष्टाचार को कम करना	डॉ. के. सतीशकुमार
श्रेता सिंह	भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराध के लिए एनसीआरबी डेटा की खोज	प्रो. जितेंद्र कुमार
सुनील रियार	लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल प्रक्रिया वितरण के लिए समयबद्ध स्वीकृति नमूनाकरण निरीक्षण योजनाओं के अनुप्रयोग	डॉ. महेंद्र साहा
हर्षित स्वरूप भारती	एनएफएस और एईपीएस भुगतान प्रणालियों की लोकप्रियता का विश्लेषण	डॉ. सौरभ कुमार
युगांशु बड़ेतिया	भौगोलिक रूप से भारित प्रतिगमन का उपयोग करके राजस्थान में भूजल स्तर की भविष्यवाणी	डॉ. महेश बराले
स्पर्श माहेश्वरी	लॉजिस्टिक-एक्सपोनेंशियल प्रक्रिया वितरण के लिए टाइम ट्रंकेटेड एट्रिब्यूट मेडियन कंट्रोल चार्ट	डॉ. महेंद्र साहा
हरिशंकर नागर	क्रेडिट कार्ड मंथन से निपटना: सटीक ग्राहक प्रतिधारण भविष्यवाणी के लिए असंतुलित डेटा पर काबू पाना	डॉ. महेश बराले
आतिशा चौधरी	पेरेटो वितरण के लिए विशेषता-आधारित अच्छाई-का-फ़िर परीक्षण	डॉ. दीपेश भाटी
विजय कुमार	सामान्य वितरण द्वारा प्रक्रिया क्षमता सूचकांक	डॉ. महेंद्र साहा
विवेक खारी	असंतुलित वर्ग डेटा प्रबंधन: उन्नत तकनीकों का उपयोग करके कर्मचारी की नौकरी छोड़ने की भविष्यवाणी करना	डॉ. महेश बराले
पूजा सैनी	लिंडले - गामा कमजोर वितरण	प्रो. अरविंद पांडे
अक्षय कुमार यादव	व्युत्क्रम लिंडले - गामा कमजोर वितरण	प्रो. अरविंद पांडे
बोरगे अक्षय शिवाजी	मशीन लर्निंग के साथ हृदय रोग के असंतुलित डेटा वर्गीकरण में सुधार	प्रो. अरविंद पांडे
देबज्योति मुखर्जी	गणना आवृत्ति डेटा के लिए बेल रिग्रेशन मॉडल का तंत्रिका नेटवर्क आधारित संवर्द्धन	डॉ. दीपेश भाटी
देश दीपक	भारतीय अर्थव्यवस्था में यूपीआई लेनदेन का अनुभवजन्य विश्लेषण	डॉ. सौरभ कुमार
मंगेश रमेश सूर्यवंशी	बीमा हानि डेटा के अनुप्रयोग के साथ समग्र लॉगनॉर्मल-दूषित लोमैक्स वितरण	डॉ. दीपेश भाटी
मुस्कान कुमारी	VAR और VEC मॉडल का उपयोग करके मेगा विलय बैंकों के वित्तीय प्रदर्शन पर एक अध्ययन	डॉ. सौरभ कुमार
पवन रवीन्द्र लैंडगे	संदूषण के तहत प्रक्रिया भिन्नता के लिए नियंत्रण चार्ट	डॉ. महेश बराले

शशांक गर्ग	GARCH - MIDAS का उपयोग करके क्रिप्टोकरेंसी की अस्थिरता की मॉडलिंग करना	प्रो. जितेंद्र कुमार
सूर्य प्रकाश	समय-आधारित सर्वेक्षणों के लिए गैर-प्रतिक्रिया की उपस्थिति में बेहतर अनुपात और उत्पाद-प्रकार अनुमानक	डॉ. संजय कुमार
तुहिन भौमिक	मोड सेंट्रिक एम-गॉसियन वितरण के लिए अच्छाई-की-फिट परीक्षण	डॉ. दीपेश भाटी
वैदेही राजेश शंखपाल	वित्तीय प्रदर्शन संकेतकों की मॉडलिंग: पंजाब नेशनल बैंक का एक मामला	प्रो. जितेंद्र कुमार
योगेश कुमार वर्मा	जलवायु मापदंडों की भविष्यवाणी के लिए समय श्रृंखला मॉडल: हिमालय पर्वत के ग्लेशियरों का एक केस अध्ययन	डॉ. सौरभ कुमार

योग विभाग

अभ्यर्थी का नाम	निबंध का शीर्षक	पर्यवेक्षक का नाम
अभिषेक त्यागी	सामान्य और चिंतित छात्रों के बीच हृदय गति परिवर्तनशीलता (एचआरवी) में अंतर का आंकलन करें	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री
अर्जुन राम रॉस	नभो मुद्रा:- आधुनिक विज्ञान में एक प्राचीन योग अवधारणा	डॉ संजीब के पात्रा
आशीष यादव	उच्च मात्रा में काम के दबाव से गुजरने वाले पुरुष और महिला प्रतिभागियों के बीच हृदय गति परिवर्तनशीलता के पैटर्न का आंकलन करना	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री
दर्शना हजारिका	शरीर और मन में सामंजस्य स्थापित करना: व्यापक समीक्षा और काल्पनिक मॉडल के माध्यम से चक्रीय ध्यान के स्वास्थ्य लाभों की खोज करना	डॉ संजीब के पात्रा
गौतम मिश्रा	स्पाइरोमेट्री मूल्यांकन पर पोस्ट कोविड-19 और स्वस्थ व्यक्ति का तुलनात्मक सर्वेक्षण	डॉ संजीब के पात्रा
सबिता पाइकरे	सामान्य और चिंता वाले छात्रों के संज्ञानात्मक कार्यों की तुलना	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री
सुभाश्री साहू	सामान्य और चिंता-प्रभावित छात्रों में हृदय गति और रक्तचाप का तुलनात्मक विश्लेषण	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री
सुष्मिता सरकार	चिंताग्रस्त विश्वविद्यालय के छात्रों के बीच मानसिक अंकगणितीय कार्य के दौरान एचआरवी पर एकल योग सत्र के तत्काल प्रभाव का आंकलन	डॉ. काशीनाथ जी मैत्री

विद्यार्थियों के नियोजन और उपलब्धियाँ

प्रबंधन विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राधिका यादव	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
राकेश कुमार	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकास कुमार	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकास धनखड़	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विवेक सिंह रावत	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
संजय कुमार महतो	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
दीपांशु भाटी	द लीडिंग सॉल्यूसन्स(इंटर्नशिप + पीपीओ)
भानुप्रिया गोयल	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विल्सन देवगम	द लीडिंग सॉल्यूसन्स(इंटर्नशिप + पीपीओ)
अनामिका कुमारी	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
नितिन यादव	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
विकास सोनी	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
रजनीश रंजन	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
आदर्श कुमार	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
सुनयना शाक्य	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रकाश कुमार	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रिया महतो	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
शुभम	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
प्रकाश कुमार	इंडियामार्ट
दीपांशु भाटी	इंडियामार्ट

वाणिज्य विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कृतार्थ कुमार गुप्ता	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
मिताली सिंह	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
मुहम्मद आसिफ पी.सी	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
श्रेया साक्षी	इंस्प्लोर कंसल्टेंट प्रा. लिमिटेड (इंटर्नशिप + पीपीओ)
आरती पुष्कर	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
वन्दना	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
नाभन टी.पी	द लीडिंग सॉल्यूसन्स (इंटर्नशिप + पीपीओ)
बालेबोइना वेंगाबाबू	एपिक बिजनेस

बी टेक.कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
चेतन मीना	एप्सिनो एक ज़ेबिया कंपनी
ईशान कथपाल	एप्सिनो एक ज़ेबिया कंपनी

जगदीश पटेल	हिडेन टैलेंट
सरदार सैन	सर्जपैड
राहुल पांडे	विकल्प फाउंडेशन

जैव रसायन विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राज रंजन	मुस्कुराहाट फाउंडेशन
सांतनु गोगोई	हमारी पहचान एनजीओ

रसायन विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
विक्रम प्रताप सिंह	विकल्प फाउंडेशन
रजत कुमार	विकल्प फाउंडेशन
प्रवीण	तारे ज़मीन फाउंडेशन
कलामती नागेश	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
महिपाल बिश्नोई	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
अनीषा	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
अनिशा सतपथी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
तान्या कोरी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कुणाल जांगिड़	मुस्कुराहाट फाउंडेशन
सोनाली पलाई	बीजेड सलाहकार
पलक यादव	इनअमीगोस फाउंडेशन

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
धनराज चौधरी	संतोष परगाल एंड कंपनी

डीएसटीआई विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कुबेर दास	विकल्प फाउंडेशन
सौरव कुमार	सपोर्ट एंड केयर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन

अर्थशास्त्र विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
यश मीना	पेपरपीडिया
केतकी धोटे	पेपरपीडिया
हिमांशु कौशिक	एपिक बिजनेस
नेहल जैन	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
राहुल कुमार धाकड़	मुस्कुराहाट फाउंडेशन

पर्यावरण विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
ख्वाजा	विकल्प फाउंडेशन

गणित विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
राजा केशरी	विकल्प फाउंडेशन
निशा कछावा	विकल्प फाउंडेशन
पारीक हितेश मुरारीलाल	विकल्प फाउंडेशन
दिव्यांशी गर्ग	विकल्प फाउंडेशन
आदर्श	विकल्प फाउंडेशन
अभिजीत जोशी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
जाग्रति मेहरा	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
किशोर कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
मनीष कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
राहुल कुमार	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
प्रदीप रणवा	मुस्कुराहाट फाउंडेशन
प्रदीप रणवा	ओडिशा विकास प्रबंधन कार्यक्रम)ओडीएमपी(

भौतिकी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
विनय कुमार तिवारी	विकल्प फाउंडेशन
प्रदीप मेहरिया	विकल्प फाउंडेशन
सुरेंद्र महरिया	विकल्प फाउंडेशन
राकेश यादव	विकल्प फाउंडेशन
राकेश यादव	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
विनय कुमार तिवारी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
यज्ञदत्त जांगिड़	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन
समीक्षा मेहता	सुविधा फाउंडेशन

भाषा विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
निष्ठा शेखर	सरल भारत समाचार

अंग्रेजी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
रोज़ मैरी शाजी	अजीम प्रेमजी फाउंडेशन

सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
साहिल यादव	सपोर्ट एंड केयर ह्यूमैनिटी फाउंडेशन
शुभम सारस्वत	मुस्कुराहाट फाउंडेशन

फार्मेसी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
कल्पना पंड्या	विकल्प फाउंडेशन

पीपीएलजी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
गोविंद रोशन लिल्हारे	विकल्प फाउंडेशन
पल्लवी देवी	विकल्प फाउंडेशन

सामाजिक कार्य विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
अंकिता भूपरिया	इनअमीगोस फाउंडेशन
अंकिता भूपरिया	मुस्कुराहाट फाउंडेशन

सांख्यिकी विभाग

विद्यार्थी का नाम	कंपनी/संगठन का नाम/उपलब्धि
आशीष रावत	मार्पु फाउंडेशन
डिंपल भारद्वाज	मुस्कुराहाट फाउंडेशन

लैंगिक लेखापरीक्षा

वर्ष 2022-23 के लिए आयोजित विश्वविद्यालय के लैंगिक लेखापरीक्षा की एक संक्षिप्त रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत की गई है:

इसे कर्मचारियों (शैक्षणिक और अशैक्षणिक), छात्रों और बुनियादी सुविधाओं के आधार पर वर्गीकृत किया गया है।

शैक्षणिक और अशैक्षणिक कर्मचारी रूपरेखा

1. शैक्षणिक कर्मचारियों की विभागवार लैंगिक रूपरेखा

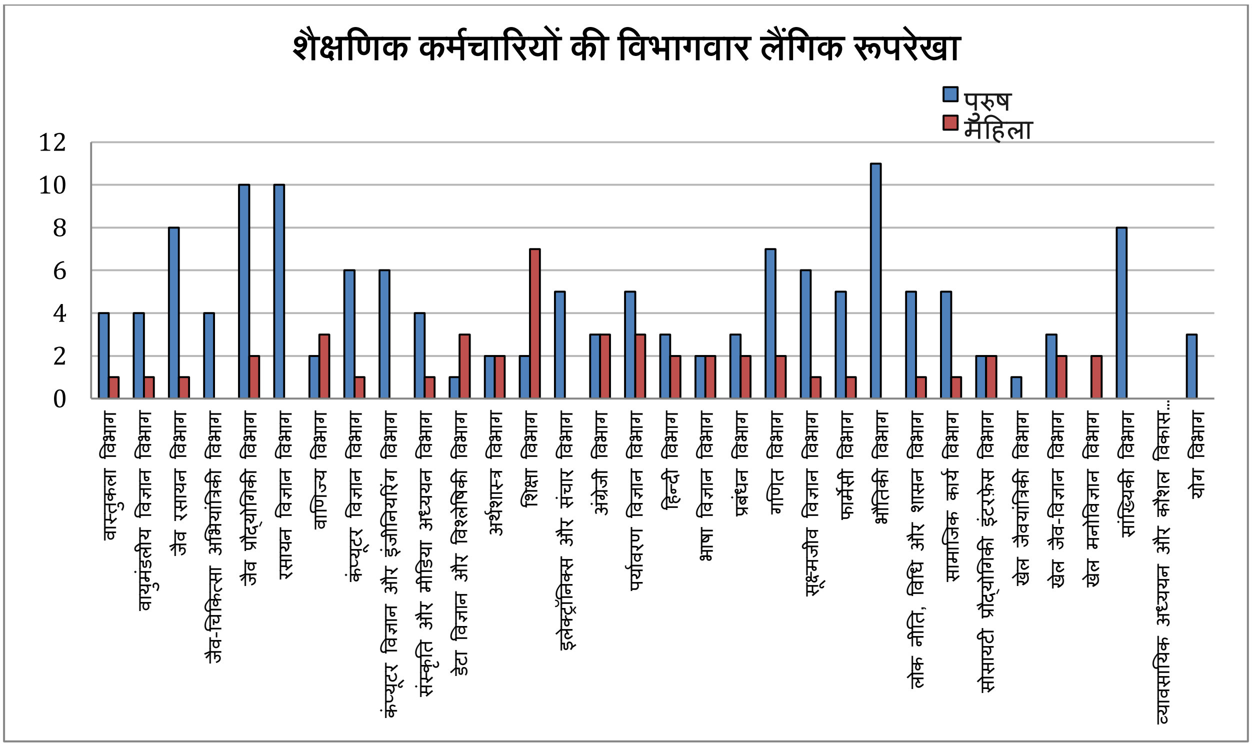

पुरुष संकाय की संख्या कुल प्रतिनिधित्व में महिलाओं से अधिक है। हालाँकि, आठ विभागों में केवल पुरुष संकाय सदस्य हैं और खेल मनोविज्ञान विभाग में केवल महिला प्रतिनिधित्व है।

.2कर्मचारियों का वितरण

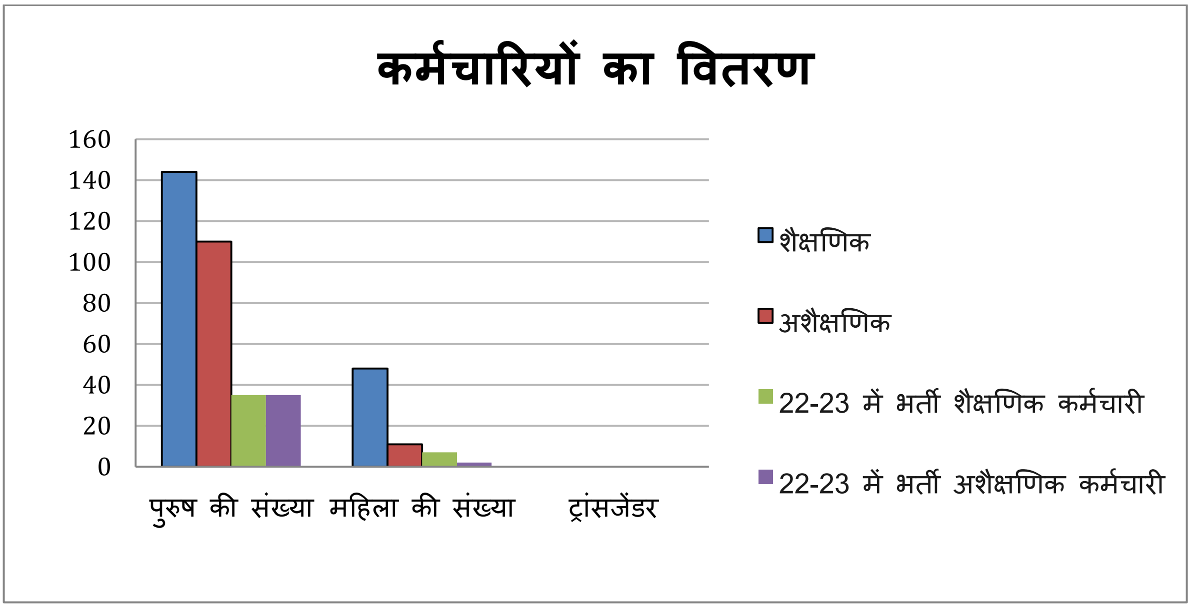

पिछले वर्षों में शिक्षाविदों की तुलना में प्रशासनिक विभागों में महिला प्रतिनिधित्व कम है। ऐसा ही प्रतिरूप 2022-23 में नई भर्तियों में भी देखने को मिल सकता है।

.3विभाग स्तर पर शैक्षणिक कर्मचारियों का अंतर्राष्ट्रीय निवेश

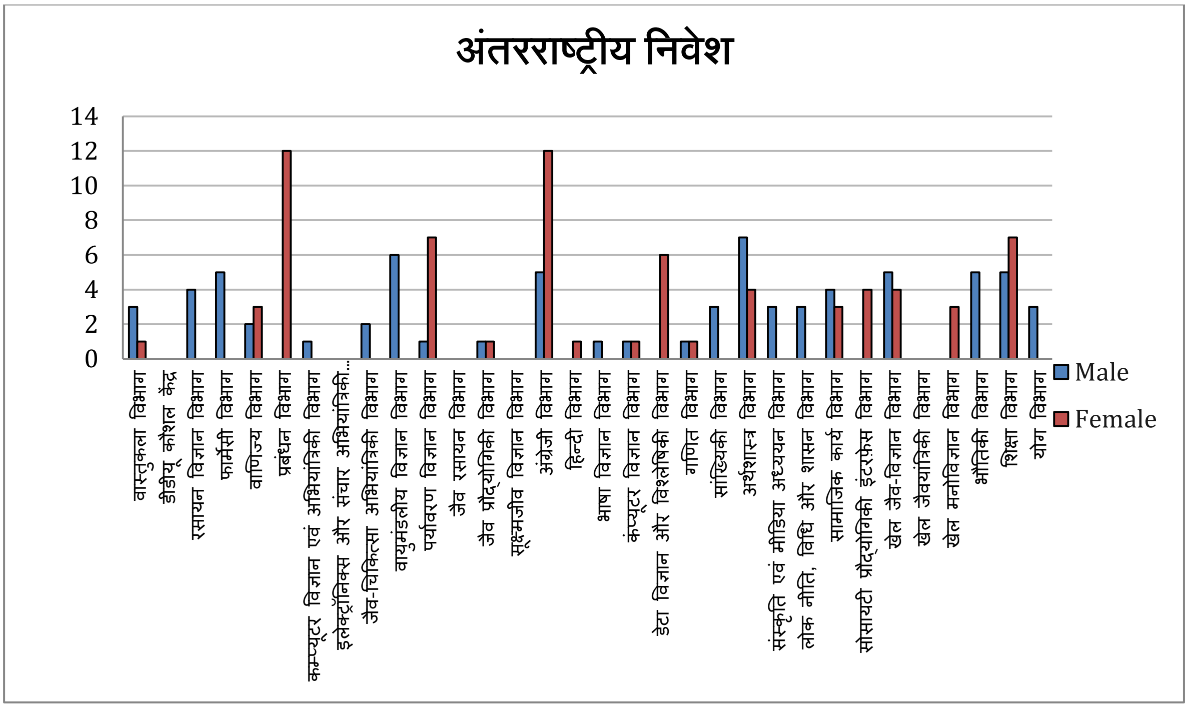

वर्ष 2022-23 में अंतर्राष्ट्रीय निवेश के मामले में अंग्रेजी और प्रबंधन विभागों में महिला संकाय की संख्या पुरुष संकाय से अधिक है। शेष विभागों में (जिसमें पुरुष और महिला दोनों संकाय सदस्य हैं) दोनों लिंगों की लगभग समान भागीदारी परिलक्षित होती है।

.4विभाग स्तर पर शैक्षणिक कर्मचारियों का राष्ट्रीय निवेश

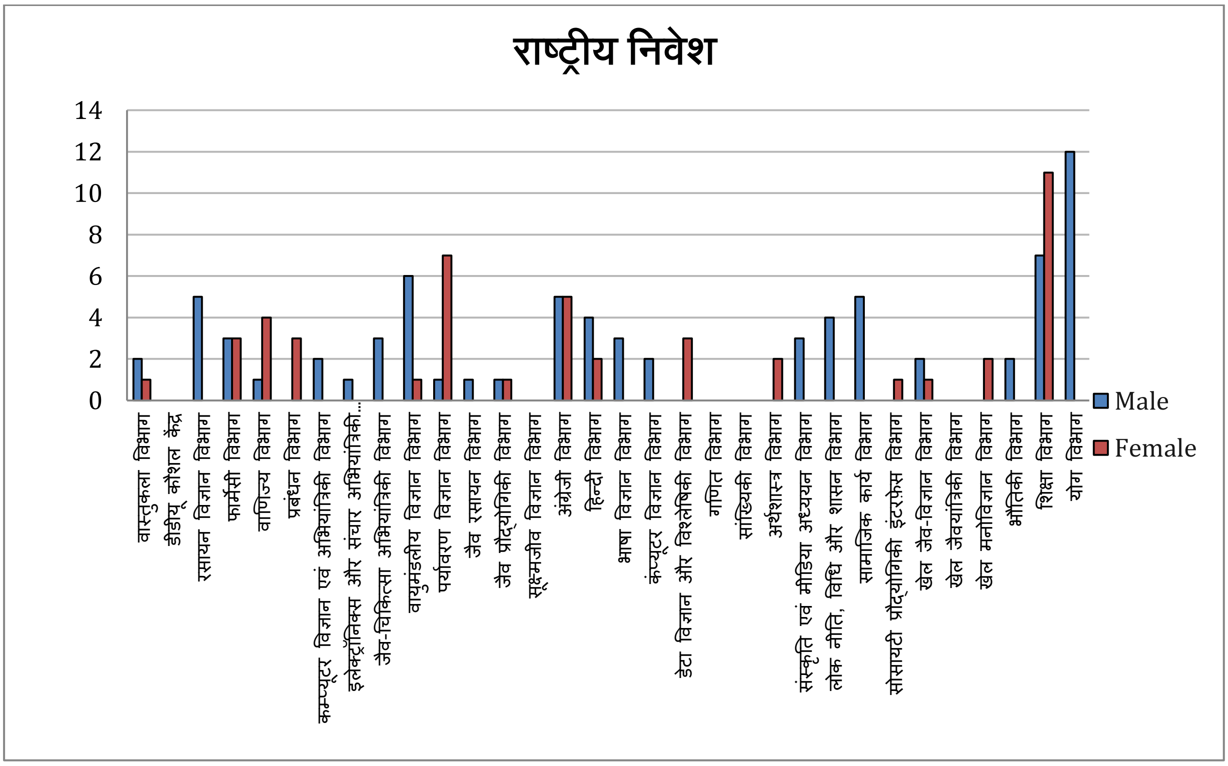

2022-23 में लगभग सभी विभागों में राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में पुरुष और महिला दोनों कर्मचारियों ने काफी अच्छा भाग लिया। हालाँकि, जिन विभागों का राष्ट्रीय प्रदर्शन में कोई डेटा प्रतिबिंबित नहीं हो रहा है, उन विभागों ने अंतर्राष्ट्रीय और अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लिया है।

.5आमंत्रित वार्ता /यात्रा

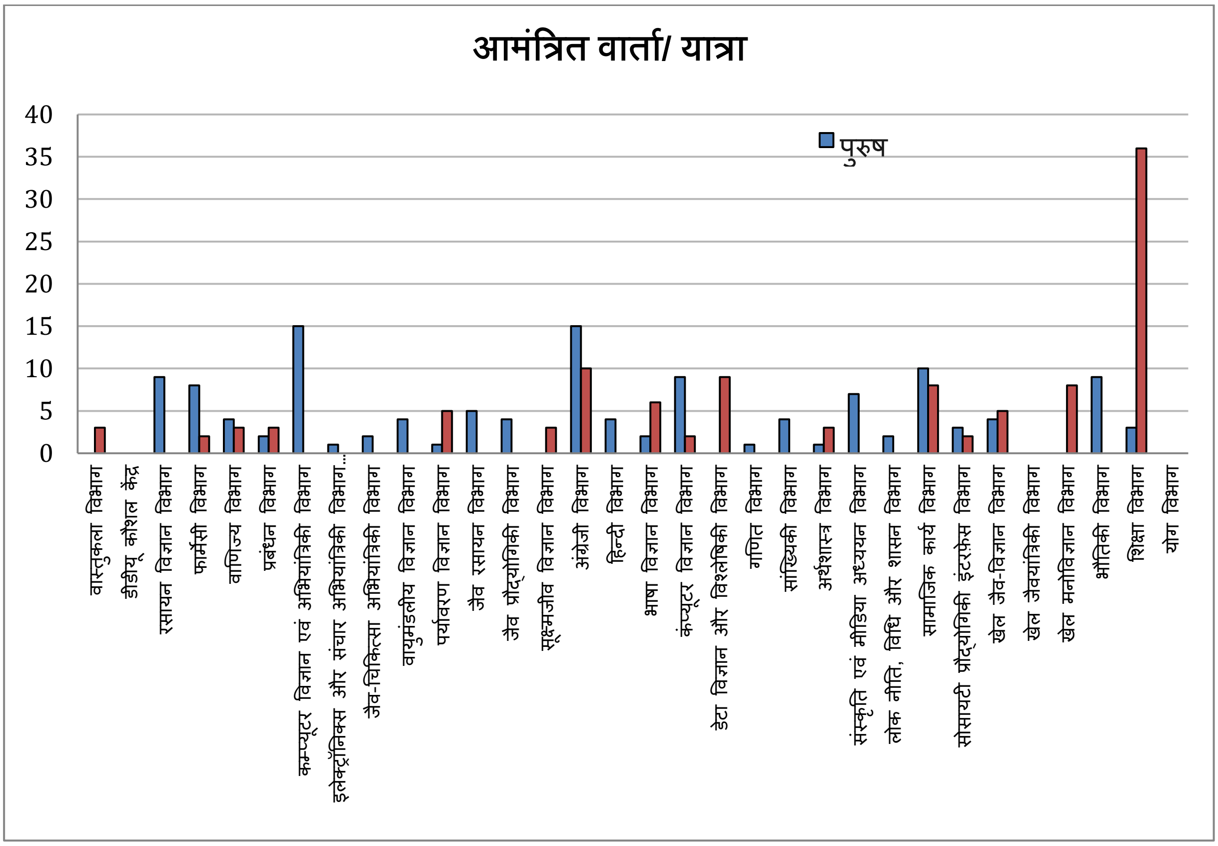

उपरोकत रेखा चित्र आमंत्रित व्याख्यानों के संदर्भ में दोनों लिंगों की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

.6प्राप्त अनुसंधान अनुदान

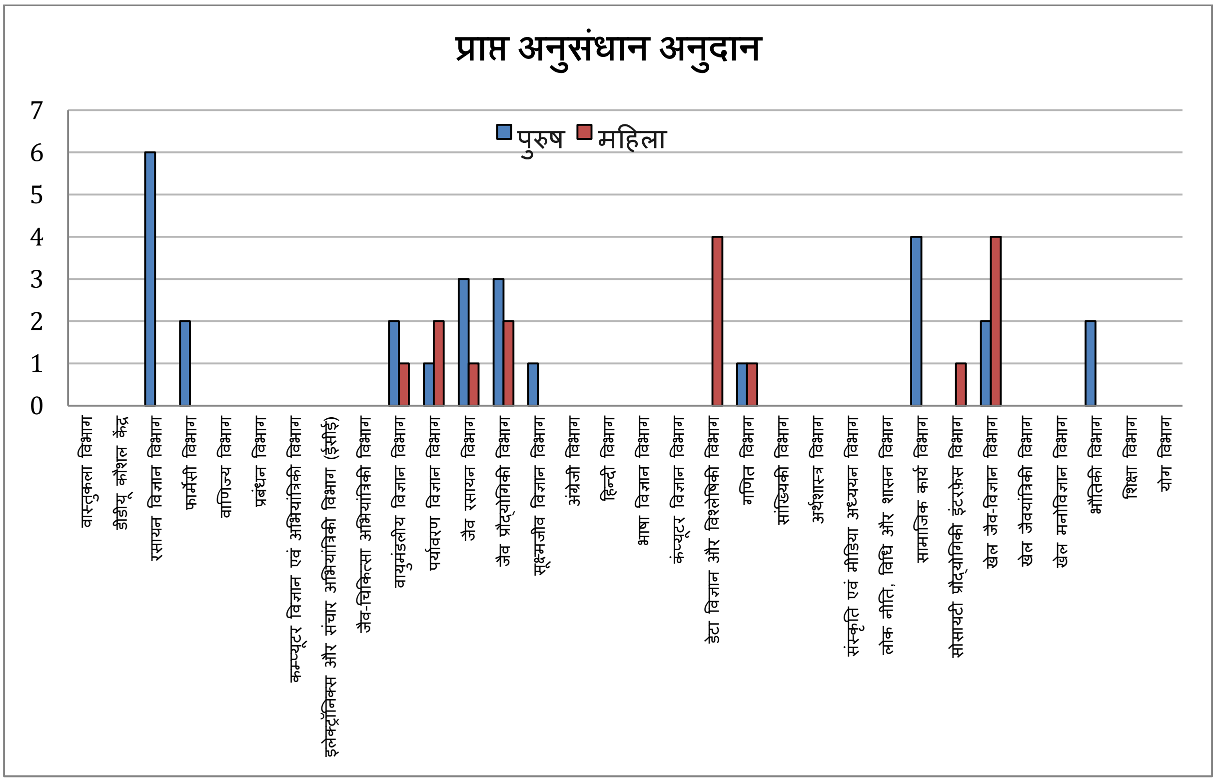

उपरोक्त रेखा चित्र दर्शाता है कि पुरुष और महिला दोनों संकाय सदस्य वित्त पोषित अभिकरण से शोध अनुदान प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, हालाँकि, कई विभागों में अभी भी इस दिशा में कार्य करने की बहुत आवश्यकता है।

.7पुरस्कार प्राप्ति

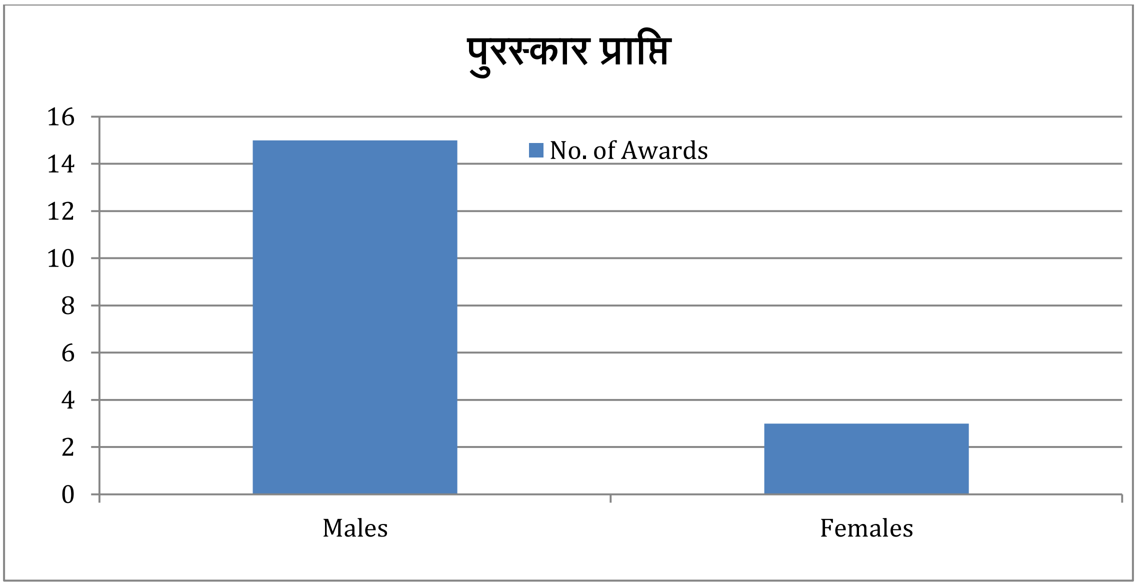

2022-23 में पुरुष संकाय सदस्यों को अधिक संख्या में पुरस्कार प्राप्त हुए।

.8कार्यालय स्थान की उपलब्धता

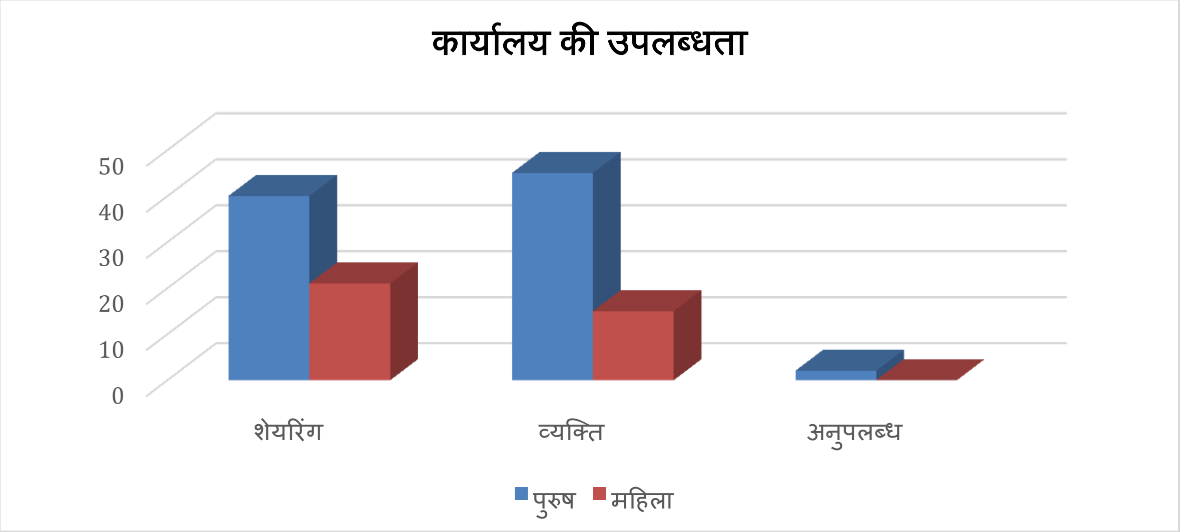

कार्यालय स्थान का अधिकतर उपयोग साझा आधार पर किया जाता है, लेकिन 2022-23 में नए स्थायी शैक्षणिक ब्लॉक के आने पर कई संकाय सदस्यों के पास स्वतंत्र कार्यालय स्थान है।

.9विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकोष्ठ में लैंगिक प्रतिनिधित्व

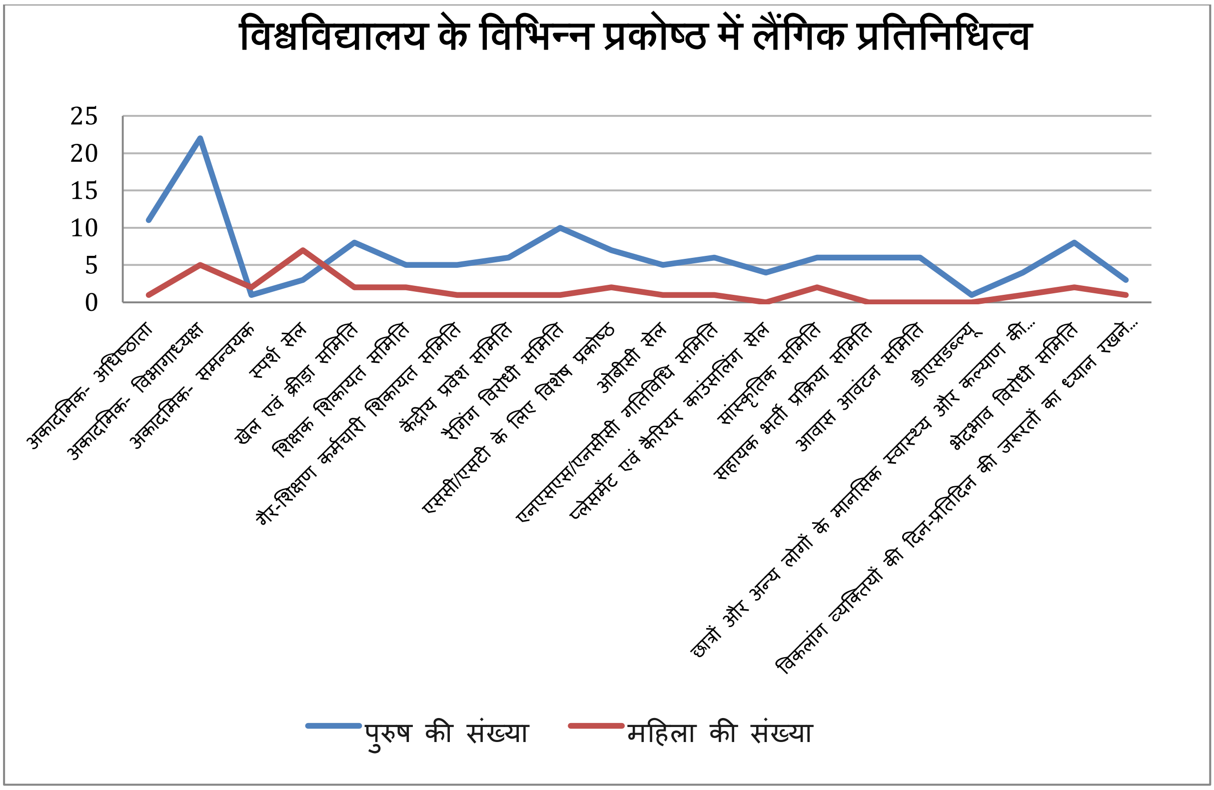

हालाँकि विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षों में दोनों लिंगों का प्रतिनिधित्व है, लेकिन 2022-23 में महिलाओं की संख्या कम हो गई है।

छात्रों की रूपरेखा

1. सीयूसीईटी 2022 में आवेदकों की लैंगिक रूपरेखा

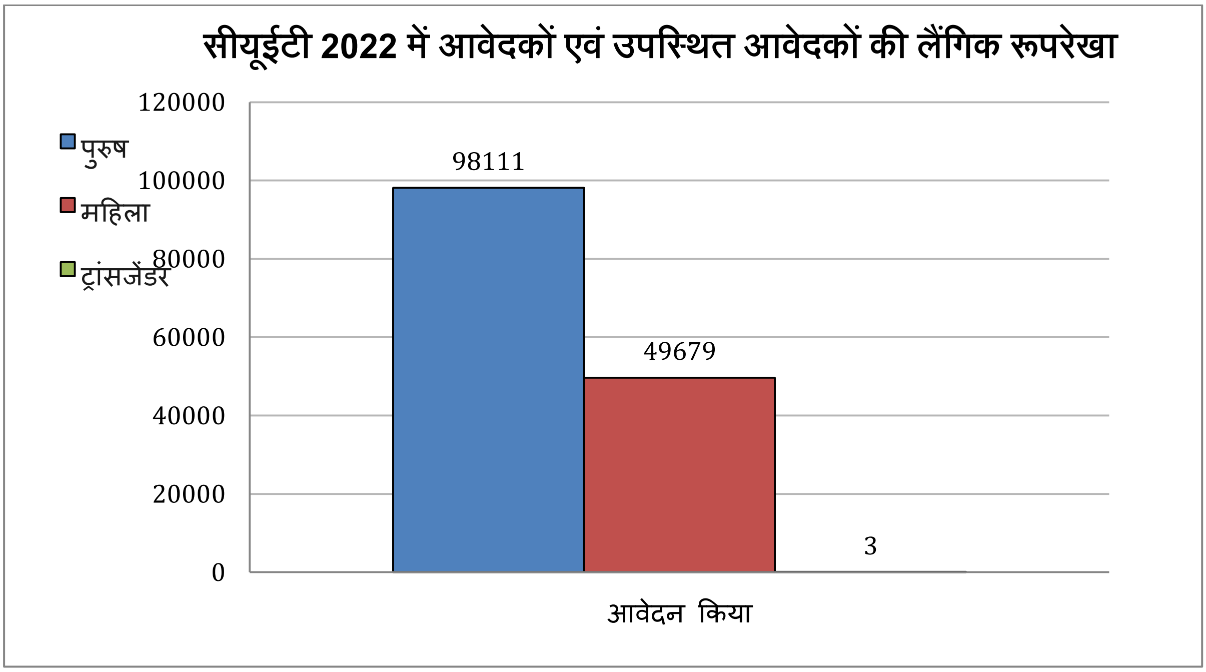

2. पुरुष आवेदकों की संख्या महिला अभ्यर्थियों से अधिक है. इसके अलावा, ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय में विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन किया था।

नामांकित छात्रों की लैंगिक रूपरेखा

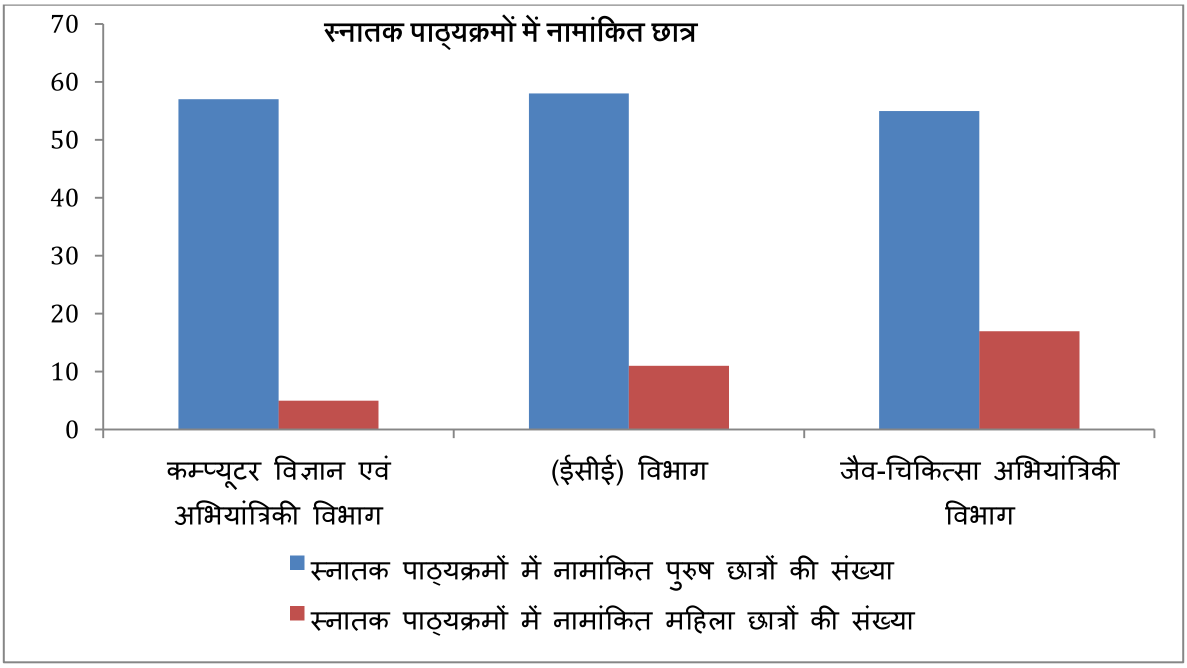

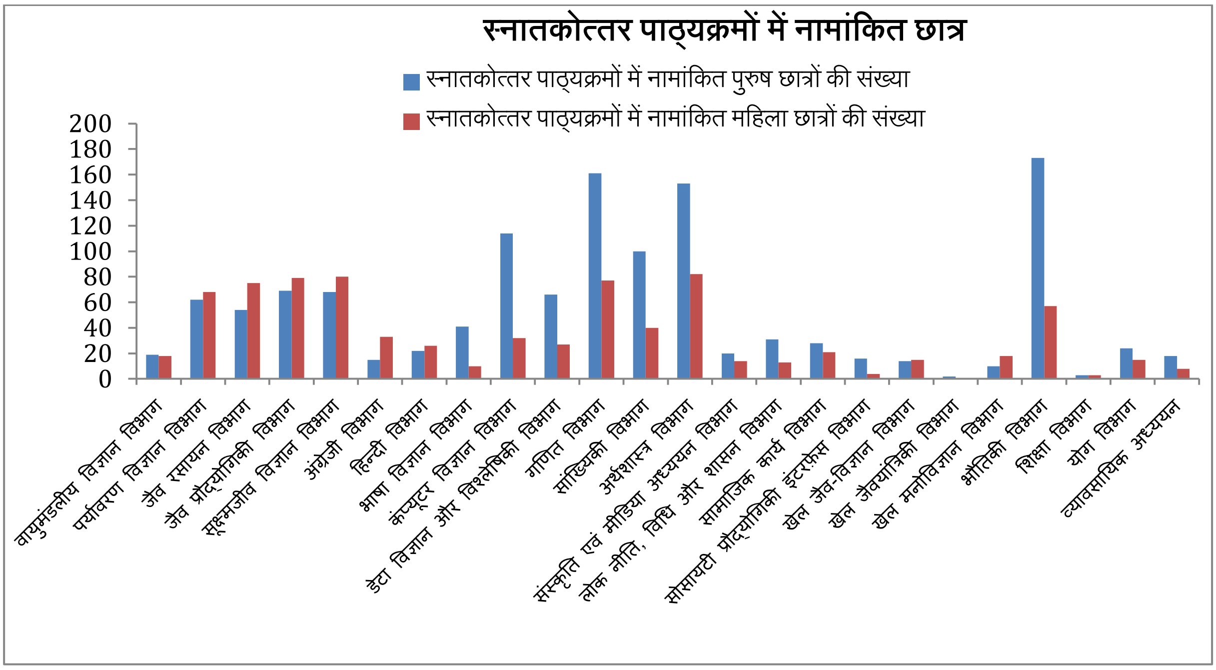

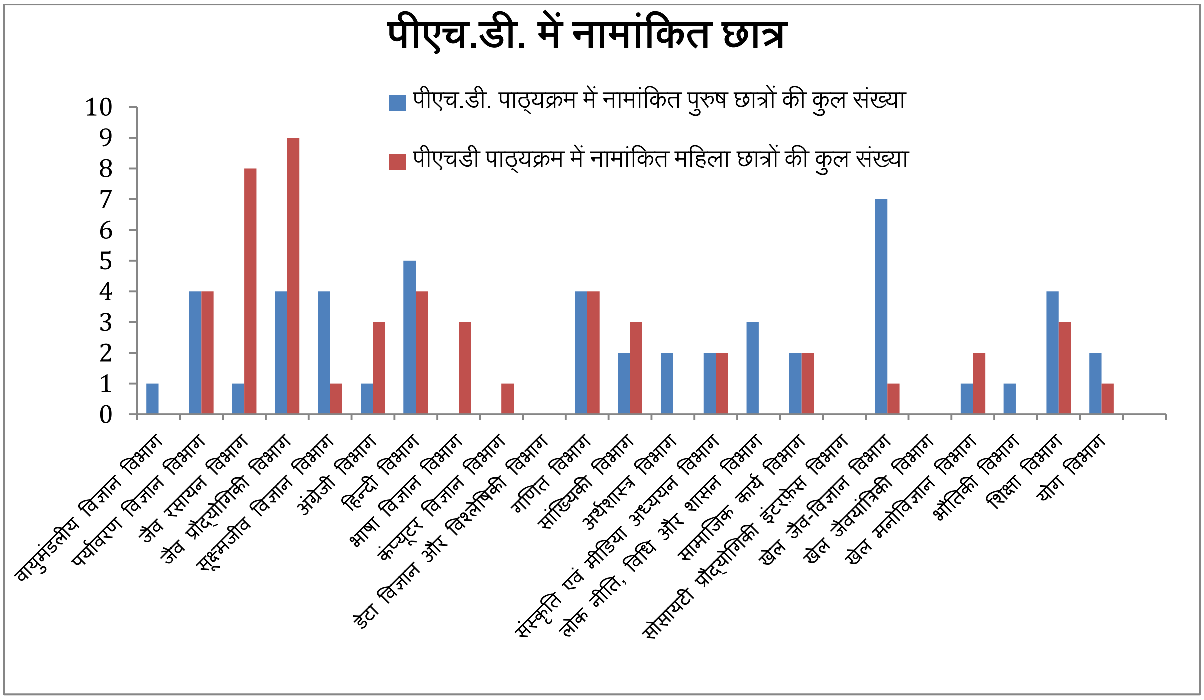

2022-23 में भी, विश्वविद्यालय के विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में पुरुष छात्रों का नामांकन अधिक है। हालाँकि, पीएच.डी. कार्यक्रम में महिलाओं का प्रतिनिधित्व अधिक देखा गया।

3. **कार्यक्रमों की अंतिम सेमेस्टर परीक्षा में प्रदर्शन**

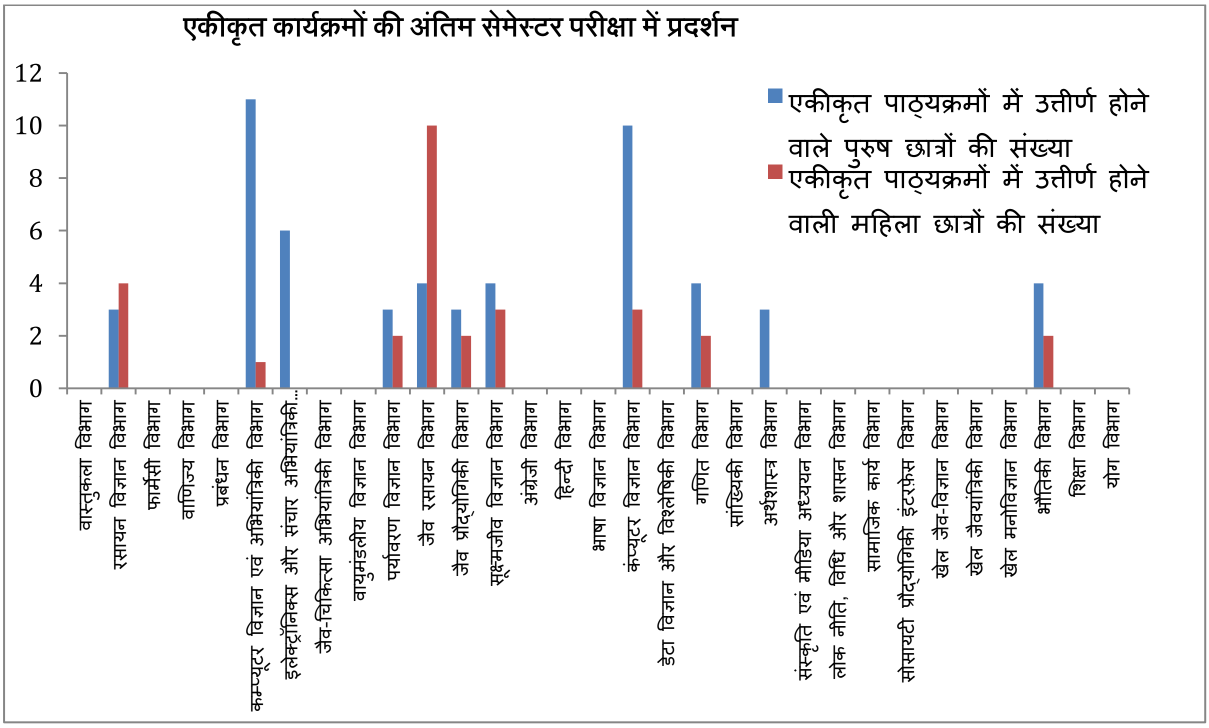

23-22022 में नामांकन में उच्च प्रतिनिधित्व के कारण पुरुष छात्रों ने अधिक संख्या में एकीकृत कार्यक्रम में स्नातक किया।

विभिन्न विभागों में प्रदत्त पीएच.डी.

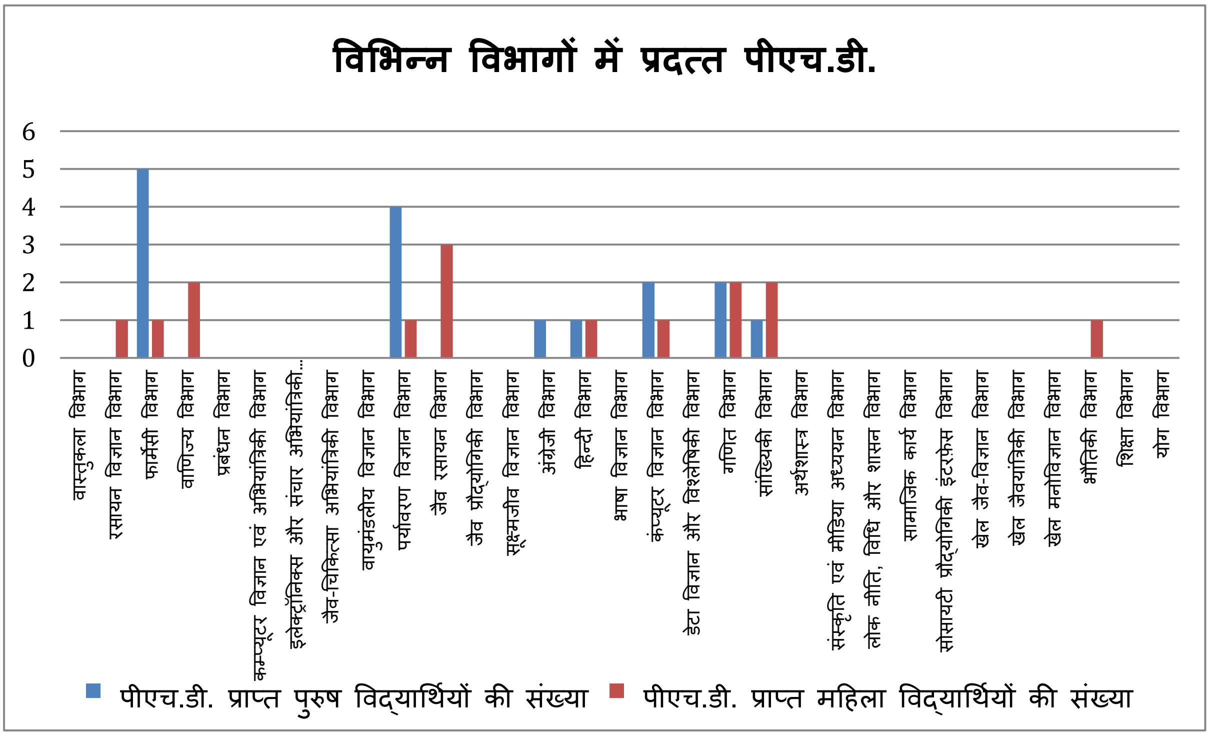

पुरुष और महिला छात्रों को लगभग समान संख्या में पीएच.डी. उपाधि प्राप्त हुई।

.4शैक्षणिक उपलब्धियाँ

ए .अध्येतावृत्ति

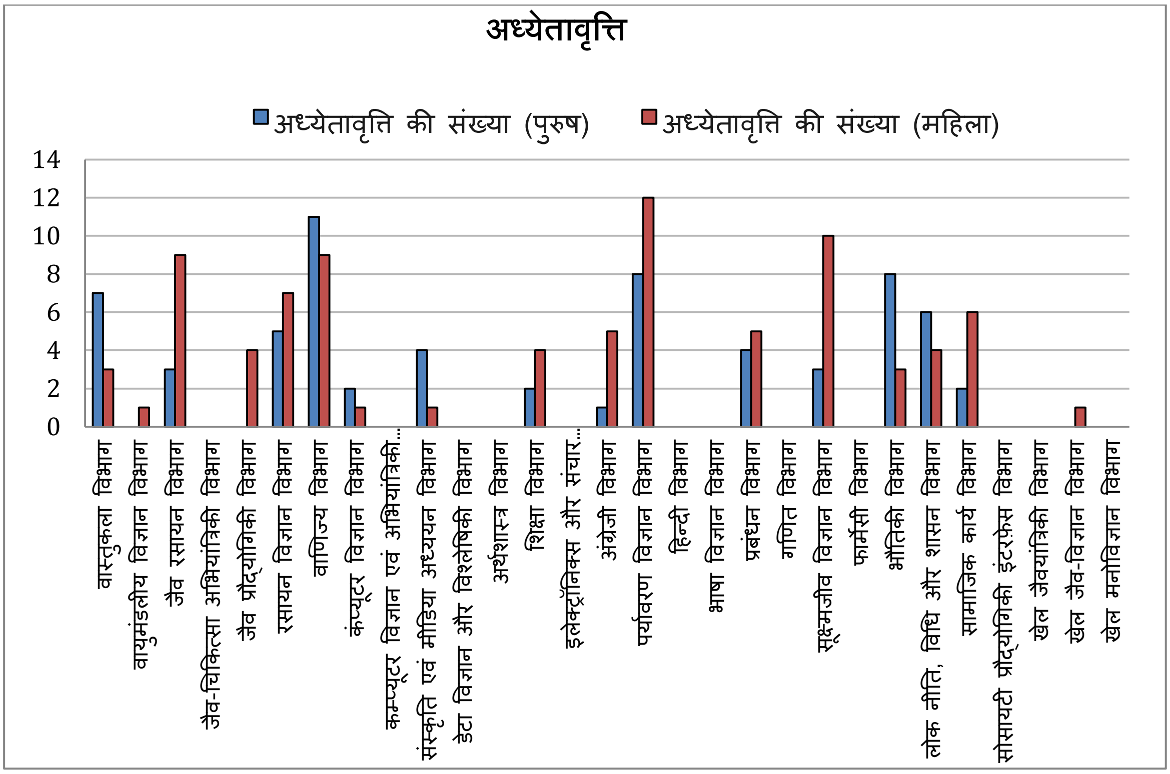

बाहरी एजेंसियों (यूजीसी, डीबीटी, आदि) से फ़ेलोशिप प्राप्त करने में पुरुष और महिला दोनों छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

.5पाठ्यचर्या एवं पाठ्येतर गतिविधियों में उपलब्धि

क. **सांस्कृतिक भागीदारी**

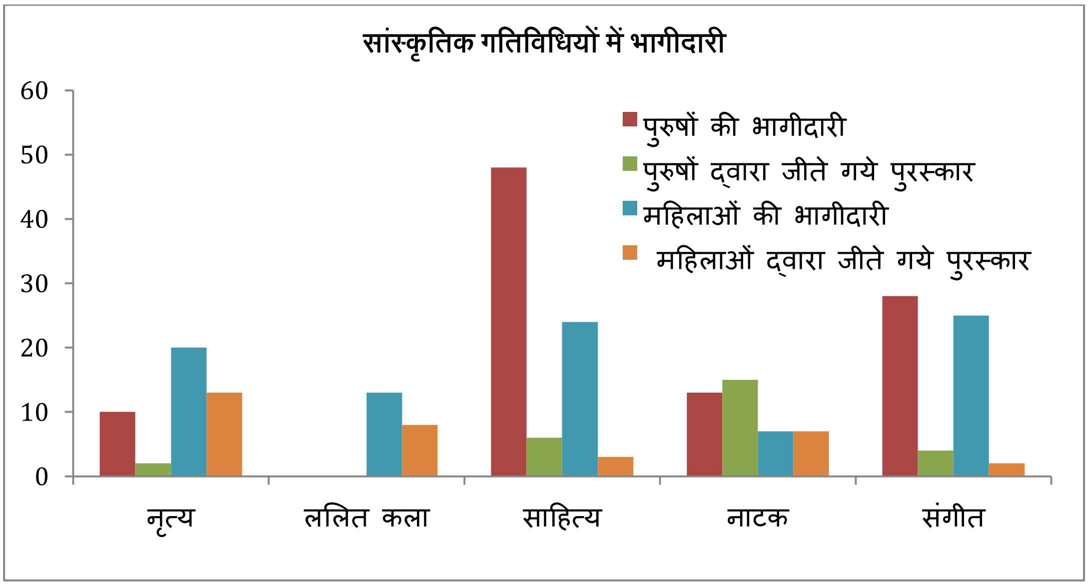

सांस्कृतिक गतिविधियों में दोनों लिंगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया, लेकिन ललित कला क्लब में पुरुषों की कोई भागीदारी नहीं है।

ख. **खेलों में भागीदारी**

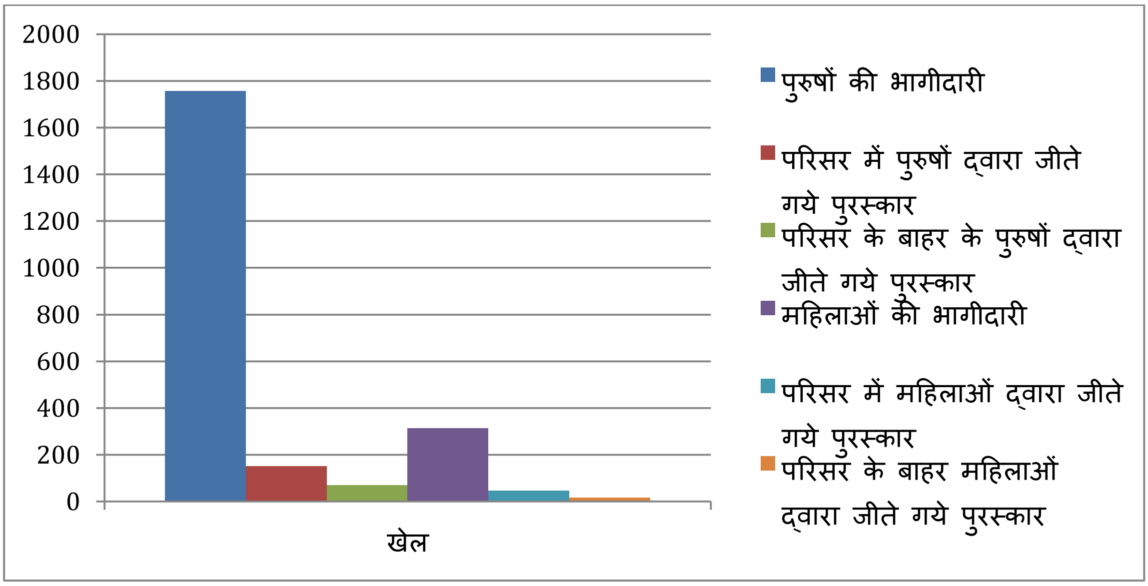

पुरुष छात्रों की भागीदारी महिलाओं की तुलना में अधिक है, हालांकि उन्होंने परिसर के अंदर और बाहर आयोजित खेल गतिविधियों में भाग लिया है।

.6विद्यार्थी प्रगति

ए **.पीजी में प्लेसमेंट**

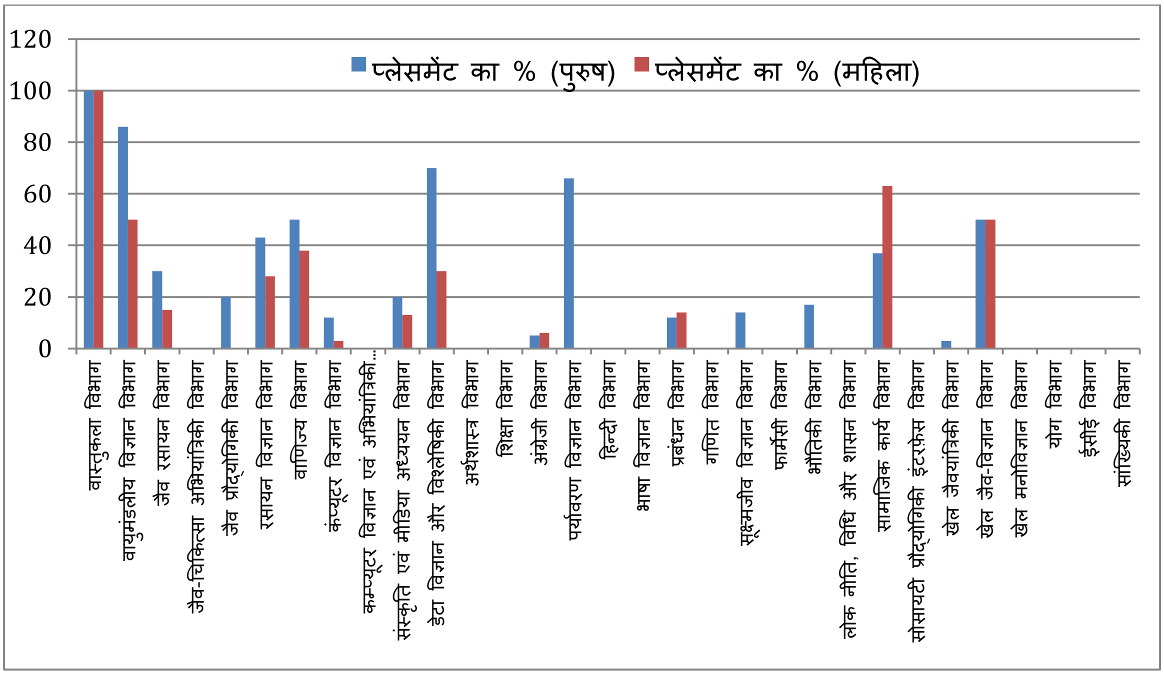

पुरुष और महिला दोनों विद्यार्थी कैंपस और बाहर प्लेसमेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

बी **.उच्च शिक्षा में प्लेसमेंट**

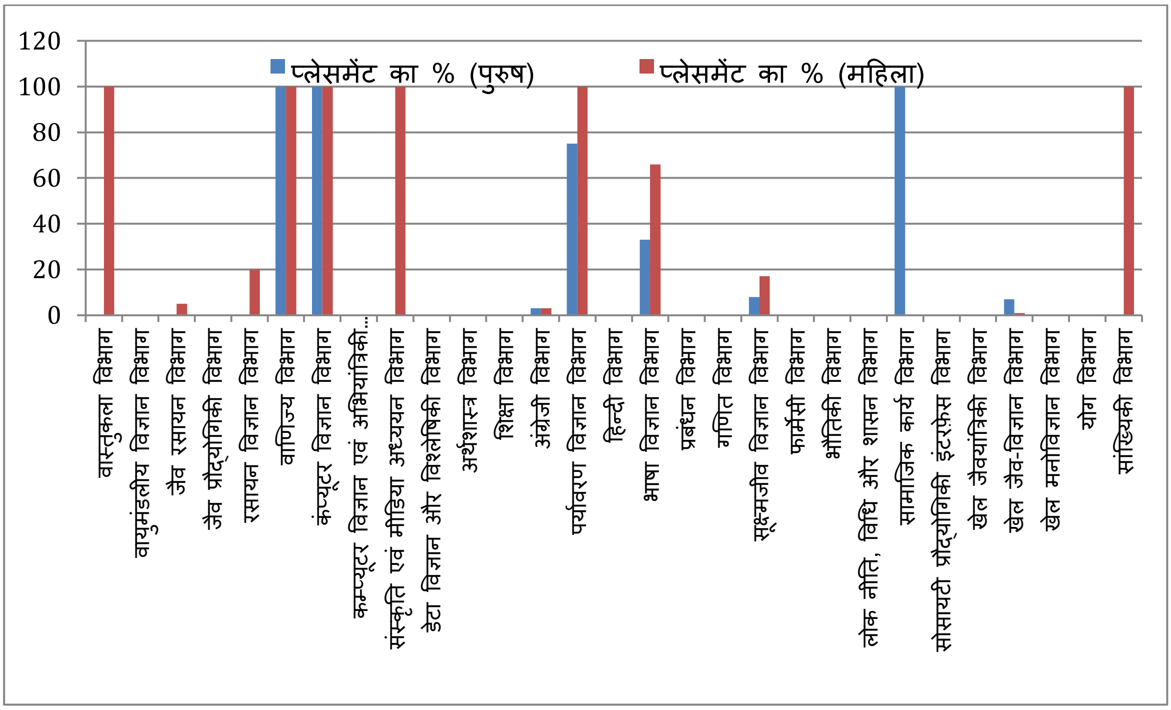

सीयूराज से स्नातक होने के बाद महिला विद्यार्थी अधिक संख्या में अनुसंधान कार्यक्रमों का चयन कर रही हैं।

अन्य सुविधाएं

स्वास्थ्य केंद्र

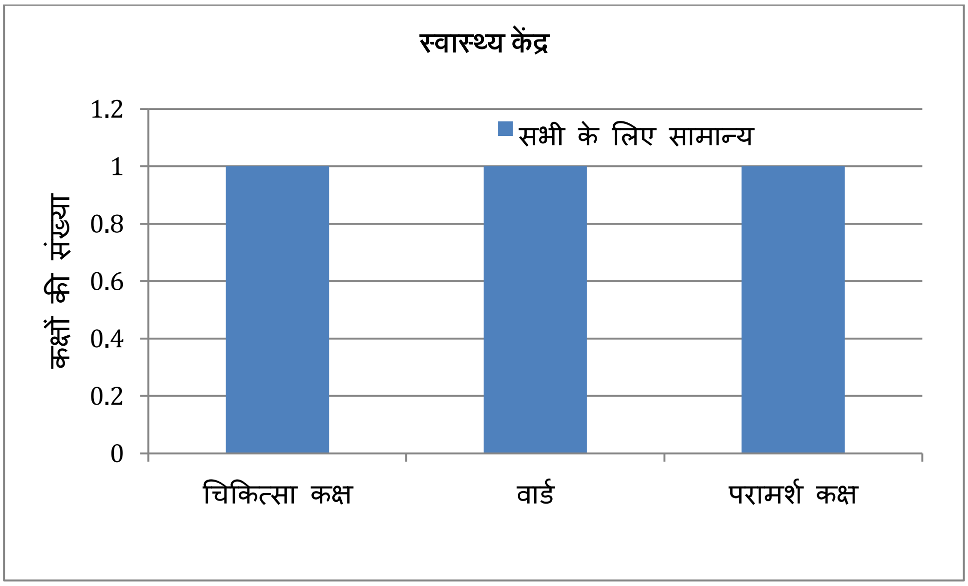

कर्मचारी आवास

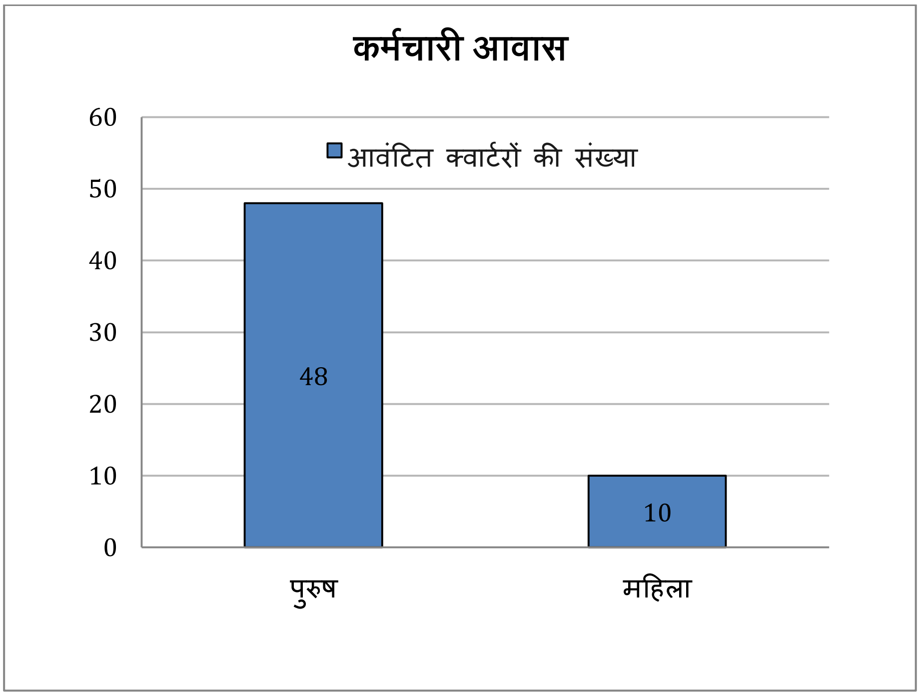

विश्वविद्यालय कर्मचारी आवासों में पुरुष कर्मचारी सदस्य अधिक रहते हैं।

विद्यार्थियों के लिए छात्रावास सुविधा

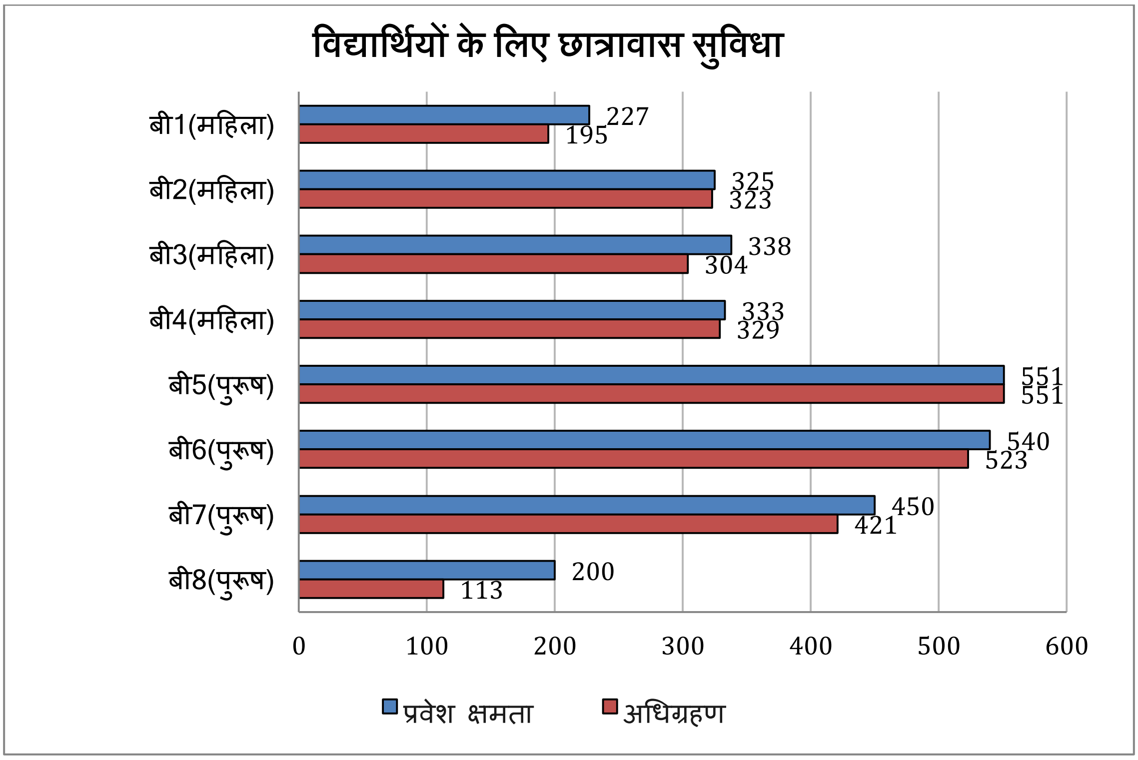

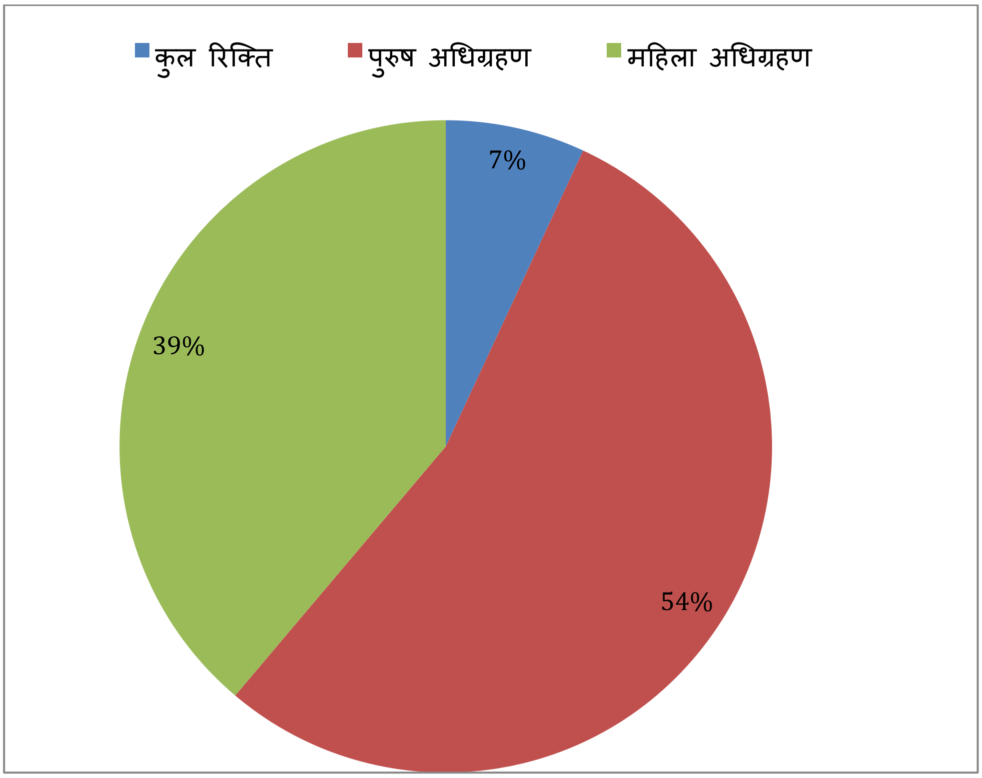

छात्रावासों में छात्रों के रहने के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध है।

नई पहल

डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र

सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में, 1 अक्टूबर, 2022 को सीयूराज में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र (डीएसीई) की स्थापना की गई। यह केंद्र एससी समुदाय के छात्रों को आईएएस की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग प्रदान करता है। पहले चरण में 51 उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिनमें 35 पुरुष और 16 महिलाएं थीं। डॉ. एसपी महेंद्रा, विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, डीएसीई के समन्वयक हैं।

सृजन सहकार : महिला सशक्तिकरण के लिए जैविक कृषि परियोजना

विश्वविद्यालय सामुदायिक सहभागिता में माननीय कुलपति और वरिष्ठ संकाय की बढ़ती रुचि के साथ, विश्वविद्यालय ने "सृजन सहकार खेती" नामक एक पायलट परियोजना शुरू की है जो सहकारी खेती के एक रूप की पुष्टि करती है। पहले चरण में परियोजना केंद्र आसपास के गांवों की 21 महिलाओं के साथ साझेदारी हेतु विश्वविद्यालय की 1 एकड़ भूमि का उपयोग करेगा। इन महिलाओं का चयन सामाजिक-आर्थिक अभाव के आधार पर उनकी स्थिति को देखते हुए किया जाता है। ये महिला कृषि विशेषज्ञ विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा प्रदान किए गए प्रारंभिक समर्थन और निवेश के साथ जैविक कृषि उत्पादों का उत्पादन करने के लिए भूमि का उपयोग करने में विश्वसनीय हैं। ये उत्पाद विश्वविद्यालय द्वारा खरीदे जाएंगे और विश्वविद्यालय छात्रावास मेस में उपयोग किए जाएंगे। परियोजना का लक्ष्य विश्वविद्यालय सामुदायिक सहभागिता (यूसीई) के लक्ष्य को पूरा करना है। परियोजना सृजन सहकार खेती सामाजिक हानि, बहिष्कार और सामाजिक रूप से न्यायपूर्ण समाज के विचार को बढ़ावा देने के मुद्दों को संबोधित करती है।

विश्वविद्यालय के प्राधिकारी

सदस्य: कार्यकारी परिषद

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 11

(दिनांक 01.07.2022 से 30.06.2023 की अवधि के दौरान)

संविधि	सदस्यों के नाम
संविधि :(i)(1)11 कुलपति (पदेन अध्यक्ष)	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति, और अध्यक्ष कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि :(ii)(1)11 सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	सचिव , उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ,शास्त्री भवन ,नई दिल्ली.110001-
संविधि : **(iii)(1)11** अध्यक्ष, यूजीसी या उनके द्वारा नामित व्यक्ति	प्रो. रबी नारायण कर , प्राचार्य, श्याम लाल कॉलेज, जीटी रोड, शाहदरा दिल्ली (10.06.2022 से)
संविधि 11(1)(iv): राज्य सरकार के प्रमुख सचिव, उच्च शिक्षा या उनके नामित व्यक्ति जो सचिव के पद से नीचे पदक्रम के न हों, विशेषत: उच्च शिक्षा के मामलों से संबंधित हो	प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा विभाग ,राजस्थान सरकार, मुख्य भवन ,सचिवालय , जयपुर-302005, राजस्थान
संविधि :(v)(1)11 सम कुलपति; यदि कोई	(रिक्त)
संविधि 11(1)(vi): चार सदस्य, अध्ययन केंद्रों के अधिष्ठाताओं में से वरिष्ठता के अनुसार क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त	1. प्रो.जगदीश उल्हास जाधव अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल (31.05.2021 से) 2. प्रो. राजेश कुमार अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल (04.11.2022 से) 3. प्रो. उमा शंकर मिश्र अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन (04.11.2022 से) 4. प्रो. संजीब कुमार पात्रा अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल (28.02.2023 से)

संविधि	सदस्यों के नाम
	पिछले सदस्य (01.07.2022 से 30.06.2023 के दौरान): 1. प्रो. अमित कुमार गोयल अधिष्ठाता ,रासायनिक विज्ञान स्कूल (03.11.2022 से 22.03.2023 तक) 2. प्रो.नीरज गुप्ता अधिष्ठाता ,वास्तुकला स्कूल (23.02.2022 से 30.08.2022 तक) 3. प्रो. पवन कुमार दाधीच अधिष्ठाता ,जीवन विज्ञान स्कूल (23.02.2022 से 25.09.2022 तक)
संविधि 11(1)(vii): एक आचार्य, जो अधिष्ठाता नहीं हो, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार, कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	प्रोफेसर प्रदीप वर्मा सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग (05.11.2019 से 04.11.2022 तक)
संविधि 11(1)(viii): एक सह आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	डॉ. ममता रानी, सह आचार्य, संगणक विज्ञान विभाग (08.10.2021 से)
संविधि 11(1)(ix): एक सहायक आचार्य, वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार कुलपति द्वारा नियुक्त किया जाएगा	डॉ .संजय कुमार सहायक आचार्य ,प्रबंधन विभाग, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (14.06.2021 से)
संविधि 11(1)(x): कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो, जिनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का या विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध संस्थान का कर्मचारी या छात्र नहीं हो और, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	(रिक्त-02) दूसरे कोर्ट के लिए विजिटर के 02नामांकित व्यक्तियों का प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय को भेजा गया है।
संविधि 11(1)(xi): शैक्षणिक और सार्वजनिक जीवन में विशिष्ट चार व्यक्ति, जिन्हें कुलाध्यक्ष द्वारा नामित किया जाएगा	1. प्रो. मंजू बाघमार , व्यावसायिक व्यवस्थापन विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ,उदयपुर , राजस्थान 2. डॉ. पायल माग, प्राचार्य, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन ,दिल्ली विश्वविद्यालय 3. प्रो .शंभू नाथ सिंह,

संविधि	सदस्यों के नाम
	स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया स्टडीज, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली। 4. प्रो राजीव कुमार सक्सेना , आर्थिक प्रशासन और वित्तीय प्रबंधन विभाग ,राजस्थान विश्वविद्यालय ,जयपुर। (09.03.2022 से)
संविधि 6(6): कुलसचिव कार्यकारी परिषद और अकादमिक परिषद का पदेन सचिव होगा, लेकिन इन प्राधिकरणों में से किसी एक का सदस्य नहीं माना जाएगा (पदेन सचिव)	श्री प्रदीप अग्रवाल कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (01.06.2023 से) **पिछले सचिव (01.07.2022 से 30.06.2023 के दौरान):** कर्नल बी वेंकट कुलसचिव, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (01.08.2022 से 31.05.2023 तक) प्रो. डी. सी. शर्मा कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (16.07.2021 से 31.07.2022 तक)

समिति की गणपूर्ति: संविधि 11(3) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित कार्यकारी परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या कार्यकारी परिषद की बैठक की गणपूर्ति होगी।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 11(2) के प्रावधानों के अनुसार, कुलपति, उप-कुलपति व कुलसचिव को छोड़कर कार्यकारी परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: अकादमिक परिषद

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 13

(दिनांक 01.07.2022 से 30.06.2023 की अवधि के दौरान)

संविधि	सदस्यों के नाम

संविधि 11(1)(i): कुलपति (पदेन अध्यक्ष)	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति, एवं अध्यक्ष कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि 13(1)(ii): सम-कुलपति, यदि कोई हो	(रिक्त)
संविधि 13(1)(iii): अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाता	1. अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान एवं फार्मेसी स्कूल 2. अधिष्ठाता, पृथ्वी विज्ञान स्कूल 3. अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन स्कूल 4. अधिष्ठाता, भौतिकीय विज्ञान स्कूल 5. अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल 6. अधिष्ठाता, गणित, सांख्यिकी और कम्प्यूटेशनल विज्ञान स्कूल 7. अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान स्कूल 8. अधिष्ठाता, मानविकी एवं भाषा विद्यालय 9. अधिष्ठाता, वास्तुकला स्कूल 10. अधिष्ठाता, जीवन विज्ञान स्कूल 11. अधिष्ठाता, अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी स्कूल 12. अधिष्ठाता, खेल विज्ञान स्कूल
संविधि 13(1)(iv): अकादमिक विभागों/केंद्रों के विभागाध्यक्ष	1. विभागाध्यक्ष, वास्तुकला विभाग 2. विभागाध्यक्ष, वायुमंडलीय विज्ञान विभाग 3. विभागाध्यक्ष, जैव रसायन विभाग 4. विभागाध्यक्ष, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी विभाग 5. विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग 6. विभागाध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग 7. विभागाध्यक्ष, वाणिज्य विभाग 8. विभागाध्यक्ष, कंप्यूटर विज्ञान विभाग 9. विभागाध्यक्ष, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी स्कूल 10. विभागाध्यक्ष, संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन विभाग 11. विभागाध्यक्ष, आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण विभाग 12. विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग 13. विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग 14. विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार विभाग 15. विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी विभाग 16. विभागाध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान विभाग 17. विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग 18. विभागाध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग 19. विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग 20. अध्यक्ष, गणित विभाग 21. विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग 22. विभागाध्यक्ष, फार्मेसी विभाग 23. विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग

	24. विभागाध्यक्ष, लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग 25. विभागाध्यक्ष, सामाजिक कार्य विभाग 26. विभागाध्यक्ष, समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस विभाग 27. विभागाध्यक्ष, खेल जैवयांत्रिकी विभाग 28. विभागाध्यक्ष, खेल जीव विज्ञान विभाग 29. विभागाध्यक्ष, खेल मनोविज्ञान विभाग 30. विभागाध्यक्ष, सांख्यिकी विभाग 31. विभागाध्यक्ष, व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास विभाग 32. विभागाध्यक्ष, योग विभाग
संविधि 13(1)(v): दस आचार्य, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर (अध्ययन स्कूलों के अधिष्ठाता और विभागों / केंद्रों के अध्यक्ष को छोड़कर) को कुलपति द्वारा अलग-अलग स्कूलों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए नामित	1. प्रोफेसर प्रदीप वर्मा ,जीव विज्ञान विभाग (13.11.2019 से 12.11.2022 तक) 2. प्रो. विपिन कुमार, फार्मेसी विभाग ,फार्मेसी विभाग (17.12.2021 से)
संविधि 13(1)(vi): पाँच सह आचार्य, जो शैक्षणिक विभाग के अध्यक्ष न हों, वरिष्ठता और क्रम के आधार पर कुलपति द्वारा नामित	1. डॉ. अरविंद पांडे, सांख्यिकी विभाग (17.12.2021 से) 2. डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभाग (13.07.2020 से 13.10.2022 तक) 3. डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा , हिंदी विभाग (17.12.2021 से 16.08.2022 तक) 4. सुश्री रितु बी राय, वास्तुकला विभाग (13.11.2019 से 30.08.2022 तक) 5. डॉ. एस. कांदसामी , लोक नीति, विधि एवं शासन विभाग (13.11.2019 से 30.08.2022 तक)
संविधि 13(1)(vii): तीन सहायक आचार्य, वरिष्ठता और क्रमानुसार, कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाएंगे	1. डॉ. दीपेश भाटी , सांख्यिकी विभाग (13.11.2019 से 12.11.2022 तक) 2. डॉ निष्ठा केसवानी , कंप्यूटर विज्ञान विभाग (13.11.2019 से 12.11.2022 तक) 3. डॉ. नेहा अरोड़ा, अंग्रेजी विभाग (17.12.2021 से)
संविधि 13(1)(viii): छह व्यक्ति जो विश्वविद्यालय की सेवा में नहीं हैं, उन्हें शिक्षा की प्रगति और विकास में उनके विशेष ज्ञान के लिए अकादमिक परिषद द्वारा सहयोजित किया गया है।	1. डॉ. एस. सुरेश बाबू , प्रमुख एवं वैज्ञानिक, विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, तिरुवनंतपुरम (केरल) 2. प्रो. नियाज़ अहमद, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय 3. प्रो. जतिंदर ग्रोवर, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय 4. प्रो. अनिल राय, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (प्रभावी 24.09.2020)

	5. प्रो. जी. डी. शर्मा, कुलपति, बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.) (29.11.2019 से 28.11.2022 तक)
संविधि 13(1)(ix): कुलाध्यक्ष द्वारा मनोनीत कोर्ट के निर्वाचित सदस्यों में से दो सदस्य	(रिक्त-02) दूसरे कोर्ट के लिए कुलाध्यक्ष के 02 नामांकित व्यक्तियों का प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय को भेजा गया है।
संविधि 13(2): अधिष्ठाता, छात्र कल्याण (पदेन सदस्य)	प्रो. जे. के. प्रजापत (11.10.2021 से)
संविधि 13(2): कुलानुशासक (पदेन सदस्य)	डॉ. लक्ष्मी कांत शर्मा (प्रभावी 29.07.2022) **पिछले सदस्य (01.07.2022 से 30.06.2023 के दौरान):** प्रो. अमित कुमार गोयल, कुलानुशासक, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.09.2020 से 28.07.2022 तक)
संविधि 13(2): परीक्षा नियंत्रक	परीक्षा नियंत्रक - वर्तमान में प्रो. एस. एन. अम्बेडकर (प्रभारी)
संविधि 13(2): पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालयाध्यक्ष - वर्तमान में प्रो. एस.एन. अम्बेडकर (प्रभारी)
संविधि 6(6): कुलसचिव, (पदेन सचिव)	श्री प्रदीप अग्रवाल कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (01.06.2023 से) (01.06.2023 से) **पिछला सचिव (01.07.2022 से 30.06.2023 के दौरान):** कर्नल बी वेंकट कुलसचिव, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (01.08.2022 से 31.05.2023 तक) प्रो. डीसी शर्मा कुलसचिव (प्रभारी), राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (16.07.2021 से 31.07.2022 तक)

समिति की गणपूर्ति: संविधि 13(4) के प्रावधानों के अनुसार, अध्यक्ष को छोड़कर, दो बाहरी सदस्यों सहित परिषद के कुल सदस्यों की आधी संख्या अकादमिक परिषद की बैठक की गणपूर्ति करेंगी।

सदस्यों का कार्यकाल: संशोधित संविधि 13(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर अकादमिक परिषद के सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

सदस्य: वित्त समिति

केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 का संशोधित संविधि 13

(दिनांक 01.07.2022 से 30.06.2023 की अवधि के दौरान)

संविधि	सदस्य)सदस्यों (का नाम
संविधि 17(1)(i): कुलपति	प्रोफेसर आनंद भालेराव कुलपति, और अध्यक्ष, कार्यकारी परिषद राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (24.01.2022 से)
संविधि 17(1)(ii): सम-कुलपति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iii): न्यायालय द्वारा नामित एक व्यक्ति	(रिक्त)
संविधि 17(1)(iv): कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन व्यक्ति, जिनमें से कम से कम एक कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा	1. श्री बी. एस. पाटिल, पूर्व वित्त अधिकारी शिवाजी विश्वविद्यालय, विद्यानगर, कोल्हापुर, महाराष्ट्र (20.05.2022 से) 1. प्रो अखिल रंजन गर्ग आचार्य ,इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग ,जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय ,जोधपुर (11.12.2020 से) 2. प्रो. राजीव कुमार सक्सेना आर्थिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रबंधन विभाग ,राजस्थान विश्वविद्यालय (29.08.2022 से एक कार्यकाल के लिए और जब तक वह कार्यकारी परिषद का सदस्य बने रहेंगे) (01.07.2022 से 28.08.2022 तक रिक्त)
संविधि 17(1)(v): कुलाध्यक्ष द्वारा नामित तीन व्यक्ति	1. संयुक्त सचिव (सीयू एंड एल), शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली 2. संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी, नई दिल्ली
संविधि 7(5) वित्त अधिकारी, पदेन सचिव	पदेन सचिव

समिति की गणपूर्ति: संविधि 17(2) के प्रावधानों के अनुसार, वित्त समिति के पाँच सदस्य वित्त समिति की बैठक के लिए गणपूर्ति करेंगे।

सदस्यों का कार्यकाल: संविधि 17(3) के प्रावधानों के अनुसार, पदेन सदस्यों को छोड़कर सभी सदस्य तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेंगे।

संकाय सदस्यों/अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सूची

क. नियमित शैक्षणिक कर्मचारी

क 1. अकादमिक वर्ष के दौरान नियुक्त 23-2022 नियमित शैक्षणिक कमर्चारियों की सूची :

-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	नियुक्ति की तिथि
1	डॉ. जय प्रकाश	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	01.07.2022
2	डॉ. जय कांत यादव	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	18.07.2022
3	डॉ निधि पारीक	सह आचार्य	खेल जीव विज्ञान	18.07.2022
4	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	21.07.2022
5	डॉ.कमलेश जांगिड़	सहायक आचार्य	गणित	27.07.2022
6	डॉ. हेमलता मंगलानी	सह आचार्य	अर्थशास्त्र	01.08.2022
7	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव	आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	05.08.2022
8	डॉ.सौरभ कुमार	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	08.08.2022
9	डॉ. हरीश	सह आचार्य	जीव रसायन	13.08.2022
10	डॉ.माधुरी देसवथु	सह आचार्य	फार्मेसी	22.08.2022
11	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	01.09.2022
12	डॉ. हेमन्त कुमार दायमा	सह आचार्य	जीव रसायन	18.10.2022
13	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	सह आचार्य	रसायन विज्ञान	22.10.2022
14	डॉ. प्रियंका भास्कर	सहायक आचार्य	वाणिज्य	26.10.2022
15	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	27.10.2022
16	डॉ.सुधीर कुमार गढ़वाल	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	27.10.2022
17	डॉ. कुमार संभव पारीक	सह आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	28.10.2022
18	डॉ. खेम राज मीना	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	31.10.2022
19	डॉ. रामुलु भुक्या	सहायक आचार्य	प्रबंधन	02.11.2022
20	डॉ. प्रकाश चौधरी	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	04.11.2022
21	डॉ. भावना सैनी	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	04.11.2022
22	डॉ. चंदन कुमार	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	23.11.2022
23	डॉ. प्रमोद निंगप्पा कांबले	सह आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	24.11.2022
24	डॉ. संदीप चौधरी	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	28.11.2022
25	डॉ. बसंत अग्रवाल	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	30.11.2022
26	डॉ. विक्रांत सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	06.12.2022
27	डॉ मानस कुमार नाग	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	14.12.2022
28	डॉ. विद्योत्तमा जैन	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	06.01.2023
29	डॉ. निष्ठा केसवानी	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	06.01.2023
30	डॉ. अभय कुमार राय	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	10.01.2023
31	डॉ. संयोग रावत	सह आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	12.01.2023
32	डॉ. पवन सिंह	सह आचार्य	संगणक विज्ञान	18.01.2023

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	नियुक्ति की तिथि
33	डॉ. गजेंद्र सिंह	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	24.01.2023
34	डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	खेल मनोविज्ञान	13.02.2023
35	डॉ. भगवान डी.	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	13.02.2023
36	प्रो. गजानन बाला साहेब ज़ोरे	आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	15.02.2023
37	डॉ.कुलदीप सुथर	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	16.02.2023
38	श्री धनंजय कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	15.03.2023
39	डॉ. सागर शिवाजी बराले	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	06.04.2023
40	डॉ. चंद्रकांत दाश	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	11.05.2023
41	डॉ. एल. पैखोम्बा सिंह	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	15.05.2023
42	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	30.05.2023

क 2. **अकादमिक वर्ष 23-2022 के दौरान नियमित शैक्षणिक कमर्चारी:**

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
1	प्रो. नीरज गुप्ता	आचार्य	वास्तुकला	-
2	श्रीमती ऋतु भार्गव राय	सह आचार्य	वास्तुकला	-
3	श्री विवेकानन्द तिवारी	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
4	डॉ. सुनील शर्मा	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
5	श्री महेश कुमार	सहायक आचार्य	वास्तुकला	-
6	डॉ. देवेश शर्मा	सह आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
7	डॉ. सुब्रत कुमार पांडा	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
8	डॉ. चिन्मय मलिक	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
9	डॉ. जयंती पाल	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
10	डॉ. जय प्रकाश	सहायक आचार्य	वायुमंडलीय विज्ञान	-
11	प्रो. चंडी चरण मंडल	आचार्य	जीव रसायन	-
12	प्रो. संजीब कुमार पांडा	आचार्य	जीव रसायन	-
13	डॉ. हेमन्त कुमार दायमा	सह आचार्य	जीव रसायन	-
14	डॉ. विश्वनाथ तिवारी	सहायक आचार्य	जीव रसायन	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
15	डॉ. किरण कुमार तेजावत	सहायक आचार्य	जीव रसायन	-
16	डॉ. शिव स्वरूप	सहायक आचार्य	जीव रसायन	-
17	डॉ. दीपक गायेन	सहायक आचार्य	जीव रसायन	-
18	डॉ. भावना बिस्सा	सहायक आचार्य	जीव रसायन	-
19	प्रो. गजानन बाला साहेब ज़ोरे	आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
20	डॉ. पंकज गोयल	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
21	डॉ. जय कांत यादव	सह आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
22	डॉ. जन्मेजय पांडे	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
23	डॉ. तरूण कुमार भट्ट	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
24	डॉ. सुमन टपरयाल	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
25	डॉ. जयेन्द्र नाथ शुक्ल	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
26	डॉ. खेम राज मीना	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
27	डॉ. गजेंद्र सिंह	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	-
28	डॉ. संदीप चौधरी	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
29	डॉ. चंदन कुमार	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
30	डॉ. विक्रांत सिंह राजपूत	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
31	डॉ. मानस कुमार नाग	सहायक आचार्य	जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी	-
32	डॉ. ईश्वर श्रीनिवासन	सह आचार्य	रसायन विज्ञान	-
33	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	सह आचार्य	रसायन विज्ञान	-
34	डॉ. एम. भानुचंद्र	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
35	डॉ. तिरुमूर्ति रामलिंगम	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
36	डॉ. पार्थ रॉय	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
37	डॉ. रीतेश सिंह	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
38	डॉ. हेमंत जोशी	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
39	डॉ. राजगोपाल रेड्डी सीलम	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
40	डॉ. भूपेन्द्र गोस्वामी	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
41	डॉ. चंद्रकांता दाश	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	-
42	प्रो. प्रवीण साहू	आचार्य	वाणिज्य	-
43	डॉ. संजय कुमार पटेल	सहायक आचार्य	वाणिज्य	-
44	डॉ. प्रियंका भास्कर	सहायक आचार्य	वाणिज्य	-
45	प्रो. ममता रानी	आचार्य	संगणक विज्ञान	-
46	डॉ. पवन सिंह	सह आचार्य	संगणक विज्ञान	-
47	गौरव जी मीना	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
48	श्री रवि राज चौधरी	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
49	डॉ. कृष्ण कुमार मोहबे	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
50	डॉ. अजय इंडियन	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
51	डॉ. अभय कुमार राय	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	-
52	डॉ. प्रकाश चौधरी	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
53	डॉ. बसंत अग्रवाल	सह आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
54	डॉ. गौरव सोमानी	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
55	श्री रवि सहारण	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
56	डॉ. मुजम्मिल हुसैन मोहम्मद	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	-
57	डॉ. तरूण कुमार	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान एवं	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
			अभियांत्रिकी	
58	प्रो. अमिताभ श्रीवास्तव	आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
59	डॉ. प्रांता प्रतीक पटनायक	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
60	डॉ. निकोलस लाकड़ा	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
61	डॉ. नीरू प्रसाद	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
62	डॉ.अनूप कुमार	सहायक आचार्य	संस्कृति एवं मीडिया अध्ययन	-
63	डॉ. विद्योत्तमा जैन	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
64	डॉ. निष्ठा केसवानी	सह आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
65	डॉ. प्रीतपाल सिंह	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
66	डॉ. भावना सैनी	सहायक आचार्य	आंकड़ा विज्ञान एवं विश्लेषण	-
67	डॉ. हेमलता मंगलानी	सह आचार्य	अर्थशास्त्र	-
68	डॉ. प्रगति जैन	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
69	डॉ. सत्यनारायणमूर्ति डोग्गा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
70	डॉ. सुरेश कुमार पात्रा	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	-
71	डॉ. रीना राम किशोर गोदारा	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
72	डॉ. टी. संगीता	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
73	डॉ. सीमा गोपीनाथ	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
74	डॉ. कनक शर्मा	सहायक आचार्य	शिक्षा	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
75	डॉ. अंजलि शर्मा	सह आचार्य	शिक्षा	-
76	डॉ. गोबिंद सिंह	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
77	डॉ. नरेंद्र कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
78	डॉ. संगीता यदुवंशी	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
79	डॉ. नित्या प्रेम एसआर	सहायक आचार्य	शिक्षा	-
80	डॉ. संयोग रावत	सह आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
81	डॉ. मिलन सासमल	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
82	डॉ. राजन सिंह	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
83	डॉ. कपिल सारस्वत	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
84	डॉ.सुधीर भास्कर	सहायक आचार्य	इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	-
85	डॉ. संजय अरोड़ा	सह आचार्य	अंग्रेज़ी	-
86	डॉ. भूमिका शर्मा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
87	डॉ. नेहा अरोड़ा	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
88	डॉ. देवेन्द्र रांकावत	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
89	डॉ वेद प्रकाश	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
90	डॉ. सविता लक्ष्मणराव अंदेलवार	सहायक आचार्य	अंग्रेज़ी	-
91	प्रो. राजेश कुमार	आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
92	प्रो. लक्ष्मी कांत शर्मा	आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
93	डॉ. प्रमोद निंगप्पा कांबले	सह आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
94	डॉ. गरिमा कौशिक	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
95	डॉ. ऋतु सिंह	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
96	डॉ. शैलेश कुमार पाटीदार	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
97	डॉ. निवेदिता चौधरी	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
98	डॉ. भगवान डी.	सहायक आचार्य	पर्यावरण विज्ञान	-
99	प्रो. एन. लक्ष्मी अय्यर	आचार्य	हिंदी	-
100	डॉ. शीतल प्रसाद महेंद्रा	सह आचार्य	हिंदी	-
101	डॉ. ममता खांडल	सहायक आचार्य	हिंदी	-
102	डॉ. सुरेश सिंह राठौड़	सह आचार्य	हिंदी	-
103	डॉ. धनपति शौग्रक्पम	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
104	डॉ. सरिता देवीराम शर्मा	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
105	श्री धनंजय कुमार तिवारी	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
106	डॉ.महबूब ज़ाहिद	सहायक आचार्य	भाषा विज्ञान	-
107	प्रो. उमा शंकर मिश्रा	आचार्य	प्रबंधन	-
108	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
109	डॉ. तुलसी गिरि गोस्वामी	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
110	डॉ. अवंतिका सिंह	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
111	डॉ. रामुलु भुक्या	सहायक आचार्य	प्रबंधन	-
112	प्रो. जुगल किशोर प्रजापत	आचार्य	गणित	-
113	प्रो. दिनेश चंद्र शर्मा	आचार्य	गणित	-
114	डॉ. आनंद कुमार	सह आचार्य	गणित	-
115	डॉ. रामकिशोर	सहायक आचार्य	गणित	-
116	डॉ. जय प्रकाश त्रिपाठी	सहायक आचार्य	गणित	-
117	डॉ. विजय कुमार यादव	सहायक आचार्य	गणित	-
118	डॉ. विपुल कक्कड़	सहायक आचार्य	गणित	-
119	डॉ. आशा कुमारी मीना	सहायक आचार्य	गणित	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
120	डॉ. कमलेश जांगिड़	सहायक आचार्य	गणित	-
121	प्रो. पवन कुमार दाधीच	आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
122	प्रो. प्रदीप वर्मा	आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
123	प्रो. इंशाद अली खान	आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
124	डॉ. अखिल अग्रवाल	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
125	डॉ. दीक्षा त्रिपाठी	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
126	डॉ. सागर शिवाजी बराले	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
127	डॉ. एल. पैखोम्बा सिंह	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	-
128	प्रो. विपिन कुमार	आचार्य	फार्मेसी	-
129	प्रो. अमित कुमार गोयल	आचार्य	फार्मेसी	-
130	डॉ. माधुरी देसवथु	सह आचार्य	फार्मेसी	-
131	डॉ. देवेश मधुकर सावंत	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
132	डॉ. रुचि मलिक	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
133	डॉ. कैसर रजा	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
134	डॉ. उमेश गुप्ता	सहायक आचार्य	फार्मेसी	-
135	प्रो. मनीष देव श्रीमाली	आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
136	डॉ. अजीत कुमार पात्रा	सह आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
137	डॉ. नीरज पंवार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
138	डॉ. सुखमंदर सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
139	डॉ. बृजेश कुमार सिंह	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
140	डॉ. राकेश कुमार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
141	डॉ. युगान्दर बिटला	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
142	डॉ. सिद्धार्थ द्विवेदी	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
143	डॉ. कुलदीप सुथर	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
144	डॉ. राजेंद्र चरणदेव पवार	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	-
145	प्रो. नागेंद्र अम्बेडकर सोले	आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
146	डॉ. कांदसामी एस.	सह आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
147	डॉ. जीवन कुमार चेरुकु	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
148	डॉ. ज्ञान रंजन पांडा	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
149	डॉ. सुधीर कुमार गढ़वाल	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	-
150	प्रो. जगदीश उल्लास जाधव	आचार्य	सामाजिक कार्य	-
151	डॉ सुभासिस भद्रा	सह आचार्य	सामाजिक कार्य	-
152	डॉ. डंडुब पलज़ोर नेगी	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
153	डॉ. अतीक अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
154	डॉ. शैजी अहमद	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
155	डॉ. राजीव एम.एम	सहायक आचार्य	सामाजिक कार्य	-
156	डॉ. कुमार संभव पारीक	सह आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
157	डॉ. जया कृतिका ओझा	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
158	डॉ. वैरोकपम प्रेमी देवी	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
159	डॉ. जुगल किशोर	सहायक आचार्य	समाज-प्रौद्योगिकी इंटरफ़ेस	-
160	डॉ. निधि पारीक	सह आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
161	डॉ. नेहा सिंह	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
162	डॉ. हेमन्त नाइक बनावथ	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
163	डॉ. सुनील जी. पुरोहित	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
164	डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	खेल जीव विज्ञान	-
165	डॉ. रजनीश चौबीसा	सह आचार्य	खेल मनोविज्ञान	-
166	डॉ. नीथू पी.एस	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	-
167	डॉ. गुनीत इंदर जीत कौर	सहायक आचार्य	खेल मनोविज्ञान	-
168	प्रो. जितेंद्र कुमार	आचार्य	सांख्यिकी	-
169	प्रो. अरविंद पांडे	आचार्य	सांख्यिकी	-
170	डॉ. दीपेश भाटी	सह आचार्य	सांख्यिकी	-
171	डॉ. संजय कुमार	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
172	डॉ. महेंद्र साहा	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
173	डॉ.सतीश कुमार कालापाला	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
174	डॉ. महेश शिवाजी बराले	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
175	डॉ.सौरभ कुमार	सहायक आचार्य	सांख्यिकी	-
176	डॉ. संजीब कुमार पात्रा	सह आचार्य	योग	-
177	डॉ. काशीनाथ जी. मेत्री	सहायक आचार्य	योग	-
178	डॉ. हरीश	सह आचार्य	जीव रसायन	30.09.2022
179	डॉ. विजय कुमार प्रजापति	सहायक आचार्य	जीव रसायन	06.12.2022
180	डॉ. जय कांत यादव	सहायक आचार्य	जैव प्रौद्योगिकी	18.07.2022
181	डॉ. अनुज कुमार शर्मा	सहायक आचार्य	रसायन विज्ञान	22.10.2022
182	डॉ. सुशीला कुमारी सोरिया	सहायक आचार्य	वाणिज्य	25.05.2023
183	डॉ. नेहा सेठ	सहायक आचार्य	वाणिज्य	27.06.2023
184	डॉ निष्ठा केसवानी	सहायक आचार्य	संगणक विज्ञान	06.01.2023
185	डॉ हेमलता मंगलानी	सहायक आचार्य	अर्थशास्त्र	01.08.2022

क्र.सं.	शिक्षक का नाम	पद का नाम	विभाग	कार्यमुक्त होने की तिथि (यदि कोई हो)
186	डॉ. संदीप विश्वनाथराव रणभिरकर	सह आचार्य	हिंदी	23.03.2023
187	डॉ. विद्योत्तमा जैन	सहायक आचार्य	गणित	06.01.2023
188	डॉ. चन्द्र शेखर गहन	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	25.05.2023
189	डॉ. अरविन्द प्रताप सिंह	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	25.05.2023
190	डॉ. निधि पारीक	सहायक आचार्य	सूक्ष्म जीव विज्ञान	18.07.2022
191	डॉ. रजनीश कुमार वर्मा	सहायक आचार्य	भौतिक विज्ञान	23.08.2022
192	डॉ. अंजन कुमार साहू	सहायक आचार्य	लोक नीति, विधि एवं शासन	02.12.2022

ख. नियमित शिक्षकेत्तर कर्मचारी

ख 1.अकादमिक वर्ष के दौरान 23-2022 नियुक्त नियमित प्रशासनिक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी:

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	शामिल होने की तिथि	कार्यमुक्ति की तिथि (यदि कोई हो)
1	श्री प्रदीप अग्रवाल	वित्त अधिकारी	सीधी भर्ती	क	22.02.2023	-
2	कर्नल ब. वेंकट	कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	01.08.2022	31.05.2023
3	श्री मुनीश मलिक	वित्त अधिकारी	सीधी भर्ती	क	21.11.2022	28.12.2022
4	श्री शक्ति सिंह पँवार	सूचना वैज्ञानिक	सीधी भर्ती	क	24.05.2023	-
5	श्री विकास कुमार सिन्हा	प्रणाली विश्लेषक	सीधी भर्ती	क	01.06.2023	-
6	श्री भारत भूषण गुप्ता	निजी सचिव	पदोन्नति	ख	06.01.2023	-
7	श्री संजय गौड़	निजी सहायक	सीधी भर्ती	ख	03.04.2023	-
8	श्री नरेश कुमार मंगल	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	06.01.2023	-
9	श्री अवधेश विजय	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	06.01.2023	-
10	श्रीमती दीपिका कुमारी डांगी	नर्सिंग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	22.03.2023	-
11	श्री होशियार सिंह पालावत	कनिष्ठ अनुवादक	सीधी भर्ती	ख	09.03.2023	-
12	अखिलेश जी तिवारी	फार्मासिस्ट	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
13	धर्मेन्द्र जी चौधरी	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	14.03.2023	-
14	श्री शिवजी राम जाट	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
15	श्री रेवंत कुमार	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	15.03.2023	-
16	श्री राहुल शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
17	श्री राजेंद्र कुमार सोनी	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	24.02.2023	-
18	श्री शिव राज बैरवा	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	21.03.2023	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	शामिल होने की तिथि	कार्यमुक्ति की तिथि (यदि कोई हो)
19	श्री मंगल चंद धानका	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	06.01.2023	-
20	श्री विष्णु कुमार गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
21	श्री रवि प्रकाश बोहरा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	17.02.2023	-
22	श्री अंकित यादव	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	17.02.2023	-
23	श्री यशपाल सोलंकी	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	23.03.2023	-
24	श्री अनिल जांगिड़	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	01.03.2023	-
25	श्री नवीन कुमार शर्मा	वाहन चालक (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	06.01.2023	-
26	श्री राजवीर सिंह	रसोईया (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	06.01.2023	-
27	श्री सत्य नारायण सोलंकी	रसोईया	पदोन्नति	ग	06.01.2023	-
28	श्री भंवरा राम कस्वां	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
29	आशुतोष जी कुमावत	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	21.02.2023	-
30	श्री अर्काप्रावो बेरा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	09.03.2023	-
31	श्री सुनील कुमार जांगिड़	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
32	सुश्री निमिषा गुप्ता	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	23.03.2023	-
33	श्री नितेश जैन	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
34	श्री युवराज सिंह राठौड़	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
35	श्री दीपक सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	16.02.2023	-
36	श्री राहुल सैनी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	24.02.2023	10.04.2023
37	श्री अखिलेश तिवारी	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	06.01.2023	16.02.2023

बी 2. **<u>अकादमिक वर्ष के दौरान नियमित प्रशासनिक और 23-2022शिक्षकेत्तर कर्मचारी:</u>**

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
1	श्री प्रदीप अग्रवाल	वित्त अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
2					
2	डॉ. हरि सिंह परिहार	संयुक्त कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	-
3	श्री सुलतान सिंह	अधिशाषी अभियंता	सीधी भर्ती	क	-
4	श्रीमती सोभाग्यवती गुप्ता	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	-
5	श्री सरोजा कुमार पांडा	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	सीधी भर्ती	क	-
6	श्रीमती अनुराधा मित्तल	जनसंपर्क अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
7	डॉ. ओम कुमार कर्ण	हिन्दी अधिकारी	सीधी भर्ती	क	-
8	डॉ. अंकुर मित्तल	चिकित्सा अधिकारी (पुरुष)	सीधी भर्ती	क	-
9	श्री श्याम सिंह	सहायक कुलसचिव	पदोन्नति	क	-
10	श्री आशीष कुमार गुप्ता	सहायक कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	-
11	श्री मनोज कुमार इंदौरिया	सहायक कुलसचिव	पदोन्नति	क	-
12	श्री शक्ति सिंह पँवार	सूचना वैज्ञानिक	सीधी भर्ती	क	-
13	श्री विकास कुमार सिन्हा	प्रणाली विश्लेषक	सीधी भर्ती	क	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
14	श्री रमेश सिंह सोलंकी	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
15	श्री गौरव शर्मा	अनुभाग अधिकारी	पदोन्नति	ख	-
16	श्री प्रदीप कुमार गर्ग	अनुभाग अधिकारी	पदोन्नति	ख	-
17	श्री शफीक मोहम्मद	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
18	श्री इंद्रपाल	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
19	श्री लोकेश विजयवर्गीय	अनुभाग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
20	श्री कार्तिक भाटी	सहायक अभियंता (विद्युत)	सीधी भर्ती	ख	-
21	श्री राजपाल सिंह रेवाड	सुरक्षा अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
22	श्री भारत भूषण गुप्ता	निजी सचिव	पदोन्नति	ख	-
23	श्री राजेश कुमार	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)	सीधी भर्ती	ख	-
24	श्री दर्पण बंसल	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)	सीधी भर्ती	ख	-
25	श्री सेवा राम कुमावत	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
26	श्री संजय गौड़	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
27	श्री मोहित जामड़	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
28	श्री संजय जोशी	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
29	श्री नरेश कुमार मंगल	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
30	श्री अवधेश विजय	वरिष्ठ तकनीकी सहायक	पदोन्नति	ख	-
31	श्री गिरधारी लाल वर्मा	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
32	श्रीमती नेहा बजाज	सहायक	पदोन्नति	ख	-
33	सुश्री प्रतिमा चट्टराज	सहायक	पदोन्नति	ख	-
34	श्री विनीत प्रकाश बिश्नोई	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
35	श्री पुनित अग्रवाल	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
36	श्रीमती हेमा चौधरी	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
37	श्री जहांगीर कुरैशी	सहायक	सीधी भर्ती	ख	-
38	श्रीमती दीपिका कुमारी डांगी	नर्सिंग अधिकारी	सीधी भर्ती	ख	-
39	श्री अखिलेश तिवारी	फार्मासिस्ट	सीधी भर्ती	ख	-
40	श्री होशियार सिंह पालावत	कनिष्ठ अनुवादक	सीधी भर्ती	ख	-
41	श्री धर्मेन्द्र चौधरी	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
42	श्री जय राम चेजारा	सुरक्षा निरीक्षक	सीधी भर्ती	ग	-
43	श्री विवेक व्यास	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
44	श्री पुष्पेन्द्र कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
45	श्री सत्यनारायण राव	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
46	श्री पंकज कुमार टेलर	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
47	श्री गिरिराज शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
48	डॉ आरिफ खान	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
49	श्री संदीप शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
50	श्री विमल कुमार जैन	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
51	श्री दशरथ कुमार शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
52	श्री शिवजी राम जाट	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
53	श्री रेवंत कुमार	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
54	श्री राहुल शर्मा	प्रयोगशाला सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
55	श्री राजेंद्र कुमार सोनी	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	-
56	श्री सोम्यजीत डे	पुस्तकालय सहायक	सीधी भर्ती	ग	-
57	श्री मनोज पारीक	पुस्तकालय सहायक	पदोन्नति	ग	-
58	श्री संतोष कुमार कुमावत	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
59	श्री दिलीप रायचंदानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
60	सुश्री लता गुरबक्सानी	प्रवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
61	श्री शिव राज बैरवा	प्रवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
62	श्री गिरराज प्रसाद शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
63	श्री मधुर सागर शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
64	श्री सुरेंद्र सिंह राजावत	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
65	श्री विनोद चौधरी	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
66	श्री पवन कुमार शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
67	श्री नवीन चंद सेन	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
68	श्री गोविंद कुमावत	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
69	श्री ललित भोपरिया	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
70	श्री योगेश कुमार मीना	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
71	श्री गौरव कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
72	श्री गणपत लाल सोलंकी	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
73	श्री अंशू शर्मा	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
74	श्रीमती शर्मिला औथा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
75	श्री मंगल चंद धानका	अवर श्रेणी लिपिक	पदोन्नति	ग	-
76	श्री विष्णु कुमार गुप्ता	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
77	श्री रवि प्रकाश बोहरा	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
78	श्री अंकित यादव	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
79	श्री यशपाल सोलंकी	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
80	श्री अनिल जांगिड़	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	-
81	श्री नवीन कुमार शर्मा	वाहन चालक (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	-
82	श्री राजवीर सिंह	रसोईया (ग्रेड II)	पदोन्नति	ग	-
83	श्री गौरव सुखवाल	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
84	श्री संजय कुमार शर्मा	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
85	श्री हुकमा राम मेघवाल	वाहन चालक	सीधी भर्ती	ग	-
86	श्री सत्य नारायण सोलंकी	रसोईया	पदोन्नति	ग	-
87	श्री जय सिंह रावत	छात्रावास परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
88	श्री नथमल टाक	छात्रावास परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
89	श्री खीमा राम	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
90	श्री आशीष कुमार शर्मा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
91	श्री भागीरथ आशिया	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	चयन प्रणाली	समूह	कार्यमुक्ति तिथि (यदि कोई हो)
92	श्री विष्णु बंसल	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
93	श्री भंवरा राम कस्वां	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
94	आशुतोष जी कुमावत	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
95	श्री अर्काप्रावो बेरा	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
96	सुश्री प्रिया शर्मा	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
97	श्री नितेश यादव	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
98	श्री सुनील कुमार जांगिड़	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
99	सुश्री निमिषा गुप्ता	पुस्तकालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	-
100	श्री आशीष कुमार शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
101	श्री लेखराज	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
102	श्री सागर मल गुजर	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
103	श्री नितेश जैन	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
104	श्री युवराज सिंह राठौड़	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
105	श्री दीपक सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ	सीधी भर्ती	ग	-
106	श्री मुनीश मलिक	वित्त अधिकारी	सीधी भर्ती	क	28.12.2022
107	कर्नल ब. वेंकट	कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	31.05.2023
108	श्री प्रदीप कुमार	सहायक कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	12.12.2022
109	श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव	संयुक्त कुलसचिव	सीधी भर्ती	क	30.05.2023
110	श्री शंकर कुमार गुप्ता	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	01.03.2023
111	श्री भारत भूषण गुप्ता	वैयक्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ख	22.11.2022
112	श्री दिबाकर सेन	अर्ध वृत्तिक सहायक	सीधी भर्ती	ग	19.04.2023
113	श्री राहुल सैनी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	10.04.2023
114	सुश्री मालविका सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	सीधी भर्ती	ग	13.02.2023
115	श्री अखिलेश तिवारी	प्रयोगशाला सहायक	पदोन्नति	ग	16.02.2023
116	श्री राजेंद्र कुमार सोनी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	24.02.2023
117	श्री नरेश कुमार मंगल	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	22.11.2022
118	श्री अवधेश विजय	तकनीकी सहायक	सीधी भर्ती	ग	22.11.2022
119	श्री सत्य नारायण सोलंकी	रसोई परिचर	सीधी भर्ती	ग	22.11.2022
120	श्री अखिलेश तिवारी	प्रयोगशाला परिचर	सीधी भर्ती	ग	22.11.2022
121	श्री मंगल चंद धानका	चपरासी/कार्यालय परिचर	सीधी भर्ती	ग	22.11.2022

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय राजमार्ग-8, बांदरसिंदरी, किशनगढ़
जनपद-अजमेर (राजस्थान), भारत - 305817
फ़ोन (ऑफिस): +91-1463-238755, फैक्स: +91-1463-238722
वेबसाइट: https://www.curaj.ac.in, ईमेल: info@curaj.ac.in